सम-सामयिक घटना चक्र

मासिक करेन्ट नोट्स एवं सामयिक आलेख

वर्ष : 26 जून, 2018 अंक : 4 मूल्य : 60/-

इस अंक के साथ

निःशुल्क

Website : http//www.ssgcp.com/
https://www.facebook.com/ssgcpl
https://www.facebook.com/ssgc.gs.qa
https://plus.google.com./+Ssgcpssgcp
https://twitter.com/SamsamyikGhatna

8 अप्रैल, 2018 को संपन्न RO/ARO परीक्षा सामान्य हिन्दी हल प्रश्न पत्र (पृष्ठ : 127-132)

सिविल सेवा परीक्षा में 8वें स्थान पर चयनित **अनुभव सिंह** से साक्षात्कार वार्ता

चोगम 2018
भारत के लिए नए अवसर

RNI No.: 59620/1993

सम-सामयिक घटना चक्र

वर्ष - 26 अंक - 04

जून, 2018 मूल्य - 60/-

- संपादकीय कार्यालय :

सम-सामयिक घटना चक्र

188A/128 एलनगंज, चर्चलेन,
इलाहाबाद - 211002

- फोन : 0532-2465524, 9335140296
- ई-मेल : ssgcald@yahoo.co.in
- वेबसाइट : ssgcp.com
- संपर्क समय : प्रातः 12 से सायं 8 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार)

- © सम-सामयिक घटना चक्र - किसी भी रूप में सामग्री की नकल प्रतिबंधित।
- सभी विवादों का निबटारा इलाहाबाद की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरम में किया जाएगा।

- **संपादक** - संतोष कुमार चौधरी
- **उप संपादक** - सौरभ मेहरोत्रा
- **सदस्य संपादक मण्डल** - कालीशंकर 'शारदेय', विकास कुमार शुक्ल, गोपाल कृष्ण पाण्डेय
- **संपादकीय समन्वयक** - राजकुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार तिवारी
- **कंप्यूटर सहयोग** - फैजुल इस्लाम अंसारी, बृजेश पटेल
- **लेखा प्रबंधक** - आर.पी. भट्ट
- **विज्ञापन प्रबंधक** - जितेन्द्र द्विवेदी
- **प्रबंध संपादक** - ममता चौधरी

सम-सामयिक घटना चक्र प्रकाशित लेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। उनके विचारों से संपादकीय सहमति जरूरी नहीं है। संपादक की लिखित अनुमति के बिना इस पत्रिका में प्रकाशित किसी भी सामग्री को उद्धृत या उसका अनुवाद नहीं किया जा सकता है। पाठकों से अनुरोध है कि पत्रिका में छपे किसी भी विज्ञापन की सूचना की समुचित जांच स्वयं करके संतुष्ट हो लें।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी संतोष कुमार चौधरी द्वारा उन्हीं के लिए अमर मुद्रणालय 15/1/7, कटरा रोड, माधो कुंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 188A/128, एलनगंज चर्चलेन इलाहाबाद से प्रकाशित। संपादक - संतोष कुमार चौधरी

अनुक्रमणिका

आवरण आलेख
(पृ.सं. : 5 - 9)
चोगम 2018 : भारत के लिए नए अवसर

सामयिक आलेख - 1
(पृ.सं. : 10 - 16)
राष्ट्रमंडल खेल, 2018

सामयिक आलेख - 2
(पृ.सं. : 17 - 19)
आईआरएनएसएस-1आई का सफल प्रमोचन

सामयिक आलेख - 3
(पृ.सं. : 20 - 22)
एस.सी./एस.टी. एक्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

सामयिक आलेख - 4
(पृ.सं. : 23 - 26)
नव शीत युद्ध की आशंका?

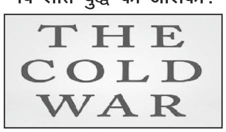

सामयिक आलेख - 5
(पृ.सं. : 27 - 30)
न्यायपालिका की साख पर संकट

सामयिक आलेख - 6
(पृ.सं. : 31 - 35)
दयामृत्यु : एक ऐतिहासिक निर्णय

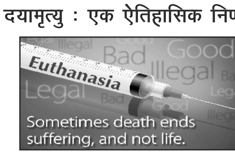

फोकस (पृ.सं. : 36 - 57)

● प्रधानमंत्री की स्वीडन, यूके तथा जर्मनी यात्रा ● भारत में अध्ययन कार्यक्रम ● ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (TPP)-11 ● मृत्युदंड पर एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट ● उन्नत भारत अभियान 2.0 ● 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस ● राष्ट्रीय बांस मिशन का पुनर्गठन ● राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर ● जीसैट-6ए का प्रक्षेपण ● रेशम उद्योग के विकास हेतु एकीकृत योजना ● महापत्तन प्राधिकरण विधेयक, 2016 ● विश्व जल विकास रिपोर्ट, 2018 ● नौसैन्य अभ्यास वरुण, 2018 ● नासा के गोल्ड और आइकॉन मिशन ● दिसंबर-अंत, 2017 में भारत का विदेशी ऋण ● मध्यकालिक राजकोषीय पुनःसंरचना नीति, 2018

राष्ट्रीय परिदृश्य (पृ.सं. : 58 - 68)

● प्रोजेक्ट धूप ● गंगा हरीतिमा अभियान, 2018 ● मॉ कार्यक्रम ● किशनगंगा जलविद्युत परियोजना ● उपदान संदाय (संशोधन) अधिनियम, 2018 ● नई एकीकृत विद्यालय शिक्षा योजना ● जर्मनी के राष्ट्रपति की भारत यात्रा ● कैप इंडिया, 2018 ● राष्ट्रीय खान और खनिज सम्मेलन ● कटहल : केरल का आधिकारिक फल ● अटल भूजल योजना ● साथ-ई रोडमैप ● लक्ष्य कार्यक्रम ● महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन ● कनहर बैराज परियोजना ● राष्ट्रीय ई-गतिशीलता कार्यक्रम ● उत्तर प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य (पृ.सं. : 69 - 74)

● मलेशिया के नए प्रधानमंत्री ● फोर्ब्स : विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्ति ● स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स ● यूरोप का कॉपरनिकस कार्यक्रम ● नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव ● ऊर्जा पारगमन सूचकांक ● वर्ल्डवाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग सर्वे, 2018 ● रूपपुर परमाणु संयंत्र समझौता ● तापी गैस पाइपलाइन परियोजना

आर्थिक परिदृश्य (पृ.सं. : 75 - 80)

● प्रथम द्वैमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19 ● निर्यात सुगमता हेतु डिजिटल पहल ● भारत मक्का सम्मेलन ● उद्यम सखी पोर्टल ● पूर्वोत्तर में पहला 'क्षेत्रीय कृषि केंद्र' ● भारत : अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियों का 12वां बड़ा धारक ● फसल अवशेषों के यथास्थान प्रबंधन हेतु प्रोत्साहन ● राष्ट्रीय आय : द्वितीय अग्रिम अनुमान, 2017-18

वैज्ञानिक परिदृश्य (पृ.सं. : 81 - 86)

● ब्रह्मांड में सबसे दूर स्थित तारा ● हैमर अंतरिक्षयान ● गगन शक्ति, 2018 सैन्य अभ्यास ● खंजर-V संयुक्त सैन्य अभ्यास ● नौसैन्य अभ्यास गल्फ स्टार-1 ● ब्रह्मोस मिसाइल ● भारतीय तटरक्षक नौका सी-437 ● विंग्स इंडिया, 2018 ● रूस द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण ● दस्तक अभियान

स्थायी स्तंभ (पृ.सं. : 87 - 144)

❑ संक्षिप्तियां ❑ खेल परिदृश्य ❑ विशेष
❑ संवाद ❑ ज्ञानिकी ❑ सामयिक प्रश्नकोश

सदस्यता शुल्क

अर्द्धवार्षिक	वार्षिक	द्विवार्षिक
250.00	500.00	1000.00

**सदस्यता शुल्क मनीऑर्डर द्वारा कार्यालय को प्रेषित करें।
ग्राहक मनीऑर्डर फार्म पर अपना नाम, पता एवं मांग स्पष्ट लिखें।
पते के साथ अपना मोबाइल अथवा फोन नंबर (यदि हो) भी लिख दें।**

राष्ट्रमंडल जैसे संगठन अपनी जनसांख्यिक शक्ति के बावजूद गत दशक में उपेक्षित ही रहे हैं। इस संगठन के सम्मेलन में 55 प्रतिशत जनसंख्या की भागीदारी रखने वाले भारत के किसी प्रधानमंत्री ने वर्ष 2010 के बाद पहली बार वर्ष 2018 में प्रतिभाग किया है। भारतीय प्रधानमंत्री ने इस सम्मेलन में न केवल सहभागिता की बल्कि संगठन के कोष में भारत के तकनीकी सहयोग को दोगुना करने की घोषणा करते हुए इसे 20 लाख पौंड कर दिया है। ब्रिटेन भी अब इस संगठन को अपने ऐतिहासिक गौरव से अधिक अन्य देशों के साथ समन्वय के मंच के रूप में देखता है। भारत के लिए भी यह ठीक है कि, ब्रिटेन से गुलामी के दौरान की कटुता को भुलाकर न केवल ब्रिटेन बल्कि संगठन के सभी 53 देशों के साथ सहयोग के मार्ग पर अग्रसर हो। इस विचार के मद्देनजर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री की सहभागिता एक दूरदर्शी कदम है। निश्चित रूप से भविष्य में इसके अनेक सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, इस अंक का आवरण आलेख ''**चोगम 2018 : भारत के लिए नए अवसर**'' को बनाया गया है।

12 मार्च, 2018 को राष्ट्रमंडल दिवस मनाया गया था। 4-15 अप्रैल के मध्य ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड-कोस्ट में वर्ष 2018 के 21वें राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में भारत पदक तालिका में स्वर्ण पदकों की दृष्टि से तृतीय स्थान पर तथा कुल पदकों की दृष्टि से चौथे स्थान पर रहा। इस अंक में 'राष्ट्रमंडल खेल, 2018' पर सामयिक आलेख प्रस्तुत किया गया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने अपने ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचन यान पीएसएलवी-सी41 के माध्यम से 12 अप्रैल, 2018 को नौवहन उपग्रह आईआरएनएसएस-1आई का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। नौवहन उपग्रह आईआरएनएसएस-1आई भारत की स्वदेशी नौवहन प्रणाली 'नाविक' (NAVIC : Navigation with Indian Constellation) में शामिल होने वाला 8वां उपग्रह है। इस विषय पर केंद्रित सामयिक आलेख इस अंक में प्रस्तुत है।

20 मार्च, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय ने डॉ. सुभाष काशीनाथ महाजन बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य मामले में निर्णय के तहत अनु.जाति एवं अनु. जनजाति अधिनियम, 1989 में कुछ संशोधन प्रस्तावित किया। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, ऐसा इस कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकने हेतु किया गया। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर अनु.जाति एवं जनजाति समुदाय के संगठनों तथा नेताओं द्वारा तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। इनका कहना है कि, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से उन्हें सामाजिक शोषण से जो रक्षा मिल रही थी, उसमें कमी आएगी और उनके खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ जाएंगी। इस विषय पर संपूर्ण कवरेज इस हेतु प्रस्तुत सामयिक आलेख में है।

मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कॉमन कॉज की याचिका पर विचार करने के उपरांत दयामृत्यु जैसे गंभीर मुद्दे पर 9 मार्च, 2018 को अपना ऐतिहासिक निर्णय सुनाया। न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार, भारत में निष्क्रिय यूथेनेसिया न्यायोचित तथा कानूनी रूप से मान्य है, जबकि सक्रिय यूथेनेसिया की अनुमति नहीं है। इसी के साथ यूथेनेसिया यानी दयामृत्यु पर बहस एक बार फिर शुरू हुई है। इस अंक में विश्लेषणात्मक सामयिक आलेख इस विषय पर भी दिया गया है।

हालिया वैश्विक तनावों को देखते हुए एक बार फिर शीत युद्ध की आशंका व्यक्त की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विश्लेषकों के अनुसार, यह शीत युद्ध द्विध्रुवीय के बजाय बहुध्रुवीय हो सकता है, जो अधिक चिंतनीय है। इस अंक में इसी आशंका पर विमर्श सामयिक आलेख के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है।

न्यायपालिका की साख पर उपजे नवीन संकट पर भी आलेख इस अंक में प्रस्तुत है। इस अंक के साथ अतिरिक्तांक के रूप में सामान्य विज्ञान (भाग-2) विषय पर सामग्री निःशुल्क प्रदान की गई है। उम्मीद है, यह अंक पाठकों को पसंद आएगा। पाठकों से अनुरोध है कि इस अंक पर अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।

चोगम 2018 : भारत के लिए नए अवसर

– विकास कुमार शुक्ल

यूनाइटेड किंगडम के लंदन शहर में 19-20 अप्रैल, 2018 के मध्य आयोजित राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों की शिखर बैठक 'चोगम, 2018' (CHOGM-Commonwealth Heads of Government Meeting) में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिरकत से वैश्विक राजनीतिक गलियारे में हलचल उत्पन्न हो गई। वैसे तो चोगम भी आम सम्मेलनों की तरह ही है, परंतु जिस तरह से प्रत्येक दो वर्षों पर आयोजित होने वाली इस शिखर वार्ता की वर्ष 2011, 2013 एवं 2015 की बैठकों से भारतीय राष्ट्राध्यक्षों/शासन प्रमुखों ने दूरी बनाए रखी, उसे देखते हुए वर्तमान भारतीय प्रधानमंत्री के इस बैठक में रुचि लेने के अनेक निहितार्थ निकाले जाने लगे तथा यह प्रश्न भी उठ खड़ा हुआ कि वर्षों से भारतीय प्राथमिकताओं की सूची में हाशिए पर रहा राष्ट्रमंडल का मंच अचानक से प्राथमिकताओं के केंद्र में कैसे आ गया? गुलामी के प्रतीक तथा ब्रिटिश साम्राज्यवाद का महिमामंडन करने वाले मंच की संज्ञा से नवाजे जाने वाले इस संगठन से भारत के स्वयं को अलग कर लेने तथा अपने ऊपर पड़े इस मानसिक गुलामी के जुए को उतार फेंकने के तर्कों के बीच भारतीय प्रधानमंत्री के इस मंच से विशेष अनुराग ने न केवल इन तर्कों पर विराम लगा दिया, अपितु इन पर पुनर्विचार की जरूरत को भी रेखांकित किया है।

❑ पृष्ठभूमि

राष्ट्रमंडल एवं भारतीय संबंध की जड़ें इतिहास में काफी गहरी हैं। भारत इस संगठन के आधुनिक स्वरूप का संस्थापक सदस्य है और वो भी अपनी शर्तों पर। राष्ट्रमंडल देशों के संगठन की शुरुआत वर्ष 1911 में डोमिनियन स्टेट का दर्जा प्राप्त देशों के इम्पीरियल सम्मेलन से ही हो गई थी। वर्ष 1920 में इस संगठन का नाम ब्रिटिश राष्ट्रमंडल रखा गया। उस समय ब्रिटिश राष्ट्रमंडल यूनाइटेड किंगडम तथा 5 डोमिनियन स्टेटों यथा-कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका तथा आयरलैंड का एक सलाहकारी संगठन था। उल्लेखनीय है कि डोमिनियन स्टेट्स प्राप्त देश वे देश थे, जो पूर्व में तो ब्रिटिश उपनिवेश थे, परंतु उन्हें कुछ विशेष मामलों (रक्षा, संचार, विदेश आदि) को छोड़कर शेष मामलों में स्वायत्तता प्राप्त थी। ब्रिटिश राष्ट्रमंडल समानता पर आधारित स्वायत्त राष्ट्रों का संगठन था, परंतु इन राष्ट्रों को अनिवार्यतः ब्रिटिश क्राउन के प्रति निष्ठा रखने की शर्त का पालन करना होता है।

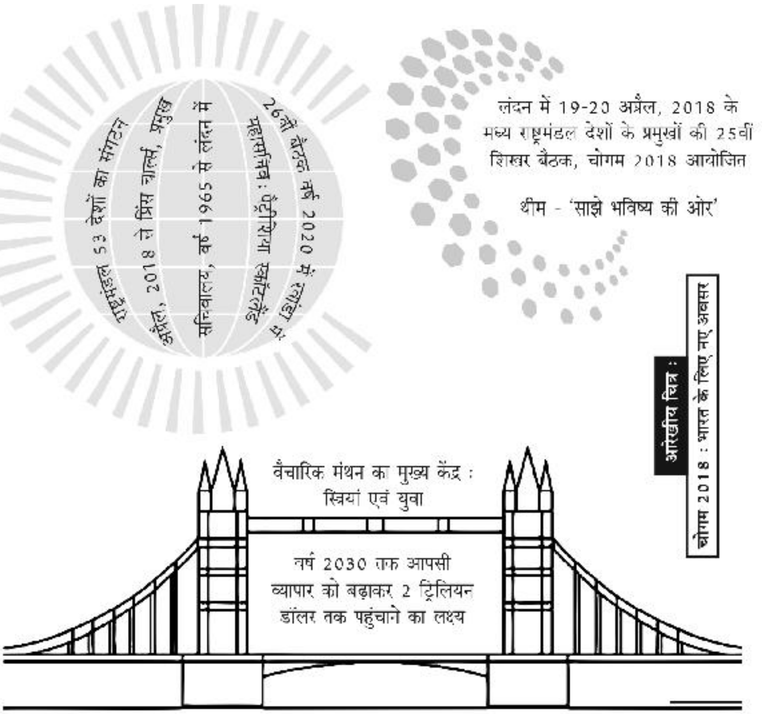

आरेखीय चित्र : चोगम 2018 : भारत के लिए नए अवसर

आगे चलकर जब भारत ने वर्ष 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त की, तो उसने राष्ट्रमंडल की सदस्यता हेतु अरुचि तो नहीं दिखाई, परंतु भारत ने दो स्तरीय सदस्यता एवं ब्रिटिश क्राउन के प्रति निष्ठा रखने की शर्त को मानने से इन्कार कर दिया। भारत ने स्वयं को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न तथा गणतंत्रात्मक राज्य बनाने का संकल्प प्रस्तुत किया। ब्रिटेन जो भारत को राष्ट्रमंडल का सदस्य बनाने हेतु इच्छुक था, के प्रभाव से भारत सहित अन्य नव स्वतंत्र देशों को राष्ट्रमंडल में शामिल कराने हेतु नियमों में सुधार किया गया तथा वर्ष 1949 में लंदन घोषणा-पत्र जारी किया गया। इसके तहत ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का नाम बदलकर राष्ट्रमंडल (Commonwealth

राष्ट्रमंडल : एक दृष्टि में

- राष्ट्रमंडल 53 देशों का संगठन है।
- इस संगठन में 19 देश अफ्रीका से, 7 देश एशिया से, 13 देश अमेरिका एवं कैरीबिया से, 3 देश यूरोप से तथा 11 देश पैसिफिक से हैं।
- संगठन की प्रमुख ब्रिटेन की महारानी होती हैं, परंतु चोगम की 25 वीं बैठक (अप्रैल, 2018) से प्रिंस चार्ल्स को प्रमुख बनाए जाने की घोषणा की गई।
- यह संगठन परस्पर आर्थिक संवृद्धि को बढ़ाने, लोकतंत्र को प्रोत्साहन तथा विश्व शांति की स्थापना हेतु एक समर्पित मंच है।
- वर्तमान में विश्व की लगभग एक-तिहाई (2.4 बिलियन) जनसंख्या इन देशों में निवास कर रही है।
- यह मंच विश्व की युवा जनसंख्या के 40 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।
- यहां की कुल जनसंख्या का लगभग 60 प्रतिशत 30 वर्ष से कम आयु का है।
- राष्ट्रमंडल की सकल राष्ट्रीय आय (GNI) लगभग 10.7 ट्रिलियन डॉलर है।
- संयुक्त राष्ट्र की सकल सदस्यता का 25 प्रतिशत राष्ट्रमंडल देश हैं।
- प्रत्येक दो वर्षों पर इसके राष्ट्रप्रमुखों की बैठक होती है।
- इसकी पहली बैठक (चोगम) वर्ष 1971 में सिंगापुर में हुई थी।
- राष्ट्रमंडल का सचिवालय वर्ष 1965 में लंदन में स्थापित किया गया।
- वर्तमान में पैट्रीशिया स्कॉटलैंड इसकी महासचिव हैं, जिन्होंने भारत के कमलेश शर्मा के बाद स्थान ग्रहण किया।
- भारत राष्ट्रमंडल की सकल जनसंख्या के 55 प्रतिशत का अकेले ही नेतृत्व करता है।
- राष्ट्रमंडल देशों के मध्य सकल आंतरिक व्यापार में भारत की 26 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।
- राष्ट्रमंडल राष्ट्र प्रमुखों की 26वीं बैठक वर्ष 2020 में रवांडा में तथा 27वीं बैठक वर्ष 2022 में समोआ में प्रस्तावित है।

of Nations) किया गया। अब गणतंत्र राष्ट्रों की राष्ट्रमंडल में सदस्यता बनाए रखने की अनुमति दी गई। इसके अतिरिक्त ब्रिटिश क्राउन के प्रति निष्ठा की शर्त को भी समाप्त कर दिया गया तथा ब्रिटिश महारानी को स्वतंत्र राष्ट्रों के समूह राष्ट्रमंडल का प्रतीकात्मक प्रमुख मात्र स्वीकार किया गया। राष्ट्रमंडल के मंच पर यह भारत की प्रमुख रणनीतिक विजय थी। इस परिवर्तन से अनेक अफ्रीकी एवं छोटे-छोटे द्वीपीय देश राष्ट्रमंडल की सदस्यता हेतु प्रेरित हुए। ऐसा भी माना जाता है कि, पं. जवाहरलाल नेहरू ने न केवल आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने तथा नए-नए संबंधों को स्थापित करने के लिए अपितु इस मंच के माध्यम से पाकिस्तान को प्रतिसंतुलित करने एवं पाकिस्तान को इस महत्वपूर्ण मंच से एंटी इंडिया विचारों के प्रसार को रोकने हेतु इस संगठन की सदस्यता धारित की थी।

वर्तमान में राष्ट्रमंडल में कुल 53 देश सदस्य हैं, जो समानता के सिद्धांत पर आपस में जुड़े हुए हैं अर्थात सभी देशों का समान महत्व है चाहे वो कनाडा, भारत, ऑस्ट्रेलिया, यू.के. जैसे बड़े देश हों अथवा नौरू, वनुआतू, तुवालू आदि जैसे छोटे द्वीपीय देश।

❑ चोगम, 2018

वर्ष 2018 के 25वें चोगम में राष्ट्रप्रमुखों द्वारा एक न्यायपूर्ण, संवृद्धिशाली, धारणीय एवं सुरक्षित भविष्य हेतु सामूहिक प्रयास का संकल्प लिया गया। सम्मेलन का उद्देश्य इसकी थीम, 'साझे भविष्य की ओर' (Towards a Common Future) से ही स्पष्ट हो जा रहा है, जिसके तहत साझी समस्याओं का साझा समाधान खोजने का जतन स्पष्ट होता है। इस मंच से छोटे राज्यों के हितों के सम्मान को पुनः दोहराते हुए सभी के विकास हेतु आपसी सहयोग एवं समर्थन पर बल दिया गया। आतंकवाद, साइबर अपराध, मानव दुर्व्यापार, पर्यावरणीय संकट आदि को साझी समस्याएं मानी गईं तथा इनके निपटान हेतु साझी रणनीति की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। इस सम्मेलन में निर्धारित लक्ष्यों एवं उन्हें प्राप्त करने की रणनीतियों को चार शीर्षों में प्रस्तुत किया गया है।

● अधिक न्यायपूर्ण भविष्य

न्यायपूर्ण एवं विषमता से रहित विश्व जिसमें आयु, लिंग, प्रजाति, धर्म, संस्कृति, निवास स्थान आदि किसी भी आधार पर कोई भी भेदभाव न किया जा सके, का निर्माण चोगम की शीर्ष प्राथमिकताओं में है। मंच से सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक सहभागिता के माध्यम से एक मजबूत लोकतंत्र के निर्माण हेतु आवश्यक कदम उठाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। यहां वैचारिक मंथन के मुख्य केंद्र में स्त्रियां एवं युवा रहे। स्त्रियों के विकास में सर्वाधिक बाधक उनकी कम आयु में विवाह, परवरिश में भेदभाव तथा उनके विरुद्ध हिंसा को मानते हुए इन समस्याओं से निपटने हेतु सभी सदस्य देशों से 'महिलाओं के विरुद्ध विभेद के सभी रूपों की समाप्ति हेतु अभिसमय' (CEDAW-Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women) को पारित कराने एवं प्रभावी करने के प्रति वचनबद्धता व्यक्त की गई। युवाओं को आर्थिक विकास का मुख्य वाहक मानते हुए युवाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने की रणनीति पर विमर्श किया गया।

वर्ष 2018 दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला का जन्म शताब्दी वर्ष है। इस वर्ष को गरीबी, असमानता, विभेद तथा अल्प विकास की समस्याओं के समाधान हेतु समर्पित करने का आह्वान भी

इस सम्मेलन की विशेषता रही। वैश्विक अंतर्विरोधों का शांतिपूर्ण ढंग से समाधान, अंतरराष्ट्रीय प्रवसन एवं शरणार्थियों के मानवाधिकारों का संरक्षण, शरणार्थियों का सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक उनके देशों में पुनर्वास आदि पर व्यापक विमर्श किया गया तथा ऐसी समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक साझे प्रयास का आश्वासन दिया गया।

- **अधिक समृद्धशाली भविष्य**

राष्ट्रमंडल के मंच से परस्पर व्यापार को आर्थिक विकास का प्रेरक मानते हुए वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को बढ़ाकर 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया। आपसी विकास को और तीव्र करने तथा सभी देशों की अदोहित क्षमता से लाभ लेने हेतु परस्पर आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग को बढ़ाने, युवाओं एवं महिलाओं जो अब तक मुख्यधारा से दूर रहे हैं, को मुख्यधारा में शामिल करने तथा कौशल संवर्धन की गतिविधियों को तीव्र करने की रणनीति भी विमर्श के केंद्र में रही।

जहां इस मंच से आर्थिक सहयोग एवं व्यापार को विकास का मुख्य वाहक माना गया, वहीं संरक्षणवाद की कड़े शब्दों में भर्त्सना की गई तथा इसे आर्थिक विकास में अवरोधक की संज्ञा दी गई। मंच से संरक्षण के सभी रूपों की समाप्ति तथा एक स्वतंत्र, पारदर्शी, समावेशी एवं नियम आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के सृजन को समर्थन प्रदान किया गया।

- **अधिक धारणीय भविष्य**

राष्ट्रमंडल के कई सदस्य द्वीपीय हैं, जबकि कई समुद्र तटीय हैं। ऐसे में समुद्र से उत्पन्न लाभ एवं समुद्र के कारण जोखिम दोनों का ही स्तर काफी उच्च है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचाव हेतु मंच से जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के कड़ाई से परिपालन का आह्वान किया गया है। एक अनुमान के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न परिणाम वर्ष 2030 तक 100 मिलियन से अधिक लोगों को गरीबी में ढकेल देगा। ऐसी स्थिति में आपदा जोखिम के आकलन, आपदा से बचाव, आपदा के समय राहत कार्यक्रम एवं आपदा पश्चात पुनर्वास हेतु आवश्यक वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग का आश्वासन दिया गया।

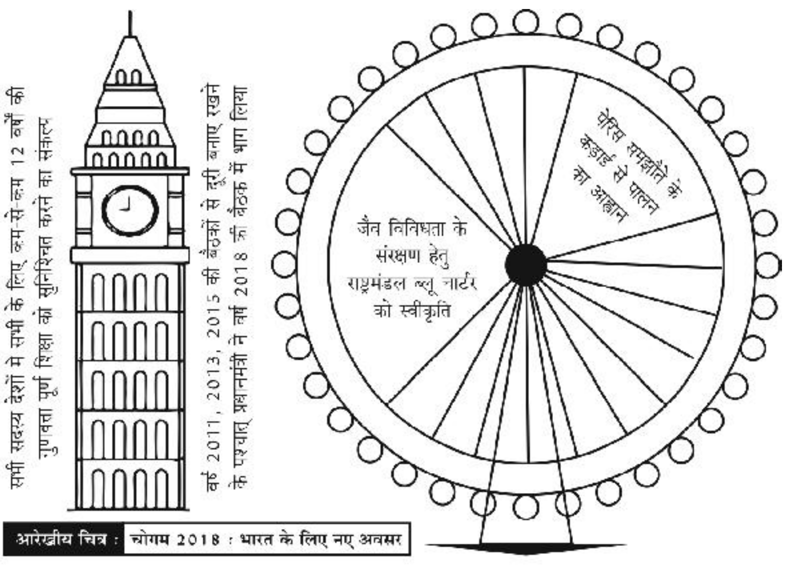

आरेखीय चित्र : चोगम 2018 : भारत के लिए नए अवसर

महासागरीय अवसरों से लाभ उठाने के साथ-साथ महासागरीय जैव-विविधता के संरक्षण हेतु सदस्य देशों ने राष्ट्रमंडल ब्लू चार्टर को स्वीकृति प्रदान की। इसके अतिरिक्त सदस्य देशों ने सौर, पवन, नाभिकीय एवं ज्वारीय ऊर्जा की अपार संभावनाओं के दृष्टिगत सभी की ऊर्जा सुरक्षा हेतु आपसी सहयोग को बढ़ाने की बात की। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों के उन्मूलन हेतु सहयोग तथा सभी सदस्य देशों में सभी के लिए कम-से-कम 12 वर्षों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करने का संकल्प भी सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धियों में से एक रहा।

- **अधिक सुरक्षित भविष्य**

साइबर अपराध, रासायनिक हथियार, अतिवादी विचारधारा का विस्तार, मानव दुर्व्यापार, बाल श्रम एवं शोषण, बाल सैनिक, बलात् श्रम आदि को सुरक्षित भविष्य की राह में बाधक मानते हुए इस पर सामूहिक रूप से प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस मंच से संगठित अपराध को अन्य सभी अपराधों की आश्रयस्थली मानते हुए इस पर लगाम लगाने को अनिवार्य माना गया। उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार, काले धन का शोधन, आतंकी वित्तपोषण, जानवरों एवं उनके अंगों का दुर्व्यापार आदि को संगठित अपराधियों द्वारा ही संरक्षण प्राप्त होता है। संगठित अपराध की जड़ खोदने हेतु देशों के मध्य सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं प्रत्यक्ष कार्रवाई को प्रमुख उपकरण माना गया। रासायनिक हथियारों को मानवता के लिए काफी जोखिमपूर्ण मानते हुए इसके पूर्ण निःशस्त्रीकरण की बात उठाई गई।

समग्र रूप से कहा जाए तो चोगम, 2018 के मंच से आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय, राजनैतिक सहभागिता के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलनों पर भी विशेष जोर दिया गया तथा विश्व व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों की कड़े शब्दों में भर्त्सना की गई।

❑ भारत की राष्ट्रमंडल की सदस्यता का औचित्य

वर्ष 2018 के 25वें चोगम में नरेंद्र मोदी की शिरकत ने पिछले 9 वर्षों से भारत-राष्ट्रमंडल संबंधों पर पड़ी धूल को उड़ा दिया है, परंतु इसी के साथ भारत की राष्ट्रमंडल की सदस्यता के औचित्य का प्रश्न भी खड़ा हो गया है। अनेक लोग जहां इसे गुलामी एवं शोषण का प्रतीक मानते हुए इससे भारत को किनारा करने का तर्क दे रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर अतीत को भुलाकर वर्तमान एवं भविष्य देखने वाले लोग राष्ट्रमंडल के मंच को भारत की ऊंची छलांग का मजबूत प्लेटफॉर्म मानते हैं।

● **सदस्यता छोड़ देने का तर्क**

अनेक लोग भारत की राष्ट्रमंडल में सदस्यता को गैर-जरूरी एवं नैतिक रूप से गलत मानते हैं। इनका तर्क है कि यह ब्रिटिश साम्राज्यवाद का परिवर्तित स्वरूप मात्र है। यह ब्रिटिश शासन द्वारा देशों को बार-बार उनकी ब्रिटिश अधीनस्थता तथा स्वयं की सर्वोच्चता को दर्शाने का एक तरीका है। इसके अतिरिक्त ऐसा संगठन जिसका प्रमुख भारत के शोषण, भारत में अकाल एवं मृत्यु तथा अनेक लोगों पर अमानवीय यातना हेतु उत्तरदायी रहा है, की सदस्यता को नैतिक समर्थन प्राप्त नहीं होता है। यह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के बलिदानों का माखौल उड़ाने वाला है।

इसके अतिरिक्त इस संगठन की सदस्यता को धारण करना आर्थिक रूप से भी अत्यधिक भार वाला माना जाता है। इस संगठन के अधिकांश सदस्य गरीब हैं, जिनके विकास हेतु भारत को भी अधिक व्यय करना होता है, बावजूद इसके कि भारत के समक्ष स्वयं की अनेक गंभीर समस्याएं हैं। जिस तरह कमजोर नाव में अनावश्यक पत्थरों का बोझ नहीं डालना चाहिए, उसी तरह भारत को भी अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए न कि ख्याली दुनिया में डूबकर काल्पनिक परियोजनाओं में निवेश पर व्यय करना चाहिए। यहां के अनेक देशों में अशांति एवं मानवाधिकार के हनन की भी गंभीर समस्याएं प्रकाश में आती रही हैं, अतः नैतिकता भी भारत को ऐसे संगठन की सदस्यता की स्वीकृति प्रदान नहीं करती है।

राष्ट्रमंडल की सदस्यता भारत को कहीं न कहीं पूंजीवादी खेमे की ओर भी खींचती है, जो भारत की गुट-निरपेक्ष पहचान को दुष्प्रभावित करती है। एक और तर्क यह भी रखा जाता है कि जब अन्य मंचों (जी-20, जी-77 आदि) से भारतीय हितों की पूर्ति हो जा रही है, तो भारत इस मंच पर ब्रिटेन का पिछलग्गू क्यों बना रहे?

● **सदस्यता जारी रखने का तर्क**

यह सत्य है कि इतिहास के रास्ते ही वर्तमान एवं भविष्य तक पहुंचा जाता है तथा इतिहास से ये दोनों प्रभावित भी होते हैं, परंतु क्या इतिहास को ही हमेशा गले लगाया जाए तथा भावी अवसरों को जाने दिया जाए? किसी भी बौद्धिक व्यक्ति का उत्तर सदैव नकारात्मक होगा। यही बात राष्ट्रमंडल की सदस्यता के संदर्भ में भी लागू होती है। राष्ट्रमंडल का मंच भारत के लिए राजनैतिक, रणनीतिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राष्ट्रमंडल का मंच जितना वर्तमान में महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक यह भविष्य की दृष्टि से लाभदायक है। यह मंच 53 सदस्यीय है, जिसमें से एक (यूनाइटेड किंगडम) तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य भी है। भारत की इस परिषद में स्थायी सदस्यता के समर्थन की दृष्टि से यह मंच काफी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि ये सभी देश संयुक्त राष्ट्र की कुल सदस्यता के एक-चौथाई का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत जो वैश्विक नेतृत्व एवं वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका में स्वयं को स्थापित करता जा रहा है, यह मंच उसे और भी संबल प्रदान करेगा। यह भारत को अपने विश्व शांति के एजेंडे को भी प्रयोग करने का उपयुक्त मंच प्रदान करता है। भारत इस मंच के माध्यम से बहुपक्षीय के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों में भी सुधार कर सकता है तथा अपनी भू-स्थैतिकी पहुंच को बढ़ा सकता है, जिससे वह चीन की बेल्ट एवं रोड इनिशिएटिव (BRI) निवेश डिप्लोमेसी तथा मोतियों की माला नीति को भी प्रतिसंतुलित कर पाएगा। इस मंच पर चीन की अनुपस्थिति है, जिससे पाकिस्तान का संरक्षण तथा चीनी एजेंडे को थोपने से भी दूरी बनी रहती है। अतः पाकिस्तान को घेरने की दृष्टि से भी यह काफी महत्वपूर्ण मंच है। इसके अतिरिक्त ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इसके अधिकांश देश परंपरागत तथा गैर-परंपरागत दोनों तरह के ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध हैं।

इस मंच का आर्थिक महत्व भी कम नहीं है, इसके सदस्य देश जहां भारतीय वस्तुओं/उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार प्रस्तुत करते हैं, वहीं भारत के लिए निवेश का बेहतर विकल्प भी प्रदान करते हैं। भारतीय मानव संसाधन के अनुप्रयोग की दृष्टि से भी यह मंच काफी लाभदायक है।

भारत जो सदैव से कला एवं संस्कृति का संरक्षक रहा है तथा स्वयं भी विविध सांस्कृतिक धरोहरों से ओत-प्रोत है, यह मंच इसे सांस्कृतिक संरक्षक तथा मानव कल्याण के दायित्व का एक अवसर प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रमंडल की सदस्यता से भारत को अनेक प्रत्यक्ष लाभ भी हैं। भारत को इस मंच के माध्यम से अनेक तकनीक, आर्थिक, शैक्षणिक, भूमि के रणनीतिक उपयोग आदि का लाभ होता है। भारत के बृहद स्वरूप को देखते हुए इसके राष्ट्रमंडल के भावी नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आने की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता है।

❑ उपसंहार

आज के बदले वैश्विक शक्ति समीकरण में भारत बराबर के स्थान पर बैठा है। आज का भारत, कल के भारत की तुलना में बदला-बदला नजर आता है। कल के अपने विकास एवं कल्याण की जद्दोजहद से परे आज का भारत अधिक ऊर्जावान तथा विश्व व्यवस्था में हस्तक्षेप हेतु उत्सुक नजर आता है। आज भारत विश्व के संदर्भों पर न केवल खुलकर बोलता है, अपितु सहयोग हेतु भी इच्छुक रहता है। यही तत्परता राष्ट्रमंडल के मंच पर भी दिखाई गई। भारतीय शासन प्रमुख की इस मंच पर उपस्थिति तथा भारत की एक विश्व संरक्षक की भूमिका में स्वयं का प्रस्तुतीकरण न केवल समय की आवश्यकता है, बल्कि भारतीय कद पर सुशोभित भी होता है। राष्ट्रमंडल का मंच भारत के लिए आर्थिक, राजनैतिक, सामरिक एवं सांस्कृतिक चारों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारत की इस सम्मेलन में सहभागिता एक दूरदर्शी कदम है तथा भविष्य में इससे अनेक सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलेंगे। ■■■

सामयिक आलेख - 1

सम-सामयिक विचार

वैचारिक आलेखों का स्तम्भ

राष्ट्रमंडल खेल, 2018

— बृजेश रावत

महारानी विक्टोरिया के पड़नाती लॉर्ड माउंटबेटन जब भारत को स्वतंत्रता प्रदान करने की जिम्मेदारी के साथ नई दिल्ली आए तो उन्होंने एक ऐसा लक्ष्य अपने लिए निर्धारित कर लिया था, जिसकी जिम्मेदारी ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने उन्हें नहीं सौंपी थी। यह लक्ष्य था भारत को किसी प्रकार राष्ट्रमंडल संगठन में रहने के लिए तैयार कर लेना। दरअसल राष्ट्रमंडल उस ब्रिटिश साम्राज्य के गौरव का प्रतीक था, जिसमें कभी सूर्यास्त नहीं होता था। राष्ट्रमंडल खेल सदस्य देशों के बीच सूत्र-बंधन के माध्यम होते थे। यद्यपि कि लॉर्ड माउंटबेटन अपने लक्ष्य में सफल रहे थे, भारत राष्ट्रमंडल सदस्य बनने के लिए सहमत हुआ था और इसने स्वतंत्रता पश्चात संगठनात्मक खेलों में भाग भी लिया किंतु भारत में राष्ट्रमंडल खेलों का प्रथम आयोजन 2010 में ही हो सका।

राष्ट्रमंडल खेल एक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन है, जिसमें वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अफ्रीका के कुछ देशों और भारत, पाकिस्तान सहित 53 राष्ट्रकुल सदस्य देशों के 71 क्षेत्रों की टीमें हिस्सा लेती हैं। इन खेलों में कई ओलंपिक खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन तो होता ही है साथ ही इसमें लॉन बाउल्स, रग्बी सेवंस एवं नेट बॉल जैसे वे खेल भी शामिल किए जाते हैं, जो मुख्यतः राष्ट्रमंडल देशों में ही खेले जाते हैं। इन खेलों का आयोजन **'राष्ट्रमंडल खेल महासंघ'** (CGF : Commonwealth Games Federation) के तत्वावधान में होता है, जिसका मुख्यालय लंदन में है। महासंघ ही खेल कार्यक्रमों पर नियंत्रण के साथ मेजबान शहर के चुनाव का कार्य भी करता है।

❑ राष्ट्रमंडल खेलों की पृष्ठभूमि

राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन पहली बार वर्ष 1930 में कनाडा के ओंटेरियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में किया गया। तब इस खेल आयोजन का नाम **'ब्रिटिश एम्पायर गेम्स'** (British Empire Games) था। इसके नाम में कई बार बदलाव हुए, वर्ष 1954 में इसे **'ब्रिटिश एम्पायर और कॉमनवेल्थ गेम्स'** के नाम से पुकारा गया, तो वर्ष 1970 में **'ब्रिटिश कॉमनवेल्थ गेम्स'** से। आखिरकार वर्ष 1978 में इसे सर्वसम्मति से **कॉमनवेल्थ गेम्स** नाम दिया गया।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के गोल्डकोस्ट शहर में 21वें राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ। इस आयोजन की समाप्ति के बाद ऑस्ट्रेलिया राष्ट्रमंडल खेलों की सर्वाधिक पांच बार मेजबानी करने वाला देश बन गया। कनाडा में इन खेलों का आयोजन चार बार किया गया है। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर (1950 एवं 1990) तथा स्कॉटलैंड के शहर एडिनबर्ग में (1970 एवं 1986) दो-दो बार ये खेल आयोजित किए जा चुके हैं। भारत में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन मात्र एक बार वर्ष 2010 (नई दिल्ली) में हुआ था। वर्ष 2018 के खेलों तक इन खेलों का आयोजन 9 देशों के 19 शहरों में कुल 21 बार हो चुका है।

आरेखीय चित्र : राष्ट्रमंडल खेल, 2018

❑ गोल्डकोस्ट : 21वें राष्ट्रमंडल खेल का मेजबान

वर्ष 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन हेतु मेजबान के चुनाव के लिए बोली लगाने (Bidding) की प्रक्रिया 31 मार्च, 2010 से प्रारंभ हुई। दो शहरों यथा गोल्डकोस्ट (ऑस्ट्रेलिया) तथा हम्बनटोटा (श्रीलंका) ने इन खेलों के आयोजन हेतु बोली लगाई थी। 11 नवंबर, 2011 को गोल्डकोस्ट शहर द्वारा मेजबानी का अधिकार प्राप्त करने की आधिकारिक घोषणा की गई। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की आम सभा के दौरान हुए मतदान में गोल्डकोस्ट ने हम्बनटोटा को 27 के मुकाबले 43 मतों से पराजित किया।

बोरोबी (शुभंकर)

वर्ष 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों का आधिकारिक शुभंकर (Mascot) बोरोबी (Borobi) था। बोरोबी एक नर कोआला (Male Koala) है, जिसके रोवें (Fur) नीले हैं और उसके पंजों पर असामान्य चिह्न अंकित हैं। गोल्डकोस्ट क्षेत्र में रहने वाले एक स्वदेशी ऑस्ट्रेलियाई समुदाय युगामबेह (Yugambeh) द्वारा कोआला को बोरोबी नाम से पुकारा जाता है। बोरोबी, राष्ट्रमंडल खेल, 2018 शुभंकर डिजाइन प्रतियोगिता की विजेता मेरिलिन क्रोहन द्वारा प्रस्तुत चरित्र पर आधारित है।

❑ क्वींस बेटन रिले

राष्ट्रमंडल खेलों की एक परंपरा है क्वींस बेटन रिले यानी मशाल दौड़। ये दौड़ इंग्लैंड में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के महल बकिंघम पैलेस से महारानी की उपस्थिति में प्रारंभ होती है। महारानी अपने शुभकामना संदेश के साथ रिले के प्रथम धावक को बेटन सौंपती हैं। खेलों के उद्‌घाटन समारोह के अवसर पर रिले का अंतिम धावक खुद महारानी या उनके प्रतिनिधि को बेटन सौंपता है, जो महारानी का संदेश पढ़कर खेलों के आधिकारिक उद्‌घाटन की घोषणा कर देते हैं। क्वींस बेटन रिले वर्ष 1958 में कॉर्डिफ, वेल्स में हुए ब्रिटिश एम्पायर एवं कॉमनवेल्थ खेलों से प्रारंभ हुई।

वर्ष 2018 के राष्ट्रमंडल खेल हेतु क्वींस बेटन रिले का शुभारंभ राष्ट्रमंडल दिवस के अवसर पर 13 मार्च, 2017 को बकिंघम पैलेस से महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा किया गया। महारानी ने बेटन पूर्व ऑस्ट्रेलियाई साइक्लिस्ट **एन्ना मीरेस** (Anna Meares) को सौंप दी और इस प्रकार वे बेटन की **प्रथम वाहक** बनीं। उल्लेखनीय है मीरेस ने वर्ष 2012 लंदन ओलंपिक तथा वर्ष 2004 एथेंस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। 3 अक्टूबर, 2017 को क्वींस बेटन नई दिल्ली पहुंची और 8 अक्टूबर, 2017 को बांग्लादेश के लिए रवाना कर दी गई। नई दिल्ली के अलावा उत्तराखंड के कुछ चुनिंदा जिलों में क्वींस बेटन को ले जाया गया था। अफ्रीका (दक्षिणी), अमेरिका (उत्तरी), कैरेबियन द्वीप, यूरोप, एशिया और ओशिनिया के छह राष्ट्रमंडल क्षेत्रों से गुजरते हुए बेटन रिले गोल्डकोस्ट पहुंची, जहां 4 अप्रैल, 2018 को 21वें राष्ट्रमंडल खेलों के उद्‌घाटन के पश्चात इसकी यात्रा समाप्त हो गई। अपनी 388 दिनों की यात्रा के दौरान बेटन ने कुल 2,30,000 किमी. की दूरी तय की।

प्रतीक चिह्न

21वें राष्ट्रमंडल खेलों के आधिकारिक प्रतीक चिह्न (Emblem) का अनावरण 4 अप्रैल, 2013 को किया गया था। यह गोल्डकोस्ट (खेल के मेजबान शहर) के क्षितिज और परिदृश्य का छायाचित्र है। यह प्रतीक, गोल्डकोस्ट के शानदार समुद्र तट इसके प्रतिष्ठित क्षितिज से प्रेरित है और इसके रंग तट के प्रतिनिधि हैं। एक जिमनास्ट, एक हर्डलर और एक तैराक के प्रतिनिधित्व पर केंद्रित यह प्रतीक खेलों की गहरी विरासत और मानवता को दर्शाता है।

❑ 21वें राष्ट्रमंडल खेल का भव्य शुभारंभ

21वें राष्ट्रमंडल खेलों का उद्‌घाटन समारोह 4 अप्रैल, 2018 को गोल्डकोस्ट के कैरारा स्टेडियम (Carrara Stadium) में आयोजित हुआ। उद्‌घाटन समारोह का मुख्य विषय (Theme) **'हैलो अर्थ'** (Hello Earth) था। इन खेलों का ध्येय वाक्य (Motto) **'शेयर द ड्रीम'** (Share the Dream) था। वर्ष 2012 लंदन ओलंपिक में 100 मीटर बाधा दौड़ की स्वर्ण पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया की **सैली पियर्सन** (Sally Pearson) को महारानी के प्रतिनिधि चार्ल्स, प्रिंस ऑफ वेल्स को बेटन सौंपने का श्रेय हासिल हुआ और इस प्रकार वे बेटन रिले की अंतिम धाविका बनीं। प्रिंस चार्ल्स ने महारानी का संदेश पढ़कर सुनाया और खेलों की आधिकारिक शुरुआत की घोषणा की। 71 क्षेत्रों की टीम परेड की शुरुआत वर्ष 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबान स्कॉटलैंड के दल के साथ हुई जबकि परेड की समाप्ति मेजबान ऑस्ट्रेलिया के दल के साथ हुई। उद्‌घाटन समारोह में भारतीय दल की ध्वजवाहक रियो ओलंपिक, 2016 की रजत पदक विजेता शटलर पी.वी. सिंधु रहीं।

❑ खेल प्रतिस्पर्धाएं एवं पदक तालिका

21वें राष्ट्रमंडल खेल की खेल प्रतिस्पर्धाएं 4-15 अप्रैल, 2018 के मध्य गोल्डकोस्ट में संपन्न हुईं। इस दौरान 18 खेलों (Sports) की 23 प्रतिस्पर्धाओं (Disciplines) के 275 खेल आयोजनों (Events) में 71 क्षेत्रों की टीमों के 6600 से अधिक खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल, 2014 में शामिल खेल जूडो का आयोजन इस बार नहीं किया गया। बास्केटबॉल की वापसी, महिला रग्बी सेवंस का पदार्पण एवं 18वें खेल के रूप में बीच वॉलीबॉल का चयन वर्ष 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में किया गया। 6 अक्टूबर, 2016 को खेल कार्यक्रम में महिला खिलाड़ियों के लिए 7 नए खेल आयोजन (Event) जोड़े गए जिससे महिला और पुरुष खिलाड़ियों के खेल आयोजनों की संख्या समान (Equal) हो गई। राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में यह प्रथम अवसर है, जब पुरुषों एवं महिलाओं के खेल आयोजनों के मामले में समानता लाई गई है।

डेविड लिती

न्यूजीलैंड के भारोत्तोलक डेविड लिती (David Liti) को खेल भावना हेतु (Sportsmanship) हेतु 'डेविड डिक्सन पुरस्कार' (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हेतु प्रदत्त) से सम्मानित किया गया। डेविड को यह अवॉर्ड समोआ के एक प्रतिद्वंद्वी घायल भारोत्तोलक लौइतिती लुई की सहायता करने के लिए प्रदान किया गया। डेविड ने 105+ किग्रा. भार वर्ग में कुल 403 किग्रा. वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता है। उल्लेखनीय है कि डेविड डिक्शन अवॉर्ड वर्ष 2002 से राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के पूर्व मानद सचिव डेविड डिक्सन की स्मृति में प्रदान किया जा रहा है। द. अफ्रीकी तैराक नताली ड्यू टोइट (2002), भारतीय निशानेबाज समरेश जंग (2006), जमैका की ट्रेसिया स्मिथ (2010) तथा वेल्स की जिमनास्ट फ्रैंकी जोंस (2014) के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले डेविड पांचवें खिलाड़ी हैं।

11 दिन के इस खेल आयोजन में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने सर्वाधिक 80 स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि इंग्लैंड 45 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। जिन 5 देशों ने राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार कोई पदक जीता, वे हैं– वनुआतु (2 कांस्य), कुक द्वीप (1 कांस्य), सोलोमन द्वीप (1 कांस्य), डोमिनिका (1 रजत, 1 कांस्य) तथा ब्रिटिश वर्जिन द्वीप (1 स्वर्ण पदक)। ब्रिटिश वर्जिन द्वीप के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक **काइरोन मैक्मास्टर** ने पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में जीता। कुल 29 देश इन खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। जबकि कुल 43 देश ऐसे रहे जिन्हें कोई न कोई पदक प्राप्त हुआ। इस बार खेलों में 9 विश्व रिकॉर्ड (WR) तथा 83 गेम रिकॉर्ड (GR) टूटे। बरमूडा की फ्लोरा डफी (Flora Duffy) ने महिला ट्रायथलन में 21वें राष्ट्रमंडल खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। इस राष्ट्रमंडल खेल में कनाडा के फुल बोर शूटर रॉबर्ट पिटकेयर्न ने 79 वर्ष की आयु में पदार्पण किया और क्वींस प्राइज पेयर्स स्पर्धा में भाग लिया। इस प्रकार रॉबर्ट राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाले अब तक के सर्वाधिक आयु के खिलाड़ी बने। ऑस्ट्रेलिया के 68 वर्षीय केन हैनसेन ने राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण किया और स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के

मिच लारकिन

ऑस्ट्रेलियाई तैराक मिच लारकिन 21वें राष्ट्रमंडल खेलों में सर्वाधिक 5 स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी रहे। इन्होंने पुरुषों की 200, 100 एवं 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा, 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले स्पर्धा तथा 4 × 100 मीटर मेडले रिले स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

पदक तालिका

क्रम	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	ऑस्ट्रेलिया	80	59	59	198
2.	इंग्लैंड	45	45	46	136
3.	भारत	26	20	20	66
4.	कनाडा	15	40	27	82
5.	न्यूजीलैंड	15	16	15	46
6.	द. अफ्रीका	13	11	13	37
7.	वेल्स	10	12	14	36
8.	स्कॉटलैंड	9	13	22	44
9.	नाइजीरिया	9	9	6	**24**
10.	साइप्रस	8	1	5	14
11.	जमैका	7	9	11	27
12.	मलेशिया	7	5	12	24
13.	सिंगापुर	5	2	2	9
14.	केन्या	4	7	6	17
15.	युगांडा	3	1	2	6
16.	बोत्सवाना	3	1	1	5
17.	समोआ	2	3	0	5
18.	त्रिनिदाद एवं टोबैगो	2	1	0	3
19.	नामीबिया	2	0	0	**2**
20.	उत्तरी आयरलैंड	1	7	4	12
21.	बहामास	1	3	0	4
22.	पापुआ न्यू गिनी	1	2	0	3
23.	फिजी	1	1	2	4
24.	पाकिस्तान	1	0	4	5
25.	ग्रेनाडा	1	0	1	2
26.	बरमूडा	1	0	0	1
26.	गुयाना	1	0	0	1
26.	ब्रिटिश वर्जिन द्वीप	1	0	0	1
26.	सेंट लूसिया	1	0	0	**1**
30.	बांग्लादेश	0	2	0	2
31.	श्रीलंका	0	1	5	6
32.	कैमरून	0	1	2	3
33.	डोमिनिका	0	1	1	2
34.	आइल ऑफ मैन	0	1	0	1
34.	मॉरीशस	0	1	0	1
34.	नौरू	0	1	0	1
37.	माल्टा	0	0	2	2
37.	वनुआतु	0	0	2	2
38.	कुक द्वीप	0	0	1	1
39.	घाना	0	0	1	1
39.	नॉरफॉक द्वीप	0	0	1	1
39.	सेशेल्स	0	0	1	1
39.	सोलोमन द्वीप	0	0	1	1
	कुल	**275**	**276**	**289**	**840**

टेलर रक

कनाडा की महिला तैराक टेलर रक (Taylor Ruck) वर्ष 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में सर्वाधिक पदक जीतने वाली खिलाड़ी रहीं। इन्होंने 1 स्वर्ण, 5 रजत तथा 2 कांस्य पदकों सहित कुल 8 पदक जीते। इन्होंने एकमात्र स्वर्ण पदक 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में जीता। इसके अतिरिक्त टेलर ने 200 मीटर बैकस्ट्रोक, 4 × 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले, 4×100 मीटर मेडले रिले, 4×200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रजत पदक एवं 100 मीटर बैकस्ट्रोक और 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

इतिहास में स्वर्ण पदक जीतने वाले सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी बने। केन हैनसेन ने पैरा खेल B6/B7/B8 लॉन बॉल्स में स्वर्ण पदक जीता। वेल्स की 11 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अन्ना हर्से (Anna Hursey) राष्ट्रमंडल खेलों में प्रतिभाग करने वाली सबसे कम आयु की खिलाड़ी बनीं। न्यूजीलैंड की भारोत्तोलक लॉरेल हुबार्ड राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाली प्रथम किन्नर (ट्रांसजेंडर) खिलाड़ी बनीं। 90+ किग्रा. भार वर्ग में **स्नैच में 132 किग्रा.** का भार उठाते समय बाएं कंधे की हड्डी खिसक जाने से वह चोटिल हो गईं और उन्हें खेलों से बाहर होना पड़ा।

❑ 21वें राष्ट्रमंडल खेल : भारतीय प्रदर्शन

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के शहर गोल्डकोस्ट में कुल 221 एथलीट भेजे थे, जो संख्या की दृष्टि से उसका अब तक का दूसरा सबसे बड़ा दल था। भारतीय एथलीटों ने बीच वॉलीबाल, नेटबॉल, रग्बी सेवंस और ट्रायथलन को छोड़कर शेष 14 खेलों की स्पर्धाओं में भाग लिया। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 26 स्वर्ण, 20 रजत और 20 कांस्य पदकों सहित कुल 66 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा। 4 वर्ष पूर्व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में संपन्न राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखा जाए, तो भारत ने 15 स्वर्ण, 30 रजत और 19 कांस्य सहित कुल 64 पदक जीतकर पदक तालिका में पांचवां स्थान हासिल किया था। पिछले बार के 15 स्वर्ण पदकों की तुलना में इस बार के 26 स्वर्ण पदकों को देखा जाए, तो भारतीयों ने अपने खेल में काफी सुधार किया है। इस बार 5 भारतीय खिलाड़ी ऐसे रहे, जिन्होंने ग्लासगो, 2014 में भी स्वर्ण पदक जीता था। चार वर्ष के अंतराल में अपनी लय बरकरार रखना इन खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण था। इनमें से संजीता चानू, जीतू राय और विनेश फोगाट ने नई श्रेणी में जबकि सुशील कुमार एवं सतीश शिवलिंगम ने उसी श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता, जिसमें उन्होंने वर्ष 2014 के खेलों में प्रतिभाग किया था।

भारत : राष्ट्रमंडल खेलों में तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

	स्थल/वर्ष	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	दिल्ली, 2010	38	27	36	101
2.	मैनचेस्टर, 2002	30	22	17	69
3.	गोल्डकोस्ट, 2018	26	20	20	66

21वें राष्ट्रमंडल खेलों के पहले दिन भारत के लिए प्रथम पदक रजत पदक के रूप में भारोत्तोलक गुरुराजा पुजारी ने 56 किग्रा. भार वर्ग में कुल 249 किग्रा. (स्नैच 111 किग्रा. एवं क्लीन एंड जर्क 138 किग्रा.) वजन उठाकर जीता। उसी दिन महिला भारोत्तोलक सैखोम मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेल, 2018 में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। चानू ने 48 किग्रा. भार वर्ग में स्नैच (86 किग्रा.) एवं क्लीन एंड जर्क (110 किग्रा.) में नया राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड (GR) बनाते हुए कुल 196 किग्रा. वजन उठाया। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेल का अंतिम (26वां) स्वर्ण पदक साइना नेहवाल ने बैडमिंटन की महिला एकल स्पर्धा में हमवतन पी.वी. सिंधु को पराजित कर जीता। साइना नेहवाल राष्ट्रमंडल खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा के एकल वर्ग में दो स्वर्ण पदक (2010 नई दिल्ली एवं 2018 गोल्डकोस्ट) जीतने वाली प्रथम भारतीय बन गईं। स्क्वैश की महिला युगल स्पर्धा में जोशना चिनप्पा एवं दीपिका पल्लिकल द्वारा जीता गया रजत पदक राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत का 500वां पदक था।

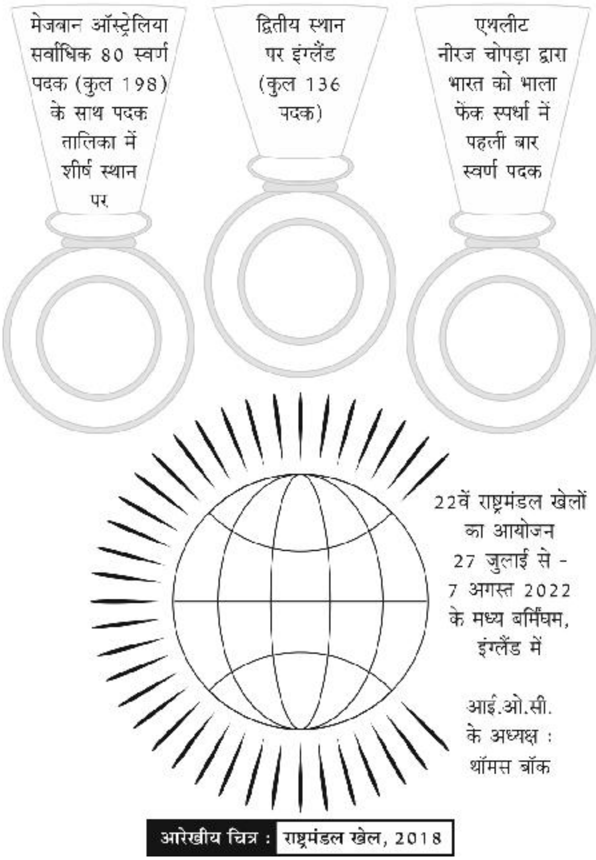

आरेखीय चित्र : राष्ट्रमंडल खेल, 2018

भारतीय निशानेबाजों ने पिछले कुछ वर्षों में विश्व स्तर पर बेहतरीन पहचान बनाई है। इसीलिए उनसे इस बार के राष्ट्रमंडल खेलों में सबसे ज्यादा पदक जीतने की आशा थी। लोगों की अपेक्षाओं पर निशानेबाज खरे उतरे और उन्होंने 7 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य पदकों सहित सर्वाधिक 16 पदक भारत की झोली में डाले। इसके बाद भारत ने सर्वाधिक 5-5 स्वर्ण पदक क्रमशः कुश्ती एवं भारोत्तोलन में जीते।

आरेखीय चित्र : राष्ट्रमंडल खेल, 2018

गोल्डकोस्ट राष्ट्रमंडल खेल में भारत के कुछ ऐतिहासिक प्रदर्शनों में **मनिका बत्रा** द्वारा टेबल टेनिस में महिलाओं की एकल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतना, एथलीट **नीरज चोपड़ा** द्वारा भारत को भाला फेंक स्पर्धा में पहली बार स्वर्ण पदक दिलाना, 15 वर्षीय निशानेबाज **अनीश भनवाला** द्वारा अपने पदार्पण राष्ट्रमंडल खेल में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतना, 16 वर्षीय महिला निशानेबाज **मनु भाकर** द्वारा 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक प्राप्त करना, महिला मुक्केबाज **एम.सी. मैरीकॉम** द्वारा 48 किग्रा. भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतना शामिल है। मनिका राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस की महिला एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय खिलाड़ी हैं। मनिका ने फाइनल मैच में सिंगापुर की यु मेंग्यु को पराजित किया। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक जीता। पुरुषों की भाला फेंक (Javelin Throw) स्पर्धा में नीरज चोपड़ा ने 86.47 मीटर दूरी तक भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता और इस प्रकार वे राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में ट्रैक एंड फील्ड में व्यक्तिगत (Individual) स्वर्ण पदक जीतने वाले चौथे भारतीय बन गए। यह राष्ट्रमंडल खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में जीता गया भारत का पहला स्वर्ण पदक है।

उल्लेखनीय है कि नीरज से पूर्व वर्ष 2014 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष चक्का फेंक स्पर्धा में विकास गौड़ा ने, वर्ष 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की महिला चक्का फेंक स्पर्धा में कृष्णा पूनिया ने तथा वर्ष 1958 के कार्डिफ राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 440 गज (440Yards) दौड़ में मिल्खा सिंह ने भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था। अनीश भनवाला राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले सबसे युवा भारतीय बने। पंद्रह वर्षीय अनीश ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल के फाइनल में 30 अंकों के साथ नया राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड (GR) बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में नया राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड (240.9 अंक) बनाया। इसी स्पर्धा का रजत पदक हिना सिद्धू ने जीता। एम.सी. मैरीकॉम ने अपने पदार्पण राष्ट्रमंडल खेल में 45-48 किग्रा. भार वर्ग के फाइनल में उत्तरी आयरलैंड की क्रिस्टिना ओ'हारा को पराजित कर स्वर्ण पदक जीता और वह राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला मुक्केबाज बन गईं।

राष्ट्रमंडल खेल, 2018 : भारत का प्रदर्शन

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1. निशानेबाजी	7	4	5	16
2. कुश्ती	5	3	4	12
3. भारोत्तोलन	5	2	2	9
4. मुक्केबाजी	3	3	3	9
5. टेबल टेनिस	3	2	3	8
6. बैडमिंटन	2	3	1	6
7. एथलेटिक्स	1	1	1	3
8. स्क्वैश	0	2	0	2
9. पैरा पावरलिफ्टिंग	0	0	1	1
कुल	**26**	**20**	**20**	**66**

उल्लेखनीय है कि सुशील कुमार का राष्ट्रमंडल खेलों में यह लगातार तीसरा स्वर्ण पदक है। 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में भी 66 किग्रा. भार वर्ग में सुशील कुमार ने स्वर्ण पदक जीता था।

18 वर्षीय भारोत्तोलक दीपक लाठेर 69 किग्रा. भार वर्ग में कुल 295 किग्रा. वजन उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए पदक जीतने वाले सबसे युवा भारोत्तोलक बने। भारत के सर्वाधिक 4 पदक (2 स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य) मनिका बत्रा ने टेबल टेनिस में जीते। मनिका ने महिला एकल एवं महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक, महिला युगल में रजत पदक तथा मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता।

पुरुषों की हॉकी स्पर्धा में भारत कांस्य पदक मुकाबले में इंग्लैंड से 2-1 से पराजित होकर चौथे स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 2-0 से पराजित कर पुरुष हॉकी का स्वर्ण पदक जीता। वहीं महिलाओं के कांस्य पदक मुकाबले में भी भारत को इंग्लैंड से 6-0 से मात खानी पड़ी और वह चौथे स्थान पर रहा। न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया

भारत के स्वर्ण पदक विजेता			
क्रम	नाम	खेल	प्रतिस्पर्धा
1.	नीरज चोपड़ा	एथलेटिक्स	पुरुष भाला फेंक (Javelin Throw)
2.	साइना नेहवाल	बैडमिंटन	महिला एकल
3.	टीम भारत	बैडमिंटन	मिश्रित टीम स्पर्धा
4.	गौरव सोलंकी	मुक्केबाजी	पुरुष 52 किग्रा. भार वर्ग
5.	विकास कृष्ण	मुक्केबाजी	पुरुष 75 किग्रा. भार वर्ग
6.	एम.सी. मैरीकॉम	मुक्केबाजी	महिला 45-48 किग्रा. भार वर्ग
7.	जीतू राय	निशानेबाजी	पुरुष 10 मी. एयर पिस्टल
8.	अनीश भनवाला	निशानेबाजी	पुरुष 25 मी. रैपिड फायर पिस्टल
9.	संजीव राजपूत	निशानेबाजी	पुरुष 50 मी. राइफल थ्री पोजीशन
10.	मनु भाकर	निशानेबाजी	महिला 10 मी. एयर पिस्टल
11.	हिना सिद्धू	निशानेबाजी	महिला 25 मी. पिस्टल
12.	तेजस्विनी सावंत	निशानेबाजी	महिला 50 मी. राइफल थ्री पोजीशन
13.	श्रेयसी सिंह	निशानेबाजी	महिला डबल ट्रैप
14.	मनिका बत्रा	टेबल टेनिस	महिला एकल
15.	टीम भारत	टेबल टेनिस	पुरुष टीम स्पर्धा
16.	टीम भारत	टेबल टेनिस	महिला टीम स्पर्धा
17.	सतीश कुमार शिवलिंगम	भारोत्तोलन	पुरुष 77 किग्रा. भार वर्ग
18.	वेंकट राहुल रागाला	भारोत्तोलन	पुरुष 85 किग्रा. भार वर्ग
19.	चानू सैखोम मीराबाई	भारोत्तोलन	महिला 48 किग्रा. भार वर्ग
20.	संजीता चानू खुमुकचाम	भारोत्तोलन	महिला 53 किग्रा. भार वर्ग
21.	पूनम यादव	भारोत्तोलन	महिला 69 किग्रा. भार वर्ग
22.	सुमित	कुश्ती	पुरुष फ्रीस्टाइल 125 किग्रा. भार वर्ग
23.	राहुल अवारे	कुश्ती	पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा. भार वर्ग
24.	बजरंग	कुश्ती	पुरुष फ्रीस्टाइल 65 किग्रा. भार वर्ग
25.	सुशील कुमार	कुश्ती	पुरुष फ्रीस्टाइल 74 किग्रा. भार वर्ग
26.	विनेश फोगाट	कुश्ती	महिला फ्रीस्टाइल 50 किग्रा. भार वर्ग

को 4-1 से पराजित कर महिला हॉकी का स्वर्ण पदक जीत लिया। वर्ष 1934 से वर्ष 2018 तक भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 504 पदक अपने नाम कर लिए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के लिए पहला राष्ट्रमंडल पदक (कांस्य पदक) 1934 ब्रिटिश एम्पायर गेम्स, लंदन में **राशिद अनवर** ने कुश्ती के वेल्टरवेट डिवीजन (74 किग्रा. भार वर्ग) में जीता था।

❑ 22वें राष्ट्रमंडल खेल-बर्मिंघम में

गोल्डकोस्ट के **कैरारा स्टेडियम** (Carrara Stadium) में 15 अप्रैल, 2018 को आयोजित समापन समारोह के साथ 21वें राष्ट्रमंडल खेल समाप्त हो गए। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बॉक और प्रीमियर ऑफ क्वींसलैंड अनास्तासिया पलासज्सजुक की मौजूदगी में 'अर्ल ऑफ वेसेक्स' (Earl of Wessex) और राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के उप संरक्षक प्रिंस एडवर्ड ने गोल्डकोस्ट, 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की समाप्ति की घोषणा की। समापन समारोह में ऑस्ट्रेलियाई चिल्ड्रेंस म्यूजिक ग्रुप **'द विग्गल्स'** (The Wiggles) ने अपनी प्रस्तुति दी। कॉमनवेल्थ गेम्स इंग्लैंड के चेयरमैन इयान मैटकॉफ ने इंग्लैंड के शहर बर्मिंघम की मेयर एनी अंडरवुड को राष्ट्रमंडल खेल महासंघ का झंडा (Flag) सौंपा। अंग्रेजी रॉक बैंड इलेक्ट्रिक लाइट आरकेस्ट्रा (ELO) और रैप सिंगर लेडी सैनिटी ने बर्मिंघम, 2022 प्रस्तुति के दौरान 'गो द डिस्टेंस' (Go the Distance) नामक शीर्षक से कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समापन समारोह में भारतीय ध्वज के साथ महिला मुक्केबाज **एम.सी. मैरीकॉम** ने भारतीय दल का नेतृत्व किया। 22वें राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 27 जुलाई से 7 अगस्त, 2022 के मध्य इंग्लैंड के बर्मिंघम शहर में किया जाएगा।

■■■

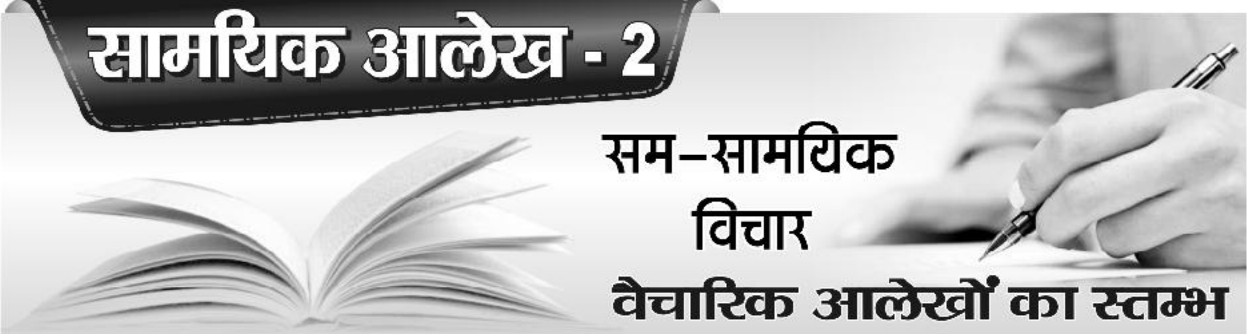

आईआरएनएसएस-1आई का सफल प्रमोचन

— नीरज ओझा

अप्रैल, 2016 में भारत के सातवें नौवहन उपग्रह 'आईआरएनएसएस-1जी के सफल प्रमोचन के पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा था ''इस सफल प्रमोचन के साथ हम अपनी प्रौद्योगिकी की शक्ति से अपने रास्ते स्वयं तय करेंगे। यह वैज्ञानिकों की ओर से जनता के लिए बहुत बड़ा उपहार है।'' भारतीय प्रधानमंत्री के उपर्युक्त शब्द स्वदेश में विकसित स्वतंत्र क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली की आवश्यकता एवं महत्ता को प्रतिबिंबित करते हैं। इस उपग्रह की सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापना के साथ ही भारत की नौवहन प्रणाली कार्यशील हुई, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नाविक' (Navic) नाम दिया था।

वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भारत ने अमेरिका से जीपीएस नौवहन प्रणाली की सेवाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था; किंतु अमेरिका ने इन्कार कर दिया था। युद्धकालीन परिस्थिति में स्थान एवं स्थिति की सटीक जानकारी की आवश्यकता ने भारत को स्वयं की नौवहन उपग्रह प्रणाली के विकास के लिए प्रेरित किया। इसी प्रेरणा का परिणाम है, भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली 'नाविक'।

उपग्रह आधारित नौवहन प्रणाली द्वारा प्रयोक्ताओं को स्थिति, नौवहन एवं समय से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। भारत ने अपनी दो मुख्य परियोजनाओं नामतः 'गगन' (GAGAN : GPS Aided GEO Augmented Navigation) और आईआरएनएसएस (IRNSS: Indian Regional Navigation Satellite System) के साथ उपग्रह नौवहन के क्षेत्र में प्रवेश किया है। इसरो एवं भारतीय एयरपोर्ट प्राधिकरण की सहभागिता में विकसित 'गगन प्रणाली' के माध्यम से नागरिक विमानन आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है। आईआरएनएसएस (नाविक) प्रणाली द्वारा भारतीय क्षेत्र एवं इसके समीपवर्ती क्षेत्रों के स्थान, स्थिति एवं समय की आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है।

हाल ही में इसरो द्वारा नाविक प्रणाली के 8वें उपग्रह आईआरएनएसएस-1आई का सफल प्रमोचन किया गया।

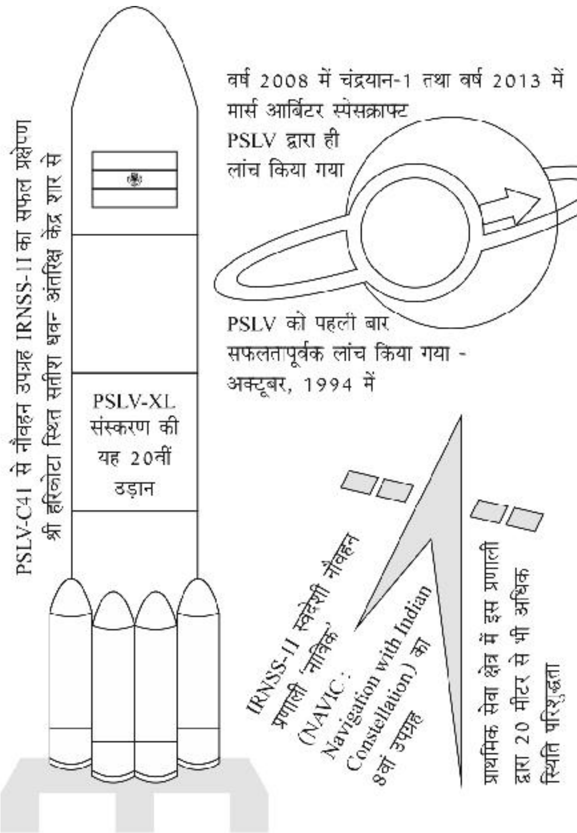

आरेखीय चित्र : आई आर एन एस एस - 1 आई का सफल प्रक्षेपण

❑ आईआरएनएसएस-1 आई का प्रमोचन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने अपने ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचन यान पीएसएलवी-सी41 के माध्यम से 12 अप्रैल, 2018 को नौवहन उपग्रह आईआरएनएसएस-1आई का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार के प्रथम लांच पैड से प्रातः 4.04 बजे पीएसएलवी-सी41 ने उड़ान भरी। लगभग 19 मिनट की उड़ान के पश्चात प्रमोचन यान ने 'उप भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (Sub Geosynchronous Transfer Orbit) की स्थिति प्राप्त की, जिसकी पृथ्वी से न्यूनतम दूरी (उप-भू) 281.5 किमी. एवं पृथ्वी से अधिकतम दूरी (अप-भू) 20730 किमी. थी और यह कक्षा विषुवत रेखा के 19.2 डिग्री कोण पर झुकी थी। इसके पश्चात आईआरएनएसएस-1 आई उपग्रह ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचन यान से अलग हो गया।

प्रमोचन यान से अलग होने के बाद आईआरएनएसएस-1आई उपग्रह के सोलर पैनल स्वतः तैनात हो गए। कर्नाटक के हासन में स्थित इसरो के मास्टर कंट्रोल फसिलिटी (MCF) ने उपग्रह का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया।

आईआरएनएसएस-1आई उपग्रह में संलग्न 'लिक्विड एपॉजी मोटर' (LAM) को दागकर 13 अप्रैल, 2018 को उपग्रह की पहली एवं दूसरी कक्षा उन्नयन प्रक्रिया संपन्न की गई, जबकि 14 अप्रैल, 2018 को तीसरी कक्षा उन्नयन प्रक्रिया का कार्य पूर्ण हुआ। 15 अप्रैल, 2018 को संपन्न चौथी एवं अंतिम कक्षा उन्नयन प्रक्रिया के बाद उपग्रह ने 35462.9 किमी. की उप-भू ऊंचाई और 35737.8 किमी. की अप-भू ऊंचाई को प्राप्त किया।

❑ आईआरएनएसएस-1आई उपग्रह

नौवहन उपग्रह आईआरएनएसएस-1आई भारत की स्वदेशी नौवहन प्रणाली 'नाविक' (NAVIC : Navigation with Indian Constellation) में शामिल होने वाला 8वां उपग्रह है। इस उपग्रह की संरचना अन्य आईआरएनएसएस उपग्रहों के समान है और इसका भार 1425 किग्रा. है।

आईआरएनएसएस-1आई उपग्रह में दो प्रकार के नीतभार संलग्न हैं, नौवहन नीतभार और परासन (Ranging) नीतभार। उपग्रह का नौवहन नीतभार स्थान, वेग एवं समय निर्धारित करने के लिए सिग्नल भेजता है। यह नीतभार एल5-बैंड एवं एस-बैंड में प्रचालित होता है। रूबिडियम परमाणु घड़ियां उपग्रह के नौवहन नीतभार के भाग हैं। उपग्रह के परासन नीतभार में सी-बैंड ट्रांसपोंडर शामिल हैं, जो उपग्रह की परिशुद्ध रेंज निर्धारित करने में सहायक हैं। उपग्रह में लेजर परासन के लिए कॉर्नर क्यूब रेट्रो रिफ्लेक्टर्स (Corner Cube Retro Reflectors) भी संलग्न हैं।

आरेखीय चित्र : आई आर एन एस एस - 1 आई का सफल प्रक्षेपण

❑ पीएसएलवी-सी41

पीएसएलवी-सी41 ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचन यान की 43वीं उड़ान थी। साथ ही यह पीएसएलवी-एक्सएल संस्करण की 20वीं उड़ान थी। इसके अतिरिक्त यह श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार के प्रथम लांच पैड से पीएसएलवी का 32वां प्रमोचन, पीएसएलवी-सी41 की ऊंचाई 44.4 मीटर और भार 321 टन था।

ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचन यान (PSLV) विश्व के सर्वाधिक विश्वसनीय प्रमोचन वाहनों में से एक है। इस प्रमोचन यान के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष संस्था इसरो ने चंद्रयान-1, मंगल मिशन, ऐस्ट्रोसैट, स्पेस कैप्सूल रिकवरी एक्सपेरीमेंट, आईआरएनएसएस आदि जैसे ऐतिहासिक मिशनों के लिए उपग्रहों का प्रमोचन किया है। प्रमोचन सेवा प्रदाता के रूप में पीएसएलवी कई संगठनों की पहली पसंद है। इसरो ने प्रमोचन यान पीएसएलवी के माध्यम से अब तक 52 भारतीय उपग्रहों और 237 विदेशी उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया है।

❑ नाविक : भारतीय नौवहन प्रणाली

'भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली' (IRNSS) भारत द्वारा विकसित स्वतंत्र क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली है। यह प्रणाली भारतीय उपयोगकर्ताओं के साथ ही भारतीय सीमा के बाहर 1500 किमी. के दायरे में आने वाले सभी क्षेत्रों में सटीक स्थिति संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन की गई है।

यह प्रणाली दो प्रकार की सेवाएं उपलब्ध कराती है। पहली, मानक स्थिति निर्धारण सेवा (SPS), जो कि सभी प्रयोक्ताओं को उपलब्ध है और दूसरी, प्रतिबंधित सेवा (RS), जो केवल प्राधिकृत प्रयोक्ताओं को उपलब्ध है। यह प्रणाली प्राथमिक सेवा क्षेत्र में 20 मीटर से भी अधिक स्थिति परिशुद्धता उपलब्ध कराती है।

भारतीय नौवहन प्रणाली के पहले उपग्रह आईआरएनएसएस-1ए का प्रमोचन जुलाई, 2013 में प्रमोचन यान पीएसएलवी-सी22 के माध्यम से किया गया था। अप्रैल, 2016 में इस प्रणाली के 7वें उपग्रह आईआरएनएसएस-1जी के सफल प्रमोचन के पश्चात भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली' (IRNSS) को 'नाविक' (NAVIC) नाम दिया।

नाविक प्रणाली के अंतरिक्ष घटक में 8 उपग्रह शामिल हैं। इनमें से तीन उपग्रहों को उपयुक्त भूस्थिर कक्षा में स्थापित किया गया है और शेष 4 को दो विभिन्न तलों (Planes) पर विषुवत रेखा समपार (Crossings) और अपेक्षित झुकाव के साथ भू-समकालिक कक्षाओं में स्थापित किया गया है।

स्वदेशी क्षेत्रीय नौवहन प्रणाली 'नाविक' का उपयोग स्थलीय, हवाई एवं महासागरीय दिशा-निर्देशन, आपदा प्रबंधन, परिशुद्ध काल गणना, मानचित्रण एवं भू-गणितीय आंकड़ा अर्जन, चालकों के लिए दृश्य एवं श्रव्य दिशा-निर्देशन, पदयात्रियों तथा पर्यटकों के लिए स्थलीय दिशा-निर्देशन आदि के लिए किया जाता है।

नाविक प्रणाली में शामिल उपग्रह		
क्र.स. उपग्रह	**प्रमोचन यान**	**प्रमोचन तिथि**
1.आईआरएनएसएस-1ए	पीएसएलवी-सी22	1जुलाई, 2013
2.आईआरएनएसएस-1बी	पीएसएलवी-सी24	4 अप्रैल, 2014
3.आईआरएनएसएस-1सी	पीएसएलवी-सी26	16 अक्टूबर, 2014
4.आईआरएनएसएस-1डी	पीएसएलवी-सी27	28 मार्च, 2015
5.आईआरएनएसएस-1ई	पीएसएलवी-सी31	20 जनवरी, 2016
6.आईआरएनएसएस-1एफ	पीएसएलवी-सी32	10 मार्च, 2016
7.आईआरएनएसएस-1जी	पीएसएलवी-सी33	28 अप्रैल, 2016
8.आईआरएनएसएस-1आई	पीएसएलवी-सी41	12 अप्रैल, 2018

❑ विश्व की अन्य नौवहन उपग्रह प्रणालियां

वाणिज्यिक एवं सामरिक आवश्यकताओं के मद्देनजर विश्व के विभिन्न देशों ने नौवहन उपग्रह प्रणालियों का विकास किया है। इनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, जापान, यूरोपीय संघ आदि प्रमुख हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका की नौवहन उपग्रह प्रणाली जीपीएस (GPS : Global Positioning System) विश्व की पहली वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली है। प्रारंभ में यह नौवहन प्रणाली सैन्य उपयोग के लिए ही उपलब्ध थी, किंतु बाद में इसे नागरिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया। इसमें 31 उपग्रह शामिल हैं।

ग्लोनास (GLONASS : Global Navigation Satellite System) रूस की वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली है। यह वर्ष 1993 से पूर्णतया कार्यशील है। इस प्रणाली में 24 उपग्रह शामिल हैं।

यूरोप की वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली 'गैलीलियो' (Galileo) है। इसमें 27 उपग्रह शामिल हैं। यह प्रणाली वर्ष 2020 तक पूर्णतया कार्यशील होगी।

भारत के पड़ोसी देश चीन द्वारा वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली 'बेईदोउ' (Beidou) का विकास किया जा रहा है। यह प्रणाली दो चरणों में कार्यान्वित की जा रही है। पहले चरण में यह प्रणाली क्षेत्रीय आच्छादन, जबकि दूसरे चरण में वैश्विक आच्छादन उपलब्ध कराएगी। दिसंबर, 2012 में इस प्रणाली का पहला चरण प्रारंभ हुआ, जो कि एशिया प्रशांत क्षेत्र का आच्छादन उपलब्ध कराता है। वर्ष 2020 के अंत तक इस नौवहन प्रणाली का दूसरा चरण पूर्ण किया जाना है।

जापान की क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली 'क्यूजेडएसएस' (QZSS : Quasi-Zenith Satellite System) है। यह प्रणाली क्षेत्रीय संचार सेवा एवं अवस्थिति सूचना उपलब्ध कराएगी। चार उपग्रहों वाली इस नौवहन प्रणाली को भविष्य में जापान द्वारा सात उपग्रहों वाली प्रणाली के रूप में विस्तारित किया जाएगा।

❑ निष्कर्ष

स्वदेशी स्वतंत्र उपग्रह नौवहन प्रणाली पर आधारित स्थिति, नौवहन एवं समय की सामरिक और नागरिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इसरो ने 'नाविक प्रणाली' का विकास किया है। नाविक प्रणाली के पूर्णतः कार्यशील हो जाने के बाद नौवहन आवश्यकताओं के लिए अमेरिका की जीपीएस नौवहन प्रणाली पर भारत की निर्भरता समाप्त हो गई। इस प्रणाली से न केवल भारतीय सेनाओं की सामरिक आवश्यकताओं की पूर्ति होगी बल्कि आपदा प्रबंधन, हवाई, स्थलीय एवं महासागरीय दिशा-निर्देशन, मानचित्रण आदि जैसी नागरिक आवश्यकताओं की भी पूर्ति होगी।

आईआरएनएसएस-1 एच

31 अगस्त, 2017 को भारत के ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचन यान पीएसएलवी-सी39 का 41वां प्रमोचन असफल रहा। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार के द्वितीय लांच पैड से किए गए इस प्रमोचन के माध्यम से नौवहन उपग्रह 'आईआरएनएसएस-1 एच' (IRNSS-1H) को अंडाकार उप-भूतुल्यकालिक अंतरण कक्षा (SUB-GTO) में स्थापित किया जाना था। प्रमोचन यान के ताप कवच के न खुलने के कारण उपग्रह ताप कवच के अंदर ही रह गया, जिसके कारण यह प्रमोचन असफल हो गया। ज्ञातव्य है कि प्रमोचन यान के चौथे चरण में स्थित ताप कवच प्रमोचन के दौरान वातावरण के घर्षण के कारण उत्पन्न अत्यधिक ताप से उपग्रह की रक्षा करता है। आईआरएनएसएस-1एच का प्रक्षेपण आईआरएनएसएस-1ए के बैक-अप के लिए किया गया था।

■■■

विज्ञापन

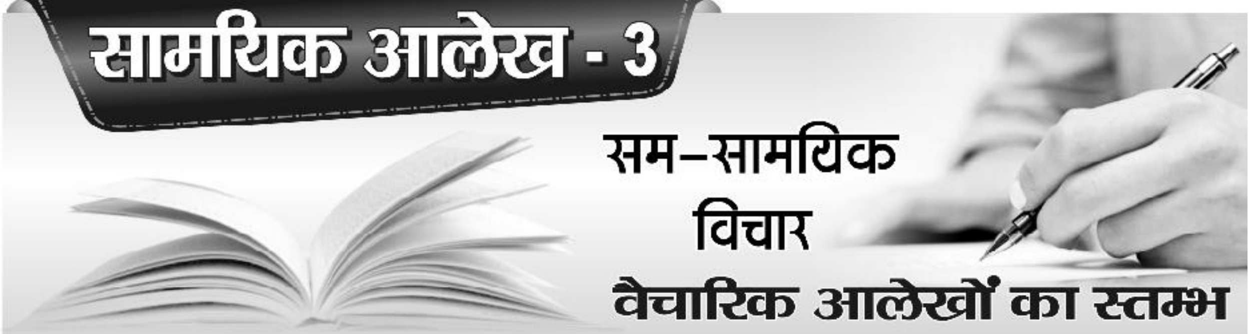

एस.सी./एस.टी. एक्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

– काली शंकर 'शारदेय'

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि, ''मैं उस प्रभु का सेवक हूं, जिसे अज्ञानी लोग मनुष्य कहते हैं।'' उन्होंने मानव गरिमा की सर्वोच्चता को स्थापित करने का प्रयास किया तथा मानव सेवा को ही सर्वोपरि बताया। जो पिंड में है, वही ब्रह्मांड में है, ऐसी बातें भी धर्मशास्त्रों में देखने को मिल जाती हैं। लेकिन व्यावहारिकता के धरातल पर व्याप्त असमानता कुछ और ही बयां करती हैं। जब किसी मनुष्य के साथ किसी भी स्तर पर भेदभाव किया जाता है, तो यह मानव गरिमा का अपमान है। वास्तव में यह मानव के अपमान और उसके अस्तित्व के नकार की समस्या है। यही समस्या अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के साथ प्राचीन काल से ही जुड़ी रही है और आज भी किसी न किसी रूप में जारी है।

❑ पृष्ठभूमि

दलित से अभिप्राय उन लोगों से है, जिन्हें जाति या वर्णगत भेदभाव के कारण सदियों से स्वस्थ एवं समुन्नत सामाजिक जीवन से वंचित, तिरस्कृत और समाज के हाशिए पर उपेक्षित जीवन जीने के लिए विवश किया गया है। हालांकि वर्ण व्यवस्था पूर्व वैदिक काल में अधिक उदार थी। व्यवसाय के आधार पर वर्ण का निर्धारण होता था। एक ही परिवार में भिन्न-भिन्न व्यवसायों के करने वाले लोग विद्यमान थे। उत्तरोत्तर वर्ण व्यवस्था में कठोरता आती गई तथा इसने कालांतर में एक बुराई का रूप धारण कर लिया। कहा भी गया है कि 'चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं, गुणकर्मविभागशः', लेकिन धीरे-धीरे इस भाव का लोप होता गया तथा वर्ण व्यवस्था जन्म आधारित होती चली गई। यह विडम्बना ही है कि यह आज भी उसी रूप में विद्यमान है। वर्ण व्यवस्था की निचली श्रेणी पर विद्यमान अधिकांश शूद्र वर्ण (वर्तमान अनु.जाति एवं अनु. जनजाति) के लोगों को तमाम अधिकारों से वंचित रखा गया, जिसके कारण आज भी इनकी स्थिति वंचित एवं अभावग्रस्त की है। समय-समय पर समाज सुधारकों द्वारा इनके उत्थान के प्रयास किए जाते रहे हैं। भारतीय समाज को परंपरागत विश्वासों के अंधानुकरण तथा अतार्किक लगाव से मुक्त करने हेतु आजादी के बाद भारतीय संविधान के तहत कई प्रावधान किए गए हैं। वर्ष 1955 में अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम लाया गया था। वर्ष 1976 में इसे नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम के रूप में पुनर्गठित किया गया। फिर भी इनकी स्थिति दयनीय बनी रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 पारित किया गया, जिसे वर्ष 2015 में संशोधित करते हुए विस्तारित किया गया।

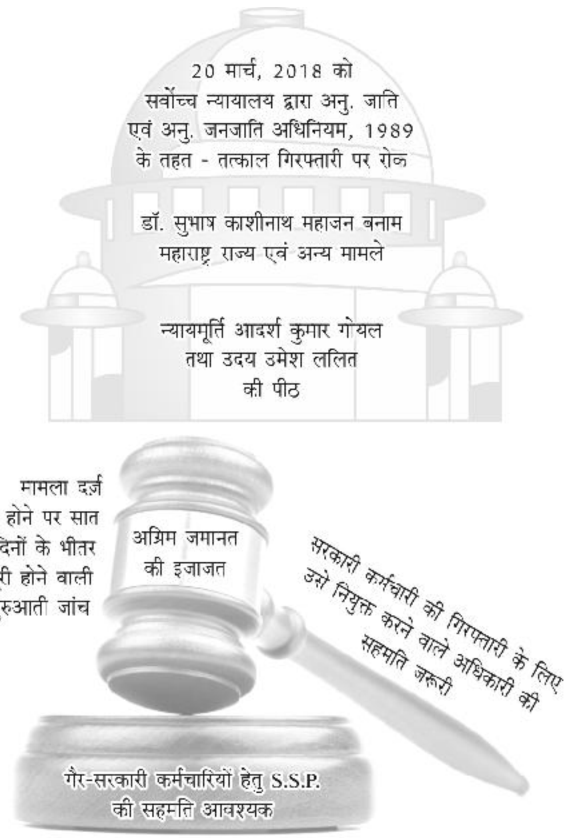

आरेखीय चित्र : एस.सी./एस.टी. एक्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

❑ अनु. जाति एवं अनु. जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989

इस अधिनियम को 30 जनवरी, 1990 से संपूर्ण भारत (जम्मू एवं कश्मीर को छोड़कर) में लागू किया गया। यह अधिनियम प्रत्येक उस व्यक्ति पर लागू होता है, जो अनु.

जाति एवं अनु. जनजाति का सदस्य नहीं है तथा वह व्यक्ति इस वर्ग के सदस्यों का उत्पीड़न करता है। इस अधिनियम में 5 अध्याय एवं 23 धाराएं हैं। यह अधिनियम अनु. जातियों और अनु. जनजातियों के खिलाफ अपराध में शामिल व्यक्तियों को दंडित करता है। यह पीड़ितों को विशेष सुरक्षा और अधिकार देता है। इसके साथ ही यह अदालतों को स्थापित करता है, जिससे मामले तेजी से निपट सकें।

❑ अनु. जाति तथा अनु. जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम, 2015

अनु.जाति तथा अनु. जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 में संशोधन के लिए अनु.जाति तथा अनु.जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन विधेयक, 2015 को लोक सभा द्वारा 4 अगस्त, 2015 को तथा राज्य सभा द्वारा 21 दिसंबर, 2015 को पारित किया गया। 31 दिसंबर, 2015 को इसे राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली। भारत सरकार द्वारा इसे 26 जनवरी, 2016 से लागू किया गया।

इस संशोधन अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं—

अनु. जातियों और अनु. जनजातियों के विरुद्ध किए जाने वाले नए अपराधों में सिर और मूंछ की बालों का मुंडन कराने और इसी तरह अनु. जातियों और अनु. जनजातियों के लोगों के सम्मान के विरुद्ध किए गए कृत्य हैं। अत्याचारों में समुदाय के लोगों को जूते की माला पहनाना, उन्हें सिंचाई सुविधाओं तक जाने से रोकना या वन अधिकारों से वंचित रखना, मानव और पशु नर कंकाल को निपटाने और लाने-ले जाने के लिए बाध्य करना, कब्र खोदने के लिए बाध्य करना, सिर पर मैला ढोने की प्रथा का उपयोग और अनुमति देना, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की महिलाओं को देवदासी के रूप में समर्पित करना, जाति सूचक गाली देना, जादू-टोना अत्याचार को बढ़ावा देना, सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार करना, चुनाव में अनुसूचित जातियों और अनु.जनजातियों के

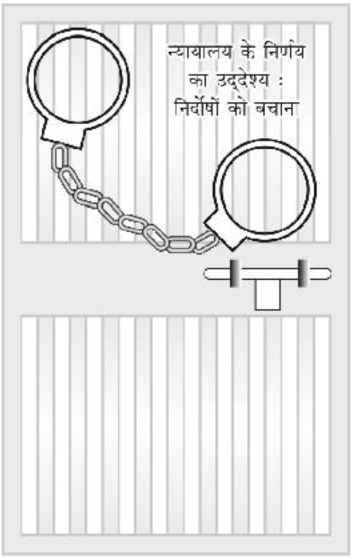

उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से रोकना, इस समुदाय की महिलाओं का वस्त्र हरण कर आहत करना, इस समुदाय के किसी सदस्य को घर, गांव तथा आवास छोड़ने के लिए बाध्य करना, इनके द्वारा पूजनीय वस्तुओं को विरूपित करना, इस समुदाय के किसी सदस्य के विरुद्ध यौन दुर्व्यवहार करना, यौन दुर्व्यवहार भाव से उन्हें छूना आदि शामिल हैं। संशोधन अधिनियम में इस समुदाय के किसी सदस्य को आहत करने, धमकाने और अपहरण करने जैसे अपराधों को, जिनमें 10 वर्ष से कम की सजा का प्रावधान है, अपराध के रूप में शामिल किया गया। इसके पूर्व अनु. जाति और अनु. जनजाति के लोगों पर किए गए अत्याचार मामलों में 10 वर्ष और उससे अधिक की सजा वाले अपराधों को ही अपराध माना जाता था।

इसके अतिरिक्त मामलों को तेजी से निपटाने के लिए अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत आने वाले अपराधों में विशेष रूप से मुकदमा चलाने के लिए विशेष अदालतें बनाना और विशेष लोक अभियोजक को निर्दिष्ट करना, विशेष अदालतों को अपराध का प्रत्यक्ष संज्ञान लेने की शक्ति प्रदान करना और जहां तक संभव हो आरोप-पत्र दाखिल करने की तिथि से दो महीने के अंदर सुनवाई पूरी करना तथा पीड़ितों और गवाहों के अधिकारों पर अतिरिक्त अध्याय शामिल करना आदि अन्य प्रमुख विशेषताएं हैं।

❑ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

20 मार्च, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय ने डॉ. सुभाष काशीनाथ महाजन बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य मामले में निर्णय दिया। निर्णय के तहत सर्वोच्च न्यायालय ने अनु.जाति एवं अनु. जनजाति अधिनियम, 1989 में कुछ संशोधन प्रस्तावित किया। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, ऐसा इस कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकने हेतु किया गया। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस अधिनियम के तहत तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगा दी गई। यह मामला महाराष्ट्र राज्य से है, जहां अनु. जाति के एक व्यक्ति ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ इस कानून के अंतर्गत मामला दर्ज कराया। गैर-अनु. जाति के इन अधिकारियों ने उस व्यक्ति की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में उसके खिलाफ टिप्पणी की थी। जब मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए उनके वरिष्ठ

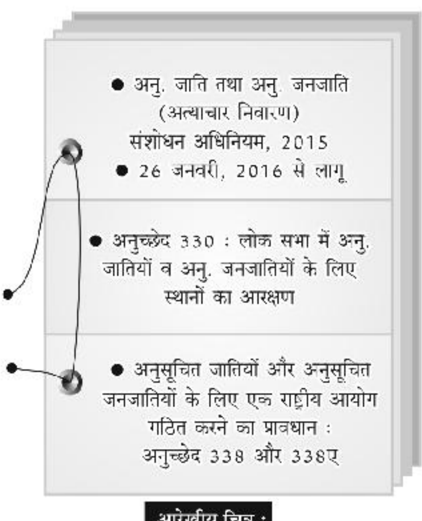

आरेखीय चित्र :
एस.सी./एस.टी. एक्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

अधिकारी से इजाजत मांगी, तो इजाजत नहीं दी गई। इस पर उनके खिलाफ भी पुलिस में मामला दर्ज कर दिया गया। वहीं बचाव पक्ष का कहना है कि अगर किसी अनु.जाति के व्यक्ति के खिलाफ ईमानदार टिप्पणी करना अपराध हो जाएगा, तो इससे काम करना मुश्किल हो जाएगा।

❑ सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल तथा उदय उमेश ललित की पीठ ने अनु.जाति एवं अनु.जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के कुछ प्रावधानों के दुरुपयोग को देखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया। निर्णय के अनुसार, किसी व्यक्ति के खिलाफ इस अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज होने पर सात दिनों के भीतर पूरी होने वाली शुरुआती जांच की जाएगी। न्यायालय ने अभियुक्त की तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगाने के साथ-साथ अग्रिम जमानत की भी इजाजत प्रदान की।

निर्णय के अनुसार, अगर अभियुक्त सरकारी कर्मचारी है, तो उसकी गिरफ्तारी के लिए उसे नियुक्त करने वाले अधिकारी की सहमति जरूरी होगी। अभियुक्त यदि सरकारी कर्मचारी नहीं है, तो गिरफ्तारी के लिए उस जिले के एस.एस.पी. की सहमति जरूरी होगी। न्यायालय के निर्णयानुसार, संविधान बिना जाति या धर्म के भेदभाव के बराबरी की बात करता है। इस कानून का यह तात्पर्य नहीं कि जाति व्यवस्था जारी रहे। ऐसा होने पर संवैधानिक मूल्यों का ह्रास हो सकता है। इस कानून का यह उद्देश्य नहीं है कि सरकारी कर्मचारियों को काम करने से रोका जाए। प्रत्येक मामले (सत्य और असत्य दोनों) में यदि अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी जाए तो फिर निर्दोष लोगों को कैसे बचाया जाएगा।

❑ सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर प्रतिक्रिया

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर अनु.जाति एवं जनजाति समुदाय के संगठनों तथा नेताओं द्वारा तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। इनका कहना है कि, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से उन्हें सामाजिक शोषण से जो रक्षा मिल रही थी, उसमें कमी आएगी और उनके खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ जाएंगी। ये लोग सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय पर पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं। इसी के निमित्त इन संगठनों द्वारा 2 अप्रैल, 2018 को 'भारत बंद' का आह्वान किया गया। इस दौरान देश भर में हिंसा एवं अराजकता का माहौल रहा तथा कई लोगों की जान भी चली गई। वहीं सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि उसके निर्णय से कहीं से भी उक्त कानून कमजोर नहीं होगा। इसका उद्देश्य केवल निर्दोषों को बचाना है।

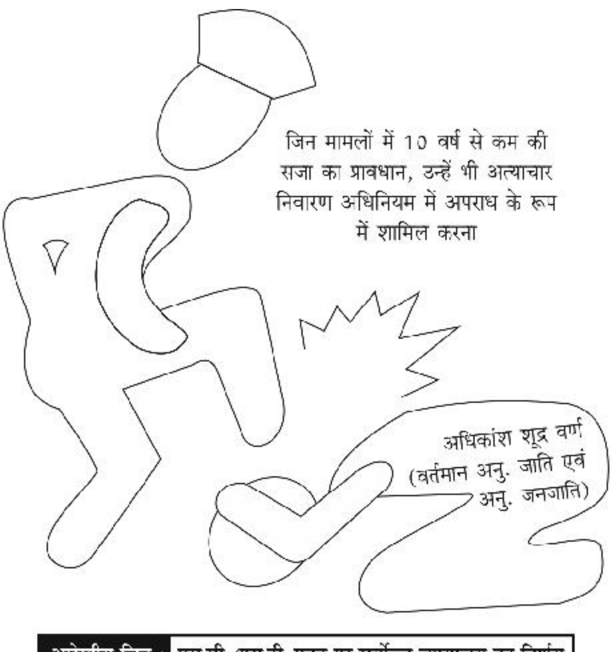

आरेखीय चित्र : एस.सी./एस.टी. एक्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय

❑ निष्कर्ष

प्रसिद्ध भारतीय समाजशास्त्री डॉ. राधाकमल मुखर्जी ने सामाजिक परिप्रेक्ष्य में कहा है कि, ''यदि समाज अपने अस्तित्व को बनाए रखना चाहता है, तो उसके लिए यह आवश्यक है कि वह व्यक्तित्व के परम या सर्वोच्च मूल्यों की नियमित पूर्ति करता रहे। संपूर्ण मानव समाज व मानव कल्याण के लिए इन मूल्यों का संरक्षण आवश्यक है।'' समानता, प्रेम, सद्भाव, भाईचारा ही वे मूल्य हैं, जिनके आधार पर एक नए भारत का निर्माण किया जा सकता है। अनु.जाति एवं अनु. जनजाति के लोगों के समुचित विकास के बिना ऐसा संभव नहीं है।

माना कि मूक रहना दासता की निशानी है और वाक् अभिव्यक्ति आजादी का सूचक, किंतु मुंह का ज्यादा खुलना भी तो बीमारी का सूचक ही है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के संदर्भ में इसे समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, इसमें कोई संदेह नहीं कि अनु. जातियों एवं अनु. जनजातियों की सुरक्षा हेतु कठोर कानून का होना जरूरी है, लेकिन किसी निर्दोष को सजा न हो, इसकी भी चिंता आवश्यक है। 30 नवंबर, 2017 को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा 'भारत में अपराध, 2016' नामक रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2016 में अनुसूचित जातियों के खिलाफ अत्याचार/अपराध में वर्ष 2015 की तुलना में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि तथा अनु. जनजातियों के खिलाफ अत्याचार/अपराध में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अपने अधिकारों के प्रति वंचित समुदाय की बढ़ती जागरूकता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ ही दायित्व बोध की अनुपस्थिति चिंताजनक है। अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भान होना आवश्यक है। केंद्र सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में निर्णय की पुनर्समीक्षा हेतु याचिका दाखिल की गई है, जिसे न्यायालय द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। उम्मीद है कि न्यायालय द्वारा इस संबंध में कोई युक्तियुक्त निर्णय लिया जाएगा।

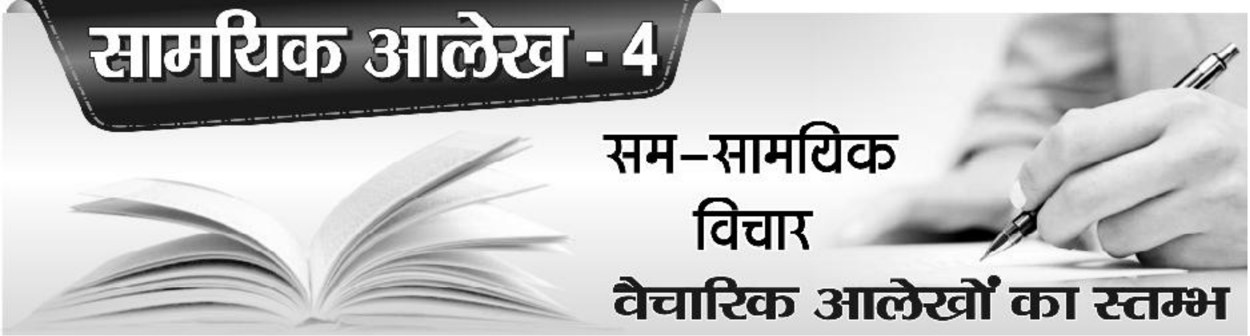

नव शीत युद्ध की आशंका?

– अंकित पाठक

❑ प्रस्तावना

आज दुनिया एक ऐसे मुकाम पर खड़ी है जहां से उसके भविष्य का निर्णय होना है। इतिहास में ऐसे क्षण कई बार आए हैं, जब दुनिया की राजनीतिक प्रकृति में एकाएक बदलाव आया है। ऐसा ही एक क्षण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तब आया था, जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री चर्चिल ने अपने प्रसिद्ध 'फुल्टन भाषण' में शीत युद्ध की घोषणा की थी। यह घोषणा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया पर सत्ता की इस प्रकार जोर आजमाइश के लिए थी कि कौन दुनिया पर अपना हर प्रकार का प्रभुत्व स्थापित करेगा? चूंकि द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मन सेनाओं को परास्त करने में सोवियत लाल सेनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका थी और विश्व पटल पर सोवियत संघ एक नई शक्ति बनकर उभरा था, इसलिए शक्ति के संतुलन को स्थापित करने के लिए बाकायदा शीत युद्ध की घोषणा की गई, लेकिन इसमें दूसरे पक्ष का नेतृत्व ब्रिटेन ने नहीं बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने किया। लगभग पूरी दुनिया पर सैकड़ों वर्षों के शासन के बाद शक्ति का केंद्र यूरोप से अमेरिकी महाद्वीप में गया था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से लेकर बीसवीं सदी के नब्बे के दशक तक जारी शीत युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जो फसल बोई थी, भले ही वह सोवियत संघ के पतन के बाद कट गई हो, लेकिन इसकी पौध वर्तमान राजनीति में गाहे-बगाहे उग जाती है। आजकल वैश्विक महकमें में यही गर्माहट देखी जा रही है, बस इस बार संघर्ष की प्रकृति, संघर्ष का स्थल, उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता, उद्देश्य आदि में मौलिक भिन्नता है, फिर भी जानकार इसे 'नव शीत युद्ध की संज्ञा' दे रहे हैं। प्रस्तुत आलेख में अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बने इस नए समीकरण के विविध पहलुओं पर चर्चा की गई है।

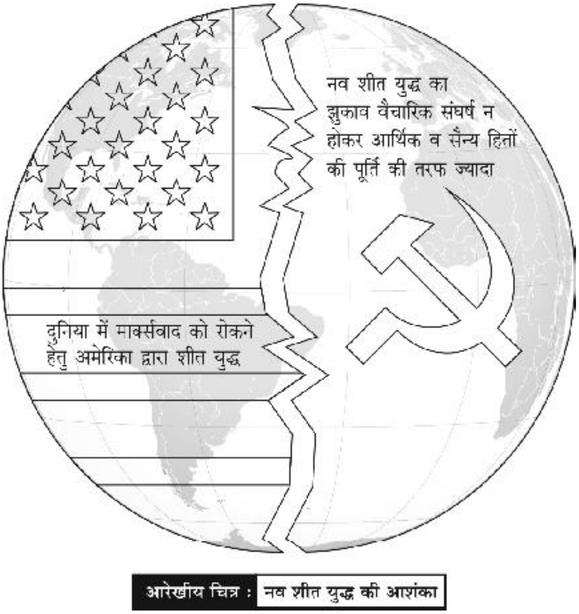

आरेखीय चित्र : नव शीत युद्ध की आशंका

❑ हालिया परिस्थितियां

इस वर्ष रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने तीसरे कार्यकाल के अंतिम दिनों में राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में रूस की सैन्य स्थिति का पुरजोर बखान किया। उन्होंने ऐलान किया कि रूस की 'इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों' की जद में पूरी दुनिया है। पुतिन एक तीर से दो निशाना साध रहे थे, पहला तो वो पूरी दुनिया खासकर पश्चिमी दुनिया को यह संदेश दे रहे थे कि रूस अब पहले वाला रूस नहीं रहा, अपने भाषण के दौरान उन्होंने वीडियो प्रदर्शन के द्वारा अपनी मिसाइलों की पहुंच अमेरिका तक दिखाई। दूसरा वे रूस की जनता को यह संदेश दे रहे थे कि अगले चुनाव में वे ही एक बेहतर उम्मीदवार हैं, जो रूस की हर प्रकार से सुरक्षा कर सकते हैं, अब तो पुतिन अपने चौथे कार्यकाल के लिए तमाम विरोध प्रदर्शनों के बीच चुने जा चुके हैं। पुतिन ने इसी भाषण में कहा कि 'जिसने भी रूस को रोकने की कोशिशें की हैं, वह नाकाम रहा है।' यानि अब विश्व राजनीति में रूस का कद बढ़ता नजर आ सकता है। पुतिन के इस भाषण के बाद 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज' के विद्वान मार्क फिट्जपैट्रिक ने कहा कि 'मुझे लगता है कि हम शीत युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं, ये केवल पुतिन के बयान की वजह से नहीं है, राष्ट्रपति ट्रम्प भी ऐसे ही बयान देते हैं कि उनके पास बेस्ट परमाणु हथियार है।' हालांकि रूसी रक्षा विशेषज्ञों और नेताओं ने नव शीत युद्ध की संभावना से इंकार किया। उनके अनुसार, 'कम-से-कम हमारे राष्ट्रपति की बातों से तो ऐसा नहीं लगता, हां अगर आपको शीत युद्ध की जड़ खोजनी है, तो पश्चिमी दुनिया की ओर नजर दौड़ानी पड़ेगी।'

रूस की ओर से चल रही ऐसी बयानबाजियां निर्वात में नहीं हो रहीं थीं। इसके पीछे वैश्विक महकमें में हो रहीं राजनीतिक घटनाएं

यकीनन जिम्मेदार थीं। इसके कुछ दिन पहले ही ब्रिटेन में पूर्व रूसी जासूस और उसकी बेटी की जहर देकर हत्या करने की कोशिश की गई थी। फिर एक ऐसा सिलसिला चला जिसने बीसवीं सदी के शीत युद्ध की याद ताजा कर दी। अमेरिका ने तकरीबन 60 रूसी राजनयिकों का निष्कासन कर दिया, जिसकी देखा-देखी अमेरिका के अन्य सहयोगियों ने रूसी राजनयिक अपने देश से निकाल दिए। यह घटना वर्ष 1986 के उस घटनाक्रम की याद दिलाती है, जब दोनों गुटों की ओर से सैकड़ों राजनयिकों का निष्कासन किया गया था। लेकिन आज मात्र राजनयिकों के निष्कासन से ही यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि यह स्थिति शीत युद्ध जैसी है, क्योंकि आज व्यापारिक और रणनीतिक रूप से सभी देश इस कदर जुड़े हुए हैं कि उनके संबंधों में तल्खियां उनका व्यापक नुकसान कर सकती हैं। यूरोपियन यूनियन और रूस के आर्थिक संबंध आज जितने गुथे हुए हैं, उतने पहले नहीं थे। और आज अमेरिका के लिए रूस से बड़ा आर्थिक और सैन्य खतरा चीन बन चुका है। अमेरिका और रूस के बीच सहयोग का उदाहरण भी पिछले दिनों में तब देखने को मिला जब अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी सीआईए ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में एक आतंकी हमला रोकने में रूस की मदद की थी। इसलिए हालिया घटनाक्रमों से इस बात के कयास भर लगाए जा सकते हैं कि वैश्विक राजनीति एक नव शीत युद्ध की तरफ बढ़ रही है, लेकिन उसके संबंध में पुख्ता रूप से अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। इसके लिए आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय पारिस्थितिकी का इंतजार करना पड़ेगा कि वह क्या रुख अख्तियार करती है।

फिर भी यदि वैश्विक राजनीति के पर्यावरण की बात करें, तो शक्ति संतुलन को स्थापित करने के क्रम में पश्चिमी अफ्रीका से लेकर कोरियाई देशों तक वर्तमान में जो स्थितियां बन रहीं हैं उन पर नजर डालें तो 'नव शीत युद्ध' की मौजूदा तस्वीर कुछ स्पष्ट होती नजर आएगी। लेकिन उसके भी पहले हमें संक्षेप में 'शीत युद्ध' की अवधारणा, इसकी ऐतिहासिक निर्मिति एवं विकास और अवसान पर बात कर लेनी चाहिए, फिर पुनः इसके उभार पर, जिसे आज 'नव शीत युद्ध' कहा जा रहा है, चर्चा की जाएगी।

❑ शीत युद्ध का पिछला दौर

बीसवीं सदी मानव सभ्यता के इतिहास की सबसे अधिक सर्जक और उससे भी अधिक संहारक सदी थी। पुनर्जागरण काल से उपजी आधुनिकता ने आर्थिक और राजनीतिक प्रगति के जो रास्ते बनाए उससे पूंजीवाद और उदारवाद नामक दो विचारधाराओं का जन्म हुआ। इसके प्रत्युत्तर के बतौर समाजवाद और मार्क्सवाद जैसी विचारधारा आई, लेकिन दोनों के अंतर्संघर्ष में विजय या कहें प्रभुत्व पूंजीवाद और उदारवाद का रहा। यूरोपीय देशों ने लगभग दुनिया को अपने उपनिवेश में तब्दील कर दिया, उपनिवेशों पर कब्जे की इसी होड़ ने प्रथम विश्व युद्ध में दुनिया को झोंक दिया। प्रथम विश्व युद्ध के बाद फासीवाद (Fascism) ने दुनिया को द्वितीय विश्व युद्ध में धकेल दिया, जो अनुपात में पहले से बहुत बड़ा था। इसी दौरान ही शीत युद्ध की नींव पड़ रही थी। द्वितीय विश्व युद्ध शक्ति की ऐसी एक्सरसाइज थी, जिसने यह निर्धारित कर दिया कि युद्ध की समाप्ति के बाद दुनिया पर किसका प्रभुत्व रहेगा। एक तरफ अमेरिका जो प्रथम विश्व युद्ध में शामिल नहीं था, द्वितीय विश्व युद्ध का अमानवीय अंत इस प्रकार करता है कि दुनिया की पहली परमाणु शक्ति बनकर उभरता है, तो दूसरी तरफ सोवियत संघ द्वारा फासीवाद को परास्त करने में अहम भूमिका ने उसे एक शक्तिशाली समाजवादी देश के रूप में मान्यता दे दी।

यह वह समय था जब लातिन अमेरिका, अफ्रीका और सबसे बढ़कर एशिया महाद्वीप के उपनिवेश आजाद हो रहे थे, इन नव स्वतंत्र राष्ट्रों के समक्ष उनके नवनिर्माण की चुनौतियां तो थी हीं, साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक पटल पर उभरी दो महाशक्तियों से संबंधों के निर्धारण की भी चुनौती थी। संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ अब एक ऐसी राह पर चल पड़े जिसमें प्रत्यक्ष युद्ध की संभावना नहीं थी बल्कि परोक्ष रूप से एक ऐसा वातावरण बन रहा था, जो असली युद्ध से भी अधिक भयावह और जिसके परिणाम तत्कालीन कम, भविष्य में अधिक देखने को मिलने लगे। दोनों महाशक्तियों के बीच का यह छद्म युद्ध अपनी प्रकृति में वैचारिक अधिक था, यहां उदारवाद और मार्क्सवाद की सीधी टकराहट थी। इसके लिए अमेरिका ने नए स्वतंत्र राष्ट्रों को अपनी ओर शामिल करने के लिए पर्याप्त चालें चली, तो सोवियत संघ भी इसमें पीछे नहीं रहा। दोनों ने अपने-अपने प्रभुत्व को स्थापित करने के लिए सैन्य संगठनों का निर्माण कर डाला। यह शीत युद्ध जमीन पर कम आसमान पर अधिक हो रहा था, अंतरिक्ष पर पहुंचने की होड़ में रूस ने बाजी मारी, तो अमेरिका भी पीछे नहीं रहा। यह युद्ध हथियारों से कम कागजों (दोनों देश एक-दूसरे के दुष्प्रचार के लिए पत्र-पत्रिकाएं और किताबें निकालने लगे) से अधिक लड़ा गया, इस युद्ध में तकनीक अब हथियारों की जगह सिनेमा में लगने लगी थीं, जासूसी फिल्मों का लंबा दौर चला, रेडियो, टेलीविजन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक प्रचार माध्यमों का पूरा प्रयोग किया गया। हालांकि इसी बीच में भारत जैसे कुछ गुटनिरपेक्ष देश भी थे, जो जरूरत पड़ने पर दोनों महाशक्तियों से मदद लेते थे और उनके प्रति राजनीतिक प्रतिबद्धता को जाहिर करने के वक्त अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की वकालत करते थे।

यह दौर बीसवीं सदी के अंतिम दशक तक चला, लेकिन वास्तव में दुनिया में मार्क्सवाद को रोकने के लिए अमेरिका यह शीत युद्ध लड़ रहा था, जिसमें स्वघोषित तौर पर उसकी जीत होती है। कहने को यह लगभग पांच दशक का समय 'शीत युद्ध' का समय था, लेकिन वास्तव में यह एक अनवरत युद्ध का समय था, हां फर्क बस इतना था कि अब युद्ध का स्थल यूरोप नहीं था। शीत युद्ध के दौरान युद्ध के नए स्थल बन चुके थे, कोरिया संकट के रूप में चार वर्षों तक चलने वाले उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया विवाद की मुख्य जड़ इन्हीं महाशक्तियों की आपसी प्रतिस्पर्धा थी। वियतनाम में दो दशक तक चलने वाला युद्ध, जो कि एक समय बाद अमेरिका के लिए नुकसानदेह ही साबित हुआ। अफगानिस्तान में पहले सोवियत और फिर अमेरिकी हस्तक्षेप आज अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के प्रमुख कारणों में से एक है। कम्बोडिया, कांगो, इथियोपिया, सोमालिया, खाड़ी देश जैसे जगहों पर इसी

तथाकथित 'शीत युद्ध' के समय में हथियारबंद संघर्ष होता रहा और दोनों महाशक्तियों की अर्थव्यवस्था पटरी पर चलती रही, क्योंकि दुनिया के अलग-अलग कोनों पर युद्ध का चलते रहना इन्हें परोक्ष रूप से फायदा ही पहुंचा रहा था। इस तरह शीत युद्ध कभी उतना 'शीत' नहीं रहा बल्कि दोनों महाशक्तियों की परोक्ष लड़ाई में लाखों लोग मारे गए थे। बस परमाणु युद्ध की आशंका से कभी इन दो महाशक्तियों के बीच आमने-सामने युद्ध नहीं हुए।

इन पांच दशकों में भी कभी-कभी ऐसा दौर आता था, जब दोनों गुटों के बीच तनाव थोड़ा कम नजर आता था। इसे 'तनाव शैथिल्य' कहा गया था। कुछ वर्षों बाद जब तनाव बढ़ता था, तो तत्कालीन विद्वान इसे 'नव शीत युद्ध' का नाम दिया करते थे। यह क्यूबा मिसाइल संकट के बाद सत्तर के दशक के अंत में अफगानिस्तान से उपजे तनाव के साथ कहा जाने लगा था। फ्रेड हैलिडे ने अपनी पुस्तक 'द मेकिंग ऑफ़ द सेकंड वार' में लिखा कि 'पुराने शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और सोवियत संघ जिन सैद्धांतिक हथियारों से एक-दूसरे पर वार करते थे, उनका भंडार आज खर्च हो चुका है। आज ये दोनों महाशक्तियां जिस दंगल में भिड़ी हैं, वह तीसरी दुनिया में आधिपत्य जमाने के लिए सीधी-साधी जोर आजमाइश है।' लेकिन इस पुस्तक में दिया गया हैलिडे का तर्क आज ज्यादा प्रासंगिक लगता है। क्योंकि आज 'नव शीत युद्ध' की बात उस दौर में की जा रही है, जब शीत युद्ध के खात्मे के लगभग तीन दशक होने को हैं। भूमंडलीकरण अपने पूरे प्रवाह में दुनिया के सभी देशों को शामिल किए हुए है। इसलिए वर्तमान अंतरराष्ट्रीय पारिस्थितिकी का विश्लेषण करने पर ही 'नव शीत युद्ध' की वस्तुस्थिति की पड़ताल की जा सकती है।

❑ वर्तमान विश्व व्यवस्था और नव शीत युद्ध

शीत युद्ध के दौर की द्विध्रुवीयता से निकलकर आज दुनिया बहुध्रुवीय हो चुकी है। आज हम परमाणु युग में जी रहे हैं। अब परंपरागत साधनों की जगह शक्ति संतुलन के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। आधुनिक साधनों में अब 'सॉफ्ट पॉवर' प्रमुख हो गया है। शक्ति के प्रचलित मानदंडों से बात बहुत आगे बढ़ चुकी है। अब संयुक्त राज्य अमेरिका का ही आर्थिक और सैनिक रूप से वर्चस्व नहीं रह गया है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के खेल में अब कई नए खिलाड़ी भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, इसमें चीन सबसे अग्रणी है। चीन के अलावा यूरोपीय यूनियन और दक्षिण एशियाई देश भी अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। लेकिन इन सब के बीच सवाल अंतरराष्ट्रीय घटनाओं को प्रभावित कर सकने की क्षमता से है। नब्बे के दशक में शीत युद्ध के खात्मे के बाद दुनिया की राजनीति में जो सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन आया, वह 9/11 की घटना के बाद आता है। यह एक ऐसी घटना थी, जिसका विश्लेषण आज भी ठीक-ठीक नहीं किया जा सका है। कुछ विश्लेषण तो इस प्रकार भी हुए हैं जो अमेरिकी राष्ट्र-राज्य के वाहकों की मंशा पर सवाल उठाते हैं क्योंकि ऐसे हमले 'हॉलीवुड' की फिल्मों में पहले आ चुके थे। 9/11 के बाद से अमेरिका के दुनियाभर के मुसलमानों के प्रति नजरिए में एकाएक बदलाव आता है, अमेरिकी राष्ट्र-राज्य को सभी मुसलमान उसके दुश्मन नजर आने लगते हैं। ग्वांटानामो खाड़ी के डिटेंशन केंद्र में मुस्लिमों की संख्या बढ़ने लगी और दुनियाभर से मुस्लिमों को पकड़कर प्रताड़ित किया जाने लगा। इसकी दास्तां शोएब मंसूर की फिल्म 'खुदा के लिए' में भी दिखती है। लेकिन यहां महत्वपूर्ण यह है कि इस घटना के बाद पश्चिमी अफ्रीका से लेकर मध्य एशिया तक जो लड़ाई शुरू हुई, वह अभी तक शांत नहीं हुई है। 9/11 के बाद दुनियाभर से अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खात्मे के लक्ष्य के साथ अमेरिका और उसके सहयोगी अपनी सेनाओं से अलकायदा जैसे आतंकी संगठन को निशाना बनाते हैं। यह लड़ाई ओसामा बिन लादेन के मरने के बाद भी अनवरत चल रही है, क्योंकि अब दुनिया अन्य आतंकी संगठनों के निशाने पर है। तालिबान, इस्लामिक स्टेट, बोको हराम और हिजबुल मुजाहिद्दीन जैसे आतंकी संगठन आज दुनिया के सभी देशों के लिए खतरा बने हुए हैं। वर्ष 2003 में अमेरिका ने इराक पर **'ऑपरेशन एंडयुरिंग फ्रीडम'** नाम से हमला किया। हमला इस उद्देश्य के साथ किया गया था कि इराक के जैविक और रासायनिक हथियारों को नष्ट करना है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा गठित हैंस ब्लिक्स समिति की रिपोर्ट में इराक में किसी प्रकार के जैविक हथियार न मिलने की बात सामने आई। इसी तरह अफगानिस्तान में तालिबान और अन्य आतंकी संगठनों के साथ युद्ध की शुरुआत नाटो ने की, जो घोषित रूप से दिसंबर, 2014 में जाकर समाप्त हुआ, लेकिन अघोषित रूप से अभी भी चल रहा है। वर्ष 2011 से सीरिया जिस आग में जल रहा है अब उसकी आंच पूरी दुनिया को लग रही है। सीरिया पिछले सात वर्षों से वैश्विक महाशक्तियों के लिए शक्ति प्रदर्शन का अड्डा बना हुआ है। सीरिया की सत्ता पर दशकों से काबिज असद परिवार वहां का शिया अल्पसंख्यक है जबकि सीरिया में सुन्नी बहुसंख्यक हैं। इस्लामिक स्टेट इन्हीं बहुसंख्यक सुन्नियों के दम पर सीरियाई सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है। अन्य सुन्नी बाहुल्य मुस्लिम देशों का सहयोग भी इस्लामिक स्टेट को मिल रहा है लेकिन सीरियाई सरकार का साथ रूस और ईरान अपने फायदे के लिए दे रहे हैं, क्योंकि इस क्षेत्र में अमेरिकी हित भी ज्यादा हैं। कहने को

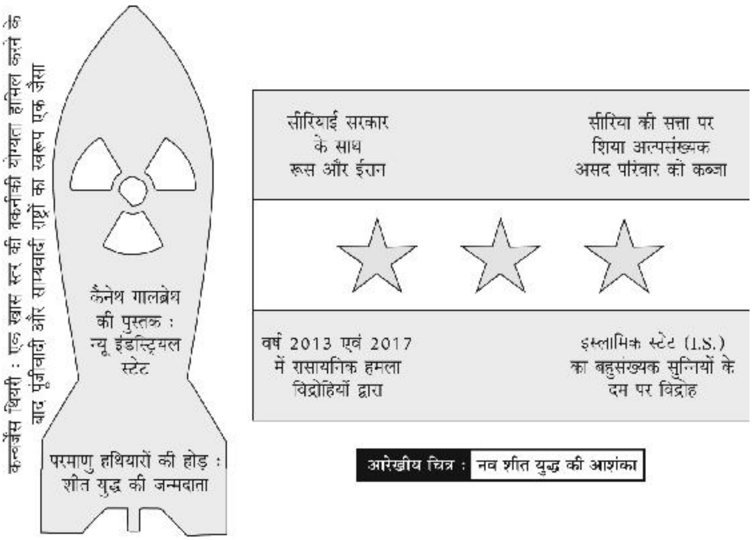

आरेखीय चित्र : नव शीत युद्ध की आशंका

इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अमेरिका और रूस दोनों लड़ रहे हैं लेकिन सीरियाई सरकार पर यदा-कदा अपने नागरिकों पर रासायनिक हमले करवाने का आरोप लगाकर अमेरिका उनको भी निशाना बनाता रहता है, जबकि संयुक्त राष्ट्र की जांच में पता चला है कि सीरिया में वर्ष 2013 और वर्ष 2017 में हुए रासायनिक हमले विद्रोहियों द्वारा किए गए थे जिसका मकसद असद सरकार को बदनाम करके पश्चिमी देशों की मदद लेना था। एक समय में इराक और सीरिया के काफी हिस्से को अपने कब्जे में ले चुका इस्लामिक स्टेट इन दिनों अपने मकसद में काफी पीछे हो गया था। सीरिया सरकार ने रूस की मदद से अपने ज्यादातर हिस्से पुनः प्राप्त कर लिए थे। इराक में भी महत्वपूर्ण स्थानों पर अमेरिका की मदद से सरकार की वापसी हो चुकी थी लेकिन ऐसे समय में पिछले दिनों में जब तीसरी बार सीरिया में रासायनिक हमला होता है, तो एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बयान से यह क्षेत्र गर्म हो उठता है। अमेरिका ने रूस को चेताते हुए कहा कि सीरिया में अमेरिकी मिसाइलें आ रही हैं।

जबकि ट्रम्प ने अपने चुनाव प्रचार में कहा था कि वे सीरिया से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाएंगे और 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति पर काम करेंगे। यहां तक की ट्रम्प ने इराक में जूनियर बुश के समय अमेरिका द्वारा किए गए हस्तक्षेप को भी गलत ठहराया था। वर्तमान में अमेरिका के अंदर भी इस प्रकार का माहौल है कि वहां की जनता भी किसी प्रकार का युद्ध नहीं चाहती, अमेरिका की जनता यह देख चुकी है कि उसका कुल वार्षिक बजट एक खरब डॉलर का है, जबकि इराक युद्ध में अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने छह खरब डॉलर से अधिक खर्च कर दिए हैं। अब अमेरिका एक और ऐसे युद्ध में नहीं पड़ना चाहता जिससे उसकी आंतरिक आर्थिक स्थिति को नुकसान पहुंचे। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की वर्तमान उद्घोषणाओं से कुछ दूसरे अर्थ ही निकल रहे हैं।

इसी जेरे बहस में सुदूर पूर्व भी तब आ गया जब उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच दशकों से जमी बर्फ पिघल गई। विदित है कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु कार्यक्रम की वजह से पश्चिमी देशों विशेषकर अमेरिका द्वारा लादे गए आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंधों से बंध गया था। अब उसके लिए बिना दक्षिण कोरिया से संबंध ठीक किए आगे की राह आसान नहीं थी। अमेरिका ने भी उत्तर कोरिया के प्रति नरमी दिखानी शुरू कर दी। आने वाले समय में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उनसे ट्रम्प की मुलाकात नए राजनीतिक समीकरण बनाएगी, यह देखने वाली बात होगी कि अमेरिका किस प्रकार उत्तर कोरिया के संबंध में अपने इतिहास के अनुभवों से सीख लेकर अब नए तरह से संबंध बनाएगा।

लेकिन इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान के साथ वर्ष 2015 में हुए P5+1 देशों के साथ हुए उस समझौते को नकार दिया, जिसे सुरक्षा परिषद की भी मंजूरी मिल चुकी थी। यहां तक की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अपनी संतुष्टि समय-समय पर जाहिर की थी। हालांकि अमेरिका के इस निर्णय के साथ न तो नाटो के उसके अन्य सहयोगी हैं न ही सुरक्षा परिषद के चीन और रूस जैसे देश, फिर भी अमेरिका को सऊदी अरब और इस्राइल का साथ उसके इस निर्णय में जरूर मिला है, जिससे इस क्षेत्र में राजनीतिक संबंधों में फिर से तल्खाहट बढ़ने वाली है। हो सकता है कि अब अमेरिका की ओर से ईरान पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाए जिसका प्रभाव अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ना निश्चित है। वर्ष 2015 के बाद से यूरोपीय कंपनियों ने ईरान में अच्छा निवेश किया है और अब दोनों के द्विपक्षीय संबंध काफी आगे तक चले गए हैं, जिन्हें निश्चित ही अमेरिकी प्रतिबंधों का असर झेलना पड़ सकता है। ऐसे हालात में ईरान जो कि रूस का अच्छा सहयोगी है, इस क्षेत्र में रूस से मदद लेने में नहीं हिचकेगा और अंततः ऐसे समीकरण 'नव शीत युद्ध' की ओर ले जा सकते हैं।

वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों का हित मध्य एशियाई और अफ्रीकी देशों में सबसे अधिक है। ऊर्जा (पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) की राजनीति, हथियार की राजनीति और धार्मिक कट्टरवाद की राजनीति से जनित 'आतंकवाद की राजनीति' में आज सभी देश प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से या तो प्रभावित हैं या फिर प्रश्रय दे रहे हैं। बीसवीं सदी के शीत युद्ध के पांच दशकों का दौर रहा हो या पिछले लगभग तीन दशक का, इन समयों में दुनिया के किसी न किसी कोने में 'युद्ध' या 'युद्ध जैसी स्थिति' जारी रही है। यह युद्ध दो या दो से अधिक देशों के मध्य भी जारी रहा है और देशों के भीतर भी गृह युद्ध के रूप में। इन वर्षों में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी महाद्वीप के कई देश लंबे गृह युद्ध की चपेट में आए हैं। स्वयं भारत में ही आंतरिक हथियारबंद गृह युद्ध की स्थिति अलगाववाद और नक्सलवाद के नाम पर जारी है, जिसने भारतीय राष्ट्र-राज्य को सबसे बड़े हथियार आयातक देशों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। दुनिया के और भी विकासशील देश ऐसी स्थिति में हैं कि वे अपने पड़ोसी देशों के अलावा आंतरिक युद्धक स्थितियों से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विश्लेषक इसे नए-नए नामों से नवाजते रहे हैं। ऐसी स्थिति में वर्तमान में चर्चा में आया 'नव शीत युद्ध' प्रचार ज्यादा लगता है क्योंकि अब वह वैचारिक टकराहट नहीं रही जो बीसवीं सदी के शीत युद्ध में थी।

कैनेथ गालब्रेथ कहते हैं कि एक खास स्तर की तकनीकी योग्यता हासिल कर लेने के बाद पूंजीवादी और साम्यवादी राष्ट्र एक ही स्वरूप धारण कर लेते हैं। वे अपनी पुस्तक 'न्यू इंडस्ट्रियल स्टेट' में इसे 'कन्वर्जेंस थियरी' कहते हैं। वर्तमान में यह अवधारणा ज्यादा प्रचलित दिखाई देती है। चीन अपने पूंजीवादी हितों को पूरा करने के लिए किसी भी पूंजीवादी देश से अधिक पूंजीवादी है और रूस भी अब उस तरह समाजवादी नहीं रहा, जैसा पहले हुआ करता था। इसलिए 'नव शीत युद्ध' का झुकाव वैचारिक संघर्ष की ओर न होकर आर्थिक और सैन्य हितों की पूर्ति की तरफ ज्यादा है। देशों की अर्थव्यवस्था पटरी पर रहे इसके लिए जरूरी है कि 'युद्ध' होता रहे या 'युद्ध का माहौल' बना रहे क्योंकि इससे माना जाता है कि अर्थव्यवस्था में मंदी नहीं आएगी, हथियारों की खपत जारी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में 'नव शीत युद्ध' जैसे मुहावरे इसलिए भी गढ़े जाते हैं कि ऐसी स्थितियों के विश्लेषण के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं सक्रिय रहें, देशों के अपने इंटेलीजेंस सक्रिय रहें और दूसरे देशों पर एक प्रकार का दबाव बना रहे।

इस प्रकार अब हम वर्तमान विश्व व्यवस्था के विश्लेषण के साथ मौजूदा 'नव शीत युद्ध' की पड़ताल तक पहुंचते हैं। इसमें प्रमुखतया यह दिखता है कि दुनिया अब उस तरह दो महाशक्तियों के इर्द-गिर्द नहीं रहती, जैसे एक जमाने में रहा करती थी। अब सभी देशों की अपनी स्वायत्त पहचान है, सभी देश अपने आर्थिक और सैन्य हितों के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'नव शीत युद्ध' जैसी स्थिति हो भी सकती है और नहीं भी। इसके कंक्रीट विश्लेषण के लिए आने वाले समय की अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का इंतजार करना होगा। ■■■

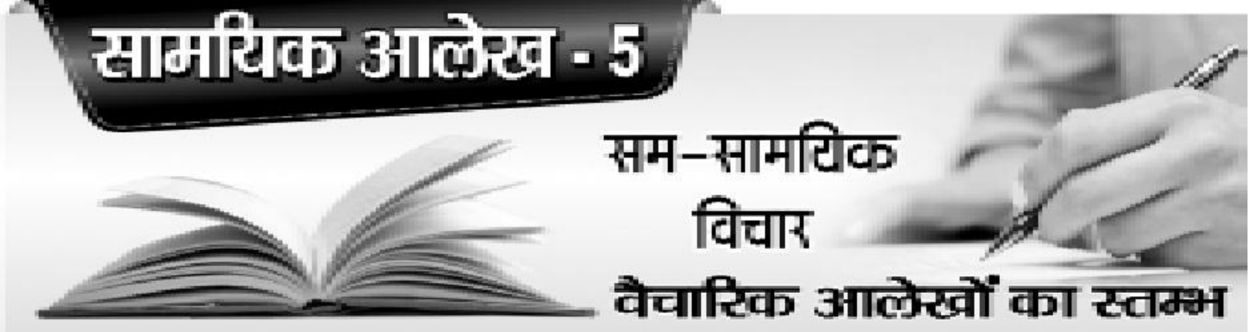

न्यायपालिका की साख पर संकट

— काली शंकर 'शारदेय'

एक व्यक्ति पहाड़ (जिद रूपी) पर चढ़कर नीचे खड़े लोगों से चिल्लाकर कहता है कि 'तुम सब मुझे बहुत छोटे दिखाई दे रहे हो।' प्रत्युत्तर में नीचे से आवाज आई कि 'तुम भी बहुत छोटे दिखाई दे रहे हो।' बस यही कहानी लगातार दोहराई जाती रहेगी, जब तक आरोप-प्रत्यारोप का स्तर गिरता रहेगा। लोकतंत्र में किसी को भी अपनी बात कहने का हक मिलना ही चाहिए, लेकिन इस हक के साथ अभिव्यक्ति की शालीनता का कर्तव्य भी जुड़ा होना चाहिए। असंयमित स्वतंत्रता उच्छृंखलता मानी जाती है, जिसे उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में मतभेदों का होना भी नई बात नहीं है। राजनीति में वैचारिक मतभेदों का सिलसिला लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती माना जाता है। लेकिन मतभेद जब मनभेद बन जाते हैं, तो समस्या का रूप ले लेते हैं। फिर भी बदनीयती न हो तो इनसे भी आसानी से पार पाया जा सकता है।

लोकतंत्र की मजबूती इस बात में ही निहित है कि, लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख बरकरार रहे। लेकिन आज इन्हीं संस्थाओं की साख पर संकट उत्पन्न हो गया है। सर्वोच्च न्यायालय के चार न्यायाधीशों द्वारा न्यायालय की कार्यप्रणाली पर सार्वजनिक रूप से सवाल खड़े करना तथा विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा देश के प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ कथित महाभियोग प्रस्ताव लाने से न्यायपालिका की साख और गरिमा को गहरा धक्का लगा है।

❑ महाभियोग एवं उसकी प्रक्रिया

महाभियोग एक न्यायिक प्रक्रिया है, जो राष्ट्रपति के पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ संविधान के अतिक्रमण का आरोप लगने पर संसद में चलाई जाती है। लगभग महाभियोग जैसी ही प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाने के लिए भी है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 61 में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का उल्लेख है, जबकि 124(4) व (5), 217 और 218 में न्यायाधीशों को हटाने के प्रस्ताव का उल्लेख किया गया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि संविधान के तहत न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है। साबित कदाचार या असमर्थता के आधार पर ही न्यायाधीशों को हटाया जा सकता है।

न्यायाधीशों को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया का विशेष उल्लेख न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 [The Judges (Inquiry) Act, 1968] में किया गया है। न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए इस प्रस्ताव के लिए नोटिस पर राज्य सभा के कम-से-कम 50 या लोक सभा के कम-से-कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर होने आवश्यक हैं। प्रस्ताव के लिए नोटिस को राज्य सभा में प्रस्तुत किए जाने पर सभापति या लोक सभा में प्रस्तुत किए जाने पर अध्यक्ष (Speaker) को यह अधिकार होता है कि वह नोटिस को स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है।

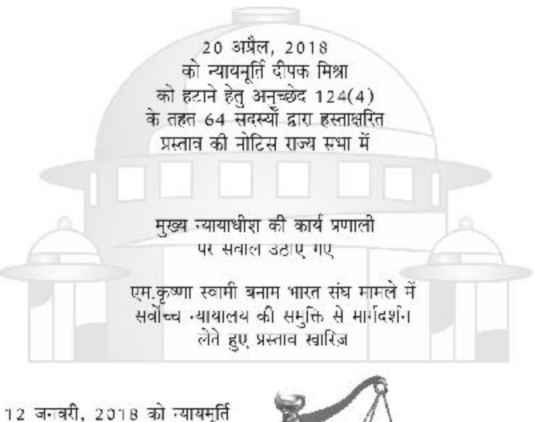

आरेखीय चित्र : न्यायपालिका की साख पर संकट

❑ जांच समिति का गठन

नोटिस स्वीकार कर लिए जाने के उपरांत संबंधित न्यायाधीश पर लगे आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की जाती है। इस समिति में तीन सदस्य होते हैं, जिनमें सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों में से एक सदस्य, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों में से एक सदस्य और एक ऐसा सदस्य, जो कि लोक सभा अध्यक्ष या राज्य सभा के सभापति की दृष्टि में कानून का विशेष ज्ञान रखता हो, शामिल होता है।

यदि इस नोटिस को एक ही दिन दोनों सदनों में प्रस्तुत किया जाता है, तो दोनों सदनों में इसकी स्वीकृति के पश्चात सभापति और लोक सभा अध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से समिति का गठन किया जाता है। यदि प्रस्ताव का नोटिस संसद के दोनों सदनों में अलग-अलग दिन प्रस्तुत किया जाता है, तो फिर जो नोटिस बाद में दी गई होती है उसे रद्द कर दिया जाता है। जांच समिति आरोपित न्यायाधीश को

अपना पक्ष लिखित रूप से सामने रखने का मौका देती है। यह समिति अपनी रिपोर्ट तैयार कर सभापति या अध्यक्ष या फिर संयुक्त रूप से गठित होने की स्थिति में दोनों को एक साथ सौंपती है।

❑ प्रस्ताव पर सदन में मतदान

समिति की रिपोर्ट में न्यायाधीश पर यदि आरोप साबित नहीं होता तो प्रस्ताव के लिए नोटिस को खारिज कर दिया जाता है। लेकिन समिति द्वारा न्यायाधीश को दोषी पाए जाने पर न्यायाधीश को पद से हटाए जाने के प्रस्ताव को दोनों सदनों में मतदान के लिए रखा जाता है। दोनों सदनों द्वारा कुल सदस्यों के बहुमत तथा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई मत से पारित होने पर प्रस्ताव को राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा जाता है। राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त होने के उपरांत दोषी न्यायाधीश को अपना पद छोड़ना पड़ता है।

❑ न्यायाधीशों के खिलाफ कथित महाभियोग का इतिहास

अतीत में झांकने पर यह पता चलता है कि, न्यायाधीशों के खिलाफ इसकी प्रक्रिया कभी भी आखिरी मुकाम तक नहीं पहुंची। लेकिन इसका प्रभाव इतना अवश्य रहा कि जिन न्यायाधीशों के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया गया, प्रायः उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. रामास्वामी पहले ऐसे न्यायाधीश थे, जिनके खिलाफ ऐसा प्रस्ताव लाया गया था। इनके खिलाफ वर्ष 1993 में प्रस्ताव लाया गया था। इन पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के आधार पर इनको हटाने का प्रस्ताव लाया गया था। हालांकि कांग्रेस पार्टी के मतदान में हिस्सा न लेने के कारण यह प्रस्ताव लोक सभा में पारित नहीं हो पाया।

वर्ष 2011 में कोलकाता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमित्र सेन ऐसे पहले न्यायाधीश बने, जिनके खिलाफ राज्य सभा ने प्रस्ताव पारित कर दिया था, हालांकि लोक सभा द्वारा इस प्रक्रिया को पूरा करने के पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके अतिरिक्त सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी.डी. दिनाकरण ने भ्रष्टाचार के आरोप में जांच समिति का सामना किया। जुलाई, 2011 में इसकी प्रक्रिया शुरू किए जाने से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

वर्ष 2015 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस.के. गंगले के खिलाफ एक महिला न्यायाधीश के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा था। राज्य सभा के सभापति द्वारा इनके खिलाफ जांच समिति का गठन किया गया। दो वर्षों तक चली जांच में उन पर आरोप साबित नहीं हो पाया तथा प्रस्ताव सदन में पेश नहीं हुआ। इसी प्रकार गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे.बी. पारदिवाला के एक फैसले में एक टिप्पणी के खिलाफ राज्य सभा में प्रस्ताव पेश किया गया था। लेकिन मामले को बढ़ता देखकर उन्होंने अपनी टिप्पणी वापस ले ली थी। वर्ष 2016 में आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सी.वी. नागार्जुन रेड्डी के खिलाफ कथित महाभियोग प्रस्ताव हेतु नोटिस दिया गया था, जो कि विफल हो गया था। प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले सांसदों में से कुछ ने बाद में अपने हस्ताक्षर वापस ले लिए थे।

❑ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

20 अप्रैल, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा को हटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 124(4) के तहत 64 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव की नोटिस राज्य सभा में पेश की गई। इसे कांग्रेस के नेतृत्व में कुछ अन्य विपक्षी पार्टियों द्वारा लाया गया। इन पार्टियों में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, सी.पी.एम., सी.पी.आई. और मुस्लिम लीग शामिल हैं।

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ ऐसा प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस दिया गया है। विपक्षी पार्टियों द्वारा मुख्य न्यायाधीश की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। इनके द्वारा जारी आरोप-पत्र में 12 जनवरी, 2018 की घटना का भी उल्लेख किया गया है। उस वक्त सर्वोच्च न्यायालय के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों यथा- न्यायमूर्ति जे. चेलमेश्वर, न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एम.बी. लोकुर और न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ ने उच्चतम न्यायालय की कामकाज की प्रणाली को लेकर अपना असंतोष सार्वजनिक रूप से जाहिर किया था। विपक्षी पार्टियों ने मुख्य न्यायाधीश पर पांच आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार, प्रसाद एजुकेशन ट्रस्ट मामले से संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों से प्रथम दृष्टया साक्ष्य से यह प्रतीत होता है कि मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा इस मामले में अनुचित लाभ का भुगतान करने की साजिश में शामिल हो सकते हैं, जिसकी कम से कम पूर्णरूपेण जांच होनी चाहिए। एक ऐसे मामले की सुनवाई करने वाली प्रत्येक पीठ की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश ने की थी, जिसमें उनके भी जांच के दायरे में आने की संभावना थी। मुख्य न्यायाधीश जब वकील थे, तब उन्होंने गलत हलफनामा दायर कर जमीन हासिल की थी। वर्ष 1985 में जमीन का पट्टा रद्द कर दिया गया, लेकिन वर्ष 2012 में जब वे सर्वोच्च न्यायालय में आए तब जमीन लौटाई। मुख्य न्यायाधीश ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, उन्होंने अपने मास्टर ऑफ रोस्टर के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए संवेदनशील मामलों को सुनवाई के लिए विशेष पीठों को सौंपा। इसके अतिरिक्त सर्वोच्च न्यायालय के चार न्यायाधीशों को सार्वजनिक रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी पड़ी। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उनकी चिंताओं का अभी तक निराकरण नहीं हुआ है।

❑ सभापति द्वारा प्रस्ताव खारिज

एम. कृष्णा स्वामी बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय की समुक्ति से मार्गदर्शन लेते हुए संविधान विशेषज्ञों और कानूनविदों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श के बाद उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति वेंकैया नायडू ने 23 अप्रैल, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा को पद से हटाने के प्रस्ताव की नोटिस को खारिज कर दिया। उनके अनुसार, संसद द्वारा प्रयुक्त वाक्यांश महज संदेह, अटकल बाजी या कल्पना की ओर संकेत कर रहे हैं। उन्होंने अपने आदेश में विपक्ष के तमाम आरोपों को निराधार बताते हुए प्रस्ताव को खारिज करने के विभिन्न कारण बताए हैं। उन्होंने कहा कि ''हम व्यवस्था के किसी भी स्तंभ को विचार, शब्द या कार्य-कलापों के द्वारा कमजोर करने की अनुमति नहीं दे सकते हैं।''

राज्य सभा के सभापति के अनुसार, न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा के खिलाफ लगाए गए आरोप पुख्ता नहीं हैं। खुद नोटिस देने वाले भी इस संदर्भ में निश्चित नहीं थे। प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ लगाए गए आरोपों में दुर्व्यवहार या अक्षमता को लेकर कोई भी विश्वसनीय और सत्यापन योग्य चीजें नहीं बताई गई हैं। किसी के महज विचारों के आधार पर संविधान के किसी स्तंभ को कमजोर होने नहीं दिया जा सकता। जो प्रश्न उठाए गए हैं, वो बुनियादी तौर पर न्यायपालिका की आंतरिक प्रक्रियाओं से संबंधित हैं। अतः इन पर आगे की जांच की आवश्यकता नजर नहीं आती। इसके अलावा जिन सांसदों द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया है, उनके द्वारा इसे सार्वजनिक करना संसदीय रिवाज और परंपरा का अनादर है।

वित्तीय अनियमितता के आरोप का जवाब देते हुए सभापति ने कहा कि यह महज शक और अनुमान पर आधारित है। जबकि अनु. 124(4) के अनुसार, कदाचार को सिद्ध करने वाले आधार प्रस्तुत करना अनिवार्य है। मुख्य न्यायाधीश द्वारा अपने प्रशासनिक अधिकारों के दुरुपयोग के आरोप का जवाब देते हुए सभापति ने कहा कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की पीठ ने 14 नवंबर, 2017 को कामिनी जायसवाल बनाम भारत संघ मामले में यह निर्णय दिया है कि मुख्य न्यायाधीश ही रोस्टर का प्रमुख है। सभापति ने विपक्ष को इस तरह के आरोप लगाने से बचने की नसीहत देते हुए कहा कि इस तरह का फैसला लेने से पहले कई बार सोचना चाहिए क्योंकि ऐसे प्रस्ताव से आम जनता का न्यायपालिका में भरोसा घटता है। उन्होंने कहा कि, ''लोकतांत्रिक व्यवस्था के संरक्षक होने के नाते इसे वर्तमान और भविष्य में मजबूत बनाना तथा संविधान निर्माताओं द्वारा सौंपी गई इसकी समृद्ध एवं भव्य इमारत की नींव को कमजोर नहीं होने देना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।''

14 नवंबर, 2017 : कामिनी जायसवाल बनाम भारत संघ मामला : मुख्य न्यायाधीश ही रोस्टर का प्रमुख

- अनुच्छेद 61 में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव
- अनुच्छेद 124(4) व (5), 217 और 218 में न्यायाधीशों को हटाने का प्रस्ताव
- न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग शब्द का इस्तेमाल नहीं
- साबित कदाचार या असमर्थता के आधार पर न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया

आरेखीय चित्र : न्यायपालिका की साख पर संकट

❑ प्रस्ताव को खारिज करने के खिलाफ याचिका

कांग्रेस पार्टी के नेता प्रताप सिंह बाजवा और अमी याज्ञनिक ने मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ प्रस्तुत नोटिस को खारिज करने के राज्य सभा के सभापति के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। इस याचिका पर पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन किया गया। इस पीठ में न्यायमूर्ति ए.के. सीकरी, एस.ए. बोबडे, एन.वी. रमन, अरुण मिश्रा और ए.के. गोयल शामिल थे। यहां गौर करने वाली एक और अहम बात यह है कि इस याचिका को वरिष्ठता क्रम में दूसरे से पांचवें स्थान पर आने वाले न्यायमूर्ति जे. चेलमेश्वर, रंजन गोगोई, मदन बी. लोकुर और कुरियन जोसेफ के समक्ष सूचीबद्ध नहीं किया गया। ये वही न्यायाधीश हैं, जिन्होंने 12 जनवरी को विवादित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मुख्य न्यायाधीश पर कई आरोप लगाए थे।

8 मई, 2018 को इस याचिका पर सुनवाई शुरू हुई, परंतु कांग्रेस के सांसदों ने याचिका नाटकीय तरीके से वापस ले ली। बाद में पीठ द्वारा मामला वापस लेने के रूप में खारिज कर दिया गया।

❑ निष्कर्ष

लोकतांत्रिक व्यवस्था में अभिव्यक्ति की आजादी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। ऐसे में व्यवस्थाओं पर सवाल उठने लाजमी हैं। आरोप-प्रत्यारोप का भी दौर चलता ही रहता है, लेकिन नीयत में खोट न हो तो इन सभी से पार पाया जा सकता है।

भारत में न्यायपालिका को पूरी तरह से अराजनीतिक माना जाता रहा है। लेकिन पिछले कुछ समय से इसमें बदलाव आता दिख रहा है। शीर्ष अदालत के कतिपय न्यायविदों द्वारा न्यायिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करना तथा विपक्षी पार्टियों द्वारा मुख्य न्यायाधीश को हटाने हेतु प्रस्ताव के लिए नोटिस लाना गंभीर चिंता का विषय है। सतही तौर पर इन कदमों से न्यायपालिका की साख ही गिर रही है। छीजते सियासी मूल्यों तथा तानाशाह नौकरशाही से आहत आम जनता को न्यायपालिका से काफी हद तक राहत मिलती रही है। लिहाजा न्यायपालिका ही उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में है। अब सर्वोच्च न्यायालय को ही कठघरे में खड़ा करने से आम जनता का उस पर से भरोसा तो डगमगाएगा ही।

किसी के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाने मात्र से ही उसका शानदार किरदार हमेशा के लिए आब खो बैठता है, भले ही महाभियोग का परिणाम जो भी हो। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के खिलाफ मोनिका लेविंस्की मामले में महाभियोग प्रस्ताव की याद अभी भी लोगों के जेहन में है, लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए उनका आठ वर्षीय दूरदर्शी नेतृत्व यादों से ओझल सा हो गया है।

यह प्रस्ताव लाने वालों का कहना है कि उच्च संवैधानिक कर्तव्यों के मद्देनजर वे इसे लेकर आए हैं, तो वहीं इसके विरोध में कहा गया कि यह प्रस्ताव राजनीति से प्रेरित है। इसे न्यायाधीशों को धमकाने के लिए लाया गया है। यह प्रस्ताव अपनी तरह का पहला प्रस्ताव था। यह आगे बढ़ता तो भी संवैधानिक रूप से बेमानी रहता, क्योंकि मौजूदा मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल 2 अक्टूबर, 2018 को समाप्त हो रहा है। प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ऐसे बेमानी कवायद को सिरे क्यों चढ़ाया गया? कानूनविद् सोली सोराबजी का कहना है कि, ''किसी भी राजनीतिक दल को अप्रिय आदेश भी पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश को हटाने संबंधी इस कवायद से लोगों के मन में न्यायपालिका के प्रति संदेह पैदा हो गए हैं, जो इस संस्था के लिए अच्छा नहीं है।'' इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता न्यायपालिका की साख को बचाना है। सर्वोच्च न्यायालय अपने आंतरिक विवाद को पारदर्शी तरीके से अपने ही मंच पर सुलझा सकती है। सार्वजनिक बयानबाजी इसकी साख के लिए ठीक नहीं है। ■■■

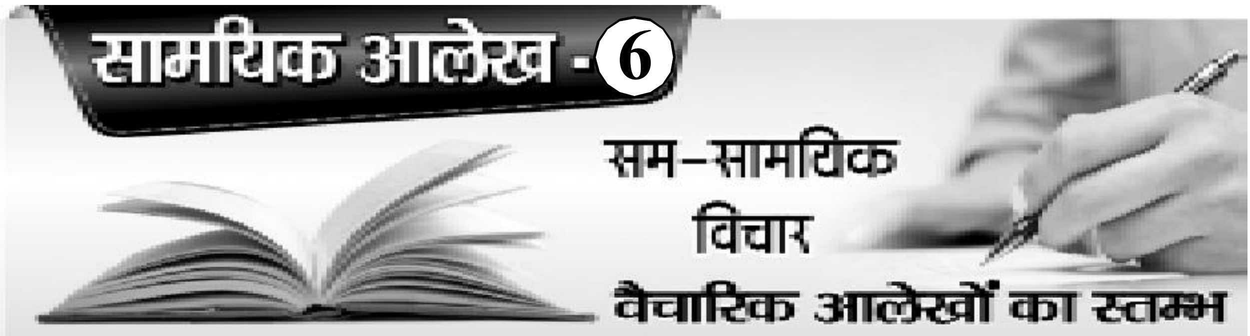

दयामृत्यु : एक ऐतिहासिक निर्णय

— एस.के. झा.

यूथेनेसिया अर्थात 'दयामृत्यु' एक शब्द मात्र नहीं बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है। यह आंदोलन इंग्लैंड में वर्ष 1935 में 'यूथेनेसिया सोसायटी' की स्थापना के साथ प्रारंभ होता है तथा संपूर्ण विश्व में व्यक्तिगत/संस्थागत स्वरूप में फैलता है। यद्यपि भारत में दयामृत्यु के काफी प्राचीन प्रमाण मिलते हैं फिर भी आधुनिक स्वरूप में यह 'कॉमन कॉज' नामक गैर-सरकारी संगठन द्वारा उच्चतम न्यायालय में दायर अरुणा शानबाग वाद के कारण चर्चा के केंद्र में आया। इस वाद के बाद भारत में भी दयामृत्यु की प्रासंगिकता पर बौद्धिक बहस छिड़ गई।

दयामृत्यु कृत्य से अधिक भावना से पहचानी जाती है और यही भावना ही उसे हत्या से अलग करती है। हत्या और दयामृत्यु दोनों में प्राण हरने का कार्य किसी अन्य द्वारा किया जाता है, परंतु दयामृत्यु में दया भावना प्रधान होती है, जबकि हत्या में छति पहुंचाने की। सामान्य अवधारणा के विपरीत जहां दया एवं मृत्यु एक सिक्के के दो पहलू हैं, वहीं दयामृत्यु की स्थिति में दया दिखाने के लिए मृत्यु तक को प्रदान करने से गुरेज नहीं किया जाता है। यह विरोधाभाषी एवं दुविधापूर्ण स्थिति तब उत्पन्न होती है जब सहानुभूति इतनी प्रगाढ़ हो कि किसी को कष्ट से बचाने हेतु उसे मृत्यु तक के हवाले करने को औचित्यपूर्ण माना जाने लगे। ऐसी स्थिति अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी के समक्ष भी उत्पन्न हुई थी, तब उन्होंने दर्द से कराह रहे बछड़े को दर्द मुक्त करने हेतु उसे विष देने के विकल्प को न्यायोचित माना था।

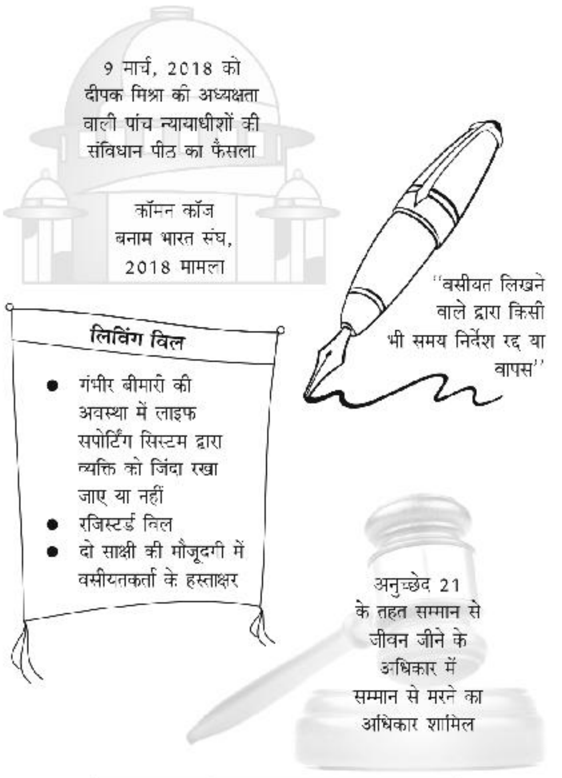

आरेखीय चित्र : दयामृत्यु : एक ऐतिहासिक निर्णय

अब प्रश्न उठता है कि क्या भावनाएं कानून से ऊपर हैं? क्या व्यक्तिगत हित को राज्य के सामान्य हित पर अधिमान देने हेतु दयामृत्यु को अपनाया जा सकता? उच्चतम न्यायालय द्वारा इन्हीं विमर्शों को आत्मसात् करते हुए दयामृत्यु पर एक दिशा-निर्देश दिया गया है, जिसका विश्लेषण प्रस्तुत आलेख की विषय-वस्तु है।

❑ क्या है यूथेनेसिया?

यूथेनेसिया शब्द की उत्पत्ति मूलतः ग्रीक (यूनानी) पद यूथैनटोस (Euthanatos) से हुई है, जहां 'eu' का अर्थ अच्छी (Well) तथा 'Thanatos' का अर्थ मृत्यु (Death) होता है। स्पष्ट है कि **'यूथेनेसिया'** (Euthanasia) का शाब्दिक अर्थ **'एक अच्छी अथवा आनंदपूर्ण मृत्यु'** है। मूलतः कष्टकारी और असाध्य रोगों या शारीरिक अक्षमता से पीड़ित व्यक्तियों को कष्ट एवं पीड़ा से मुक्ति दिलाने हेतु जानबूझ कर उनके जीवन का अंत करने की प्रक्रिया को 'यूथेनेसिया' कहते हैं।

यूथेनेसिया को **'स्वैच्छिक'**, **'गैर-स्वैच्छिक'** तथा **'अनैच्छिक'** यूथेनेसिया के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। रोगी के अनुरोध पर उसके जीवन को पीड़ा-रहित तरीके से समाप्त करने की प्रक्रिया को **'स्वैच्छिक यूथेनेसिया'** (Voluntary Euthanasia) कहते हैं। वहीं ऐसी भी स्थिति आ सकती है जब रोगी अपनी इच्छा व्यक्त करने में असमर्थ हो। जैसे बच्चों की स्थिति में या रोगी के '**स्थायी रूप से निष्क्रिय अवस्था**' (Persistent Vegetative State) में होने पर इस स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इस प्रकार के मामलों में रोगी की इच्छा या अनिच्छा को महत्व न देकर उसके जीवन का अंत करना **'गैर-स्वैच्छिक यूथेनेसिया'** (Non-Voluntary Euthanasia) की श्रेणी में आता है, जबकि रोगी के अपनी इच्छा व्यक्त करने में समर्थ होने के बावजूद उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे मृत्यु देना **'अनैच्छिक यूथेनेसिया'** (Involuntary Euthanasia) कहलाता है। उपचार रोककर मृत्यु देने को **'निष्क्रिय यूथेनेसिया'** (Passive Euthanasia) तथा प्राणघातक पदार्थों का प्रयोग कर मृत्यु कारित करने को **'सक्रिय यूथेनेसिया'** (Active Euthanasia) कहा जाता है। सक्रिय एवं निष्क्रिय यूथेनेसिया दोनों ही स्वैच्छिक यूथेनेसिया के अंतर्गत आते हैं।

प्राणघातक इंजेक्शन या दवाओं के प्रयोग द्वारा मृत्यु दिया जाना सक्रिय यूथेनेसिया के अंतर्गत आता है। 'डॉक्टर की सहायता से की गई आत्महत्या' (Physician-Assisted Suicide) भी सक्रिय यूथेनेसिया के अंतर्गत ही आती है। अधिकतर देशों में सक्रिय यूथेनेसिया को स्वीकृति प्रदान नहीं की गई है। हालांकि कनाडा, नीदरलैंड्स, स्विट्ज़रलैंड तथा अमेरिकी राज्यों कोलोराडो, वेरमोंट, मोंटाना, कैलिफोर्निया, ओरेगन तथा वाशिंगटन डीसी में सक्रिय यूथेनेसिया को अनुमति प्राप्त है।

निष्क्रिय यूथेनेसिया की स्थिति में चिकित्सकों द्वारा रोगी को जीवित रखने के लिए आवश्यक उपचार को रोक दिया जाता है। ऐसे मामलों में चिकित्सक द्वारा जीवन रक्षक प्रणाली आदि को हटाकर उपचार को रोकने को रोगी की मृत्यु का कारण नहीं माना जाता बल्कि ऐसा समझ लिया जाता है कि रोगी की मृत्यु उसकी गंभीर शारीरिक स्थिति के कारण ही हुई है।

❑ भारत में यूथेनेसिया संबंधी प्रावधान

भारत में **'निष्क्रिय यूथेनेसिया'** (Passive Euthanasia) को वैध करार दिया गया है। 7 मार्च, 2011 को अरुणा रामचंद्र शानबाग बनाम भारत संघ एवं अन्य के मामले में दिए गए निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने किसी रोगी के स्थायी रूप से निष्क्रिय अवस्था में होने पर उसके जीवन को जारी रखने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक प्रणाली को हटाकर उसे दयामृत्यु देने को अनुमति प्रदान की थी। हालांकि न्यायालय ने विषाक्त इंजेक्शन आदि लगाकर सीधे तौर पर दयामृत्यु दिए जाने (Active Euthanasia) को अनुमति नहीं प्रदान की। निष्क्रिय दयामृत्यु की अनुमति प्रदान करने संबंधी दिशा-निर्देश तय करते हुए न्यायालय ने कहा था कि रोगी के माता-पिता या जीवनसाथी या अन्य करीबी रिश्तेदार और इन लोगों की अनुपस्थिति में निकट मित्र या रोगी का इलाज करने वाले चिकित्सक भी जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने या इलाज को रोकने का निर्णय ले सकते हैं। हालांकि ये निर्णय प्रामाणिक रूप से रोगी के सर्वोत्तम हित में ही लिया जाना चाहिए। साथ ही जीवन रक्षक प्रणाली को हटाए जाने के निर्णय को संबंधित उच्च न्यायालय की मंजूरी प्राप्त होना अनिवार्य होगा।

उल्लेखनीय है कि अरुणा रामचंद्र शानबाग मामले में दिया गया निर्णय ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य के वाद में उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ द्वारा वर्ष 1996 में दिए गए निर्णय के आधार पर दिया गया था। ज्ञान कौर के वाद में उच्चतम न्यायालय ने यह निर्णय दिया था कि 'जीवन के अधिकार' में मरने का अधिकार शामिल नहीं है, परंतु 'गरिमा के साथ जीने के अधिकार' में 'गरिमा के साथ मरने' का अधिकार शामिल है।

परंतु 25 फरवरी, 2014 को गैर-सरकारी संगठन **'कॉमन कॉज** (Common Cause) द्वारा इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. सथशिवम, न्यायमूर्ति रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति शिवकीर्ति सिंह की पीठ ने यह मत व्यक्त किया कि ज्ञान कौर मामले में यूथेनेसिया के विषय में कोई बाध्यकारी मत नहीं दिया गया है। पीठ के अनुसार, निष्क्रिय यूथेनेसिया की वैधता विषयक अरुणा शानबाग मामले में दिया गया निर्णय इस गलत धारणा पर आधारित है कि ज्ञान कौर मामले में संविधान पीठ द्वारा इसे वैध ठहराया गया था। इस मामले के सारे पहलुओं पर विचार करने और विस्तृत दिशा-निर्देश निर्धारित करने के लिए पीठ द्वारा इसे संविधान पीठ को सौंप दिया गया था।

❑ कॉमन कॉज की याचिका

कॉमन कॉज नामक एक पंजीकृत संस्था द्वारा दयामृत्यु के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका में निम्न प्रमुख मांगें की गईं थीं:—

(i) भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त 'गरिमा के साथ जीने के अधिकार' के अंतर्गत, 'गरिमा के साथ मरने के अधिकार' (Right to die with dignity) को भी एक मौलिक अधिकार घोषित किया जाए।

(ii) यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई व्यक्ति बिगड़ते स्वास्थ्य या मरणासन्न अवस्था में 'माई लिविंग विल' एंड अटॉर्नी ऑथराइजेशन' (My Living Will & Attorney Authorisation) नामक एक दस्तावेज को क्रियान्वित कर सके। यह दस्तावेज उस व्यक्ति के किसी प्राणघातक रोग से ग्रसित होने पर अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में उचित कार्यवाही के लिए अस्पताल को प्रस्तुत किया जा सकता है।

(iii) लिविंग विल के संदर्भ में दिशा-निर्देशों को जारी करने से संबंधित पहलुओं के अध्ययन के लिए एक विशेषज्ञ समिति को नियुक्त किया जाए, जिसमें चिकित्सक, सामाजिक विज्ञानी तथा अधिवक्ता आदि शामिल हों। संक्षेप में कहें तो याचिककर्ता ने अपनी इस याचिका के माध्यम से यह मांग रखी थी कि नागरिकों को पहले से ही (in advance) यह निर्णय करने का अधिकार प्राप्त हो कि अत्यधिक गंभीर रोग से ग्रसित होने की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार का उपचार दिया जाए अथवा नहीं।

❑ उच्चतम न्यायालय का निर्णय

मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कॉमन कॉज की याचिका पर विचार करने के उपरांत दयामृत्यु जैसे गंभीर मुद्दे पर 9 मार्च, 2018 को अपना ऐतिहासिक निर्णय सुनाया।

न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार, भारत में निष्क्रिय यूथेनेसिया न्यायोचित तथा कानूनी रूप से मान्य है, जबकि सक्रिय यूथेनेसिया की अनुमति नहीं है।

● न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के प्रमुख बिंदु

(i) प्रत्येक व्यक्ति को जीवन के प्राकृतिक रूप से अंत होने के समय गरिमापूर्ण ढंग से मृत्यु का अधिकार है, हालांकि जीवन की प्राकृतिक अवधि में कटौती कर अप्राकृतिक मृत्यु का अधिकार किसी को भी प्राप्त नहीं है। गरिमापूर्ण ढंग से मृत्यु के अधिकार को ज्ञान कौर मामले में उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ द्वारा पहले ही मौलिक अधिकार घोषित किया जा चुका है।

(ii) चेतन मनोदशा (Conscious Mind) की स्थिति वाले किसी वयस्क व्यक्ति को चिकित्सीय उपचार को लेने से मना करने या उसके उपचार के लिए प्रयुक्त हो रही जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने का निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार है और वह प्राकृतिक रूप से मृत्यु को गले लगाने का निर्णय ले सकता है।

(iii) ऐसे रोगी जो अपने उपचार के विषय में उचित निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं, के संबंध में जीवन रक्षक प्रणाली को उपचार से हटाने का निर्णय रोगी के सर्वोतम हित में निर्दिष्ट सक्षम चिकित्सीय विशेषज्ञों द्वारा लिया जाएगा। हालांकि इस निर्णय के कार्यान्वयन के लिए न्यायालय की मंजूरी आवश्यक होगी।

(iv) लिविंग विल या अग्रिम चिकित्सीय निर्देश (Advance Medical Directive) के क्रियान्वयन का अधिकार प्रत्येक व्यक्ति को है और यह राज्य की किसी स्वीकृति या कानून पर निर्भर नहीं है। ऐसे अधिकार किसी व्यक्ति द्वारा उसे प्राप्त 'शारीरिक अखंडता और आत्म निर्णय के अधिकार' (Right of Bodily Integrity & Self Determination) के अनुसरण एवं समर्थन में प्रयोग किए जा सकते हैं।

❑ लिविंग विल क्या है?

आम वसीयत के बारे में आपने सुना होगा। उसके मुताबिक कोई व्यक्ति मरने से पहले स्पष्ट कर देता है कि उसके मरने के बाद उसकी जमीन-जायदाद आदि का क्या होगा? इसी तरह से लिविंग विल में व्यक्ति पहले से ही यह स्पष्ट कर देता है कि अगर भविष्य में उसे कोई ऐसी गंभीर बीमारी हो जाती है जिसका इलाज लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम के द्वारा ही संभव हो, तो ऐसे स्थिति में उसे इस सिस्टम द्वारा जिंदा रखा जाए अथवा नहीं। इसे **'एडवांस मेडिकल डायरेक्टिव'** भी कहते हैं। यह किसी भी व्यक्ति के वे दिशा-निर्देश होते हैं, जिसमें वह घोषणा करता है कि भविष्य में किसी ऐसी बीमारी या दशा से अगर वह ग्रस्त हो जाता है जिसमें तमाम आधुनिक इलाजों के बावजूद सुधार मुश्किल हो, तो उसका इलाज किया जाए? अथवा न किया जाए। ऑस्ट्रेलिया में **'एडवांस मेडिकल डायरेक्टिव'** का प्रावधान है जिसमें लोगों को यह पहले ही तय करने की सुविधा दी गई है कि भविष्य में उनका कैसे इलाज किया जाए? दरअसल लाइलाज या मरणासन्न स्थिति में हो सकता है कि व्यक्ति अपनी राय देने में असमर्थ हो, लिहाजा लिविंग विल का प्रावधान है। **पेशेंट सेल्फ डिटरमिनेशन एक्ट'** (PSDA) अमेरिकी नागरिक को यह अधिकार देता है कि वे अपने स्वास्थ्य से जुड़े निर्णय कर सकें। इस कानून में एडवांस डायरेक्टिव या लिविंग विल का प्रावधान है। इसी कानून के तर्ज पर भारत में **कॉमन कॉज** संस्था ने भी लिविंग विल की मांग की है।

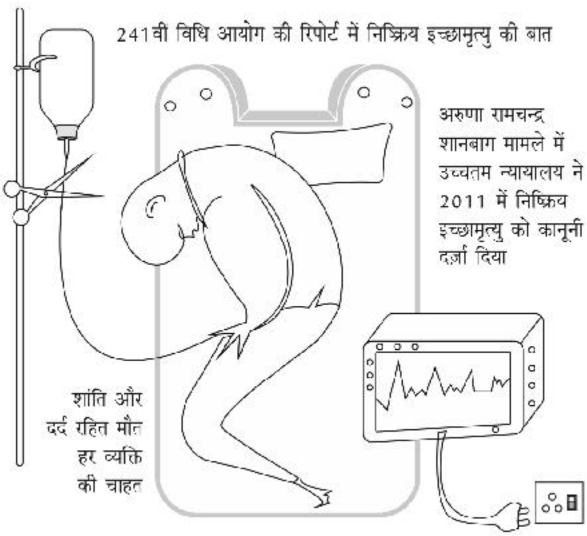

आरेखीय चित्र : दयामृत्यु : एक ऐतिहासिक निर्णय

❑ लिविंग विल : प्रावधान

1. अग्रिम चिकित्सीय निर्देश (लिविंग बिल) की घोषणा करने वाला व्यक्ति वयस्क एवं दिमागी रूप से स्वस्थ्य होना चाहिए।
2. वह इसके परिणाम को समझने की स्थिति में होना चाहिए। घोषणा बिना किसी दबाव एवं प्रलोभन के होनी चाहिए।
3. घोषणा में लिखा होना चाहिए कि कब उसे ऐसा इलाज नहीं दिया जाएगा जो कि उसकी मृत्यु में देरी करे।
4. वसीयत लिखने वाला किसी भी समय निर्देश रद्द कर सकता है या वापस ले सकता है।
5. संरक्षक या नजदीकी रिश्तेदार का नाम बताया जाएगा, जो वसीयत करने वाले का इलाज रोकने पर फैसला करेगा।
6. एक से ज्यादा वसीयत होगी तो अंतिम (बाद वाली) को मरीज की इच्छा मानते हुए लागू किया जाएगा।

❑ लिविंग विल का कार्यान्वयन

मरीज का इलाज करने वाला डॉक्टर लिविंग विल की **न्यायिक मजिस्ट्रेट** से प्रामाणिकता जांचेगा। जिस अस्पताल में इलाज चल रहा होगा, वहां एक मेडिकल बोर्ड गठित होगा। इसमें 20 वर्ष के अनुभव वाले विभिन्न क्षेत्रों के डॉक्टर शामिल होंगे। अगर मेडिकल बोर्ड विल को लागू करने की राय देता है, तो अस्पताल तुरंत इस बारे में संबंधित जिलाधिकारी को सूचित करेगा। इसके बाद जिलाधिकारी मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में तीन विशेषज्ञ डॉक्टरों का दूसरा मेडिकल बोर्ड बनाएगा। यह बोर्ड मरीज को देखने जाएगा। अगर मरीज समझने की स्थिति में है, तो बोर्ड जीवन रक्षक उपकरण हटाने के बारे में उसकी राय भी लेगा और अगर वह इस स्थिति में नहीं है, तो उसके संरक्षक की राय ली जाएगी। यह बोर्ड जीवन रक्षक उपकरण हटाने पर फैसले से पहले उसकी जानकारी संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट को देगा। मजिस्ट्रेट मरीज को देखने जाएगा और उसकी इजाजत के बाद ही वसीयत पर अमल होगा। जिन मामलों में वसीयत नहीं है, उनमें भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी। **लिविंग विल'** रजिस्टर्ड होगी। वसीयत (Will) पर दो साक्षी (गवाह) की मौजूदगी में वसीयतकर्ता का हस्ताक्षर होगा। उस लिविंग विल पर संबंधित क्षेत्राधिकार में आने वाले प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट का हस्ताक्षर होगा। वसीयत रजिस्टर्ड होगी और उसकी जानकारी वसीयतकर्ता के परिवार को दी जाएगी।

❑ निर्णय से फायदे

उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय के आने के बाद तीनों पक्ष अर्थात् मरीज, उसके परिवार तथा डॉक्टरों को राहत मिली है। अनेक मरीज 'एंड ऑफ लाइफ सिचुएशन' में होते हैं अर्थात उनकी स्थिति मरणासन्न होती है और उनके स्वस्थ होने की संभावना नगण्य होती है, जैसे मरीज का ब्रेन डेड होना, कोमा में होना, किडनी या फिर हार्ट फेल्यर आदि। इस निर्णय से मरीज और उनके परिजनों की तकलीफें कम होंगी। बड़े निजी अस्पतालों में मरीज के गंभीर स्थिति में होने पर प्रतिदिन लगभग 50 हजार रुपये या इससे अधिक का खर्च होता है, इससे निजात मिलेगी। इस निर्णय से मैन पावर, धन और दवाओं जैसे संसाधन उन मरीजों की तरफ डाइवर्ट हो जाएंगे, जिनका इलाज हो सकता है।

❑ निर्णय के विपक्ष में तर्क

इस निर्णय से मरीजों को नया जीवन देने के प्रयास को धक्का लगेगा। कैंसर से पीड़ित मरीजों को भले ही असहनीय पीड़ा का सामना करना पड़ता है, परंतु कैंसर के विशेषज्ञ दयामृत्यु के पक्षधर नहीं रहे हैं। वे चाहते हैं कि दयामृत्यु की जगह पैलिएटिव केयर (Palliative Care) से मरीजों को दर्द रहित जिंदगी दी जानी चाहिए। इस निर्णय के विरोध में एक तर्क यह भी है कि, अमुक मरीज ऐसी स्थिति में आ चुका है, जहां उसका इलाज नहीं हो सकता, इस बारे में फैसला लेना टेढ़ा काम होगा। कुछ लोग कह सकते हैं कि न्यूरो प्रॉब्लम्स और ट्रामा के मरीजों को अधिक दिनों तक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम पर रखा जा सकता है। कोई व्यक्ति एक समय पर मरने की इच्छा जाहिर कर सकता है, परंतु बाद में यह बदल भी सकता है। इच्छामृत्यु देने वाले डॉक्टर पर मनोवैज्ञानिक दबाव हो सकता है। यह कष्ट, पुनर्वास और बीमारियों के इलाज की दृष्टि से चिकित्सा विज्ञान के लिए घातक है। कुछ लोग इस फैसले को मरीज को जान से मारने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे मरीज की वसीयत के अनुसार, उसके परिवार का कोई सदस्य या जिसे वह चाहेगा कि उसका इलाज रोकने का निर्णय ले, तो ऐसा व्यक्ति निहित स्वार्थों के कारण इस अधिकार का मरीज को मारने के लिए दुरुपयोग भी कर सकता है।

❑ दयामृत्यु पर कानून

केंद्र सरकार पिछले तीन साल से दयामृत्यु पर कानून लाने की तैयारी कर रही है। इस कानून में लाइलाज और मरणासन्न स्थिति में पहुंच गए व्यक्ति के जीवन रक्षक उपकरण हटाने का हक दिए जाने की बात है। सरकार ने दयामृत्यु का हक मांगने वाली कॉमन कॉज की याचिका पर सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय में कहा था कि विधि आयोग ने वर्ष 2006 में इस पर विधेयक का मसौदा बनाकर प्रस्तुत किया था। परंतु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कुछ कारणों से सहमति नहीं दी थी। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने अरुणा शानबाग के मामले में निर्णय सुनाया और मरणासन्न व्यक्ति से जीवन रक्षक उपकरण सशर्त हटाने का अधिकार दिया। इस निर्णय और विधि आयोग की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने दयामृत्यु पर कानून लाने की एक बार फिर कवायद शुरू कर दी है। 241वीं विधि आयोग की रिपोर्ट में भी निष्क्रिय दयामृत्यु की बात कही गई है।

आशंका के गर्भ में पल रही उम्मीद कहती है कि सरकार भारतीय राज परंपरा के अनुसार, अन्य फैसलों की तरह इस फैसले को लागू करने में भी ईमानदारी बरतेगी। क्या भूख, गरीबी या कर्ज से मरने वाले इस फैसले के घेरे में आएंगे?

कुछ और सवाल भी हैं जिनके जवाब तलाशने होंगे। **'लिविंग विल'** अपने आप में बड़ा सवाल है कि ऐसी कोई वसीयत जिसमें अपनी ही मृत्यु की बात हो कहां और किस तरह रखी जाएगी? अंगदान या देहदान की वसीयत या इच्छा तो लिखकर परिवार को दे दी जाती है अथवा ऐसे दान का फैसला मृत्योपरांत परिवार भी कर सकता है लेकिन अपनी ही मृत्यु की वसीयत आसान मामला नहीं है। क्या यह सामान्य वसीयत जैसा ही कुछ होगा और ऐसी वसीयत की वैधता या प्रामाणिकता पर सवाल नहीं उठेंगे? ऐसे मामलों में पूरे परिवार की सहमति आवश्यक होगी, तो उस परिवार के दायरे में कौन-कौन शामिल होंगे? जरा-सा भी विवाद ऐसे हालात उत्पन्न करेगा जो निर्णय की प्रक्रिया को अनिश्चित विस्तार दे सकता है। अगर कोई इंसान किसी भी हाल में उसे दयामृत्यु न दिए जाने की वसीयत कर जाए, तो परिवार और मेडिकल बोर्ड की राय अलग रहने के बावजूद क्या होगा? यह सम्मान से जीने के अधिकार की तरह ही सम्मान से मृत्यु के अधिकार अर्थात अपनी देह पर खुद के हक का मामला भी है, तो फैसले में शायद संबद्ध इंसान की वसीयत ही सबसे अहम मानी जाए। जो भी हो, उच्चतम न्यायालय का यह युगांतरकारी निर्णय है। जरूरत बस इसके बेजा इस्तेमाल को रोकने की है।

भारत एवं विदेश में दयामृत्यु की चर्चा को जन्म देने वाले मामले

अरुणा रामचंद्र शानबाग-उच्चतम न्यायालय में वर्ष 2009 में मानवाधिकार कार्यकर्ता और लेखिका पिंकी विरानी ने अरुणा शानबाग के जीवन को समाप्त करने के लिए एक याचिका दायर की थी। अरुणा मुंबई के एक अस्पताल में नर्स थी। वर्ष 1973 में अस्पताल के ही एक सफाईकर्मी ने उनके साथ बलात्कार करने की कोशिश की। अरुणा द्वारा प्रतिरोध जताने के बाद उन्हें गंभीर चोटें आईं। उनका शरीर लकवाग्रस्त हो गया और दिमाग मृत हो चुका था। 42 वर्षों तक वह एक अस्पताल में जिंदा लाश की तरह भर्ती रहीं। इस मामले ने देश में दयामृत्यु को लेकर गंभीर बहस शुरू की। हालांकि उनकी याचिका को ठुकराते हुए उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2011 में निष्क्रिय दयामृत्यु को कानूनी दर्जा तो दे दिया, परंतु उन्हें दयामृत्यु की अनुमति नहीं दी गई। उस समय अरुणा मुंबई के एक अस्पताल में लाइफ सपोर्ट पर थीं। 18 मई, 2015 को उनकी मृत्यु हो गई।

वेंकटेश- वर्ष 2004 में आंध्र प्रदेश के शतरंज खिलाड़ी के. वेंकटेश मस्कुलर डिस्ट्रॉफी का शिकार हो गए थे। उनको सात महीने से भी ज्यादा समय तक जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया था। उनकी दयामृत्यु की याचिका को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। अब उनकी मृत्यु हो चुकी है।

टेरी शियावो (अमेरिका) -26 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने के बाद जिंदा लाश बन गईं। फ्लोरिडा की एक अदालत ने खाना खिलाने की उनकी ट्यूब को हटाने का आदेश दिया। मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुआ। उन्हें जिंदा रखने के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने नए कानून की पहल की, परंतु वर्ष 2005 में फीडिंग ट्यूब हटने के 13 दिन बाद ही उनकी मृत्यु हो गई।

कैरेन क्विनलैन (अमेरिका)-20वीं सदी के छठें दशक में इस मामले ने पूरे अमेरिका में दयामृत्यु के अधिकार पर बहस छेड़ दी। 21 वर्ष की आयु में कैरेन स्थायी कोमा में चली गईं। उनके माता-पिता उन्हें वेंटिलेटर से हटाए जाने का मामला जीत गए।

रेमोन सैमपेड्रो (स्पेन)- इनके गर्दन के नीचे पूरे शरीर को लकवा मार गया। उनके बारे में लाश से जुड़ा सिर जैसी बातें कहीं जानी लगी। किसी व्यक्ति की मदद से आत्महत्या के लिए 29 वर्षों तक लड़ाई लड़ी गई। हालांकि वे मुकदमा हार गए। वर्ष 1998 में उन्होंने खुद को जहर देने के लिए कई लोगों को जुटा लिया जिससे किसी पर भी आरोप न लग सके।

राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, वैज्ञानिक एवं आर्थिक क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे

प्रधानमंत्री की स्वीडन, यूके तथा जर्मनी यात्रा

❑ भूमिका

➡ 16-20 अप्रैल, 2018 के मध्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन यूरोपीय देशों यथा- स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम तथा जर्मनी की यात्रा संपन्न की। अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने पांच नॉर्डिक देशों, 53 राष्ट्रमंडल देशों एवं जर्मनी सहित कुल 59 देशों के प्रमुखों से मुलाकात की। इस यात्रा से जहां नॉर्डिक देशों के साथ संबंध मजबूत एवं नवीनीकृत हुए, वहीं यूके के साथ कुछ नई पहलों की शुरुआत हुई, साथ ही जर्मनी के साथ द्विपक्षीय संबंधों में सुधार हुआ।

❑ स्वीडन यात्रा

➡ स्वीडन के प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16-17 अप्रैल, 2018 को स्वीडन की यात्रा संपन्न की।

- ➲ यह प्रधानमंत्री मोदी की पहली स्वीडन यात्रा थी।
- ➲ साथ ही, यह पिछले तीन दशकों में पहला अवसर था, जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने स्वीडन की यात्रा संपन्न की।
- ➲ ज्ञातव्य है कि इसके पूर्व भूतपूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी वर्ष 1988 में स्वीडन की राजकीय यात्रा पर गए थे।

➡ उल्लेखनीय है कि फरवरी, 2016 में स्वीडिश प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन भारत की यात्रा पर आए थे और उन्होंने मुंबई में आयोजित 'मेक इन इंडिया' सप्ताह में भाग लिया था।

➡ सद्यः यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 17 अप्रैल, 2018 को स्वीडन के राजा किंग कार्ल 16वें गुस्ताफ से मुलाकात की।

- ➲ उल्लेखनीय है कि किंग कार्ल वर्ष 1993 एवं 2005 में भारत की यात्रा कर चुके हैं।

➡ स्वीडिश प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन के साथ प्रधानमंत्री मोदी की वार्ता घनिष्ठ आर्थिक संबंधों के निर्माण के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर केंद्रित थी।

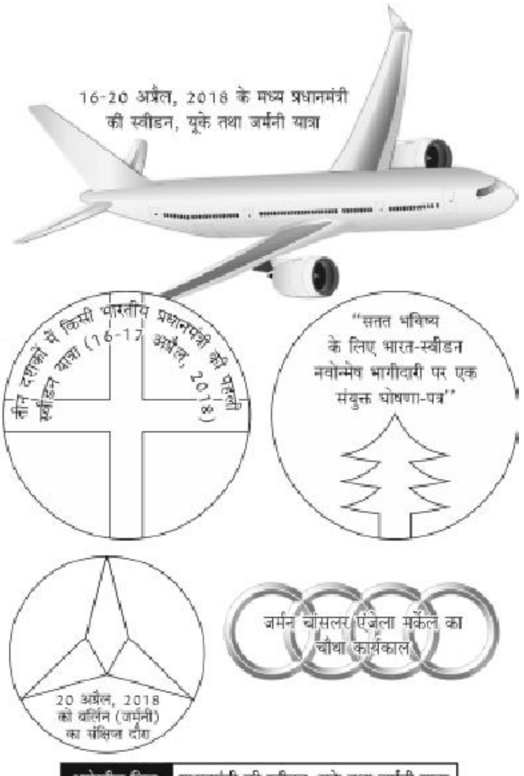

आरेखीय चित्र : प्रधानमंत्री की स्वीडन, यूके तथा जर्मनी यात्रा

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रथम स्वीडन यात्रा के अवसर पर ''सतत भविष्य के लिए भारत-स्वीडन नवोन्मेष भागीदारी पर एक संयुक्त घोषणा-पत्र'' (Joint Declaration on India-Sweden Innovation Partnership for a Sustainable Future) पर हस्ताक्षर किए गए तथा एक संयुक्त कार्ययोजना (Joint Action Plan) अंगीकृत की गई।

❑ भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन

➡ प्रधानमंत्री मोदी की स्वीडन यात्रा के दौरान 17 अप्रैल, 2018 को भारत और स्वीडन ने स्टॉकहोम में 'भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन' (India-Nordic Summit) का सह-आयोजन किया।

- ➲ इस शिखर सम्मेलन का केंद्रीय विषय था– ''भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन–साझा मूल्य, परस्पर समृद्धि'' (India-Nordic Summit—Shared Values, Mutual Prosperity)।

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अतिरिक्त सभी नॉर्डिक देशों (डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे तथा स्वीडन) के प्रधानमंत्रियों ने इस शिखर सम्मेलन में प्रतिभाग किया।

➡ इस शिखर सम्मेलन के अंत में भारत तथा नॉर्डिक देशों ने एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया।

➡ उल्लेखनीय है कि नॉर्डिक देशों के साथ भारत के सुदृढ़ आर्थिक संबंध हैं।

- ➲ वर्ष 2016-17 में नॉर्डिक देशों के साथ भारत का कुल व्यापार लगभग 5.3 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया।
- ➲ नॉर्डिक देशों से भारत में संचयी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (Cumulative FDI) 2.5 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया।
- ➲ उल्लेखनीय है कि नॉर्डिक देश भारत के लिए स्वच्छ प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संबंधी समाधानों, बंदरगाह आधुनिकीकरण, कोल्ड चेन, कौशल विकास, नवाचार इत्यादि का संभावित स्रोत हैं।

➡ भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के पार्श्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड एवं नॉर्वे के प्रधानमंत्रियों के साथ अलग से द्विपक्षीय बैठकें कीं।

❑ यूके यात्रा

➡ ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने तथा चोगम (CHOGM) सम्मेलन में भाग लेने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17-20 अप्रैल, 2018 के मध्य यूनाइटेड किंगडम की यात्रा पर रहे।

- ➲ उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व प्रधानमंत्री मोदी नवंबर, 2015 में यूके की यात्रा पर गए थे।
- ➲ जबकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री 'थेरेसा मे' ने नवंबर, 2016 में यूरोपीय संघ के बाहर किसी देश की अपनी प्रथम यात्रा के लिए भारत को चुना था।

➡ दोनों प्रधानमंत्रियों के मध्य द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात 32 बिंदुओं वाला एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया।

❑ प्रमुख पहलें

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूके यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा निवेश के क्षेत्र से संबंधित जिन महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की गई, उनमें शामिल हैं :–

(i) यूके-भारत प्रौद्योगिकी गठबंधन (UK-India Tech Alliance)

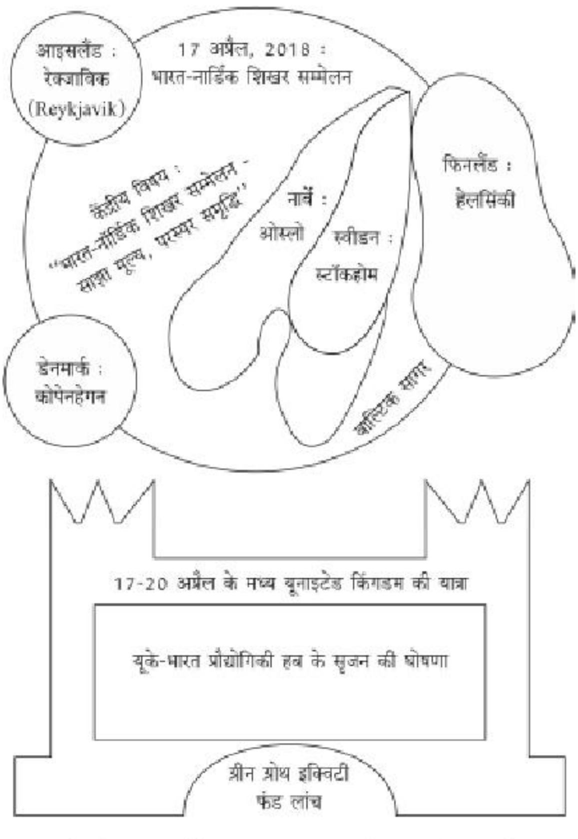

आरेखीय चित्र : प्रधानमंत्री की स्वीडन, यूके तथा जर्मनी यात्रा

नासकॉम (NASSCOM) तथा टेक यूके (Tech UK) द्वारा यूके-भारत प्रौद्योगिकी गठबंधन का गठन किया गया है, जो नवीन प्रौद्योगिकियों में भावी कौशलों के निर्माण में सहयोग को सुगम बनाएगा। इस गठबंधन में दोनों देशों से ऐसे युवा सीईओ (CEO) शामिल होंगे, जिन्होंने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

(ii) प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन-II (Tech Summit-II)

भारत तथा यूके ने प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन-II की घोषणा की, जो वर्ष 2018 में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन भारत एवं यूके के महानतम वैज्ञानिकों, उद्यमियों तथा नीति-निर्माताओं को एक मंच पर लेकर आएगा।

(iii) यूके-भारत प्रौद्योगिकी हब (UK-India Tech Hub)

सद्यः यात्रा के दौरान एक यूके-भारत प्रौद्योगिकी हब के सृजन की घोषणा की गई। यह हब नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग में स्थित होगा। इस हब में ऐसे लोग एवं कार्यक्रम शामिल होंगे, जो भारत एवं यूके में विचारों, निवेश एवं समृद्धि को सुगम बनाने हेतु डिजाइन किए गए हैं। यह हब सबसे तेजी से बढ़ते हुए क्षेत्रों जैसे–साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, विद्युत वाहन तथा डिजिटल पहचान में ध्यान केंद्रित करेगा।

(iv) यूके-भारत टेक-क्लस्टर भागीदारी (UK-India Tech Cluster Partnerships)

यह भागीदारी विश्व के शीर्ष उत्कृष्टता केंद्रों को आपस में संबद्ध करेगी, साझा नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विनिमय को सक्षम बनाएगी तथा यूके में भारतीय कंपनियों एवं भारत में ब्रिटिश कंपनियों की स्थापना को सुगम बनाएगी।

(v) फिनटेक रॉकेटशिप अवॉर्ड (Fintech Rocketship Awards)

वित्त प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के भारत एवं यूके के शीर्ष परामर्शदाताओं (Mentors) के नेतृत्व में आरंभ की गई यह एक अद्वितीय एवं अपने तरह की पहली पहल है। इसका उद्देश्य भारत में वित्त प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता को प्रोत्साहन देना है।

(vi) जीजीईएफ (GGEF : Green Growth Equity Fund)

यूके एवं भारत द्वारा लांच इस कोष में दोनों देशों की सरकारें 240 मिलियन पाउंड (प्रत्येक पक्ष की प्रतिबद्धता 120 मिलियन पाउंड) का आरंभिक योगदान देंगी। यह कोष भारत के राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (NIIF) के अंतर्गत एक पहल है। यह कोष नवीकरण ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में निवेश करेगा। यह कोष वर्ष 2022 तक भारत द्वारा 175 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य को हासिल करने में सहयोग करेगा।

❑ जर्मनी यात्रा

➡ स्वीडन एवं यूके की यात्रा के पश्चात भारत वापसी के क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 अप्रैल, 2018 को बर्लिन (जर्मनी) का संक्षिप्त दौरा किया।

➡ अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल से मुलाकात की तथा दोनों नेताओं ने विभिन्न द्विपक्षीय क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

➡ उल्लेखनीय है कि जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल द्वारा 14 मार्च, 2018 को अपना चौथा कार्यकाल आरंभ करने के बाद से दोनों नेताओं के मध्य यह पहली मुलाकात थी।

सं. सौरभ मेहरोत्रा

भारत में अध्ययन कार्यक्रम

❑ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 18 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली स्थित भारत पर्यावास केंद्र में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने संयुक्त रूप से मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 'भारत में अध्ययन' (Study in India) कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

➡ साथ ही इस अवसर पर सुषमा स्वराज ने ई-सनद (e-SANAD) पोर्टल और 'नेशनल एकेडेमिक डिपॉजटरी' (NAD) के एकीकरण की भी शुरुआत की।

- ➲ इस कार्यक्रम के साथ ही 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल (www.studyinindia.gov.in) का भी शुभारंभ किया गया।
- ➲ 23 मार्च, 2018 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 'भारत में अध्ययन' कार्यक्रम को स्वीकृति प्रदान की गई थी।

❑ लक्ष्य

➡ भारत में अध्ययन कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य विदेशी छात्रों को लक्षित करते हुए भारत को एक आकर्षक शिक्षा स्थल के रूप में प्रचारित करना है।

❑ उद्देश्य

➡ पड़ोसी देशों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत के 'सॉफ्ट पॉवर' (Soft Power) में सुधार करना और कूटनीति में एक साधन के रूप में इसका उपयोग करना।

➡ भारत में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में वृद्धि करना।

➡ वैश्विक शिक्षा निर्यात में भारतीय हिस्सेदारी को दोगुना अर्थात 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत करना।

➡ प्रत्यक्ष खर्च, अप्रत्यक्ष खर्च आदि के रूप में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के योगदान में वृद्धि करना।

➡ उच्च शिक्षा की संपूर्ण गुणवत्ता में सुधार करना।

➡ शैक्षिक गंतव्य के रूप में भारत की वैश्विक रैंकिंग में वृद्धि करना।

➡ अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में निर्यात-आयात असंतुलन को घटाना।

➡ अंतरराष्ट्रीय छात्रों के भारत के वैश्विक बाजार हिस्से में वृद्धि करना।

❑ परिव्यय

➡ भारत सरकार द्वारा 'भारत में अध्ययन' कार्यक्रम के लिए दो वर्षों (2018-19 और वर्ष 2019-20) की अवधि हेतु 150 करोड़ रुपये के व्यय को स्वीकृति प्रदान की गई है।

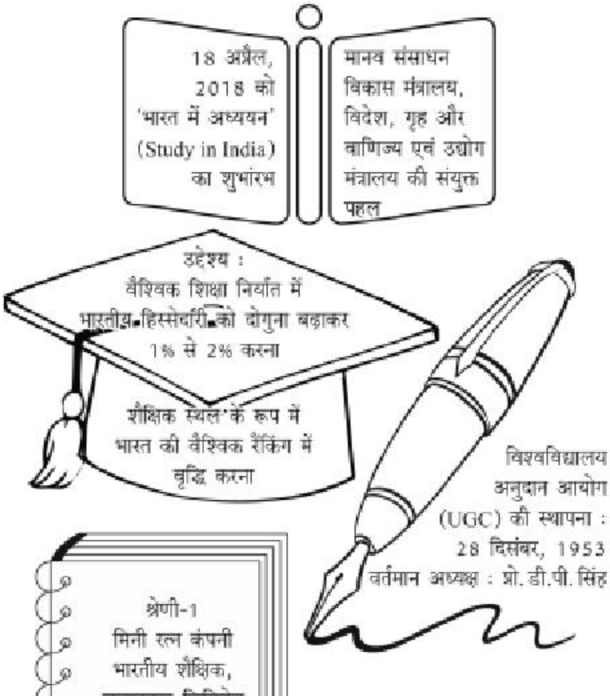

आरेखीय चित्र : 'भारत में अध्ययन कार्यक्रम'

❑ विशेषताएं

➡ 'भारत में अध्ययन' कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की संयुक्त पहल है।

➡ इस कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2018 में 160 भारतीय संस्थानों द्वारा 15000 सीटों की पेशकश की गई है।

- ➲ प्रारंभ में इस कार्यक्रम के तहत 30 एशियाई, अफ्रीकी, मध्य पूर्व और स्वतंत्र देशों के राष्ट्रमंडल (CIS) देशों के विद्यार्थियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- ➲ कार्यक्रम के तहत शुल्क माफी का निर्णय शिक्षा संस्थानों द्वारा लिया जाएगा।
- ➲ सार्वजनिक क्षेत्र की श्रेणी-1 मिनी रत्न कंपनी 'एडसिल (इंडिया) लिमिटेड' [EdCIL (India) Limited] भारत में अध्ययन कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की कार्यान्वयन एजेंसी है।
- ➲ इस कार्यक्रम में 3.26 स्कोर के साथ 'नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क' (NIRF) में रैंक प्राप्त और 'राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद' (NAAC) से मान्यता प्राप्त संस्थानों को शामिल किया गया है।

❑ स्टडी इन इंडिया पोर्टल

➡ यह पोर्टल विदेशी विद्यार्थियों के लिए भारत में अध्ययन से संबंधित सभी पहलुओं को आच्छादित करने वाली एकल खिड़की (Single Window) है।

➡ यह पोर्टल न केवल भारतीय शिक्षा की नवीनतम पेशकशों की जानकारी प्रदान करेगा बल्कि विदेशी विद्यार्थियों को प्रवेश में भी मदद करेगा और व्यक्तिगत रूझान एवं कॅरियर लक्ष्य के आधार पर उन्हें चुनाव करने में मदद भी देगा।

❑ निष्कर्ष

➡ भारत में अध्ययन कार्यक्रम दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के देशों के विद्यार्थियों को आकर्षित करने की नवाचारी पहल है, ताकि वहां के विद्यार्थी भारत के शीर्ष संस्थानों में अध्ययन कर सकें। इस पहल से विदेशी विद्यार्थियों को भारत के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थानों में अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा। इससे न केवल विदेशी विद्यार्थियों को लाभ होगा बल्कि भारत भी लाभान्वित होगा।

ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (TPP)-11

❑ वर्तमान परिप्रेक्ष्य

12 अप्रैल, 2018 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि अमेरिका बहुद्देशीय व्यापार समझौते, ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप-11 में शामिल होने के बारे में पुनः विचार कर सकता है, बशर्ते यह समझौता पहले (पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय किया गया समझौता) से काफी बेहतर (Substantially Better) हो। ध्यातव्य है कि डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के कुछ दिनों बाद ही अमेरिका इस समझौते से अलग हो गया था। उल्लेखनीय है कि टी.पी.पी. के 11 देशों में से 6 देशों के साथ अमेरिका के पहले से ही द्विपक्षीय समझौते हैं।

❑ टी.पी.पी.-11

➡ यह एक मुक्त व्यापार समझौता (Free Trade Agreement) है।

- ➲ इसके सदस्य देशों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई दारुस्सलाम, कनाडा, चिली, जापान, मलेशिया, मेक्सिको, पेरू, न्यूजीलैंड, सिंगापुर और वियतनाम शामिल हैं।

➡ 8 मार्च, 2018 को सेन्टियागो, चिली में उपर्युक्त 11 देशों द्वारा इस समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।

- ➲ टी.पी.पी.-11 समझौते के अनुच्छेद 3 के अनुसार, हस्ताक्षरकर्ताओं के साधारण बहुमत द्वारा अनुसमर्थन (Ratification) किए जाने के 60 दिनों के बाद यह समझौता प्रभावी होगा।

❑ उद्देश्य

टी.पी.पी. प्रशांत महासागर के तट पर स्थित 11 देशों का एक व्यापार समझौता है। इसका उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों के मध्य आयात-निर्यात पर लगने वाले शुल्क में कमी लाना है। यह एक महत्वाकांक्षी समझौता है।

❑ टी.पी.पी. से टी.पी.पी.-11 तक की यात्रा

➡ टी.पी.पी. (Trans-Pacific Partnership) समझौता वार्ता 12 देशों यथा-ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, जापान, मलेशिया, मेक्सिको, पेरू, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, सं.रा. अमेरिका और वियतनाम द्वारा शुरू की गई।

- ➲ यह वार्ता सफलतापूर्वक 6 अक्टूबर, 2015 को समाप्त हुई।

➡ फरवरी, 2016 में प्रशांत महासागर की सीमा से लगे 12 देशों ने ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (TPP) समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

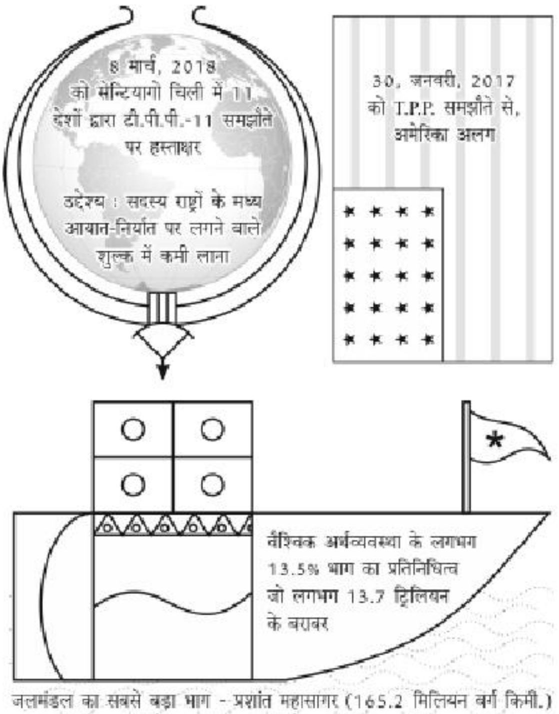

आरेखीय चित्र : ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (TPP) - 11

➡ 30 जनवरी, 2017 को सं.रा. अमेरिका इस समझौते से अलग हो गया।

- ➲ हालांकि 21 मई, 2017 को शेष 11 देशों के मंत्रियों ने एक संयुक्त वक्तव्य जारी कर इस समझौते के प्रति अपनी दृढ़ता व्यक्त की, साथ ही वे इस समझौते को शीघ्र लागू किए जाने हेतु परामर्श की प्रक्रिया शुरू करने पर सहमत हुए।

➡ 22-23 जनवरी, 2018 को शेष 11 देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में विभिन्न मुद्दों का समाधान किया गया तथा अंतिम समझौते पर सहमति बनी।

- ➲ 8 मार्च, 2018 को 11 देशों द्वारा टी.पी.पी.-11 समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

➡ टी.पी.पी.-11 समझौता, टी.पी.पी. से अलग एक कानूनी साधन है।

- ➲ टी.पी.पी.-11 कुछ यांत्रिक अपवादों, जैसे-परिग्रहण से संबंधित, इस समझौते का प्रभाव में आना, इसकी समाप्ति आदि को छोड़कर टी.पी.पी. के लगभग सभी प्रावधानों को शामिल करता है।
- ➲ इसके अतिरिक्त टी.पी.पी. समझौते से अमेरिका के हटने के बाद इसके कुछ प्रावधानों को निरस्त कर दिया गया है।

❑ टी.पी.पी.-11: सदस्य देशों की स्थिति

टी.पी.पी.-11 समझौते के 11 भागीदार देश वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 13.5 प्रतिशत भाग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो लगभग 13.7 ट्रिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर के बराबर है। इन देशों को ऑस्ट्रेलिया द्वारा माल और सेवाओं के निर्यात का मूल्य, वर्ष 2016-17 में 87.9 बिलियन डॉलर था। इन 11 देशों में वैश्विक जनसंख्या के 6.8 प्रतिशत भाग का निवास है।

❑ निष्कर्ष

टी.पी.पी.-11 समझौता अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह समझौता, सदस्य देशों को व्यापारिक लाभ के अवसर प्रदान करेगा। हालांकि भारत, चीन जैसे देशों, जो कि इस समझौते से बाहर हैं, को व्यापारिक क्षति की संभावना है। भारत की बात करें, तो ये देश अपने परंपरागत बाजारों में भारत के सामानों के बजाए टी.पी.पी.-11 के सदस्य देशों के सामानों को वरीयता प्रदान करेंगे, तो भारतीय हित प्रभावित होगा ही। हालांकि इस समझौते के लागू होने के बाद ही इसके प्रभावों को समझा जा सकेगा।

सं. काली शंकर 'शारदेय'

मृत्युदंड पर एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट

❑ एमनेस्टी इंटरनेशनल

➡ एमनेस्टी इंटरनेशनल मानवाधिकारों के संरक्षण पर केंद्रित एक गैर-सरकारी संगठन है, जिसके विश्वभर में 7 मिलियन से अधिक सदस्य एवं समर्थक हैं।

- ➲ वर्ष 1961 में लंदन के बैरिस्टर पीटर बेनेंसन ने इस संगठन की नींव रखी थी।
- ➲ यह संगठन मृत्युदंड को क्रूर, अमानवीय और अपमानजनक करार देते हुए सभी मामलों में बिना किसी अपवाद के मौत की सजा का विरोध करता है।

➡ वर्ष 1977 में जब इस संगठन ने मृत्युदंड को समाप्त करने की दिशा में प्रयास प्रारंभ किए थे, तब मात्र 16 देशों ने ही मौत की सजा को पूर्णतः समाप्त किया था, आज यह संख्या बढ़कर 106 तक पहुंच चुकी है।

❑ एमनेस्टी की रिपोर्ट

➡ एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा प्रति वर्ष विश्व में मृत्युदंड से संबंधित आंकड़ों का प्रकाशन किया जाता है।

➡ जनवरी-दिसंबर, 2017 की अवधि के दौरान मृत्युदंड के न्यायिक प्रयोग के आंकड़ों पर आधारित एमनेस्टी इंटरनेशनल की नवीनतम रिपोर्ट 12 अप्रैल, 2018 को जारी की गई।

➡ इस रिपोर्ट में एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा मृत्युदंड के प्रयोग से संबंधित जो आंकड़े दिए गए हैं, वह न्यूनतम हैं, जबकि वास्तविक संख्या उससे कहीं अधिक हो सकती है।

आरेखीय चित्र : मृत्युदंड पर एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट

❑ रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु

➡ एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017 में 23 देशों द्वारा मृत्युदंड की सजा क्रियान्वित की गई।

- ➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में भी 23 देशों द्वारा ही मृत्युदंड का क्रियान्वयन किया गया था।

➡ बहरीन, जॉर्डन, कुवैत तथा संयुक्त अरब अमीरात (UAE) द्वारा कुछ वर्षों के अंतराल के पश्चात वर्ष 2017 में मृत्युदंड का क्रियान्वयन पुनः आरंभ किया गया।

- ➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 से पूर्व बहरीन में वर्ष 2010 में, जॉर्डन में वर्ष 2015 में, कुवैत में वर्ष 2013 में तथा यूएई में वर्ष 2015 में मृत्युदंड क्रियान्वित किया गया था।

➡ वर्ष 2017 में पांच देशों यथा–बोत्सवाना, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, सूडान तथा ताइवान में मृत्युदंड का क्रियान्वयन नहीं किया गया, हालांकि इन देशों ने वर्ष 2016 में मृत्युदंड क्रियान्वित किए थे।

➡ वर्ष 2017 में दो देशों यथा गिनी तथा मंगोलिया ने कानून को लागू कर सभी अपराधों हेतु मृत्युदंड को समाप्त कर दिया।

- ➲ इस प्रकार वर्ष 2017 के अंत तक कुल 106 देशों ने कानून के माध्यम से सभी अपराधों हेतु मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है।

➡ ग्वाटेमाला ने केवल **सामान्य अपराधों जैसे हत्या** (Murder) के लिए मृत्युदंड को समाप्त कर दिया।

- ➲ इस प्रकार अब तक कुल 142 देश कानून या व्यवहार में मृत्युदंड को समाप्त कर चुके हैं।

❑ वर्ष 2017 : मृत्युदंड का क्रियान्वयन

➡ वर्ष 2016 की तुलना में वर्ष 2017 में विश्वभर में निष्पादित मृत्युदंडों (Executions) की संख्या में 4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

- ➲ जहां वर्ष 2017 में 993 से अधिक लोगों पर मृत्युदंड का क्रियान्वयन किया गया, वहीं 2016 में यह संख्या 1032 थी।
- ➲ वर्ष 2015 की तुलना में वर्ष 2017 में निष्पादित मृत्युदंडों की संख्या में 39 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।
- ➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में 1634 से अधिक लोगों पर मृत्युदंड का क्रियान्वयन किया गया था।
- ➲ ज्ञातव्य है कि इन आंकड़ों में चीन के आंकड़े शामिल नहीं हैं, जहां प्रति वर्ष हजारों व्यक्तियों को मृत्युदंड दिया जाता है, परंतु आधिकारिक रूप से इनकी संख्या गुप्त रखी जाती है।
- ➲ हालांकि एमनेस्टी इंटरनेशनल ने वर्ष 2009 से चीन में मृत्युदंड के प्रयोग से संबंधित अनुमानित आंकड़ों को प्रकाशित करना बंद कर दिया है, फिर भी वर्ष 2017 में **सर्वाधिक निष्पादित मृत्युदंडों की संख्या चीन में** मानी गई है।

आरेखीय चित्र : मृत्युदंड पर एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट

➡ वर्ष 2017 में कुल अभिलिखित मृत्युदंडों में से 84 प्रतिशत मृत्युदंड चार देशों यथा ईरान, सऊदी अरब, इराक तथा पाकिस्तान में क्रियान्वित किए गए।

➡ वर्ष 2017 में सर्वाधिक (507+) मृत्युदंड ईरान में क्रियान्वित किए गए।

- ➲ ईरान के पश्चात क्रमशः सऊदी अरब (146), इराक (125+) तथा पाकिस्तान (60+) का स्थान है।

➡ कुल निषादित मृत्युदंडों की दृष्टि से अमेरिका वर्ष 2017 में विश्व में 8वें स्थान पर है, जहां 23 व्यक्तियों पर मृत्युदंड का क्रियान्वयन किया गया।

➡ एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, वर्ष 2017 में 53 देशों के लगभग 2591 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई।

➡ रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017 के अंत तक विश्व में कम से कम 21,919 व्यक्ति मृत्युदंड के सजायाफ्ता (अभी क्रियान्वयन शेष) हैं।

❑ मृत्युदंड के आंकड़े (2017) : अंतरराष्ट्रीय अंतर-सरकारी संगठनों के परिप्रेक्ष्य में

➡ वर्ष 2017 में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से 170 देशों (88%) में मृत्युदंड का क्रियान्वयन नहीं हुआ।

➡ जी-8 देशों में से मात्र अमेरिका एवं जापान में मृत्युदंड का क्रियान्वयन हुआ।

➡ राष्ट्रमंडल के 53 सदस्य देशों में से 4 देशों (बांग्लादेश, मलेशिया, पाकिस्तान तथा सिंगापुर) में ही मृत्युदंड का क्रियान्वयन हुआ।

➡ आसियान के 10 में से 3 सदस्यों (मलेशिया, सिंगापुर तथा वियतनाम) ने ही मृत्युदंड का क्रियान्वयन किया।

❑ रिपोर्ट में भारत

➡ वर्ष 2017 में यह लगातार दूसरा अवसर रहा जब भारत में मृत्युदंड का क्रियान्वयन नहीं हुआ।

➡ राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली के अनुसार, वर्ष 2017 में भारत के विभिन्न न्यायालयों द्वारा कुल 109 व्यक्तियों को मौत की सजा सुनाई गई।

- ➲ इन 109 व्यक्तियों में से 51 व्यक्तियों को हत्या हेतु तथा 43 को यौन अपराधों सहित हत्या हेतु मौत की सजा सुनाई गई।

➡ उल्लेखनीय है कि 5 जुलाई, 2017 को भारत में यान-हरण निवारण अधिनियम 2016' (Anti-Hijacking Act, 2016) लागू हो गया।

- ➲ इस अधिनियम में यान-हरण के फलस्वरूप किसी भी व्यक्ति (बंधक या सुरक्षाकर्मियों सहित) की मृत्यु होने पर मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है।

सं. सौरभ मेहरोत्रा

विज्ञापन चस्पा करें

उन्नत भारत अभियान 2.0

❑ पृष्ठभूमि

➡ यद्यपि भारत ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और औद्योगिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है, फिर भी इस विकास का लाभ देश की ग्रामीण जनसंख्या तक नहीं पहुंच सका है।

➡ वर्तमान में देश की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि संबंधी अर्थव्यवस्था वाले ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है।

- कुल कार्य-बल का 51 प्रतिशत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में कार्यरत है, लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद में इस क्षेत्र का योगदान मात्र 17 प्रतिशत ही है।
- देश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के मध्य व्यापक विकासात्मक असमानताएं हैं, जिससे बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण क्षेत्रों को छोड़कर शहरों में जाकर बस रहे हैं।

➡ अतः ऐसे समय में ग्रामीण विकास के लिए देश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अन्य ज्ञान संसाधनों का उपयोग किए जाने की तीव्र आवश्यकता महसूस की जा रही है।

- इस संदर्भ में 'उन्नत भारत अभियान' एक अद्वितीय तथा अत्यधिक चुनौतीपूर्ण पहल है।

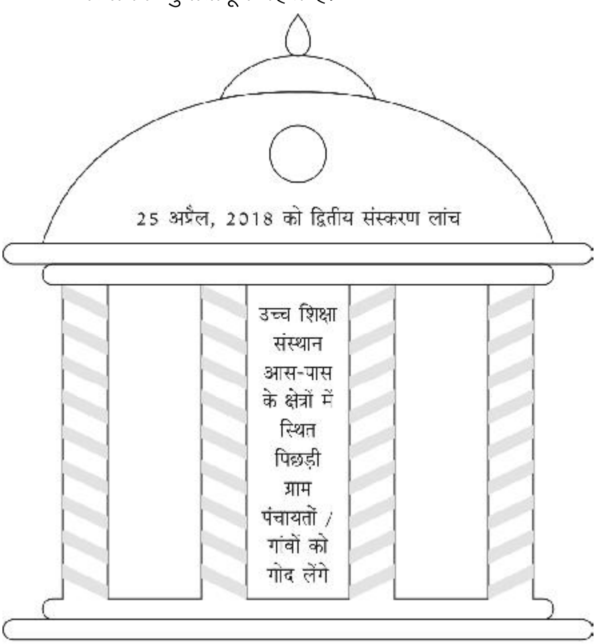

आरेखीय चित्र : उन्नत भारत अभियान 2.0

❑ अभियान

➡ 11 नवंबर, 2014 को केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' (UBA) लांच किया गया था।

- इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण भारत के लोगों के साथ कार्य कर उनकी विकास संबंधी चुनौतियों की पहचान करने तथा इस संदर्भ में उपयुक्त समाधान सुझाने में उच्च शिक्षा संस्थानों को समर्थ बनाना है जिससे सतत विकास को गति प्रदान की जा सके।

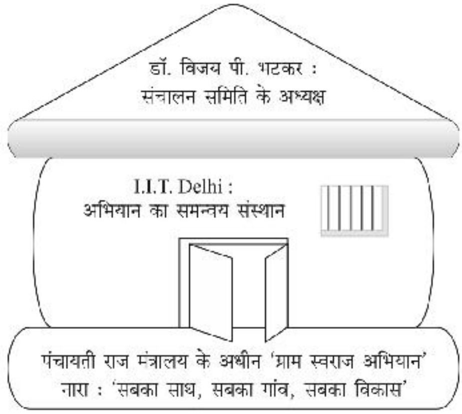

आरेखीय चित्र : उन्नत भारत अभियान 2.0

❑ रणनीति

➡ इस अभियान के तहत केंद्र/राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित सभी उच्च शिक्षा संस्थानों तथा नियामक संस्थाओं द्वारा अनुमोदित सभी संस्थानों से यह अपेक्षा की गई है कि वे अपने आस-पास के क्षेत्रों में स्थित पिछड़ी ग्राम पंचायतों/गांवों को गोद लेंगे और उनके बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए अपने ज्ञान एवं विशेषज्ञता का प्रयोग करेंगे।

❑ राष्ट्रीय संचालन समिति

➡ राष्ट्रीय स्तर पर उन्नत भारत अभियान के कार्यान्वयन, नियमित निर्देशन तथा निगरानी हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा एक सशक्त संचालन समिति (Empowered Steering Committee) का गठन किया गया है।

- प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. विजय पी. भटकर को इस राष्ट्रीय संचालन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- इस समिति की प्रथम बैठक 29 अप्रैल, 2016 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में आयोजित की गई थी।
- इस प्रथम बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस समिति की बैठक त्रैमासिक आधार पर आयोजित की जाएगी।

➡ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (IIT, Delhi) को उन्नत

भारत अभियान हेतु 'समन्वय संस्थान' (Co-ordinating Institution) के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।

❑ द्वितीय संस्करण

➡ 25 अप्रैल, 2018 को केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 'उन्नत भारत अभियान के द्वितीय संस्करण' (Unnat Bharat Abhiyan 2.0) को लांच किया गया।

➡ बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर इस अभियान को अधिक व्यापक बनाना ही द्वितीय संस्करण का उद्देश्य है।

➡ उल्लेखनीय है कि इस अभियान के प्रथम चरण में जहां IIT एवं NIT जैसे 143 प्रतिष्ठित संस्थानों ने भाग लिया था, वहीं द्वितीय चरण में इससे कहीं अधिक उच्च शिक्षण संस्थानों की भागीदारी देखने को मिलेगी।

➡ अब तक देश के 750 उच्च शिक्षा संस्थानों का चयन इस अभियान के द्वितीय चरण हेतु किया जा चुका है।

➡ उल्लेखनीय है कि देश के 45000 गांवों को इस अभियान के अंतर्गत आच्छादित करने हेतु इसमें 8252 उच्च शिक्षा संस्थानों की भागीदारी की आवश्यकता है।

105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस

❑ भारतीय विज्ञान कांग्रेस

➡ 'भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन' (Indian Science Congress Association : ISCA) देश में वैज्ञानिक अनुसंधानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित एक प्रमुख वैज्ञानिक संगठन है।

- ➲ इसके तत्वावधान में वैज्ञानिक विषय-वस्तुओं के अन्वेषण, विश्लेषण एवं पारस्परिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से प्रति वर्ष भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जाता है।
- ➲ वर्ष 1914 से लगातार प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाला यह विज्ञान सम्मेलन देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय विज्ञान समारोह है।

❑ पिछला संस्करण

➡ 3-7 जनवरी, 2017 के मध्य श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में 104वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया था।

❑ 105वां संस्करण

➡ 16-20 मार्च, 2018 के मध्य मणिपुर विश्वविद्यालय (इम्फाल) में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 105वें संस्करण का आयोजन किया गया।

➡ 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का केंद्रीय विषय था– ''**विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से अगम्य तक पहुंच**'' (Reaching the Unreached Through Science & Technology)।

➡ 16 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया।

आरेखीय चित्र : 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस

- ➲ 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस की अध्यक्षता प्रसिद्ध शिक्षाविद् और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (KIIT), भुवनेश्वर एवं कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (KISS), भुवनेश्वर के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने की।

➡ यह प्रथम अवसर था जब इम्फाल (मणिपुर) में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया।

- ➲ हालांकि यह दूसरा अवसर था जब भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन पूर्वोत्तर भारत में संपन्न हुआ।
- ➲ उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2009 में 96वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन शिलांग (मेघालय) में किया गया था।

➡ 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में नोबेल पुरस्कार विजेताओं, देश-विदेश के वैज्ञानिकों, विद्वानों एवं कॉर्पोरेट अधिकारियों सहित लगभग 5000 प्रतिनिधि शामिल हुए।

➡ 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के दौरान वैज्ञानिकों के व्याख्यान, महिला विज्ञान कांग्रेस, बाल विज्ञान कांग्रेस, विज्ञान संचारक सम्मेलन सहित विज्ञान के विभिन्न विषयों पर समांतर सत्रों का आयोजन किया गया।

❑ बाल विज्ञान कांग्रेस

➡ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के साथ-साथ प्रति वर्ष बच्चों के लिए अलग से बाल विज्ञान कांग्रेस (Children Science Congress) का आयोजन किया जाता है।

- ➲ इसे राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन के नाम से भी जाना जाता है।

➲ यह आयोजन देश भर के 10-17 वर्ष आयु वर्ग के युवा छात्रों को उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा और उनकी प्रतिभा को विस्तार देने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

➡ 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के दौरान 17 मार्च, 2018 को नगालैंड के राज्यपाल पी.बी. आचार्य ने बाल विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया।

➲ इस वर्ष लगभग 7000 बच्चों ने बाल विज्ञान कांग्रेस में प्रतिभाग किया।

➲ इस वर्ष पहली बार बाल विज्ञान कांग्रेस में साइंस मॉडल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

आरेखीय चित्र : 105वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस

❑ 7वीं महिला विज्ञान कांग्रेस

➡ 18-19 मार्च, 2018 के दौरान 7वीं महिला विज्ञान कांग्रेस (7th Women Science Congress) का आयोजन किया गया।

➡ 18 मार्च, 2018 को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी ने महिला विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया।

➲ उल्लेखनीय है कि पहली महिला विज्ञान कांग्रेस वर्ष 2012 में आयोजित हुई थी।

❑ 11वां राष्ट्रीय विज्ञान संचारक सम्मेलन

➡ 19 मार्च, 2018 को भारतीय विज्ञान कांग्रेस के दौरान मणिपुर के उप-मुख्यमंत्री वाई. जॉय कुमार सिंह ने '11वें राष्ट्रीय विज्ञान संचारक सम्मेलन' (11th National Science Communicators' Meet) का उद्घाटन किया।

➡ 'राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद' (NCSTC: National Council for Science & Technology Communication) द्वारा आयोजित किया जाने वाला विज्ञान संचारक सम्मेलन, भारतीय विज्ञान कांग्रेस का एक अहम हिस्सा है, जिसमें देश भर के विज्ञान संचारक जुटते हैं और विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रभावी रणनीति पर विचार करते हैं।

❑ 106वां संस्करण

➡ 3-7 जनवरी, 2019 के मध्य 106वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में किया जाएगा।

➲ 106वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय (Theme) होगा–"**भविष्य का भारत : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी**" (Future India : Science & Technology)।

➡ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अगले संस्करण की अध्यक्षता कोलकाता स्थित '**राष्ट्रीय हैजा एवं आंत्र रोग संस्थान**' (NICED : National Institute of Cholera & Enteric Diseases) के पूर्व वैज्ञानिक एवं निदेशक **डॉ. मनोज कुमार चक्रबर्ती** करेंगे।

विज्ञापन चस्पा करें

राष्ट्रीय बांस मिशन का पुनर्गठन

❑ पृष्ठभूमि

➡ 'राष्ट्रीय बांस मिशन' (NBM : National Bamboo Mission) एक केंद्र प्रायोजित परियोजना के रूप में वर्ष 2006-07 में प्रारंभ किया गया था।

➡ वर्ष 2014-15 के दौरान इस मिशन को 'बागवानी के एकीकृत विकास हेतु मिशन' (MIDH : Mission for Integrated Development of Horticulture) के अंतर्गत शामिल कर लिया गया।

❑ पुनर्गठन की आवश्यकता

➡ राष्ट्रीय बांस मिशन मुख्यत: बांस की बुवाई एवं उसके उत्पादन पर केंद्रित था और इसमें बांस के प्रसंस्करण, उत्पाद विकास तथा मूल्यवर्धन (Value Addition) पर सीमित प्रयास किए गए थे।

- ➲ इसके अतिरिक्त बांस के उत्पादकों (किसानों) तथा उद्योग (Industry) के बीच संपर्क की कड़ी कमजोर थी।
- ➲ अत: इस मिशन का पुनर्गठन अपेक्षित था।

❑ बजटीय घोषणा

➡ बांस क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्त मंत्री अरुण जेटली ने वर्ष 2018-19 के केंद्रीय बजट में 1290 करोड़ रुपये के परिव्यय से एक 'पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन' की घोषणा की थी।

- ➲ अपने बजट भाषण में उन्होंने बांस को **'हरा सोना'** (Green Gold) की संज्ञा दी थी।

❑ मिशन स्वीकृत

➡ 25 अप्रैल, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति ने 'सतत कृषि हेतु राष्ट्रीय मिशन' (NMSA : National Mission for Sustainable Agriculture) के अंतर्गत केंद्र प्रायोजित 'पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन' को स्वीकृति प्रदान की।

➡ इस मिशन का कार्यान्वयन 14वें वित्त आयोग की शेष अवधि (2018-19 एवं 2019-20) के दौरान किया जाएगा।

➡ यह मिशन संपूर्ण मूल्य श्रृंखला बनाकर तथा उत्पादकों का उद्योग के साथ प्रभावी संपर्क स्थापित करके बांस क्षेत्र का संपूर्ण विकास सुनिश्चित करेगा।

➡ केंद्रीय हिस्से के रूप में 950 करोड़ रुपये सहित इस मिशन हेतु कुल 1290 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

❑ लाभार्थी

➡ इस योजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से किसानों, स्थानीय कारीगरों और बांस क्षेत्र में काम कर रहे अन्य लोगों को लाभ होगा।

- ➲ चूंकि बांस रोपण (Plantation) के अंतर्गत लगभग एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया जाना प्रस्तावित है, अत: इससे प्रत्यक्ष रूप से लगभग एक लाख किसानों को लाभ प्राप्त होना संभावित है।

❑ आच्छादित राज्य

➡ यह मिशन उन सीमित राज्यों में बांस के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा, जहां इसके सामाजिक, वाणिज्यिक तथा आर्थिक लाभ हैं।

➡ विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र सहित, जो राज्य इस मिशन के अंतर्गत आच्छादित किए जाएंगे उनमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, कर्नाटक, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, तमिलनाडु तथा केरल शामिल हैं।

❑ कार्यान्वयन रणनीति

➡ इस मिशन के अंतर्गत बांस क्षेत्र के विकास के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जाएंगे–

(i) बांस की वाणिज्यिक एवं औद्योगिक मांग वाली प्रजातियों की आनुवांशिक दृष्टि से उत्कृष्ट पौध सामग्री पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

(ii) बांस क्षेत्र में संपूर्ण मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण को अपनाया जाएगा, जिसमें बांस उत्पादकों से लेकर उपभोक्ताओं तक ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

(iii) बांस के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि हेतु अनुसंधान एवं विकास (R & D) पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

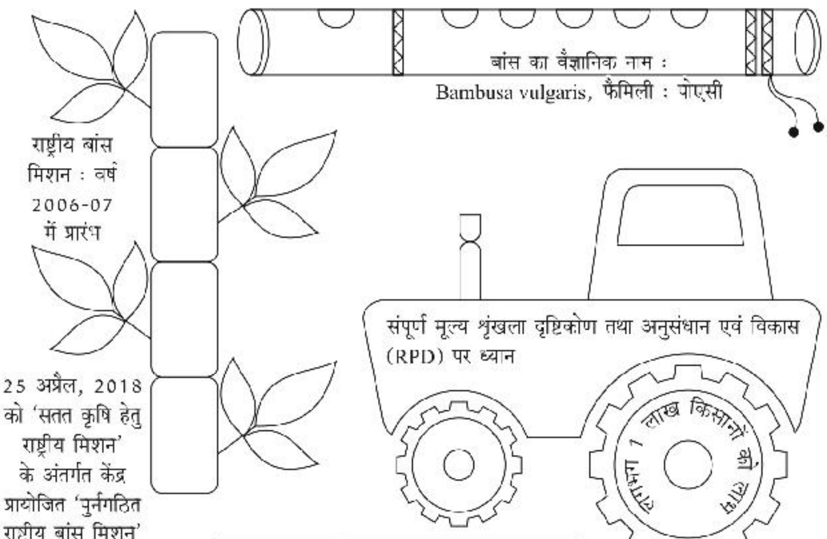

आरेखीय चित्र : राष्ट्रीय बांस मिशन का पुनर्गठन

❑ लक्ष्य

➡ सरकारी तथा निजी गैर-वन भूमि में बांस पौधरोपण के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि करना।

➡ नवाचारी प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों, शोधन संयंत्रों, संरक्षण प्रौद्योगिकियों आदि की स्थापना के माध्यम से फसल-उपरांत प्रबंधन में सुधार करना।

➡ भारत में अविकसित बांस उद्योग का कायाकल्प करना।

➡ बांस क्षेत्र के विकास के लिए कौशल विकास, क्षमता निर्माण आदि को बढ़ावा देना।

❑ प्रभाव

➡ बांस पौधरोपण से कृषि उत्पादकता एवं आय में वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप भूमिहीनों एवं महिलाओं सहित छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

➡ यह मिशन न केवल किसानों की आय में वृद्धि करने के संभावित उपाय के रूप में कार्य करेगा, बल्कि जलवायु को सुदृढ़ बनाने एवं पर्यावरण लाभों में भी योगदान देगा।

❑ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ बांस (Bamboo) देश के वनों के साथ-साथ गैर-वन क्षेत्रों में भी पाया जाने वाला महत्वपूर्ण गैर-लकड़ी (Non-Wood) वन संसाधन है।

➡ वर्गीकरण विज्ञान के अनुसार, बांस घास की परिभाषा के अंतर्गत आता है।

➡ भारत में बांसों की 23 वंशों (Genera) से संबंधित 125 देशीय (Indigenous) तथा 11 विदेशी (Exotic) प्रजातियों की पहचान हुई है।

➡ विश्व में बांस की खेती के तहत कुल क्षेत्र में भारत का हिस्सा 19 प्रतिशत है।

- ➲ हालांकि वैश्विक बांस बाजार में भारत की हिस्सेदारी केवल 6 प्रतिशत की है।

➡ वर्तमान में भारत में बांस की मांग लगभग 28 मिलियन टन है।

राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर

❑ पृष्ठभूमि

➡ असम में बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों की पहचान करने और भारतीय नागरिकों को मान्यता देने के लिए 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' (NRC : National Register of Citizens) का प्रस्ताव किया गया था। यह रजिस्टर वर्ष 1951 में पहली बार तैयार किया गया था। असम 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' तैयार करने वाला पहला राज्य है।

❑ असम समझौता

➡ उल्लेखनीय है कि असम में अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें निर्वासित करने के उद्देश्य से वर्ष 1979-85 के मध्य असम आंदोलन (Assam Agitation) चलाया गया था, जिसका अंत असम समझौते पर हस्ताक्षर के साथ हुआ था।

- ➲ इस समझौते के तहत असम में 24 मार्च, 1971 के बाद प्रवेश करने वाले बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें निर्वासित करने का प्रावधान किया गया है।

❑ NRC का अद्यतनीकरण

➡ असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के अद्यतनीकरण (Updation) से आशय मूलतः उन व्यक्तियों अथवा उनके वंशजों के नामों को दर्ज करने की प्रक्रिया से है, जिनके नाम वर्ष 1971 तक की निर्वाचक नामावली, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, 1951 या किसी भी स्वीकार्य निर्धारित दस्तावेज में शामिल हैं।

- ➲ वर्ष 1951 के राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के अद्यतनीकरण का मुद्दा सर्वप्रथम 'ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन' ने लगभग तीन दशक पहले उठाया था।
- ➲ राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, 1951 के अद्यतनीकरण की मांग करते हुए 'ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन' (AASU) एवं 'असम गण परिषद' द्वारा 18 जनवरी, 1980 को केंद्र सरकार को एक ज्ञापन सौंपा गया था।
- ➲ 17 नवंबर, 1999 को असम समझौते के कार्यान्वयन की समीक्षा की आधिकारिक त्रिपक्षीय बैठक में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अद्यतन करने का निर्णय लिया गया था।
- ➲ 5 मई, 2005 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अद्यतन करने का अंतिम निर्णय लिया गया था।

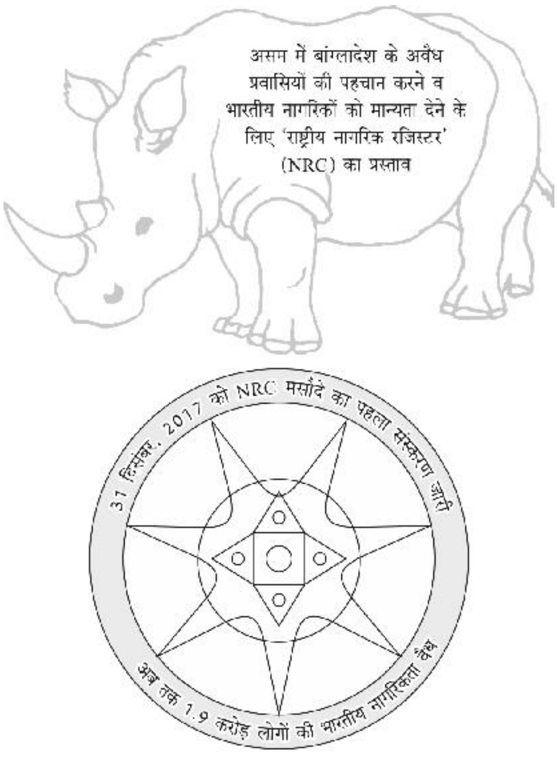

आरेखीय चित्र : राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर

❑ अद्यतनीकरण का ब्यौरा

➡ असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का अद्यतनीकरण भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 तथा नागरिकता (नागरिकों का पंजीकरण एवं राष्ट्रीय पहचान-पत्रों का वितरण) नियम, 2003 के प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है।

➡ उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसरण में असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के अद्यतनीकरण की प्रक्रिया दिसंबर, 2013 में आरंभ हुई थी।

➡ अद्यतन राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के प्रकाशन की प्रस्तावित तिथि 31 दिसंबर, 2018 है।

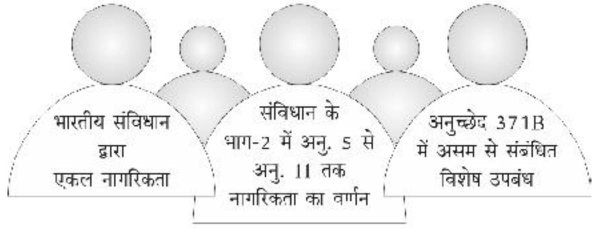

आरेखीय चित्र : राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर

❑ वर्तमान परिदृश्य

➡ 31 दिसंबर, 2017 को असम सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' (NRC) मसौदे का पहला संस्करण जारी किया गया।

➡ 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' के तहत भारतीय नागरिक के रूप में मान्यता प्रदान किए जाने हेतु 3.29 करोड़ आवेदन प्राप्त हुए थे।

➲ इनमें से 1.9 करोड़ लोगों को वैध भारतीय नागरिक माना गया है।

➲ शेष 1.39 करोड़ आवेदनों की विभिन्न स्तरों पर जांच जारी है।

❑ निष्कर्ष

➡ असम के राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का उद्देश्य बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों को चिह्नित करना है। राज्य सरकार द्वारा यह कदम भारत के मूल नागरिकों की पहचान और असम में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को बाहर करने के लिए उठाया गया है।

सं. नीरज ओझा

जीसैट-6ए का प्रक्षेपण

❑ जीसैट-6ए उपग्रह

➡ जीसैट-6ए इसरो द्वारा निर्मित एक संचार उपग्रह है, जो मल्टी बीम कवरेज के माध्यम से मोबाइल संचार उपलब्ध कराएगा।

➡ उपग्रह में एस और सी बैंड ट्रांसपोंडर संलग्न हैं।

➲ जीसैट-6ए उपग्रह अपने पूर्ववर्ती जीसैट-6 के समान आई-2 के बस (I-2 K BUS) के परितः निर्मित उच्च क्षमता का उपग्रह है।

➲ उपग्रह की मिशन अवधि लगभग 10 वर्ष है।

➡ यह उपग्रह अगस्त, 2015 में प्रक्षेपित जीसैट-6 उपग्रह के साथ समन्वय में कार्य करेगा।

❑ विशेषताएं

➡ 2000 किग्रा. श्रेणी के जीसैट-6ए उपग्रह की लागत लगभग 270 करोड़ रु. है।

➡ यह उपग्रह सशस्त्र सेनाओं के उपयोग हेतु निर्मित किया गया है तथा यह सामान्य उपयोगों हेतु ट्रांसपोंडर क्षमता उपलब्ध नहीं कराएगा।

➡ इस उपग्रह में 6 मीटर चौड़ा एक छतरी जैसे एंटीना संलग्न है, जो अंतरिक्ष में भेजे जाने पर अपने आप खुलने (Unfurled) की क्षमता रखता है।

➲ यह एंटीना इसरो के उपग्रहों में सामान्यतः प्रयोग किए जाने वाले एंटीना की तुलना में तीन गुना अधिक चौड़ा है।

➲ उल्लेखनीय है कि छोटे एंटीना से युक्त सामान्य संचार उपग्रह पृथ्वी पर स्थित विशाल स्टेशनों (Ground Stations) की सहायता से मोबाइल संचार को सुलभ बनाते हैं, जबकि विशालकाय एंटीना से युक्त जीसैट-6ए हैंड हेल्ड ग्राउंड टर्मिनल्स (Hand-Held Ground Terminals) के माध्यम से संचार को सुगम बनाएगा।

❑ जीसैट-6ए का प्रक्षेपण

➡ 29 मार्च, 2018 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र शार के द्वितीय लांच पैड से 'जीसैट-6ए' (GSAT-6A) उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया।

➡ जीसैट-6ए उपग्रह का प्रक्षेपण भारत के भू-तुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान 'जीएसएलवी-एफ 08' (GSLV-F08) द्वारा किया गया।

➲ उत्थान (Lift-Off) के लगभग साढ़े सात मिनट के पश्चात रॉकेट द्वारा जीसैट-6ए को सफलतापूर्वक भूतुल्यकालिक स्थानांतरण कक्षा (GTO) में स्थापित किया गया।

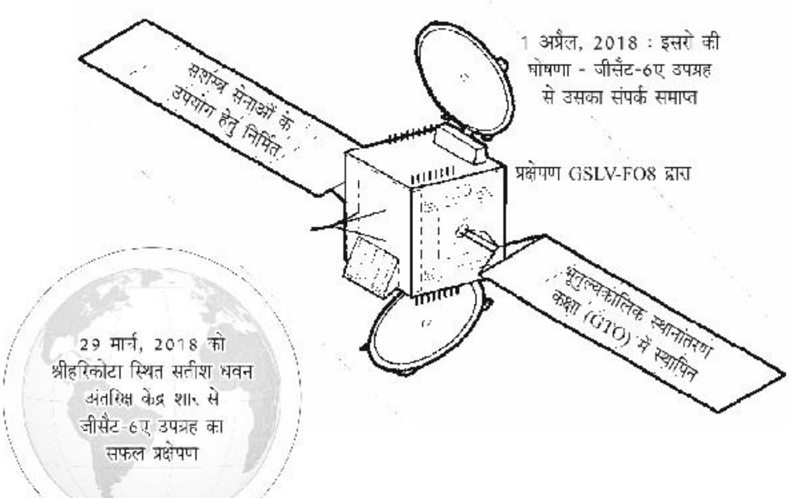

आरेखीय चित्र : जीसैट-6ए का प्रक्षेपण

➡ प्रक्षेपण यान से अलग होने के बाद जीसैट-6ए के दो सोलर एरे स्वतः तैनात हो गए और कर्नाटक के हासन स्थित 'मास्टर कंट्रोल फसिलिटी' (MCF) ने उपग्रह का नियंत्रण ग्रहण किया।

➡ 1 अप्रैल, 2018 को इसरो ने घोषणा की कि जीसैट-6ए उपग्रह से उसका संपर्क समाप्त हो गया है।

➲ उपग्रह की कक्षोन्नयन प्रक्रिया के दौरान संपर्क समाप्त होने का पता चला।

➲ गौरतलब है कि भूतुल्यकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापना के पश्चात उपग्रह में संलग्न 'लिक्विड एपोजी मोटर' (LAM) को दागकर उपग्रह को वृत्ताकार भूतुल्यकालिक कक्षा में स्थापित किया जाता है।

❑ जीएसएलवी-एफ08

➡ यह भूतुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (GSLV) की कुल 12वीं उड़ान थी।

➡ स्वदेश में विकसित क्रायोजेनिक ऊपरी चरण के साथ जीएसएलवी की यह छठीं और लगातार पांचवीं सफल उड़ान थी।

➡ जीएसएलवी-एफ08 की लंबाई 49.1 मीटर और भार 415.6 टन था।

➲ इस प्रक्षेपण यान के द्वितीय चरण में उच्च ठेल प्रदान करने वाला विकास इंजन (HTVE) संलग्न था।

➲ साथ ही द्वितीय चरण में इलेक्ट्रो-हाइड्रॉलिक एक्चुएशन (EHA) के स्थान पर इलेक्ट्रो-मैकेनिकल एक्चुएशन (EMA) सिस्टम जोड़ा गया था।

❑ निष्कर्ष

➡ जीसैट-6ए से संपर्क समाप्त होने के पश्चात अभी तक भारतीय अंतरिक्ष संस्था इसरो का इस उपग्रह से संपर्क स्थापित नहीं हो सका है। हालांकि इस असफलता के कारण इसरो के भावी अंतरिक्ष अभियानों पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा और भारतीय अंतरिक्ष संस्था अंतरिक्ष के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमानों को स्थापित करने हेतु प्रयासरत रहेगी।

रेशम उद्योग के विकास हेतु एकीकृत योजना

❑ वर्तमान परिदृश्य

➡ 21 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने केंद्रीय क्षेत्र की 'रेशम उद्योग के विकास हेतु एकीकृत योजना' (Integrated Scheme for Development of Silk Industry) को स्वीकृति प्रदान की।

❑ उद्देश्य

➡ योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से रेशम की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार लाना है।

❑ लक्ष्य

➡ इस केंद्रीय क्षेत्र योजना का लक्ष्य वर्ष 2022 तक रेशम उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है।

❑ योजनावधि

➡ रेशम उद्योग के विकास हेतु एकीकृत योजना का कार्यान्वयन वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक अगले तीन वर्षों में किया जाएगा।

➡ योजना का कार्यान्वयन केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय द्वारा 'केंद्रीय रेशम बोर्ड' (CSB) के माध्यम से किया जाएगा।

❑ परिव्यय

➡ तीन वर्षों की अवधि के लिए इस योजना हेतु कुल आवंटन 2161.68 करोड़ रुपये है।

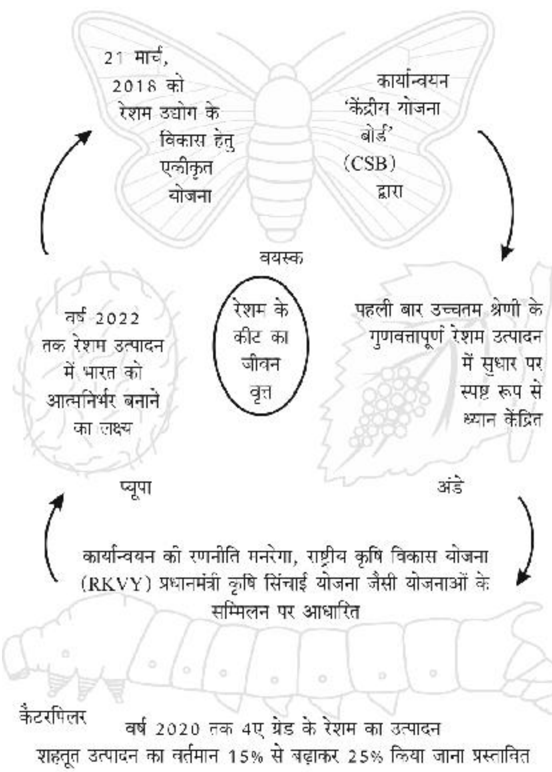

आरेखीय चित्र : रेशम उद्योग के विकास हेतु एकीकृत योजना

❑ घटक

➡ रेशम उद्योग के विकास हेतु एकीकृत योजना के चार घटक हैं–

(i) अनुसंधान एवं विकास, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण और सूचना प्रौद्योगिकी पहलें।

(ii) बीज (Seed) संगठन और किसान विस्तार केंद्र।

(iii) बीज, धागे और रेशम उत्पादों के लिए समन्वय एवं बाजार विकास और

(iv) रेशम परीक्षण केंद्रों, फॉर्म बेस्ड एंड पोस्ट-कोकून टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन और एक्सपोर्ट ब्रॉन्ड प्रमोशन की श्रृंखला के सृजन के माध्यम से गुणवत्ता प्रमाणन प्रणाली (QCS)।

❑ प्रभाव

➡ निम्नलिखित हस्तक्षेपों के साथ इस योजना से रेशम का उत्पादन वर्ष 2016-17 के 30348 मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2019-20 तक 38500 मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान है–

1. वर्ष 2020 तक आयात के विकल्प के रूप में प्रतिवर्ष 8500 मीट्रिक टन बाइवोल्टाइन (Bivoltine) रेशम का उत्पादन।

2. वर्ष 2019-20 की समाप्ति तक रेशम की उत्पादकता में वर्तमान के 100 किग्रा./हेक्टेयर से 111 किग्रा. प्रति हेक्टेयर सुधार करने के लिए अनुसंधान एवं विकास।

3. बाजार की मांग पूरा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण रेशम के उत्पादन हेतु 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत उन्नत रीलिंग (Reeling) मशीनों का बड़े पैमाने पर प्रसार।

❑ पूर्व की योजना की तुलना में सुधार

➡ यह प्रथम अवसर है, जब उच्चतम श्रेणी के गुणवत्तापूर्ण रेशम उत्पादन में सुधार पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है।

➡ कार्यान्वयन की रणनीति रेशम उत्पादकों को अधिकतम लाभ देने के लिए स्पष्ट रूप से ग्रामीण विकास मंत्रालय की मनरेगा, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY) और कृषि मंत्रालय की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) जैसी अन्य मंत्रालयों की योजनाओं के साथ राज्य स्तर की योजनाओं के सम्मिलन पर आधारित है।

➡ रोग प्रतिरोधी रेशम कीटों, मूल पौध (Host Plant) सुधार, उत्पादकता वृद्धि संबंधी साधनों और रीलिंग एवं कताई के लिए सामग्री आदि से जुड़ी अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का कार्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृषि और मानव संसाधन विकास मंत्रालयों के सहयोग से किया जाएगा।

❑ लाभ

➡ इस योजना से महिला अधिकारिता को बढ़ावा मिलेगा और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं समाज के अन्य कमजोर वर्गों को आजीविका के अवसर प्राप्त होंगे।

➡ योजना से वर्ष 2022 तक 85 लाख से 1 करोड़ लोगों के लिए रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।

➡ वर्ष 2022 तक भारत में उच्च कोटि के रेशम का उत्पादन 20650 मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगा, जो वर्तमान में 11326 मीट्रिक टन है।

महापत्तन प्राधिकरण विधेयक, 2016

❑ पृष्ठभूमि

➡ 16 दिसंबर, 2016 को पोत परिवहन राज्य मंत्री पी. राधाकृष्णन ने लोक सभा में 'महापत्तन प्राधिकरण विधेयक, 2016' (Major Port Authorities Bill, 2016) पेश किया था।

- ➲ यह विधेयक महापत्तन ट्रस्ट अधिनियम, 1963 को प्रतिस्थापित करेगा।
- ➲ लोक सभा द्वारा विधेयक को 12 जनवरी, 2017 को संसद की परिवहन, पर्यटन एवं संस्कृति संबंधी स्थायी समिति को सौंप दिया गया था।

❑ उद्देश्य

➡ विधेयक का उद्देश्य भारत में महापत्तनों के विनियमन, प्रचालन और नियोजन के लिए महापत्तन प्राधिकरणों का गठन करना है।

➡ साथ ही महापत्तन प्राधिकरणों के बोर्डों में ऐसे पत्तनों के प्रशासन, नियंत्रण एवं प्रबंधन को निहित करना और उससे संबद्ध या उसके आनुषंगिक विषयों का विनियमन करना है।

❑ समिति की सिफारिश

➡ 18 जुलाई, 2017 को मुकुल रॉय की अध्यक्षता वाली संसद की स्थायी समिति ने महापत्तन प्राधिकरण विधेयक, 2016 पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें शामिल प्रमुख सिफारिशें निम्नलिखित हैं—

आरेखीय चित्र : महापत्तन प्राधिकरण विधेयक, 2016

➡ मंत्रालय को बंदरगाहों के निजीकरण से जुड़ी हितधारकों की चिंताओं को दूर करना चाहिए।

- ➲ मंत्रालय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बंदरगाह का प्रशासनिक प्रबंधकीय एवं वित्तीय नियंत्रण महापत्तन प्राधिकरण बोर्ड के पास रहे।
- ➲ महापत्तन प्राधिकरण बोर्ड के अन्य सदस्यों में न्यूनतम दो श्रमिक प्रतिनिधियों को नियुक्त किया जाना चाहिए, जो पत्तन के सेवारत कर्मचारी होने चाहिएं।
- ➲ स्वतंत्र सदस्य दो से अधिक नहीं होने चाहिए और उन्हें बंदरगाह के कार्यों में विशेषज्ञता हासिल होनी चाहिए।
- ➲ यह सुनिश्चित किया जाना कि महापत्तन प्राधिकरण का प्रशासनिक नियंत्रण सरकार के पास रहे, आदि।

❑ विधेयक में संशोधनों को मंजूरी

➡ 7 फरवरी, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महापत्तन प्राधिकरण विधेयक, 2016 में संसद की स्थायी समिति की सिफारिशों पर आधारित सरकारी संशोधनों को स्वीकृति प्रदान की।

➡ विधेयक में निम्नलिखित परिवर्तन शामिल किए गए हैं–

1. पत्तन में सेवारत कर्मचारियों में से पत्तन प्राधिकरण बोर्ड में नियुक्त किए जाने वाले श्रमिक प्रतिनिधियों की संख्या एक से बढ़ाकर दो कर दी गई है, जिनका कार्यकाल तीन वर्ष होगा।
2. पत्तन प्राधिकरण बोर्ड में स्वतंत्र सदस्यों की संख्या न्यूनतम 2 तथा अधिकतम 4 होगी।
3. सार्वजनिक-निजी परियोजनाओं के लिए अधिनियम के लागू होने के बाद रियायत प्राप्तकर्ता बाजार की शर्तों पर प्रशुल्क के

निर्धारण में स्वतंत्र होगा।

4. केंद्र सरकार को एड्जुडिकेटरी बोर्ड (Adjudicatory Board) के किसी सदस्य या पीठासीन अधिकारी को निर्धारित तरीके से हटाने का अधिकार प्राप्त होगा, आदि।

❑ विधेयक के प्रमुख प्रावधान

➡ यह विधेयक चेन्नई, कोच्चि, जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह, कांडला, कोलकाता, मुंबई, न्यू मंगलौर, मोरमुगाव, पारादीप, पी.ओ. चिदंबरनार और विशाखापत्तनम बंदरगाह पर लागू होगा।

➡ विधेयक में प्रत्येक महापत्तन पर 'महापत्तन प्राधिकरण बोर्ड' के गठन का प्रावधान किया गया है, जिसमें एक अध्यक्ष एवं एक उपाध्यक्ष होगा।

- ➲ बोर्ड को महापत्तन के विकास के लिए अपनी संपत्ति, परिसंपत्ति और निधियों के उपयुक्त प्रयोग की अनुमति होगी।
- ➲ महापत्तनों पर उपलब्ध परिसंपत्तियों एवं सेवाओं की दर का निर्धारण बोर्ड या बोर्ड द्वारा नियुक्त समिति द्वारा किया जाएगा।
- ➲ विधेयक में केंद्र सरकार द्वारा एड्जुडिकेटरी बोर्ड के गठन का प्रावधान है, जिसमें एक पीठासीन अधिकारी एवं दो सदस्य होंगे।
- ➲ विधेयक के तहत किसी प्रावधान या नियम या विनियम का उल्लंघन करने पर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना अदा करना पड़ेगा।

❑ निष्कर्ष

➡ इस विधेयक से महापत्तनों की अधिकारिता एवं स्वायत्तता में वृद्धि होगी, साथ ही महापत्तनों पर अवसंरचना विकास, सेवाओं के वितरण आदि में मदद मिलेगी।

विश्व जल विकास रिपोर्ट, 2018

❑ पृष्ठभूमि

➡ वैश्विक स्तर पर 2 बिलियन लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है। वैश्विक जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के कारण वर्ष 2050 तक जल की मांग में एक-तिहाई वृद्धि का अनुमान है। जल के बढ़ते उपयोग, पर्यावरणीय अपकर्ष में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के बहुपक्षीय प्रभाव के कारण ताजे जल के संसाधनों को प्रबंधित करने के नए तरीकों की आवश्यकता है। इस तथ्य के दृष्टिगत संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व जल विकास रिपोर्ट, 2018' जारी की गई है।

❑ शुभारंभ

➡ 8वें विश्व जल मंच (8th World Water Forum) के दौरान 19 मार्च, 2018 को ब्राजीलिया (ब्राजील) में संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट, 2018 (WWDR, 2018) जारी की गई।

➡ इस रिपोर्ट का केंद्रीय विषय है – ''जल हेतु प्रकृति आधारित समाधान'' (Nature-Based Solutions for Water)।

➡ उल्लेखनीय है कि विश्व जल विकास रिपोर्ट का पहला संस्करण वर्ष 2003 में जारी किया गया था।

❑ उद्देश्य

➡ रिपोर्ट का उद्देश्य जल प्रबंधन नीति और कार्यप्रणाली में प्रकृति आधारित समाधानों (वैकल्पिक उपायों के समानांतर) पर विचार करने के महत्व को प्रदर्शित करना है।

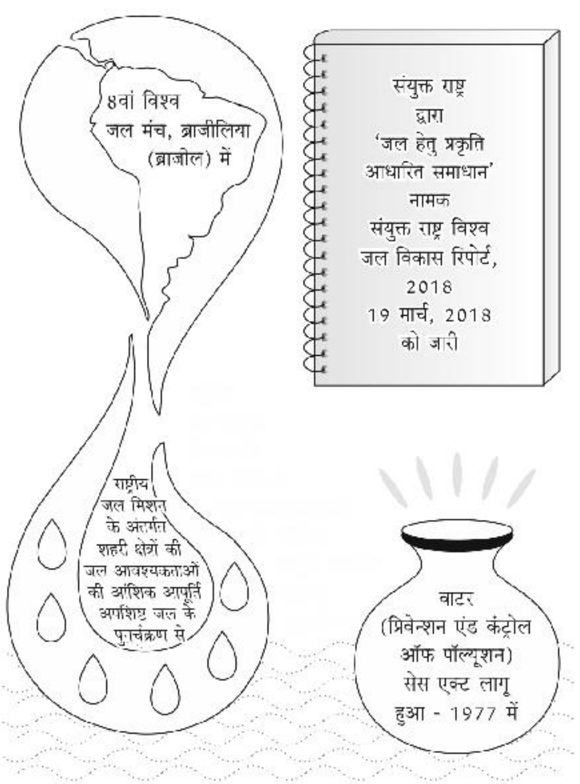

आरेखीय चित्र : विश्व जल विकास रिपोर्ट, 2018

❑ प्रमुख विशेषताएं

➡ रिपोर्ट के अनुसार, जनसंख्या वृद्धि, आर्थिक विकास और उपभोग के तरीकों में बदलाव के कारण जल की वैश्विक मांग लगभग 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है।

➡ जल की औद्योगिक मांग एवं घरेलू मांग में कृषि मांग की तुलना में अधिक तेजी से वृद्धि होगी, यद्यपि कृषि क्षेत्र जल का सबसे बड़ा उपभोक्ता बना रहेगा।

- ➲ वर्तमान में लगभग 3.6 बिलियन लोग (वैश्विक जनसंख्या का आधा हिस्सा) जल की कमी की संभाव्यता वाले क्षेत्रों में रहते हैं और वर्ष 2050 तक यह जनसंख्या बढ़कर 4.8-5.7 बिलियन हो सकती है।
- ➲ बाढ़ के संकट का सामना करने वाले लोगों की जनसंख्या मौजूदा लगभग 1.2 बिलियन से बढ़कर वर्ष 2050 तक लगभग 1.6 बिलियन होने का अनुमान है।
- ➲ वर्तमान में भूमिक्षरण/मरुस्थलीकरण और सूखा प्रभावित लोगों की जनसंख्या 1.8 बिलियन अनुमानित है।

➡ हालांकि वैश्विक भूमि का 30 प्रतिशत वन हैं, किंतु इसमें से कम-से-कम दो-तिहाई अवक्रमित (Degraded) स्थिति में हैं।

- ➲ वर्ष 1900 के पश्चात मानवीय गतिविधियों के कारण विश्वभर

में लगभग 64-71 प्रतिशत आर्द्रभूमि क्षेत्र समाप्त हो गए।

- रिपोर्ट के अनुसार, प्रकृति आधारित समाधान वर्षा, नमी, जल के भंडारण आदि के माध्यम से जल की आपूर्ति को प्रबंधित करते हैं।
- प्रकृति आधारित समाधान जल उपलब्धता एवं जल गुणवत्ता में सुधार के द्वारा संपूर्ण जल सुरक्षा बढ़ाने में सक्षम हैं।

➡ प्रकृति आधारित समाधान का उपयोग जल की उपलब्धता तथा जल की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु एवं जलवायु परिवर्तन के खतरों को कम करने हेतु आवश्यक है।

❑ निष्कर्ष

➡ जनसंख्या वृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के दृष्टिगत जल संरक्षण के नए उपायों की आवश्यकता है। जल संरक्षण के परंपरागत उपायों के साथ ही प्रकृति आधारित समाधानों को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है।

नौसैन्य अभ्यास वरुण, 2018

❑ पृष्ठभूमि

➡ भारत एवं फ्रांस की नौसेनाओं के मध्य वर्ष 1993 से द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2001 में इस संयुक्त समुद्री अभ्यास का नामकरण 'वरुण' (Varun) किया गया।

❑ उद्देश्य

➡ नौसैन्य अभ्यास 'वरुण' का उद्देश्य भारत एवं फ्रांस की नौसेनाओं के मध्य अनुभव एवं रणनीति को साझा करके अंतरसंक्रियता को बढ़ावा देना है।

❑ वरुण, 2018

➡ वरुण, 2018 नौसैन्य अभ्यास का आयोजन तीन समुद्री क्षेत्रों-अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर में किया गया।

➡ अभ्यास के पहले चरण का आयोजन 15-24 मार्च, 2018 के मध्य किया गया।

- पहले चरण के अंतर्गत बंदरगाह चरण 15-19 मार्च, 2018 के मध्य आयोजित हुआ।
- 20-24 मार्च, 2018 के मध्य गोवा तट, अरब सागर में इस अभ्यास के समुद्री चरण का आयोजन किया गया।
- अभ्यास के पहले चरण में फ्रांस का युद्धपोत जीन डी विएन (Jean De Vienne) शामिल हुआ।
- भारतीय नौसेना की ओर से विध्वंसक पोत आईएनएस मुंबई, युद्धपोत आईएनएस त्रिखंड, पनडुब्बी आईएनएस कलवरी, पी 8-I एवं डॉर्नियर विमान और मिग-29के लड़ाकू विमान शामिल हुए।

➡ इस अभ्यास का दूसरा चरण अप्रैल, 2018 में चेन्नई तट, बंगाल की खाड़ी में और तीसरा चरण मई, 2018 में ला रीयूनियन द्वीप, दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर में संपन्न हुआ।

➡ ज्ञातव्य है कि 'वरुण, 2018' भारत एवं फ्रांस की नौसेनाओं के मध्य आयोजित किए जाने वाले वार्षिक द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास 'वरुण' की श्रृंखला का 16वां संस्करण है।

- नौसैन्य अभ्यास वरुण का विगत संस्करण अप्रैल, 2017 में फ्रांस में आयोजित हुआ था।

❑ भारत-फ्रांस : अन्य सैन्य अभ्यास

➡ भारत एवं फ्रांस की थल सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति, 2018' 20 जनवरी - 4 फरवरी, 2018 के मध्य 'मेली-ले-कैंप, औबे (Mailly-Le-Camp, Aube), पूर्वी फ्रांस में आयोजित हुआ।

➡ इस अभ्यास में भारतीय थल सेना के 8वीं गोरखा राइफल के 45 सैनिक शामिल हुए थे।

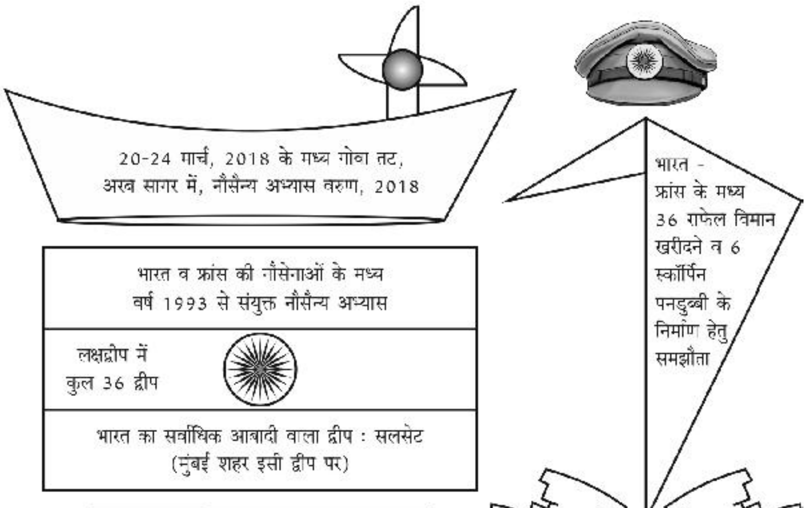

आरेखीय चित्र : नौसैन्य अभ्यास वरुण, 2018

➡ भारत एवं फ्रांस की वायु सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'गरुड़' नाम से आयोजित किया जाता है।

❑ भारत-फ्रांस : रक्षा सौदे

➡ सितंबर, 2016 में भारत ने फ्रांस से 36 राफेल विमान खरीदने के लिए एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

➡ अक्टूबर, 2006 में भारत ने फ्रांस के साथ 6 स्कॉर्पीन पनडुब्बी के निर्माण हेतु समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

❑ निष्कर्ष

➡ भारत एवं फ्रांस के मध्य घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। वर्ष 1998 में सामरिक साझेदारी स्थापित होने के बाद से सभी क्षेत्रों-रक्षा, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष आदि में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिला है। दोनों देशों की सेनाओं के मध्य आयोजित होने वाले संयुक्त अभ्यास से उन्हें एक-दूसरे की रणनीति एवं संचालन प्रक्रियाओं को समझने में मदद मिलेगी।

सं. नीरज ओझा

नासा के गोल्ड और आइकॉन मिशन

❑ पृष्ठभूमि

➡ 4 जनवरी, 2018 को संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतरिक्ष संस्था 'नासा' (NASA) ने 'गोल्ड' (GOLD : Global-Scale Observations of The Limb and Disk) और 'आइकॉन' (ICON : Ionospheric Connection Explorer) मिशन की प्रक्षेपण करने की घोषणा की थी। उक्त मिशनों का उद्देश्य आयनमंडल का व्यापक पर्यवेक्षण करना है। उल्लेखनीय है कि पृथ्वी से प्रेषित रेडियो तरंगें आयनमंडल से परावर्तित होकर पृथ्वी पर लौटती हैं जिससे विमानों, समुद्री जहाजों एवं ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS) में रेडियो तरंगों का उपयोग संभव हो पाता है। नासा के उपर्युक्त दोनों मिशन एक-दूसरे के पूरक हैं।

❑ गोल्ड मिशन

➡ 25 जनवरी, 2018 को नासा ने कौरू, फ्रेंच गुयाना से एरियन-5 प्रक्षेपण यान द्वारा 'गोल्ड' (GOLD) मिशन का प्रक्षेपण किया।

- ➲ लगभग एक मिनी फ्रिज के आकार का एवं 80 पौंड वजनी 'गोल्ड' उपकरण एक इमेजिंग स्पेक्ट्रोग्राफ है।
- ➲ 'गोल्ड' सेंट्रल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के नेतृत्व में नासा का मिशन है।
- ➲ 'गोल्ड' अंतरिक्षयान का निर्माण कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय की 'वायुमंडलीय और अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला' (Laboratory for Atmospheric and Space Physics) द्वारा किया गया है।

➡ नासा का गोल्ड मिशन अंतरिक्ष के गतिशील अंतर्मिश्रण (Inter-mingling) और पृथ्वी के सबसे ऊपर के वातावरण की जांच करेगा।

- ➲ गोल्ड मिशन पश्चिमी गोलार्द्ध के 22000 मील ऊपर भू-स्थिर कक्षा में परिक्रमा करेगा।
- ➲ यह उपग्रह प्रत्येक आधे घंटे में आयनमंडल और ऊपरी वायुमंडल का पूर्ण दृश्य तैयार करेगा।
- ➲ 'गोल्ड' ऊपरी वायुमंडल के यथार्थ मौसम की निगरानी करने में सक्षम पहला मिशन है।
- ➲ 'गोल्ड' मिशन पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल पर सूर्य, पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और निम्न वायुमंडल के प्रभाव का पता लगाने पर केंद्रित होगा।

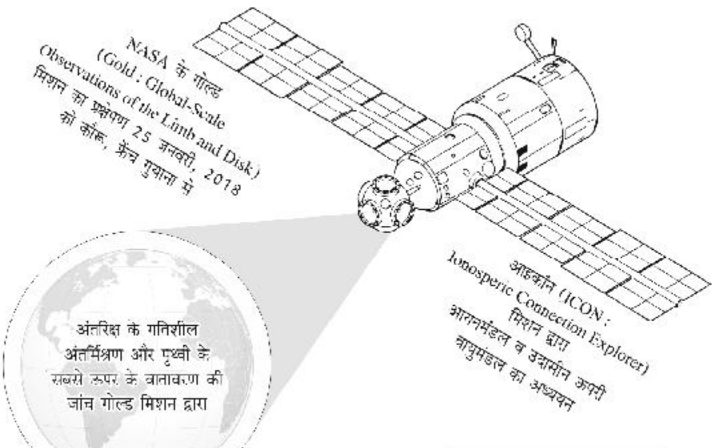

आरेखीय चित्र : नासा का गोल्ड एवं आइकॉन मिशन

- ➲ गोल्ड मिशन से आयनमंडल एवं ऊपरी वायुमंडल में परिवर्तन के कारकों को समझने में मदद मिलेगी।

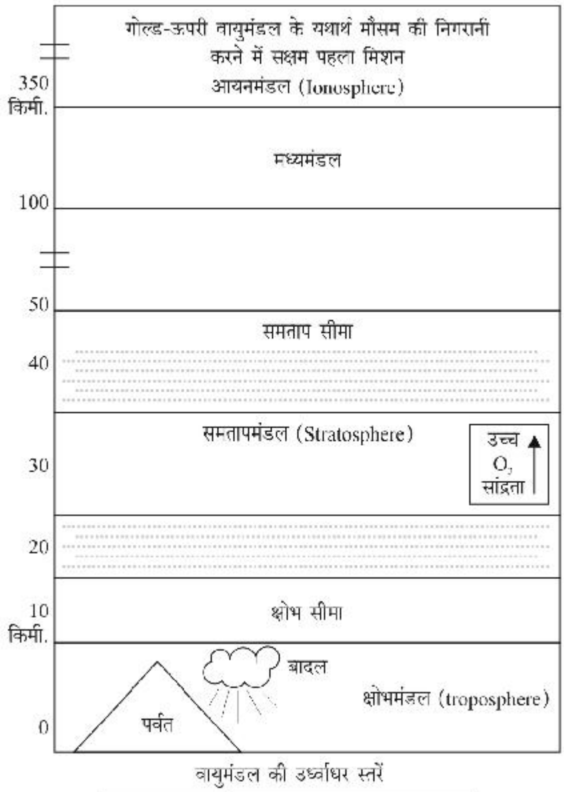

आरेखीय चित्र : नासा का गोल्ड एवं आइकॉन मिशन

❑ आइकॉन मिशन

➡ नासा द्वारा वर्ष 2018 में ही आइकॉन (ICON) मिशन का भी प्रक्षेपण किया जाएगा।

➡ यह आयनमंडल और उदासीन (Neutral) ऊपरी वायुमंडल का अध्ययन करेगा।

- ➲ 'आइकॉन' अंतरिक्षयान पृथ्वी के 350 मील ऊपर कक्षा में परिक्रमा करेगा।
- ➲ आइकॉन की कक्षा भूमध्य रेखा के समीप निम्न-पृथ्वी कक्षा होगी।
- ➲ आइकॉन मिशन स्थलीय मौसम और अंतरिक्षीय मौसम के मध्य अन्योन्य क्रिया के अध्ययन पर केंद्रित होगा।

❑ निष्कर्ष

➡ पृथ्वी के समान अंतरिक्ष में भी मौसम है। अंतरिक्ष के मौसम को विद्युत एवं चुंबकीय क्षेत्रों के स्थानांतरण और आवेशित कणों की बारिश से परिभाषित किया जाता है। ओजोन परत के ऊपर आयनमंडल पृथ्वी के वायुमंडल का एक भाग है। नासा द्वारा आयनमंडल के अध्ययन हेतु प्रस्तावित दो मिशनों में से एक मिशन 'गोल्ड' का प्रक्षेपण किया गया है, जबकि दूसरे मिशन 'आइकॉन' का प्रक्षेपण किया जाना है।

दिसंबर-अंत, 2017 में भारत का विदेशी ऋण

आरेखीय चित्र : दिसंबर-अंत, 2017 में भारत का विदेशी ऋण

❑ पृष्ठभूमि

➡ भारत में विदेशी ऋण के आंकड़े त्रैमासिक आधार पर प्रकाशित किए जाते हैं। मानक प्रथा के अनुसार, कैलेंडर वर्ष की प्रथम दो तिमाहियों (जनवरी-मार्च और अप्रैल-जून) के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा जबकि अंतिम दो तिमाहियों (जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर) के आंकड़े वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं। इसी क्रम में वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा दिसंबर-अंत, 2017 के विदेशी ऋण संबंधी आंकड़े 28 मार्च, 2018 को जारी किए गए।

❑ विदेशी ऋण स्टॉक

➡ भारत का विदेशी ऋण स्टॉक मार्चांत, 2017 के स्तर की तुलना में दिसंबर-अंत, 2017 में लगभग 41.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर (8.8%) की वृद्धि के साथ 513.44 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

➡ इस अवधि के दौरान विदेशी ऋण में वृद्धि मुख्य रूप से वाणिज्यिक उधारी; एन.आर.आई. जमा तथा अल्पावधिक ऋण में वृद्धि के कारण हुई।

- ➲ अनुक्रमिक आधार पर कुल विदेशी ऋण में सितंबर-अंत, 2017 के स्तर की तुलना में दिसंबर-अंत, 2017 में 17.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर (3.6%) की वृद्धि हुई है।
- ➲ दिसंबर-अंत, 2017 में दीर्घावधिक विदेशी ऋण भारत के कुल विदेशी ऋण 81.0 प्रतिशत था, जबकि शेष 19.0 प्रतिशत अल्पावधिक विदेशी ऋण था।
- ➲ दिसंबर-अंत, 2017 में दीर्घावधिक ऋण 415.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो मार्चांत, 2017 के स्तर की तुलना में 32.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर (8.4%) की वृद्धि प्रदर्शित करता है।
- ➲ अल्पावधिक विदेशी ऋण में दिसंबर-अंत, 2017 में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 97.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर पर रहा।

❑ मूल्यन प्रभाव

➡ मूल्यन हानि (एसडीआर, यूरो तथा पाउंड, स्टर्लिंग के मुकाबले अमेरिकी डॉलर का अवमूल्यन) मार्च, 2017 की तुलना में दिसंबर, 2017 में 5.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी।

- ➲ इससे यह पता चलता है कि यदि मूल्यन प्रभाव को छोड़ दिया जाए, तो मार्चांत, 2017 के स्तर की तुलना में दिसंबर-अंत, 2017 में ऋण में वृद्धि की राशि 41.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर न होकर 36.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर पर होती।
- ➲ दिसंबर-अंत, 2017 में कुल विदेशी ऋण में सरकारी (सॉवरेन) और गैर-सरकारी ऋण की हिस्सेदारी क्रमशः 21.2 प्रतिशत और 78.8 प्रतिशत थी।
- ➲ दिसंबर-अंत, 2017 में भारत के कुल विदेशी ऋण स्टॉक में अमेरिकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण का हिस्सा 48.2 प्रतिशत पर बना हुआ है, जिसके बाद भारतीय रुपया (37.3%), एस.डी.आर. (5.7%), जापानी येन (4.6%), यूरो (3.2%) तथा अन्य (1%) का स्थान आता है।

भारत के वाह्य ऋण की मुद्रा संरचना
दिसंबर-अंत, 2017 (प्रतिशत में)

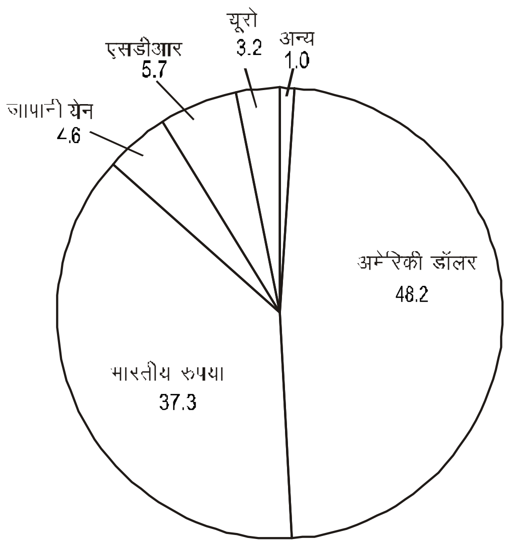

- ➲ कुल विदेशी ऋण में विदेशी मुद्रा का कवर मार्चांत, 2017 के 78.4 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर-अंत, 2017 में 79.7 प्रतिशत हो गया।

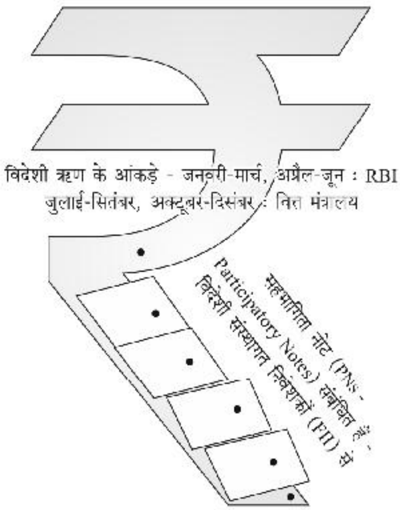

आरेखीय चित्र : दिसंबर-अंत, 2017 में भारत का विदेशी ऋण

- दिसंबर-अंत, 2017 में मूल परिपक्वता के अनुसार, अल्पावधिक विदेशी ऋण और विदेशी मुद्रा भंडार का अनुपात 23.8 प्रतिशत के स्तर पर था, जबकि सितंबर-अंत, 2017 में यह 23.2 प्रतिशत तथा मार्चांत, 2017 में 23.8 प्रतिशत के स्तर पर था।
- अवशिष्ट परिपक्वता के आधार पर दिसंबर-अंत, 2017 में अल्पावधिक ऋण, कुल विदेशी ऋण का 42.4 प्रतिशत था (सितंबर-अंत, 2017 में 41.7% तथा मार्चांत, 2017 में 41.5%) तथा इसका कुल विदेशी मुद्रा भंडार से अनुपात 53.2 प्रतिशत (सितंबर-अंत, 2017 में 51.7% और मार्चांत, 2017 में 52.9%) था।
- रियायती ऋण और कुल विदेशी ऋण का अनुपात दिसंबर-अंत, 2017 में 8.6 प्रतिशत था, जबकि मार्चांत, 2017 में यह 9.3 प्रतिशत था।

भारत के विदेशी ऋण की संरचना

बिलियन अमेरिकी डॉलर में

	घटक	मार्चांत, 2017 (अं.सं.)	दिसंबर-अंत, 2017 (त्व.अ.)	प्रतिशत परिवर्तन मार्चांत, 2017 की तुलना में दिसंबर-अंत, 2017
1.	बहुपक्षीय	54.50	56.02	2.8
2.	द्विपक्षीय	23.23	23.37	0.6
3.	अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष	5.41	5.67	4.7
4.	निर्यात ऋण	9.61	9.39	–2.3
5.	वाणिज्यिक उधार	172.85	196.86	13.9
6.	एनआरआई जमा राशियां	116.87	123.32	5.5
7.	रुपया ऋण	1.23	1.21	-1.9
8.	दीर्घावधिक ऋण (1+7)	383.69	415.83	8.4
9.	अल्पावधिक ऋण	88.12	97.61	10.8
10.	कुल विदेशी ऋण (8+9)	471.81	513.44	8.8

नोट-त्व.अ.= त्वरित अनुमान, अं.सं.=अंशतः संशोधित

शीर्ष दस विकासशील ऋणदाता देशों की अंतरराष्ट्रीय तुलना, 2016

क्रम	देश	बाह्य ऋण स्टॉक का सकल राष्ट्रीय आय से अनुपात (प्रतिशत में)	कुल बाह्य ऋण स्टॉक (मिलियन अमेरिकी डॉलर)
1.	चीन	12.8	14,29,468
2.	भारत	20.4	4,56,140
3.	फिलीपींस	21.1	77,319
4.	ब्राजील	30.9	5,43,257
5.	थाईलैंड	31.4	1,21,497
6.	इंडोनेशिया	35.1	3,16,431
7.	अर्जेंटीना	40.7	1,90,490
8.	पेरू	37.7	69,503
9.	मेक्सिको	42.7	4,22,657
10.	रूसी संघ	42.0	5,24,686

भारत के बाह्य ऋण का घटकवार हिस्सा
दिसंबर-अंत, 2017 (प्रतिशत में)

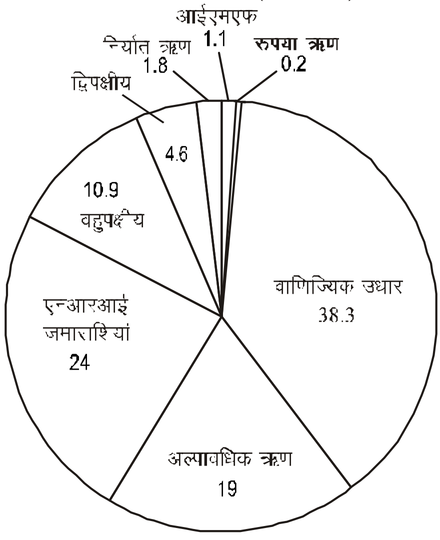

सरकारी बाह्य ऋण की मुद्रा संरचना
दिसंबर-अंत, 2017 (प्रतिशत में)

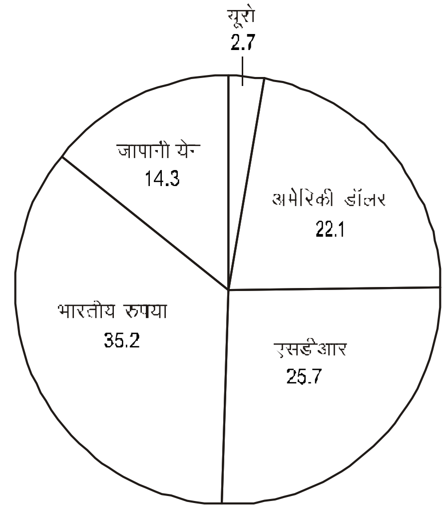

सं. शिवशंकर कुमार तिवारी

मध्यकालिक राजकोषीय पुनःसंरचना नीति, 2018

❑ पृष्ठभूमि

➡ उत्तर प्रदेश 'राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध अधिनियम (FRBM), 2004' (यथा संशोधित) के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष एक 'मध्यकालिक राजकोषीय पुनःसंरचना नीति' राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक बजट के साथ प्रस्तुत की जाएगी। इसी के परिपालन में उत्तर प्रदेश मध्यकालिक राजकोषीय पुनःसंरचना नीति, 2018 प्रस्तुत की गई है, जिसमें वर्ष 2017-18 के बजट अनुमान एवं संशोधित अनुमान, वर्ष 2018-19 के बजट अनुमान तथा अगले तीन वर्षों अर्थात वर्ष 2019-20, 2020-21 तथा 2021-22 के पूर्वानुमान प्रदर्शित किए गए हैं।

❑ राजकोषीय स्थिति

➡ राजस्व व्यय वर्ष 2017-18 के संशोधित अनुमान में 2.86 लाख करोड़ रुपये है, जिसके वर्ष 2018-19 के बजट में बढ़कर 3.21 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

➡ राजस्व घाटा समाप्त किए जाने का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2006-07 में ही प्राप्त हो चुका है। अतः तब से लगातार राजस्व अधिशेष (Surplus) की स्थिति में है।

➡ सकल राज्य घरेलू उत्पाद (स.रा.घ.उ.) के प्रतिशत के रूप में स्वयं का कर राजस्व वर्ष 2017-18 के बजट में 7.7 प्रतिशत अनुमानित था, जो संशोधित अनुमानों में घटकर 6.9 प्रतिशत रहा। वर्ष 2018-19 में यह 8.2 प्रतिशत अनुमानित है।

राज्य वित्त (राजकोषीय स्थिति)

(धनराशि करोड़ रुपयों में)

क्र.	मद	2017-18 बजट अनुमान	2017-18 पुनरीक्षित अनुमान	2018-19 बजट अनुमान	अगले तीन वर्षों के लिए अनुमान 2019-20	2020-21	2021-22
1.	राजस्व प्राप्तियां	319397.43	305028.87	348619.37	387453.41	432862.63	483704.46
2.	पूंजीगत प्राप्तियां	57793.45	55136.91	72280.09	78007.99	79427.90	86370.69
3.	कुल प्राप्तियां	377190.88	360165.78	420899.46	465461.40	512290.53	570075.15
4.	राजस्व व्यय	307118.63	286513.57	321520.27	351909.41	385189.64	427560.50
5.	पूंजी व्यय जिसमें	77541.08	81887.47	106864.25	121668.29	136344.31	153092.72
6.	कुल व्यय	384659.71	368401.04	428384.52	473577.70	521533.95	580653.22
7.	राजस्व बचत	12278.80	18515.30	27099.10	35544.00	47672.99	56143.96
8.	राजकोषीय घाटा	42967.86	41073.66	44053.32	49163.26	55266.26	62126.65
9.	प्राथमिक घाटा	9755.69	10795.92	11619.57	13810.47	16731.72	20124.00
10.	ऋणग्रस्तता	414094.02	406474.31	443362.52	492525.78	547792.04	609918.69
11.	सकल राज्य घरेलू उत्पाद	1445770.00	1378643.00	1488934.00	1695261.00	1881740.00	2088731.00

सकल राज्य घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में संकेतक							
क्र.	मद	2017-18 बजट अनुमान	2017-18 पुनरीक्षित अनुमान	2018-19 बजट अनुमान	अगले तीन वर्षों के लिए अनुमान 2019-20	2020-21	2021-22
1.	राज्य का स्वयं का कर राजस्व	7.7%	6.9%	8.2%	8.1%	8.2%	8.3%
2.	राज्य का स्वयं का करेत्तर राजस्व	1.3%	1.3%	1.9%	1.8%	1.7%	1.6%
3.	राजस्व बचत	0.8%	1.3%	1.8%	2.1%	2.5%	2.7%
4.	राजकोषीय घाटा	2.97%	2.98%	2.96%	2.90%	2.94%	2.97%
5.	कुल उधार एवं अन्य दायित्व	28.6%	29.5%	29.8%	29.1%	29.1%	29.2%

➲ वर्ष 2018-19 से वर्ष 2021-22 तक राज्य के लगातार राजस्व बचत की स्थिति में बने रहने का अनुमान है।

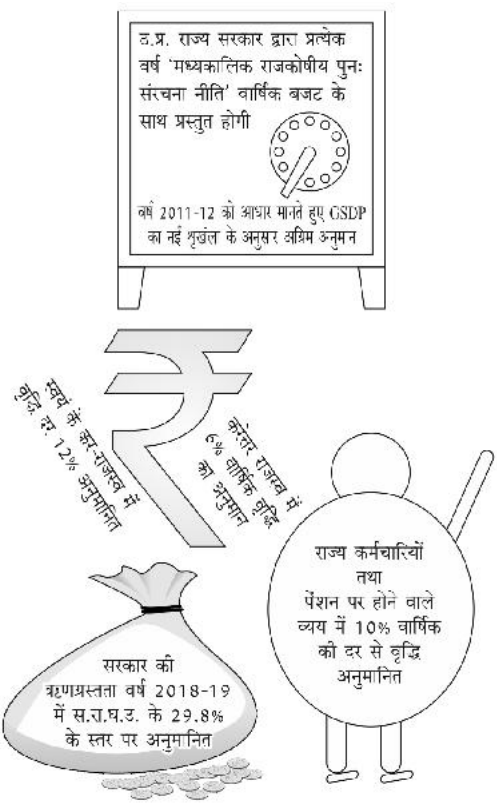

आरेखीय चित्र : मध्यकालिक राजकोषीय पुनः संरचना नीति, 2018

➡ राज्य का करेत्तर राजस्व वर्ष 2017-18 के संशोधित अनुमानों में स.रा.घ.उ. का 1.3 प्रतिशत है, जिसके वर्ष 2018-19 में बढ़कर 1.9 प्रतिशत होने का अनुमान है।

➡ वर्ष 2017-18 के बजट अनुमानों में राजकोषीय घाटा का स.रा.घ.उ. का 2.97 प्रतिशत था, जो संशोधित अनुमानों में भी लगभग इसी स्तर (2.98 प्रतिशत) पर है। यह लक्षित 3 प्रतिशत की सीमा के अंदर है।

➲ वर्ष 2018-19 के बजट अनुमान में राजकोषीय घाटा स.रा.घ.उ. का 2.96 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2021-22 में इसके 2.97 प्रतिशत के स्तर पर रहने का अनुमान है।

➡ वेतन, पेंशन एवं ब्याज पर होने वाला सम्मिलित व्यय वर्ष 2018-19 में राजस्व प्राप्तियों का 52 प्रतिशत तथा राजस्व व्यय का 56.4 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2021-22 तक घटकर इस अनुपात के क्रमशः 48.2 प्रतिशत तथा 54.5 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है।

➡ ऋण सेवा पर होने वाला व्यय वर्ष 2018-19 में राजस्व प्राप्तियों के 15.2 प्रतिशत के स्तर पर रहने का अनुमान है, जिसके वर्ष 2021-22 तक घटकर 13.7 प्रतिशत के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है।

➡ सरकार की ऋणग्रस्तता वर्ष 2018-19 में स.रा.घ.उ. के 29.8 प्रतिशत के स्तर पर अनुमानित है। अगले तीन वर्षों में स.रा.घ.उ. के प्रतिशत के रूप में ऋणग्रस्तता के लगभग 29 प्रतिशत के स्तर पर ही बने रहने का अनुमान है।

सं. शिवशंकर कुमार तिवारी

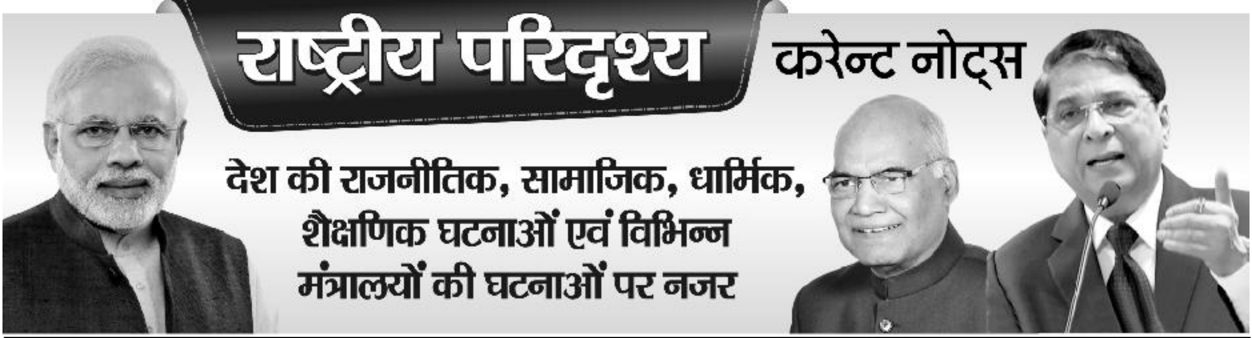

प्रोजेक्ट धूप

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 9 अप्रैल, 2018 को 'भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण' (FSSAI : Food Safety & Standards Authority of India) द्वारा 'प्रोजेक्ट धूप' (Project Dhoop) नामक एक अद्वितीय पहल का शुभारंभ किया गया।

उद्देश्य

➡ इस परियोजना का उद्देश्य देश में विशेषकर युवा लोगों को विटामिन D की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कराना है।

➡ इस परियोजना के तहत स्कूलों से उनकी असेंबली/प्रार्थना (Assembly) के समय को परिवर्तित कर उसे सुबह के स्थान पर दोपहर (मुख्यतः मध्याह्न 11 बजे से 1 बजे के मध्य) में आयोजित करने का आग्रह किया जाएगा।

भागीदार

➡ FSSAI ने यह परियोजना NCERT, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) तथा उत्तरी दिल्ली नगर निगम के स्कूलों के सहयोग से प्रारंभ की है।

➡ यह परियोजना मक्केन हेल्थ (McCann Health) द्वारा परिकल्पित तथा डेयरी फर्म 'क्वालिटी' (Kwality) द्वारा समर्थित है।

विटामिन D एवं उसकी उपयोगिता

➡ मानव शरीर की हड्डियों को मजबूत बनाने एवं अन्य शारीरिक कार्यों के लिए पर्याप्त मात्रा में विटामिन D की आवश्यकता होती है।

➡ शरीर की विटामिन D की लगभग 90 प्रतिशत आवश्यकता धूप में पर्याप्त समय तक रहने से तथा मात्र 10 प्रतिशत आवश्यकता आहार से पूरी होती है।

➡ त्वचा में उपस्थित कोलेस्ट्रोल (Cholesterol) पर सूर्य के प्रकाश की क्रिया से कोलेस्ट्रोल विटामिन D में परिवर्तित हो जाता है।

➡ उल्लेखनीय है कि विटामिन D का रासायनिक नाम केल्सिफेरॉल (Calciferol) होता है।

➡ विटामिन D की कमी से बच्चों में रिकेट्स (Rickets) तथा वयस्कों में ऑस्टियोमैलेसिया (Osteomalacia) नामक बीमारी हो जाती है।

निष्कर्ष

➡ भारत के अधिकांश भागों में वर्ष पर्यंत पर्याप्त मात्रा में धूप होती है, इसके बावजूद देश के विभिन्न शहरों में 90 प्रतिशत से अधिक युवाओं में विटामिन D की कमी है।

➡ विटामिन D की कमी के बहुत से कारण हो सकते हैं, जैसे सन-स्क्रीन का अधिक प्रयोग, शरीर के अधिकतर हिस्से पूरे दिन वातानुकूलित वातावरण में रहना इत्यादि।

➡ वास्तव में, मध्याह्न 11 बजे से 1 बजे तक की धूप मानव शरीर में विटामिन D का स्तर बढ़ाने में सबसे अधिक लाभदायक होती है, क्योंकि इस दौरान UVB विकिरण सर्वोत्तम होता है।

➡ अतः प्रोजेक्ट धूप के अंतर्गत मध्याह्न कालीन प्रार्थना एक नवीन एवं प्रभावी अवधारणा है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि स्कूली बच्चों को धूप के माध्यम से विटामिन D पर्याप्त मात्रा में प्राप्त हो।

गंगा हरीतिमा अभियान, 2018

वर्तमान परिदृश्य

➡ 7 अप्रैल, 2018 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इलाहाबाद में 'गंगा हरीतिमा अभियान' का शुभारंभ किया।

उद्देश्य

➡ गंगा हरीतिमा अभियान, 2018 का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हरियाली को बढ़ाना और भूमि के क्षरण को नियंत्रित करना है, ताकि गंगा के प्रवाह को अविरल बनाए रखने तथा इसको प्रदूषण मुक्त बनाने में मदद मिल सके।

क्रियान्वयन

➡ गंगा हरीतिमा अभियान, 2018 गंगा नदी के किनारे स्थित प्रदेश के 27 जिलों में प्रारंभ किया गया है।

- इस अभियान के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा गंगा नदी के दोनों किनारे से एक किमी. दूर तक के क्षेत्रों में वृक्षारोपण कराया जाएगा।
- राज्य सरकार द्वारा 'एक व्यक्ति, एक वृक्ष' के नारे के अंतर्गत आम लोगों को अपनी निजी भूमि पर वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

➡ इस अभियान के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक समिति की स्थापना की गई है।

➡ इस अभियान के अंतर्गत 'बिजनौर से लेकर बलिया तक' वन क्षेत्र तैयार किया जाएगा।

➡ उत्तर प्रदेश वन विभाग को इस अभियान का नोडल विभाग नामित किया गया है।

➡ इस अभियान के सफल कार्यान्वयन के लिए वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त राज्य के 12 अन्य विभागों नामतः पंचायती राज विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, कृषि विभाग, सिंचाई विभाग, उद्यान विभाग आदि के दायित्व निर्धारित किए गए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ ISFR, 2017 के अनुसार, उत्तर प्रदेश का कुल वनावरण क्षेत्र 14679 वर्ग किमी. है, जो कि इसके कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 6.09 प्रतिशत है।

➡ उत्तर प्रदेश में कुल वृक्षावरण 7442 वर्ग किमी. है, जो कि राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 3.09 प्रतिशत है।

➡ उत्तर प्रदेश में कुल वृक्षावरण एवं वनावरण 22121 वर्ग किमी. है, जो कि राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.18 प्रतिशत है।

➡ उत्तर प्रदेश में अभिलिखित वन क्षेत्र 16582 वर्ग किमी. है, जो कि राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 6.88 प्रतिशत है और भारत के कुल वन क्षेत्र का 2.17 प्रतिशत है।

➡ ISFR, 2015 के संशोधित आंकड़ों की तुलना में ISFR, 2017 में राज्य में वनावरण में 278 वर्ग किमी. की वृद्धि हुई है।

मॉ कार्यक्रम

वर्तमान परिदृश्य

➡ 3 अप्रैल, 2018 को स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित समारोह में हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री विपिन परमार ने 'मॉ' (MAA : Mother's Absolute Affection) कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उद्देश्य

➡ 'मॉ कार्यक्रम' का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना, माता, पति एवं परिवार के सदस्यों को स्तनपान के लाभ के विषय में जानकारी प्रदान करना और माता एवं नवजात शिशु को बेहतर वातावरण प्रदान करना है।

कार्यक्रम संबंधी तथ्य

➡ मॉ कार्यक्रम के मुख्य घटकों में सामुदायिक जागरूकता उत्पन्न करना, आशा कार्यकर्त्रियों के माध्यम से अंतर-वैयक्तिक संपर्क को सुदृढ़ करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं कार्यस्थलों पर स्तनपान के लिए सुविधा तथा उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करवाना शामिल है।

➡ इस कार्यक्रम के माध्यम से शिशु के जन्म के पहले दो वर्ष तक आवश्यक पोषण उपलब्ध कराया जाएगा।

➡ राज्य सरकार इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक सुविधा स्वास्थ्य केंद्र, प्रत्येक नवजात एवं प्रत्येक माता तक पहुंच सुनिश्चित करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

➡ कार्यक्रम के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शत-प्रतिशत लक्षित लाभार्थी, समर्पित एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से लाभान्वित हों।

➡ इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिशुओं एवं छोटे बच्चों के पोषण पर प्रत्येक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

➡ उल्लेखनीय है कि अगस्त, 2016 में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्तर पर मॉ कार्यक्रम को लांच किया था।

हिमाचल प्रदेश : बाल स्वास्थ्य संबंधी तथ्य

➡ हिमाचल प्रदेश में नवजात मृत्यु दर (IMR) राष्ट्रीय औसत 34 की तुलना में 25 है।

➡ राज्य में केवल 50 प्रतिशत बच्चों को संस्थागत प्रसव के एक घंटे के भीतर स्तनपान का लाभ मिलता है।

➡ केवल 60 प्रतिशत शिशुओं को छः माह तक स्तनपान करवाया जाता है।

➡ केवल 40 प्रतिशत शिशुओं को ही छः माह के उपरांत पूरक आहार प्रदान किया जाता है।

किशनगंगा जलविद्युत परियोजना

वर्तमान परिदृश्य

➡ 30 मार्च, 2018 को किशनगंगा जलविद्युत परियोजना की तीसरी इकाई (110 मेगावॉट) से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हुआ।

- इस प्रकार अब किशनगंगा परियोजना की सभी तीनों इकाइयां परिचालित हो गई हैं।
- उल्लेखनीय है कि किशनगंगा जलविद्युत परियोजना की पहली एवं दूसरी इकाइयों से क्रमशः 13 मार्च, 2018 एवं 21 मार्च, 2018 से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो चुका है।

परियोजना का विवरण

➡ किशनगंगा परियोजना की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 330 मेगावॉट ($110 \times 3MW$) है।

➡ यह परियोजना जम्मू एवं कश्मीर राज्य के बांदीपोरा जिले में किशनगंगा नदी (झेलम नदी की सहायक नदी) पर स्थित है।

➡ इस परियोजना के तहत 37 मीटर ऊंचे कंक्रीट मुख वाले एक रॉकफिल बांध (Concrete Faced Rockfill Dam) और एक भूमिगत विद्युतगृह का निर्माण किया गया है।

➡ परियोजना के अंतर्गत किशनगंगा नदी के जल को 23.25 किमी. लंबी हेड रेस टनल (Head Race Tunnel) के माध्यम से भूमिगत विद्युतगृह तक पहुंचाया गया है।

➡ परियोजना से प्रतिवर्ष 1713 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा।

➡ परियोजना से लाभांवित होने वाले प्रमुख राज्य जम्मू एवं कश्मीर, छत्तीसगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा तथा संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली हैं।

➡ परियोजना से उत्पादित 12 प्रतिशत बिजली जम्मू एवं कश्मीर राज्य को निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

➡ परियोजना का निर्माण भारत एवं पाकिस्तान के मध्य वर्ष 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल समझौते के तहत किया गया है।

उपदान संदाय (संशोधन) अधिनियम, 2018

वर्तमान परिदृश्य

➡ 29 मार्च, 2018 को 'उपदान संदाय (संशोधन) अधिनियम, 2018' [Payment of Gratuity (Amendment) Act, 2018] प्रभावी हुआ।

➡ ज्ञातव्य है कि उपदान संदाय (संशोधन) विधेयक, 2018 को लोक सभा द्वारा 15 मार्च, 2018 को और राज्य सभा द्वारा 22 मार्च, 2018 को पारित किया गया था।

- यह विधेयक 28 मार्च, 2018 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की स्वीकृति पाकर 'उपदान संदाय (संशोधन) अधिनियम, 2018' बना।

प्रमुख प्रावधान

➡ इस अधिनियम के द्वारा उपदान संदाय अधिनियम, 1972 में संशोधन किया गया है।

➡ इस अधिनियम का उद्देश्य कामगारों को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

➡ संशोधित अधिनियम केंद्र सरकार को महिला कामगारों को उपलब्ध मातृत्व अवकाश की अधिकतम अवधि (26 सप्ताह) को अधिसूचित करने का अधिकार प्रदान करता है।

➡ साथ ही किसी कामगार को देय उपदान (Gratuity) की सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ धातव्य है कि उपदान संदाय अधिनियम, 1972 के तहत महिला कामगारों को उपलब्ध मातृत्व अवकाश की अधिकतम अवधि 12 सप्ताह थी।

➡ साथ ही किसी कामगार को उपदान भुगतान की अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये थी।

➡ उपदान संदाय (संशोधन) अधिनियम, 2018, निजी क्षेत्र और सरकारी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उन कामगारों के मध्य समानता स्थापित करेगा, जो केंद्रीय नागरिक सेवाएं (पेंशन) विनियम, 1972 के दायरे के बाहर थे।

नई एकीकृत विद्यालय शिक्षा योजना

वर्तमान परिदृश्य

➡ 28 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 'विद्यालयी शिक्षा पर एकीकृत योजना' (Integrated Scheme on School Education) तैयार करने के 'विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग' (DSEL) के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।

लक्ष्य

➡ इस योजना का लक्ष्य पूरे देश में प्री-नर्सरी से लेकर बारहवीं तक की विद्यालयी शिक्षा की सार्वभौम पहुंच उपलब्ध कराने में राज्यों की मदद करना है।

दृष्टिकोण

➡ योजना का दृष्टिकोण (Vision) शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य के अनुरूप नर्सरी से लेकर माध्यमिक स्तर तक समावेशी और न्यायसंगत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है।

➡ इस एकीकृत योजना का मुख्य जोर दो 'टी' (T)- Teacher (शिक्षक) और Technology (प्रौद्योगिकी) पर ध्यान केंद्रित कर विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है।

कार्यान्वयन अवधि

➡ इस योजना का कार्यान्वयन 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के दौरान किया जाना है।

प्रावधान

➡ प्रस्तावित योजना में सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और अध्यापक शिक्षण (TE) को समाहित किया जाना है।

➡ योजना के लिए 75000 करोड़ रु. का अनुमानित आवंटन स्वीकृत किया गया है, जो कि वर्तमान आवंटन से 20 प्रतिशत अधिक है।

➡ यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा' के विजन के परिप्रेक्ष्य में लाई गई है।

उद्देश्य

➡ शिक्षा के सभी स्तरों पर इस योजना के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

1. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सीखने के परिणामों में वृद्धि का प्रावधान।
2. विद्यालयी शिक्षा में सामाजिक एवं लैंगिक अंतराल को समाप्त करना।
3. विद्यालयी शिक्षा के सभी स्तरों पर समानता एवं समावेश सुनिश्चित करना।
4. विद्यालयी शिक्षा प्रावधानों में न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना।
5. शिक्षा के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देना।
6. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम, 2009 के कार्यान्वयन में राज्यों की मदद करना और
7. राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT)/राज्य शिक्षा संस्थान और जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) को अध्यापक प्रशिक्षण के लिए नोडल एजेंसी के रूप में सशक्त तथा उन्नत बनाना।

जर्मनी के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

वर्तमान परिदृश्य

➡ 22-25 मार्च, 2018 के मध्य जर्मनी के राष्ट्रपति डॉ. फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमेयर (Dr. Frank-Walter Steinmeier) ने भारत की राजकीय यात्रा संपन्न की।

➡ जर्मनी के राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा थी।

- यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि 14 मार्च, 2018 को नई जर्मन सरकार के शपथ ग्रहण के बाद यह राष्ट्रपति की पहली विदेश यात्रा थी।

यात्रा का विवरण

➡ सद्यः भारत यात्रा के दौरान जर्मन राष्ट्रपति ने दिल्ली के अलावा वाराणसी और चेन्नई की भी यात्रा की।

- वाराणसी में उन्होंने सारनाथ संग्रहालय एवं पुरातात्विक स्थल का भ्रमण किया।
- साथ ही मूलगंध-कुटी मंदिर का भी दौरा किया।

➡ जर्मनी के राष्ट्रपति ने दिल्ली स्थित जामा मस्जिद का दौरा किया और दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के समूह एवं एक व्यापारिक गोलमेज सम्मेलन को संबोधित किया।

➡ अपनी चेन्नई यात्रा के दौरान जर्मनी के राष्ट्रपति ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (IIT Madras) का दौरा किया और व्यापारिक नेताओं के समूह को संबोधित किया।

➡ साथ ही उन्होंने महाबलीपुरम के तट मंदिर (Shore Temple) के दर्शन भी किए।

द्विपक्षीय वार्ता

➡ जर्मनी के राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नई दिल्ली स्थित 90 एकड़ क्षेत्र में विस्तृत विरासत पार्क 'सुंदर नर्सरी' में द्विपक्षीय संबंधों पर वार्ता की।

➡ जर्मनी के राष्ट्रपति ने अपने भारतीय समकक्ष रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज से भी मुलाकात की।

पूर्व यात्राएं

➡ इसके पहले डॉ. फ्रैंक-वाल्टर ने जर्मनी के वाइस चांसलर और विदेश मंत्री के रूप में कई बार भारत की यात्रा की है।

➡ ध्यातव्य है कि फरवरी, 2014 में जर्मनी के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉकिम गॉक (Joachim Gauck) ने भी भारत की यात्रा की थी।

भारत-जर्मनी : व्यापारिक संबंध

➡ जर्मनी, यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार तथा विश्व में भारत का छठां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

➡ जर्मनी के वैश्विक व्यापार में भारत का 24वां स्थान है।

➡ वर्ष 2016-17 में भारत एवं जर्मनी का द्विपक्षीय व्यापार 18.76 बिलियन डॉलर था।

➡ वर्ष 2016-17 में भारत ने जर्मनी को 7.18 बिलियन डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात जबकि 11.58 बिलियन डॉलर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया।

➡ जर्मनी, भारत में 7वां सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेशक है।

➡ अप्रैल, 2000 से दिसंबर, 2017 के मध्य भारत में जर्मनी का सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 10.71 बिलियन डॉलर (कुल FDI का 2.91%) था।

कैप इंडिया, 2018

वर्तमान परिदृश्य

➡ 22 - 24 मार्च, 2018 के मध्य गोरेगांव, मुंबई में रसायन और प्लास्टिक निर्माण, खनन उद्योग और संबद्ध उत्पादों के लिए प्रदर्शनी 'कैप इंडिया, 2018' (CAP India, 2018) का आयोजन किया गया।

- ➲ यह इस प्रदर्शनी का तृतीय संस्करण था।

➡ कैप इंडिया, 2018 के लिए गुजरात 'राज्य भागीदार' (State Partner) था।

आयोजक

➡ इस प्रदर्शनी का आयोजन भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के समर्थन से किया गया।

➡ यह प्रदर्शनी प्लेक्सकॉन्सिल (Plexconcil), केमेक्सिल (Chemexcil), केपेक्सिल (Capexil) और शेफेक्सिल (Shefexil) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई।

विवरण

➡ प्रदर्शनी में विनिर्माताओं/निर्यातकों समेत 700 से अधिक प्रदर्शक (Exhibitors) शामिल हुए और रसायनों, प्लास्टिक एवं प्लास्टिक मशीनरी, उपभोक्ता एवं पैकेजिंग उत्पादों, निर्माण एवं खनन उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

➡ व्यापारिक निर्यातकों समेत लगभग 10,000 आगंतुक प्रदर्शनी में शामिल हुए।

- ➲ साथ ही लगभग 400 विदेशी खरीददार भी प्रदर्शनी भी शामिल हुए।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ भारतीय रसायन उद्योग, विश्व का 12वां और एशिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

➡ भारत में रसायन उद्योग का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान लगभग 7 प्रतिशत है।

➡ वर्ष 2016-17 में भारतीय रसायन उद्योग का निर्यात विगत वर्ष की तुलना में 4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगभग 12.15 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया था।

➡ वर्तमान में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा पॉलीमर उपभोक्ता और कृषि रसायनों का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है।

➡ वर्ष 2016-17 में निर्माण एवं संबद्ध उत्पाद सामग्री का, भारत का निर्यात 6.31 बिलियन डॉलर था।

➡ खनिज उत्पादों का भारतीय निर्यात वर्ष 2016-17 के दौरान 4.34 बिलियन डॉलर था।

राष्ट्रीय खान और खनिज सम्मेलन

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 20 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में केंद्रीय खान मंत्रालय द्वारा तृतीय राष्ट्रीय खान एवं खनिज सम्मेलन, 2018' (3rd National Conclave on Mines and Minerals, 2018) का आयोजन किया गया।

उद्देश्य

➡ भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई नवीनतम नीतिगत पहलों को प्रदर्शित करने के लिए एक कारगर मंच प्रदान करना।

➡ खनन क्षेत्र में मौजूद विभिन्न मुद्दों, चुनौतियों और अवसरों पर गहन परिचर्चा का अवसर उपलब्ध कराना।

सम्मेलन का विवरण

➡ सम्मेलन में राज्य सरकारों, खनन उद्योगों, औद्योगिक संघों, अकादमिक संस्थानों आदि के प्रतिनिधि शामिल हुए।

➡ सम्मेलन के दौरान खान मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 'प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना' (PMKKKY) की निगरानी के लिए पोर्टल लांच किया।

➡ सम्मेलन के दौरान खान मंत्री ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 5 स्टार रेटिंग (5 Star Rating) वाली खानों को पुरस्कृत करने हेतु सहमति व्यक्त की।

➡ सम्मेलन के दौरान तीन तकनीकी सत्रों, नामतः खनिज ब्लॉकों की नीलामी एवं प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना का कार्यान्वयन, अन्वेषण को प्रोत्साहन और सतत विकास फ्रेमवर्क - सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान, का आयोजन किया गया।

➡ खनन मंत्रालय द्वारा प्रथम राष्ट्रीय खान एवं खनिज सम्मेलन का आयोजन 4 - 5 जुलाई, 2016 के मध्य रायपुर, छत्तीसगढ़ में और द्वितीय सम्मेलन का आयोजन 15 फरवरी, 2017 को नई दिल्ली में किया गया था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ जनवरी, 2018 तक मात्रा के संदर्भ में खनिज उत्पादन में विगत वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

➡ खनन मंत्रालय द्वारा नवंबर, 2017 में खनिज नीलामी नियम, 2015 में संशोधन किया गया।

➡ खनिज आवंटन नियम में संशोधन के तीन माह के भीतर ही रिकॉर्ड 41 खनिज ब्लॉक नीलामी हेतु प्रस्तुत किए गए।

कटहल : केरल का आधिकारिक फल

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 21 मार्च, 2018 को केरल सरकार द्वारा कटहल (Jackfruit) को राज्य का आधिकारिक फल (Official Fruit) घोषित किया गया।

उद्देश्य

➡ इस घोषणा का उद्देश्य 'केरल के कटहल' (Kerala Jackfruit) के जैविक (Organic) तथा पोषक गुणों को प्रदर्शित करते हुए इसे देश-विदेश के बाजारों में एक ब्रांड के रूप में प्रचारित करना है।

लाभ

➡ कटहल को एक ब्रांड के रूप में प्रचारित करने का यह लाभ होगा कि इससे फल एवं इससे संबद्ध उत्पादों की बिक्री में वृद्धि होगी, जिससे लगभग 15000 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त होने की संभावना है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ केरल में प्रत्येक वर्ष लगभग 32 करोड़ कटहल का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग 32 प्रतिशत नष्ट हो जाता है।

➡ अम्बलवायिल, वायनाड स्थित कृषीय कार्यालय का उपयोग कटहल के रिसर्च स्टेशन के तौर पर किया जाना है।

➡ उल्लेखनीय है कि कटहल को मलयालम में चक्का (Chakka) कहते हैं और ऐसी मान्यता है कि इसी शब्द से कटहल के अंग्रेजी नाम जैकफ्रूट की उत्पत्ति हुई।

➡ कटहल, विटामिन A, C तथा खनिजों का उत्तम स्रोत है।

➡ केरल सरकार कटहल एवं इससे संबद्ध उत्पादों को जनता के बीच लोकप्रिय बनाने हेतु प्रतिवर्ष 'कटहल महोत्सव' (Jackfruit Festival) का आयोजन करती है।

केरल : अन्य प्रतीक चिह्न

➡ 'द ग्रेट हॉर्नबिल' (The Great Hornbill) केरल का राज्य पक्षी है।

➡ IUCN रेड सूची में यह पक्षी संकटासन्न (Near Threatened) प्रजाति के रूप में चिह्नित है।

➡ गोल्डेन शावर (Golden Shower) केरल का राज्य पुष्प है।

➡ इसका स्थानीय नाम 'कनीकोन्ना' (Kanikkonna) है।

➡ नारियल (Coconut Palm) केरल का राज्य वृक्ष है।

➡ हाथी, केरल का राजकीय पशु है।

➡ हाल ही में 'पर्ल स्पॉट' (Pearl Spot) को केरल की राजकीय मछली घोषित किया गया था।

➡ इसे स्थानीय रूप से करीमीन (Karimeen) के नाम से भी जाना जाता है।

अटल भूजल योजना

वर्तमान परिदृश्य

➡ केंद्र सरकार द्वारा लगातार घटते भूजल के संकट का सामना करने हेतु जल संरक्षण की महत्वाकांक्षी योजना 'अटल भूजल योजना' (Atal Bhujal Yojana) तैयार की गई है।

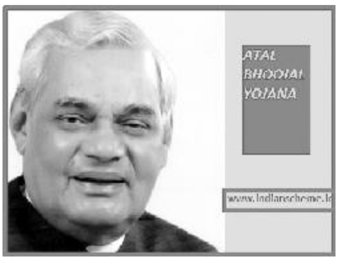

उद्देश्य

➡ योजना का उद्देश्य भूजल का पुनर्भरण करना और कृषि क्षेत्र के लिए पर्याप्त जल भंडारण करना है।

➡ साथ ही सतह जल निकायों का पुनरूद्धार करना ताकि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर बढ़ाया जा सके।

कार्यान्वयन

➡ अटल भूजल योजना का कार्यान्वयन केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय द्वारा विश्व बैंक के सहयोग से किया जाएगा।

➡ योजना का कार्यान्वयन सात राज्यों यथा-गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में किया जाएगा।

- ➲ योजना के तहत उपर्युक्त राज्यों के 78 जिलों को आच्छादित किया जाएगा।

➡ केंद्रीय भू-जल प्राधिकरण और राज्य भू-जल विभागों के आकलन के अनुसार, 6584 मूल्यांकन इकाइयों (ब्लॉक/तालुका/मंडल/वाटर शेड/फिरका) में से 1034 इकाइयों में भूजल का अत्यधिक दोहन (Over-exploited) हुआ है।

योजना संबंधित अन्य विवरण

➡ यह एक केंद्रीय योजना है।

➲ इसके लिए 6000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

➡ योजना की कार्यान्वयन अवधि 5 वर्ष की होगी।

➡ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016-17 के केंद्रीय बजट में 'राष्ट्रीय भूजल प्रबंधन सुधार योजना' (NGMIP : National Groundwater Management Improvement Program) की घोषणा की गई थी।

- ➲ मई, 2017 में व्यय वित्त समिति द्वारा योजना को बंद कर दिया गया था।
- ➲ तत्पश्चात इस योजना का पुनर्नामकरण 'अटल भूजल योजना' के रूप में किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ विश्व में भारत भूजल का सबसे बड़ा प्रयोक्ता है।

➡ विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष लगभग 245 बिलियन घन मीटर भूजल का दोहन किया जाता है, जो कि सकल वैश्विक भूजल दोहन का लगभग 25 प्रतिशत है।

➡ विगत 4-5 दशकों में भारत में शहरी एवं ग्रामीण जलापूर्ति का 80 प्रतिशत भूजल पर निर्भर है।

साथ-ई रोडमैप

वर्तमान परिदृश्य

➡ 17 मार्च, 2018 को नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) अमिताभ कांत ने 'साथ-ई' (SATH-E : Sustainable Action for Transforming Human Capital in Education) रोडमैप, 2018-2020 जारी किया।

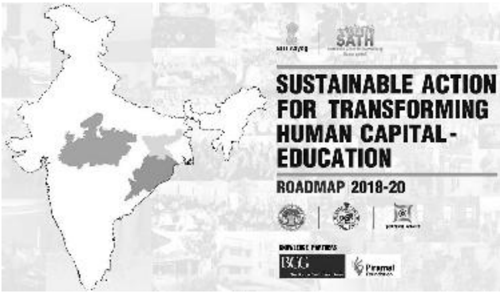

लक्ष्य

➡ इसका लक्ष्य संपूर्ण सरकारी विद्यालयी शिक्षा प्रणाली को प्रत्येक बच्चे के लिए उत्तरदायी, प्रेरणादायी और परिवर्तनकारी बनाना है।

विवरण

➡ साथ-ई रोडमैप की संचालन अवधि वर्ष 2018 से 2020 के मध्य होगी।

➡ साथ-ई पहल के भागीदार तीन राज्यों में झारखंड, मध्य प्रदेश और ओडिशा शामिल हैं।

- ➲ इन राज्यों का लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा में 'अनुकरणीय राज्य' (Role Model States) का दर्जा प्राप्त करना है।

➡ ये रोडमैप नीति आयोग, तीनों राज्यों और साथ (SATH) पहल के ज्ञान भागीदारों-बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (BCG) एवं पीरामल फाउंडेशन फॉर एजुकेशन लीडरशिप (PFEL) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं।

➡ ये रोडमैप अपनी तरह के पहले क्रिया-उन्मुख कार्यक्रम (Action-Oriented Programmes) हैं, जो व्यक्तिगत, जिला एवं राज्य स्तर पर हस्तक्षेपों को रेखांकित करते हैं।

पृष्ठभूमि

➡ मई, 2017 में नीति आयोग ने सभी राज्यों को उनके स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था, जिसमें से 16 राज्यों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी।

➡ मानव संसाधन विकास मंत्रालय के परामर्श के पश्चात तीन राज्यों-झारखंड, ओडिशा एवं मध्य प्रदेश का चयन साथ-ई परियोजना के लिए किया गया।

➡ साथ-ई पहल इन राज्यों के साथ औपचारिक समझौते पर आधारित है और इसका वित्त पोषण नीति आयोग एवं भागीदार राज्यों के मध्य लागत-सहभागिता तंत्र के माध्यम से किया जाएगा।

➡ साथ-ई कार्यक्रम की परिकल्पना इन तीनों राज्यों में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयी शिक्षा में परिवर्तन करने हेतु की गई है।

लक्ष्य कार्यक्रम

वर्तमान परिदृश्य

➡ मार्च, 2018 में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 'लक्ष्य कार्यक्रम' (LaQshya Programme) के शुभारंभ की घोषणा की गई।

उद्देश्य

➡ लक्ष्य कार्यक्रम का उद्देश्य प्रसूति गृह एवं प्रसूति शल्य चिकित्सा कक्ष में गर्भवती महिला की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना है।

➡ साथ ही 18 माह के भीतर ठोस परिणाम प्राप्त करने के लिए त्वरित हस्तक्षेप को लागू करना है।

लाभ

➡ लक्ष्य कार्यक्रम से प्रसूति गृह, प्रसूति शल्य चिकित्सा कक्ष, प्रसूति गहन देखभाल इकाइयों (ICUs) और उच्च निर्भरता इकाइयों (HDUs) में गर्भवती महिलाओं की देखभाल में सुधार होगा।

- ➲ इससे प्रत्येक गर्भवती महिला और सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में जन्म लेने वाले नवजात शिशु लाभांवित होंगे।.
- ➲ इस कार्यक्रम से मातृ एवं नवजात अस्वस्थता तथा मृत्यु दर में कमी आएगी, प्रसूति के दौरान एवं उसके बाद की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में सभी गर्भवती महिलाओं को सम्मानपूर्ण मातृत्व देखभाल (RMC) की सुविधा प्राप्त होगी।

कार्यान्वयन

➡ इस कार्यक्रम का कार्यान्वयन सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, जिला अस्पतालों एवं फर्स्ट रेफरल यूनिट (FRU) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) में किया जा रहा है।

➡ प्रसूति कक्ष और प्रसूति शल्य चिकित्सा कक्ष में गुणवत्ता सुधार का आकलन 'राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों' (NQAS) के माध्यम से किया जाएगा।

➡ 'राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक' पर 70 प्रतिशत अंक पाने वाली प्रत्येक सुविधा को 'लक्ष्य प्रमाणित सुविधा' का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

- इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक अंकों के अनुसार, लक्ष्य प्रमाणित सुविधाओं का वर्गीकरण किया जाएगा।
- 90 प्रतिशत, 80 प्रतिशत और 70 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले स्वास्थ्य सुविधाओं को क्रमशः प्लैटिनम, गोल्ड एवं सिल्वर बैज प्रदान किए जाएंगे।

➡ लक्ष्य कार्यक्रम के तहत प्रसूति के दौरान महत्वपूर्ण देखभाल के सशक्तीकरण के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्तर पर समर्पित 'प्रसूति गहन देखभाल इकाइयों' और जिला अस्पताल में 'प्रसूति उच्च निर्भरता इकाइयों' को संचालित किया जा रहा है।

➡ भारत में मातृ मृत्यु दर वर्ष 2001-03 के 301 से घटकर वर्ष 2011-13 में 167 हो गई है, जो एक दशक में 45 प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट को प्रदर्शित करती है।

महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन

वर्तमान परिदृश्य

➡ 12 मार्च, 2018 को केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा पुनरुद्धार मंत्रालय (Ministry of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation) द्वारा महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया गया।

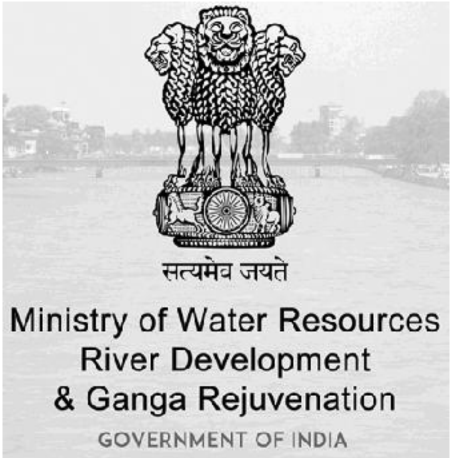

संरचना

➡ महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ए.एम. खानविलकर को नियुक्त किया गया है।

- इस न्यायाधिकरण के सदस्य के रूप में पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. रवि रंजन एवं दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश इंदरमीत कौर कोचर को नियुक्त किया गया है।
- इस न्यायाधिकरण का मुख्यालय दिल्ली में होगा।

उद्देश्य

➡ यह न्यायाधिकरण संपूर्ण महानदी बेसिन में जल की उपलब्धता, प्रत्येक राज्य के योगदान, प्रत्येक राज्य में जल संसाधनों के वर्तमान उपयोग और भविष्य के विकास की संभावनाओं के आधार पर राज्यों के मध्य जल का बंटवारा सुनिश्चित करेगा।

पृष्ठभूमि

➡ छत्तीसगढ़ की गंगा के रूप में प्रसिद्ध महानदी का उद्गम धमतरी जिले (छत्तीसगढ़) में स्थित सिहावा (Sihava) नामक पर्वत श्रेणी से हुआ है।

- इस नदी की कुल लंबाई 851 किमी. है तथा यह नदी बंगाल की खाड़ी में जाकर गिरती है।
- महानदी बेसिन का विस्तार छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार तथा महाराष्ट्र में है।

➡ महानदी के जल बंटवारे को लेकर पहला समझौता अविभाजित मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह और ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री जे.बी. पटनायक के बीच 28 अप्रैल, 1983 को हुआ था।

➡ 20 फरवरी, 2018 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ओडिशा राज्य के अनुरोध पर महानदी जल विवाद पर न्यायाधिकरण के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

महत्वपूर्ण तथ्य

➡ ओडिशा सरकार द्वारा दायर वाद के तहत 3 जनवरी, 2018 को उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया गया।

➡ अंतरराज्यीय नदी जल विवाद (Inter-State River Water Disputes - ISRWD) अधिनियम, 1956 के अनुसार, जल विवाद न्यायाधिकरण में एक अध्यक्ष और दो अन्य सदस्य होंगे।

- न्यायाधिकरण के अध्यक्ष एवं सदस्यों का मनोनयन भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा उच्चतम न्यायालय अथवा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों में से किया जाएगा।
- इसके अतिरिक्त न्यायाधिकरण की कार्यवाही में दो जल संसाधन विशेषज्ञों की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

➡ ISRWD अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार, न्यायाधिकरण को अपनी रिपोर्ट तीन वर्ष में प्रस्तुत करनी होगी। यह अवधि अपरिहार्य कारणों से 2 वर्ष के लिए बढ़ाई जा सकती है।

➡ गौरतलब है कि 14 मार्च, 2017 को अंतरराज्यीय नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक, 2017 लोक सभा में पेश किया गया।

- इस विधेयक द्वारा अंतरराज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 में संशोधन प्रस्तावित है।

कनहर बैराज परियोजना

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 12 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में केंद्रीय जल संसाधन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में 'कनहर बैराज परियोजना' को स्वीकृति प्रदान की गई।

परियोजना का विवरण

➡ कनहर बैराज परियोजना के तहत झारखंड राज्य के गढ़वा जिले के खुरी गांव के समीप कनहर नदी पर एक बैराज का निर्माण किया जाएगा, जो कि बाराडीह में प्रस्तावित बांध स्थल से लगभग 12 किमी. नीचे की ओर (Downstream) होगा।

➡ बैराज के ऊपर की ओर (Upstream) दाहिने किनारे से लगभग 19.36 किमी. लंबी और लगभग 70 क्यूमेक्स क्षमता की मुख्य नहर निकाली जाएगी, जो लावाडोनी गांव के निकट लावाडोनी जलाशय में समाप्त होगी।

➲ लावाडोनी जलाशय से 87.33 किमी. लंबी बाईं मुख्य नहर और 48.50 किमी. लंबी दाईं मुख्य नहर निकाली जानी है।

➲ बाईं मुख्य नहर से 27.40 किमी. लंबी प्रतापपुर शाखा नहर एवं अन्य जल वितरिकाएं निकाली जाएंगी।

सत्यमेव जयते
Government of
National Capital Territory of Delhi

➡ परियोजना की वर्तमान लागत 1908 करोड़ रुपये है।

लाभ

➡ कनहर बैराज परियोजना के तहत 53283 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा प्राप्त हो सकेगी।

➡ इस परियोजना से झारखंड राज्य के 27.40 लाख लोगों को लाभ प्राप्त होगा।

➡ ज्ञातव्य है कि 20 फरवरी, 1982 को कनहर नदी के जल बंटवारे के लिए बिहार, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्रियों के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर किया गया था।

राष्ट्रीय ई-गतिशीलता कार्यक्रम

वर्तमान परिदृश्य

➡ 7 मार्च, 2018 को केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आर.के. सिंह ने 'राष्ट्रीय ई-गतिशीलता कार्यक्रम' (National E-Mobility Programme) का शुभारंभ किया।

उद्देश्य

➡ राष्ट्रीय ई-गतिशीलता कार्यक्रम देश के स्वच्छ, हरित तथा भविष्य उन्मुख प्रौद्योगिकियों के युग में प्रवेश करने की दिशा में एक कदम है।

➡ कार्यक्रम का उद्देश्य वाहन निर्माताओं, चार्जिंग अवसंरचना कंपनियों, फ्लीट ऑपरेटर्स, सेवा प्रदाताओं आदि समेत संपूर्ण ई-गतिशीलता पारितंत्र को प्रोत्साहन प्रदान करना है।

कार्यक्रम का विवरण

➡ राष्ट्रीय ई-गतिशीलता कार्यक्रम का कार्यान्वयन ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (EESL) द्वारा किया जाना है।

➡ ईईएसएल द्वारा वर्ष 2017 में 10,000 इलेक्ट्रिक-वाहनों (E-Vehicles) की खरीद की गई थी।

➲ साथ ही 10,000 अतिरिक्त ई-वाहनों की खरीद की जानी है।

➲ इन 20,000 इलेक्ट्रिक कारों से भारत में प्रतिवर्ष 5 करोड़ लीटर ईंधन की बचत का अनुमान है।

➲ इससे प्रतिवर्ष लगभग 5.6 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी होगी।

➡ एक इलेक्ट्रिक कार की प्रति किमी. लागत सामान्य कार के 6.5 रु. की तुलना में केवल 85 पैसा ही है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (EESL) भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन है।

➡ अब तक ईईएसएल द्वारा देशभर में लगभग 29 करोड़ एलईडी बल्ब का वितरण किया गया और 50 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइट्स लगाई गईं।

➡ ईईएसएल ने यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया में अपना परिचालन प्रारंभ किया है।

उत्तर प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन

वर्तमान परिदृश्य

➡ 21-22 फरवरी, 2018 को लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'उत्तर प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन' (Uttar Pradesh Investors Summit) का आयोजन किया गया।

➲ यह शिखर सम्मेलन उत्तर प्रदेश सरकार की अब तक की सबसे बड़ी 'निवेश संवर्धन एवं सुगमता पहल' (Investment Promotion & Facilitation Initiative) थी।

उद्देश्य

➡ उत्तर प्रदेश के विविध क्षेत्रों में निवेश के अवसरों एवं क्षमता का प्रदर्शन करना।

➡ विदेशी एवं भारतीय निवेशकों दोनों के लिए उत्तर प्रदेश को पसंदीदा (Preferred) निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना।

सम्मेलन का विवरण

➡ 21 फरवरी, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'उत्तर प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन' का उद्‌घाटन किया।

➡ 22 फरवरी, 2018 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया।

➡ सम्मेलन में नागरिक उड्डयन, सूचना प्रौद्योगिकी उद्यम, डेयरी, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण, पर्यटन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, नवीकरणीय ऊर्जा, फिल्म, हथकरघा एवं कपड़ा और कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण फोकस क्षेत्र थे।

➡ सम्मेलन को प्रोत्साहित करने के प्रयासों के तहत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, बंगलुरू और हैदराबाद में रोड शो का आयोजन किया गया।

➡ सम्मेलन के भागीदार देशों में नीदरलैंड्स, जापान, स्लोवाकिया, चेक गणराज्य, फिनलैंड, मॉरीशस एवं थाईलैंड शामिल थे।

निवेश मित्र

➡ सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के पहले औद्योगिक पोर्टल 'निवेश मित्र' का शुभारंभ किया।

- वास्तव में यह उ.प्र. सरकार की एक समर्पित एकल खिड़की प्रणाली है।

➡ निवेश मित्र पोर्टल (http://niveshmitra.up.nic.in) का विकास 'राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र' (NIC) की उत्तर प्रदेश इकाई द्वारा किया गया है।

- इसके विकास में 'उद्योग बंधु' (उ.प्र. सरकार का एक संगठन) ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

➡ यह पोर्टल निवेशकों को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के परियोजनाओं की स्वीकृति हेतु ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर प्रदान करता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ सम्मेलन के दौरान कुल 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित 1045 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

➡ सम्मेलन के दौरान देश में स्थापित किए जाने वाले 2 रक्षा औद्योगिक गलियारों (Defence Industrial Corridors) में से एक उत्तर प्रदेश में (बुंदेलखंड क्षेत्र में) स्थापित किए जाने की घोषणा की गई।

➡ आदित्य बिड़ला समूह द्वारा अगले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में 25 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

➡ रिलायंस जियो द्वारा अगले तीन वर्षों में राज्य में 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

➡ अडानी समूह द्वारा अगले पांच वर्षों में 35 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

करेन्ट नोट्स

वैश्विक राजनीतिक, सामाजिक घटनाओं तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के समाचारों का लेखा-जोखा

मलेशिया के नए प्रधानमंत्री

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 10 मई, 2018 को 92 वर्षीय महाथिर मोहम्मद ने मलेशिया के सातवें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।

- ➲ वे विश्व में किसी भी निर्वाचित सरकार के प्रमुखों में सर्वाधिक उम्रदराज व्यक्ति हैं।

➡ वे मलेशिया के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो बारीसन नेशनल गठबंधन का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

- ➲ उल्लेखनीय है कि वर्ष 1957 में मलेशिया के स्वतंत्र होने के बाद से बारीसन नेशनल गठबंधन लगातार सत्ता से संबद्ध रहा है।

पृष्ठभूमि

➡ महाथिर ने इससे पूर्व वर्ष 1981 से 2003 तक मलेशिया के चौथे प्रधानमंत्री के रूप में शासन किया था।

➡ सद्यः चुनावों में महाथिर के चार दलों के गठबंधन पकटन हरपन (Pakatan Harapan - PH) ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नजीब रजाक (Nazib Razak) के गठबंधन बारिसन नेशनल (Barison Nasional) को पराजित किया।

➡ पूर्व में महाथिर, नजीब के संरक्षक थे लेकिन कालांतर में प्रमुख प्रतिद्वंद्वी बन गए।

➡ ध्यातव्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री नजीब पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे। सरकारी निधि से कम-से-कम 3.5 बिलियन डॉलर की चोरी का मामला सामने आया था।

संसदीय चुनाव, 2018

➡ 9 मई, 2018 को मलेशिया के 14वें संसदीय चुनाव संपन्न हुए।

- ➲ इसके तहत मलेशियाई संसद के निचले सदन दीवान रक्यात (Dewan Rakyat) की 222 सीटों के लिए चुनाव हुए।
- ➲ बहुमत के लिए 112 सीटों की जरूरत थी।

➡ चुनाव परिणामों के तहत महाथिर के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को 121 सीटें प्राप्त हुईं, जबकि नजीब के गठबंधन को 79 सीटें प्राप्त हुईं।

➡ वर्ष 2013 के आम चुनाव में नजीब के बारीसन नेशनल गठबंधन को 133 सीटें प्राप्त हुई थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ मलेशियाई संसद द्विसदनीय है। इसके निचले सदन को दीवान रक्यात (House of Representatives) तथा उच्च सदन को दीवान नेगारा (Senate) कहा जाता है।

फोर्ब्स : विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्ति

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 8 मई, 2018 को फोर्ब्स (Forbes) पत्रिका द्वारा 'विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्तियों' की नवीनतम सूची जारी की गई।

- ➲ इस सूची में कुल 75 व्यक्ति शामिल हैं।

Forbes

पृष्ठभूमि

➡ अमेरिका की प्रतिष्ठित फोर्ब्स पत्रिका वर्ष 1917 से प्रकाशित हो रही है।

➡ इस पत्रिका द्वारा वर्ष 2009 में पहली बार 'विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्तियों' की सूची जारी की गई थी।

➡ वर्तमान में जारी सूची, इसका 10वां संस्करण है।

नवीनतम सूची

➡ इस सूची में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के महासचिव एवं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

➡ सूची में शीर्ष 10 स्थानों पर विद्यमान व्यक्ति इस प्रकार हैं-

रैंक	नाम	देश/संस्था
1	शी जिनपिंग	चीन
2	व्लादिमीर पुतिन	रूस
3	डोनाल्ड ट्रम्प	सं. रा. अमेरिका
4	एंजेला मर्केल	जर्मनी
5	जेफ बेजोस	अमेजन डॉट कॉम
6	पोप फ्रांसिस	रोमन कैथोलिक चर्च
7	बिल गेट्स	बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन
8	मोहम्मद बिन सलमान अल सौद	सऊदी अरब
9	नरेंद्र मोदी	भारत
10	लैरी पेज	अल्फाबेट

➡ पिछले वर्ष की सूची में शीर्ष स्थान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को प्राप्त हुआ था, जिनको नवीनतम सूची में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

सूची में शामिल भारतीय

➡ वर्ष 2018 की इस सूची में दो भारतीयों को स्थान प्राप्त हुआ है।

➡ नवीनतम सूची में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नौवां (9^{th}) स्थान प्राप्त हुआ है।

➲ शीर्ष 10 में स्थान पाने वाले वे एकमात्र भारतीय हैं।

➡ रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दूसरे भारतीय हैं, जिनको इस सूची में स्थान प्राप्त हुआ है।

➲ मुकेश अंबानी को इस सूची में 32वां स्थान प्राप्त हुआ है।

➡ भारतीय मूल के सत्या नडेला (माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ) को 40वां

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ इस सूची में सर्वाधिक उम्रदराज व्यक्ति ली का-शिंग (सी.के हचिसन होल्डिंग्स) हैं, जो कि 89 वर्ष के हैं।

➲ जबकि 32 वर्षीय मोहम्मद बिन सलमान अल सौद (सऊदी अरब) इस सूची में शामिल सबसे युवा व्यक्ति हैं।

➡ सूची में कुल 5 महिलाएं शामिल हैं।

➡ इस वर्ष की सूची में कुल 17 लोग पहली बार शामिल किए गए हैं।

➲ इनमें सऊदी अरब के क्रॉउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सौद भी शामिल हैं।स्थान प्राप्त हुआ है।

सूची में शामिल विश्व के अन्य प्रमुख व्यक्तित्व

➡ फोर्ब्स द्वारा जारी इस सूची में शामिल विश्व के प्रमुख चर्चित व्यक्तियों का विवरण इस प्रकार हैं-

रैंक	नाम	देश/संस्था
12	इमैनुएल मैक्रों	फ्रांस
13	मार्क जुकरबर्ग	फेसबुक
14	थेरेसा मे	यूनाइटेड किंगडम
26	बेंजामिन नेतन्याहू	इस्राइल
31	एंटोनियो गुटेरेस	संयुक्त राष्ट्र
36	किम जोंग-उन	उत्तर कोरिया
38	शिंजो अबे	जापान
68	कमर जावेद बाजवा	पाकिस्तान
75	गियानी इन्फैंटिनो	फीफा

स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स

वर्तमान परिदृश्य

➡ 21 मार्च, 2018 को स्टॉकहोम, स्वीडन में पैसेंजर टर्मिनल एक्सपो (Passenger Terminal Expo) के दौरान 'स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स, 2018' (Skytrax World Airport Awards, 2018) प्रदान किए गए।

शीर्ष एयरपोर्ट

➡ सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट को विश्व का सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट नामित किया गया है, जबकि इंचियोन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट एवं टोक्यो हानेडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को क्रमशः दूसरा तथा तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

➡ चांगी एयरपोर्ट, सिंगापुर को लगातार छठें वर्ष विश्व का सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट चुना गया।

➲ 'वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स' के इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को लगातार छठीं बार विश्व का सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट नामित किया गया।

➡ टोक्यो हानेडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को विश्व का सबसे स्वच्छ एयरपोर्ट नामित किया गया है।

भारत की स्थिति

➡ मुंबई, बंगलुरू एवं दिल्ली स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को विश्व के शीर्ष 100 हवाई अड्डों की सूची में क्रमशः 63वां, 64वां एवं 66वां स्थान प्राप्त हुआ है।

➡ विश्व के सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट टर्मिनलों की श्रेणी में मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 को 9वां स्थान प्राप्त हुआ है।

➡ केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, बंगलुरू को भारत/मध्य एशिया का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय हवाई अड्डा (Best Regional Airport) घोषित किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स के लिए हवाई यात्रियों द्वारा वार्षिक वैश्विक एयरपोर्ट ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में मतदान किया जाता है।

➡ वर्ष 2018 के स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स के लिए यह सर्वेक्षण अगस्त, 2017 से फरवरी, 2018 के मध्य किया गया, जिसमें विश्व भर के 550 हवाई अड्डों को शामिल किया गया।

यूरोप का कॉपरनिकस कार्यक्रम

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 19 मार्च, 2018 को बंगलुरू में यूरोपीय आयोग तथा भारत के अंतरिक्ष विभाग के मध्य 'भू-अवलोकन उपग्रह डाटा' (Earth Observation Satellite Data) के सहभाजन (Sharing) से संबंधित एक ऐतिहासिक समझौते के हस्ताक्षरित होने के बाद भारत, यूरोप के कॉपरनिकस कार्यक्रम में शामिल हो गया।

उद्देश्य

➡ इस ऐतिहासिक समझौते के तहत, यूरोपीय आयोग (European Commission) भारत को कॉपरनिकस कार्यक्रम के सेंटिनेल (Sentinel) शृंखला के उपग्रहों से प्राप्त डाटा उच्च बैंडविड्थ के कनेक्शन के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध कराएगा।

➲ इसके बदले में भारत का अंतरिक्ष विभाग देश के

सुदूर संवेदी उपग्रहों से प्राप्त डाटा तक कॉपरनिकस कार्यक्रम तथा उसके भागीदार देशों को निःशुल्क, पूर्ण तथा खुली पहुंच सुनिश्चित करेगा।

➡ इसरो के जिन असैन्य उपग्रहों के डाटा तक कॉपरनिकस कार्यक्रम की पहुंच सुनिश्चित होगी, उनमें ओशनसैट-2, मेघ-ट्रॉपिक्स, स्कैटसैट-1, सरल, इनसैट-3डी, इनसैट-3डीआर शामिल हैं।

समझौते के अन्य बिंदु

➡ इस सहयोग समझौते के अंतर्गत इसरो के केंद्रों के साथ उच्च बैंडविड्थ के कनेक्शनों की स्थापना हेतु तकनीकी सहायता शामिल है।

➡ विशेष रूप से दोनों पक्षों का प्रयोजन 'कार्यवाही के लिए यूरोपीय संघ-भारत एजेंडा, 2020' (EU - India Agenda for Action, 2020) की तर्ज पर उभयनिष्ठ प्रयोग के लिए डाटा प्रोसेसिंग में सहयोग को प्रोत्साहन देना है।

कॉपरनिकस कार्यक्रम

➡ कॉपरनिकस यूरोपीय संघ का भू-अवलोकन कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य यूरोपीय नागरिकों के लाभ के लिए पृथ्वी एवं उसके पर्यावरण पर नजर रखना है।

- इस कार्यक्रम का समन्वय एवं प्रबंधन यूरोपीय आयोग द्वारा किया जाता है।

➡ कॉपरनिकस कार्यक्रम में सेंटिनेल शृंखला के उपग्रह तथा अन्य व्यावसायिक एवं सार्वजनिक उपग्रह शामिल हैं।

नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 14 मार्च, 2018 को काठमांडू स्थित राष्ट्रपति कार्यालय में विद्या देवी भंडारी ने लगातार दूसरी बार नेपाल के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की।

चुनाव का विवरण

➡ 13 मार्च, 2018 को नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हुए।

- इस चुनाव में नेपाल की पहली महिला राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी दूसरे कार्यकाल के लिए पुनर्निर्वाचित हुईं।

➡ वाम गठबंधन की उम्मीदवार विद्या देवी भंडारी को दो-तिहाई बहुमत से अधिक मत प्राप्त हुए।

- उन्होंने नेपाली कांग्रेस की राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार कुमारी लक्ष्मी राय को पराजित किया।

➡ राष्ट्रपति चुनाव में विद्या देवी भंडारी को 39275 मत प्राप्त हुए, जबकि कुमारी लक्ष्मी राय को 11730 मत प्राप्त हुए।

➡ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में विद्या देवी भंडारी नेपाल की पहली महिला राष्ट्रपति निर्वाचित हुईं थीं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ नेपाल में राष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मंडल (Electoral College) के मतदान द्वारा किया जाता है।

- निर्वाचक मंडल में संघीय संसद और प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्य शामिल होते हैं।

➡ गौरतलब है कि नेपाल में नवंबर, 2017 एवं दिसंबर, 2017 में दो चरणों में संघीय संसद और प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव संपन्न हुए थे।

➡ फरवरी, 2018 में वाम गठबंधन के उम्मीदवार के.पी. शर्मा ओली दूसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने।

ऊर्जा पारगमन सूचकांक

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 14 मार्च, 2018 को विश्व आर्थिक मंच द्वारा 'प्रभावी ऊर्जा पारगमन को प्रोत्साहन' (Fostering Effective Energy Transition) नामक रिपोर्ट का पहला संस्करण प्रकाशित किया गया।

- यह रिपोर्ट मैकिन्से एंड कंपनी (Mckinsey and Company) के विश्लेषणात्मक समर्थन से तैयार की गई है।

➡ यह रिपोर्ट 'ऊर्जा के भविष्य को आकार देना' (Shaping The Future of Energy) पर विश्व आर्थिक मंच प्रणाली पहल का भाग है।

सूचकांक

➡ रिपोर्ट में 'ऊर्जा पारगमन सूचकांक' (ETI : Energy Transition Index) प्रस्तुत किया गया है।

➡ ऊर्जा पारगमन सूचकांक में 114 देशों को इस तथ्य के आधार पर रैंक प्रदान की गई है, कि वे कितने बेहतर तरीके से ऊर्जा सुरक्षा को संतुलित करने में सक्षम हैं।

➡ ये 114 देश वैश्विक जीडीपी के 98 प्रतिशत तथा वैश्विक जनसंख्या के 90 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

- इन 114 देशों में लगभग 60 प्रतिशत लोग ऐसे हैं, जिन्हें विद्युत की उपलब्धता नहीं है।

रैंकिंग

➡ इस सूचकांक में पहला स्थान स्वीडन को प्राप्त हुआ है, जबकि नॉर्वे एवं स्विट्जरलैंड का स्थान क्रमशः दूसरा एवं तीसरा है।

- सूचकांक में शीर्ष 10 देशों में फिनलैंड (चौथा), डेनमार्क (5वां), नीदरलैंड्स (6वां), यूनाइटेड किंगडम (7वां), ऑस्ट्रिया (8वां), फ्रांस (9वां) और आइसलैंड (10वां स्थान) शामिल हैं।

➡ इस सूचकांक में उभरते बाजारों में ब्राजील को 38वां स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि रूस एवं चीन का स्थान क्रमशः 70वां एवं 76वां है।

सूचकांक में भारत

➡ रिपोर्ट के अनुसार, भारत द्वारा ऊर्जा पहुंच, ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के परिनियोजन में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

➡ ऊर्जा पारगमन सूचकांक में शामिल 114 देशों में भारत को 78वां स्थान प्राप्त हुआ है।

विश्व आर्थिक मंच का 48वां वार्षिक सम्मेलन

- 23-26 जनवरी, 2018 के मध्य विश्व आर्थिक मंच की 48वीं वार्षिक बैठक दावोस, स्विट्जरलैंड में आयोजित हुई।
- इस सम्मेलन का विषय : 'खंडित विश्व में साझे भविष्य का निर्माण' (Creating a Shared Future in a Fractured World)।
- 23 जनवरी, 2018 को विश्व आर्थिक मंच के वार्षिक सम्मेलन का प्रारंभ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्घाटन भाषण से हुआ।
- यह पहला अवसर है, जब इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में भारतीय प्रधानमंत्री का उद्घाटन भाषण हुआ।
- इस सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल, इटली के प्रधानमंत्री पाउलो जेंटिलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा मे तथा कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो एवं विश्वभर के 300 से अधिक राजनेताओं ने शिरकत की।
- इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की अध्यक्ष क्रिस्टीन लैगार्डे, संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस तथा विश्व बैंक के अध्यक्ष जिम योंग किम भी सम्मिलित हुए।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 1997 के बाद दावोस सम्मेलन में जाने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।
- वर्ष 1997 में श्री एच.डी. देवगौड़ा दावोस गए थे।

विश्व आर्थिक मंच

- विश्व आर्थिक मंच एक गैर-लाभकारी वैश्विक संस्था है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1971 में हुई थी।
- इस आर्थिक मंच की स्थापना यूरोपियन मैनेजमेंट फोरम के नाम से प्रो. क्लॉस एम. श्वाब (Klaus M. Schwab) ने की थी।
- इसे वर्ष 1987 में परिवर्तित करके World Economic Forum नाम दिया गया।
- विश्व आर्थिक मंच का मुख्यालय जेनेवा में है।
- इस मंच की बैठक, प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में आयोजित होती है।

वर्ल्डवाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग सर्वे, 2018

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

- मार्च, 2018 में 'द इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट' (The Economist Intelligence Unit) द्वारा 'वर्ल्डवाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग सर्वे, 2018' (Worldwide Cost of Living Survey, 2018) जारी किया गया।
- सर्वेक्षण में न्यूयॉर्क को बेंचमार्क मानते हुए विश्व के 133 विभिन्न शहरों में 150 से अधिक वस्तुओं की कीमत की तुलना की गई है।

सबसे महंगे शहर

- वर्ष 2018 में सिंगापुर 116 अंकों के साथ लगातार 5वें वर्ष विश्व का सर्वाधिक महंगा शहर है।
  - पेरिस (फ्रांस) एवं ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड) प्रत्येक 112 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।
- सर्वेक्षण में शामिल शीर्ष दस शहरों में से अधिकांश एशिया एवं यूरोप के हैं।
- जापान की राजधानी टोक्यो, जो वर्ष 2013 तक विश्व का सबसे महंगा शहर था, शीर्ष 10 शहरों में शामिल नहीं है।
  - हांगकांग (हांगकांग) और ओस्लो (नॉर्वे) क्रमशः 111 एवं 107 अंकों के साथ क्रमशः चौथे तथा पांचवें स्थान पर रहे।
  - जेनेवा (स्विट्जरलैंड) और सियोल (दक्षिण कोरिया) प्रत्येक 106 अंक के साथ छठें स्थान पर रहे।
  - कोपेनहेगन (डेनमार्क), तेल अवीव (इस्राइल) और सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) क्रमशः 8वें, 9वें एवं 10वें स्थान पर रहे।

सबसे सस्ते शहर

- दमिश्क (सीरिया) 26 अंकों के साथ विश्व का सबसे सस्ता शहर (133वां स्थान) है, जबकि कराकस (वेनेजुएला) एवं अलमाटी (कजाख्स्तान) को क्रमशः 132वां एवं 131वां स्थान प्राप्त हुआ।
- विश्व के सबसे सस्ते शहरों में भारत के बंगलुरू (129वां स्थान), चेन्नई (126वां स्थान) और नई दिल्ली (124वां स्थान) शामिल हैं।
- पाकिस्तान के कराची शहर को 127वां स्थान प्राप्त हुआ है।

रूपपुर परमाणु संयंत्र समझौता

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

- 1 मार्च, 2018 को मॉस्को स्थित परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र की रूसी कंपनी रोजाटोम (Rosatom), बांग्लादेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग ने बांग्लादेश में रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र निर्माण परियोजना के कार्यान्वयन में सहयोग पर एक त्रिपक्षीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- यह समझौता-ज्ञापन परियोजना से संबंधित कार्यों के कार्यान्वयन में रूसी, भारतीय तथा बांग्लादेशी विशेषज्ञों के मध्य परस्पर संवाद की रूपरेखा तैयार करेगा।

भारत की भूमिका

➡ उल्लेखनीय है कि रूस टर्नकी (Turnkey) आधार पर बांग्लादेश में रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कर रहा है।

➡ भारतीय कंपनियां इस परियोजना के निर्माण एवं संस्थापन (Installation) कार्यों में शामिल हैं।

➡ भारत इस परियोजना में गैर-महत्वपूर्ण श्रेणी (Non-Critical Category) के उपकरणों एवं सामग्रियों की आपूर्ति में सहयोग भी करेगा।

पृष्ठभूमि

➡ बांग्लादेश ने सर्वप्रथम वर्ष 1961 में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण की परिकल्पना की थी।

- ➲ तत्पश्चात बांग्लादेश के पाबना जिले में पद्मा नदी के तट पर स्थित रूपपुर नामक स्थल को देश की प्रथम परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना हेतु चयनित किया गया।

➡ बांग्लादेश में रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण नवबंर, 2011 में बांग्लादेश एवं रूस के मध्य एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण में सहयोग पर हुए एक अंतर-सरकारी समझौते के तहत किया जा रहा है।

संयंत्र

➡ रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के तहत रूस द्वारा डिजाइन की हुई VVER प्रकार की दो इकाइयां शामिल होंगी, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 1200 मेगावॉट होगी।

➡ इस संयंत्र की पहली तथा दूसरी इकाई का परिचालन क्रमशः वर्ष 2023 तथा वर्ष 2024 में प्रस्तावित है।

तापी गैस पाइपलाइन परियोजना

वर्तमान परिदृश्य

➡ 23 फरवरी, 2018 को पश्चिमी हेरात प्रांत, अफगानिस्तान में तापी (TAPI : Turkmenistan – Afghanistan - Pakistan - India) गैस पाइपलाइन परियोजना के अफगानिस्तानी खंड (Afghan- Section) का शिलान्यास किया गया।

➡ शिलान्यास समारोह में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति मोहम्मद अशरफ गनी, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति कुरबांगुली बिरदीमुखामेदोव, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहिद खकान अब्बासी और भारत के विदेश राज्य मंत्री एम.जे. अकबर शामिल हुए।

विशेषताएं

➡ तापी गैस पाइपलाइन परियोजना 1814 किमी. लंबी है।

- ➲ यह परियोजना एशियाई विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित है।

➡ इस पाइपलाइन के माध्यम से तुर्कमेनिस्तान से प्रतिवर्ष 33 बिलियन घन मीटर तक प्राकृतिक गैस की आपूर्ति अफगानिस्तान, पाकिस्तान एवं भारत को की जाएगी।

- ➲ तापी परियोजना के द्वारा तुर्कमेनिस्तान के गलकीनिश (Galkynysh) क्षेत्र से प्राकृतिक गैस कंधार (अफगानिस्तान), मुल्तान (पाकिस्तान) होते हुए फजिल्का (भारत) पहुंचेगी।

➡ उल्लेखनीय है कि भारत अप्रैल, 2008 में टैप (TAP : Turkmenistan, Afghanistan and Pakistan) परियोजना में शामिल हुआ, जिससे इसका नाम तापी परियोजना हो गया।

TPCL

➡ नवंबर, 2014 में पाइपलाइन कंसोर्टियम 'तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड' (TPCL) का गठन किया गया।

- ➲ दिसंबर, 2015 में तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड के शेयर धारक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- ➲ समझौते के अनुसार, टीपीसीएल में तुर्कमेनिस्तान की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत होगी, जबकि भारत, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान (प्रत्येक की) की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत होगी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ दिसंबर, 2015 में तापी गैस पाइपलाइन परियोजना के तुर्कमेनिस्तान खंड का शिलान्यास किया गया।

➡ उल्लेखनीय है कि गलकीनिश विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गैस क्षेत्र है।

➡ तुर्कमेनिस्तान में विश्व का चौथा सबसे बड़ा गैस भंडार है।

➡ वर्तमान में तुर्कमेनिस्तान अधिकांश प्राकृतिक गैस का निर्यात चीन को करता है।

प्रथम द्वैमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

मौद्रिक नीति

➡ किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति वह उपकरण है, जिसके माध्यम से केंद्रीय बैंक तरलता तथा साख सृजन को नियंत्रित कर अर्थव्यवस्था में मूल्य स्थिरता को बनाए रखने तथा उच्च विकास दर के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करता है। भारत में मौद्रिक नीति का प्रयोग भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा किया जाता है। वर्तमान में मौद्रिक नीति निर्माण का कार्य मौद्रिक नीति समिति (MPC) द्वारा किया जा रहा है।

मौद्रिक नीति समिति (Monetary Policy Committee : MPC)

➡ RBI संशोधन अधिनियम, 1934 की धारा 45ZB के तहत मौद्रिक नीति समिति का प्रावधान किया गया है। इस समिति में RBI के गवर्नर सहित कुल छः सदस्य हैं।

- यह समिति प्रत्येक दो माह पर मौद्रिक नीति की समीक्षा करती है।
- मौद्रिक नीति समिति के निर्णय RBI पर बाध्यकारी है।।
- इस समिति के निर्माण का मुख्य उद्देश्य देश में मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के साथ आर्थिक संवृद्धि को प्रोत्साहन देना तथा मौद्रिक नीति को अधिक दक्ष, उपयोगी एवं पारदर्शी बनाना है।

प्रथम द्वैमासिक मौद्रिक नीति

➡ 5 अप्रैल, 2018 को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर डॉ. उर्जित पटेल की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (Monetary Policy Committee : MPC) द्वारा 'प्रथम द्वैमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19' (First Bi-Monthly Monetary Policy Statement, 2018-19) जारी किया गया।

➡ मौद्रिक नीति समिति द्वारा घोषित प्रथम द्वैमासिक नीति में 'चलनिधि समायोजन सुविधा' (LAF) के अंतर्गत नीतिगत दरों यथा रेपो दर (Repo Rate), रिवर्स-रेपो दर (Re-Repo-Rate), बैंक दर (Bank Rate) तथा एमएसएफ दर (MSF Rate) में कोई परिवर्तन न करते हुए इसे वर्तमान स्तर (क्रमशः 6%, 5.75%, 6.25% तथा 6.25%) पर ही बनाए रखा गया है।

➡ आरक्षित अनुपातों सीआरआर (CRR) तथा एसएलआर (SLR) में भी कोई परिवर्तन न करते हुए इसे वर्तमान स्तर (4% एवं 19.5%) पर ही बनाए रखा गया है।

➡ डॉ. चेतन घटे, डॉ. पामी दुआ, डॉ. रविंद्र एच. ढोलकिया, डॉ. विरल वी. आचार्य और डॉ. उर्जित पटेल ने मौद्रिक नीतिगत निर्णय के पक्ष में मत दिया, जबकि डॉ. माइकल देवव्रत पात्रा ने नीतिगत दर में 25 आधारभूत अंकों की वृद्धि करने के पक्ष में मत दिया।

अर्थव्यवस्था की स्थिति

➡ केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) द्वारा 28 फरवरी, 2018 को जारी वर्ष 2017-18 के दूसरे अग्रिम अनुमान में भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर को 6.6 प्रतिशत अनुमानित किया गया है, जो वर्ष 2016-17 के 7.1 प्रतिशत से कम है।

➡ वर्ष 2017-18 के लिए कुल खाद्यान्न उत्पादन 277.5 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2016-17 के स्तर से 0.9 प्रतिशत अधिक है। इस अनुमान में चावल, दलहन और मोटे अनाज के उत्पादन का नया उच्च रिकॉर्ड अनुमानित है।

➡ वर्ष 2017-18 में बागवानी उत्पादन ने 305.4 मिलियन टन (1.6% की वृद्धि के साथ) की नई ऊंचाई को छुआ।

➡ खुदरा मुद्रास्फीति जिसकी माप सीपीआई (CPI) में वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन द्वारा की गई, जनवरी के 5.1 प्रतिशत से घटकर फरवरी में 4.4 प्रतिशत हो गई। ऐसा खाद्य और ईंधन की कीमतों में गिरावट के कारण हुआ।

➡ 30 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार, भारत की विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि 424.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर पर रही।

निर्यात सुगमता हेतु डिजिटल पहल

वर्तमान परिदृश्य

➡ 3 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने 'निर्यात निरीक्षण परिषद' (EIC) की 'निर्यात सुगमता हेतु डिजिटल पहलों' का शुभारंभ किया।

महत्वपूर्ण तथ्य

➡ इस अवसर पर तीन पोर्टलों यथा-सुरक्षित खाद्य निर्यात ट्रेसिबिलिटी पोर्टल (Safe Food Export Traceability Portal), एक प्रयोगशाला एक आकलन पोर्टल (One Laboratory One Assessment Portal) तथा निर्यात अलर्ट निगरानी पोर्टल (Export Alert Monitoring Portal) का शुभारंभ किया गया।

- निर्यात सुगमता को बढ़ाने तथा भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित ये पोर्टल पारदर्शी तरीके से लेन-देन में लगने वाले समय तथा लागत में कमी लाने की दृष्टि से भी सहायक होंगे।

➡ इन डिजिटल पहलों की बदौलत कृषि एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात क्षेत्र में भारत की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

निर्यात निरीक्षण परिषद

➡ ध्यातव्य है कि 'निर्यात निरीक्षण परिषद' (EIC) भारत सरकार का आधिकारिक निर्यात प्रमाणन निकाय है।

- परिषद ने विदेशी प्रवीणता परीक्षण (Proficiency Testing) प्रदाताओं पर निर्भरता कम करने हेतु मुंबई, कोलकाता एवं चेन्नई में मान्यता प्राप्त प्रवीणता परीक्षण प्रदाताओं को उपलब्ध कराकर देश के लिए विश्लेषणात्मक क्षमता बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है।

भारत मक्का सम्मेलन

वर्तमान परिदृश्य

➡ 23 मार्च, 2018 को 5वें भारत मक्का (Maize) सम्मेलन, 2018 का आयोजन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' (FICCI) के तत्वावधान में नई दिल्ली में किया गया।

➡ फिक्की (FICCI) द्वारा वर्ष 2013 से ही प्रतिवर्ष 'भारत मक्का सम्मेलन' का आयोजन किया जा रहा है।

उद्देश्य

➡ भारत मक्का सम्मेलन का उद्देश्य मक्का के क्षेत्र में उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों की रूपरेखा और मक्का के क्षेत्र की व्यावसायिक संभाव्यता के दोहन हेतु नीति तैयार करने एवं परिचालन स्तर पर आवश्यक कारवाई पर विचार करने हेतु हितधारकों को एक मंच उपलब्ध कराना है।

सम्मेलन का विवरण

➡ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने भारत मक्का सम्मेलन का उद्घाटन किया।

- इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने 'मक्का विजन, 2022' (Maize Vision, 2022) रिपोर्ट जारी की।

➡ एकदिवसीय भारत मक्का शिखर सम्मेलन में मक्का की उत्पादकता में वृद्धि, मक्का के वैकल्पिक उपयोग को प्रोत्साहन, बाजार एवं मूल्य जोखिम न्यूनीकरण तथा स्टार्च एवं चारा उद्योग हेतु मक्के की संभाव्यता आदि पर विचार-विमर्श किया गया।

➡ इस शिखर सम्मेलन में अपनी संभाव्यता के कारण 'बिहार' फोकस में रहा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ भारत में चावल एवं गेहूं के बाद मक्का तीसरी महत्वपूर्ण फसल है।

➡ भारत सरकार द्वारा 28 राज्यों के 265 जिलों में मक्का की कृषि को बढ़ावा दिया जा रहा है।

➡ भारत में मक्का की कृषि के अंतर्गत क्षेत्रफल वर्ष 2000-01 के 6.6 मिलियन हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2016-17 में 10.2 मिलियन हेक्टेयर हो गया।

➡ वर्ष 2017-18 में भारत में मक्के का उत्पादन 27 मिलियन टन अनुमानित है।

➡ वर्तमान में मक्के की उत्पादकता 2.43 टन/हेक्टेयर है।

➡ 'लुधियाना' पंजाब में 'भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान' (IIMR) स्थित है।

➡ मक्का को 'अनाजों की रानी' (Queen of Cereals) कहा जाता है।

उद्यम सखी पोर्टल

वर्तमान परिदृश्य

➡ 8 मार्च, 2018 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) द्वारा भारतीय महिला उद्यमियों के लिए 'उद्यम सखी' (www.udyamsakhi.org) नामक पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

उद्देश्य

➡ उद्यम सखी पोर्टल महिलाओं के सशक्तीकरण एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु निम्न लागत उत्पादों एवं सेवाओं के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देने और व्यावसायिक मॉडल तैयार करने का एक नेटवर्क है।

➡ उद्यम सखी निम्नलिखित कार्यों के माध्यम से महिला उद्यमियों की सहायता करता है-

(i) उद्यमिता समझ को बढ़ाना

(जैसे- व्यापार योजना तैयार करना)

(ii) ऊष्मायन (Incubation) सुविधा।

(iii) धन जुटाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

(iv) 'वन टू वन' निवेशक बैठक।

(v) व्यापार सर्वेक्षण सुविधा उपलब्ध कराना।

(vi) सीखने एवं विकास (शिक्षा, सूचना, तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण) से संबंधित तकनीकी सलाह देना।

महिला उद्यमिता

➡ विगत कुछ वर्षों में भारत में महिला उद्यमिता में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है और अधिकाधिक महिलाएं इस क्षेत्र को अपने कॅरियर के रूप में अपना रही हैं।

➡ भारत में लगभग 8 मिलियन महिलाएं हैं, जिन्होंने अपना व्यवसाय प्रारंभ किया है या संचालित कर रही हैं।

- इसके अतिरिक्त भारत में कॉर्पोरेट वरिष्ठ प्रबंधन पदों में 24 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

➡ विगत पांच दशकों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के एक बेहद जीवंत तथा गतिशील क्षेत्र के रूप में उभरा है।

- यह क्षेत्र बड़े उद्योगों की तुलना में न केवल कम लागत पर अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के औद्योगीकरण में सहायता करता है जिससे क्षेत्रीय असमानता घटती है और राष्ट्रीय आय तथा संपत्ति का समान वितरण सुनिश्चित होता है।

पूर्वोत्तर में पहला 'क्षेत्रीय कृषि केंद्र'

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ इस्राइल के सहयोग से पूर्वोत्तर (मिजोरम) में स्थापित पहले क्षेत्रीय कृषि केंद्र का उद्घाटन 7 मार्च, 2018 को किया गया।

- 8-10 करोड़ रुपये की लागत से यह कृषि केंद्र विशेष रूप से खट्टे रसदार फलों (Citrus Fruits) के प्रसंस्करण के लिए स्थापित किया गया है।

कार्यान्वयन

➡ यह परियोजना कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, मिजोरम राज्य सरकार तथा इस्राइली सरकार के सहयोग से क्रियान्वित की जाएगी।

- इस्राइल इस केंद्र हेतु विशेषज्ञता और व्यावसायिक सहयोग प्रदान करेगा।

➡ पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय भी आवश्यकतानुसार सहयोग करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ मिजोरम में स्थित यह केंद्र पूरे पूर्वोत्तर की आवश्यकताओं का ध्यान रखेगा।

➡ भारत में इस तरह के 22 परिचालन केंद्र मौजूद हैं, जिनमें हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पंजाब में स्थित केंद्र शामिल हैं।

➡ इस तरह का पहला केंद्र हरियाणा में वर्ष 2008 में स्थापित किया गया था।

➡ उल्लेखनीय है कि इस्राइल भारत के प्रत्येक राज्य में ऐसे केंद्र खोलना चाहता है।

भारत : अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियों का 12वां बड़ा धारक

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ मार्च, 2018 में अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017 के अंत तक अमेरिका की सरकारी प्रतिभूतियों के विदेशी धारकों में भारत 12वां सबसे बड़ा प्रतिभूति धारक है।

➡ वर्ष 2017 के अंत तक भारत द्वारा धारित अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियों का कुल मूल्य 147.4 अरब अमेरिकी डॉलर है।

➡ स्मरणीय है कि दिसंबर, 2016 के अंत तक भारत की परिसंपत्ति 118.2 अरब अमेरिकी डॉलर थी।

➡ ब्रिक्स देशों में भारत, अमेरिकी प्रतिभूतियों का तीसरा सबसे बड़ा धारक है।

अन्य प्रतिभूति धारक

➡ वर्ष 2017 के अंत तक चीन, अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियों के विदेशी धारकों में शीर्ष देश है, जिसकी परिसंपत्ति 1.184 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।

➡ जापान 1.06 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर परिसंपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर है।

प्रतिभूतियां

➡ उल्लेखनीय है कि प्रतिभूतियां वित्तीय दस्तावेज होती हैं, जिनका मौद्रिक मूल्य होता है।

- सरकार द्वारा जारी किया जाने वाला बॉण्ड, शेयर, ऋण-पत्र आदि प्रतिभूतियों की श्रेणी में आता है।
- प्रतिभूतियों पर प्रतिफल के रूप में निवेशक को लाभांश मिलता है न कि ब्याज।
- साधारण शब्दों में इन्हें मालिकाना हक का दस्तावेज कहा जाता है।

फसल अवशेषों के यथास्थान प्रबंधन हेतु प्रोत्साहन

वर्तमान परिदृश्य

➡ वर्ष 2018-19 के बजट भाषण में वित्तमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान हेतु नई योजना का प्रस्ताव किया था।

- इसी के दृष्टिगत 7 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 'फसल अवशेषों के यथास्थान प्रबंधन हेतु कृषि मशीनरी प्रोत्साहन' के लिए स्वीकृति प्रदान की गई।

➡ योजना के तहत केंद्र द्वारा 1151.80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 591.65 करोड़ रुपये वर्ष 2018-19 में और 560.15 करोड़ रुपये वर्ष 2019-20 में खर्च किए जाएंगे।

योजना के घटक

➡ फसल अवशेषों के यथास्थान प्रबंधन हेतु 'फार्म मशीनरी बैंक' की स्थापना करने हेतु परियोजना लागत की 80 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

- इन बैंकों से किसान किराए पर मशीनें प्राप्त कर फसल अवशेषों का यथास्थान प्रबंधन कर सकेंगे।
- इस हेतु किसानों को कृषि मशीनरी और उपकरण खरीदने के लिए मशीनरी/उपकरण लागत के 50% तक की वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी।
- इसके अतिरिक्त फसल अवशेषों के यथास्थान प्रबंधन पर जागरूकता के लिए सूचना, शिक्षा तथा संचार का प्रसार राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, आईसीएआर संस्थानों, केंद्र सरकार के संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि द्वारा कराया जाएगा।

कार्यान्वयन

➡ केंद्रीय स्तर पर यह योजना कृषि सहकारिता और किसान कल्याण विभाग द्वारा प्रशासित होगी।

➡ कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय संचालन समिति को नीति तैयार करने, राज्य सरकारों को योजना लागू करने के संबंध में समग्र निर्देश देने तथा उनका मार्गदर्शन करने एवं योजना की निगरानी, प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करने का दायित्व सौंपा गया है।

➡ राज्य स्तर पर संबंधित राज्य सरकारों के राज्य कृषि विभाग नोडल कार्यान्वयन एजेंसी होंगे।

प्रभाव

➡ फसलों के अवशेषों के अवैज्ञानिक निपटान से दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या काफी बढ़ जाती है।

- यदि उनका उचित निपटान होगा, तो यह कृषि एवं किसानों के साथ-साथ पर्यावरण की दृष्टि से भी लाभदायक होगा।

राष्ट्रीय आय : द्वितीय अग्रिम अनुमान, 2017-18

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ वित्त वर्ष 2017-18 के लिए स्थिर एवं चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय का द्वितीय अग्रिम अनुमान (Second Advance Estimates - 2nd A.E.) 28 फरवरी, 2018 को जारी किया गया।

राष्ट्रीय आय के अनुमान

➡ राष्ट्रीय आय के अनुमान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के 'केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (CSO) द्वारा स्थिर कीमतों (2011-12) एवं चालू कीमतों (Current Prices) पर जारी किए जाते हैं।

द्वितीय अग्रिम अनुमान, 2017-18

➡ वर्ष 2017-18 के द्वितीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार, स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 130.04 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।

➡ सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2016-17 के 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर की तुलना में वर्ष 2017-18 में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है।

➡ वर्ष 2017-18 में चालू कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2016-17 में 152.54 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 167.52 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।

➡ स्थिर मूल्यों पर 'सकल मूल्यवर्धन' (GVA), जो वर्ष 2016-17 में 112.48 लाख करोड़ रुपये था, उसके वर्ष 2017-18 में बढ़कर 119.64 लाख करोड़ रुपये होने की संभावना है।

➲ वर्ष 2017-18 में बुनियादी मूल्यों पर वास्तविक सकल मूल्यवर्धन की प्रत्याशित वृद्धि 6.4 प्रतिशत है, जबकि वर्ष 2016-17 में यह 7.1 प्रतिशत थी।

➡ चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय (National Income) वर्ष 2016-17 के लिए 134.93 लाख करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2017-18 में 148.40 लाख करोड़ रुपये होने की संभावना है।

➡ निवल राष्ट्रीय आय में विगत वर्ष के 11 प्रतिशत की वृद्धि दर की तुलना में वर्ष 2017-18 में 10 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

➡ वर्ष 2017-18 के दौरान स्थिर मूल्यों (2011-12) पर वास्तविक प्रति व्यक्ति आय 86,689 रुपये अनुमानित है, जो वर्ष 2016-17 के 82,229 रुपये की तुलना में 5.4% की वृद्धि को दर्शाता है।

➡ चालू मूल्यों पर वर्ष 2017-18 में प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय 1,12,764 रुपये आंकी गई है, जो वर्ष 2016-17 के 1,03,870 रुपये की तुलना में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है।

राष्ट्र आय का द्वितीय अग्रिम अनुमान, 2017-18

(लाख करोड़ रुपये में)

मद	स्थिर कीमतों (2011-12) पर			चालू कीमतों पर		
	2016-17 1st सं.अ.	**2017-18** 2nd अ.अनु.	गत वर्ष की तुलना में % परिवर्तन	**2016-17** 1st सं.अनु.	**2017-18** 2nd अ.अनु.	गत वर्ष की तुलना में % परिवर्तन
सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	121.96	130.04	6.6	152.54	167.52	9.8
शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP)	108.26	115.47	6.7	136.69	150.15	9.8
सकल मूल्यवर्धन (GVA)	112.48	119.64	6.4	138.42	151.66	9.6
सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	120.52	128.65	6.8	150.77	165.76	9.9
शुद्ध राष्ट्रीय आय (NNI)	106.82	114.08	6.8	134.93	148.40	10.0
प्रति व्यक्ति आय (रुपये में)	82229	86689	5.4	103870	112764	8.6

1st = प्रथम, 2nd = द्वितीय, सं.अ. = संशोधित अनुमान

अ.अनु. = अग्रिम अनुमान

सकल मूल्यवर्धन में (GVA) में क्षेत्रवार वृद्धि (प्रतिशत में)

क्षेत्र	स्थिर कीमतों पर आधार वर्ष 2011-12		चालू कीमतों पर	
	2016-17 प्रथम संशोधित	**2017-18** द्वितीय अग्रिम अनुमान	**2016-17** प्रथम संशोधित अनुमान	**2017-18** द्वितीय अग्रिम अनुमान
1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी	6.3	3.0	11.6	4.2
2. खनन एवं उत्खनन	13.0	3.0	10.5	13.3
3. विनिर्माण	7.9	5.1	10.1	7.8
4. बिजली, गैस, जलापूर्ति तथा अन्य सेवाएं	9.2	7.3	7.9	6.8
5. निर्माण	1.3	4.3	3.6	7.4
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएं	7.2	8.3	9.5	11.9
7. वित्तरियल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं	6.0	7.2	8.6	11.1
8. लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं	10.7	10.1	15.9	14.4
सकल मूल्यवर्धन (GVA)	7.1	6.4	10.1	9.6

ब्रह्मांड में सबसे दूर स्थित तारा

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 2 अप्रैल, 2018 को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उसने 'हबल अंतरिक्ष दूरबीन' की मदद से एक ऐसे तारे की खोज की है, जो ब्रह्मांड में अब तक देखे गए तारों में सबसे दूर स्थित है।

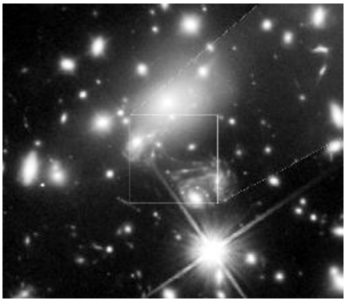

इकारस

➡ इस नव-अन्वेषित तारे को इकारस (Icarus) नाम दिया गया है।

- ➲ यह नाम यूनान के एक पौराणिक पात्र 'इकारस' के नाम पर रखा गया है।
- ➲ ऐसी मान्यता है कि यह पौराणिक पात्र अपने मोम के बने पंखों से उड़कर सूर्य के अत्यधिक निकट पहुंच गया था, जिससे उसके पंख पिघल गए थे।
- ➲ हालांकि इस तारे का आधिकारिक नाम ''MACS J1149 + 2223 Lensed Star-1'' है।

तारे का विवरण

➡ नव-अन्वेषित इकारस तारा एक सुदूर सर्पिलाकार (Spiral) आकाशगंगा में स्थित है।

- ➲ यह तारा ब्रह्मांड में इतनी दूर स्थित है कि इसके प्रकाश को पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 9 बिलियन वर्ष लग जाएंगे।
- ➲ अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार, यह तारा पृथ्वी के सूर्य की तुलना में 10 लाख गुना तक अधिक चमकीला तथा लगभग दोगुना अधिक गर्म है।
- ➲ इस अतिविशाल नीले रंग के तारे को ब्लू सुपरजायंट (Blue Supergiant) भी कहते हैं।

गुरुत्वीय लेंसिंग

➡ विश्व की सबसे बड़ी दूरबीनों की मदद से भी यह तारा बहुत धुंधला ही दिखाई पड़ेगा।

- ➲ अतः इस तारे को स्पष्ट देखने के लिए 'गुरुत्वीय लेंसिंग' (Gravitational Lensing) नामक परिघटना का प्रयोग किया गया।
- ➲ इस परिघटना के तहत इकारस तारे के अग्रभाग (Fore Ground) में स्थित आकाशगंगाओं के एक विशाल समूह ने प्राकृतिक लेंस के रूप में कार्य कर तारे के प्रकाश को परिवर्धित (Amplify) करने में मदद की।
- ➲ इकारस के मामले में पृथ्वी से 5 बिलियन प्रकाशवर्ष दूर आकाशगंगा समूह MACS J1149+2223 ने प्राकृतिक आवर्धक लेंस (Magnifying lens) के रूप में कार्य किया।

खोजकर्ता दल

➡ जिस अनुसंधानकर्ता दल ने इकारस तारे की खोज की, उसमें स्पेन तथा दक्षिण कैरोलीना विश्वविद्यालय, कोलम्बिया (अमेरिका) के वैज्ञानिक शामिल थे।

निष्कर्ष

➡ गुरुत्वीय लेंसिंग के माध्यम से इकारस की खोज से खगोलशास्त्रियों को दूरस्थ आकाशगंगाओं में स्थित एकल तारों के अध्ययन का एक नया तरीका प्राप्त हो गया है।

- ➲ इन प्रेक्षणों से तारों (विशेष रूप से सर्वाधिक चमकीले तारों) की उत्पत्ति से संबंधित विस्तृत अध्ययन संभव हो सकेगा।

हैमर अंतरिक्षयान

वर्तमान परिदृश्य

➡ अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने 'हैमर' (HAMMER : Hypervelocity Asteroid Mitigation Mission for Emergency Response) नामक अंतरिक्षयान के प्रक्षेपण की योजना बनाई है।

- ➲ इस योजना में नासा का सहयोग अमेरिका के 'राष्ट्रीय नाभिकीय सुरक्षा प्रशासन' (NNSA : National Nuclear Security Administration) और दो अन्य अमेरिकी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं द्वारा किया जा रहा है।

उद्देश्य

➡ हैमर अंतरिक्षयान को प्रक्षेपित करने का उद्देश्य पृथ्वी की ओर आ रहे क्षुद्रग्रहों के मार्ग को परिवर्तित करना अथवा उन्हें नष्ट करना है, जिससे उनकी पृथ्वी से टक्कर होने की किसी संभावना को समाप्त किया जा सके।

अंतरिक्षयान का विवरण

➡ हैमर अंतरिक्षयान की ऊंचाई लगभग 9 मीटर और वजन 8 टन होगा।

- ➲ इस यान का उपयोग काइनेटिक इंपैक्टर (धक्का देने वाला उच्च गति का अंतरिक्षयान) अथवा धक्का देने में सक्षम किसी नाभिकीय उपकरण के वाहक के रूप में किया जा सकता है।
- ➲ इस अंतरिक्षयान की मदद से पृथ्वी के लिए संभावित खतरा प्रतीत होने वाले क्षुद्रग्रहों को पृथ्वी के आकाश क्षेत्र से बाहर धकेल दिया जाएगा।

बेनू क्षुद्रग्रह

➡ हैमर अंतरिक्षयान का विकास 'बेनू' (Bennu) नामक क्षुद्रग्रह की निगरानी के लिए नासा (NASA) के कार्यक्रम का हिस्सा है।

➡ 'बेनू' क्षुद्रग्रह की कक्षा उसे प्रत्येक 6 वर्ष पर पृथ्वी के अत्यंत निकट ले आती है।

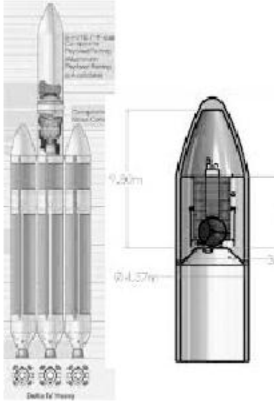

- ➲ इस क्षुद्रग्रह की सितंबर, 2135 में पृथ्वी से टकराने की संभावना व्यक्त की जा रही है।
- ➲ हालांकि इस क्षुद्रग्रह की पृथ्वी से टकराने की संभावना अत्यंत क्षीण (मात्र 0.037%) ही है।
- ➲ ज्ञातव्य है कि क्षुद्रग्रह बेनू की खोज वर्ष 1999 में हुई थी, जो वर्तमान में 63000 मील/घंटे की दर से सूर्य की परिक्रमा कर रहा है और पृथ्वी से 54 मिलियन मील दूर है।

ओसिरिस रेक्स मिशन

➡ सितंबर, 2016 में नासा द्वारा क्षुद्रग्रह बेनू के अध्ययन एवं वहां से नमूने एकत्र कर लाने के लिए 'ओसिरिस रेक्स' (Osiris-rex) मिशन का प्रक्षेपण किया गया था।

- ➲ यह मिशन 2018 में बेनू पर पहुंचेगा और नमूने लेकर वर्ष 2023 में पृथ्वी पर लौटेगा।

गगन शक्ति, 2018 सैन्य अभ्यास

वर्तमान परिदृश्य

➡ अप्रैल, 2018 में युद्ध की तैयारियों को परखने के लिए भारतीय वायु सेना द्वारा पाकिस्तान एवं चीन की सीमा के निकट 'गगन शक्ति, 2018 ' सैन्य अभ्यास आयोजित किया गया।

उद्देश्य

➡ 'गगन शक्ति, 2018' सैन्य अभ्यास का उद्देश्य छोटे एवं गहन युद्ध परिदृश्य में वायु शक्ति का वास्तविक समय समन्वय, तैनाती एवं नियोजन था।

- ➲ साथ ही किसी भी आकस्मिकता की स्थिति में भारतीय वायु सेना के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संचालन, रख-रखाव और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का समन्वय करना था।

अभ्यास का विवरण

➡ 'गगन शक्ति, 2018' का पहला चरण पाकिस्तान सीमा के निकट पोखरण में, जबकि दूसरा चरण चीन सीमा के निकट पूर्वोत्तर भाग में आयोजित किया गया।

- ➲ अभ्यास में भारतीय वायु सेना ने व्हाइट फोर्स, रेड फोर्स और ब्लू फोर्स का गठन किया था।
- ➲ गगन शक्ति, 2018 सैन्य अभ्यास भारतीय वायु सेना का अब तक का सबसे बड़ा अभ्यास था।

प्रतिभागी

➡ इस अभ्यास में 300 अधिकारियों समेत 15000 वायु सैन्यकर्मी शामिल हुए।

- ➲ अभ्यास में वायु सेना के मिग-21, मिग-27 , मिराज, जगुआर, सुखोई-30 एमकेआई विमान एवं लड़ाकू हेलीकॉप्टर शामिल हुए।
- ➲ 'गगन शक्ति, 2018' में पहली बार स्वदेश निर्मित हल्का लड़ाकू विमान 'तेजस' शामिल हुआ।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ 'गगन शक्ति, 2018 'अभ्यास में त्वरित 24 × 7 संचालन, नेटवर्क केंद्रित परिचालन, मल्टी-स्पेक्ट्रम क्षमताओं और आक्रामक गतिशील रणनीति का प्रदर्शन किया गया।

- ➲ इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना ने भारतीय थल सेना एवं नौसेना के साथ संयुक्त परिचालन अभ्यास किया।
- ➲ साथ ही खोज एवं बचाव और हताहतों को बाहर निकालने का भी अभ्यास किया गया।

खंजर-V संयुक्त सैन्य अभ्यास

वर्तमान परिदृश्य

➡ 16-29 मार्च, 2018 के मध्य भारत एवं किर्गिजिस्तान की सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'खंजर-V' (Khanjar-V) मिजोरम में संपन्न हुआ।

उद्देश्य

➡ अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के मध्य पल्टन स्तरीय (Platoon level) रणनीति को समझना, अंतरसंक्रियता का विकास करना और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करना था।

महत्वपूर्ण तथ्य

➡ यह अभ्यास भारत एवं किर्गिजिस्तान के मध्य आयोजित होने वाले वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास का 5वां संस्करण था।

- ➲ इस अभ्यास ने वैश्विक आतंकवाद के बढ़ते मामलों का सामना करने हेतु दोनों सेनाओं के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।
- ➲ अभ्यास से आतंकवादरोधी अभियान के दौरान दोनों सेनाओं में आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पृष्ठभूमि

➡ भारत एवं किर्गिजिस्तान की सेनाओं के पहले संयुक्त सैन्य अभ्यास 'खंजर-I' का आयोजन वर्ष 2011 में हुआ था।

- ➲ दोनों देशों की सेनाओं का दूसरा संयुक्त अभ्यास वर्ष 2015 में आयोजित हुआ, जबकि खंजर-III अभ्यास का आयोजन मार्च-अप्रैल, 2016 में ग्वालियर में किया गया था।
- ➲ भारत एवं किर्गिजिस्तान की सेनाओं के 'खंजर-IV' संयुक्त सैन्य अभ्यास का आयोजन फरवरी-मार्च, 2017 में किर्गिजिस्तान में हुआ था।
- ➲ ज्ञातव्य है कि जुलाई, 2015 में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किर्गिजिस्तान यात्रा के दौरान दोनों देशों की सेनाओं का संयुक्त अभ्यास वार्षिक आधार पर आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया था।

नौसैन्य अभ्यास गल्फ स्टार-1

वर्तमान परिदृश्य

➡ 17-22 मार्च, 2018 के मध्य अबू धाबी तट (संयुक्त अरब अमीरात) में भारत एवं संयुक्त अरब अमीरात की नौसेनाओं का द्विपक्षीय नौसैन्य अभ्यास 'गल्फ स्टार-1' (Gulf Star-1) आयोजित हुआ।

उद्देश्य

➡ संयुक्त नौसैन्य अभ्यास 'गल्फ स्टार-1' का उद्देश्य भारत और संयुक्त अरब अमीरात के मध्य द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना है।

अभ्यास का विवरण

➡ 'गल्फ स्टार-1' भारत एवं संयुक्त अरब अमीरात की नौसेनाओं का पहला द्विपक्षीय संयुक्त नौसैन्य अभ्यास है।

- ➲ अभ्यास में भारतीय नौसेना के निर्देशित मिसाइल युद्धपोत आईएनएस गोमती और आईएनएस कोलकाता (विध्वंसक पोत) शामिल हुए।
- ➲ अभ्यास का बंदरगाह चरण 17 मार्च, 2018 को पोर्ट जायेद (Port Jayed) अबू धाबी में प्रारंभ हुआ, जबकि अभ्यास का समुद्री चरण 20 मार्च, 2018 को प्रारंभ हुआ था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ ज्ञातव्य है कि दिसंबर, 2017 में भारत एवं संयुक्त अरब अमीरात की 'संयुक्त रक्षा सहयोग समिति' की बैठक में दोनों देशों के मध्य पहला नौसैन्य अभ्यास वर्ष 2018 में आयोजित करने का निर्णय लिया गया था।

- ➲ दोनों देशों के मध्य वर्ष 2014 में रक्षा सहयोग समझौते का नवीनीकरण किया गया था।
- ➲ उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10-11 फरवरी, 2018 के मध्य संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा की थी।

ब्रह्मोस मिसाइल

वर्तमान परिदृश्य

➡ 22 मार्च, 2018 को राजस्थान के पोखरण परीक्षण रेंज से विश्व की द्रुततम सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का सफल परीक्षण किया गया।

स्वदेशी सीकर

➡ यह परीक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह प्रथम अवसर था, जब स्वदेशी सीकर (Indigenous Seeker) के साथ ब्रह्मोस का परीक्षण किया गया।

➲ उल्लेखनीय है कि अभी तक भारतीय मिसाइलों में रूस निर्मित सीकर का प्रयोग किया जाता था।

➲ स्वदेशी सीकर का विकास अनुसंधान केंद्र इमारत, हैदराबाद द्वारा डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के सहयोग से किया गया है।

➡ उल्लेखनीय है कि सीकर प्रौद्योगिकी किसी मिसाइल की परिशुद्धता (accuracy) को निर्धारित करती है।

➲ यह प्रौद्योगिकी लक्ष्य को पता लगाकर मिसाइल को वहां पहुंचने में मदद करती है।

ब्रह्मोस मिसाइल

➡ सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस 2.8 मैक की गति से 290 किमी. तक मार कर सकती है।

➲ 'मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजाइम' (MTCR) में भारत के प्रवेश के पश्चात ब्रह्मोस मिसाइल की मारक क्षमता बढ़ाकर 400 किमी. कर दी गई है।

➲ ब्रह्मोस मिसाइल की मारक क्षमता बढ़ाकर 600 किमी. किए जाने की योजना है।

➡ ब्रह्मोस मिसाइल के प्रथम चरण में ठोस प्रणोदक बूस्टर इंजन लगा है, जो मिसाइल को आरंभिक गति प्रदान करता है।

➲ मिसाइल के द्वितीय चरण में संलग्न तरल रैमजेट इंजन मिसाइल को क्रूज अवस्था में लगभग 3 मैक की गति प्रदान करता है।

➡ ब्रह्मोस मिसाइल को भारतीय थल सेना और नौसेना में शामिल किया जा चुका है।

➲ वायु सेना में ब्रह्मोस मिसाइल को शामिल किए जाने के लिए परीक्षण किए जा रहे हैं।

➡ ब्रह्मोस एक द्विचरणीय सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है।

➲ ब्रह्मोस मिसाइल भारत एवं रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है तथा इसका नामकरण भारत की ब्रह्मपुत्र एवं रूस की मस्कवा नदी के नाम पर किया गया है।

➡ नवंबर, 2017 में पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल का सुखोई-30 एमकेआई विमान से सफल परीक्षण किया गया था।

भारतीय तटरक्षक नौका सी-437

वर्तमान परिदृश्य

➡ देश के पश्चिमी तट की सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयासों के तहत 17 मार्च, 2018 को पोरबंदर, गुजरात में इंटरसेप्टर नौका सी-437 को भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किया गया।

विशेषताएं

➡ सी-437 नौका की लंबाई 27.8 मीटर और विस्थापन 106 टन है।

➲ इस नौका की अधिकतम गति 45 नॉट (Knots) है।

➲ यह नौका विभिन्न तरह के कार्य, जैसे-निगरानी, खोज एवं बचाव और समुद्र में संकटग्रस्त नौकाओं की सहायता करने में सक्षम है।

➲ यह नौका किसी भी समुद्री स्थिति से निपटने की क्षमता सहित उन्नत नेवीगेशन और संचार उपकरणों से लैस है।

➲ इस नौका को तटरक्षक क्षेत्र (उत्तर-पश्चिम) के कमांडर प्रशासनिक और संचालन नियंत्रण के अधीन जखाऊ (गुजरात) में तैनात किया जाएगा।

निष्कर्ष

➡ गश्ती नौका सी-437 की तैनाती तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के भारतीय तटरक्षक बल के प्रयासों का हिस्सा है।

➲ इस नौका से पश्चिमी तट की सुरक्षा को मजबूती प्राप्त होगी और घुसपैठ, तस्करी और अवैध मत्स्ययन जैसी अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए गश्त बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

विंग्स इंडिया, 2018

वर्तमान परिदृश्य

➡ 8-11 मार्च, 2018 के मध्य बेगमपेट हवाईअड्डा, हैदराबाद में नागरिक उड्डयन पर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन 'विंग्स इंडिया, 2018' (Wings India, 2018) का आयोजन किया गया।

मुख्य विषय

➡ चार दिवसीय द्विवार्षिक आयोजन 'विंग्स इंडिया, 2018' का मुख्य विषय 'भारत-वैश्विक विमानन केंद्र' (India-Global Aviation Hub) था।

कार्यक्रम का विवरण

➡ इस कार्यक्रम का आयोजन नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (AAI) और फिक्की (FICCI) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

➲ विंग्स इंडिया कार्यक्रम में 11 देशों नामत : संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, यूनाइटेड किंगडम, रूस, सिंगापुर, फ्रांस, जर्मनी, मलेशिया, हांगकांग, इटली और ईरान के प्रतिनिधि शामिल हुए।

➲ समारोह में भारत एवं विश्व के 125 प्रदर्शक (exhibitors) शामिल हुए।

➲ समारोह के दौरान एटीआर, होंडा, टू्जेट, गल्फस्ट्रीम, बोइंग, एम्ब्रेयर, डसॉल्ट, क्लब वन एयर, एयरोटेक, जूम एयर, एयर इंडिया, एनएएल आदि 15 वायुयानों का प्रदर्शन किया गया।

➡ विंग्स इंडिया, 2018 में भारत में क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए शहरों एवं कस्बों के संयोजन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

विंग्स इंडिया अवॉर्ड

➡ समारोह के दौरान पहली बार 8 मार्च, 2018 को विमानन क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने के लिए विमानन-संबंधित कंपनियों/संस्थानों/संगठनों को 14 श्रेणियों में 'विंग्स इंडिया अवॉर्ड' प्रदान किए गए।

भारतीय नागरिक उड्डयन बाजार

➡ वर्तमान में भारत विश्व का 9वां सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन बाजार है।

➲ भारत के नागरिक उड्डयन बाजार का आकार लगभग 16 बिलियन डॉलर है।

➲ ऐसा अनुमान है, कि भारत वर्ष 2026 तक विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तथा वर्ष 2030 तक विश्व का सबसे बड़ा विमानन बाजार बन जाएगा।

रूस द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

वर्तमान परिदृश्य

➡ मार्च, 2018 में रूस द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइल 'किंझल' (Kinzhal) का सफल परीक्षण किया गया।

➡ उच्च परिशुद्धता वाली किंझल मिसाइल का प्रक्षेपण मिग-31 सुपरसोनिक इंटरसेप्टर जेट विमान से किया गया।

किंझल मिसाइल : विशेषताएं

➡ रूसी भाषा के शब्द 'किंझल' का अर्थ 'खंजर' (Dagger) होता है।

➲ 8 मीटर लंबी और 1 मीटर व्यास वाली इस मिसाइल का वेग, ध्वनि के वेग का 10 गुना है।

➲ यह मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली से बच निकलने में सक्षम है।

➲ वायु से सतह में मार करने वाली इस मिसाइल की मारक क्षमता 2000 किमी. (1200 मील) है।

➲ यह मिसाइल 480 किग्रा. का परंपरागत एवं नाभिकीय युद्ध-शीर्ष (War-head) ले जाने में सक्षम है।

➡ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किंझल मिसाइल को 'एक आदर्श हथियार' (An Ideal Weapon) कहा है।

➲ रूस द्वारा किंझल मिसाइल को मिग-31 सुपरसोनिक जेट में संलग्न किया जाएगा।

➲ इस मिसाइल का उद्देश्य जल एवं थल से उत्पन्न खतरों को नष्ट करना है।

➲ 1 मार्च, 2018 को रूसी राष्ट्रपति ने अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में अगली पीढ़ी के नाभिकीय हथियारों की श्रृंखला की घोषणा की थी, जिसमें किंझल मिसाइल भी शामिल है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➡ सुपरसोनिक मिसाइल का वेग 1-5 मैक होता है, जबकि हाइपरसोनिक मिसाइल का वेग 5-10 मैक तक होता है।

➲ ब्रह्मोस मार्क-II भारत-रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की जा रही एक हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल है।

➲ उल्लेखनीय है कि जहां ब्रह्मोस मिसाइल 2.8 मैक की गति से मार करती है, वहीं इसके मार्क-II संस्करण (ब्रह्मोस मार्क-II) की गति 7 मैक होगी।

दस्तक अभियान

वर्तमान परिप्रेक्ष्य

➡ 5 फरवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा डोर-टू-डोर 'दस्तक जे.ई./ए.ई.एस. संचार अभियान' का शुभारंभ किया गया। यह अभियान यूनीसेफ (UNICEF) तथा राज्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा।

उद्देश्य

➡ दस्तक जे.ई./ए.ई.एस. संचार अभियान का उद्देश्य जनजागरण और जनसहभागिता के माध्यम से जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुके जापानी एंसेफेलाइटिस/एक्यूट इंसेफेलाइटिस के उन्मूलन का प्रयास करना है।

महत्वपूर्ण तथ्य

➡ उत्तर प्रदेश के 38 जनपद एक्यूट एंसेफेलाइटिस (ए.ई.एस.) व जापानी एंसेफेलाइटिस (जे.ई.) से सर्वाधिक प्रभावित हैं।

➡ कुपोषण भी इस बीमारी का एक कारण है। इसलिए गर्भवती महिलाओं व नवजात बच्चों को पुष्टाहार व जरूरी दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार कार्य कर रही है।

➡ राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। इसके दृष्टिगत 617 गांवों में सघन टीकाकरण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

➡ एंसेफेलाइटिस के उपचार में बचाव का सर्वाधिक महत्व है। स्वच्छता अपनाकर कई बीमारियों से निजात पाई जा सकती है।

क्या है जापानी एंसेफेलाइटिस?

➡ जापानी एंसेफेलाइटिस एक संक्रामक बीमारी है, जो एक फ्लैविवाइरस (Flavivirus) के संक्रमण से होती है। इस रोग का प्रथम मामला वर्ष 1871 में जापान में दर्ज किया गया था। इस बीमारी के वाहक क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छर होते हैं। यह रोग विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और कम प्रतिरक्षा क्षमता वाले कमजोर व्यक्तियों में ज्यादा होता है।

चर्चित व्यक्ति

❑ डॉ. अशोक लाहिड़ी

➡ पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार; केंद्र सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग के पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त। (3 मई, 2018)

❑ सितांशु कार

➡ भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; भारत सरकार के 27वें प्रधान प्रवक्ता और पत्र सूचना कार्यालय (PIB) के महानिदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। (1 मई, 2018)

❑ अशोक मित्रा

➡ पश्चिम बंगाल के पूर्व वित्त मंत्री (वाम मोर्चा सरकार के पहले वित्त मंत्री) एवं भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार का निधन। (1 मई, 2018)

- ➲ वह ज्योति बसु के नेतृत्व वाली सरकार में वर्ष 1977 से 1987 तक पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री रहे।
- ➲ वर्ष 1970 से 1972 तक वे भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी रहे।

❑ सुभाष चंद्र खुंतिया

➡ भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI) के अध्यक्ष नियुक्त। (1 मई, 2018)

- ➲ **कार्यकाल**-3 वर्ष
- ➲ इस पद पर वह टी.एस. विजयन का स्थान लेंगे।

❑ पवन कुमार चामलिंग

➡ सिक्किम के मुख्यमंत्री; देश में लगातार सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति बने। (30 अप्रैल, 2018)

- ➲ उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे ज्योति बसु का रिकॉर्ड तोड़ा।
- ➲ गौरतलब है कि 30 अप्रैल, 2018 को पवन चामलिंग ने अपने पद पर 23 वर्ष, 4 महीने और 18 दिन पूरे किए।

➡ उन्होंने पहली बार 12 दिसंबर, 1994 को राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

❑ एस. जयशंकर

➡ पूर्व विदेश सचिव; टाटा संस द्वारा टाटा समूह के वैश्विक कॉर्पोरेट मामलों के प्रमुख नियुक्त। (23 अप्रैल, 2018)

- ➲ वे टाटा समूह के वैश्विक कॉर्पोरेट और अंतरराष्ट्रीय रणनीति से जुड़े मामले देखेंगे।

❑ न्यायमूर्ति राजिंदर सच्चर

➡ दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश का निधन। (20 अप्रैल, 2018)

- ➲ वे 6 अगस्त से 22 दिसंबर, 1985 तक दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रहे।
- ➲ वह पूर्ववर्ती यूपीए सरकार द्वारा वर्ष 2005 में भारत के मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्थिति का आकलन करने हेतु गठित 'सच्चर समिति' के अध्यक्ष थे।

❑ बृज लाल

➡ पूर्व डीजीपी एवं सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी; उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग के अध्यक्ष नियुक्त। (18 अप्रैल, 2018)

- ➲ लालजी प्रसाद को उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

❑ दिलीप चिनॉय

➡ भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (FICCI) के महासचिव नियुक्त। (17 अप्रैल, 2018)

❑ राम कुमार

➡ प्रसिद्ध चित्रकार का निधन। (14 अप्रैल, 2018)

- ➲ केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 1972 में पद्मश्री तथा वर्ष 2010 में पद्मभूषण से सम्मानित।
- ➲ इसके अलावा मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1986 में 'कालिदास' सम्मान से सम्मानित।

❑ भानु प्रताप शर्मा

➡ पूर्व सचिव, डीओपीटी (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग); केंद्र सरकार द्वारा बैंक्स बोर्ड ब्यूरो (BBB) के अध्यक्ष नियुक्त। (12 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस पद पर इन्होंने विनोद राय का स्थान लिया।
- ➲ इसके अतिरिक्त क्रेडिट सुइस इंडिया की पूर्व प्रबंध निदेशक वेदिका भंडारकर, एसबीआई के पूर्व प्रबंध निदेशक पी. प्रदीप कुमार एवं क्रिसिल के संस्थापक प्रदीप पी. शाह बैंक्स बोर्ड ब्यूरो के सदस्य नियुक्त हुए।

➡ इसके अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 2 वर्ष होगा।

➡ ज्ञातव्य है कि बैंक्स बोर्ड ब्यूरो की स्थापना वर्ष 2016 में हुई थी।

❑ राजेश रंजन

➡ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी; केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के महानिदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण। (10 अप्रैल, 2018)

- ➲ **कार्यकाल**-30 नवंबर, 2020 तक।

❑ अनीश सूद

➡ प्रसिद्ध भारतीय इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक आर्टिस्ट और संगीत निर्माता; लंदन में आयोजित 16वें वार्षिक इंडिपेंडेंट म्यूजिक अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ इलेक्ट्रॉनिका/डांस सिंगल का खिताब जीता। (8 अप्रैल, 2018)

- ➲ यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले वह पहले भारतीय आर्टिस्ट हैं।
- ➲ उन्हें यह अवॉर्ड उनके गीत 'स्टारी नाइट' (Starry Night) के लिए दिया गया।

❑ पीटर ग्रुनबर्ग

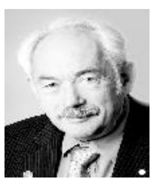

➡ जर्मनी के प्रसिद्ध भौतिकविद् एवं नोबेल पुरस्कार विजेता, का निधन। (7 अप्रैल, 2018)

- ➲ उन्होंने डिजिटल डेटा स्टोरेज के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने का काम किया था।
- ➲ उन्हें वर्ष 2007 में फ्रेंच वैज्ञानिक अल्बर्ट फर्ट के साथ संयुक्त रूप से भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

❑ पार्क ग्यून-हाई

➡ दक्षिण कोरिया की पूर्व राष्ट्रपति, भ्रष्टाचार के आरोप में 24 वर्ष का कारावास। (6 अप्रैल, 2018)

- ➲ उन्हें सत्ता के दुरुपयोग और रिश्वतखोरी समेत कई आपराधिक मामलों में दोषी करार दिया गया।
- ➲ ज्ञातव्य है कि वर्ष 2013 में वह दक्षिण कोरिया की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गईं थीं।

❑ जुलियस माडा बिओ

➡ सिएरा लियोन के राष्ट्रपति निर्वाचित। (4 अप्रैल, 2018)

- ➲ चुनाव में सिएरा लियोन पीपुल्स पार्टी के बिओ को 51.81 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

❑ विनीत जोशी

➡ भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA : National Testing Agency) के पहले महानिदेशक नियुक्त। (30 मार्च, 2018)

- ➲ **कार्यकाल**-5 वर्ष।

❑ चंद्रभूषण कुमार

➡ भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा देश के उपचुनाव आयुक्त नियुक्त। (30 मार्च, 2018)

- ➲ **कार्यकाल**-5 वर्ष।

❑ विन मिंत

➡ नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के वरिष्ठ नेता; म्यांमार के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। (30 मार्च, 2018)

❑ इंदु भूषण

➡ केंद्र सरकार द्वारा 'आयुष्मान भारत-राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण मिशन' (ABNHPM) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त। (27 मार्च, 2018)

- ➲ **कार्यकाल**-2 वर्ष।

❑ के. विजय राघवन

➡ प्रसिद्ध जीवविज्ञानी, भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त। (26 मार्च, 2018)

- ➲ **कार्यकाल**-3 वर्ष।
- ➲ इस पद पर इन्होंने प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी आर. चिदंबरम का स्थान लिया।

❑ प्रो. जे.एस. राजपूत

➡ प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री एवं एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक; केंद्र सरकार द्वारा यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड में भारत के प्रतिनिधि के तौर पर नामित। (25 मार्च, 2018)

❑ इंदु मल्होत्रा

➡ वरिष्ठ अधिवक्ता; उच्चतम न्यायालय की नई न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण। (27 अप्रैल, 2018)

- ➲ उल्लेखनीय है कि वह देश की पहली ऐसी महिला अधिवक्ता हैं, जो अधिवक्ता से सीधे उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बनीं।

अन्य चर्चित व्यक्ति

- **निकोल पासिन्यान–** आर्मेनिया के प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण। (8 मई, 2018)
- **राजीव कुमार नागपाल–** भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा वेनेजुएला में भारत के राजदूत नियुक्त। (26 अप्रैल, 2018)
- **कृष्ण कुमार–** भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा नॉर्वे में भारत के राजदूत नियुक्त। (26 अप्रैल, 2018)
- **नरिंदर चौहान–** भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा चेक गणराज्य में भारत के राजदूत नियुक्त। (26 अप्रैल, 2018)
- **सुरेश कुमार–** भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और कोयला मंत्रालय में सचिव; कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (MD) का अतिरिक्त कार्यभार संभाला। (23 अप्रैल, 2018)
- **संजय भट्टाचार्या–** भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा तुर्की गणराज्य में भारत के राजदूत नियुक्त। (19 अप्रैल, 2018)
- **राहुल कुलश्रेष्ठ–** भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी, केंद्र सरकार द्वारा मिस्र में भारत के राजदूत नियुक्त। (19 अप्रैल, 2018)
- **मेहदी हैदर उर्फ अंजुम जौनपुरी–** उर्दू के प्रसिद्ध शायर का निधन। (17 अप्रैल, 2018)
- **ले. जनरल पी.पी. मल्होत्रा–**राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण। (17 अप्रैल, 2018)
- **बारबरा पियर्स बुश–** अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला का निधन। (17 अप्रैल, 2018)
- **श्रीप्रिया रंगनाथन–** भारतीय विदेश सेवा की अधिकारी; केंद्र सरकार द्वारा दक्षिण कोरिया में भारत की राजदूत नियुक्त। (11 अप्रैल, 2018)
- **राकेश भारती मित्तल–**भारती इंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष; वर्ष 2018-19 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के अध्यक्ष चुने गए। (9 अप्रैल, 2018)
- **कोल्लम अजीत–** मलयालम फिल्मों में खलनायक की भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध अभिनेता का निधन। (5 अप्रैल, 2018)
- **संजीव नौटियाल–** एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त। (3 अप्रैल, 2018)
- **डॉ. हेमंत बिस्वा सरमा–** असम सरकार में कैबिनेट मंत्री और उत्तर-पूर्वी डेमोक्रेटिक एलायंस के संयोजक; भारतीय बैडमिंटन संघ (BAI) के अध्यक्ष निर्वाचित। (3 अप्रैल, 2018)
- **गाकु नाकानिशी–** होंडा कार्स इंडिया के नए अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण। (2 अप्रैल, 2018)
- **विनी मंडेला–** दक्षिण अफ्रीकी स्वतंत्रता सेनानी एवं रंगभेद विरोधी आंदोलन के प्रमुख नेता नेल्सन मंडेला की पूर्व पत्नी का निधन। (2 अप्रैल, 2018)
- **एम.एल. श्रीवास्तव–** संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव (अकादमी); राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा ललित कला अकादमी के अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त। (31 मार्च, 2018)
- **आर.के. डोरेन्द्र सिंह–** मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री का निधन। (30 मार्च, 2018)
- **ले. जनरल हरपाल सिंह–** सीमा सड़क संगठन (BRO) के महानिदेशक नियुक्त। (28 मार्च, 2018)
- **मिगुएल डिजाज केनल–** क्यूबा के राष्ट्रपति नियुक्त (अप्रैल, 2018)
- **बालेश शर्मा–** वोडाफोन समूह और आदित्य बिड़ला समूह द्वारा विलयित इकाई (Merged Entity) 'वोडाफोन-आईडिया इंडिया' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त। (22 मार्च, 2018)
- **प्रवीर सिन्हा–** टाटा पॉवर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक नियुक्त। (23 मार्च, 2018)
- **विष्णु सदाशिव कोकजे–**हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल; विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए।

चर्चित स्थल

❑ पूर्वी गोदावरी जिला

➡ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा आंध्र प्रदेश का पूर्वी गोदावरी जिला शत-प्रतिशत एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग वाला जिला घोषित। (24 अप्रैल, 2018)

- ➲ यह शत-प्रतिशत एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग वाला देश का पहला जिला है।
- ➲ इस जिले में लगभग 3.1 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग की स्थापना हेतु संचालित ग्रामीण एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग कार्यक्रम पूर्ण हुआ, जिससे लगभग 34 मिलियन यूनिट वार्षिक विद्युत की बचत होगी।

❑ शाहजहांपुर

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में नगरपालिका परिषद शाहजहांपुर, नगर पंचायत रौजा एवं सीमावर्ती 14 राजस्व ग्रामों को मिलाकर नगर निगम शाहजहांपुर बनाए जाने का निर्णय। (24 अप्रैल, 2018)

- ➲ यह प्रदेश का 17वां नगर निगम है।

❑ ईरान

➡ ईरान के केंद्रीय बैंक द्वारा देश के बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को बिटकॉइन सहित क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। (22 अप्रैल, 2018)

CENTRAL BANK OF THE ISLAMIC REPUBLIC OF IRAN

➡ क्रिप्टोकरेंसी मुद्रा का उपयोग काले धन को वैध बनाने और आतंकवाद को वित्त पोषित करने हेतु किया जाता है, इन कारणों का हवाला देकर यह प्रतिबंध लगाया गया है।

❑ तेलंगाना

➡ तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा राज्य सरकार की नौकरियों में खिलाड़ियों को 2 प्रतिशत आरक्षण प्रदत्त किए जाने की घोषणा। (21 अप्रैल, 2018)

- ➲ वर्तमान में इस राज्य में शैक्षणिक संस्थानों में 2 प्रतिशत सीटें खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं।

❑ करंग

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर स्थित करंग को देश का पहला नगद रहित द्वीप बनाने और वस्तु एवं सेवा कर (GST) और केंद्र की अन्य प्राथमिक पहलों को लागू करने के लिए अधिकारियों को सम्मानित किया। (21 अप्रैल, 2018)

- ➲ करंग द्वीप एक दूरस्थ और पिछड़ा क्षेत्र है, जिसे लंबी अवधि तक विद्रोह के कारण विष्णुपुर जिले से अलग किया गया था।

❑ दिल्ली

➡ दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल द्वारा दिल्ली में बिजली कटौती पर मुआवजा देने से संबंधित दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी। (19 अप्रैल, 2018)

- ➲ इससे पूर्व 16 अप्रैल को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस नीति को अपनी स्वीकृति प्रदान की थी।
- ➲ बिजली उपभोक्ता मुआवजा नीति लागू करने वाला दिल्ली देश का पहला राज्य है।
- ➲ इस नीति के तहत बिजली वितरण कंपनियों को पहले दो घंटे के लिए बिजली कटौती पर 50 रुपये प्रति घंटे और दो घंटे से अधिक की बिजली कटौती की स्थिति में 100 रुपये प्रति घंटे की दर से उपभोक्ताओं को मुआवजा (हर्जाना) देना होगा।

❑ बोधजुंग नगर

➡ त्रिपुरा मंत्रिपरिषद द्वारा मोहनपुर ब्लॉक के बोधजुंग नगर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हेतु 50.67 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत। (12 अप्रैल, 2018)

- ➲ कुल 128 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना हेतु केंद्र सरकार 73.60 करोड़ रुपये की राशि प्रदान करेगी, जबकि राज्य सरकार 44.80 करोड़ रुपये और औद्योगिक भागीदारों द्वारा 9.60 करोड़ रुपये की राशि मुहैया कराये जाने की संभावना है।

➡ परियोजना हेतु उत्तर-पूर्वी इलेक्ट्रिक पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NEEPCO) और ओएनजीसी जैसी कंपनियों द्वारा वित्तीय सहयोग की पेशकश की गई है।

❑ ऑस्ट्रिया

➡ ऑस्ट्रिया की सरकार द्वारा देश में प्ले और प्राइमरी स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं के हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाया जाना प्रस्तावित। (अप्रैल, 2018)

- ➲ यह प्रतिबंध 10 या 11 वर्ष तक की आयु वर्ग की लड़कियों पर लागू होगा।

❑ बांग्लादेश

➡ बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा सरकारी नौकरियों में आरक्षण खत्म करने की घोषणा। (11 अप्रैल, 2018)

- ➲ ज्ञातव्य है कि बांग्लादेश में छात्रों द्वारा सरकारी नौकरियों में पिछड़ा वर्ग, स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों और महिलाओं को प्रदत्त आरक्षण की समाप्ति हेतु विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था।

❑ अगरतला

➡ त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब द्वारा अगरतला में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के राज्य घटक का शुभारंभ। (7 अप्रैल, 2018)

- ➲ इसके अंतर्गत वर्ष 2020 तक राज्य में एक लाख 16 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है।
- ➲ कौशल विकास निदेशालय के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) के राज्य घटक को कार्यान्वित करने वाला त्रिपुरा पूर्वोत्तर का पहला राज्य है।

❑ पठानकोट हवाई अड्डा

➡ उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक)-क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (RCS) के तहत 21वें हवाई अड्डे के रूप में पठानकोट हवाई अड्डे पर परिचालन प्रारंभ। (5 अप्रैल, 2018)

- ➲ योजनांतर्गत दिल्ली से पठानकोट तक की पहली उड़ान का शुभारंभ नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल 3 से नागरिक उड्डयन मंत्री सुरेश प्रभु ने किया।

❑ मंडी

➡ हिमाचल प्रदेश विधानसभा में राज्य के पहले क्लस्टर विश्वविद्यालय के संबंध में प्रस्तुत विधेयक सर्वसम्मति से पारित। (5 अप्रैल, 2018)

➡ हिमाचल प्रदेश का यह पहला क्लस्टर विश्वविद्यालय 'मंडी' में स्थापित किया जाएगा।

➲ इस विश्वविद्यालय का नाम सरदार वल्लभभाई पटेल विश्वविद्यालय होगा।

❑ सोनीपत

➡ हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और केंद्रीय मानव संसाधन एवं जल संसाधन तथा नदी विकास राज्य मंत्री सत्यपाल मलिक द्वारा संयुक्त रूप से राजीव गांधी एजुकेशन सिटी, सोनीपत में नवनिर्मित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली टेक्नो पार्क (निर्माण राशि 175 करोड़ रुपये) का उद्घाटन। (3 अप्रैल, 2018)

➲ इस अवसर पर हरियाणा सरकार व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के मध्य एक समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ।

➲ समझौता-ज्ञापन के अंतर्गत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली हरियाणा के इंजीनियरिंग एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराएगा।

➡ राज्य के शोधार्थियों को भी इस टेक्नो पार्क में शोध एवं अनुसंधान की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

❑ मेघालय

➡ गृह मंत्रालय द्वारा मेघालय में लागू सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम पूर्णत: हटा लिया गया। (1 अप्रैल, 2018)

➲ मेघालय में इसे हटाने का फैसला विगत चार वर्षों में सुरक्षा की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार के दृष्टिगत लिया गया है।

➡ मेघालय एडवेंचर्स एसोसिएशन द्वारा 'क्रेम पुरी' गुफा की वास्तविक लंबाई (24,583 मीटर) का मापन किया गया। (मार्च, 2018)

➲ वर्ष 2016 में मेघालय में विश्व की सबसे लंबी बलुआ पत्थर से निर्मित गुफा 'क्रेम पुरी' की खोज की गई थी, जो पूर्व खासी पहाड़ी जिले के मॉसिनराम क्षेत्र में लैत्सोहुम (Laitsohum) गांव के पास स्थित है।

➲ सामान्य श्रेणी में भारत की दूसरी सबसे लंबी गुफा 'क्रेमपुरी' विश्व में मौजूदा सूचीबद्ध वेनेजुएला में स्थित बलुआ पत्थर की गुफा 'क्यूएवा डेल समन' (लंबाई 18,200 मीटर) से 6,000 मीटर अधिक लंबी है।

➡ इस गुफा प्रणाली में डायनासोर के जीवाश्म प्राप्त हुए हैं।

❑ गाजियाबाद

➡ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गाजियाबाद जिले में निर्मित देश की सबसे लंबी हिंडन एलीवेटेड रोड (6 लेन) का उद्घाटन। (30 मार्च, 2018)

➲ इस रोड की लंबाई 10.30 किमी. है, जो यूपी गेट से राजनगर एक्सटेंशन तक निर्मित है।

❑ रूपनगढ़

➡ केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर द्वारा अजमेर के रूपनगढ़ गांव में स्थापित ग्रीनटेक मेगाफूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड (निर्माण लागत राशि 113.57 करोड़ रुपये) का शुभारंभ। (29 मार्च, 2018)

➲ यह राजस्थान राज्य में स्थापित पहला मेगा फूड पार्क है।

➲ 85.44 एकड़ भूमि पर निर्मित इस मेगा फूड पार्क में एक केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना के साथ ही जयपुर, नागौर, टोंक और चुरू में 4 प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

❑ न्यू जर्सी

➡ अमेरिकी राज्य न्यू जर्सी द्वारा अप्रैल माह को 'सिख जागरूकता और प्रशंसा माह' (Sikh Awareness and Appreciation Month) के रूप में मनाए जाने की घोषणा। (29 मार्च, 2018)

➲ इस प्रकार की घोषणा करने वाला यह अमेरिका का तीसरा राज्य है।

➲ डेलावेयर और इंडियाना ने मार्च, 2018 के प्रारंभ में इसी प्रकार का प्रस्ताव पारित किया था, परंतु इन्होंने न्यू जर्सी के विपरीत इस वर्ष अप्रैल माह को क्रमश: 'सिख विरासत माह' और 'सिख जागरूकता माह' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी।

❑ बाल्ली स्टेशन

➡ कोंकण रेलवे के बाल्ली स्टेशन पर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (81300 वर्ग क्षेत्र में विकसित) का उद्घाटन। (28 मार्च, 2018)

➲ इस पार्क के निर्माण हेतु कोंकण रेलवे और कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकोर) के मध्य समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ था।

➲ यह लॉजिस्टिक्स पार्क घरेलू और एक्जिम कंटेनर यातायात दोनों का संचालन करने में सक्षम है।

❑ चंडीगढ़

➡ चंडीगढ़, ट्रैफिक प्रबंधन हेतु डिजिटल डिस्प्ले के साथ स्वचालित स्पीडगन कैमरा स्थापित करने वाला उत्तर भारत का पहला शहर बना। (मार्च, 2018)

➲ प्रारंभ में एक पायलट परियोजना के रूप में डिजिटल कैमरे मात्र कुछ स्थानों पर स्थापित किए गए हैं, किंतु इसकी

सफलता के बाद चंडीगढ़ में सभी प्रमुख सड़कों पर यह कैमरे स्थापित किए जाएंगे।

- ➲ चंडीगढ़ पुलिस द्वारा स्थापित किए गए ये हाइटेक डिजिटल स्पीडगन कैमरे नाइट विजन (रात्रि दृष्टि) प्रौद्योगिकी से लैस हैं, जो आसानी से आने वाले वाहन की गति को रिकॉर्ड कर सकते हैं।

❑ सूरत

➡ सूरत (गुजरात) देश में शत-प्रतिशत सौर ऊर्जा से संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) वाला पहला जिला बना। (मार्च, 2018)

- ➲ इस जिले में स्थित सभी 52 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सौर ऊर्जा द्वारा संचालित हैं।

❑ बुरहानपुर

➡ मध्य प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा बुरहानपुर जिले में राष्ट्रीय पोषण मिशन के राज्यस्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ। (26 मार्च, 2018)

- ➲ इस मिशन के अंतर्गत प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को एक स्मार्टफोन प्रदान किया गया जिसमें कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (जिसमें आंगनबाड़ी के सभी बच्चों और माताओं की जानकारी होगी) है।
- ➲ इस मिशन के तहत आंगनबाड़ी सेवाओं के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पेयजल तथा स्वच्छता मंत्रालय, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय निकाय के अंतर्गत संचालित योजनाओं के माध्यम से पोषण स्तर में सुधार हेतु समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा।

➡ राष्ट्रीय पोषण मिशन के प्रथम चरण में मध्य प्रदेश के 38 जिलों के 326 बाल विकास परियोजना के 70,866 आंगनबाड़ी केंद्रों को शामिल किया गया है।

- ➲ ज्ञातव्य है कि 8 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पोषण मिशन का शुभारंभ झुंझुनू, राजस्थान में किया था।

❑ कोयंबटूर

➡ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी द्वारा तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर में नवनिर्मित कीट संग्रहालय (6,691 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित) का उद्घाटन। (26 मार्च, 2018)

- ➲ यह देश में अपनी तरह का पहला संग्रहालय है।

❑ फरीदाबाद

➡ हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा फरीदाबाद में भारत का पहला पैरालंपिक भवन निर्मित किए जाने की घोषणा। (25 मार्च, 2018)

- ➲ इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिव्यांगों को अगले वर्ष से 2000 रुपये की मासिक पेंशन प्रदान किए जाने की भी घोषणा की।

❑ उदवाडा

➡ सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) द्वारा गुजरात के वलसाड जिले में स्थित उदवाडा गांव में नि:शुल्क वाई-फाई सुविधा का शुभारंभ। (21 मार्च, 2018)

- ➲ ज्ञातव्य है कि इस गांव को केंद्रीय वस्त्र मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत गोद लिया गया है।

❑ देवघर

➡ भारत सरकार द्वारा झारखंड के देवघर जिले में प्लास्टिक पार्क की स्थापना हेतु मंजूरी। (20 मार्च, 2018)

➡ केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक और संसदीय मामलों के मंत्री अनंत कुमार ने देवघर में प्लास्टिक कचरे के खतरे से निपटने हेतु 3.5 करोड़ रुपये की लागत से प्लास्टिक रिसाइक्लिंग यूनिट की स्थापना किए जाने की भी घोषणा की।

❑ महाराष्ट्र

➡ महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय। (18 मार्च, 2018)

- ➲ यह प्रतिबंध प्लास्टिक के उत्पादन, उपयोग, भंडारण, बिक्री, वितरण, आयात और परिवहन पर लागू होगा।
- ➲ दवाइयों, जंगल और बागवानी उत्पादों और ठोस अपशिष्ट को कवर करने हेतु तथा निर्यात प्रयोजनों के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों में प्लास्टिक के उपयोग पर छूट प्रदान की गई है।

➡ नियमों का उल्लंघन करने पर तीन माह के कारावास की सजा या 25000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

पुरस्कार/सम्मान

❑ 49वां दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, 2017

➡ प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना को (मरणोपरांत)। (3 मई, 2018)

- ➲ मरणोपरांत इस पुरस्कार से सम्मानित वह दूसरे अभिनेता हैं।
- ➲ इससे पूर्व वर्ष 1971 में पृथ्वीराज कपूर को मरणोपरांत इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

➡ गौरतलब है कि 27 अप्रैल, 2017 को विनोद खन्ना का निधन हो गया था।

➡ दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारत सरकार द्वारा भारतीय सिनेमा की प्रगति और विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्व को प्रदान किया जाता है।

- ➲ इस पुरस्कार के तहत एक स्वर्ण कमल, 10 लाख रुपये की नकद राशि और एक शॉल प्रदान किया जाता है।
- ➲ ज्ञातव्य है कि वर्ष 2016 का 48वां दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं अभिनेता कसीनथूनी विश्वनाथ को प्रदान किया गया था।

❑ 65वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 2017

➡ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में '65वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार' प्रदान किया गया। (3 मई, 2018)

- ➲ रीमा दास द्वारा निर्देशित असमिया भाषा (Assamese) फिल्म 'विलेज रॉकस्टार्स' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए स्वर्ण कमल प्रदान किया गया।
- ➲ अन्य प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं-

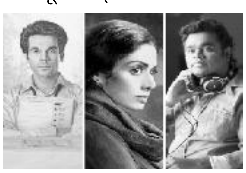

- **सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म (रजत कमल)**— 'न्यूटन' (निर्देशक-अमित वी. मासूरकर)
- **एक निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ नवोदित फिल्म के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार (स्वर्ण कमल)**— 'सिंजर' (निर्देशक-पामपैली)।
- **संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म (स्वर्ण कमल)**— बाहुबली-द कॉनक्लूजन (तेलुगू) (निर्देशक-एस.एस. राजमौली)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (रजत कमल)**— रिद्धि सेन (फिल्म-नगरकीर्तन) (बंगाली)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (रजत कमल)**— श्रीदेवी (मरणोपरांत) (फिल्म-मॉम, हिंदी)
- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (स्वर्ण कमल)** — जयराज (फिल्म-भयानकम, मलयालम)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (रजत कमल)**— फहद फाजिल (फिल्म-थोंडीमुथलुम दृक्सक्षियुम, मलयालम)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री (रजत कमल)**— दिव्या दत्ता (फिल्म-इरादा, हिंदी)
- **सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (रजत कमल)**— भानिता दास (फिल्म-विलेज रॉकस्टार्स, असमिया)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक (रजत कमल)**— के.जे. यशुदास (गीत-पोय मंरजा कलम)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका (रजत कमल)**— शाशा तिरुपति
- **सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन**— ए.आर. रहमान (फिल्म 'कोतरु वेलीइदई' में गीतों हेतु तथा फिल्म-'मॉम' में पार्श्व संगीत हेतु)
- **सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म (रजत कमल)**— आलोरूक्कम, मलयालम (निर्देशक-वी.सी. अभिलाष)
- **पर्यावरण संरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म (रजत कमल)**— 'इरादा', हिंदी (निर्देशक-अपर्णा सिंह)
- **सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म (स्वर्ण कमल)**— म्होरक्या (Mhorkya), मराठी (निर्देशक-अमर भारत दियोकर)
- **राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार (रजत कमल)**— धप्पा, मराठी (निर्देशक-निपुण धर्माधिकारी)
- **सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी**— गणेश आचार्य (गीत-गोरी तू लठ्ठ मार, फिल्म-टॉयलेट : एक प्रेम कथा)

❑ सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य पुरस्कार, 2017

➡ मध्य प्रदेश राज्य को प्रदान किया गया। (3 मई, 2018)

- ➲ फिल्मांकन में सहूलियत सुनिश्चित करने के प्रयासों को देखते हुए इस राज्य को यह पुरस्कार दिया गया।
- ➲ ज्ञातव्य है कि वर्ष 2016 का सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य पुरस्कार उत्तर प्रदेश को प्रदान किया गया था।

❑ यूनेस्को/गिलर्मो कैनो प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार, 2018

➡ जेल में बंद मिस्र के फोटो जर्नलिस्ट महमूद अबू जीद को। (मई, 2018)

➡ **पुरस्कार राशि**— 25,000 अमेरिकी डॉलर

❑ दादासाहेब फाल्के फिल्म फाउंडेशन पुरस्कार, 2018

➡ मुंबई में आयोजित एक समारोह में इस पुरस्कार का वितरण किया गया। (29 अप्रैल, 2018)

- ➲ प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं-

- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता** — अक्षय कुमार (फिल्म 'पैडमैन' और 'टॉयलट : एक प्रेम कथा' के लिए)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**— भूमि पेडनेकर (फिल्म 'टॉयलट : एक प्रेम कथा' के लिए)
- **प्रमुख भूमिका हेतु सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**— सोनम कपूर (फिल्म 'पैडमैन' के लिए)

- **सर्वश्रेष्ठ बहुमुखी (Versatile) अभिनेत्री—** मनीषा कोइराला
- **लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड—** राकेश रोशन
- **सरस्वतीबाई दादासाहेब फाल्के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (लाइफटाइम) अवॉर्ड—** फरीदा जलाल
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक —** अरमान मलिक
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका —** नीति मोहन
- **सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक—** कोंकणा सेन शर्मा

❑ 27वां सरस्वती सम्मान, 2017

➡ प्रसिद्ध गुजराती कवि सीतांशु यशसचंद्र को। (27 अप्रैल, 2018)

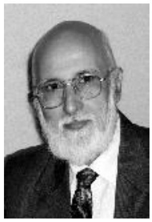

- ➲ उन्हें यह सम्मान उनके कविता संग्रह 'वखार' (Vakhar) के लिए दिया जाएगा।
- ➲ इस पुस्तक का प्रकाशन वर्ष 2009 में हुआ था।

➡ उनके कविता संग्रह 'जटायु' के लिए उन्हें वर्ष 1987 में गुजराती भाषा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

➡ वर्ष 1991 में स्थापित यह सम्मान के.के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष संविधान की 8वीं अनुसूची में वर्णित किसी भी भारतीय भाषा में पिछले 10 वर्ष में प्रकाशित भारतीय लेखकों की उत्कृष्ट साहित्यिक कृति को प्रदान किया जाता है।

- ➲ इस पुरस्कार के तहत प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिह्न और 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।

➡ ज्ञातव्य है कि 26वां सरस्वती सम्मान, 2016 कोंकणी भाषा के साहित्यकार महाबलेश्वर शैल को उनके उपन्यास 'हावठण' के लिए प्रदान किया गया था।

❑ मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति पुरस्कार, 2018

➡ मुंबई में आयोजित एक समारोह में इस पुरस्कार का वितरण किया गया। (24 अप्रैल, 2018)

- ➲ संगीत सेवा में योगदान देने के लिए प्रसिद्ध सरोद वादक अमजद अली खान को दीनानाथ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- ➲ प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर, संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष शेखर सेन, प्रसिद्ध पार्श्वगायिका आशा भोंसले तथा धनंजय दातार को दीनानाथ विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

➡ साहित्य सेवा के लिए कवि योगेश को वाग्विलासिनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- ➲ पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान के लिए राजू खांडेकर (एबीपी माझा) को दीनानाथ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

❑ कायाकल्प पुरस्कार, 2018

➡ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्वच्छता और साफ-सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए जन स्वास्थ्य सुविधाओं को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। (19 अप्रैल, 2018)

- ➲ केंद्रीय अस्पताल की A श्रेणी में 2.5 करोड़ रुपये का पहला पुरस्कार 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' (एम्स), नई दिल्ली को।
- ➲ इसी श्रेणी में 1.5 करोड़ रुपये का दूसरा पुरस्कार पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ को।

➡ B श्रेणी में 1.5 करोड़ रुपये का पहला पुरस्कार एनईआईजीआर आईएचएमएस, शिलांग को।

- ➲ इसी श्रेणी में 1 करोड़ रुपये का दूसरा पुरस्कार एम्स, भुवनेश्वर को।

❑ शॉरेंस्टीन पत्रकारिता पुरस्कार, 2017

➡ 'द वायर' के संस्थापक सिद्धार्थ वरदराजन को। (16 अप्रैल, 2018)

- ➲ उन्हें यह पुरस्कार संपादक के रूप में स्वतंत्र, वेब आधारित पत्रकारिता में उनकी अच्छी शोध रिपोर्ट और उनकी टिप्पणियों के लिए दिया गया।
- ➲ यह पुरस्कार प्रतिवर्ष स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वाल्टर एच. शॉरेंस्टीन एशिया प्रशांत अनुसंधान केंद्र द्वारा प्रदान किया जाता है।

❑ पुलित्जर पुरस्कार, 2018

➡ कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क (अमेरिका) में पुलित्जर पुरस्कारों की घोषणा। (16 अप्रैल, 2018)

- ➲ वर्ष 2018 के पुरस्कारों में पत्रकारिता के लिए 14 और साहित्य, नाटक, संगीत श्रेणी के अंतर्गत 7 पुरस्कारों की घोषणा की गई। कुछ प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं-
- ➲ **पत्रकारिता**
- ➲ **लोक सेवा**-'द न्यूयॉर्क टाइम्स' एवं 'द न्यूयॉर्कर' अखबार को।
- ➲ इन दोनों अखबारों ने अपनी रिपोर्टिंग के जरिए हॉलीवुड के दिग्गज निर्माता हॉर्वे वीनस्टीन को कटघरे में खड़ा करते हुए अमेरिका के सबसे बड़े यौन उत्पीड़न मामले को उजागर किया था।

- **ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग—** 'द प्रेस डेमोक्रेट', सांतारोसा, कैलिफोर्निया के स्टाफ को।
- **खोजी रिपोर्टिंग—** 'द वाशिंगटन पोस्ट' के स्टाफ को।

- **व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग**— 'द एरिजोना रिपब्लिक' और 'यूएसए टुडे नेटवर्क' के स्टाफ को।
- **स्थानीय रिपोर्टिंग**— 'द सिनसिनाटी इनक्यूरर' के स्टाफ को।
- **राष्ट्रीय रिपोर्टिंग**— 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'द वाशिंगटन पोस्ट' के स्टाफ को।
- **अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग**— रायटर्स के क्लेयर बाल्डविन, एंड्रयू आर.सी. मार्शल और मैनुएल मोगाटो को।

➲ **साहित्य, नाटक, संगीत**

- **कथा** (Fiction)— एंड्रयू सीन ग्रीर द्वारा लिखित 'लेस' (Less) को।
- **नाटक** (Drama)— मार्टीना माजोक द्वारा लिखित कॉस्ट ऑफ लिविंग (Cost of Living) को।

➡ इन पुरस्कारों के इतिहास में पहली बार किसी रैप कलाकार को संगीत के पुलित्जर के लिए चुना गया।

➲ रैपर केंड्रिक लैमर को उनके एल्बम 'डैम' (Damn) के लिए यह पुरस्कार मिला।

➲ लेमर ने गैर-शास्त्रीय और जैज से इतर रैप क्षेत्र में यह पुरस्कार हासिल किया।

❑ डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, 2018

➡ कोलंबो (श्रीलंका) के प्रोफेसर भंते आनंद कीर्ति को। (13 अप्रैल, 2018)

➲ यह पुरस्कार उन्हें 9-10 दिसंबर, 2018 के मध्य आयोजित होने वाले 34वें राष्ट्रीय दलित साहित्यकार सम्मेलन में दिया जाएगा।

➲ इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1995 में हुई थी।

❑ दादासाहेब फाल्के एक्सीलेंस अवॉर्ड, 2018

➡ शाहिद कपूर एवं रणवीर सिंह को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पीपुल्स च्वॉइस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। (21 अप्रैल, 2018)

➡ **अन्य महत्वपूर्ण पुरस्कार विजेता**—

➲ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स)**— अदिती राव हैदरी

➲ **लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड**— सिमी गरेवाल

➲ **प्राइड ऑफ इंडियन सिनेमा**— संजय दत्त

➲ **पाथ ब्रेकिंग प्रोड्यूसर ऑफ द ईयर**—अनुष्का शर्मा और कर्नेश शर्मा

➲ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**—अश्विनी अय्यर तिवारी

❑ ESPN इंडिया स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स, 2017

➡ ESPN ने प्रथम ESPN इंडिया स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स की घोषणा की। (2 अप्रैल, 2018)

➡ क्रिकेट के अतिरिक्त अन्य खेलों के लिए ESPN द्वारा पहली बार इन पुरस्कारों का सृजन किया गया।

➡ ESPN द्वारा क्रिकेट के लिए वार्षिक पुरस्कार अलग से प्रदान किए जाते हैं।

➡ प्रदत्त पुरस्कार इस प्रकार रहे—

➲ **स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर (पुरुष)**—**किदांबी श्रीकांत** (बैडमिंटन)

➲ **स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर (महिला)**—पी.वी. सिंधु (बैडमिंटन)

➲ **टीम ऑफ द ईयर**— भारतीय महिला हॉकी टीम

➲ **कमबैक ऑफ द ईयर**—एम.सी. मैरीकॉम (मुक्केबाजी)

➲ **इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर**—अदिती अशोक (गोल्फ)

➲ **कोच ऑफ द ईयर**—पुलेला गोपीचंद (बैडमिंटन)

➲ **डिफरेंटली-एबेल्ड एथलीट ऑफ द ईयर**—सुंदर सिंह गुर्जर (भाला फेंक)

➲ **टारगेट टोक्यो** (वह एथलीट जिसे हम सोचते हैं कि वह 2020 ओलंपिक खेलों में अच्छा कर सकता है)—नीरज चोपड़ा (भाला फेंक)

➲ **मोमेंट ऑफ द ईयर** —फीफा U-17 विश्व कप में जैक्सन का ऐतिहासिक गोल

➲ **लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड**—रामनाथन कृष्णन (पूर्व टेनिस खिलाड़ी)

❑ तेलंगाना खेल पत्रकार संघ के वार्षिक पुरस्कार

➡ तेलंगाना खेल पत्रकार संघ के वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा। (31 मार्च, 2018)

➡ भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान **मिताली राज** को वर्ष 2017 का **'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी'** चुना गया।

➡ बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी तथा पी.वी. सिंधु को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया।

➡ वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कोच पुलेला गोपीचंद को चुना गया।

➲ पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एन. मुकेश कुमार को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के लिए चुना गया।

❑ बेगम अख्तर पुरस्कार, 2017-18

➡ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हारमोनियम वादक एवं उपशास्त्रीय गायक पं. धर्मनाथ मिश्र एवं गजल गायक उस्ताद सखावत हुसैन को। (29 मार्च, 2018)

➲ यह पुरस्कार 'मल्लिका ए-ग़जल' के नाम से प्रसिद्ध बेगम अख्तर (अख्तरी बाई फैजाबादी) की स्मृति में दादरा, ठुमरी और गजल विधाओं में प्रतिभावान गायकों को प्रदान किया जाता है।

योजना/परियोजना

❑ मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना

➡ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य में बालिकाओं के संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वावलंबन पर आधारित मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना को शुरू करने हेतु मंजूरी। (19 अप्रैल, 2018)

- ➲ योजनांतर्गत 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने पर लड़की (अविवाहित) को 10 हजार रुपये और स्नातक की डिग्री हासिल करने पर 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।
- ➲ लड़की के पैदा होने पर 2000 रुपये, एक वर्ष की होने पर (आधार-कार्ड से लिंक) 1000 रुपये और 2 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर टीकाकरण हेतु 2000 रुपये की राशि माता-पिता के बैंक एकाउंट में भेजी जाएगी।

➡ योजनांतर्गत सरकार लड़कियों को सेनेटरी नैपकिन हेतु 300 रुपये (वार्षिक) की राशि प्रदान करेगी।

❑ पॉकेट कॉप परियोजना

➡ गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी द्वारा राज्य में अपराध पहचान दर में सुधार हेतु गांधीनगर में पॉकेट कॉप परियोजना का शुभारंभ। (16 अप्रैल, 2018)

- ➲ परियोजनांतर्गत राज्य में 4900 पुलिसकर्मियों को स्मार्टफोन (डेटा कनेक्टिविटी युक्त) प्रदान किए जाएंगे।
- ➲ इस स्मार्टफोन में लगभग 68 लाख अपराधियों के आंकड़े उपलब्ध हैं।

➡ इस स्मार्टफोन के माध्यम से पासपोर्ट आवेदकों की त्वरित जांच हो सकेगी और अपराधियों का पता लगाने, गायब व्यक्तियों का पता लगाने और चोरी के वाहनों को खोजने में मदद मिलेगी।

❑ नीम परियोजना

➡ केंद्रीय वस्त्र मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में गुजरात नर्मदा घाटी उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (GNFC) की नीम परियोजना का शुभारंभ। (13 अप्रैल, 2018)

➡ इस परियोजनांतर्गत जीएनएफसी राज्य से 8,000-10,000 मीट्रिक टन नीम के बीज का एकत्रण करेगी।

- ➲ जीएनएफसी की यह परियोजना 5 राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान) के 60 जिलों में वर्ष 2015 से संचालित है।

❑ मुख्यमंत्री कृषक वृक्ष धन योजना

➡ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत निजी खेत की मेड़ (बाउंड्री) पर 'मुख्यमंत्री कृषक वृक्ष धन' योजना के अंतर्गत वृक्षारोपण कराए जाने का निर्णय (अप्रैल, 2018)

- ➲ इस निर्णय के तहत अच्छी गुणवत्ता के बांस तथा छायादार, फलदार तथा औषधीय वृक्ष प्रजाति के बहुवर्षीय पौधों, जो मनरेगा योजना में स्वीकृत हैं, का वृक्षारोपण किया जाएगा।
- ➲ रोपण हेतु प्रजातियों का चयन लाभार्थी द्वारा किया जाएगा।

➡ इस परियोजनांतर्गत पौधों की सुरक्षा एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी लाभार्थी परिवार की होगी।

❑ बाईक एंबुलेंस सेवा

➡ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा हिमाचल प्रदेश विधानसभा परिसर से हरी झंडी दिखाकर बाईक एंबुलेंस सेवा (108) का शुभारंभ। (2 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस सेवा को पहली प्रतिक्रिया बाईक (First Response Bike) के नाम से भी जाना जाता है।
- ➲ इस सेवा को शुरू करने वाला हिमाचल प्रदेश उत्तर भारत का पहला तथा देश का चौथा राज्य है।

❑ रूपश्री योजना

➡ पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा रूपश्री योजना (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की महत्वाकांक्षी परियोजना) का शुभारंभ। (अप्रैल, 2018)

- ➲ **उद्देश्य**-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की लड़कियों को विवाह हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- ➲ योजनांतर्गत सरकार 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी लड़कियों के विवाह हेतु एक बार में एकमुश्त 25,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, जो विवाह के पूर्व लड़की के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

❑ नैटवार मोरी जलविद्युत परियोजना

➡ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत और केंद्रीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आर.के. सिंह ने उत्तरकाशी जिले में नैटवार मोरी जलविद्युत परियोजना (उत्पादन क्षमता 60 मेगावॉट) की आधारशिला रखी। (30 मार्च, 2018)

- ➲ 648.33 करोड़ रुपये की यह परियोजना यमुना नदी की सहायक नदी टोंस पर स्थित है।

❑ 'कूल ईएमएस' सेवा

➡ संचार मंत्रालय द्वारा भारत और जापान के बीच 'कूल ईएमएस' सेवा का संचालन प्रारंभ। (29 मार्च, 2018)

➲ यह भारत और जापान के मध्य एकमात्र ऐसी सेवा है, जो भारतीय ग्राहकों के व्यक्तिगत उपयोग हेतु जापानी खाद्य पदार्थों के आयात की अनुमति (अनुमति भारतीय नियमों के तहत प्रदत्त) देती है।

➲ प्रारंभ में यह सेवा केवल दिल्ली में उपलब्ध होगी।

❑ वाराणसी में ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण

➡ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के बीच वाराणसी में बाईपास पर हरित गलियारा (Green Corridor) के निर्माण हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (28 मार्च, 2018)

➲ इस समझौते के तहत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सहयोग से वाराणसी में बाईपास पर (एनएच 56 और एनएच 29) 16.55 किमी. तक हरित गलियारे को विकसित करेगा।

➲ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) निधि के तहत 5 वर्षों की अवधि तक इस कॉरिडोर पर वृक्षारोपण तथा उनके रख-रखाव हेतु भारतीय राजमार्ग प्राधिकरण को 5 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

➡ दोनों प्राधिकरणों ने 'एडॉप्ट ए ग्रीन हाइवे प्रोग्राम' (एक हरित राजमार्ग को अपनाओ) के तहत यह साझेदारी की है।

❑ पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना और शहर कम्पोस्ट योजना

➡ आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना तथा शहर कम्पोस्ट योजना को 12वीं पंचवर्षीय योजना से आगे वर्ष 2019-20 तक जारी रखने से संबंधित उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी। (28 मार्च, 2018)

➲ वर्ष 2019-20 तक जारी रखने के लिए दोनों योजनाओं पर कुल परिव्यय 61,972 करोड़ रुपये होगा।

❑ मुख्यमंत्री कल्याणी सहायता योजना

➡ मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में कल्याणी विवाह को प्रोत्साहित करने तथा प्रदेश की सभी विधवाओं (शासकीय शब्दावली में विधवा की जगह कल्याणी कहे जाने का निर्णय) की आर्थिक सुरक्षा हेतु पेंशन देने की मुख्यमंत्री कल्याणी सहायता योजना को मंजूरी। (27 मार्च, 2018)

➲ योजनांतर्गत कल्याणी विवाह को प्रोत्साहित करने हेतु 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

➲ कल्याणी की आर्थिक सुरक्षा हेतु 18-79 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह 300 रुपये तथा 80 वर्ष से अधिक आयु होने पर प्रतिमाह 500 रुपये पेंशन देने की भी मंजूरी प्रदान की गई।

❑ ई-ट्राईब्स इंडिया

➡ केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुआल ओराम ने डिजिटल कॉमर्स की पहल 'ई-ट्राईब्स : इंडिया' का शुभारंभ किया। (27 मार्च, 2018)

➲ भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राईफेड) ने अपने सभी उत्पादों की बिक्री करने तथा एम-कॉमर्स (मोबाइल कॉमर्स) क्षेत्र पर मजबूत पकड़ हेतु अपनी ई-कॉमर्स (इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स) वेबसाइट tribesindia.com को विकसित किया है।

❑ उर्गम जलविद्युत योजना

➡ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा हेलंग घाटी (चमोली) में कल्पगंगा नदी (अलकनंदा की सहायक नदी) पर पुनर्निर्मित उर्गम जलविद्युत परियोजना (विद्युत उत्पादन क्षमता 3000 किलोवॉट) का लोकार्पण। (23 मार्च, 2018)

➡ यह विद्युत परियोजना वर्ष 2013 में प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त हो गई थी।

➲ 13.05 करोड़ रुपये की लागत राशि से इसका पुनर्निर्माण उत्तराखंड जलविद्युत निगम द्वारा किया गया है।

❑ नैपुण्य रथम

➡ आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी पहुंच और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक बहु-उपयोगिता वाहन नैपुण्य रथम (Naipunya Ratham) या वर्ल्ड ऑन व्हील्स का शुभारंभ। (22 मार्च, 2018)

➲ प्रथम चरण में नैपुण्य रथम (वर्ल्ड ऑन व्हील्स) डिजिटल साक्षरता, डिजिटल कौशल और राज्य में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जागरूकता उत्पन्न करने हेतु हैवलेट पैकर्ड (HP), भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान और गाइड फाउंडेशन फॉर डेवलपमेंट के सहयोग से 13 जिलों और 28 स्मार्ट गांवों को कवर करेगा।

➲ वर्ल्ड ऑन व्हील्स लैब एक 20 सीटों वाली बस है, जो स्मार्ट टेक्नोलॉजी गैजेट के साथ-साथ एचपी क्लासरूम मैनेजर,

एचपी वीडियो बुक और एचपी लाइफ जैसे ई-लर्निंग टूल्स और स्मार्ट प्रौद्योगिकी उपकरणों तथा डिजिटल सुविधाओं से सुसज्जित है।

❑ विश्व का पहला विश्वसनीय डिजिटल भंडार

➡ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा कार्यान्वित संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रीय सांस्कृतिक दृश्य-श्रव्य अभिलेखागार परियोजना को विश्व के पहले विश्वसनीय डिजिटल भंडार का प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। (20 मार्च, 2018)

- ➲ इस परियोजना को ब्रिटेन की संस्था प्राइमरी ट्रस्टवर्दी डिजिटल रिपॉजिटरी ऑथराइजेशन बॉडी लिमिटेड (PTAB) ने आईएसओ 16363 : 2012 का प्रमाण-पत्र प्रदान किया।
- ➲ राष्ट्रीय सांस्कृतिक दृश्य-श्रव्य अभिलेखागार परियोजना का उद्देश्य ऑडियो विजुअल सामग्री के रूप में विद्यमान भारत की सांस्कृतिक विरासत की पहचान संरक्षित करना है।

❑ नवाचार प्रकोष्ठ की स्थापना

➡ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा भारत में नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक 'नवाचार प्रकोष्ठ' की स्थापना का निर्णय। (15 मार्च, 2018)

- ➲ इस नवाचार प्रकोष्ठ का प्रमुख किसी वैज्ञानिक को नियुक्त किया जाएगा।
- ➲ वर्ष 2016 में भारत, ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंकिंग में 66वें स्थान पर था जबकि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंकिंग, 2017 में भारत का स्थान 60वां रहा।

❑ प्रोजेक्ट सारथी

➡ राजस्थान परिवहन विभाग के सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सहयोग से राजस्थान स्टेट मोटर गैराज के 250 वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देने हेतु 'प्रोजेक्ट सारथी' का शुभारंभ। (12 मार्च, 2018)

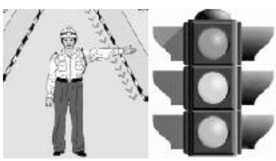

- ➲ इस प्रोजेक्ट के तहत आयोजित कार्यशालाओं में प्रतिदिन 20-25 वाहन चालकों के समूह को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन एवं बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों पर प्रोजेक्ट व प्रश्नोत्तरी के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

❑ 'सिटिजन सर्विसेज' मोबाइल ऐप

➡ राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो के 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर खुफिया विभाग (आईबी) के निदेशक राजीव जैन द्वारा 'सिटिजन सर्विसेज' मोबाइल ऐप का शुभारंभ। (11 मार्च, 2018)

- ➲ इस ऐप के माध्यम से पुलिस और नागरिकों के बीच संपर्क बढ़ेगा और सेवाओं को सुगम तथा सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा।

ऑपरेशन/अभियान

❑ उत्तराखंड पुलिस माउंट एवरेस्ट अभियान, 2018

➡ माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली उत्तराखंड पुलिस भारत की पहली राज्य पुलिस बनी। (20 मई, 2018)

➡ 29 मार्च, 2018 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पुलिस लाइन रेस कोर्स, देहरादून में पुलिस विभाग के 15 सदस्यीय दल को उत्तराखंड पुलिस माउंट एवरेस्ट अभियान, 2018 हेतु हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

- ➲ उत्तराखंड देश का ऐसा पहला राज्य है, जहां का पुलिस दल एवरेस्ट पर पर्वतारोहण हेतु गया था।

❑ हरिमऊ शक्ति, 2018

➡ भारत-मलेशिया रक्षा सहयोग के एक हिस्से के रूप में मलेशिया के घने जंगलों में इस संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास का आयोजन किया गया। (30 अप्रैल से 13 मई, 2018)

- ➲ **उद्देश्य**-दोनों देशों की सेनाओं के मध्य परस्पर सहयोग और समन्वय बढ़ाना तथा घने जंगलों में अराजकता निरोधक कार्यवाही के संचालन में विशेषज्ञता को साझा करना।
- ➲ इस अभ्यास में भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व देश की सबसे पुरानी बटालियनों में से एक 4 ग्रेनेडियर्स ने किया, जबकि मलेशियाई दल का प्रतिनिधित्व 1 रॉयल रेंजर रेजीमेंट तथा रॉयल मलय रेजीमेंट के सैनिकों ने किया।

❑ खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान

➡ हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान का शुभारंभ। (25 अप्रैल, 2018)

- ➲ अभियान के तहत प्रदेश भर में लगभग 85 लाख बच्चों का टीकाकरण किया जाना लक्षित है।
- ➲ हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय महिला निशानेबाज मनु भाकर को इस अभियान का ब्रांड एंबेसेडर बनाया गया है।

❑ राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान

➡ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश के मंडला जिले में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान का शुभारंभ। (24 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने आगामी पांच वर्षों में जनजातीय लोगों के समग्र विकास हेतु रोड मैप प्रस्तुत किया।
- ➲ प्रधानमंत्री ने मंडला जिले के मनेरी में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एलपीजी बाटलिंग संयंत्र की आधारशिला रखने के साथ ही स्थानीय सरकार की निर्देशिका का शुभारंभ किया।

➡ सर्वश्रेष्ठ पंचायत योजना के अंतर्गत ई-पंचायत पुरस्कार और ग्राम पंचायत विकास पुरस्कार योजना के विजेताओं को सम्मानित भी किया।

❑ तालाब संरक्षण अभियान

➡ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल में तालाब गहरीकरण अभियान के शुभारंभ के अवसर पर प्रदेश में 1 मई, 2018 से 15 जून, 2018 तक तालाब संरक्षण अभियान संचालित किए जाने की घोषणा। (16 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस अभियान के तहत तालाबों के जीर्णोद्धार, गहरीकरण और नए तालाबों के निर्माण कार्य के साथ-साथ नदियों के पुनर्जीवन और गहरीकरण के कार्य भी किए जाएंगे।

❑ 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ-बेटी खेलाओ' अभियान

➡ हरियाणा सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ-बेटी खेलाओ' नामक अंतरराष्ट्रीय अभियान की शुरुआत किए जाने की घोषणा। (10 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस अभियान की शुरुआत मई, 2018 में पंचकुला के सेक्टर-3 स्थित देवीलाल खेल परिसर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित भगत सिंह फर्स्ट गर्ल्स (सीनियर) इंटरनेशनल टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के माध्यम से की गई।

❑ रूपांतरण अभियान

➡ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा अल्मोड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में सुधार हेतु रूपांतरण अभियान का शुभारंभ। (4 अप्रैल, 2018)

- ➲ **उद्देश्य**-सरकारी विद्यालयों को भौतिक संसाधनों यथा- फर्नीचर, स्वच्छ पेयजल, पंखा, हीटर, क्रीड़ा सामग्री से युक्त बनाना आदि, कंप्यूटर प्रोजेक्ट के माध्यम से स्मार्ट कक्षाओं का संचालन एवं शिक्षकों को प्रेरित करना।

❑ 'स्वास्थ्य दल आपके द्वार'

➡ संपूर्ण राजस्थान में 'स्वास्थ्य दल आपके द्वार' सघन अभियान संपन्न। (21-23 मार्च, 2018)

- ➲ इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य दल द्वारा घर-घर जाकर मच्छरों को भगाने एवं स्वाइन फ्लू, डेंगू, चिकनगुनिया और स्क्रब टाइफस जैसे रोगों की रोकथाम हेतु व्यापक स्तर पर जन-चेतना को जाग्रत करने का कार्य किया गया।

आयोग/समिति

❑ न्यायमूर्ति राजेश बिंदल समिति

➡ पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अध्यक्षता में गठित समिति ने बच्चों के अंतर्देशीय निष्कासन और प्रतिधारण (Inter Country removal & retention of Children) से संबंधित कानूनी मुद्दों पर अपनी रिपोर्ट केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री मेनका गांधी को सौंपी। (23 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस समिति की सबसे महत्वपूर्ण सिफारिश यह है कि सरकार को 'अंतर्देशीय अभिभावकीय बाल निष्कासन विवाद समाधान प्राधिकरण' स्थापित करना चाहिए, जो बच्चों के अंतर्देशीय निष्कासन और प्रतिधारण के मामलों में एक समाधान के रूप में कार्य करेगा।
- ➲ इसके अलावा समिति ने यह सिफारिश की है कि प्राधिकरण की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा होनी चाहिए और महत्वपूर्ण मंत्रालयों के प्रतिनिधियों के साथ कानूनी और सामाजिक क्षेत्र की पृष्ठभूमि के सदस्य भी इसमें शामिल होने चाहिए।

❑ रक्षा नियोजन समिति (डीपीसी) का गठन

➡ उभरती रक्षा चुनौतियों से निपटने, सैन्य सिद्धांतों पर ध्यान देने तथा रक्षा बलों के लिए समग्र योजना के लिहाज से केंद्र सरकार द्वारा अजीत डोभाल (NSA के प्रमुख) की अध्यक्षता में रक्षा नियोजन समिति (डीपीसी) का गठन किया गया। (18 अप्रैल, 2018)

- ➲ एनएसए के अलावा समिति में विदेश सचिव, स्टॉफ कमेटी के प्रमुखों के चेयरमैन, सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख तथा वित्त मंत्रालय के सचिव (व्यय) शामिल हैं।

➲ समिति राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और सिद्धांतों, अंतरराष्ट्रीय रक्षा भागीदारी रणनीति का मसौदा तथा रक्षा निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण का खाका तैयार करेगी।

❑ सीएसआर प्रावधानों के प्रवर्तन की समीक्षा करने हेतु समिति

➡ केंद्र सरकार ने कंपनी कानून के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) प्रावधानों के प्रवर्तन की समीक्षा करने और उनके प्रवर्तन के लिए एकसमान दृष्टिकोण की सिफारिश करने के लिए एक 12 सदस्यीय समिति का गठन किया। (10 अप्रैल, 2018)

- ➲ क्षेत्रीय निदेशक (पश्चिमी क्षेत्र) मनमोहन जुनेजा इस समिति के अध्यक्ष होंगे।
- ➲ जबकि उपनिदेशक (CSR) सीमा रथ) समिति की संयोजक होंगी।

➡ समिति के अन्य सदस्यों में संयुक्त निदेशक (कानून) संजय सूरी और संयुक्त निदेशक (नीति) एन.के. दुआ शामिल हैं।

❑ समाचार पोर्टल को विनियमित करने के लिए समिति

➡ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा समाचार वेबसाइटों, मनोरंजन साइटों और मीडिया एग्रीगेटर्स सहित ऑनलाइन पोर्टल्स को विनियमित करने हेतु एक 10 सदस्यीय समिति का गठन। (4 अप्रैल, 2018)

- ➲ समिति में गृह विभाग, कानूनी मामलों, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और औद्योगिक नीति संवर्धन विभाग के सचिव शामिल होंगे।
- ➲ इसके अलावा समिति में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI), न्यूज ब्रॉडकास्टर एसोसिएशन और इंडियन ब्रॉडकास्टर फेडरेशन के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

➡ यह समिति ऑनलाइन मीडिया, न्यूज पोर्टल, ऑनलाइन विषय-वस्तु और मंचों के लिए उपयुक्त नीति बनाने की सिफारिश करेगी।

❑ परीक्षा कराने की प्रणाली पर गौर करने के लिए समिति

➡ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पेपर लीक मामलों की रोकथाम करने के उद्देश्य से दसवीं तथा बारहवीं कक्षाओं की परीक्षा कराने की प्रणाली पर गौर करने हेतु एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन। (4 अप्रैल, 2018)

- ➲ मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अवकाश प्राप्त सचिव (उच्च शिक्षा) विनयशील ओबेरॉय इस सात सदस्यीय समिति के अध्यक्ष होंगे।
- ➲ समिति के अन्य सदस्यों में पवनेश कुमार, प्रो. जे.एस. राजपूत, प्रो. वसुधा कामत, प्रो. कृष्ण मोहन त्रिपाठी, एनआईसी के डीजी के वरिष्ठ प्रतिनिधि और संयुक्त सचिव (माध्यमिक शिक्षा-II) शामिल हैं।

सम्मेलन/समारोह

❑ दूसरी इंडिया मोबाइल कांग्रेस, 2018

➡ आयोजन नई दिल्ली में प्रस्तावित (25-27 अक्टूबर, 2018)

- ➲ इसका आयोजन दूरसंचार विभाग (DoT) और सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) द्वारा किया जाएगा।
- ➲ **मुख्य विषय–** ''नए डिजिटल क्षितिज : जुड़ाव, सृजन एवं नवाचार'' (New Digital Horizons : Connect, Create, Innovate)।

❑ 11वां विश्व हिंदी सम्मेलन, 2018

➡ मॉरीशस में आयोजन प्रस्तावित (18-20 अगस्त, 2018)

- ➲ **मुख्य विषय-**''हिंदी विश्व और भारतीय संस्कृति''।

❑ राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला, 2018

➡ जवाहर कला केंद्र, जयपुर, राजस्थान में आयोजित। (4-10 मई, 2018 तक)

- ➲ इस मेले का आयोजन सहकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा किया गया।

❑ एशियाई विकास बैंक की 51वीं वार्षिक बैठक, 2018

- ➲ मनीला, फिलीपींस में आयोजित। (3-6 मई, 2018)
- ➲ इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (DEA) में सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने किया।

Manila
2018

❑ अंतरराष्ट्रीय विराट गुरुकुल सम्मेलन, 2018

➡ मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) में आयोजित। (28-30 अप्रैल, 2018)

- ➲ सम्मेलन का आयोजन भारतीय शिक्षण मंडल, नागपुर एवं

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

- सम्मेलन में नेपाल, म्यांमार, इंडोनेशिया, मॉरीशस, त्रिनिदाद आदि देशों/क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

❑ अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, 2018

➡ लुम्बिनी, नेपाल में संपन्न। (28-30 अप्रैल, 2018)

- भगवान बुद्ध की 2562वीं जयंती के अवसर पर इस सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- **मुख्य विषय-**''लुम्बिनी, नेपाल : भगवान बुद्ध की जन्मस्थली, विश्व शांति एवं बौद्ध धर्म का स्रोत''।

❑ भारत-चीन पहला अनौपचारिक शिखर सम्मेलन, 2018

➡ वूहान, चीन में आयोजित। (27-28 अप्रैल, 2018)

- इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबकि चीन का प्रतिनिधित्व राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किया।

❑ एशिया प्रशांत क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला

➡ नई दिल्ली में आयोजित। (24-27 अप्रैल, 2018)

- भारत द्वारा पहली बार इस क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला की मेजबानी की गई।
- विश्वभर में आयोजित यूएनसीसीडी (United Nation Convention to Combat Desertification) क्षेत्रीय कार्यशालाओं की एक शृंखला में यह चौथा संस्करण है।

❑ शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की 15वीं बैठक

➡ बीजिंग, चीन में आयोजित। (24 अप्रैल, 2018)

- भारत ने पहली बार एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लिया।
- केंद्रीय रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
- इसके साथ ही एससीओ (SCO) के विदेश मंत्रियों की समिति की बैठक बीजिंग में आयोजित हुई।

➡ इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने किया।

❑ पहला अंतरराष्ट्रीय एसएमई सम्मेलन, 2018

➡ नई दिल्ली में आयोजित। (22-24 अप्रैल, 2018)

- इस सम्मेलन का उद्देश्य विचारों के आदान-प्रदान हेतु मुक्त निष्पक्ष व्यापारिक चर्चाओं आदि के लिए उद्यमियों को मंच प्रदान करना था।

INDIA SME FORUM
April 2018, 22. - 24., Delhi

❑ जी-20 वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की दूसरी बैठक, 2018

➡ वाशिंगटन डी.सी., अमेरिका में आयोजित। (19-20 अप्रैल, 2018)

- इस बैठक में भारत के वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने किया।
- इसके अलावा 19 अप्रैल, 2018 को आईएमएफ और विश्व बैंक की स्प्रिंग मीटिंग्स के दौरान ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की पहली बैठक अलग से आयोजित की गई।

❑ द्वीप पर्यटन उत्सव, 2018

➡ अंडमान एवं निकोबार में आयोजित। (18-22 अप्रैल, 2018)

- उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, हास्य कवि सम्मेलन, परंपरागत खेल, पतंग प्रतियोगिता, फ्लावर शो प्रतियोगिता, वेजिटेबल शो प्रतियोगिता, डॉग शो आदि का आयोजन किया गया।

❑ सातवां होम एक्सपो इंडिया, 2018

➡ इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर, नोएडा में आयोजित। (16-18 अप्रैल, 2018)

- इस प्रदर्शनी में 650 से ज्यादा भारतीय निर्यातकों ने तीन श्रेणियों (हाउसवेयर, टेक्सटाइल और फर्नीचर) के उत्पादों का प्रदर्शन किया।

❑ 10वां डिफेंस एक्सपो (DEFEXPO), 2018

➡ चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित। (11-14 अप्रैल, 2018)

- **मुख्य विषय-**''भारत : उभरता रक्षा विनिर्माण केंद्र'' (India : The Emerging Defence Manufacturing Hub)।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

➡ इसमें अमेरिका, यू.के., रूस, फ्रांस, इस्राइल, दक्षिण कोरिया, स्वीडन आदि देशों के लगभग 154

विदेशी निर्माताओं और प्रतिनिधिमंडलों सहित 670 से अधिक रक्षा कंपनियों ने भाग लिया।

❑ उत्तर-पूर्व हेतु नीति मंच की पहली बैठक, 2018

➡ अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित। (10 अप्रैल, 2018)

- ➲ **बैठक की विषय वस्तु-**''एक समृद्ध उत्तर-पूर्व क्षेत्र की दिशा में गतिशील''।
- ➲ बैठक की अध्यक्षता नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह द्वारा की गई।

➡ ज्ञातव्य है कि उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के सतत आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने और क्षेत्र में विकास की स्थिति की समय-समय पर समीक्षा करने के उद्देश्य से फरवरी, 2018 में इस मंच का गठन किया गया था।

❑ उत्तराखंड प्रगतिशील किसान सम्मेलन

➡ ओएनजीसी ऑडिटोरियम, देहरादून में आयोजित। (9 अप्रैल, 2018)

- ➲ सम्मेलन का आयोजन भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद तथा अखिल भारतीय किसान संघ द्वारा किया गया।
- ➲ इस अवसर मुख्यमंत्री ने प्रो.बी.एस. बिष्ट को राज्य कृषि परिषद का चैयरमैन नामित किया और साथ ही परिषद की विवरणिका एवं वेबसाइट का लोकार्पण किया।

❑ एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 8वां क्षेत्रीय 3 आर फोरम, 2018

➡ इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित। (9-12 अप्रैल, 2018)

- ➲ **मुख्य विषय-**''3R और संसाधन क्षमता के माध्यम से स्वच्छ जल, स्वच्छ भूमि तथा स्वच्छ वायु प्राप्त करना : एशिया-प्रशांत समुदायों के लिए 21वीं सदी का विजन''।
- ➲ इसका आयोजन आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, पर्यावरण मंत्रालय, जापान सरकार तथा संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय विकास केंद्र (UNCRD) द्वारा किया गया।

❑ भीम महोत्सव, 2018

➡ परेड ग्राउंड, देहरादून (उत्तराखंड) में आयोजित। (7-15 अप्रैल, 2018)

- ➲ महोत्सव का आयोजन दून बुद्धिस्ट सोसाइटी द्वारा किया गया।

❑ गुटनिरपेक्ष आंदोलन का मध्यावधि मंत्रिस्तरीय सम्मेलन, 2018

➡ बाकू, अजरबैजान में संपन्न। (5-6 अप्रैल, 2018)

➡ इस सम्मेलन के पूर्व 3-4 अप्रैल, 2018 को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

- ➲ **मुख्य विषय-**''सतत विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना''।

➡ इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने किया।

❑ अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर सातवां मॉस्को सम्मेलन

➡ मॉस्को, रूस में संपन्न। (4-5 अप्रैल, 2018)

- ➲ यह सम्मेलन रूसी संघ के रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था।
- ➲ इस वर्ष यह सम्मेलन सीरिया में आतंकवादियों की हुई हार पर केंद्रित था।

➡ इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया।

❑ इब्सा (IBSA) शेरपाओं/सूस शेरपाओं की पहली बैठक

➡ चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित। (1-3 अप्रैल, 2018)

- ➲ बैठक में विदेश मामलों के सचिव (आर्थिक संबंध) टी.एस. तिरुमूर्ति ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
- ➲ दक्षिण अफ्रीका के शेरपा प्रो. अनिल सूकलाल और ब्राजील के वैकल्पिक शेरपा केनेथ नोब्रेगा ने बैठक में अपने-अपने देश के प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया।

❑ अंतरराष्ट्रीय नौकायन महोत्सव

➡ विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में संपन्न। (29 मार्च से 1 अप्रैल, 2018)

- ➲ आंध्र प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा ई-फैक्टर (E-Factor) के सहयोग से पहली बार इस महोत्सव का आयोजन किया गया।
- ➲ विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट इस आयोजन में सहभागी था।

❑ स्थायी सिंधु आयोग की 114वीं बैठक

➡ नई दिल्ली में संपन्न। (29-30 मार्च, 2018)

- ➲ इस बैठक में भारत के सिंधु जल आयुक्त पी.के. सक्सेना और पाकिस्तान के सैयद

मुहम्मद मेहर अली शाह ने अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व किया।

- दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों ने सिंधु जल संधि (IWT) विवाद और अन्य मुद्दों के समाधान पर विचार-विमर्श किया।

➡ ज्ञातव्य है कि वर्ष 1960 में दोनों देशों के बीच सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किया गया था।

- इसमें सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों-व्यास, रावी, सतलज, सिंधु, चेनाब और झेलम के जल वितरण अधिकार शामिल हैं।
- इस संधि के अनुसार, तीन पश्चिम नदियों सिंधु, झेलम और चेनाब का जल पाकिस्तान के लिए और तीन पूर्वी नदियों रावी, सतलज और व्यास का जल भारत के लिए आरक्षित है।

➡ ज्ञातव्य है कि स्थायी सिंधु आयोग की 113वीं बैठक 20-21 मार्च, 2017 को इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में आयोजित हुई थी।

❑ 9वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता

➡ टोक्यो, जापान में संपन्न। (29 मार्च, 2018)

➡ इसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने तथा जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री तारो कोनो ने किया।

- इसमें दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और साथ ही आम हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

❑ गोकुल महोत्सव

➡ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मुख्यमंत्री निवास (भोपाल) में गोकुल महोत्सव का शुभारंभ। (27 मार्च, 2018)

- यह महोत्सव 10 मई, 2018 तक पूरे प्रदेश में मनाया गया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

➡ महोत्सव के दौरान प्रचार रथों द्वारा जिला स्तर से गांव-गांव एवं घर-घर जाकर प्रदेश की पशुधन की विशाल संख्या को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

❑ आतंकवाद-प्रतिरोध पर भारत-अमेरिका संयुक्त कार्यदल की 15वीं बैठक

➡ नई दिल्ली में आयोजित। (27 मार्च, 2018)

- कार्यदल ने संपूर्ण विश्व और दक्षिण एशियाई क्षेत्र में सीमा पार आतंकवाद समेत सभी संबंधित क्षेत्रों में आतंकवादी समूहों द्वारा उत्पन्न खतरों की समीक्षा की।

➡ संयुक्त कार्यदल की अगली बैठक वर्ष 2019 में संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित होगी।

❑ राष्ट्रीय राइफल्स का 11वां द्विवार्षिक सम्मेलन

➡ नगरोटा (जम्मू-कश्मीर) में सेना प्रमुख विपिन रावत की अध्यक्षता में आयोजित। (26-27 मार्च, 2018)

- सम्मेलन में उत्तरी कमान के सैन्य कमांडर, राष्ट्रीय राइफल्स के महानिदेशक, 15वीं और 16वीं कोर के कोर कमांडर और विद्रोह विरोधी बलों के सभी सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

❑ सरस आजीविका मेला

➡ प्रगति मैदान, नई दिल्ली में संपन्न। (23 मार्च से 1 अप्रैल, 2018)

- ग्रामीण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में इसका आयोजन लोक कार्यक्रम और ग्रामीण प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका अभियान के तहत किया गया।
- मेले में देश के सभी राज्यों के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा 350 स्टॉलों के माध्यम से अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री की गई।

❑ भारत-मिस्र संयुक्त आयोग की 7वीं बैठक

➡ नई दिल्ली में संपन्न। (23 मार्च, 2018)

- बैठक में राजनीतिक, व्यापार और निवेश, साइबर सुरक्षा, क्षमता निर्माण, सुरक्षा और संस्कृति क्षेत्र में विकास की समीक्षा की गई।

❑ सिविल सैन्य संपर्क सम्मेलन

➡ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ में संपन्न। (20 मार्च, 2018)

- सम्मेलन में 1 जनवरी, 1986 से पूर्व के अशोक चक्र श्रृंखला (अशोक चक्र, कीर्तिचक्र, शौर्य चक्र) के विजेताओं तथा अन्य वीरता पुरस्कार विजेताओं को भी आर्थिक सहयोग दिए जाने के निर्णय के साथ ही वीरता एवं विशिष्ट पदक विजेताओं को दिए जाने वाले वित्तीय पुरस्कार में वृद्धि का निर्णय किया गया।

❑ न्यूज 18 राइजिंग इंडिया शिखर सम्मेलन

➡ नेटवर्क 18 द्वारा राइजिंग इंडिया शिखर सम्मेलन, नई दिल्ली में आयोजित। (16-17 मार्च, 2018)

➲ यह इस सम्मेलन का पहला संस्करण था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया।

➲ नोबेल पुरस्कार विजेता पॉल क्रुगमैन इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे।

➲ यह शिखर सम्मेलन मुख्यत: सामरिक मामले, खेल, मनोरंजन और रक्षा पर केंद्रित था।

➡ यह उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल आदि राज्यों में नेटवर्क 18 द्वारा आयोजित की गई राइजिंग सीरीज का समापन सम्मेलन था।

संधि/समझौता

❑ इंडियन ओवरसीज बैंक और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड में समझौता

➡ इंडियन ओवरसीज बैंक (IOB) और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड के बीच दिवाला एवं दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत सूचना उपयोगिता सेवाओं का उपयोग करने हेतु समझौता। (20 अप्रैल, 2018)

➲ इस समझौते से इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखाएं ऋण और चूक के विषय में उच्च गुणवत्ता प्रमाणित जानकारी प्रदान करने में सक्षम होंगी, जिससे उधारकर्ताओं, देनदारों, लेनदारों और ऋण बकाएदारों की सूची को बनाए रखने में अधिक पारदर्शिता आएगी।

➲ ज्ञातव्य है कि अक्टूबर, 2017 में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड दिवाला एवं दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत दिवाला और दिवालियापन बोर्ड के साथ पंजीकृत भारत की पहली सूचना उपयोगिता इकाई बनी।

❑ एसजेवीएन लिमिटेड और ऊर्जा मंत्रालय में समझौता

➡ एसजेवीएन लिमिटेड द्वारा वर्ष 2018-19 हेतु ऊर्जा मंत्रालय के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (20 अप्रैल, 2018)

➲ समझौता-ज्ञापन में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार, एसजेवीएन वर्ष 2018-19 के दौरान 9200 मिलियन यूनिट (उत्कृष्ट श्रेणी के तहत) विद्युत उत्पादित करने का प्रयास करेगा।

➲ वर्ष 2018-19 के लिए एसजेवीएन का पूंजी व्यय लक्ष्य 900 करोड़ रुपये और टर्नओवर का लक्ष्य 2175 करोड़ रुपये निर्धारित है।

❑ जीआईएफएएस (फ्रांस) और एसआईडीएम (भारत) में समझौता

➡ भारतीय रक्षा निर्माता सोसाइटी (SIDM) और ग्रुपमेंट डेस इंडस्ट्रीज फ्रैंकाइज एयरोनॉटिक्स एट स्पैटियालेस (GIFAS), फ्रांस के बीच समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (17 अप्रैल, 2018)

➲ इस समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य फ्रांसीसी एयरोस्पेस उद्योग और भारतीय रक्षा उद्योग के बीच वर्तमान और भविष्य की साझेदारी और सहकारी कार्यों हेतु एक सतत ढांचे को बढ़ावा देना है।

❑ मेघालय समुदाय-नेतृत्व परिदृश्य प्रबंधन परियोजना हेतु समझौता

➡ भारत और विश्व बैंक के बीच मेघालय समुदाय-नेतृत्व परिदृश्य प्रबंधन परियोजना (Meghalaya Communityled Landscapes Managment Project) हेतु 48 मिलियन डॉलर राशि के आईबीआरडी ऋण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर। (16 अप्रैल, 2018)

➲ परियोजना का उद्देश्य मेघालय राज्य में चुनिंदा भू-दृश्यों में समुदाय आधारित परिदृश्य प्रबंधन को बढ़ावा देना है।

❑ सिडबी-सीएससी समझौता

➡ भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा देशभर में 115 आकांक्षी जिलों में सूक्ष्म उद्यमों को उनके विकास में योगदान देने हेतु तैयार की गई योजना को संचालित करने के लिए कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के साथ करार। (अप्रैल, 2018)

➲ इस करार के तहत सिडबी ने सीएसी के सहयोग से 115 आकांक्षी जिलों में माइक्रो इंटरप्राइजेज प्रमोशन प्रोग्राम (MEPP) संचालित करने का निर्णय किया है।

➲ एमईपीपी का उद्देश्य संभावित ग्रामीण उद्यमियों को बढ़ावा देना और औपचारिक बैंकिंग क्षेत्र के साथ वित्तीय समझौते को सुविधाजनक बनाने हेतु प्रोत्साहित करना है।

❑ एनएचएआई द्वारा अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय परियोजना हेतु समझौता

➡ भारत, म्यांमार और थाईलैंड के बीच व्यापार, व्यवसाय, स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाहनों के सुगम आवागमन हेतु भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा म्यांमार में राजमार्ग के यागयी-कलेवा सेक्शन (40/0 मील के पत्थर से 115/5 मील के पत्थर तक) पर आपात स्थिति में रुकने की लेन के साथ दो लेन के उन्नयन हेतु समझौते पर हस्ताक्षर। (11 अप्रैल, 2018)

➲ समझौते पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और मेसर्स पुंज लॉयड लिमिटेड-वराह इन्फ्रा लिमिटेड ने हस्ताक्षर किए।

➲ यह परियोजना विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त-पोषित है, जिसे 1,177 करोड़ रुपये की लागत राशि से ईपीसी मोड में पूरा किया जाएगा।

❑ रत्नागिरि मेगा रिफाइनरी हेतु समझौता

➡ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) वाले भारतीय कंसोर्टियम और सऊदी अरामको के मध्य समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (11 अप्रैल, 2018)

➲ समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य महाराष्ट्र राज्य में एक एकीकृत रिफाइनरी एवं पेट्रोरसायन कॉम्पलेक्स रत्नागिरि रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (बीएस-VI ईंधन) को संयुक्त रूप से विकसित एवं निर्मित करना है।

➡ उपर्युक्त रिफाइनरी प्रतिदिन 1.2 मिलियन बैरल कच्चे तेल (60 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष अथवा एमएमटीपीए) का प्रसंस्करण करने में सक्षम होगी।

❑ भारत-ब्रिटेन-उत्तरी आयरलैंड समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अवैध प्रवासियों की वापसी पर भारत, ब्रिटेन तथा उत्तरी आयरलैंड के बीच समझौता-ज्ञापन को मंजूरी। (11 अप्रैल, 2018)

➲ समझौता-ज्ञापन से ऐसे नागरिकों की वापसी प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी, जो एक निर्दिष्ट अवधि में दूसरे के क्षेत्र में गैर-कानूनी रूप से निवासरत हैं।

➲ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय अपराधों से मुकाबला करने और गंभीर संगठित अपराध से निपटने हेतु सहयोग और सूचना आदान-प्रदान पर भारत, ब्रिटेन तथा उत्तरी आयरलैंड के बीच समझौता-ज्ञापन को मंजूरी। (28 मार्च, 2018)

❑ भारत-बांग्लादेश पाइपलाइन समझौता

➡ भारत और बांग्लादेश के बीच 129.5 किमी. लंबी पाइपलाइन के निर्माण हेतु ढाका (बांग्लादेश) में समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (9 अप्रैल, 2018)

➲ यह मैत्री पाइपलाइन सिलीगुडी (पश्चिम बंगाल) और पार्बतीपुर (बांग्लादेश) के मध्य निर्मित की जाएगी।

➲ इसका उद्देश्य भारत से बांग्लादेश को प्रतिवर्ष 1 मिलियन टन डीजल की आपूर्ति करना है।

❑ भारत-अफगानिस्तान समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वास्थ्य मंत्रालय के भारतीय खाद्य सुरक्षा तथा मानक प्राधिकरण (FSSAI) और अफगानिस्तान के कृषि, सिंचाई और पशुधन मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा और संबंधित क्षेत्रों के लिए सहयोग व्यवस्था पर हस्ताक्षर को मंजूरी। (4 अप्रैल, 2018)

❑ भारत-ईरान समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत ईरान के बीच आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यापार सुधार उपायों पर एक विशेषज्ञ समूह गठित करने हेतु समझौता-ज्ञापन को मंजूरी। (4 अप्रैल, 2018)

❑ भारतीय सेना और एचडीएफसी बैंक में समझौता

➡ भारतीय सेना और एचडीएफसी बैंक के बीच रक्षा वेतन पैकेज विषय पर आधारित समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित। (3 अप्रैल, 2018)

➲ यह समझौता-ज्ञापन सैन्य कर्मियों, पेंशनरों और उनके परिजनों की आवश्यकताओं के दृष्टिगत तैयार किया गया है।

➲ वर्तमान समझौता-ज्ञापन के तहत सैन्य कर्मियों की व्यक्तिगत दुर्घटना तथा स्थायी अपंगता होने पर 30 लाख रुपये का निःशुल्क बीमा, आश्रित बच्चे की शिक्षा हेतु एक लाख रुपये प्रतिवर्ष की दर से चार वर्षों तक शिक्षा सहायता तथा निःशुल्क आवेदन के साथ व्यक्तिगत ऋण तथा वाहन ऋण की सुविधा प्रदान की जाएगी।

❑ हिमाचल प्रदेश आजीविका और वन पारिस्थितिक तंत्र प्रबंधन समझौता

➡ भारत सरकार और जापान सरकार के बीच हिमाचल प्रदेश आजीविका और वन पारिस्थितिक तंत्र प्रबंधन के संबंध में समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (29 मार्च, 2018)

➲ 800 करोड़ रुपये (640 करोड़ रुपये की राशि ऋण के रूप में) की राशि की इस परियोजनांतर्गत हिमाचल प्रदेश के 6 जिलों (बिलासपुर, किन्नौर, कुल्लू, लाहौल-स्फीति, मंडी और शिमला) में आगामी 10 वर्षों (2018-2027) तक कार्य कराए जाएंगे।

➲ इस परियोजना से न केवल वनों की स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों में सुधार होगा, अपितु स्थानीय लोगों के रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

❑ भारत-जाम्बिया समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और जाम्बिया के बीच न्यायिक सहयोग के क्षेत्र में समझौता-ज्ञापन को मंजूरी। (28 मार्च, 2018)

➲ न्यायिक क्षेत्र में सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने से दोनों देशों के मध्य संबंध घनिष्ठ होंगे तथा न्यायिक सुधारों को नई दिशा मिलेगी।

❑ भारत-दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम में समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और दक्षिण एशिया सहकारी पर्यावरण कार्यक्रम (SACEP) के बीच दक्षिण

एशियाई समुद्री क्षेत्र में तेल तथा रासायनिक प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु सहयोग समझौता-ज्ञापन को मंजूरी। (28 मार्च, 2018)

❑ भारत-एडीबी समझौता

➡ एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और भारत सरकार के बीच हिमाचल प्रदेश में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (TVET) संस्थानों के आधुनिकीकरण में सहायता, राज्य के युवाओं की रोजगार क्षमता में वृद्धि और राज्य में कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार हेतु 80 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर। (28 मार्च, 2018)

- परियोजनांतर्गत एक महिला पॉलिटेक्निक की स्थापना, 6 शहरी आजीविका केंद्र, 7 ग्रामीण आजीविका केंद्र और मॉडल करियर केंद्रों में 11 रोजगार एक्सचेंजों को स्थापित किया जाएगा।

❑ एएआई-असम सरकार में समझौता

➡ भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (AAI) ने कामरूप जिले के गांवों में मानव बस्तियों के सतत विकास के लिए अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) पहल के तहत असम सरकार के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। (26 मार्च, 2018)

- गुवाहाटी हवाई अड्डे के आस-पास के समुदायों की लोचशीलता में सुधार हेतु संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा तैयार आकलन के अनुसार, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण कामरूप जिले हेतु अपनी सीएसआर पहल के तहत 4.58 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

❑ ओडिशा सरकार-ब्रिटिश काउंसिल समझौता

➡ ओडिशा सरकार और ब्रिटिश काउंसिल के बीच शिक्षा कौशल और संस्कृति सहित कई अन्य क्षेत्रों में सहयोग हेतु समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (23 मार्च, 2018)

- समझौता-ज्ञापन की शर्तों के अनुसार, ब्रिटिश काउंसिल शिक्षार्थियों और शिक्षकों के लिए अंग्रेजी भाषा कौशल के विकास में योगदान करने सहित राज्य सरकार की 'मो स्कूल' (माई स्कूल) पहल का समर्थन करेगी।
- इसके अतिरिक्त दोनों पक्ष निवेश संवर्द्धन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और खेल सहित कई क्षेत्रों में सहयोग करेंगे।

❑ इसरो-भेल समझौता

➡ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष कार्यों में उपयोग होने वाली लीथियम-आयन बैटरियों के उत्पादन हेतु भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करार किया। (22 मार्च, 2018)

- लीथियम आयन बैटरियों का उपयोग वर्तमान समय में ऊर्जा स्रोत के रूप में विभिन्न उपग्रहों और अंतरिक्ष यानों के प्रक्षेपण के लिए किया जाता है।

❑ भारत-कतर समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत और कतर के बीच दोहरे कराधान से बचने और आय पर कर के संबंध में वित्तीय वंचना की रोकथाम हेतु किए गए समझौते में संशोधन हेतु मंजूरी। (21 मार्च, 2018)

- संशोधित समझौते में नवीनतम मानक की सूचना के आदान-प्रदान हेतु प्रावधानों में सुधार किए जाने की व्यवस्था के साथ ही लाभ के सीमांकन का भी प्रावधान किया गया है।

❑ भेल-एचएलबी पॉवर समझौता

➡ राज्य संचालित बिजली उपकरण निर्माता भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) द्वारा कोरिया गणराज्य के एचएलबी पॉवर के साथ एक तकनीकी सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की घोषणा। (21 मार्च, 2018)

- यह सहयोग इन हाउस डिजाइन और बड़े आकार के गेट्स और डैंपर के डिजाइन और निर्माण के लिए है, जो कोयले के बिजली संयंत्रों में उपयोग किया जाता है।

❑ मध्य प्रदेश सरकार-बीएफआईएल में समझौता

➡ मध्य प्रदेश पशुपालन विभाग द्वारा पशु स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम को तैयार करने हेतु बीएफआईएल (Bharat Financial Inclusion Ltd.) के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर। (20 मार्च, 2018)

- समझौते के अंतर्गत पशुधन संजीवनी, 1962 परियोजना शासन और बीएफआईएल द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित की जाएगी।
- पशुपालक टोल-फ्री नंबर 1962 डॉयल कर बीमार पशु की जानकारी दे सकेंगे, जिससे चिकित्सकों की टीम घर पहुंचकर चिकित्सा सेवा मुहैया करवाएगी।

❑ एसबीआई-आईएमजीसी समझौता

➡ भारत के सबसे बड़े ऋणदाता बैंक 'भारतीय स्टेट बैंक' और भारत बंधक गारंटी निगम (IMGC-India Mortgage Guarantee Corporation) के मध्य संभावित गैर-वेतन भोगी और स्व-नियोजित ऋण ग्राहकों हेतु बंधक गारंटी योजना की पेशकश करने हेतु समझौता। (19 मार्च, 2018)

- यह पेशकश विनियामक मानदंडों के तहत गृह ऋण की पात्रता को 15 प्रतिशत बढ़ाने में मददगार होगी।

❑ भारत-श्रीलंका समझौता

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल को भारत, श्रीलंका के बीच सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहित करने हेतु 15 जनवरी, 2018 को हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। (14 मार्च, 2018)

- सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स पर दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों का कार्य समूह गठित कर इस समझौते को कार्यान्वित किया जाएगा।

❑ आईबीबीआई और आरबीआई में समझौता

➡ दिवाला और दिवालियापन कानून के प्रभावी कार्यान्वयन में सहयोग हेतु दिवाला और दिवालियापन बोर्ड (IBBI) और भारतीय रिजर्व बैंक के मध्य समझौता। (12 मार्च, 2018)

- समझौते की शर्तों के अनुसार, दोनों पक्ष दिवालियापन संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जानकारी और संसाधनों को साझा कर एक-दूसरे का सहयोग करेंगे।

❑ आईएसए-आईईए में समझौता

➡ अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) के बीच नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने हेतु एक संयुक्त साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर। (10 मार्च, 2018)

- इसके अलावा आईएसए ने अफ्रीकी विकास बैंक, एशियाई विकास बैंक (ADB), एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB), हरित जलवायु कोष (GCF) और नव विकास बैंक (NDB) के साथ भी वित्तीय साझेदारी पर हस्ताक्षर किया।
- इन समझौतों का लक्ष्य नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना है।

संघ/संगठन

❑ ई-सरकारी प्रतिभूति मंच

➡ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) द्वारा ई-सरकारी प्रतिभूति (e-Gsec) मंच का शुभारंभ। (24 अप्रैल, 2018)

- यह मंच खुदरा निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने और उन्हें मौजूदा डीमैट खातों में रखने की अनुमति प्रदान करेगा।
- भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियों (G-sec) और ट्रेजरी बिल (T-Bills) में गैर-प्रतिस्पर्धी बोली लगाने की सुविधा के लिए यह मंच शुरू किया गया है।

➡ ज्ञातव्य है कि सरकारी प्रतिभूतियों हेतु प्राथमिक बाजार में खुदरा भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गैर-प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुविधा शुरू की गई थी।

❑ साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र

➡ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा अमरावती में आंध्र प्रदेश साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र (APCSOC) का उद्घाटन। (23 अप्रैल, 2018)

- यह केंद्र आंध्र प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक और संचार मंत्रालय द्वारा शुरू की गई पहल है।
- सरकार की सर्वोत्तम प्रथाओं और ढांचे को तैयार करने और अपनाने में मदद हेतु साइबर सुरक्षा सलाहकार के रूप में प्राइस वाटर हाउस कूपर्स (P_WC) को शामिल किया गया है।

➡ इस केंद्र को संचालित करने के लिए टेक महिंद्रा का चयन किया गया है।

❑ रक्षा और एयरोस्पेस एसएमई फंड

➡ डिफेंस एक्सपो, 2018 के दौरान रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव अजय कुमार द्वारा समर्पित रक्षा और एयरोस्पेस एसएमई फंड स्थापित करने की घोषणा। (11 अप्रैल, 2018)

- यह भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीकृत होगा, जहां निवेशकों द्वारा अल्प हिस्सेदारी प्राप्त की जा सकती है।

❑ पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन को प्रबंधन परामर्श अनुबंध

➡ सार्वजनिक क्षेत्र की पारेषण कंपनी पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एक नवरत्न कंपनी) को पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ बांग्लादेश से 21 करोड़ रुपये का परियोजना प्रबंधन परामर्श अनुबंध प्राप्त हुआ। (अप्रैल, 2018)

पावरग्रिड

- यह अनुबंध 500 मेगावॉट की एचवीडीसी (हाई वोल्टेज डायरेक्ट करेंट) परियोजना के लिए प्राप्त हुआ है।
- परियोजनांतर्गत सूरजमणि नगर (भारत) से बिजली कोमिला नार्थ (बांग्लादेश) ग्रिड तक पहुंचाई जाएगी।
- परियोजना की लागत राशि 1064 करोड़ रुपये है।

❑ बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम

➡ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम का उद्घाटन। (4 अप्रैल, 2018)

- स्टूडेंट क्रेडिट योजना को गति प्रदान करने हेतु राज्य सरकार द्वारा बैंकों के बजाय इस निगम की शुरुआत की गई है, क्योंकि बैंकों द्वारा इस योजनांतर्गत मंजूर किए जाने वाले ऋण में काफी विलंब होता था।
- योजनांतर्गत उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

➡ इस निगम के माध्यम से मात्र 4 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण मुहैया कराने के साथ ही दिव्यांग, छात्राओं एवं ट्रांसजेंडर को सिर्फ 1 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण प्रदान किया जाएगा।

❑ बर्न स्टैंडर्ड कंपनी लिमिटेड

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा रेल मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान बर्न स्टैंडर्ड कंपनी लिमिटेड (BSCL) को बंद करने हेतु मंजूरी। (4 अप्रैल, 2018)

Burn Standard
(A Government of India Undertaking)
CIN: U1909WB1976GOI030797

- ➲ कंपनी को बंद करने का निर्णय 10 वर्षों से अधिक समयावधि में कंपनी के सतत गिरते भौतिक और वित्तीय प्रदर्शन तथा भविष्य में पुनरोत्थान की कम संभावना के कारण किया गया है।

❑ सी-कॉर्पोरेशन के गठन को मंजूरी

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अमेरिका में शत-प्रतिशत मालिकाना हक वाले टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (TCIL) के सी-कॉर्पोरेशन के गठन को मंजूरी। (21 मार्च, 2018)

- ➲ सी-कार्पोरेशन का गठन अमेरिका स्थित टेक्सास राज्य में किया जाएगा, जिसे अमेरिका के अन्य राज्यों में व्यापार करने हेतु पंजीकरण करने का अधिकार प्राप्त होगा।
- ➲ इसमें टीसीआईएल का 100 प्रतिशत प्रतिभूति निवेश 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर होगा।

➡ ज्ञातव्य है कि टीसीआईएल (मिनी रत्न वर्ग-1) केंद्र सरकार के शत-प्रतिशत स्वामित्व वाला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

विधि/न्याय

❑ उत्तर प्रदेश स्व-वित्तपोषित विद्यालय (शुल्क निर्धारण) अध्यादेश

➡ उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक द्वारा राज्य सरकार द्वारा प्रेषित उत्तर प्रदेश स्व -वित्तपोषित विद्यालय (शुल्क निर्धारण) अध्यादेश, 2018 को मंजूरी। (9 अप्रैल, 2018)

- ➲ इसका उद्देश्य किसी विद्यालय में शुल्क संग्रह की प्रक्रिया खुली, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना है।
- ➲ इसके तहत किसी छात्र को पुस्तकें, जूते, मोजे व यूनिफार्म आदि किसी विशिष्ट दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

❑ मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) विधेयक

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मानव अधिकारों के बेहतर संरक्षण और संवर्धन हेतु मानव अधिकार संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2018 को मंजूरी। (4 अप्रैल, 2018)

- ➲ विधेयक के अंतर्गत आयोग के मानद सदस्य के रूप में बाल अधिकार संरक्षण के लिए राष्ट्रीय आयोग को शामिल किए जाने, एक महिला सदस्य को शामिल करने, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग और राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष पद हेतु पात्रता और चयन का दायरा बढ़ाने और राष्ट्रीय मानव अधिकार और राज्य मानव अधिकार के अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल में संशोधन किया जाना प्रस्तावित है।

❑ सरोगेसी (विनियमन) विधेयक

➡ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा सरोगेसी (विनियमन) विधेयक, 2016 में आधिकारिक संशोधन हेतु मंजूरी। (21 मार्च, 2018)

- ➲ इस विधेयक में भारत में केंद्रीय स्तर पर राष्ट्रीय सरोगेसी बोर्ड तथा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में राज्य सरोगेसी बोर्ड और प्राधिकरण की स्थापना कर सरोगेसी को विनियमित किया जाना प्रस्तावित है।
- ➲ प्रस्तावित कानून सरोगेसी का प्रभावी विनियमन सुनिश्चित करता है, वाणिज्यिक सरोगेसी को निषिद्ध करता है और प्रजनन क्षमता से वंचित जरूरतमंद भारतीय दंपतियों को परोपकारी सरोगेसी की अनुमति प्रदान करता है।

➡ यह विधेयक जम्मू एवं कश्मीर को छोड़कर संपूर्ण भारत में लागू होगा।

वर्ष/दिवस

❑ विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस

➡ **तिथि**-3 मई, 2018

- ➲ **मुख्य विषय**- जांच में मजबूती रखना : मीडिया, न्याय और कानून का नियम (Keeping Power in Check : Media, Justice and the Rule of Law)।

❑ विश्व अस्थमा दिवस

➡ **तिथि**- 1 मई, 2018 (मई माह का प्रथम मंगलवार)।

❑ अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस

➡ **तिथि**-1 मई, 2018

❑ विश्व टीकाकरण सप्ताह

➡ **तिथि**- 24-30 अप्रैल, 2018

- ➲ **मुख्य विषय**-''टीकाकरण से सबको सुरक्षित करें'' (Protected Together, # Vaccines Work)।

❑ विश्व बौद्धिक संपदा दिवस

➡ **तिथि**-26 अप्रैल, 2018

- ➲ **मुख्य विषय**-''शक्ति परिवर्तन : नवाचार और रचनात्मकता में महिलाएं'' (Powering Change: Women in innovation and Creativity)।

❑ विश्व मलेरिया दिवस

➡ **तिथि**-25 अप्रैल, 2018

➲ **मुख्य विषय-**''मलेरिया समाप्त करने के लिए तैयार'' (Ready to Beat Malaria)

❑ राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

➡ **तिथि-**24 अप्रैल, 2018

➲ इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मध्य प्रदेश के मंडला जिले में 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान' का शुभारंभ किया गया।

❑ विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस

➡ **तिथि-**23 अप्रैल, 2018

➲ इस वर्ष ग्रीस (यूनान) की राजधानी एथेंस शहर को 'विश्व पुस्तक राजधानी' (World Book Capital) चुना गया है।

❑ विश्व पृथ्वी दिवस

➡ **तिथि-**22 अप्रैल, 2018

➲ **मुख्य विषय-**''प्लास्टिक प्रदूषण खत्म करो'' (End Plastic Pollution) ।

❑ 12वां सिविल सेवा दिवस

➡ **तिथि-**21 अप्रैल, 2018

➲ इस अवसर पर 20-21 अप्रैल, 2018 के मध्य विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सिविल सेवा दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

➲ **मुख्य विषय-** ''नया भारत-भविष्य का निर्माण' (New India-Shaping The Future)।

❑ विश्व लीवर (यकृत) दिवस

➡ **तिथि-**19 अप्रैल, 2018

❑ विश्व विरासत दिवस

➡ **तिथि-**18 अप्रैल, 2018

➲ **मुख्य विषय-**''पीढ़ियों के लिए विरासत'' (Heritage for Generations)

❑ विश्व हीमोफीलिया दिवस

➡ **तिथि-**17 अप्रैल, 2018

➡ **मुख्य विषय-** ''ज्ञान का आदान-प्रदान हमें मजबूत बनाता है'' (Sharing Knowledge Makes us Stronger)।

❑ विश्व होम्योपैथी दिवस

➡ **तिथि-**10 अप्रैल, 2018

➲ यह दिवस होम्योपैथी के संस्थापक जर्मनी के डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुएल हैनीमैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

❑ मानव अंतरिक्ष उड़ान का अंतरराष्ट्रीय दिवस

➡ **तिथि-**12 अप्रैल, 2018

❑ विश्व स्वास्थ्य दिवस

➡ **तिथि-**7 अप्रैल, 2018

➲ **मुख्य विषय-**''सार्वभौमिक स्वास्थ्य पहुंच: हर व्यक्ति के लिए हर जगह'' (Universal Health Coverage : Everyone, everywhere)।

❑ विकास और शांति हेतु अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस

➡ **तिथि-**6 अप्रैल, 2018।

➲ **उद्देश्य-**समाज में खेल की भूमिका एवं योगदान को बढ़ावा देना।

❑ राष्ट्रीय समुद्री दिवस

➡ **तिथि-**5 अप्रैल, 2018।

➲ **मुख्य विषय-**''भारतीय नौवहन : अवसर का एक महासागर'' (Indian Shipping-An Ocean of Opportunity)।

❑ अंतरराष्ट्रीय खदान जागरूकता एवं खनन कार्य में सहायता दिवस

➡ **तिथि-**4 अप्रैल, 2018।

➲ **मुख्य विषय-**'संरक्षण, शांति और विकास को आगे बढ़ाना' (Advancing Protection, Peace and Development)।

❑ विश्व स्वलीनता (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस

➡ **तिथि-**2 अप्रैल, 2018

➲ **मुख्य विषय-**''ऑटिज्म से पीड़ित महिलाओं एवं लड़कियों का सशक्तीकरण'' (Empowering Women and Girls With Autism)।

❑ विश्व रंगमंच दिवस

➡ **तिथि-**27 मार्च, 2018।

❑ अर्थ ऑवर-2018

➡ **तिथि-**24 मार्च, 2018

➲ उल्लेखनीय है कि 'अर्थ ऑवर' डब्ल्यू डब्ल्यूएफ (WWF: World Wide Fund For Nature) द्वारा प्रत्येक वर्ष मार्चांत में मनाया जाता है।

➲ **उद्देश्य-**व्यक्तियों तथा विभिन्न समुदायों को ऊर्जा की खपत कम करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिसके लिए सभी को अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों की गैरजरूरी लाइटों इत्यादि को एक घंटे के लिए बंद करने का आग्रह किया गया है।

➡ इस वैश्विक अभियान की शुरुआत वर्ष 2007 में सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में हुई थी।

❑ अंतरराष्ट्रीय वन दिवस

➡ **तिथि-**21 मार्च, 2018

➲ **मुख्य विषय-**वन और स्थायी शहर (Forests and Sustainable Cities)।

पुस्तकें

- **स्प्लिट : ए लाइफ** - तसलीमा नसरीन
- **हिडेन इंडिया** - लतिका नाथ, श्लोक नाथ
- **द फ्री वायस : ऑन डेमोक्रेसी, कल्चर एंड द नेशन** - रवीश कुमार
- **एक्रास द बेंच : इनसाइट इनटू द इंडियन मिलिट्री ज्यूडिशियल सिस्टम** - ले. जनरल ज्ञान भूषण
- **माई जर्नी फ्राम मार्कसिज्म लेनिनिज्म टू नेहरूवियन सोशलिज्म'** - सी.एच. हनुमंथ राव
- **द सोल ऑफ अमेरिका** - जॉन मीकम
- **द रेस्टलेस वेव** - जॉन मैक्केन, मार्क सेल्टर
- **द असाल्ट ऑन इंटेलिजेंस** - माइकल वी. हेडन
- **द हेलफायर क्लब** - जेक टैपर
- **वारलाइट** - माइकल ऑनदाते
- **सेपियंस : ए ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन काइंड** - युवल नोह हरारी
- **फ्राम कोल्ड वार टू हॉट पीस** - माइकल मैकफॉल
- **फायर एंड फ्यूरी : इनसाइड द ट्रम्प व्हाइट हाउस** - माइकल वूल्फ
- **अनिता गेट्स बेल** - अरुण शौरी
- **व्हिदर इंडियन ज्युडिशियरी** - न्यायमूर्ति मार्कंडेय काटजू

विविध

❑ 15वां प्रवासी भारतीय दिवस, 2019

➡ विदेश मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से वाराणसी (उ.प्र.) में आयोजित किया जाएगा। (21-23 जनवरी, 2019)

- ➲ **मुख्य विषय (Theme)**-''नए भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों की भूमिका''।

❑ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश विश्वास सूचकांक, 2018

➡ वैश्विक परामर्श फर्म ए.टी.कीर्ने (A.T.Kearney) द्वारा जारी। (मई, 2018)

- ➲ इस सूचकांक में 25 देशों/अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया है।
- ➲ यह सूचकांक किसी देश विशेष के संदर्भ में आगामी तीन वर्षों में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की संभाव्यता पर उच्च, मध्य एवं निम्न प्रतिक्रिया के भारात्मक माध्य द्वारा आकलित किया गया है।

➡ **सूचकांक में शामिल शीर्ष 5 देश-**(i) संयुक्त राज्य अमेरिका (स्कोर-2.09), (ii) कनाडा (स्कोर-1.82), (iii) जर्मनी (स्कोर-1.81), (iv) यूनाइटेड किंगडम (स्कोर-1.77) तथा (v) चीन (स्कोर-1.76)।

- ➲ इसमें भारत को 11वां स्थान (स्कोर-1.56) प्राप्त हुआ है, जबकि गत वर्ष यह 8वें स्थान पर था।

❑ 'सदाकाल गुजरात' कार्यक्रम

➡ पं. दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में 'सदाकाल गुजरात' कार्यक्रम और एक प्रदर्शनी का आयोजन। (21-24 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस कार्यक्रम का आयोजन गुजरात सरकार द्वारा प्रतिवर्ष अनिवासी गुजरातियों को एकजुट करने और उनके बीच राज्य की संस्कृति एवं परंपरा को बनाए रखने के लिए किया जाता है।

❑ नगालैंड में सौभाग्य योजना की शुरुआत

➡ नगालैंड में 'सौभाग्य' (सहज बिजली हर घर योजना) योजना की शुरुआत। (20 अप्रैल, 2018)

- ➲ **उद्देश्य**-31 मार्च, 2019 तक पूरे राज्य में 738 गांवों के 90,000 से अधिक घरों का विद्युतीकरण करना।
- ➲ योजनांतर्गत राज्य में 66,766 ग्रामीण परिवारों और 24,566 शहरी परिवारों को बिजली प्रदान की जाएगी।

❑ ई-विधान परियोजना हेतु केंद्रीय परियोजना निगरानी इकाई

➡ केंद्रीय संसदीय मामले, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री विजय गोयल द्वारा संसद भवन परिसर में सरकार की ई-विधान परियोजना हेतु केंद्रीय परियोजना निगरानी इकाई के नवीन कार्यालय का उद्घाटन। (20 अप्रैल, 2018)

- ➲ ई-विधान केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक भाग है।
- ➲ इस परियोजना का उद्देश्य कागजात के उपयोग को कम कर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने में योगदान देना है।

❑ हेन्ली एंड पार्टनर्स : कोचेनोव क्वालिटी ऑफ नेशनलिटी इंडेक्स, 2017

➡ हेन्ली एंड पार्टनर्स : कोचेनोव क्वालिटी ऑफ नेशनलिटी इंडेक्स, 2017 का तीसरा संस्करण जारी। (20 अप्रैल, 2018)

- ➲ **इसमें शामिल विश्व के शीर्ष 5 देश-**(i) फ्रांस, (ii) जर्मनी, (iii) आइसलैंड, (iv) डेनमार्क तथा (v) नीदरलैंड्स।

➡ **निचला स्थान प्राप्त करने वाले 5 देश**-सोमालिया, अफगानिस्तान, इराक, दक्षिण सूडान तथा मध्य अफ्रीकी गणराज्य।

- ➲ इस सूचकांक में भारत को 106वां स्थान प्राप्त हुआ।

❑ टाइम मैगजीन : 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची

➡ प्रतिष्ठित अमेरिकी पत्रिका टाइम द्वारा जारी। (19 अप्रैल, 2018)

- ➲ सूची पायनियर्स, टाइटन्स, आर्टिस्ट, लीडर्स एवं आइकॉन्स श्रेणी में विभाजित।

- ➲ **लीडर्स श्रेणी में शामिल प्रमुख व्यक्ति**-भारतीय मूल के माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो, लंदन के मेयर सादिक खान आदि।

➡ ऑनलाइन कैब सेवा देने वाली कंपनी ओला के सह-संस्थापक भावीश अग्रवाल को पायनियर्स श्रेणी में रखा गया है।

- ➲ प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण आर्टिस्ट श्रेणी में शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली टाइटन्स श्रेणी में शामिल हैं।

➡ सूची में 14 वर्षीया ब्रिटिश कलाकार मिली बॉबी अब तक टाइम 100 में शामिल होने वाली सबसे युवा शख्सियत हैं।

- ➲ इसके अतिरिक्त सूची में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस तथा वर्ष 2018 में ऑस्कर से सम्मानित सर्वश्रेष्ठ फिल्म 'द शेप ऑफ वाटर' के निर्देशक गुइलेरमो डेल टोरो शामिल हैं।

❑ विश्व के 50 महानतम नेताओं की सूची

➡ फॉर्च्यून पत्रिका द्वारा जारी। (19 अप्रैल, 2018)

- ➲ सूची में शीर्ष स्थान पर द स्टूडेंट्स मार्जरी स्टोनमैन डगलस और अन्य विद्यालयों (The Students Marjory Stoneman Douglas and other Schools) को रखा गया है।
- ➲ सूची में गेट्स फाउंडेशन के सह-संस्थापकों बिल एंड मेलिंडा गेट्स को दूसरा, द हैशटैग मी टू मूवमेंट को तीसरा तथा दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून-जे-इन को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है।

➡ इस वर्ष की सूची में 3 भारतीयों को शामिल किया गया है।

- ➲ जिसमें उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह को 20वां, रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी को 24वां तथा प्रसिद्ध आर्किटेक्ट बालकृष्ण दोशी को 43वां स्थान प्राप्त हुआ है।

❑ धन्वंतरि अन्नपूर्णा केंद्र

➡ उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री द्वारा धन्वंतरि अन्नपूर्णा केंद्र का लखनऊ में उद्घाटन। (18 अप्रैल, 2018)

- ➲ धन्वंतरि अन्नपूर्णा संस्था द्वारा शुरू किए गए इस केंद्र में गरीबों को प्रतिदिन 12 बजे से 2 बजे तक 10 रुपये में भरपेट भोजन दिया जाएगा।

❑ ई-सनद पोर्टल और राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार का एकीकरण

➡ विदेश मंत्री सुषमा स्वराज द्वारा भारत पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली में ई-सनद पोर्टल और राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार (NDA-National Academic Depository) के एकीकरण का शुभारंभ। (18 अप्रैल, 2018)

- ➲ इन दोनों के एकीकरण से भारतीय शिक्षा प्रणाली की पारदर्शिता में सुधार होगा।

➡ सरकारी कार्यालयों में बिना गए विदेश जाने वाले लोगों के लिए दस्तावेजों से प्रमाणन की प्रक्रिया को डिजिटलीकृत करने के उद्देश्य से सरकार ने वर्ष 2017 में ई-सनद पोर्टल लांच किया था।

➡ सरकार द्वारा स्कूल शिक्षा के प्रमाण-पत्र, डिग्री और उच्च शिक्षा संस्थानों के अन्य अकादमिक पुरस्कारों को डिजिटल रूप से जमा करने हेतु राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार की शुरुआत की गई थी।

❑ हीमोफीलिया जाग्रुति

➡ गुजरात विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र त्रिवेदी द्वारा विश्व हीमोफीलिया दिवस के अवसर पर 'हीमोफीलिया जाग्रुति' (त्रैमासिक) नामक पत्रिका जारी। (17 अप्रैल, 2018)

- ➲ **उद्देश्य**-हीमोफीलिया पर किए गए शोध और ज्ञान को साझा करना।

❑ ताइपे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर

➡ ताइपे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (TWTC) द्वारा भारत और ताइवान के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई दिल्ली में अपने कार्यालय का शुभारंभ। (अप्रैल, 2018)

- ➲ टीडब्ल्यूटीसी वर्ष 1986 में ताइवान बाह्य व्यापार विकास परिषद (TAITRA) द्वारा शुरू किया गया था।

❑ राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का मसौदा

➡ पर्यावरण मंत्रालय द्वारा वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) का मसौदा जारी। (17 अप्रैल, 2018)

➡ एनसीएपी के मुख्य घटक हैं-देश के 100 प्रदूषित शहरों में निगरानी संयंत्रों की संख्या में वृद्धि करना, आंकड़ों का विश्लेषण करना, योजना बनाने तथा इसके कार्यान्वयन में आम लोगों की भागीदारी, आंकड़ों के विश्लेषण के लिए वायु सूचना केंद्र की स्थापना करना, घर के अंदर की हवा के प्रदूषण के बारे में दिशा-निर्देश जारी करना आदि।

❑ नाबार्ड द्वारा राजस्थान हेतु वित्तपोषण की मंजूरी

➡ राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा वर्ष 2017-18 के लिए राजस्थान को 14,690 करोड़ रुपये की कुल ऋण सहायता राशि को मंजूरी। (अप्रैल, 2018)

- ➲ राजस्थान नाबार्ड के ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास निधि के तहत सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है।

❑ नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट

➡ नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विकास हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के प्रस्ताव को केंद्र सरकार द्वारा सैद्धांतिक मंजूरी।

- ➲ यह हवाई अड्डा गौतमबुद्धनगर में जेवर के निकट स्थापित किया जा रहा है।

❑ फियो ग्लोबललिंकर

➡ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म 'फियो ग्लोबल-लिंकर' नई दिल्ली में लांच। (17 अप्रैल, 2018)

- ➲ इसको लांच करने का मुख्य उद्देश्य लघु एवं मझोले उद्यमों (SME) के व्यवसाय में वृद्धि को और अधिक सरल, लाभप्रद एवं सुखद बनाना है।

❑ दर्पण-पीएलआई ऐप

➡ संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा द्वारा दर्पण (DARPAN-Digital Advancement of Rural Post Office for a New India) पीएलआई ऐप लांच। (17 अप्रैल, 2018)

- ➲ यह ऐप न केवल शाखा डाकघरों में डाक जीवन बीमा (PLI) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (RPLI) किश्तों के संग्रह में मदद करेगा, अपितु शाखा डाकघर में डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा नीतियों के संबंध में परिपक्वता दावों के सूचीकरण को भी सक्षम बनाएगा।
- ➲ दर्पण, आईटी आधुनिकीरण योजना के तहत डाक विभाग द्वारा शुरू की गई एक परियोजना है।

➡ इसका उद्देश्य सभी 1.29 लाख ग्रामीण शाखा डाकघरों को जोड़ना है और देश में उन्हें ऑनलाइन डाक और वित्तीय लेन-देन करने में सक्षम बनाना है।

❑ भारत का दूसरा सबसे मूल्यवान ऋणदाता बैंक

➡ कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (SBI) को पछाड़कर भारत का दूसरा सबसे मूल्यवान ऋणदाता बैंक बना। (16 अप्रैल, 2018)

- ➲ बाजार पूंजीकरण के संदर्भ में एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे मूल्यवान ऋणदाता बैंक है।

kotak
Kotak Mahindra Bank

➡ एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 5.04 लाख करोड़ रुपये हैं।

❑ कोल बेड मीथेन की खोज और दोहन को मंजूरी

➡ आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा तेल क्षेत्र (नियमन और विकास) अधिनियम, 1948 के अनुच्छेद 12 के तहत 3 नवंबर, 2015 को जारी अधिसूचना की धारा 3 (xiii) को संशोधित कर अधिसूचना जारी करने की अनुमति प्रदान की गई है। (11 अप्रैल, 2018)

- ➲ संशोधन के तहत पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के अंतर्गत कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों को अपने कोयला क्षेत्रों से कोल बेड मीथेन की निकासी हेतु लाइसेंस/पट्टा की मंजूरी के लिए आवेदन करने के संदर्भ में राहत प्रदान की गई है।
- ➲ भारत सरकार ने 3 नवंबर, 2015 को कोल इंडिया लिमिटेड एवं इसकी सहायक कंपनियों को आवंटित कोयला खनन पट्टे के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से कोल बेड मीथेन की खोज एवं दोहन को स्वीकृति प्रदान की गई थी।

❑ भारत-चीन के मध्य परमाणु अप्रसार वार्ता

➡ भारत और चीन के मध्य निरस्त्रीकरण और परमाणु अप्रसार पर पांचवें दौर की वार्ता बीजिंग, चीन में संपन्न। (10 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव डॉ. पंकज शर्मा ने किया और चीनी प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के हथियार नियंत्रण विभाग के महानिदेशक वांग कुन ने किया।

❑ दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन, उत्तर प्रदेश के गठन का निर्णय। (10 अप्रैल, 2018)

- ➲ फाउंडेशन हेतु कोष की स्थापना पर्यटकों के प्रवेश शुल्क, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से प्रोजेक्ट विशेष हेतु सहयोग, किसी व्यक्ति विशेष या विदेशी सरकार या बाहरी संगठन से प्राप्त धन, अनुदान अथवा अन्य सहायता आदि जैसी विभिन्न स्रोतों से प्राप्त धनराशि से की जाएगी।
- ➲ फाउंडेशन के प्रबंधन के दायित्व निर्वहन हेतु प्रभावी मंत्री वन एवं वन्यजीव, उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय शासकीय निकाय का गठन किया जाएगा।

❑ नासा भावी सुपरसोनिक विमान

➡ नासा द्वारा अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना आवाजरहित भावी सुपरसोनिक यात्री विमान बनाने हेतु अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन एयरोनॉटिक्स से 24.75 करोड़ डॉलर में अनुबंध। (अप्रैल, 2018)

- ➲ वर्ष 2021 में पहली परीक्षण उड़ान भरेगा।
- ➲ सामान्य तौर पर इस विमान की गति 940 मील/घंटा होगी।

❑ कौशाम्बी महोत्सव

➡ कौशाम्बी महोत्सव कौशाम्बी के मुख्यालय मंझनपुर में आयोजित। (4-5 अप्रैल, 2018)

- ➲ इस महोत्सव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुरेंद्र कुमार सिंह और डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी रसराज को 'कौशाम्बी रत्न' से सम्मानित किया।
- ➲ ज्ञातव्य है कि कौशाम्बी प्रदेश का एकमात्र जनपद है, जो बौद्ध और रामायण सर्किट दोनों से जुड़ा है।

❑ जैविक कृषि में संलग्न किसानों को मासिक पेंशन

➡ सिक्किम के मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग द्वारा जैविक कृषि करने वाले राज्य के किसानों को मासिक पेंशन दिए जाने की घोषणा। (3 अप्रैल, 2018)

- ➲ राज्य सरकार जैविक कृषि में संलग्न किसानों को प्रतिमाह 1000 रुपये पेंशन प्रदान करेगी।
- ➲ ज्ञातव्य है कि सिक्किम देश का पहला जैविक राज्य है।

❑ उत्तर प्रदेश में समन्वित कृषि प्रणाली

➡ उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की संपन्न बैठक में उत्तर प्रदेश के 9 कृषि जलवायु क्षेत्रों (एग्रोक्लाइमेटिक जोन) के एक-एक जनपद में समन्वित कृषि प्रणाली विकसित किए जाने का निर्णय। (3 अप्रैल, 2018)

- ➲ यह प्रणाली प्रदेश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय अर्द्धशुष्क उष्ण कटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICRISAT) द्वारा विकसित की जाएगी।
- ➲ इस प्रणाली के अंतर्गत मुख्यत: स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों एवं मौसम की जानकारी जैसे आधारभूत आंकड़ों पर ही कृषि प्रणाली का निर्धारण कर कृषकों के खेत पर समन्वित कृषि प्रणाली का उपयोग किया जाएगा।

❑ फ्लोरीमीटर

➡ राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर (परमाणु ऊर्जा विभाग की इकाई) में पानी में यूरेनियम की मात्रा के मापन हेतु 'फ्लोरीमीटर' (Fluorimeter) नामक यंत्र विकसित। (मार्च, 2018)

➲ यह यंत्र 0.1 पीपीबी (पार्ट्स-प्रति-बिलियन) इकाई से 100 पीपीबी के पानी के नमूने में यूरेनियम की मात्रा की जांच करने में सक्षम है।

❑ 181-सखी

➡ असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा महिलाओं के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर '181-सखी' का शुभारंभ। (29 मार्च, 2018)

➲ असम में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध के मद्देनजर यह हेल्पलाइन शुरू की गई है।

➲ खतरे की स्थिति में सुरक्षा के साथ ही महिलाएं किसी भी प्रकार की सहायता के लिए इस हेल्पलाइन का उपयोग कर सकती हैं।

❑ फॉस्फोरस और पोटाश उर्वरकों हेतु सब्सिडी दर को मंजूरी

➡ आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा वर्ष 2018-19 की अवधि में फॉस्फोरस और पोटाश (P&K) उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दर निर्धारित करने हेतु उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी। (28 मार्च, 2018)

➲ पोषक तत्व आधारित सब्सिडी हेतु प्रति किग्रा. प्रस्तावित सब्सिडी दर नाइट्रोजन (एन) हेतु 18.901 रुपये, फॉस्फोरस (पी) हेतु 15.216 रुपये, पोटाश (के) हेतु 11.124 रुपये और सल्फर (एस) हेतु 2.722 रुपये निर्धारित है।

➲ फॉस्फोरस और पोटाश उर्वरकों पर वर्ष 2018-19 में प्रदत्त की जाने वाली सब्सिडी पर अनुमानित व्यय 23007.16 करोड़ रुपये होगा।

❑ माधवपुर मेला

➡ गुजरात के पोरबंदर जिले में स्थित माधवपुर घेड़ में आयोजित। (25-28 मार्च, 2018)

➲ इस मेले का आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया।

➲ इस मेले में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के तहत पहली बार उत्तर-पूर्व के राज्यों के साथ 4 दिवसीय सांस्कृतिक एकीकरण उत्सव आयोजित हुआ।

❑ आकांक्षी जिलों के लिए बेसलाइन रैंकिंग

➡ नीति आयोग द्वारा देश में 115 आकांक्षी जिलों के लिए बेसलाइन रैंकिंग की शुरुआत। (मार्च, 2018)

➲ यह रैंकिंग स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास तथा बुनियादी ढांचे से संबंधित 49 सूचकों पर आधारित है।

➡ इस संबंध में नवीनतम उपलब्ध डाटा के आधार पर 101 आकांक्षी जिलों की रैंकिंग जारी की गई।

➲ इसमें विजयनगरम (आंध्र प्रदेश), राजनांदगांव (छत्तीसगढ़), ओस्मानाबाद (महाराष्ट्र) क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रैंक पर हैं।

➲ मेवात (हरियाणा) की 101वीं रैंक है।

❑ प्रिंट द्विवार्षिकी भारत, 2018

➡ ग्राफिक प्रिंट की पहली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी 'प्रिंट द्विवार्षिक भारत, 2018' (Print Biennale India, 2018) ललित कला अकादमी के रवींद्र भवन गैलरी, नई दिल्ली में संपन्न। (25 मार्च से 22 अप्रैल, 2018)

➲ इसका आयोजन ललित कला अकादमी द्वारा किया गया।

❑ देश का पहला संकेत शब्दकोश

➡ केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत द्वारा '3000 शब्दों के पहले भारतीय संकेत भाषा शब्दकोश' का शुभारंभ। (23 मार्च, 2018)

➲ यह शब्दकोश भारतीय संकेत भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (ISLR & TC) द्वारा विकसित किया गया है।

➡ **उद्देश्य**-मूक-बधिर समुदाय के बीच संवाद बाधाओं को दूर करना।

❑ श्रीलंका की नौसेना को अत्याधुनिक अपतटीय गश्ती पोत की आपूर्ति

➡ गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा श्रीलंका की नौसेना को दूसरे अत्याधुनिक अपतटीय गश्ती पोत की आपूर्ति। (22 मार्च, 2018)

➲ गोवा के वास्कोडिगामा स्थित वड्डुम में आयोजित समारोह में इस पोत को श्रीलंका की नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया।

❑ सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र से एअर इंडिया की उड़ान

➡ एअर इंडिया द्वारा दिल्ली से तेल अवीव (इस्राइल) के लिए उड़ान की शुरुआत। (22 मार्च, 2018)

➲ सऊदी अरब द्वारा इस्राइल जाने वाली वाणिज्यिक उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल की अनुमति देने के बाद यह पहली उड़ान थी।

❑ एक युद्धक पोत, तीन माइंसस्वीपर सेवामुक्त

➡ भारतीय नौसेना द्वारा स्वदेश निर्मित गोदावरी श्रेणी का निर्देशित मिसाइल युद्धपोत आईएनएस गंगा (एफ 22) सेवामुक्त। (22 मार्च, 2018)

➲ इसे 30 दिसंबर, 1985 को तैनात किया गया था।

➲ 23 मार्च, 2018 को भारतीय नौसेना के कारवार श्रेणी के तीन माइंस स्वीपर (सुरंगभेदी पोत) आईएनएस कोंकण, आईएनएस कन्नानूर और आईएनएस कुड्डालूर को विशाखापत्तनम में नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित समारोह में सेवामुक्त किया गया।

❑ भारत में भिखारियों की संख्या

➡ केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत द्वारा लोक सभा में भारत में भिखारियों की संख्या के संबंध में पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में जानकारी प्रदान की गई। (21 मार्च, 2018)

➲ जनगणना, 2011 के अनुसार, भारत में कुल भिखारियों की

संख्या 413670 है, इसमें पुरुष भिखारियों की संख्या 221673 और महिला भिखारियों की संख्या 191997 है।

➲ सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में भिखारियों की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल (81244) और सबसे कम लक्षद्वीप (2) में है।

➡ भिखारियों की जनसंख्या के संदर्भ में पश्चिम बंगाल के बाद उत्तर प्रदेश (65835) दूसरे, आंध्र प्रदेश (30218) तीसरे, बिहार (29723) चौथे और मध्य प्रदेश (28695) पांचवें स्थान पर है।

➲ संघ शासित प्रदेशों में भिखारियों की सर्वाधिक संख्या दिल्ली (2187) में है।

❑ देल्हिज़ डेट विथ डेमोक्रेसी ऐप

➡ दिल्ली सरकार द्वारा 'देल्हिज़ डेट विथ डेमोक्रेसी' ऐप की शुरुआत। (19 मार्च, 2018)

➲ यह मोबाइल ऐप्लिकेशन शहर में इच्छुक गायक और नर्तकों के लिए व्यापक स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने हेतु एक मंच प्रदान करेगा।

❑ स्टीफन हॉकिंग पर विशेष कवर जारी

➡ भारतीय डाक द्वारा भौतिक विज्ञानी और ब्रह्मांडविद् स्टीफन हॉकिंग (मृत्यु-14 मार्च, 2018) पर एक विशेष कवर जारी कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। (20 मार्च, 2018)

➲ स्टीफन हॉकिंग पर विशेष कवर डाक विभाग के सभी 22 सर्किलों में जारी किए गए।

❑ उत्तरी नर सफेद गैंडे की मृत्यु

➡ विश्व के अंतिम बचे 45 वर्षीय उत्तरी सफेद नर गैंडे 'सूडान' का केन्या में निधन। (19 मार्च, 2018)

➲ इस गैंडे की देखभाल केन्या में वन्यजीवों की रक्षक एक संस्था द्वारा की जा रही थी।

❑ माइक्रोप्रोसेसर नियंत्रित रेलवे इंजन

➡ म्यांमार के नाय प्यी ता में आयोजित एक समारोह में भारतीय रेल द्वारा 18 एसी-डीसी 1350 हॉर्स पॉवर (1350HP) डीजल इलेक्ट्रिक इंजन (माइक्रोप्रोसेसर नियंत्रण आधारित प्रणाली से लैस) म्यांमार रेलवे को औपचारिक रूप से सौंपा गया। (19 मार्च, 2018)

➲ डीजल लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी में निर्मित इन 18 इंजनों की सप्लाई राइट्स लिमिटेड द्वारा की गई है।

➲ अधिकांशतः इंजनों की सप्लाई भारतीय ऋण व्यवस्था के तहत की गई है।

❑ एफ -16 विमान

➡ अमेरिका की प्रमुख रक्षा कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा एफ-16 जेट विमान की उत्पादन इकाई भारत में स्थापित किए जाने की घोषणा। (मार्च, 2018)

➲ इस पहल से भारतीय उद्योग को विश्व के सबसे बड़े लड़ाकू विमान तंत्र के केंद्र में आने का अनोखा अवसर प्राप्त हुआ है।

❑ सी-437 इंटरसेप्टर नौका

➡ पोरबंदर, गुजरात में 'इंटरसेप्टर नौका (Boat) सी-437' भारतीय तटरक्षक बल के बेड़े में शामिल। (17 मार्च, 2018)

➲ अत्याधुनिक नौवहन और संचार उपकरण से लैस इस नौका की लंबाई 27.80 मीटर है।

➲ इस नौका की अधिकतम गति 45 समुद्री मील है।

➡ यह निगरानी, खोज और बचाव अभियान के साथ-साथ समुद्र में किसी संकट में नौकाओं की सहायता करने के लिए विविध भूमिकाओं को निभाने में सक्षम है।

❑ स्टार्टअप इकोसिस्टम, 2017

➡ स्टार्टअप ब्लिंक (Startup Blink -a global startup ecosystem map) द्वारा जारी। (मार्च, 2018)

➲ इसमें 125 देशों एवं 900 शहरों को उनकी स्टार्टअप इकोसिस्टम स्ट्रेंथ के अनुसार रैंकिंग प्रदान की गई है।

➲ **सूची में शामिल 5 शीर्ष देश**-(i) अमेरिका, (ii) यूनाइटेड किंगडम, (iii) कनाडा (iv) इस्राइल तथा (v) जर्मनी।

➡ इस सूची में भारत को 37वां स्थान प्राप्त हुआ है।

❑ स्पीडटेस्ट वैश्विक सूचकांक, 2018

➡ इंटरनेट स्पीड टेस्ट करने वाली प्रमुख कंपनी ऊकला (Ookla) द्वारा जारी। (फरवरी, 2018)

➲ मोबाइल इंटरनेट डाउनलोड स्पीड में अग्रणी 5 देश-(i) नॉर्वे (62.07 Mbps) (ii) आइसलैंड (58.44 Mbps), (iii) नीदरलैंड्स (54.53 Mbps), (iv) सिंगापुर (51.92 Mbps) तथा (v) संयुक्त अरब अमीरात (51.72 Mbps)।

➲ मोबाइल इंटरनेट डाउनलोड की स्पीड के मामले में भारत 109वें (9.01 Mbps) स्थान पर है।

➲ **फिक्स्ड ब्रॉडबैंड डाउनलोड स्पीड में अग्रणी 5 देश**-(i) सिंगापुर (161.53 Mbps), (ii) आइसलैंड (157.73 Mbps), (iii) हांगकांग (129.64 Mbps), (iv) दक्षिण कोरिया (117.49 Mbps) तथा (v) रोमानिया (105.74 Mbps)।

➡ फिक्स्ड ब्रॉडबैंड डाउनलोड स्पीड के मामले में भारत 67वें (20.72 Mbps) स्थान पर है।

❑ डाटा विज्ञान प्रयोगशाला

➡ भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा डाटा विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्णय। (5 अप्रैल, 2018)

➲ इस प्रयोगशाला की स्थापना से वित्तीय स्थिति का अनुमान लगाने, निगरानी करने और समय रहते चेतावनी जारी करने की व्यवस्था में सुधार होगा और नीति-निर्माण में सहायता होगी।

➲ प्रयोगशाला में विशेषज्ञों के अलावा ऐसे विश्लेषकों को भी शामिल किया जाएगा, जो कंप्यूटर विज्ञान, डाटा विश्लेषण, सांख्यिकी, अर्थशास्त्र तथा वित्त क्षेत्र के विशेषज्ञ होंगे।

➡ यह इकाई दिसंबर, 2018 तक परिचालित होगी।

क्रिकेट, टेनिस, शतरंज, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल आयोजनों का विवरण

टेनिस

❑ कुनमिंग ओपन, 2018

➡ एनिंग, चीन में संपन्न। (23 अप्रैल -5 मई, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - प्रजनेश गुणेश्वरन (भारत)

उपविजेता - मोहम्मद सफवात (मिस्र)

➲ **महिला एकल**

विजेता - इरिना ख्रोमाचेवा (रूस)

उपविजेता - झेंग सेसाई (चीन)

➡ यह गुणेश्वरन का चैलेंजर सर्किट में पहला खिताब है।

❑ स्टुटगार्ट ओपन, 2018

➡ स्टुटगार्ट, जर्मनी में संपन्न। (22-29 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **महिला एकल**

विजेता - कैरोलीना प्लिसकोवा (चेक गणराज्य)

उपविजेता - कोको वांडेवेघे (अमेरिका)

➲ **महिला युगल**

विजेता - राकुएल आटावो (अमेरिका) एवं **एना-लिना ग्रैनेफेल्ड** (जर्मनी)

उपविजेता - निकोल मेलिचार (अमेरिका) एवं क्वेटा पेश्चेक (चेक गणराज्य)

❑ बार्सिलोना ओपन, 2018

➡ बार्सिलोना, स्पेन में संपन्न। (23-29 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - राफेल नडाल (स्पेन)

उपविजेता - स्टेफानोस सितसिपास (ग्रीस)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - फेलिसियानो लोपेज एवं **मार्क लोपेज** (दोनों स्पेन)

उपविजेता - ऐसाम-उल-हक कुरैशी (पाकिस्तान) एवं जीन जूलियन रोजर (नीदरलैंड्स)

❑ मोंटे-कार्लो मास्टर्स, 2018

➡ मोंटे कार्लो, मोनाको में संपन्न। (15-22 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - राफेल नडाल (स्पेन)

उपविजेता - केई निशिकोरी (जापान)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - बॉब एवं **माइक ब्रायन** (दोनों अमेरिका)

उपविजेता - ओलिवर मराच (ऑस्ट्रिया) एवं मैट पेविक (क्रोएशिया)

❑ मियामी ओपन, 2018

➡ फ्लोरिडा, अमेरिका में संपन्न। (19 मार्च - 1 अप्रैल 2018)

➡ मियामी ओपन को मियामी मास्टर्स के नाम से भी जाना जाता है।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - जॉन इश्नर (अमेरिका)

उपविजेता - अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)

➲ **महिला एकल**

विजेता - स्लोएन स्टीफेंस (अमेरिका)

उपविजेता - जेलेना ओस्टापेंको (लाटविया)

❑ वोल्वो कार ओपन, 2018

➡ चार्ल्सटन, अमेरिका में संपन्न। (2-8 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **महिला एकल**

विजेता - किकी बर्टेंस (नीदरलैंड्स)

उपविजेता - जूलिया गॉर्गेस (जर्मनी)

➲ **महिला युगल**

विजेता - अला कुद्रयावत्सेवा (रूस) एवं **कैटरीना स्रेबोत्निक** (स्लोवेनिया)

उपविजेता - एंद्रेजा क्लेपैक (स्लोवेनिया) एवं मारिया जोस मार्टिनेज सांचेज (स्पेन)

❑ लेडीज ओपन लुगानो, 2018

➡ स्विट्जरलैंड में संपन्न। (9 - 15 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **महिला एकल**

विजेता - एलिस मर्टेंस (बेल्जियम)

उपविजेता - अरीना साबालेंका (बेलारूस)

➲ **महिला युगल**

विजेता - कर्सटेन फ्लिपकेंस एवं **एलिस मर्टेंस** (दोनों बेल्जियम)

उपविजेता - वेरा लापको एवं अरीना साबालेंका (दोनों बेलारूस)

❑ यू.एस. पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप, 2018

➡ ह्यूसटन, टेक्सास (अमेरिका) में संपन्न। (9 - 15 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - स्टीव जॉनसन (अमेरिका)

उपविजेता - टेनिस सैंडग्रेन (अमेरिका)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - मैक्स मिरनई (बेलारूस) एवं **फिलिप ऑसवाल्ड** (ऑस्ट्रिया)

उपविजेता - आंद्रे बेगेमैन (जर्मनी) एवं एंटोनियो सैनसिस (क्रोएशिया)

क्रिकेट

❑ ICC के सभी 104 देशों को टी-20 मान्यता

➡ ICC ने अपने सभी 104 देशों को अंतरराष्ट्रीय टी-20 मान्यता प्रदान कर दी। (26 अप्रैल, 2018)

➡ ICC ने यह निर्णय कोलकाता में अपनी पांच दिवसीय बैठक के दौरान लिया।

➡ सभी महिला टीमों को 1 जुलाई, 2018 से तथा सभी पुरुष टीमों को 1 जनवरी, 2019 से अंतरराष्ट्रीय टी-20 दर्जा प्राप्त हो जाएगा।

❑ भारत-इंग्लैंड महिला एकदिवसीय श्रृंखला, 2018

➡ भारत एवं इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के मध्य 3 एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला नागपुर, महाराष्ट्र में संपन्न। (6 - 12 अप्रैल, 2018)

➡ **स्थल** - विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, नागपुर।

➡ भारत ने एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली।

➡ **'प्लेयर ऑफ द सीरीज'** - स्मृति मंधाना (भारत), श्रृंखला में सर्वाधिक 181 रन।

➡ **'श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट'** - सोफी इक्लेस्टोन (इंग्लैंड), कुल 8 विकेट।

➡ श्रृंखला का पहला मैच भारतीय कप्तान मिताली राज का 192वां मैच था और इसी के साथ वह सर्वाधिक महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली क्रिकेटर बन गईं।

➲ उन्होंने इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स (191 मैच) का रिकॉर्ड तोड़ा।

❑ बिहार को रणजी ट्रॉफी खेलने की अनुमति

➡ बिहार क्रिकेट टीम सितंबर, 2018 से रणजी ट्रॉफी सहित सभी राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करेगी।

➡ अपने इस निर्णय से प्रशासकों की समिति (COA) तथा बीसीसीआई ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता में गठित पीठ को अवगत कराया। (1 मई, 2018)

➡ इससे पूर्व 17 अप्रैल, 2018 को सौरव गांगुली के नेतृत्व में BCCI की तकनीकी समिति ने भी सर्वसम्मति से बिहार को रणजी ट्रॉफी में प्रतिभाग करने की अनुमति प्रदान करने की सिफारिश की थी।

➡ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2001 से बिहार BCCI का पूर्ण सदस्य न होने के कारण रणजी ट्रॉफी में भाग नहीं ले पा रहा था।

❑ भारत-ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड महिला टी- 20 त्रिकोणीय श्रृंखला, 2018

➡ ब्रेबोर्न स्टेडियम, मुंबई में संपन्न। (22-31 मार्च, 2018)

➡ ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने श्रृंखला के फाइनल में इंग्लैंड को 57 रन से पराजित कर टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

➡ **'प्लेयर ऑफ द फाइनल मैच'** - मेग लैनिंग (ऑस्ट्रेलिया)

➡ **'प्लेयर ऑफ द सीरीज'** - मेगन शट (ऑस्ट्रेलिया), श्रृंखला में सर्वाधिक 9 विकेट।

➡ **श्रृंखला में सर्वाधिक रन** - डेनियल व्याट (इंग्लैंड) - कुल 213 रन।

➡ श्रृंखला के दौरान इंग्लैंड की जेनी गुन 100 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने वाली विश्व की प्रथम क्रिकेटर (पुरुष/महिला) बन गईं।

➡ 25 मार्च को इंग्लैंड के विरुद्ध खेले गए मैच में भारत की स्मृति मंधाना ने 25 गेंदों पर अर्द्धशतक बनाया।

➲ इसी के साथ स्मृति अंतरराष्ट्रीय टी-20 में सबसे तेज अर्द्धशतक लगाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गईं।

➲ इसी मैच में भारतीय महिला टीम ने अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में अपना सर्वोच्च स्कोर (198/4) बनाया।

➲ इंग्लैंड ने इस मैच में महिला अंतरराष्ट्रीय टी-20 में सर्वाधिक रनों का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड बनाया।

➡ श्रृंखला के चौथे मैच में मेगन शट महिला अंतरराष्ट्रीय टी-20 में हैट्रिक पूरी करने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बनीं।

➲ यह उपलब्धि उन्होंने भारत के विरुद्ध प्राप्त की।

➡ फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अंतरराष्ट्रीय महिला टी-20 क्रिकेट का सर्वोच्च टीम स्कोर (209/4) बनाया। (इंग्लैंड के विरुद्ध)

➲ इससे पूर्व यह रिकॉर्ड द. अफ्रीकी महिला टीम (205/1 रन) के नाम था।

❑ पाकिस्तान सुपर लीग (PSL), 2018

➡ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) द्वारा प्रशासित टी-20 प्रारूप वाली पाकिस्तान सुपर लीग (PSL), 2018 (तीसरा संस्करण) यूएई एवं पाकिस्तान में संपन्न। (22 फरवरी - 25 मार्च, 2018)

➡ **फाइनल मैच का स्थल -** नेशनल स्टेडियम, कराची।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - इस्लामाबाद यूनाइटेड** (दूसरा खिताब)

➲ **उपविजेता -** पेशावर जाल्मी

➡ **'प्लेयर ऑफ द फाइनल मैच एवं सीरीज' - ल्यूक रोंकी** (इस्लामाबाद यूनाइटेड)

➡ **'टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट'** - **फहीम अशरफ** (इस्लामाबाद यूनाइटेड) एवं **वहाब रियाज** (पेशावर जाल्मी), दोनों ने टूर्नामेंट में 18-18 विकेट लिए।

➡ इस्लामाबाद यूनाइटेड के ल्यूक रोंकी ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन (435) बनाए।

❑ ICC क्रिकेट विश्व कप, 2018 क्वालीफायर

➡ ICC क्रिकेट विश्व कप, 2019 के अंतिम दो स्थानों के लिए आयोजित क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट, 2018 जिम्बाब्वे में संपन्न। (4-25 मार्च, 2018)

➡ क्वालीफायर के फाइनल में पहुंची दो टीमों वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान ने विश्व कप, 2019 के लिए अर्हता प्राप्त कर ली।

➡ फाइनल में अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से पराजित कर क्वालीफायर टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

➡ **'प्लेयर ऑफ द सीरीज' - सिकंदर रजा** (जिम्बाब्वे)

➡ ICC क्रिकेट विश्व कप, 2019 की प्रतिभागी 10 टीमें इस प्रकार हैं- 1. इंग्लैंड (मेजबान), 2. ऑस्ट्रेलिया, 3. भारत, 4. बांग्लादेश, 5. न्यूजीलैंड, 6. पाकिस्तान, 7. द. अफ्रीका, 8. श्रीलंका, 9. वेस्टइंडीज एवं 10. अफगानिस्तान।

➡ यह प्रथम अवसर होगा जब कोई एसोसिएट देश (Associate Nation) क्रिकेट विश्व कप में भाग नहीं लेगा।

❑ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट : बॉल टेंपरिंग विवाद

➡ द. अफ्रीका के दौरे पर चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम द्वारा गेंद से छेड़छाड़ (Ball Tampering) करने की घटना प्रकाश में आई। (24 मार्च, 2018)

➡ ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर कैमरून बेनक्रॉफ्ट गेंद से छेड़छाड़ करते हुए कैमरे में कैद हुए।

➡ मैच समाप्ति के बाद मैच रेफरी एंडी पाईक्रॉफ्ट ने बेनक्रॉफ्ट को लेवल 2 अपराध का दोषी पाया।

➡ ICC ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ को चौथे मैच के लिए प्रतिबंधित करते हुए मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना भी लगाया।

➡ बेनक्रॉफ्ट पर मैच फीस का 75 फीसदी जुर्माना और 3 डीमेरिट अंक सजा के तौर पर दिए गए।

➡ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री मैल्कम टर्नबुल ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) को शीघ्र निर्णायक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

➡ इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कार्यकारी महाप्रबंधक टीम प्रदर्शन पैट हावर्ड की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया गया।

➡ 27 मार्च, 2018 को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के CEO जेम्स सदरलैंड ने प्रारंभिक जांच में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरून बेनक्रॉफ्ट को दोषी पाए जाने की पुष्टि की और इन्हें बर्खास्त करते स्वदेश वापसी का निर्देश दिया।

➡ 28 मार्च, 2018 को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी अंतिम जांच रिपोर्ट में तीनों खिलाड़ियों को बोर्ड की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3.5 के उल्लंघन का दोषी पाया।

➡ सजा के तौर पर स्मिथ एवं वॉर्नर पर 12-12 महीने (1 वर्ष), जबकि बेनक्रॉफ्ट पर 9 माह का प्रतिबंध लगाया गया।

➡ साथ ही स्मिथ और बेनक्रॉफ्ट प्रतिबंध समाप्त हो जाने के बाद अगले 1 वर्ष तक ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम की कप्तानी नहीं कर सकेंगे।

➲ साजिश के मुख्य आरोपी उप-कप्तान डेविड वॉर्नर को ऑस्ट्रेलिया में आजीवन कप्तानी करने से प्रतिबंधित कर दिया गया।

➡ सजा के अतिरिक्त इन तीनों क्रिकेटरों को सामुदायिक क्रिकेट में 100 घंटे तक स्वैच्छिक सेवा भी करनी होगी।

➡ हालांकि जांच में मुख्य कोच डैरेन लेहमन को निर्दोष पाया गया था, फिर भी उन्होंने इस घटनाक्रम के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

➡ 28 मार्च, 2018 को BCCI ने स्मिथ और वॉर्नर को IPL-2018 में खेलने से प्रतिबंधित कर दिया।

➲ स्मिथ IPL टीम राजस्थान रॉयल्स तथा वॉर्नर, सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान थे।

➲ स्मिथ के स्थान पर अजिंक्य रहाणे (भारत) को राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी सौंपी गई है।

➲ सनराइजर्स हैदराबाद के नए कप्तान न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन बनाए गए हैं।

❑ IPL का आधिकारिक अंपायर पार्टनर

➡ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के अगले पांच संस्करणों हेतु **पेटीएम** (Paytm) को आधिकारिक अंपायर पार्टनर (Official Umpire Partner) नियुक्त किया है। (12 मार्च, 2018)

➡ ज्ञातव्य है कि पेटीएम एक ऑनलाइन वॉलेट कंपनी है, जिसका मुख्यालय नोएडा में स्थित है।

➡ पेटीएम भारतीय क्रिकेट का आधिकारिक शीर्षक प्रायोजक (Official Title Sponsor) भी है।

➡ इंडियन प्रीमियर लीग (IPL), 2018 की शीर्षक प्रायोजक मोबाइल निर्माता कंपनी **विवो** (VIVO) है।

❑ विजडन, 2018 संस्करण

➡ क्रिकेट की बाइबिल के उपनाम से प्रसिद्ध ब्रिटिश खेल पत्रिका 'विजडन क्रिकेटर्स अलमानैक' (Wisden Cricketer's Almanack) का वार्षिक संस्करण 11 अप्रैल, 2018 को प्रकाशित हुआ।

➡ पत्रिका ने अपने 155वें संस्करण के आवरण पृष्ठ पर इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर अन्या श्रुबसोले को स्थान दिया है।

➲ अन्या श्रुबसोले यह सम्मान प्राप्त करने वाली विश्व की प्रथम महिला क्रिकेटर हैं।

➡ विजडन ने वर्ष 2017 के लिए 'द लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' का सम्मान लगातार दूसरी बार भारतीय कप्तान विराट कोहली को प्रदान किया है।

➡ 'द लीडिंग वीमेन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' का सम्मान भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज को प्रदान किया गया है।

➡ वर्ष 2018 से प्रारंभ विजडन के नए अवॉर्ड 'द लीडिंग टी-20 क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' के प्रथम विजेता अफगानिस्तान के गेंदबाज राशिद खान बने।

➡ 155वें संस्करण में प्रकाशित पांच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों (Five Cricketers of the year) में से तीन खिलाड़ी 2017 महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता इंग्लैंड टीम से हैं।

➡ विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर के नाम इस प्रकार हैं-

(1) अन्या श्रुबसोले (इंग्लैंड)
(2) हीथर नाइट (इंग्लैंड)
(3) नताली स्किवर (इंग्लैंड)
(4) शाई होप (वेस्टइंडीज)
(5) जेमी पोर्टर (टीम एसेक्स, इंग्लैंड)

फुटबॉल

❑ प्रीमियर लीग, 2017-18

➡ शीर्ष पेशेवर इंग्लिश प्रीमियर लीग, 2017-18 संपन्न। (13 मई, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - मैनचेस्टर सिटी

❑ कोपा डेल रे

➡ स्पेनिश प्राइमरी फुटबॉल कप का 116वां संस्करण मैड्रिड में संपन्न। (21 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - बार्सिलोना (5-0 से)

उपविजेता - सेविला

➡ बार्सिलोना का यह कुल 30वां और लगातार चौथा कोपा डेल रे खिताब है।

❑ हीरो सुपर कप, 2018

➡ भारतीय फुटबॉल क्लबों की नॉकआउट प्रतियोगिता **हीरो सुपर कप, 2018** कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर में संपन्न। (15 मार्च - 20 अप्रैल, 2018)

➲ यह इस प्रतियोगिता का प्रथम संस्करण था।

➡ **प्रायोजक - हीरो मोटोकॉर्प**

➡ **प्रतिभागी टीमें -** 20

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - बंगलुरू एफसी (4-1 से)

उपविजेता - ईस्ट बंगाल

➡ **'हीरो ऑफ द टूर्नामेंट' - मीकू** (बंगलुरू एफसी)

➡ **'टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल' - सुनील छेत्री** (बंगलुरू एफसी), 6 गोल

➡ यह टूर्नामेंट भारत की शीर्ष नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता **फेडरेशन कप** के स्थान पर प्रारंभ की गई है।

➲ इसमें भारत की हीरो **आई-लीग** और **इंडियन सुपर लीग** की टीमें नॉक आउट प्रारूप में प्रतिभाग करती हैं।

❑ हीरो संतोष ट्रॉफी, 2017-18

➡ भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता हीरो संतोष ट्रॉफी, 2017-18 (72वां संस्करण) कोलकाता, प. बंगाल में संपन्न। (8 जनवरी - 1 अप्रैल, 2018)

➡ **फाइनल मैच का आयोजन स्थल -** विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगण (साल्टलेक स्टेडियम), कोलकाता।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - केरल (पेनाल्टी शूट आउट में 4 - 2 से)

उपविजेता - प. बंगाल

➡ निर्धारित और अतिरिक्त समय के बाद दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं।

➡ केरल ने 13 वर्षों के अंतराल पर अपना छठवां संतोष ट्रॉफी खिताब जीता है।

➡ केरल टीम के कप्तान राहुल राज एवं प. बंगाल के कप्तान जितेन मुर्मु थे।

➡ चैंपियनशिप में सर्वाधिक गोल- विक्टोरीनो फर्नांडिस (गोवा), 5 गोल।

➡ प. बंगाल ने अब तक सर्वाधिक 32 बार संतोष ट्रॉफी का खिताब जीता है।

❑ जॉकी क्लब अंतरराष्ट्रीय युवा आमंत्रण टूर्नामेंट, 2018

➡ हांगकांग फुटबॉल एसोसिएशन (HKFA) द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट हांगकांग में संपन्न। (23-25 मार्च, 2018)

➡ मूल रूप से यह U-17 टूर्नामेंट था, जिसमें भारत की U-16 फुटबॉल टीम ने भाग लिया था।

➡ भारत ने फाइनल में हांगकांग U-17 को 4-2 से पराजित कर टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

हॉकी

❑ 8वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप ('ए' डिविजन), 2018

➡ लखनऊ, उत्तर प्रदेश में संपन्न। (15-25 मार्च, 2018)

➡ **फाइनल स्थल -** पद्मश्री मोहम्मद शाहिद सिंथैटिक हॉकी स्टेडियम

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

- **स्वर्ण पदक - हॉकी पंजाब** (2-1) से
- **रजत पदक** - पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (PSPB)
- **कांस्य पदक** - रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (RSPB)
- **चौथा स्थान** - एयर इंडिया स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (AISPB)

❑ भारतीय महिला हॉकी टीम का दक्षिण कोरिया दौरा, 2018

➡ भारतीय महिला हॉकी टीम द. कोरिया के दौरे पर रही। (3 - 13 मार्च, 2018)

➡ दौरे पर 5 मैचों की श्रृंखला खेली गई।

➡ भारत ने 5 मैचों की यह श्रृंखला 3-1 से जीत ली।

➡ श्रृंखला का पांचवां और अंतिम मैच 1-1 से ड्रा रहा।

➡ श्रृंखला का पहला मैच भारतीय कप्तान रानी रामपाल का 200वां तथा मिडफील्डर मोनिका का 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच था।

बैडमिंटन

❑ न्यूजीलैंड ओपन, 2018

➡ ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में संपन्न। (1-6 मई, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - लिन डान (चीन)

उपविजेता - जोनाटन क्रिस्टी (इंडोनेशिया)

➲ **महिला एकल**

विजेता - सयाका ताकाहाशी (जापान)

उपविजेता - झांग यिमान (चीन)

❑ बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप, 2018

➡ 38वां संस्करण वुहान, चीन में संपन्न। (24-29 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

स्वर्ण पदक - केंटो मोमोटा (जापान)

रजत पदक - चेन लांग (चीन)

कांस्य पदक - एच.एस. प्रणय (भारत) एवं ली चोंग वेई (मलेशिया)

➲ **महिला एकल**

स्वर्ण पदक - ताई त्जु यिंग (चीनी ताइपे)

रजत पदक - चेन युफेई (चीन)

कांस्य पदक - साइना नेहवाल (भारत) एवं सुंग जी-ह्युन (द. कोरिया)

❑ विक्टर डच इंटरनेशनल, 2018

➡ वाटरिंगेन, नीदरलैंड्स में संपन्न हुई। (12 - 15 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रमुख प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष एकल**

विजेता - जून वेइ चिआम (मलेशिया)

उपविजेता - एड्रियन जिओल्को (पोलैंड)

➲ **पुरुष युगल**

विजेता - अरुण जॉर्ज एवं **संयम शुक्ला** (दोनों भारत)

उपविजेता - निकीता खाकीमोव एवं आंद्रे पाराखोदिन (दोनों रूस)

❑ ओरलियंस मास्टर्स, 2018

➡ ओरलियंस, फ्रांस में संपन्न। (27 मार्च - 1 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता के प्रमुख परिणाम**

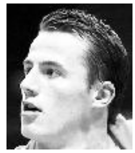

➲ **पुरुष एकल**

स्वर्ण पदक - मार्क कालजोउव (नीदरलैंड्स)

रजत पदक - रासमुस गिम्के (डेनमार्क)

कांस्य पदक - लुकास क्लेयरबोउत (फ्रांस) एवं **समीर वर्मा** (भारत)

शतरंज

❑ ग्रेंके चेस क्लासिक, 2018

➡ बाडेन-बाडेन, जर्मनी में संपन्न। (31 मार्च - 9 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - फैबियानो करूआना (अमेरिका), संभावित 9 में से 6.5 अंक।

➡ नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन 5.5 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रहे।

❑ कैंडीडेट्स टूर्नामेंट, 2018

➡ बर्लिन, जर्मनी में संपन्न। (10-28 मार्च, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - फैबियानो करूआना (अमेरिका), संभावित 14 में से 9 अंक।

➡ अजरबैजान के शाखरियार मामेदयारोव और रूस के सर्जेई कर्जाकिन 8 अंकों के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे।

➡ इस प्रकार विजेता फैबियानो करूआना ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप, 2018 के खिताब के लिए वर्तमान चैंपियन मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे) को चुनौती देने का अधिकार प्राप्त कर लिया।

➡ विश्व शतरंज चैंपियनशिप, 2018 का आयोजन 9 से 28 नवंबर, 2018 के मध्य लंदन (यू.के.) में किया जाएगा।

स्नूकर/बिलियड्‌र्स/स्क्वैश

❑ ACBS एशियन बिलियड्‌र्स एवं स्नूकर चैंपियनशिप, 2018

➡ यंगून, म्यांमार में संपन्न। (18-24 मार्च, 2018)

➡ **आयोजक - एशियन कंफेडेरेशन ऑफ बिलियड्‌र्स स्पोर्ट्स** (ACBS)

➡ भारत ने प्रतियोगिता में 2 स्वर्ण, 1 रजत तथा 3 कांस्य पदक जीते।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **17वीं एशियन बिलियड्‌र्स पुरुष चैंपियनशिप, 100 UP, 2018**

- **स्वर्ण पदक - पंकज आडवाणी** (भारत)
- **रजत पदक** - भास्कर बालाचंद्रा (भारत)
- **कांस्य पदक** - ध्वज हरिया एवं रूपेश शाह (दोनों भारत)

➲ **दूसरी एशियन स्नूकर (महिला) चैंपियनशिप, 2018**

- **स्वर्ण पदक - एमी कमानी** (भारत)
- **रजत पदक** - सिरीपापोर्न नुआनथाखमजान (थाईलैंड)
- **कांस्य पदक** - कीरथ भंडाल (भारत) एवं का काई वान (हांगकांग)

➡ एमी कमानी महिला एशियन स्नूकर का खिताब जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

❑ अबू धाबी ओपन स्क्वैश, 2018

➡ अबू धाबी, यू.ए.ई. में संपन्न। (6 मई, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - रमित टंडन (भारत)

उपविजेता - ओमार अब्देल मेगुइद (मिस्र)

➡ रमित का पेशेवर स्क्वैश संघ (PSA) टूर का तीसरा खिताब है।

गोल्फ

❑ माएकयंग ओपन, 2018

➡ सियोल, द. कोरिया में संपन्न। (6 मई, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - सांग-ह्युन पार्क (द. कोरिया)

➡ भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहे।

❑ वेल्स फारगो चैंपियनशिप, 2018

➡ नॉर्थ कैरोलीना, अमेरिका में संपन्न। (6 मई, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➡ **विजेता - जेसन डे** (ऑस्ट्रेलिया)

❑ ज्यूरिख क्लासिक ऑफ न्यू ओरलियांस

➡ लुसियाना, अमेरिका में संपन्न। (29 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - बिली होर्सचेल एवं **स्कॉट पियर्सी** (दोनों अमेरिका) संयुक्त रूप से।

❑ पैनासोनिक ओपन, 2018

➡ ओसाका, जापान में संपन्न। (22 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - राहिल गंगजी (भारत)

❑ वालेरो टेक्सास ओपन, 2018

➡ टेक्सास, अमेरिका में संपन्न। (22 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - एंड्रयू लैंड्री (अमेरिका)

❑ मास्टर्स टूर्नामेंट, 2018

➡ जॉर्जिया, अमेरिका में संपन्न। (8 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - पैट्रिक रीड (अमेरिका)

एथलेटिक्स

❑ लंदन मैराथन, 2018

➡ लंदन, ब्रिटेन में संपन्न। (22 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष वर्ग**

विजेता - इलियुड किपचोगे (केन्या)

समय - 2 घंटे, 4 मिनट एवं 17 सेकंड

➲ **महिला वर्ग**

विजेता - विवियन चेरुईयोट (केन्या)

समय - 2 घंटे, 18 मिनट एवं 31 सेकंड

❑ बोस्टन मैराथन, 2018

➡ बोस्टन, मैसाच्युसेट्स (अमेरिका) में संपन्न। (16 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष वर्ग**

विजेता - युकी कावायुची (जापान)

समय - 2 घंटे, 15 मिनट एवं 58 सेकंड

➲ **महिला वर्ग**

विजेता - डेसिरी लिनडेन (अमेरिका)

समय - 2 घंटे, 39 मिनट एवं 54 सेकंड

❑ 14वीं एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप, 2018

➡ चीन के गुईयांग (Guiyang) में संपन्न। (14 मार्च, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **सीनियर महिला (8 किमी.)**

स्वर्ण पदक - ली डान (चीन), 28 : 03 सेकंड

रजत पदक - अबे युकारी (जापान), 28 : 06 सेकंड

कांस्य पदक - संजीवनी बी. जाधव (भारत), 28 : 19 सेकंड

➲ **टीम खिताब**

स्वर्ण पदक - जापान

रजत पदक - चीन

कांस्य पदक - भारत

➲ **सीनियर पुरुष (12 किमी.)**

स्वर्ण पदक - पेंग जिआनहुआ (चीन), 38 : 22 सेकंड

टीम स्वर्ण पदक - जापान

➲ **जूनियर पुरुष (8 किमी.)**

स्वर्ण पदक - सुओलांग काईरेन (चीन), 25 : 35 सेकंड

टीम स्वर्ण पदक - जापान

➲ **जूनियर महिला (6 किमी.)**

स्वर्ण पदक - वाडा युना (जापान), 20 : 43 सेकंड

टीम स्वर्ण पदक - जापान

❑ दक्षिण एशियाई क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप, 2018

➡ थिम्पू, भूटान में संपन्न। (27 मार्च, 2018)

➡ भारत ने पुरुष एवं महिला दोनों ही वर्गों के स्वर्ण पदक जीत लिए।

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **पुरुष वर्ग** (10 किमी.)

स्वर्ण पदक - प्रदीप सिंह चौधरी (भारत)

रजत पदक - शंकर मान थापा (भारत)

कांस्य पदक - डॉन लियोनल (श्रीलंका)

➲ **महिला वर्ग** (8 किमी.)

स्वर्ण पदक - संजीवनी जाधव (भारत)

रजत पदक - बिश्वरूपा (नेपाल)

कांस्य पदक - उदा रत्नायके (श्रीलंका)

➲ **टीम चैंपियनशिप**

➲ **पुरुष वर्ग** (10 किमी.)

स्वर्ण पदक - भारत

रजत पदक - श्रीलंका

कांस्य पदक - भूटान

➲ **महिला वर्ग** (8 किमी.)

स्वर्ण पदक - श्रीलंका

रजत पदक - भारत

कांस्य पदक - नेपाल

फॉर्मूला वन

❑ अजरबैजान ग्रैंड प्रिक्स

➡ बाकु सिटी सर्किट, अजरबैजान में संपन्न। (29 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

विजेता - लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन), टीम - मर्सिडीज।

❑ चाइनीज ग्रैंड प्रिक्स, 2018

➡ शंघाई, चीन में संपन्न। (15 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता -** ऑस्ट्रेलियाई चालक **डैनिएल रिकीआर्डो। टीम-** रेडबुल रेसिंग।

❑ बहरीन ग्रैंड प्रिक्स, 2018

➡ बहरीन इंटरनेशनल सर्किट में संपन्न। (8 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता -** जर्मन चालक सेबास्टियन वेट्टल। **टीम-** फेरारी

❑ ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स, 2018

➡ फॉर्मूला वन सत्र, 2018 की प्रथम रेस मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (25 मार्च, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **विजेता - सेबास्टियन वेट्टल** (जर्मनी), **टीम -** फेरारी

चर्चित खेल व्यक्ति

❑ जस्टिन लेंगर

➡ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज।

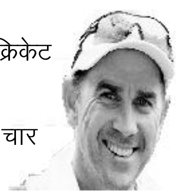

➡ क्रिकेट के तीनों प्रारूपों हेतु ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के नए कोच नियुक्त। (3 मई, 2018)

➡ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) ने उनकी नियुक्ति चार वर्षों हेतु की है।

➲ इन्होंने इस पद पर डैरेन लेहमन का स्थान लिया।

❑ दिनेश कार्तिक एवं हार्दिक पांड्या

➡ भारतीय क्रिकेटर।

➡ ICC द्वारा टी-20 विश्व एकादश टीम में शामिल। (3 मई, 2018)

➡ विश्व एकादश टीम के कप्तान इंग्लैंड के इयोन मोर्गन हैं।

➡ उल्लेखनीय है कि ICC विश्व एकादश टीम 31 मई, 2018 को लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के विरुद्ध एक सहायतार्थ मैच में भाग लेगी।

➡ वेस्टइंडीज में आए हरीकेन इरमा एवं मारिया के कारण क्षतिग्रस्त हुए स्टेडियमों के पुनर्निर्माण के लिए धनराशि एकत्रित करने हेतु यह टी-20 मैच कराया जा रहा है।

❑ हरेंद्र सिंह

➡ भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच।

➡ हॉकी इंडिया (HI) द्वारा सीनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त। (1 मई, 2018)

➡ साथ ही पुरुष टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिज्ने को पुनः सीनियर महिला हॉकी टीम का कोच नियुक्त कर दिया गया।

❑ शहजार रिजवी

➡ भारतीय निशानेबाज।

➡ दक्षिण कोरिया के चांगवान में संपन्न ISSF विश्व कप (द्वितीय चरण) 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। (24 अप्रैल, 2018)

➡ इस सफलता के बाद ISSF विश्व रैंकिंग्स (10 मी. एयर पिस्टल) में रिजवी ने नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। (1 मई, 2018)

❑ नीरज गोयत

➡ भारतीय मुक्केबाज।

➡ मानद WBC एशियन बॉक्सर ऑफ द ईयर से सम्मानित। (1 मई, 2018)

➡ नीरज वर्तमान में वेल्टरवेट वर्ग में WBC एशिया चैंपियन हैं।

❑ सी.ए. भवानी देवी

➡ भारतीय महिला तलवारबाज।

➡ आइसलैंड के रेक्जाविक में संपन्न टूर्नोई विश्व कप सैटेलाइट फेंसिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। (28 अप्रैल, 2018)

❑ झूलन गोस्वामी

➡ महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज।

➡ इनके सम्मान में कोलकाता में डाक टिकट जारी। (20 अप्रैल, 2018)

➲ पांच रुपये के मूल्य वाले इस डाक टिकट पर झूलन के साथ विक्टोरिया मेमोरियल की तस्वीर अंकित है।

➡ उल्लेखनीय है कि फरवरी, 2018 में झूलन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली पहली महिला गेंदबाज बनी थीं।

❑ मिताली राज

➡ भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान।

➡ तेलंगाना स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन द्वारा वर्ष 2017 हेतु 'स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर' चुना गया। (31 मार्च, 2018)

➡ इसके अतिरिक्त प्रदत्त अन्य पुरस्कार

➲ सर्वश्रेष्ठ सीनियर पुरुष एथलीट - **किदांबी श्रीकांत** (बैडमिंटन)

➲ सर्वश्रेष्ठ सीनियर महिला एथलीट - पी.वी. सिंधु (बैडमिंटन)

➲ वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कोच - पुलेला गोपीचंद (बैडमिंटन)

❑ जेनी गुन

➡ इंग्लिश महिला क्रिकेटर।

➡ 100 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने वाली विश्व की प्रथम क्रिकेटर (पुरुष/महिला) बन गईं। (25 मार्च, 2018)

➡ उन्होंने भारत में संपन्न त्रिकोणीय टी-20 श्रृंखला के तीसरे मैच में भारत के विरुद्ध यह उपलब्धि प्राप्त की।

➡ पुरुषों में पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी 98 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर शीर्ष पर हैं।

❑ स्नेहल बेंडके

➡ FIBA से लाइसेंस प्राप्त भारतीय महिला बॉस्केटबॉल रेफरी।

➡ राष्ट्रमंडल खेल, 2018 की बॉस्केटबॉल स्पर्धाओं के लिए रेफरी चयनित। (27 मार्च, 2018)

➡ स्नेहल राष्ट्रमंडल खेलों में बतौर रेफरी हिस्सा लेने वाली प्रथम भारतीय महिला बनीं।

❑ राजन नायर

➡ जिम्बाब्वे क्रिकेट प्रशासन के पूर्व अधिकारी।

➡ अंतरराष्ट्रीय मैच फिक्स करने के आरोप में ICC द्वारा 20 वर्षों के लिए क्रिकेट गतिविधियों से निलंबित। (27 मार्च, 2018)

❑ डेनियल व्याट

➡ इंग्लिश महिला क्रिकेटर।

➡ अंतरराष्ट्रीय महिला टी-20 क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाली बल्लेबाज बनीं। (25 मार्च, 2018)

➲ उन्होंने भारत में संपन्न त्रिकोणीय टी-20 श्रृंखला के एक मैच में भारत के विरुद्ध 52 गेंदों पर शतक (कुल 124 रन, 64 गेंद) लगाया।

➡ इस प्रारूप में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन के नाम (38 गेंदों पर) है।

❑ रिद्धिमान साहा

➡ भारतीय क्रिकेटर

➡ कोलकाता में खेले गए एक क्लब स्तरीय टी-20 मैच (जेसी मुखर्जी ट्रॉफी) में 20 गेंदों पर शतक (102 रन) बनाया और चर्चा में रहे। (24 मार्च, 2018)

➲ इस पारी में साहा ने 14 छक्के तथा 4 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 510.00 रहा।

❑ केविन पीटरसन

➡ इंग्लिश क्रिकेटर।

➡ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया। (17 मार्च, 2018)

➡ पीटरसन ने 104 टेस्ट मैचों में 8181 रन, 136 एकदिवसीय मैचों में 4440 रन तथा 37 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में 1176 रन बनाए हैं।

❑ लिएंडर पेस

➡ ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय लॉन टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने डेविस कप युगल मुकाबलों में 43वीं जीत दर्ज कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। (7 अप्रैल, 2018)

➲ इससे पूर्व डेविस कप में सर्वाधिक युगल मुकाबले जीतने का रिकॉर्ड इटली के निकोला पीट्रांजेली (42 जीत) के नाम था।

➡ पेस ने रोहन बोपन्ना के साथ मिलकर तियानजिन (चीन) में डेविस कप के एशिया-ओशिनिया ग्रुप-1 के एक मैच में चीन की जोड़ी को हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

❑ अजीत सिंह

➡ राजस्थान के पूर्व पुलिस महानिदेशक।

➡ इन्हें BCCI की भ्रष्टाचार रोधी इकाई (ACU) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया। (31 मार्च, 2018)

➡ उन्होंने इस पद पर दिल्ली पुलिस के पूर्व कमिश्नर नीरज कुमार का स्थान लिया।

❑ किदांबी श्रीकांत

➡ 12 अप्रैल, 2018 को जारी BWF विश्व रैंकिंग में भारत के किदांबी श्रीकांत ने 76895 अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

➲ इसी के साथ किदांबी श्रीकांत कंप्यूटराइज्ड रैंकिंग सिस्टम प्रारंभ होने के बाद शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए।

➡ आधिकारिक रैंकिंग प्रारंभ होने से पूर्व वर्ष 1980 में भारत के प्रकाश पादुकोण शीर्ष तीन टूर्नामेंट जीतकर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने थे।

➡ महिला वर्ग में साइना नेहवाल मार्च, 2015 में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनने वाली प्रथम भारतीय थीं।

➡ फरवरी, 2018 में श्रीकांत को टाइम्स ऑफ इंडिया स्पोर्ट्स अवॉर्ड (TOISA) में 'स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया था।

➡ उल्लेखनीय है कि 10 मई, 2018 को जारी नवीनतम रैंकिंग में श्रीकांत तीसरे स्थान पर आ गए हैं, जबकि डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन शीर्ष पर हैं।

❑ मोर्ने मॉर्केल

➡ द. अफ्रीका के तेज गेंदबाज।

➡ ऑस्ट्रेलिया के साथ संपन्न टेस्ट शृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। (3 अप्रैल, 2018)

➡ मॉर्केल ने 86 टेस्ट मैचों में **309**, 117 एकदिवसीय में **188** तथा 44 टी-20 में **47** विकेट प्राप्त किए हैं।

❑ राशिद खान

➡ अफगानिस्तान के गेंदबाज।

➡ इन्होंने हरारे, जिम्बाब्वे में ICC क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर, 2018 के फाइनल में शाई होप (वेस्टइंडीज) को अपना **100वां अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय शिकार** बनाया।

➲ इसी के साथ राशिद **सबसे तेज 100 अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय विकेट** (44वें मैच) लेने वाले गेंदबाज बन गए।

➲ इससे पूर्व यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के **मिचेल स्टार्क के नाम** (52 मैचों में 100 विकेट) था।

❑ सौम्यजीत घोष

➡ भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी।

➡ भारतीय टेबल टेनिस संघ (TTFI) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित किए गए। (23 मार्च, 2018)

➡ **कारण**- इन पर बलात्कार, आपराधिक षड्यंत्र, महिला की सहमति के बिना गर्भपात और धोखेबाजी का आरोप है।

चर्चित खेल स्थल

❑ आइसलैंड

➡ आइसलैंड ने ब्रिटेन में एक पूर्व रूसी सैन्य अधिकारी एवं ब्रिटिश जासूस को जहर दिए जाने की प्रतिक्रिया में रूस में होने वाले फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 का राजनयिक बहिष्कार करने की घोषणा की। (26 मार्च, 2018)

➡ विदेश मंत्रालय (आइसलैंड) के अनुसार, आइसलैंड के राजनयिक इस विश्व कप में शिरकत नहीं करेंगे।

➡ ब्रिटेन के बाद यह घोषणा करने वाला आइसलैंड दूसरा देश है।

➡ उल्लेखनीय है कि अक्टूबर, 2017 में आइसलैंड फीफा फुटबॉल विश्व कप, 2018 के लिए अर्हता प्राप्त करने वाला अब तक का सबसे छोटा देश बना था।

❑ नेपाल

➡ जिम्बाब्वे में संपन्न ICC क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर (4 - 25 मार्च, 2018) में नेपाल ने इतिहास रचते हुए पहली बार अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मैच खेलने का दर्जा हासिल कर लिया। (15 मार्च, 2018)

➡ नेपाल ने पापुआ न्यू गिनी को 6 विकेट से पराजित कर यह उपलब्धि हासिल की।

➡ अब नेपाल को न्यूनतम वर्ष 2022 तक अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय टीम होने का दर्जा मिल गया है।

❑ संयुक्त अरब अमीरात

➡ वर्ष 2018 की एशिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन BCCI द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में 13-28 सितंबर, 2018 के मध्य किया जाएगा।

➲ इस निर्णय की घोषणा एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के कार्यकारी बोर्ड की बैठक में की गई। (10 अप्रैल, 2018)

➲ यह प्रतियोगिता एकदिवसीय प्रारूप में आयोजित की जाएगी।

➲ हालांकि एशिया कप का पिछला संस्करण वर्ष 2016 में टी-20 प्रारूप में आयोजित किया गया था।

➲ इस प्रतियोगिता में 6 टीमें प्रतिभाग करेंगी और मैचों का आयोजन दुबई एवं अबू धाबी में किया जाएगा।

खेल विविध

❑ ASBC एशियन युवा पुरुष एवं महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप, 2018

➡ बैंकॉक, थाईलैंड में संपन्न। (27 अप्रैल, 2018)

➡ चैंपियनशिप में भारत ने **3 स्वर्ण**, 4 रजत एवं 4 कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक जीते।

➡ **भारतीय स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज**

1. ललिता (69 किग्रा. भार वर्ग)
2. मनीषा (64 किग्रा. भार वर्ग)
3. नीतू घांगहास (48 किग्रा. भार वर्ग)

❑ 8वीं दक्षिण एशियाई जूडो चैंपियनशिप

➡ ललितपुर, काठमांडू (नेपाल) में संपन्न। (23 अप्रैल, 2018)

➡ भारत ने चैंपियनशिप का ओवरऑल खिताब जीत लिया।

➡ पुरुष वर्ग में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से तथा महिला वर्ग में नेपाल को 5-0 से पराजित किया।

➡ भारत ने **12 स्वर्ण** और 3 कांस्य पदक सहित कुल 15 पदक जीतकर चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

➡ नेपाल 2 स्वर्ण, 7 रजत और 13 कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

❑ FIBA बॉस्केटबॉल विश्व कप, 2019 का शुभंकर

➡ FIBA बॉस्केटबॉल विश्व कप, 2019 का आधिकारिक शुभंकर (Mascot) 'सन ऑफ ड्रीम्स' (Son of Dreams) लांच। (18 अप्रैल, 2018)

➡ शुभंकर का चयन अंतिम तीन प्रतिभागियों चीनी ड्रैगन (Son of Dreams), साइबेरियन टाइगर (Speed Tiger) और शेर ('Qiu Qiu') में से किया गया।

➡ FIBA बॉस्केटबॉल विश्व कप, 2019 का आयोजन चीन के 8 विभिन्न शहरों में 31 अगस्त - 15 सितंबर के मध्य किया जाएगा।

❑ 5वीं दक्षिण एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप, 2018

➡ दक्षिण एशियन हैंडबॉल फेडरेशन (SAHF) और हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (HFI) के संयुक्त तत्वावधान में 5वीं दक्षिण एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप, 2018 के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में संपन्न। (31 मार्च - 3 अप्रैल, 2018)

➡ **प्रतियोगिता परिणाम**

➲ **स्वर्ण पदक - भारत** (8 अंक)

➲ **रजत पदक** - नेपाल (6 अंक)

➲ **कांस्य पदक** - बांग्लादेश (4 अंक)

➡ चैंपियनशिप में उपरोक्त तीनों देशों के अतिरिक्त अफगानिस्तान (चौथा स्थान) तथा भूटान (पांचवां) ने भी भाग लिया।

❑ बेलग्रेड इंटरनेशनल मुक्केबाजी चैंपियनशिप, 2018

➡ 56वां संस्करण बेलग्रेड, सर्बिया में संपन्न। (24-29 अप्रैल, 2018)

➡ चैंपियनशिप में भारत ने 3 स्वर्ण, 5 रजत एवं 5 कांस्य पदक सहित कुल 13 पदक प्राप्त किए।

➡ **भारतीय स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता**

1. सुमित सांगवान (91 किग्रा. भार वर्ग)
2. निखत जरीन (51 किग्रा. भार वर्ग)
3. हिमांशु शर्मा (49 किग्रा. भार वर्ग)

❑ ISSF जूनियर विश्व कप, 2018 राइफल/पिस्टल/शॉटगन

➡ सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न। (19-29 मार्च, 2018)

ISSF JUNIOR WORLD CUP
RIFLE / PISTOL / SHOTGUN
SYDNEY, AUS
ISSF 19 MAR - 29 MAR 2018

➡ चीन ने प्रतियोगिता में 9 स्वर्ण, 8 रजत एवं 8 कांस्य पदक कुल 25 पदक प्राप्त कर पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

➡ भारत कुल 22 पदकों (9 स्वर्ण, 5 रजत एवं 8 कांस्य) के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

➡ भारत के कुल 22 पदकों में 9 व्यक्तिगत तथा 13 टीम स्पर्धा के पदक शामिल रहे।

➡ 9 व्यक्तिगत पदकों में 4 स्वर्ण, 1 रजत एवं 4 कांस्य पदक शामिल हैं।

➡ भारतीय व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता-

1. अनीश भनवाला (25 मी. रैपिड फायर पिस्टल पुरुष जूनियर)
2. इलावेनिल वालारीवान (10 मी. एयर राइफल महिला जूनियर)
3. मनु भाकर (10 मी. एयर पिस्टल महिला जूनियर)
4. मुस्कान (25 मी. पिस्टल महिला जूनियर)

समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रा.) परीक्षा, 2017

(08.04. 2018 को संपन्न)

(Series-C)

सम-सामयिक घटना चक्र द्वारा पाठकों के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रा.) परीक्षा, 2017 का द्वितीय हल प्रश्न-पत्र व्याख्यात्मक उत्तरों के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रत्येक प्रश्न के हल हेतु व्याख्या के लिए उत्तर के मूल स्रोत तक पहुंचने का प्रयास किया गया है। इन मूल स्रोतों अर्थात उत्तर को प्रमाणित करने वाली व्याख्या हेतु प्रयुक्त अधिकांश पाठ्य सामग्री हमारे पास संरक्षित है। इन्हीं मूल स्रोतों के आधार पर हम इस हल प्रश्न-पत्र की अधिकतम शुद्धता का दावा करते हैं। यदि कहीं किसी प्रश्न के उत्तर हेतु हमारी व्याख्या से न संतुष्ट हो पा रहे हों, तो दूरभाष सं. 9335140296 पर मध्याह्न 12 बजे से सायं 8 बजे के मध्य हमसे संपर्क करें। हम आपको वस्तुस्थिति से अवगत करा देंगे।

1. 'उसका लड़का लम्बा है' में विशेषण का चयन कीजिए।

(a) लड़का (b) लम्बा

(c) उसका (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

वाक्य में 'लम्बा' शब्द विशेषण है विशेष्य 'लड़का' शब्द है।

2. प्रयोग के आधार पर 'पाण्डु' शब्द होगा-

(a) केवल विशेषण

(b) केवल विशेष्य

(c) विशेषण और विशेष्य दोनों

(d) उपर्युक्त में से एक भी नहीं

उत्तर—(c)

प्रयोग के आधार पर पाण्डु रोग एवं राजन पाण्डु क्रमशः शब्द विशेषण और विशेष्य के रूप में प्रयुक्त हो सकते हैं।

3. 'चतुर विद्यार्थी से प्रश्न पूछो।' वाक्य में विशेषण है-

(a) विद्यार्थी (b) प्रश्न

(c) चतुर (d) पूछो

उत्तर—(c)

वाक्य में 'चतुर' विशेषण है।

4. 'वह आदमी जो कल आपके घर आया था, बहुत बड़ा ठग है।' उपर्युक्त वाक्य में कितने विशेषण हैं?

(a) तीन (b) दो

(c) चार (d) पांच

उत्तर—(a)

वाक्य में 'वह', 'जो', 'बड़ा' शब्द विशेषण है।

5. 'दुश्चरित्र व्यक्ति से सम्बन्ध नहीं रखना चाहिए।' इस वाक्य में प्रयुक्त 'दुश्चरित्र' शब्द व्याकरण की दृष्टि से किस संवर्ग में है?

(a) संज्ञा (b) सर्वनाम

(c) विशेषण (d) क्रियाविशेषण

उत्तर—(c)

'दुश्चरित्र' विशेषण है, क्योंकि किसी व्यक्ति की विशेषता बता रहा है।

6. 'लाखों लोगों ने इसे महसूस किया है' वाक्य में विशेषण है-

(a) महसूस (b) लोगों

(c) लाखों (d) इसे

उत्तर—(c)

वाक्य में 'लाखों' शब्द विशेषण है। यह अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण के अंतर्गत आता है।

7. 'विशेष्य' वह शब्द होता है-

(a) जिस शब्द की विशेषता बतायी जाती है।

(b) जिस शब्द के द्वारा विशेषता बतायी जाती है।

(c) जिस हेतु विशेषता बतायी जाती है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर—(a)

जिस शब्द की विशेषता बतायी जाती है, उसे 'विशेष्य' कहते हैं।

8. 'मोहन एक अच्छा विद्यार्थी है।' वाक्य में विशेष्य है-

(a) मोहन (b) एक

(c) अच्छा (d) विद्यार्थी

उत्तर—(a)

वाक्य में 'मोहन' विशेष्य तथा अच्छा विशेषण है।

9. 'आठ बड़े चोर पकड़े गये थे, पुलिस की लापरवाही से आधे चोर भाग गये।' वाक्य में किन शब्दों में विशेषण-विशेष्य सम्बन्ध नहीं है?

(a) बड़े चोर (b) आधे चोर

(c) पुलिस की लापरवाही (d) आठ बड़े चोर

उत्तर—(c)

विकल्प (c) में विशेषण-विशेष्य का सम्बन्ध नहीं है। पुलिस एवं लापरवाही दोनों शब्द विशेष्य हैं। विशेषण शब्द लापरवाह से विशेष्य शब्द लापरवाही बनता है। शेष तीनों विकल्पों में विशेषण-विशेष्य है।

10. निम्नलिखित शब्दों में कौन-सा विशेषण है?

(a) क्रोधी (b) कण्टक

(c) चुनौती (d) राही

उत्तर—(a)

'क्रोधी' शब्द विशेषण है।

11. 'विशिख' किस शब्द का पर्यायवाची है?

(a) बुध (b) बाण

(c) तरु (d) सरोवर

उत्तर—(b)

विशिख, तोमर, नाराच, शर, इषु, सायक इत्यादि 'बाण' के पर्यायवाची हैं। तरु, वृक्ष का तथा सरोवर तालाब का पर्यायवाची है।

12. निम्नलिखित में 'खर' का पर्याय शब्द नहीं है-

(a) दुष्ट (b) गदहा

(c) तिनका (d) तेज

उत्तर—(d)

'खर' का पर्याय दुष्ट, गदहा तथा तिनका होता है। प्रश्न पूछने का प्रारूप गलत है, वास्तव में विकल्प में दिए गए शब्द पर्याय नहीं हैं। यह 'खर' के अनेकार्थक शब्द हैं।

13. कौन-सा शब्द 'घोड़ा' का पर्यायवाची नहीं है?

(a) बाजि (b) तुरंग

(c) शार्दूल (d) हय

उत्तर—(c)

'घोड़ा' का पर्यायवाची बाजि, तुरंग, हय, घोटक, अश्व, रविसुत, सैंधव है। शार्दूल, सिंह का पर्यायवाची है।

14. 'टीका' शब्द का पर्याय है-

(a) व्याख्या (b) आलेख

(c) टेकुआ (d) तकली

उत्तर—(a)

'टीका' शब्द का पर्याय व्याख्या, वर्णन, विवेचन होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

15. निम्नलिखित में 'यमुना' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(a) हंससुता (b) अर्कजा

(c) कृष्णा (d) कूलंकषा

उत्तर—(d)

हंससुता, अर्कजा, कृष्णा, सूर्य, तनया 'यमुना' के पर्यायवाची हैं, जबकि कूलंकषा नदी का पर्यायवाची है।

16. निम्नलिखित में से 'मीन' का समानार्थी है-

(a) झख (b) शिलीमुख

(c) अलि (d) षट्पद

उत्तर—(a)

'मीन' का समानार्थी 'झख' होता है। शिलीमुख, अलि तथा षट्पद 'भौंरा' का पर्यायवाची है।

17. निम्नलिखित में से 'केतु' का पर्याय नहीं है-

(a) झंडा (b) पताका

(c) निशान (d) ग्रह

उत्तर—(d)

झंडा, पताका तथा निशान 'केतु' का पर्याय हैं, जबकि ग्रह इससे भिन्न है।

18. 'तलवार' का पर्यायवाची शब्द है -

(a) हलवार (b) करवाल

(c) धरवार (d) धारदार

उत्तर—(b)

'तलवार' के पर्यायवाची 'करवाल', असि, कृपाण, खड्ग, चंद्रहास, शमशीर इत्यादि होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

19. निम्नलिखित में से 'कामदेव' का पर्यायवाची शब्द है-

(a) विडौजा (b) पिशुन

(c) मार (d) अश्म

उत्तर—(c)

मार, मनसिज, अनंग, मदन, कन्दर्प इत्यादि 'कामदेव' के पर्यायवाची हैं। विडौजा इन्द्र का, पिशुन चुगुलखोर का तथा अश्म पत्थर का पर्यायवाची है।

20. 'धनंजय' का पर्याय है-

(a) गुडाकेश (b) धनुर्धर

(c) मृत्युंजय (d) सारथी

उत्तर—(a)

'धनंजय' का पर्याय गुडाकेश, पार्थ, अर्जुन, कौन्तेय, सव्यसाची इत्यादि हैं। अन्य विकल्प असंगत हैं।

21. निम्नलिखित में से तत्सम की दृष्टि से शुद्ध है-

(a) शाटिका (b) रस्सी

(c) रैन (d) सरसों

उत्तर—(a)

'शाटिका' तत्सम शब्द है, इसका तद्भव साड़ी है। रस्सी, रैन तथा सरसों, तद्भव शब्द हैं, इनका तत्सम क्रमशः रज्जु, रजनी तथा सर्षप हैं।

22. 'बारात' का तत्सम रूप है-

(a) वर्रात (b) बरात

(c) ब्रात (d) वरयात्रा

उत्तर—(d)

'बारात' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'वरयात्रा' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

23. 'मोती' का तत्सम रूप है-

(a) मौती (b) मौक्तिक

(c) मुक्तक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर—(b)

'मोती' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम, 'मौक्तिक' होता है, शेष विकल्प असंगत हैं।

24. 'मिट्टी' का तत्सम शब्द है-

(a) मृत्तिका (b) मट्टिका

(c) म्रिट्टिका (d) मृट्टी

उत्तर—(a)

'मिट्टी' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'मृत्तिका' है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

25. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है-

(a) उलूक (b) कूप

(c) ओझा (d) पुस्तक

उत्तर—(c)

'ओझा' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'उपाध्याय' है। उलूक, कूप तथा पुस्तक तत्सम हैं, इनके तद्भव क्रमशः उल्लू, कुआँ तथा पोथी होता है।

26. निम्नलिखित में से एक शब्द तत्सम है-

(a) सपूत (b) सरीसृप

(c) सांकल (d) सांझ

उत्तर—(b)

'सरीसृप' तत्सम शब्द है। सपूत, सांकल तथा सांझ तद्भव शब्द हैं, इनका तत्सम क्रमशः सुपुत्र, शृंखला तथा संध्या होता है।

27. निम्नलिखित में से तद्भव शब्द है-

(a) ज्योत्स्ना (b) श्रेष्ठी

(c) परीक्षा (d) घर

उत्तर—(d)

'घर' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'गृह' होता है। ज्योत्स्ना, श्रेष्ठी तथा परीक्षा तत्सम शब्द हैं, इनका तद्भव क्रमशः जोन्ह, सेठ तथा परख होता है।

28. 'अखरोट' का तत्सम रूप है-

(a) अक्षवट (b) अक्षवाट

(c) अक्षोट (d) अक्षयवट

उत्तर—(c)

'अखरोट' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम 'अक्षोट' है। शेष विकल्प असंगत हैं।

29. निम्नलिखित में से तत्सम-तद्भव का सही युग्म है-

(a) महूक - महुआ (b) अक्षवाट - अखाड़ा

(c) आद्रक - अदरक (d) इक्ष - ईख

उत्तर—(b)

विकल्प (b) का युग्म तत्सम-तद्भव की दृष्टि से सही है। अन्य विकल्पों के सही युग्म इस प्रकार हैं- मधूक-महुआ, आर्द्रक-अदरक, इक्षु-ईख।

30. निम्नलिखित में से तत्सम की दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-

(a) दीक्षा - परीक्षा (b) शूकर - बलीवर्द

(c) कपूत - सपूत (d) वरिष्ठ - कनिष्ठ

उत्तर—(c)

विकल्प (c) में दिया गया युग्म तद्भव है। इसका तत्सम युग्म कुपुत्र - सुपुत्र है। अन्य विकल्प शुद्ध हैं।

31. निम्नलिखित शब्दों में वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द अशुद्ध है?

(a) पुष्पांजलि (b) निरापराध

(c) भास्कर (d) उज्ज्वल

उत्तर—(b)

'निरापराध' शब्द अशुद्ध है। इसका शुद्ध शब्द 'निरपराध' होगा। शेष विकल्पों में वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द हैं।

32. निम्नलिखित में अशुद्ध वर्तनी का शब्द है-

(a) वाङ्मय (b) उत्कर्ष

(c) वैमनस्य (d) मिथलेशकुमारी

उत्तर—(d)

विकल्प (d) में अशुद्ध वर्तनी है। शुद्ध वर्तनी 'मिथिलेशकुमारी' है। अन्य विकल्पों में शुद्ध वर्तनी हैं।

33. निम्नलिखित में एक शब्द अशुद्ध है-

(a) दैहिक (b) नोकरी

(c) प्रौढ़ (d) पौरुष

उत्तर—(b)

विकल्प (b) में अशुद्ध वर्तनी है। इसका शुद्ध वर्तनी 'नौकरी' है। अन्य विकल्पों में शुद्ध वर्तनी हैं।

34. इनमें से अशुद्ध वर्तनी का शब्द है-

(a) चरमोत्कर्ष (b) वाङ्मय

(c) पुनुरुत्थान (d) हिरण्यकश्यपु

उत्तर—(*)

विकल्प में दो शब्दों की वर्तनी अशुद्ध है। 'पुनुरुत्थान' शब्द की शुद्ध वर्तनी 'पुनरुत्थान' तथा 'हिरण्यकश्यपु' की शुद्ध वर्तनी 'हिरण्यकशिपु' है। अन्य वर्तनी शुद्ध हैं।

35. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

(a) प्रतिदर्श (b) दृष्टा

(c) रचइता (d) अहार

उत्तर—(a)

विकल्प (a) की वर्तनी शुद्ध है। अन्य विकल्पों की शुद्ध वर्तनी इस प्रकार हैं- दृष्टा - द्रष्टा, रचइता - रचयिता तथा अहार - आहार।

36. निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है-

(a) गौतम ऋषि की पत्नी का नाम अहल्या था।

(b) इस कार्य में बहुत विलम्ब हो गया।

(c) रसगुल्ला बहुत स्वादिष्ट है।

(d) एक गुलाब की माला खरीद लेना।

उत्तर—(d)

विकल्प (d) का वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा- गुलाब की एक माला खरीद लेना। इस वाक्य में 'एक गुलाब' का प्रयोग त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि माला के लिए कई गुलाबों की आवश्यकता पड़ती है, जो एक माला का रूप लेते हैं। अन्य विकल्पों में शुद्ध वाक्य हैं।

37. निम्नलिखित में से एक वाक्य अशुद्ध है-

(a) इस बात का स्पष्टीकरण करना आवश्यक है।

(b) प्याज तीखा होता है।

(c) आप इतनी देर में क्यों आये?

(d) प्रत्येक श्रमिक को दो रुपये मिले।

उत्तर—(a)

विकल्प (a) में अशुद्ध वाक्य है। इसका शुद्ध वाक्य होगा - इस बात का स्पष्टीकरण आवश्यक है। विकल्प में 'करना' का प्रयोग अनुचित है। अन्य विकल्पों के वाक्य शुद्ध हैं।

38. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है-

(a) भारत कभी ब्रिटेन के आधीन था।

(b) निरपराधी व्यक्ति को दण्ड नहीं मिलना चाहिए।

(c) बादशाह ने मुक्तहस्त दान दिया।

(d) उसे पैत्रिक संपत्ति में हिस्सा नहीं मिला।

उत्तर—(c)

विकल्प (c) का वाक्य शुद्ध है। अन्य विकल्पों में वर्तनी की त्रुटियां हैं। विकल्प (a) में 'आधीन' के स्थान पर 'अधीन', विकल्प (b) में 'निरपराधी' के स्थान पर 'निरपराध' तथा विकल्प (d) में 'पैत्रिक' के स्थान पर 'पैतृक' होना चाहिए।

39. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?

(a) वह अनेकों मामलों में गवाह था।

(b) नूपुर की ध्वनि मनमोहक है।

(c) आपकी मनःकामना पूरी हो।

(d) मनीषिगण! मेरी बात पर ध्यान दें।

उत्तर—(a)

विकल्प (a) का वाक्य अशुद्ध है। इस वाक्य में 'अनेकों' के स्थान पर 'अनेक' होना चाहिए, क्योंकि 'अनेक' स्वयं बहुवचन का द्योतक है।

40. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए-

(a) संसारिक समस्याओं में सभी फंसे हैं।

(b) निरपराध व्यक्ति को दण्ड क्यों मिला?

(c) हिन्दी देवनागरी लिपी में लिखी जाती है।

(d) अत्याधिक दु:ख सहा नहीं जाता।

उत्तर—(b)

विकल्प (b) का वाक्य शुद्ध है। अन्य विकल्पों में वर्तनी की अशुद्धियाँ हैं। विकल्प (a) में 'संसारिक' के स्थान पर 'सांसारिक', विकल्प (c) में 'लिपी' के स्थान पर 'लिपि' तथा विकल्प (d) में 'अत्याधिक' के स्थान पर 'अत्यधिक' होना चाहिए।

41. 'अपने सहारे पर रहने वाले' के लिए एक शब्द है-

(a) स्वावलंबी (b) आत्मनिर्भरी

(c) बलिष्ठ (d) आत्मविश्वासी

उत्तर—(a)

'अपने सहारे पर रहने वाला' के लिए एक शब्द 'स्वावलंबी' होता है। 'जो अपने ऊपर निर्भर रहता हो, अधिक बलवान को 'बलिष्ठ' कहते हैं।

42. 'अप्रमेय' किस वाक्यांश के लिए एक शब्द है?

(a) जो तौला या नापा न जा सके।

(b) जो अवश्य होने वाला हो।

(c) जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके।

(d) जो समय पर संभव न हो।

उत्तर—(c)

'जो नापा या तौला न जा सके' के लिए 'अपरिमेय' तथा 'जो तर्क या प्रमाण से सिद्ध न हो' के लिए 'अप्रमेय' शब्द का प्रयोग होता है।

43. 'किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(a) विजित (b) विजेता

(c) जिगीषु (d) जिज्ञासु

उत्तर—(c)

'किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'जिगीषु' होता है। 'जो जीत लिया गया हो' उसे 'विजित' तथा 'जिसने विजय प्राप्त की हो' विजेता कहलाता है। जानने की इच्छा रखने वाला 'जिज्ञासु' कहलाता है।

44. 'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(a) शास्त्रज्ञा (b) असूर्यम्पश्या

(c) स्त्रैण (d) दुर्निवार

उत्तर—(b)

'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'असूर्यम्पश्या' होता है। 'शास्त्र को अच्छी तरह जानने वाली 'शास्त्रज्ञा' कहलाती है। 'स्त्री के वश में रहने वाला' 'स्त्रैण' तथा जो जल्दी रोका या हटाया न जा सके 'दुर्निवार' (दुर्निवार्य) कहलाता है।

45. 'कुछ खास शर्तों पर किसी कार्य को करने का समझौता' के लिए एक शब्द है-

(a) कर्मठता (b) बेलदारी

(c) ठेकेदारी (d) संविदा

उत्तर—(d)

'कुछ खास शर्तों पर किसी कार्य को करने का समझौता 'के लिए एक शब्द 'संविदा' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

46. 'जिसकी पहले से कोई आशा न हो' के लिए एक शब्द है-

(a) अप्रत्याशित (b) आशातीत

(c) आशाजनक (d) प्रत्याशित

उत्तर—(a)

'जिसकी पहले से कोई आशा न हो' के लिए एक शब्द 'अप्रत्याशित' होता है। 'जो आशा से अधिक हो' उसे 'आशातीत' कहते हैं। ऐसी बात जिससे कार्य पूर्ण होने की उम्मीद जगे' उसे 'आशाजनक' तथा 'जिसकी पहले से कोई आशा हो' उसे 'प्रत्याशित' कहते हैं।

47. 'राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

(a) अधिनियम (b) अध्यादेश

(c) अधियाचना (d) अधिसूचना

उत्तर—(b)

'राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश' वाक्यांश के लिए शब्द 'अध्यादेश' होता है। 'शासन द्वारा जारी किया गया कानून', 'अधिनियम' तथा 'वह आधिकारिक सूचना विशेषत: जो राज-पत्र में प्रकाशित हुई हो 'अधिसूचना' कहलाती है।

48. 'वह स्त्री जिसका पति परदेश (विदेश) गया हो' वाक्य के लिए एक शब्द है-

(a) नवोढ़ा (b) प्रवत्स्यतपतिका

(c) प्रोषितपतिका (d) आगतपतिका

उत्तर—(c)

'वह स्त्री जिसका पति परदेश (विदेश) गया हो' वाक्य के लिए एक शब्द 'प्रोषितपतिका' है। 'नयी ब्याही हुई स्त्री 'नवोढ़ा' तथा 'वह स्त्री जिसका पति विदेश जाने को हो और जो उसके वियोग की कल्पना से दुखी हो' उसे 'प्रवत्स्यतपतिका' कहते हैं। 'वह स्त्री जिसका पति अभी परदेश से लौटा हो' उसे 'आगत-पतिका' कहते हैं।

49. **'पैर से सिर तक' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-**

(a) शिख-नख (b) शिरोपर

(c) पादमस्तक (d) आपादमस्तक

उत्तर—(d)

'पैर से सिर तक' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'आपादमस्तक' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

50. **'अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-**

(a) दुराग्रह (b) अनाग्रही

(c) दुराग्रही (d) कुआग्रही

उत्तर—(c)

'अनुचित बात के लिए आग्रह करने वाला', 'दुराग्रही' कहलाता है। 'अनुचित बात के लिए अड़ना' 'दुराग्रह' होता है।

51. **'निषिद्ध' के लिए सही विलोम शब्द है-**

(a) सिद्ध (b) अनिषिद्ध

(c) विहित (d) घृणित

उत्तर—(c)

'निषिद्ध' के लिए सही विलोम 'विहित' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

52. **निम्नलिखित में एक शब्द 'शुष्क' का विलोम है-**

(a) उष्ण (b) आर्द्र

(c) शीत (d) शिष्ट

उत्तर—(b)

'शुष्क' का विलोम 'आर्द्र' होता है। 'उष्ण' तथा 'शीत' परस्पर विलोम शब्द हैं।

53. **निम्नलिखित में से एक शब्द 'स्थूल' का विलोम नहीं है-**

(a) सूक्ष्म (b) तन्वी

(c) दुर्बल (d) शाश्वत

उत्तर—(d)

'स्थूल' का विलोम सूक्ष्म, तन्वी तथा दुर्बल तीनों होता है, जबकि शाश्वत इससे भिन्न है।

54. **'पृथक्' का सही विलोम है-**

(a) एकत्र (b) संयुक्त

(c) थकित (d) सुघटित

उत्तर—(b)

'पृथक' का सही विलोम 'संयुक्त' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

55. **निम्नलिखित में एक शब्द 'उपयोग' का विलोम है-**

(a) समुपयोग (b) निरुपयोग

(c) सदुपयोग (d) अनुपयोग

उत्तर—(d)

'उपयोग' का विलोम 'अनुपयोग' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

56. **इनमें से विलोम शब्दों का एक गलत युग्म है-**

(a) दक्षिण - वाम (b) उद्यम - निरुद्यम

(c) विधि - निषेध (d) बर्बर - सभ्य

उत्तर—(b)

'उद्यमी' का विलोम 'निरुद्यम' होता है। शेष विकल्प सही हैं।

57. **निम्नलिखित में विलोम की दृष्टि से शुद्ध युग्म है-**

(a) अल्पज्ञ - बहुज्ञ (b) संयुक्त - संधियुक्त

(c) समस्त - अभ्यस्त (d) अज्ञ - अनभिज्ञ

उत्तर—(a)

विकल्प (a) का युग्म सही है। शेष विकल्प असंगत हैं।

58. **विलोमार्थक दृष्टि से एक युग्म अशुद्ध है-**

(a) सचल - चल

(b) निरपेक्ष-सापेक्ष

(c) मौलिक - अनूदित

(d) बंधन - मोक्ष

उत्तर—(a)

विकल्प (a) का युग्म विलोमार्थक की दृष्टि से अशुद्ध है। इसका शुद्ध युग्म सचल - अचल होता है। शेष युग्म सही हैं।

59. **निम्नलिखित में से विलोम की दृष्टि से सही शब्द युग्म है-**

(a) आग्रह - विग्रह (b) अपकर्ष - उपकर्ष

(c) जारज - औरस (d) उत्सर्जन - विसर्जन

उत्तर—(c)

विकल्प (c) का युग्म विलोम की दृष्टि से सही शब्द है। अन्य विकल्पों के सही युग्म अनुग्रह-विग्रह, अपकर्ष-उत्कर्ष तथा आवाहन-विसर्जन हैं।

60. **निम्नलिखित में विलोम शब्दों का सही युग्म है-**

(a) ईप्सित - अभीप्सित (b) अमित - समित

(c) हया - बेहया (d) अघी - निरघ

उत्तर—(c)

विकल्प (c) का विलोम युग्म सही है। ईप्सित का विलोम अनीप्सित होता है।

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2017 में 8वें स्थान पर चयनित

अनुभव सिंह से साक्षात्कार वार्ता

स.घ.च.- संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा, 2017 में 8वां स्थान प्राप्त करने पर सम-सामयिक घटना चक्र परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

अनुभव सिंह- जी, बहुत-बहुत, धन्यवाद।

स.घ.च.- आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे?

अनुभव सिंह- मैं अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता तथा अपने दोस्तों कार्तिक, रत्नेश और नितिन को देना चाहूंगा।

स.घ.च.- क्या आप अपनी सफलता के प्रति आश्वस्त थे? ये आपका कौन-सा प्रयास था?

अनुभव सिंह- जी, सफलता को लेकर मैं आश्वस्त था, पर रैंक के बारे में निश्चित नहीं था। यह मेरा दूसरा प्रयास था। प्रथम प्रयास में मैं भारतीय राजस्व सेवा (Income Tax) में चयनित हुआ था।

स.घ.च.- आपने मुख्य परीक्षा हेतु अपनी रणनीति में क्या बदलाव किए?

अनुभव सिंह- ज्यादा से ज्यादा टेस्ट देने की कोशिश की और कमियों पर खास ध्यान दिया। निबंध में भी प्रैक्टिस से काफी लाभ मिलता है।

स.घ.च.- आपका साक्षात्कार कब और किसके बोर्ड में था?

अनुभव सिंह- मेरा साक्षात्कार 21 मार्च, 2018 को श्रीमती स्मिता नागराज के बोर्ड में था।

स.घ.च.- समय प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई?

अनुभव सिंह- चूंकि मैं परीक्षा एक बार पहले भी क्रैक कर चुका था, अतः मुझे मोटे तौर पर समय-प्रबंधन का आइडिया था। रोजाना 8-10 घंटे परीक्षा के लिए पर्याप्त माने जा सकते हैं।

स.घ.च.- आपकी सफलता का मूल मंत्र क्या है?

अनुभव सिंह- कड़ी मेहनत, बेहतर रणनीति और अपने करीबी लोगों का साथ।

स.घ.च.- इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम-सबसे कठिन होता है—कैसे तैयारी करें? क्या, कहां से और कितना पढ़ें? शुरू में तैयारी के लिए आपको सलाह कहां से मिली?

अनुभव सिंह- I.I.T. Roorkee से मेरे कुछ सीनियर सिविल सेवा में थे। उनसे तथा इंटरनेट से तैयारी करने का तरीका ढूंढ़ा।

स.घ.च.- अपना परिणाम जानने से पहले टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे?

अनुभव सिंह- चूंकि मैं कुछ टॉपर्स को व्यक्तिगत रूप से जानता था, अतः मेरे दिमाग में यह बात थी कि, वे भी सामान्य विद्यार्थियों की तरह ही होते हैं, जो अपनी लगन से यहां तक पहुंचे हैं।

स.घ.च.- उत्कृष्ट उत्तर लेखन शैली कैसी होनी चाहिए? इसके लिए आपने तैयारी के दौरान क्या तरीका अपनाया?

अनुभव सिंह- उत्कृष्ट उत्तर लेखन शैली के लिए भाषा पर मजबूत पकड़, सधा हुआ कंटेंट तथा बेहतर स्ट्रक्चर होना चाहिए। मैंने Forum IAS का Test Series लिया था, जो कि मैं ऑनलाइन ही सबमिट करता था।

स.घ.च.- आपकी तैयारी में सम-सामयिक घटना चक्र की क्या भूमिका रही?

अनुभव सिंह- अंग्रेजी माध्यम से होने के नाते घटना-चक्र का सीधा प्रयोग तो कम ही रहा, पर इस पत्रिका का कंटेंट उच्च स्तरीय होता है। हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों को जरूर इसका अध्ययन करना चाहिए।

स.घ.च.- सिविल सेवा एकमात्र लक्ष्य था या किसी और वैकल्पिक कॅरियर के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे?

अनुभव सिंह- जी, सिविल सेवा ही एकमात्र लक्ष्य था।

स.घ.च.- किस स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए?

अनुभव सिंह- ग्रेजुएशन के समय से ही बेसिक तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

स.घ.च.- सम-सामयिक घटना चक्र द्वारा प्रकाशित अंग्रेजी माध्यम की पूर्वावलोकन नामक पुस्तक का सिविल सेवा प्रतियोगियों के लिए क्या महत्व है?

अनुभव सिंह- घटना-चक्र की पूर्वावलोकन पुस्तक (अंग्रेजी व हिंदी माध्यम) सिविल सेवा (प्रा. परीक्षा) में रिवीजन तथा पुराने सभी प्रश्नों के विश्लेषण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा अभ्यर्थियों को इस पुस्तक का अध्ययन जरूर करना चाहिए।

स.घ.च.- आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

अनुभव सिंह- जी, धन्यवाद।

*अनुभव सिंह के प्रशंसक उनकी आस-पास की दुनिया में प्रायः सभी रहे हैं। उनके परम मित्र **श्री कमलेश यादव** ने उनके लिए अपनी भावनाओं के उद्‌गार व्यक्त किए हैं। ये शब्द इलाहाबाद शहर के गौरव को भी बखूबी अभिव्यक्त कर रहें हैं। यह हर्षोत्सव सभी के दिलों में उमड़ रहा है। अतः हम उचित समझते हैं कि इन पंक्तियों को उद्‌धृत किया जाए।*

हर्षोत्सव, के झरोखों से

इलाहाबाद का गांव-गांव, हर गली यहां मुस्काई है।
अनुभव की राष्ट्रीय सफलता पर, लाखों-लाख बधाई है।।

मां ''**सुषमा**'' के दिव्य पुत्र तुम, अवतारी कहलाये हो।
पिता ''**धनञ्जय**'' की जय-जयकार से, मन को शांति दिलाये हो।।
'दसेर' गांव तब धन्य हुआ, जब पाया अपने वैभव को।
हुआ हर्ष का दिव्य महोत्सव, देख के अपने ''अनुभव'' को।।
हर मुख औ हर कंठ कह रहा, भइया तुम्हें बधाई हो।
अनुभव की राष्ट्रीय सफलता पर, लाखों-लाख बधाई है।।

उस ''दसेर'' की दिव्य भूमि पर, तूनें अपना जनम लिया।
उत्तर से दक्षिण भारत तक, खुशियों की सौगात दिया।।
तेरा अवतार हुआ जब से, तुम ''अनुभव'' कहलाये हो।
परिवार मानवर्धन करने ही, तुम **'प्रयाग'** पर आये हो।।
''था अभाव का जीवन कैसा, कैसे धैर्य बना पाये।
स्वाध्याय के महामंत्र को, कैसे गले लगा पाये।।
इस भौतिक दुनियां में तूने, अद्‌भुत अलख जगाई है।
अनुभव की राष्ट्रीय सफलता पर, लाखों-लाख बधाई है।।

नाना जी की कठिन तपस्या, देखो कैसे पूर्ण हुई।
मातृ हृदय की दिव्य भावना, खुशियों से अभिपूर्ण हुई।।
''कार्तिक'' जैसे सहकर्मी को, जब से आप ने साथ लिया।
'जिला कलेक्टर' बन जाने को, तक्षण मन में ठान लिया।।
''स्वाध्याय'' की कुंजी को, हर ताले में आज लगाई है।
अनुभव की राष्ट्रीय सफलता पर, लाखों-लाख बधाई है।।

मित्र रत्न ''**रत्नेश**'' और श्री ''**शिशिर**',' 'नितिन' का साथ रहा।
शनी, सुनील श्री अनुज सहित लोगों का आप पर हाथ रहा।।
सब धन्य हुए उन खुशियों से, जो ''अनुभव'' ने आज दिलाई हैं।
इलाहाबाद का गांव-गांव, हर गली यहां मुस्काई है।।
अनुभव की राष्ट्रीय सफलता पर, लाखों-लाख बधाई है।।

''हे! अनन्त कुल-रत्न आज,
खुशियों के आगर बनों तुम्हीं।
कुलदीपक बनकर दे प्रकाश,
महिमा के सागर बनों तुम्हीं।।''

व्यक्ति परिचय

नाम : अनुभव सिंह
पिता का नाम : श्री धनञ्जय सिंह
माता का नाम : श्रीमती सुषमा सिंह
जन्म-तिथि : 13/01/1995
शैक्षणिक योग्यता :-B.Tech-I.I.T. Roorkee
हाईस्कूल : B.B.S.I.C.-71%
इंटरमीडिएट : B.B.S.I.C. 85%
स्नातक : I.I.T. Roorkee-77%
पूर्व चयन : भारतीय राजस्व सेवा (2016)
संपर्क सूत्र : singhanubhav73@gmail.com

मौर्योत्तर काल

13 अंकों में आविष्कार/खोज, 4 अंकों में राष्ट्रगान, 5 अंकों में संसद, 3 अंकों में मुद्राओं तथा 11 अंकों में धरातलीय आकृतियों के पश्चात अब ज्ञानिकी के तहत पृथक-पृथक शीर्षकों में जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। विगत 29 अंकों में परिवहन के विभिन्न घटकों, महासागरीय नितल के उच्चावच, स्थानीय पवन, आर्द्रता, कुहरा एवं बादल, वर्षा, चक्रवात, भूकंप, बाढ़ एवं सूखा, भारत की प्रमुख बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं, भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों/केंद्रों, पाषाण काल, हड़प्पा काल, वैदिक सभ्यता, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, वैष्णव, शैव, शाक्त धर्म तथा उत्तर भारत की राजनैतिक दशा (600 ई.पू.-325 ई.पू.) के विषय में तथ्यों को प्रस्तुत करने के बाद विगत अंकों में मौर्य साम्राज्य के विषय में जानकारी प्रदान की गई थी, इस अंक में मौर्योत्तर काल की जानकारी दी जा रही है।

❑ शुंग राजवंश

- 184 ई.पू. में पुष्यमित्र शुंग ने अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ की हत्या करके शुंग राजवंश की स्थापना की।
- पुराणों के अनुसार, पुष्यमित्र ने 36 वर्षों तक शासन किया।
- हर्षचरित में पुष्यमित्र को 'अनार्य' तथा 'निम्न उत्पत्ति' का बताया गया है।
- महर्षि पाणिनी ने 'शुंग वंश' को 'भारद्वाज गोत्र का ब्राह्मण' बताया है।
- कालिदास कृत मालविकाग्निमित्र के अनुसार, पुष्यमित्र का पुत्र अग्निमित्र 'बैम्बिक कुल' से संबंधित था।
- पुष्यमित्र शुंग अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ का प्रधान सेनापति था।
- पुराण, मालविकाग्निमित्र तथा हर्षचरित में पुष्यमित्र के लिए 'सेनानी' अर्थात सेनापति की उपाधि का प्रयोग मिलता है, जबकि उसके पुत्र अग्निमित्र के लिए 'राजा' का प्रयोग मिलता है।
- अयोध्या के लेख से ज्ञात होता है कि पुष्यमित्र ने दो अश्वमेध यज्ञ किए थे।
- पतंजलि पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे।
- बौद्ध ग्रंथ दिव्यावदान तथा तिब्बती इतिहासकार तारानाथ के विवरणों में पुष्यमित्र शुंग को बौद्धों का घोर शत्रु तथा बौद्ध स्तूपों एवं विहारों का विनाशक बताया गया है।
- क्षेमेंद्रकृत 'अवदानकल्पलता' में भी पुष्यमित्र का चित्रण बौद्ध धर्म के विनाशक के रूप में किया गया है।
- मालविकाग्निमित्र से ज्ञात होता है कि पुष्यमित्र का पुत्र अग्निमित्र विदिशा का उपराजा था।
- अयोध्या के लेख से ज्ञात होता है कि धनदेव कोशल का राज्यपाल था।
- शुंग वंश का 9वां शासक भागवत अथवा भागभद्र था।
    - इसके शासनकाल में तक्षशिला के यवन नरेश एंटियालकीड्स का राजदूत हेलियोडोरस उसके विदिशा राजदरबार में उपस्थित हुआ था।
    - हेलियोडोरस ने भागवत धर्म ग्रहण किया तथा विदिशा (बेसनगर) में गरुड़-स्तंभ की स्थापना कर भागवत विष्णु की पूजा की।
- पुराणों से ज्ञात होता है कि शुंग वंश का दसवां एवं अंतिम शासक देवभूति (देवभूमि) था।
    - इसने 10 वर्षों तक शासन किया।
- मनुस्मृति से ज्ञात होता है कि इस समय समाज में बाल विवाह का प्रचलन हो गया था।
    - इस समय आठ से बाहर वर्षों की कन्याओं का विवाह होने लगा।
- वैशाली, पाटलिपुत्र, वाराणसी, कौशाम्बी, हस्तिनापुर तथा तक्षशिला प्रमुख व्यापारिक नगर थे।
- व्यापार-विनिमय में सिक्कों का प्रयोग होता था।
- स्वर्ण मुद्रा को दीनार, निष्क, सुवर्ण तथा सुवर्णमासिक कहा जाता था।
    - चांदी के सिक्कों के लिए 'पुराण' अथवा 'धारण' शब्द आया है।
    - 'कार्षापण' तांबे के सिक्के को कहा जाता था।
- मध्य प्रदेश के भरहुत, सांची, बेसनगर तथा बिहार के बोधगया से शुंग कला के उत्कृष्ट नमूने प्राप्त होते हैं।
- सांची के महास्तूप का निर्माण अशोक के समय में ईंटों से हुआ था तथा उसके चारों ओर काष्ठ वेदिका बनी थी।

➲ शुंग काल में इसे पाषाण पटियाओं से जड़ा गया तथा वेदिका भी पत्थर से निर्मित कराई गई।

➲ सातवाहन युग में वेदिका की चारों दिशाओं में चार तोरण बना दिए गए।

शुंग वंश-साहित्यिक स्रोत		
रचनाएं		**लेखक**
हर्षचरित	-	बाणभट्ट
महाभाष्य	-	पतंजलि
मालविकाग्निमित्र	-	कालिदास
थेरावली	-	मेरुतुंग
अवदानकल्पलता	-	क्षेमेंद्र

❑ कण्व वंश

➡ शुंग वंश के अंतिम शासक देवभूति (देवभूमि) के अमात्य वासुदेव ने उसकी हत्या कर दी।

➡ वासुदेव ने जिस नवीन राजवंश की स्थापना की वह इतिहास में 'कण्व' या 'कण्वायन' वंश के नाम से विख्यात है।

➡ वासुदेव ने कुल नौ वर्षों तक शासन किया।

➲ इसके पश्चात, भूमिमित्र (14 वर्ष), नारायण (12 वर्ष) तथा सुशर्मा (10 वर्ष) ने राज्य किया।

➲ इस वंश का अंतिम शासक सुशर्मा था।

➡ वायु पुराण के अनुसार, सुशर्मा अपने आंध्र जातीय भृत्य सिमुक (सिंधुक) द्वारा मार डाला गया था।

➡ कण्व वंश के राजाओं ने लगभग 75 ई.पू. से 30 ई.पू. तक शासन किया।

❑ आंध्र-सातवाहन वंश

➡ पुराणों में सातवाहन वंश के संस्थापक का नाम सिंधुक, सिमुक या शिप्रक दिया गया है, जिसने कण्व वंश के राजा सुशर्मा का वध करके अपना शासन स्थापित किया था।

➡ सातवाहनों की वास्तविक राजधानी प्रतिष्ठान या पैठन थी।

➲ उनकी आरंभिक राजधानी अमरावती मानी जाती है।

➡ पुराणों में इस राजवंश को 'आंध्र भृत्य' या 'आंध्र जातीय' कहा गया है।

➡ पुराणों के अनुसार, कृष्ण का पुत्र एवं उत्तराधिकारी शातकर्णि प्रथम सातवाहन वंश का शातकर्णि उपाधि धारण करने वाला प्रथम राजा था।

➲ इसके शासन के बारे में हमें नागनिका के नानाघाट अभिलेख से महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

➡ शातकर्णि प्रथम ने दो अश्वमेध तथा राजसूय यज्ञों का अनुष्ठान किया।

➲ अपनी पत्नी के नाम से उसने रजत मुद्राएं उत्कीर्ण करवाई, जिस पर अश्व की आकृति है।

➲ उसने 'दक्षिणापथपति' तथा 'अप्रतिहतचक्र' जैसी उपाधियां धारण की।

➡ पुराणों में कुल तीस सातवाहन राजाओं के नाम मिलते हैं।

➡ पुराणों में शातकर्णि प्रथम तथा गौतमीपुत्र शातकर्णि के बीच शासन करने वाले राजाओं की संख्या 10 से 19 तक बताई गई है।

➲ इनमें से सबसे लंबी सूची मत्स्य पुराण में 19 राजाओं की मिलती है।

➲ इनके नाम हैं–1. पूर्णोत्संग, 2. स्कंधस्तंभि, 3. शातकर्णि (द्वितीय), 4. लंबोदर, 5. अपीलक, 6. मेघ स्वाति, 7. स्वाति, 8. स्कंधस्वाति, 9. मृगेंद्र, 10. कुंतलस्वाति, 11. स्वातिकर्ण, 12. पुलुमावि प्रथम, 13. गौर कृष्ण, 14. हाल, 15. मंदूलक, 16. पुरींद्रसेन, 17. सुंदर स्वाति कीर्ति, 18. चकोर स्वातिकीर्ति तथा 19. शिव स्वाति।

➡ हाल ने प्राकृत भाषा में 'गाथासप्तशती' नामक मुक्तक काव्य की रचना की।

➲ इसकी राज्य सभा में गुणाढ्य तथा शर्ववर्मन जैसे विद्वान निवास करते थे।

➲ गुणाढ्य ने 'बृहत्कथा' की रचना की।

➲ शर्ववर्मन ने 'कातंत्र' नामक संस्कृत व्याकरण की रचना की।

➡ पुराणों के अनुसार, सातवाहन वंश का तेइसवां शासक गौतमीपुत्र शातकर्णि था।

➲ इसके दो अभिलेख नासिक से तथा एक अभिलेख कार्ले से प्राप्त हुआ है।

➡ क्षहरात नरेश नहपान पर विजय के उपरांत गौतमीपुत्र शातकर्णि ने 'अजकालकिय' नामक क्षेत्र नासिक के बौद्ध संघ को दान में दिया था।

➲ इसने 'करजक' नामक ग्राम कार्ले के भिक्षु संघ को दान में दिया।

➡ नासिक जिले में वेणाकटक नामक एक नगर का निर्माण गौतमीपुत्र शातकर्णि ने करवाया था।

➲ इसने 'राजराज', 'महाराज', 'स्वामी' आदि उपाधियां धारण की थी।

➡ गौतमीपुत्र शातकर्णि को नासिक अभिलेख में 'अद्वितीय ब्राह्मण' (एकब्राह्मण) तथा 'वेदों का आश्रय' (आगमानिलय) कहा गया है।

➡ वाशिष्ठीपुत्र पुलुमावी को 'दक्षिणापथेश्वर' कहा गया है।

➲ 'दो पतवारों वाले जहाज' का चित्र उसके कुछ सिक्कों पर बना हुआ है।

➡ इस वंश का अंतिम शक्तिशाली शासक यज्ञश्री शातकर्णि था।

➡ सातवाहनों के बाद दक्षिण पश्चिम में आभीर, आंध्र प्रदेश में ईक्ष्वाकु तथा कुंतल में चुटुशातकर्णि वंश ने सत्ता स्थापित किया।

➡ ईश्वरसेन ने आभीर वंश की स्थापना की।

➲ इसने कलचुरिचेदि संवत् की स्थापना लगभग 248-49 ई. में किया था।

- कृष्णा-गुंटूर क्षेत्र में ईक्ष्वाकु वंश का शासन था।
- पुराणों में उन्हें 'श्रीपर्वतीय' (श्रीपर्वत का शासक) तथा 'आंध्रभृत्य' (आंध्रों का नौकर) कहा गया है।
- श्रीशान्तमूल नामक व्यक्ति इस वंश का संस्थापक था।
- ईक्ष्वाकु पहले सातवाहनों के सामंत थे।
- श्रीशान्तमूल ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थापित करने के उपलक्ष्य में अश्वमेध यज्ञ किया।

चेदि वंश

- कलिंग के चेदि वंश का संस्थापक महामेघवाहन था।
  - अतः इस वंश का नाम महामेघवाहन वंश भी पड़ गया।
- खारवेल चेदि वंश का महान शासक था।
  - उड़ीसा प्रांत के भुवनेश्वर से तीन मील की दूरी पर स्थित उदयगिरि पहाड़ी की 'हाथीगुम्फा' से उसका एक बिना तिथि का अभिलेख प्राप्त हुआ है।
  - इसमें खारवेल के बचपन, शिक्षा, राज्याभिषेक तथा राजा होने के बाद से तेरह वर्षों तक के शासनकाल की घटनाओं का क्रमबद्ध विवरण दिया हुआ है।
- हाथीगुम्फा अभिलेख खारवेल का इतिहास जानने का एकमात्र स्रोत है।
  - इस अभिलेख से पता चलता है कि खारवेल ने दक्षिण के तीन राज्यों चोल, चेर एवं पाण्ड्यों को पराजित किया था।
- पाण्ड्य शासक से खारवेल ने गधे से हल चलवाया था।
- खारवेल जैन धर्म का संरक्षक था।

इण्डो-ग्रीक

- भारतीय-यवन राजाओं को हिंद-यवन (इण्डो-ग्रीक) अथवा बख्त्री-यवन (बैक्ट्रियन-ग्रीक) कहा जाता है।
- हिंद-यवन शासकों के इतिहास पर लेख एवं सिक्कों द्वारा स्पष्ट प्रभाव पड़ता है।
  - इनके बहुसंख्यक सिक्के पश्चिमी, उत्तरी पश्चिमी तथा मध्य भारत के विभिन्न स्थानों से प्राप्त किया गया है।
- उत्तर-पश्चिम में स्वर्ण सिक्कों का सर्वप्रथम प्रचलन यवन शासकों ने करवाया था।
- बैक्ट्रिया के स्वतंत्र यूनानी साम्राज्य का संस्थापक डायोडोटस था।
- यवन साम्राज्य भारत में दो कुलों में विभाजित था-यूक्रेटाइड्स वंश तथा डेमेट्रियस वंश।
- इण्डो-यूनानी शासकों में मेनाण्डर का नाम सर्वाधिक प्रसिद्ध है।
  - ये डेमेट्रियस वंश से संबंधित था।
- बौद्ध विद्वान नागसेन के 'मिलिंदपन्हो' तथा क्षेमेंद्रकृत 'अवदानकल्पलता' से हिंद-यवन शासक मिलिंद (मेनाण्डर) की सूचना प्राप्त होती है।
- शिवकोट (बजौर-घाटी) की धातुगर्भ मंजूषा के ऊपर अंकित मेनाण्डर का लेख प्राप्त हुआ है।
- मेनाण्डर तथा उसके पुत्र स्ट्रेटो प्रथम के सिक्के मथुरा से मिले हैं।
  - मेनाण्डर का साम्राज्य झेलम से मथुरा तक विस्तृत था।
  - इसकी राजधानी शाकल (स्यालकोट) थी।
  - 'धर्मचक्र' का चिह्न उसके सिक्कों पर मिलने से ज्ञात होता है कि वह एक धर्मनिष्ठ बौद्ध था।
- मेनाण्डर द्वारा अनेक स्तूपों के निर्माण की जानकारी क्षेमेंद्रकृत अवदानकल्पलता से होता है।
- बौद्ध भिक्षु नागसेन के प्रभाव में मेनाण्डर ने बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया।
- एंटियालकीड्स यूक्रेटाइड्स वंश का सबसे प्रतापी शासक था।
  - इसकी राजधानी तक्षशिला थी।
  - इसने शुंग शासक भागभद्र के दरबार में हेलियोडोरस नामक राजदूत भेजा था।
- भारतीयों ने सांचे में ढली मुद्राओं के निर्माण की विधि यूनानियों से ग्रहण की।
- इण्डो-ग्रीक शासकों ने ही सर्वप्रथम अपने सिक्कों पर लेख उत्कीर्ण करवाया था।

शक तथा पह्लव वंश

- भारत में शक तथा पह्लव शासकों के बारे में जानकारी मुख्य रूप से लेखों तथा सिक्कों से होती है।
- 'शकद्वीप' अथवा 'शकस्थान' शब्द का उल्लेख भारतीय साहित्य में शकों के प्रदेश के रूप में हुआ है।
- शक शासकों के भारतीय प्रदेशों के शासक 'क्षत्रप' कहलाते थे।
- प्रारंभिक शक शासकों में तक्षशिला के मेउस सर्वप्रमुख है।
  - वह भारत का प्रथम शक विजेता था।
  - इसका समय 20-22 ई. माना जाता है।
- क्षहरात वंश (महाराष्ट्र) का पहला शासक भूमक था।
  - इस वंश का सर्वाधिक प्रसिद्ध शासक नहपान था।
- गौतमीपुत्र शातकर्णि द्वारा जोगलथम्बी से प्राप्त नहपान के बहुसंख्यक सिक्के पुनर्रांकित किए गए हैं।
- कार्दमक (चष्टन) वंश का शासन सुराष्ट्र और मालवा में था।
  - इस वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक रुद्रदामन था।
- रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख गुजरात में गिरनार पर्वत पर प्राप्त हुआ है।
  - ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण संस्कृत भाषा का यह अभिलेख अब तक प्राप्त संस्कृत अभिलेखों में सर्वाधिक प्राचीन है।
  - इस अभिलेख में संस्कृत 'काव्य' शैली (चम्पू शैली) का प्राचीनतम नमूना प्राप्त होता है।
  - इसमें रुद्रदामन की वंशावली, विजयों, शासन, व्यक्तित्व आदि पर सुंदर प्रकाश डाला गया है।
  - इस अभिलेख से ज्ञात होता है कि इस समय यहां का राज्यपाल सुविशाख था, जिसने सुदर्शन झील के बांध का पुनर्निर्माण करवाया था।

➡ रुद्रसिंह तृतीय पश्चिम भारत का अंतिम शक शासक था।

➡ गुप्त शासक चंद्रगुप्त द्वितीय ने उसे परास्त कर पश्चिम भारत में शक सत्ता का उन्मूलन कर दिया।

➡ मिथ्रदात प्रथम (171-130 ई.पू.) पार्थियन साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक था।

➡ पह्लव वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक गोण्डोफर्नीज था।

- ➲ तख्तेबही (पेशावर जिले में स्थित) से इसके शासनकाल का एक अभिलेख प्राप्त हुआ है।

➡ पंजाब, सिंध, कांधार, सीस्तान तथा काबुल घाटी से गोण्डोफर्नीज के सिक्के प्राप्त हुए हैं।

- ➲ इसके शासनकाल में ईसाई धर्म प्रचारक सेंट थॉमस भारत आया था।

➡ 'ध्रमिय' (धार्मिक) उपाधि पार्थियन राजाओं के सिक्कों पर उत्कीर्ण मिलती है।

❑ कुषाण वंश

➡ कुषाण 'यू-ची' जाति की एक शाखा थी।

➡ कुजुल कडफिसेस ने भारत में सर्वप्रथम पश्चिमोत्तर प्रदेश पर अधिकार कर लिया।

- ➲ यह कडफिसेस प्रथम के नाम से भी प्रसिद्ध है।

➡ कुजुल कडफिसेस ने केवल तांबे के सिक्के जारी किए।

- ➲ इसके सिक्कों पर 'धर्मथिदस' तथा 'धर्मथित' (धर्म में स्थित) उत्कीर्ण है।

➡ कुजुल कडफिसेस के बाद विम कडफिसेस राजा हुआ।

- ➲ यह कडफिसेस द्वितीय के नाम से भी जाना जाता है।

➡ विम कडफिसेस ने स्वर्ण एवं तांबे के सिक्के चलाए थे।

- ➲ शिव, त्रिशूल तथा नंदी की आकृति इसके सिक्कों पर मिलते हैं।
- ➲ इससे इसका शैव मतानुयायी होना सूचित होता है।
- ➲ इसने 'महेश्वर' नामक उपाधि धारण की थी।

➡ कुषाण शासकों में सर्वाधिक प्रसिद्ध शासक कनिष्क था।

- ➲ इसकी राज्यारोहण की तिथि 78 ई. है।

➡ सुई, बिहार से कनिष्क के शासनकाल के 11वें वर्ष का अभिलेख प्राप्त हुआ है।

- ➲ इससे ज्ञात होता है कि उसने अपने शासन के 11वें वर्ष में निचली सिंधु घाटी को जीत लिया था।

➡ ह्वेनसांग के विवरण से ज्ञात होता है कि उसने कपिशा पर अधिकार कर लिया था।

➡ कल्हण की राजतरंगिणी से ज्ञात होता है कि कनिष्क ने कनिष्कपुर (कश्मीर) नामक नगर बसाया था।

➡ लेखों में उसे 'महाराजराजाधिराजदेवपुत्र' कहा गया है।

➡ कुषाण लेखों में पहली बार 'दण्डनायक' तथा 'महादण्डनायक' जैसे पदाधिकारियों का उल्लेख मिलता है।

➡ मथुरा लेख से ज्ञात होता है कि ग्रामों का शासन 'ग्रामिक' द्वारा चलाया जाता था।

- ➲ कनिष्क के पश्चात वासिष्क तथा उसके पश्चात हुविष्क शासक हुआ।

➡ हुविष्क के सिक्कों पर शिव, स्कंद, कुमार, विशाख, महासेन आदि देवताओं की आकृतियां उत्कीर्ण मिलती हैं।

➡ कुषाण वंश का अंतिम महान शासक वासुदेव था।

➡ कनिष्क के शासनकाल में कश्मीर के 'कुण्डलवन' में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ था।

- ➲ वसुमित्र ने इस बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की थी, जबकि अश्वघोष इसके उपाध्यक्ष थे।

➡ कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म दो संप्रदायों में विभक्त हो गया।

- ➲ ये संप्रदाय थे–हीनयान तथा महायान।
- ➲ कनिष्क ने महायान शाखा को राजाश्रय प्रदान किया था।

➡ कनिष्क के सिक्कों पर बुद्ध का अंकन मिलता है।

➡ कनिष्क के सारनाथ बौद्ध अभिलेख की तिथि 81 ई. है।

- ➲ यह प्रतिमा मथुरा से लाकर कनिष्क के राज्यारोहण (78 ई.) के तीसरे वर्ष सारनाथ में स्थापित की गई थी।

➡ भारत में राष्ट्रीय कैलेंडर के रूप में शक संवत् (प्रारंभ 78 ई.) को अपनाया गया है।

➡ कुषाण वंश की सीमाएं भारतीय उपमहाद्वीप से बाहर तक फैली थीं।

➡ इस वंश के महान शासक कनिष्क की सीमाएं उत्तर में चीन के तुरफान एवं कश्मीर से लेकर दक्षिण में विंध्य पर्वत तथा पश्चिम में उत्तरी अफगानिस्तान से लेकर पूर्व में पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं बिहार तक विस्तृत थीं।

➡ कुषाण शासक कनिष्क के काल में कला क्षेत्र में दो स्वतंत्र शैलियों का विकास हुआ-गंधार शैली तथा मथुरा शैली।

➡ भारत और यूनानी शैलियों का सम्मिश्रण शैली 'गंधार शैली' है।

- ➲ इस कला शैली के प्रमुख संरक्षक शक एवं कुषाण थे।
- ➲ इस कला का विषय मात्र बौद्ध होने के कारण इसे 'यूनानी बौद्ध', 'इंडो-ग्रीक' या 'ग्रीको-रोमन' भी कहा जाता है।

➡ गंधार कला में सदैव हरित स्तरित या शिस्ट चट्टान का प्रयोग ही मूर्तियां बनाने के लिए किया जाता था।

मौर्योत्तर कालीन पुस्तकें एवं लेखक

पुस्तक	लेखक
बुद्धचरित, सौन्दरानंद, शारिपुत्रप्रकरण	अश्वघोष
चरक संहिता	चरक
गाथासप्तशती	हाल
बृहत्कथा	गुणाढ्य
कातंत्र	शर्ववर्मन
मिलिंदपण्हो	नागसेन

■■■

Q. 21-23 जनवरी, 2019 के मध्य 15वां प्रवासी भारतीय दिवस समागम कहां आयोजित होगा?

A. वाराणसी, उत्तर प्रदेश में।

Q. 28-29 अप्रैल, 2018 के मध्य 'अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, 2018' कहां संपन्न हुआ?

A. लुम्बिनी, नेपाल में।

Q. 27 अप्रैल, 2018 को किसने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण किया?

A. वरिष्ठ अधिवक्ता इंदु मल्होत्रा ने।

Q. 27 अप्रैल, 2018 को 27वें सरस्वती सम्मान, 2017 के लिए किसे चुना गया?

A. गुजराती कवि सीतांशु यशसचंद्र को (कविता संग्रह वाखर के लिए)।

Q. 24 अप्रैल, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश के मंडला जिले में किस अभियान का शुभारंभ किया?

A. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान का।

Q. 23 अप्रैल, 2018 को विश्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017 में प्रवासियों से धन प्राप्त करने (Recipient of Remittances) के मामले में कौन-सा देश शीर्ष पर है?

A. भारत।

Q. 23 अप्रैल, 2018 को किसकी अध्यक्षता में गठित समिति ने बच्चों के अंतर-देश निष्कासन और प्रतिधारण (Inter-country removal & retention of Children) से संबंधित कानूनी मुद्दों पर अपनी रिपोर्ट केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी को सौंपी?

A. न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अध्यक्षता में।

Q. आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश, 2018 को राष्ट्रपति द्वारा कब मंजूरी प्रदान की गई?

A. 22 अप्रैल, 2018 को।

Q. 25-27 अक्टूबर, 2018 के मध्य दूसरी इंडिया मोबाइल कांग्रेस, 2018 का आयोजन कहां किया जाएगा?

A. नई दिल्ली में।

Q. 18-20 अगस्त, 2018 के मध्य 11वां विश्व हिंदी सम्मेलन कहां आयोजित किया जाएगा?

A. मॉरीशस में।

Q. 20 अप्रैल, 2018 को किस बैंक ने चालू खाता को खोलने के लिए भारत का पहला डिजिटल आवेदन-पत्र लांच किया?

A. आईसीआईसीआई बैंक ने।

Q. अप्रैल, 2018 में भारतीय रिजर्व बैंक ने यस बैंक को किन स्थानों पर दो प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की अनुमति प्रदान की?

A. लंदन और सिंगापुर में।

Q. 4-10 मई, 2018 के मध्य राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला, 2018 का आयोजन कहां किया गया?

A. जयपुर, राजस्थान में।

Q. 19-20 अप्रैल, 2018 के मध्य लंदन (यू.के.) में संपन्न राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक 'चोगम-2018' का मुख्य विषय क्या था?

A. एक साझे भविष्य की ओर (Towards a Common Future)।

Q. 19 अप्रैल, 2018 को स्वाजीलैंड के राजा मस्वाती तृतीय ने अपने देश का नया नाम क्या रखा है?

A. किंगडम ऑफ इस्वातिनी।

Q. 19 अप्रैल, 2018 को टाइम मैगजीन द्वारा जारी वर्ष 2018 के विश्व के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल भारतीय कौन-कौन हैं?

A. भावीश अग्रवाल (ओला के सह-संस्थापक), दीपिका पादुकोण तथा विराट कोहली।

Q. 19 अप्रैल, 2018 को 'फॉर्च्यून' पत्रिका द्वारा जारी विश्व के 50 महानतम नेताओं की सूची में शामिल भारतीय कौन-कौन हैं?

A. इंदिरा जयसिंह, मुकेश अंबानी तथा बालकृष्ण दोशी।

Q. 18 अप्रैल, 2018 को केंद्र सरकार ने उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए किसकी अध्यक्षता में रक्षा नियोजन समिति (DPC) का गठन किया?

A. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की अध्यक्षता में।

Q. 18 अप्रैल, 2018 को उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग का नया अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया?

A. सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी बृज लाल को।

Q. 18 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने संयुक्त रूप से 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल लांच करने के साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय के कौन-से कार्यक्रम का शुभारंभ किया?

A. स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम का।

Q. 17 अप्रैल, 2018 को किसने फिक्की के नए महासचिव का कार्यभार ग्रहण किया?

A. दिलीप चेनॉय ने।

Q. 4-15 अप्रैल, 2018 के मध्य संपन्न 21वें राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल कितने पदक प्राप्त किए?

A. कुल 66 पदक (26 स्वर्ण, 20 रजत एवं 20 कांस्य)।

Q. राष्ट्रमंडल खेल, 2018 में पदार्पण करने वाले सबसे उम्रदराज एथलीट कौन हैं?

A. कनाडियन फुलबोर शूटर रॉबर्ट पिटकेयर्न (आयु 79 वर्ष एवं 9 माह)।

Q. फीबा बॉस्केटबॉल विश्व कप, 2019 का शुभंकर (Mascot) क्या है?

A. सन ऑफ ड्रीम्स।

Q. 'विश्व हीमोफीलिया दिवस' कब मनाया जाता है?

A. 17 अप्रैल को।

Q. विश्व विरासत दिवस (18 अप्रैल), 2018 का मुख्य विषय क्या था?

A. पीढ़ियों के लिए विरासत (Heritage for Generations)।

Q. 16 अप्रैल, 2018 को कौन-सा बैंक एचडीएफसी बैंक के बाद भारत का दूसरा सबसे मूल्यवान बैंक बन गया?

A. कोटक महिंद्रा बैंक।

Q. वर्ष 2018-19 के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) का नया अध्यक्ष किसे चुना गया?

A. राकेश भारती मित्तल को।

Q. 13 अप्रैल, 2018 को भारतीय दलित साहित्य अकादमी द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से किसे सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई?

A. डॉ. भंते आनंद कीर्ति (कोलम्बो, श्रीलंका) को।

Q. 49वें दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, 2017 से किसे सम्मानित किया गया?

A. अभिनेता विनोद खन्ना (मरणोपरांत) को।

Q. पुर्तगाल का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर, 2017 का अवॉर्ड किसे प्रदान किया गया?

A. क्रिस्टियानो रोनाल्डो को।

Q. गणित के क्षेत्र में दिए जाने वाले एबल पुरस्कार, 2018 (2018 Abel Prize) से किसे सम्मानित किया जाएगा?

A. रॉबर्ट पी. लांगलैंड्स को।

Q. 15 अप्रैल, 2018 को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने संबलपुर जिले में स्थित राज्य के दूसरे सबसे लंबे नदी पुल (2.5 किमी.) का उद्घाटन किया। यह पुल किस नदी पर निर्मित है?

A. इब नदी (महानदी की सहायक) पर।

Q. 12 अप्रैल, 2018 को केंद्र सरकार द्वारा किसकी अध्यक्षता में मानवरहित हवाई वाहन (UAV) प्रौद्योगिकी के शीघ्र अनावरण के लिए एक 13 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया गया?

A. नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा की।

Q. 12 अप्रैल, 2018 को त्रिपुरा सरकार द्वारा किंस स्थान पर भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) की स्थापना हेतु 50.67 करोड़ रुपये की स्वीकृति की गई?

A. बोधजंगनगर में।

Q. 12 अप्रैल, 2018 को इसरो ने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी41 से किस नौवहन उपग्रह का प्रक्षेपण किया?

A. आईआरएनएसएस-1आई का।

Q. 16 अप्रैल, 2018 को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, राज्य में 1 मई-15 जून, 2018 तक कौन-सा अभियान संचालित किया जाएगा?

A. तालाब संरक्षण अभियान।

Q. 13 अप्रैल, 2018 को किसने बांग्ला चैनल को दो बार पार करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया?

A. संपन्न रमेश सेलार ने।

Q. 11 अप्रैल, 2018 को प्रकाशित विजडन क्रिकेटर्स अलमनैक के 155वें संस्करण में किसे 'द लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' तथा 'द लीडिंग वूमेन क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' का सम्मान प्रदान किया गया है?

A. क्रमशः विराट कोहली तथा मिताली राज को।

Q. शोरेनस्टीन पत्रकारिता पुरस्कार, 2017 (2017 Shorenstein Journalism Award) से किसे सम्मानित किया गया?

A. सिद्धार्थ वरदराजन को।

Q. 12 अप्रैल, 2018 को बैंक्स बोर्ड ब्यूरो (BBB) का नया अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया?

A. भानु प्रताप शर्मा को।

Q. 9-12 अप्रैल, 2018 के मध्य 'एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 8वां' 3 R फोरम' कहां आयोजित किया गया?

A. इंदौर (मध्य प्रदेश, भारत) में।

Q. 12 अप्रैल, 2018 को लंदन स्थित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, सर्वाधिक मृत्युदंड देने वाले शीर्ष तीन देश कौन-कौन हैं?

A. क्रमशः चीन, ईरान तथा सऊदी अरब।

Q. अप्रैल, 2018 में जारी हेनले एंड पार्टनर्स : कोचेनोव क्वालिटी ऑफ नेशनेलिटी इंडेक्स, 2017 के तीसरे संस्करण में भारत को कौन-सा स्थान प्राप्त हुआ है?

A. 106वां स्थान।

Q. किस देश के राष्ट्रपति ने फ्रांस के प्रतिष्ठित पुरस्कार 'लीजन ऑफ ऑनर' को वापस कर दिया?

A. सीरिया के राष्ट्रपति बशर-अल-असद ने।

Q. 10-12 अप्रैल, 2018 के मध्य नई दिल्ली में आयोजित 16वीं अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा फोरम की मंत्रिस्तरीय बैठक का मुख्य विषय क्या था?

A. वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा का भविष्य : पारगमन, प्रौद्योगिकी, व्यापार और निवेश।

Q. 11 अप्रैल, 2018 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा भारत, ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड के बीच समझौता-ज्ञापन को मंजूरी प्रदान की गई। यह समझौता-ज्ञापन किससे संबंधित है?

A. अवैध अप्रवासियों की वापसी से।

Q. 11 अप्रैल, 2018 को महिंद्रा डिफेंस सिस्टम और जापान की शिनमायवा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बीच किस उभयचर विमान (Amphibian Aircraft) के भारत में विनिर्माण और असेंबलिंग हेतु समझौते पर हस्ताक्षर किए गए?

A. शिनमायवा यूएस-2 विमान के निर्माण हेतु।

Q. 11 अप्रैल, 2018 को किसने राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के नए महानिदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया?

A. ले. जनरल पी.पी. मल्होत्रा ने।

Q. 10 अप्रैल, 2018 को मनाए गए 'विश्व होम्योपैथी दिवस' का मुख्य विषय क्या था?

A. नवाचार, विकास और प्रगति : चालीस वर्षों से विज्ञान का अन्वेषण।

Q. 9 अप्रैल, 2018 को भारत ने किस देश के साथ तेल पाइपलाइन समझौते पर हस्ताक्षर किया है?

A. बांग्लादेश के साथ।

Q. 8 अप्रैल, 2018 को संपन्न फॉर्मूला वन कार रेस बहरीन ग्रैंड प्रिक्स, 2018 के विजेता कौन हैं?

A. फेरारी टीम के चालक सेबेस्टियन वेट्टल।

Q. विश्व स्वास्थ्य दिवस कब मनाया जाता है?

A. 7 अप्रैल को।

Q. 7 अप्रैल, 2018 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किस स्थान से गंगा हरीतिमा अभियान, 2018 का शुभारंभ किया?

A. इलाहाबाद से।

Q. 7 अप्रैल, 2018 को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 2.0 के राज्य घटक का शुभारंभ करने वाला पूर्वोत्तर भारत का पहला राज्य कौन है?

A. त्रिपुरा।

Q. 5 अप्रैल, 2018 को जारी 'प्रथम द्वैमासिक मौद्रिक नीति, 2018-19' के अनुसार, सांविधिक चलनिधि अनुपात (SLR) कितना है?

A. 19.50 प्रतिशत।

Q. 5 अप्रैल, 2018 को किसके द्वारा डाटा विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्णय किया गया?

A. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा।

Q. 4 अप्रैल, 2018 को सिएरा लियोन का नया राष्ट्रपति कौन निर्वाचित हुआ?

A. जुलियस मादा बिओ।

Q. 6 अप्रैल, 2018 को किस देश के पूर्व राष्ट्रपति को भ्रष्टाचार के आरोप में 24 वर्ष की जेल की सजा सुनाई गई?

A. दक्षिण कोरिया की पूर्व राष्ट्रपति पार्क ग्यून-हाई को।

Q. वर्ष 2018-19 हेतु नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नैस्कॉम) का नया चेयरमैन किसे नियुक्त किया गया?

A. रिशद प्रेमजी को।

Q. 3 अप्रैल, 2018 को भारतीय बैडमिंटन संघ (BAI) का नया अध्यक्ष कौन निर्वाचित हुआ?

A. हेमंत बिस्वा शर्मा।

Q. 3 अप्रैल, 2018 को सिक्किम के मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने जैविक खेती करने वाले किसानों को कितनी मासिक पेंशन देने की घोषणा की?

A. 1000 रुपये।

Q. 3 अप्रैल, 2018 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाला दक्षिण अफ्रीका का तेज गेंदबाज कौन है?

A. मोर्ने मॉर्कल।

Q. 3 अप्रैल, 2018 को उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, प्रदेश में पहली बार किस अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रदेश के 9 एग्रोक्लाइमेटिक जोन के एक-एक जनपद में समन्वित कृषि प्रणाली विकसित की जाएगी?

A. अंतरराष्ट्रीय अर्धशुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान द्वारा।

Q. 3 अप्रैल, 2018 को मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए जारी 'एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग, 2018' के अनुसार, सभी क्षेत्रों की संयुक्त रैंकिंग में प्रथम स्थान किस संस्थान का है?

A. भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरू का।

Q. 3 अप्रैल, 2018 को भारतीय सेना ने किस बैंक के साथ रक्षा वेतन पैकेज विषय पर एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए?

A. एचडीएफसी बैंक के साथ।

Q. 4 अप्रैल, 2018 को किस मंत्रालय ने समाचार वेबसाइटों, मनोरंजन साइटों और मीडिया एग्रीगेटर्स सहित ऑनलाइन पोर्टल्स को विनियमित करने के लिए एक 10 सदस्यीय समिति गठित की है?

A. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने।

Q. 4 अप्रैल, 2018 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने पेपर लीक मामलों की रोकथाम करने के उद्देश्य से सीबीएसई द्वारा दसवीं और बारहवीं कक्षाओं की परीक्षाएं संचालित कराने की समूची प्रणाली पर गौर करने के लिए किसकी अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की है?

A. विनय शील ओबेरॉय की अध्यक्षता में।

Q. अप्रैल, 2018 में केंद्र सरकार ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) प्रावधानों के प्रवर्तन की समीक्षा करने हेतु किसकी अध्यक्षता में एक 12 सदस्यीय समिति का गठन किया है?

A. मनमोहन जुनेजा की अध्यक्षता में।

Q. 2 अप्रैल, 2018 को मिजोरम सरकार ने राज्य के किस विद्रोही गुट के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किया?

A. हमर पीपुल्स कन्वेंशन (डेमोक्रेटिक) के साथ।

Q. 2 अप्रैल, 2018 को बाईक एम्बुलेंस सेवा आरंभ करने वाला उत्तर भारत का पहला राज्य कौन है?

A. हिमाचल प्रदेश।

Q. 1 अप्रैल, 2018 को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर लड़कियों के विवाह हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से कौन-सी योजना शुरू की गई?

A. रूपश्री योजना।

Q. 72वीं संतोष ट्रॉफी, 2017-18 का विजेता राज्य कौन है?

A. केरल।

Q. हिमाचल प्रदेश का पहला क्लस्टर विश्वविद्यालय कहां स्थापित किया जाएगा?

A. मंडी में।

Q. सौभाग्य योजना के तहत हर घर में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने वाला उत्तर प्रदेश का पहला जनपद कौन है?

A. गाजियाबाद।

Q. 31 मार्च, 2018 को ललित कला अकादमी का अस्थायी अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया।

A. एम.एल. श्रीवास्तव को।

Q. 30 मार्च, 2018 को किसने म्यांमार के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण किया?

A. विन मिंट ने।

Q. मार्च, 2018 में वोडाफोन-आईडिया इंडिया का मुख्य कार्यकारी अधिकारी किसे नियुक्त किया गया?

A. बालेश शर्मा को।

Q. मार्च, 2018 में यूएस ट्रेजरी डिपार्टमेंट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2017 तक अमेरिकी सरकारी प्रतिभूति धारकों की सूची में भारत का कौन-सा स्थान है?

A. 12वां स्थान।

Q. मार्च, 2018 में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा प्रायोगिक तौर पर डीजल की होम डिलीवरी सेवा कहां शुरू की गई है?

A. पुणे में।

Q. 30 मार्च, 2018 को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) का पहला महानिदेशक किसे नियुक्त किया गया है?

A. विनीत जोशी को।

Q. मार्च, 2018 में भारत-किर्गिजिस्तान की सेनाओं के मध्य कौन-सा संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास संपन्न हुआ?

A. खंजर-V।

Q. 30 मार्च, 2018 को रूस द्वारा किस इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का दूसरी बार सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया?

A. आरएस-28 सरमत का।

Q. मार्च, 2018 में राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (RRCAT), इंदौर में पानी में यूरेनियम की मात्रा के मापन हेतु कौन-सा यंत्र विकसित किया गया है?

A. फ्लोरीमीटर का।

Q. 29 मार्च, 2018 को इसरो (ISRO) ने जीएसएलवी-एफ08 प्रक्षेपण यान से किस संचार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया?

A. GSAT-6A का।

Q. मार्च, 2018 में ट्रैफिक प्रबंधन हेतु डिजिटल डिस्प्ले के साथ स्वचालित स्पीडगन कैमरा स्थापित करने वाला उत्तर भारत का पहला शहर कौन है?

A. चंडीगढ़।

Q. 29 मार्च, 2018 को केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने राजस्थान के पहले मेगा फूड पार्क (ग्रीनटेक मेगा फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड) का शुभारंभ कहां किया?

A. रूपनगढ़, अजमेर में।

Q. मार्च, 2018 में 100 प्रतिशत सौर ऊर्जा से संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) वाला देश का पहला जिला कौन बना?

A. सूरत, गुजरात।

Q. मार्च, 2018 में संपन्न फीफा परिषद की बैठक में फीफा U-20 विश्व कप, 2019 की मेजबानी का अधिकार किस देश को सौंपा गया है?

A. पोलैंड को।

Q. 26 मार्च, 2018 को भारत सरकार का नया मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार किसे नियुक्त किया गया?

A. के. विजय राघवन को।

Q. 25 मार्च, 2018 को भारत सरकार द्वारा यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड में भारत के प्रतिनिधि के तौर पर किसे नामित करने का निर्णय लिया गया?

A. प्रो. जे.एस. राजपूत को।

Q. भारत का पहला पैरालंपिक भवन कहां स्थापित किया जाएगा?

A. फरीदाबाद, हरियाणा में।

Q. 20 मार्च, 2018 को भारत सरकार ने झारखंड के किस जिले में प्लास्टिक पार्क की स्थापना को मंजूरी प्रदान की?

A. देवघर जिले में।

सम-सामयिक **घटना चक्र**

अतिरिक्तांक

GS प्वाइंटर 7

(पूर्वावलोकन सार)

नि:शुल्क
जून, 2018 अंक के साथ

सामान्य विज्ञान

(रसायन एवं जीव विज्ञान) भाग - 2

श्रृंखला का अगला अंक - **पर्यावरण** एवं **पारिस्थितिकी**

GS प्वाइंटर 7

सामान्य विज्ञान

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ निःशुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर GS 'प्वाइंटर' क्रमशः प्रस्तुत किया जाएगा।

रसायन विज्ञान

परमाणु संरचना

- परमाणु नाभिक के अवयव हैं **—प्रोटॉन और न्यूट्रॉन**
- आणविक संरचना के बारे में सही कथन है **—प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन न्यूक्लियस में होते हैं तथा इलेक्ट्रॉन न्यूक्लियस के इर्द-गिर्द चक्कर लगाते हैं।**
- इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन, न्यूट्रॉन तथा फोटॉन में से वह जो अणु (एटम) का भाग नहीं है **—फोटॉन**
- खनिज यौगिक, खनिज मिश्रण तथा प्राकृत तत्व में से एक ही प्रकार का परमाणु मिलता है **—प्राकृत तत्व में**
- परमाणवीय नाभिक खोजा था **—रदरफोर्ड ने**
- एटम में न्यूट्रॉन की खोज की थी **—चैडविक ने**
- न्यूट्रॉन, प्रोटॉन, ड्यूट्रॉन तथा इलेक्ट्रॉन में से एक अणु-परमाणुक कण नहीं है **—ड्यूट्रॉन**
- इलेक्ट्रॉन-पॉजिट्रॉन, प्रोटॉन-न्यूट्रॉन, फोटॉन-इलेक्ट्रॉन तथा न्यूट्रॉन-न्यूट्रियो में से एक कण-प्रतिकण युग्म है **—इलेक्ट्रॉन - पॉजिट्रॉन**
- अल्फा कण के दो धन आवेश होते हैं, इसका द्रव्यमान लगभग बराबर होता है **—हीलियम के एक परमाणु के नाभिक के**
- हीलियम के नाभिक में होता है **—दो प्रोटॉन एवं दो न्यूट्रॉन**
- α-किरण, अल्फा कण, बीटा कण तथा गामा किरण में से ऋणात्मक आवेश होता है **—बीटा कण में**
- सही सुमेलन है–

सूची I (विशिष्टता)	**सूची II (कण)**
शून्य द्रव्यमान (Zero Mass)	न्यूट्रिनो (Neutrino)
आंशिक आवेश (Fractional Charge)	क्वार्क (Quark)
आंशिक प्रचक्रण (Fractional Spin)	पॉजिट्रॉन (Positron)
पूर्णांक प्रचक्रण (Integral Spin)	फोनॉन (Phonon)

- परमाणु में कक्षों को भरने का क्रम नियंत्रित होता है **—ऑफबाऊ सिद्धांत द्वारा**
- रासायनिक तत्व के अणु के संदर्भ में चुंबकीय क्वांटम संख्या का संबंध है **—अभिविन्यास से**
- जिस तत्व के परमाणु में दो प्रोटॉन, दो न्यूट्रॉन और दो इलेक्ट्रॉन हों, उस तत्व की द्रव्यमान संख्या होती है **—4**
- परमाणु जिनमें प्रोटॉनों की संख्या समान, परंतु न्यूट्रॉनों की संख्या भिन्न-भिन्न रहती है, कहलाते हैं **—समस्थानिक (Isotopes)**
- समस्थानिक होते हैं किसी एक ही तत्व के परमाणु जिनका **—परमाणु भार भिन्न, परंतु परमाणु क्रमांक समान होता है।**

✷ किसी परमाणु-नाभिक का आइसोटोप वह नाभिक है, जिसमें

—प्रोटॉनों की संख्या वही होती है, परंतु न्यूट्रॉनों की संख्या भिन्न होती है।

✷ समन्यूट्रॉनिक समूह है

—$^{6}C_{14}$, $^{7}N_{15}$, $^{8}O_{16}$

✷ रेडियोएक्टिविटी मापी जाती है **—गाइगर काउंटर से**

✷ रेडियोएक्टिविटी का आविष्कार किया था

—बैकुरेल ने

रासायनिक एवं भौतिक परिवर्तन, विलयन आदि

✷ भौतिक परिवर्तन का उदाहरण है **—पानी में चीनी का घुलना**

✷ जल का वाष्प में परिवर्तन कहलाता है **—भौतिक परिवर्तन**

✷ रासायनिक परिवर्तन का उदाहरण है

—सब्जियों को पकाने पर उनका मुलायम हो जाना

✷ रासायनिक परिवर्तन का उदाहरण है

—दुग्ध आस्कंदन

✷ **कथन (A) :** उच्चतर तापमानों पर रासायनिक अभिक्रिया तीव्रतर हो जाती है।

कारण (R) : उच्चतर तापमानों पर आणविक गति और द्रुत हो जाती है।

—(A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ जल-अपघटन में ऊर्जा उत्पन्न होती है **—ऊष्मा के रूप में**

✷ पाश्चुराइजेशन एक प्रक्रिया है जिसमें

—दूध को पहले बहुत देर तक गर्म किया जाता है और एक निश्चित समय में अचानक ठंडा कर लिया जाता है।

✷ पास्तुरीकरण संबंधित है **—दुग्ध के निर्जर्मीकरण से**

✷ सही कथन है

—किसी जलीय विलयन का क्वथनांक शुद्ध जल के क्वथनांक से अधिक होता है।

✷ अशुद्धियों के कारण द्रव का क्वथनांक **—बढ़ जाता है**

✷ ऊंचाई की जगहों पर पानी 100 सेंटीग्रेड के नीचे के तापमान पर उबलता है **—क्योंकि वायुमंडलीय दबाव कम हो जाता है, अतः उबलने का बिंदु नीचे आ जाता है।**

✷ निम्न कथनों पर विचार कीजिए–

कथन (A) : नमक और बर्फ के मिश्रण से 0^0 से. से नीचे का तापमान प्राप्त होता है।

कारण (R) : नमक बर्फ के हिमांक को बढ़ा देता है।

—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ वह कोलाइडी तंत्र जो कोहरे में अभिव्यक्त होता है **—गैस में द्रव**

✷ 1. परासरण के प्रक्रम में विलायक, सांद्र घोल से तनु घोल की ओर जाता है।

2. प्रतिलोम परासरण में तनु घोल पर बाह्य दाब लगाया जाता है।

उपरोक्त कथनों में से सही है/हैं

—न ही 1 और न ही 2

✷ क्रोमेटोग्राफी की तकनीक का प्रयोग होता है

—एक मिश्रण से पदार्थों को अलग करने में

✷ ठोस कपूर से कपूर वाष्प बनाने की प्रक्रिया को कहते हैं

—ऊर्ध्वपातन

✷ सुमेलित हैं–

उपचयनांक	**तत्व**
2	CaO का Ca उपचयनांक
3	$NaAlH_4$ का Al उपचयनांक
4	MnO_2 में Mnका उपचयनांक
6	H_2SO_4 का S उपचयनांक

अकार्बनिक रसायन

✷ **कथन (A) :** रासायनिक तत्वों की आवर्त-सारणी में इलेक्ट्रॉनीय बंधुता किसी एक वर्ग में सदैव ऊपर से नीचे की ओर बढ़ती है।

कारण (R) :किसी एक वर्ग में परमाणवीय त्रिज्याएं सामान्यतः ऊपर से नीचे की ओर बढ़ती हैं।

—(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ 1. किसी एक आवर्तक के अनुदिश आयनन विभव धीरे-धीरे कम होता है।

2.तत्वों के किसी एक वर्ग में जैसे-जैसे परमाणु भार बढ़ता है, इलेक्ट्रॉन बंधुता कम होती है।

3.किसी निर्दिष्ट आवर्तक में जैसे-जैसे परमाणु संख्या बढ़ती है, विद्युत-ऋणात्मकता कम होती है।

रासायनिक तत्वों की आवर्ती सारणी के बारे में उपरोक्त कथनों में से सही कथन है/हैं

—केवल 2

✷ तीसरे और चौथे समूह के ऑक्साइड का सामान्य गुणधर्म है

—बेसिक और एसिडिक

✷ भू-पर्पटी में सर्वाधिक पाया जाने वाला तत्व है **—ऑक्सीजन**

✷ भू-पर्पटी पर द्रव्यमान प्रतिशत के रूप में सर्वाधिक मात्रा में पाया जाता है **—ऑक्सीजन**

✷ ऑक्सीजन के बाद सबसे अधिक उपलब्ध मूल तत्व है **—सिलिकॉन**

✷ विश्व में सर्वाधिक पाया जाने वाला तत्व है **—हाइड्रोजन**

✷ पृथ्वी पर पाए जाते हैं **— 100 प्रकार के रासायनिक तत्व**

✷ रेत, हीरा, संगमरमर तथा शक्कर में से मूल तत्व है **—हीरा**

✷ हीरे की खनिजीय बनावट है **—कार्बन**

धातुएं, खनिज, अयस्क : गुणधर्म, उपयोग

- वह इलेक्ट्रॉनिक संरूपण, जो धातु तत्वों के लिए होती है — 2, 8, 8, 2
- सोडियम, कैल्शियम, आयरन तथा पोटैशियम में से सबसे अधिक क्रियाशील धातु है —पोटैशियम
- लीथियम एवं पारा, लीथियम एवं ऑस्मियम, एल्युमीनियम एवं ऑस्मियम और एल्युमीनियम एवं पारा धातु-युग्मों में क्रमशः सबसे हल्की धातु तथा सबसे भारी धातु है —लीथियम एवं ऑस्मियम
- सर्वाधिक कठोर तत्व है —हीरा
- सोना, लोहा, प्लेटिनम तथा टंगस्टन में से कठोरतम धातु है —प्लेटिनम
- कार्बोरंडम, टंगस्टन, कास्ट आयरन तथा नाइक्रोम में से वह पदार्थ जो बहुत कठोर और बहुत तन्य है —नाइक्रोम
- सबसे भारी प्राकृतिक तत्व है —यूरेनियम
- तांबा, यूरेनियम, एल्युमीनियम तथा चांदी में सबसे भारी धातु है —यूरेनियम
- मोती की रासायनिक संरचना है —कैल्शियम कार्बोनेट
- मोती के मुख्य अवयव हैं —एरागोनाइट और कांचियोलिन
- माणिक्य और नीलम रासायनिक रूप से जाने जाते हैं —एल्युमीनियम ऑक्साइड के रूप में
- **कथन (A) :** सोडियम धातु का संचयन किरोसिन में होता है।
  कारण (R) : धातु सोडियम वायु प्रभाव्य होने पर गल जाती है। —(A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- आज कल सड़क की रोशनी में पीले लैम्प बहुतायत में प्रयुक्त हो रहे हैं। इन लैम्पों में उपयोग करते हैं —सोडियम का
- सोडियम वाष्प लैम्प प्रायः सड़क प्रकाश के लिए प्रयुक्त होते हैं क्योंकि —इनका प्रकाश एकवर्णी है और पानी की बूंदों से गुजरने पर विभक्त नहीं होता।
- प्रतिदीप्ति नली में सर्वाधिक सामान्यतः प्रयोग होने वाली वस्तु है —पारा-वाष्प तथा ऑर्गन
- एल्युमीनियम, सोना, क्रोमियम तथा जस्ता में से स्वतंत्र अवस्था में पाई जाती है —सोना
- सोने को घोला जा सकता है —अम्लराज में
- शुद्ध सोना होता है —24 कैरेट का
- अति मुलायम खनिज, टाल्क (सोप स्टोन) मुख्यतः है —मैग्नीशियम सिलिकेट
- चूना पत्थर का रासायनिक नाम है —कैल्शियम कार्बोनेट
- 'प्लास्टर ऑफ पेरिस' रासायनिक रूप से है —कैल्शियम सल्फेट
- प्लास्टर ऑफ पेरिस का सूत्र है —$CaSO_4 \cdot \frac{1}{2}H_2O$
- डॉक्टर, कलाकार एवं मूर्तिकार कैल्शियम सल्फेट का उपयोग करते हैं जिसका लोकप्रिय नाम है —प्लास्टर ऑफ पेरिस
- मोनाजाइट अयस्क है —थोरियम का
- माइका है —ऊष्मा का चालक तथा विद्युत का कुचालक
- लोहा और इस्पात, खिलौने, ग्लास और कुम्हारी तथा वैद्युत में से वह उद्योग जिसमें अभ्रक कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होता है —वैद्युत
- पारा, पानी, ईथर तथा बेंजीन द्रवों में से ऊष्मा का बहुत अच्छा चालक है —पारा
- जल, पारा, बेंजीन तथा चमड़ा में से ऊष्मा का सर्वाधिक उत्तम चालक है —पारा
- सीसा, पारा, निकेल तथा टिन धातुओं में से सामान्य ताप पर द्रव है —पारा
- पारे का साधारणतया तापमापी यंत्रों में उपयोग किया जाता है क्योंकि इसकी विशेषता है —उच्च संचालन शक्ति
- आयरन, लेड, मैग्नीशियम तथा एल्युमीनियम में से जल के साथ बिल्कुल अभिक्रिया नहीं करता है —लेड
- तब कोई प्रतिक्रिया नहीं होती है, जब भाप गुजरती है —तांबे के ऊपर से
- लोहा प्राप्त किया जाता है —हेमेटाइट से
- सुमेलित हैं—

सूची-I	सूची-II
ऊष्मा तथा विद्युत का सर्वोत्तम संचालक	चांदी
सबसे अधिक मात्रा में पायी जाने वाली धातु	एल्युमीनियम
सबसे अधिक लचीली तथा पीटकर बढ़ाए जाने योग्य धातु	स्वर्ण
ऊष्मा का न्यूनतम संचालक	सीसा

- हीरा, चांदी, ग्रेफाइट तथा लकड़ी में से विद्युत चालकता सर्वाधिक है —चांदी की
- सही कथन है —कैल्शियम कार्बोनेट दंत-पेस्ट का एक अवयव होता है।
- सुमेलित हैं—

सूची-1	सूची-2
भंजन	पेट्रोलियम
प्रगलन	ताम्र
हाइड्रोजनीकरण	खाद्य वसा
वल्कनीकरण	रबर

- एल्युमीनियम बनाने के लिए प्रयोग होता है —बॉक्साइट का
- लोहा, तांबा, एल्युमीनियम तथा चांदी में से वह धातु जिसे प्राप्त करने हेतु बॉक्साइट अयस्क है —एल्युमीनियम

✷ सुमेलित हैं–

सूची-1	सूची-2
हीरा	कार्बन
संगमरमर	कैल्शियम
बालू	सिलिकन
माणिक्य	एल्युमीनियम

✷ एल्युमीनियम, सोडियम, मैग्नीशियम तथा मैंगनीज में से जल से हल्का होता है **—सोडियम**

✷ इस्पात, पारा तथा सोना का उनके घनत्व के अवरोही क्रमानुसार, सही अनुक्रम है **—सोना > पारा > इस्पात**

मिश्रधातुएं

✷ स्टील, पीतल, ब्रॉन्ज तथा तांबा में से मिश्रधातु नहीं है **—तांबा**

✷ **कथन (A) :** जस्तेदार लोहे में जल्दी जंग नहीं लगता।
कारण (R) : यशद में उपचयन क्षमता है।
— (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ जस्तेदार लोहे की चादरें जंग से बची रहती हैं क्योंकि उनमें विद्यमान होती है **—यशद (जस्ता) की परत**

✷ गैल्वनीकृत लोहे पर लेप होता है **—जस्ते का**

✷ एल्युमीनियम-पृष्ठ प्रायः 'एनोडीकृत' होते हैं। इसका अर्थ है उस पर **—एल्युमीनियम ऑक्साइड की परत का निक्षेपण होना**

✷ वह धातु जिससे बनाई मिश्रधातु को हवाई जहाज तथा रेल के डिब्बे में पुर्जों के काम में लिया जाता है **—एल्युमीनियम**

✷ पारद धातु मिश्रण **—पारद युक्त मिश्रधातु होती है।**

✷ जस्ता, तांबा, मैग्नीशियम तथा लोहा धातुओं में से अमलगम नहीं बनाती है **—लोहा**

✷ जस्ता-तांबा, तांबा-टिन, पारा-जस्ता तथा सीसा-जस्ता मिश्रधातुओं में से अमलगम कहते हैं **—पारा-जस्ता को**

✷ टांका एक मिश्रधातु है **—टिन तथा सीसे की**

✷ कांसा मिश्रित (Alloy) धातु है **—तांबा एवं टिन की**

✷ सुमेलित हैं–

सूची-I	सूची-II
जर्मन सिल्वर	निकेल
सोल्डर	टिन
ब्लीचिंग पाउडर	क्लोरीन
हाइपो	सोडियम

✷ जर्मन सिल्वर में चांदी का प्रतिशत होता है **— 0%**

✷ तांबा, एल्युमीनियम, जस्ता तथा निकेल में से वह तत्व जो जर्मन सिल्वर में उपस्थित नहीं होता है **—एल्युमीनियम**

✷ पीतल, कांसा, जर्मन सिल्वर तथा गन मेटल में से तांबे की मात्रा अधिकतम है **—कांसा में**

✷ वह धातु जो पीतल, कांस्य तथा जर्मन सिल्वर इन सभी में उभय घटक के रूप में विद्यमान है **—तांबा**

✷ पीतल, मिश्रधातु है **—तांबा एवं जस्ता की**

✷ 1. पीतल तांबा तथा जस्ते की मिश्रधातु है।
2. मैग्नेटाइट, एल्युमीनियम का सबसे अधिक महत्वपूर्ण अयस्क है।
3. पारदित सम्मिश्रण वे पदार्थ हैं जिनमें पारा अनिवार्यतः सम्मिलित होता है।
4. फोटोग्राफी में पोटैशियम नाइट्रेट प्रयुक्त होने वाला एक अनिवार्य रसायन है।
उपरोक्त कथनों में से सत्य कथन हैं **— 1 एवं 3**

✷ पीतल का रंग हवा में फीका पड़ जाता है **—हाइड्रोजन सल्फाइड की उपस्थिति के कारण**

✷ मिश्रधातु में जिस पदार्थ के संयोग से निष्कलंक इस्पात (स्टेनलेस स्टील) अचुंबकीय हो जाता है, वह है **—निकेल**

✷ स्टील की कठोरता प्रदान करने के लिए बढ़ाई जाती है– **—कार्बन की मात्रा**

✷ वह तत्व जो लोहे के साथ मिश्रित होने पर इस्पात बनता है, जो उच्च ताप का प्रतिरोध कर सकता है तथा जिसमें उच्च कठोरता तथा अपघर्षण प्रतिरोधकता होती है **—क्रोमियम**

✷ जंग रहित लोहा बनाने में प्रयुक्त होने वाली महत्वपूर्ण धातु है **—क्रोमियम**

✷ स्टील से स्टेनलेस स्टील प्राप्त करने के लिए उसमें कुछ तत्वों को मिलाकर उसे और अधिक संशोधित किया जाता है। वह तत्व जो उस कार्य के लिए प्रयुक्त नहीं किया जाता **—सिलिकॉन**

✷ धब्बा रहित लोहा बनाने में लोहे के साथ प्रयुक्त होने वाली महत्वपूर्ण धातु है **—क्रोमियम**

✷ स्टेनलेस स्टील मिश्र धातु है **—लोहा, क्रोमियम, मैंगनीज एवं कार्बन की**

✷ स्टेनलेस स्टील बनाने के लिए लोहे में मिलाया जाता है **—क्रोमियम और निकेल**

✷ स्टील में होता है **—0.1 - 2% कार्बन**

✷ जंग लगने पर लोहे का भार **—बढ़ता है**

✷ **कथन (A) :** साधारणतः यह देखा गया है कि लोहे की वस्तुएं जब वायुमण्डल में अनाश्रित होती हैं तब वे भूरे पाउडर की परत से आच्छादित हो जाती हैं जिसको जंग कहते हैं।
कारण (R) : जंग अर्थात भूरा पाउडरी पदार्थ टैनिन के जमा होने से बनता है। **—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**

अधातुएं

A. कार्बन और उसके भिन्न रूप

✷ हाइड्रोजन, कार्बन, नाइट्रोजन तथा ऑक्सीजन तत्वों में से सर्वाधिक यौगिक निर्माण करता है **— कार्बन**

✷ हीरा, ग्रेफाइट तथा कोयला में से कार्बन है **—सभी में**

✷ केवलार, लेक्सान, ग्रैफीन तथा स्पाइडर सिल्क में से केवल कार्बन से बना हुआ है **—ग्रैफीन**

✷ हीरा, ग्रेफाइट, ऑक्सोकार्बन्स तथा फुलेरीन्स में से कार्बन का अपररूप नहीं है **—ऑक्सोकार्बन्स**

✷ पेंसिल का लेड है **—ग्रेफाइट**

✷ कार्बन के तीसरे अपरूपी की खोज 3 वैज्ञानिकों की टीम द्वारा की गई थी, जिन्हें रसायन शास्त्र के नोबेल प्राइज से सम्मानित किया गया था। उस टीम में सम्मिलित थे

—रॉबर्ट एफ.कर्ल, सर हैराल्ड डब्ल्यू. क्रोटो तथा रिचर्ड ई. स्माले

✷ बकमिन्स्टर फुलरीन है

—कार्बन यौगिक का एक रूप जिसमें 60 कार्बन परमाणुओं का गुच्छ होता है, जो परस्पर पंचभुज या षट्भुज से बने बहुफलकीय संरचना से जुड़े होते हैं।

✷ हीरा, ग्रेफाइट, कोयला तथा बालू में से कार्बन नहीं है **—बालू में**

✷ लिग्नाइट, टिन, चांदी तथा लोहा में से कार्बन मिलता है **—लिग्नाइट में**

✷ कोयले के बिटुमिनस कोयला, लिग्नाइट, पीट तथा एन्थ्रासाइट प्रकारों में से वह एक जिसमें शेष प्रकारों की अपेक्षा अधिक प्रतिशत कार्बन अंश होता है **—एन्थ्रासाइट**

✷ कार्बन की मात्रा अधिकतम होती है- **—ढलवां लौह में**

✷ हीरा, क्वार्ट्ज, गंधक तथा ग्रेफाइट में से रवा (क्रिस्टल) नहीं है **—गंधक**

✷ कांच पर उत्कीर्ण किया या खरोंचा जा सकता है–

1. हीरा से
2. हाइड्रोफ्लोरिक अम्ल से
3. एक्वारेजिया से (अम्ल राज)
4. सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल से

— 1 और 2 से

✷ हीरे की बिक्री में भार की इकाई कैरेट होती है। एक कैरेट बराबर है **—200 मिग्रा. के**

✷ ग्रैफीन के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए

1. वह एक द्वि-आयामीय पदार्थ है और उसकी विद्युत चालकता उत्तम है।
2. वह अब तक जांचे गए सबसे तनु किंतु सबसे शक्तिशाली पदार्थों में से है।
3. वह पूर्णतः सिलिकॉन से बना होता है और उसकी चाक्षुष पारदर्शिता उच्च होती है।
4. उसका टच स्क्रीन, LCD और कार्बनिक LED के लिए 'चालक इलेक्ट्रोड' के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

उपर्युक्त में से सही कथन हैं **—केवल 1, 2 और 4**

✷ जर्मन सिल्वर, पीतल, स्टील तथा ग्रैफीन में से सर्वाधिक मजबूत होता है **—ग्रैफीन**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. कैल्शियम सल्फेट की उपस्थिति जल को कठोर बना देती है एवं वह उपयोग योग्य नहीं रहता।
2. हीरा, तांबा व लोहे से कठोर है।
3. वायु का मुख्य घटक ऑक्सीजन है।
4. नाइट्रोजन वनस्पति घी के निर्माण में प्रयुक्त होती है।

उपरोक्त में से सत्य कथन है/हैं–

— 1 एवं 2

✷ भारी मशीनों के उपयोग के लिए स्नेहक है **—ग्रेफाइट**

✷ शुष्क बर्फ कहते हैं **—ठोस कार्बन डाइऑक्साइड को**

✷ सल्फर, सिलीनियम, ब्रोमीन तथा फॉस्फोरस अधातुओं में से वह एक जो विद्युत का मंद चालक नहीं है **—सिलीनियम**

B. हाइड्रोजन और उसके यौगिक

✷ एक तत्व X के बाह्यतम कक्षा में चार इलेक्ट्रॉन हैं। हाइड्रोजन के साथ इसके यौगिक का सूत्र होगा **—XH_4**

✷ भार के अनुसार पानी (H_2O) में हाइड्रोजन की प्रतिशतता है **—11.11 %**

✷ हाइड्रोजन गैस का एक मोल (अणु ग्राम) ऑक्सीजन आधिक्य में जल कर 290 किग्रा. ऊष्मा देता है। उन्हीं परिस्थितियों में 4 ग्राम हाइड्रोजन गैस के जलने पर उत्पन्न होगी **—580 किग्रा. ऊष्मा**

✷ हाइड्रोजन को जलाने से बनेगा **—पानी**

✷ मिट्टी का तेल, हाइड्रोजन, कोयला तथा डीजल ईंधनों में से न्यूनतम वायु प्रदूषण करता है **—हाइड्रोजन**

✷ भारी जल एक प्रकार का **—मंदक है**

✷ भारी जल का रासायनिक फॉर्मूला है **—D_2O**

✷ न्यूक्लीय रिएक्टरों में विमंदक और प्रशीतक दोनों की तरह प्रयुक्त होने वाला पदार्थ है **—भारी पानी**

✷ गुरु जल क्या है **—ऑक्सीजन + हैवी हाइड्रोजन**

✷ भारी पानी वह पानी होता है

—जिसमें हाइड्रोजन का स्थान आइसोटोप ले लेता है।

✷ 'हैवी वॉटर' में

—हाइड्रोजन के स्थान पर ड्यूटीरियम (Deuterium) होता है।

✷ भारी पानी की खोज की **—एच.सी. उरे ने**

✷ भारी पानी का अणुभार होता है **—20**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कठोर जल उपयुक्त नहीं है–

1. पीने के लिए
2. साबुन से कपड़े धोने के लिए
3. बॉयलर्स में प्रयोग के लिए
4. फसल की सिंचाई के लिए

इनमें से सत्य कथन हैं

—1, 2, 3 और 4

✷ पानी की स्थायी कठोरता के लिए उत्तरदायी है

—कैल्शियम और मैग्नीशियम के क्लोराइड्स व सल्फेट्स

✷ जल के लिए pH मान होता है **—लगभग 7**

✷ पानी का शुद्धतम रूप है **—वर्षा का पानी**

✷ पानी आयनिक लवण का सुविलायक है, क्योंकि

—उसका द्विध्रुव आघूर्ण अधिक है।

✷ अशुद्ध जल से बड़ी मात्रा में पेयजल तैयार किया जाता है–

—निर्लवणीकरण द्वारा

✷ हीलियम, क्लोरीन, फ्लुओरीन तथा कार्बन डाइऑक्साइड गैस में से पीने के पानी को शुद्ध करने के लिए प्रयोग में लाई जाती है

—क्लोरीन

✷ समुद्री जल को शुद्ध जल में बदला जा सकता है

—उत्क्रम परासरण प्रक्रिया द्वारा

✷ खारे पानी को शुद्ध पानी में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को कहते हैं

—उत्क्रम परासरण

✷ फिटकरी गंदले पानी को स्वच्छ करती है

—स्कंदन प्रक्रिया द्वारा

✷ वनस्पति तेल से वनस्पति घी बनाने में प्रयुक्त गैस है **—हाइड्रोजन**

✷ वनस्पति तेलों के हाइड्रोजनीकरण में उपयोग किया जाता है

—निकेल उत्प्रेरक का

C. सल्फर, नाइट्रोजन, हैलोजन, अक्रिय गैसें

✷ हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, हीलियम तथा कार्बन डाइऑक्साइड में से 'नोबेल गैस' कहलाती है **—हीलियम**

✷ ऑर्गन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन तथा ऑक्सीजन में से वह गैस जिसकी प्रतिशत मात्रा (आयतन में) वायुमंडल में सबसे कम है

—कार्बन डाइऑक्साइड

✷ वायुमंडलीय वायु में नाइट्रोजन लगभग होती है

— 78 - 79%

✷ N_2, O_2, कार्बन तथा H_2 में से गैसीय चक्र नहीं है **—H_2**

✷ गोताखोरों के सांस लेने संबंधी क्रिया में उपयोग की जाने वाली गैसें हैं

—ऑक्सीजन तथा हीलियम

✷ गोताखोरों द्वारा गहरे समुद्र में सांस लेने के लिए ऑक्सीजन के साथ मिश्रित किया जाता है **—हीलियम को**

✷ सल्फर हेक्साफ्लोराइड अणु का आकार है

—अष्टफलकीय

✷ जल में आसानी से घुलनशील है **—अमोनिया**

✷ हास्य गैस (लॉफिंग गैस) के रूप में प्रयुक्त होता है**—नाइट्रस ऑक्साइड**

✷ डॉक्टरों द्वारा एनेस्थीसिया (Anaesthesia) के रूप में प्रयोग होने वाली हास्य गैस (Laughing gas) है **—नाइट्रस ऑक्साइड**

✷ ऑर्गन, नियॉन, जीनॉन तथा नाइट्रस ऑक्साइड में से 'स्ट्रैंजर गैस' भी कहते हैं **—जीनॉन को**

✷ (a) बोर्डो मिक्सचर, कॉपर (II) सल्फेट और कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड का जल में मिश्रण है और इसे फफूंदनाशी के रूप में प्रयोग में लाते हैं।

(b) बोरिक अम्ल, औषधि उद्योग तथा खाद्य परिरक्षक के रूप में भी प्रयुक्त होता है।

(c) शुष्क बर्फ, ठोस कार्बन डाइऑक्साइड होता है।

(d) हंसाने वाली गैस, नाइट्रिक ऑक्साइड है।

उपरोक्त कथनों में से सत्य नहीं है–

—हंसाने वाली गैस, नाइट्रिक ऑक्साइड है।

✷ नाइट्रोजन मुक्ति से होता है

—स्थल मंडलीय एवं वायुमंडलीय नाइट्रोजन की मात्रा अप्रभावित

✷ वायुयानों के टायरों में भरने में प्रयोग किया जाता है

—नाइट्रोजन गैस का

✷ मैंगनीज, नाइट्रोजन, मैग्नीशियम तथा सल्फर में से वह तत्व जिसकी कमी को पूरा करने के लिए कीटभक्षी पौधे कीटों को पकड़ते तथा उनका भक्षण करते हैं **—नाइट्रोजन**

✷ कीटभक्षी पौधे जिस मृदा में उगते हैं उसमें कमी रहती है- **—नाइट्रोजन की**

✷ सामान्यतः गुब्बारे में भरी जाती है **—हीलियम गैस**

✷ वायु भरे गुब्बारों में हीलियम को हाइड्रोजन की अपेक्षा वरीयता दी जाती है, क्योंकि यह **—वायु के साथ विस्फोटक मिश्रण नहीं बनाता है।**

✷ अश्रु गैस है **—अमोनिया**

✷ H_2, SO_2, NH_3 तथा Cl_2 में से अश्रु गैस की तरह काम में लेते हैं **—NH_3 को**

✷ क्लोरीन, ब्रोमीन, आयोडीन तथा फ्लोरीन में से सामान्य ताप पर ठोस अवस्था में रहता है **—आयोडीन**

✷ ग्लाइसिन, ऐलानिन तथा सेरीन में से ऑप्टिकली सक्रिय नहीं है **— ग्लाइसिन**

✷ हैलोजनों में सबसे अधिक अभिक्रियाशील है— **—फ्लोरीन**

✷ वह हैलोजन जिसका उपयोग पीड़ाहारी की तरह किया जाता है **—ब्रोमीन**

✷ ट्यूबलाइट में निम्न दाब पर भरी जाती है **—नियॉन और पारद वाष्प**

✷ ट्यूबलाइट में भरी होती है **—कम दाब पर ऑर्गन गैस एवं कम दाब पर पारे की वाष्प**

D. अम्ल, क्षार तथा लवण

✷ स्वर्णकारों द्वारा प्रयोग में आने वाला एक्वारेजिया बनाया जाता है **—नाइट्रिक अम्ल तथा हाइड्रोक्लोरिक अम्ल को मिलाकर**

✷ पी.एच. एक मूल्यांक दर्शाता है **—किसी घोल के अम्लीय या क्षारीय होने का मूल्यांक**

✷ एक विलयन लाल लिटमस को नीला कर देता है, विलयन का pH है **—7 से अधिक**

✷ रसायन उद्योग में वह तेजाब जो मूल रासायनिक माना जाता है **—H_2SO_4**

✷ कॉपर सल्फेट का जलीय घोल अम्लीय होता है क्योंकि इस लवण का **—जल-अपघटन होता है।**

✷ $AlCl_3$, BF_3, NH_3 तथा $FeCl_3$ में से लुईस अम्ल नहीं है **—NH_3**

✷ **कथन (A) :** सल्फ्यूरिक अम्ल को तनु बनाने के लिए पानी में अम्ल मिलाया जाता है, न कि अम्ल में पानी।

कारण (R) : पानी की विशिष्ट ऊष्मा बहुत अधिक होती है।

—(A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ जल में कार्बन डाइऑक्साइड प्रवाहित करने पर बना सोडा वाटर **—अम्लीय प्रकृति का है।**

✷ वह अम्ल जिसमें ऑक्सीजन नहीं है **—हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (नमक का अम्ल)**

✷ नीला थोथा है **—कॉपर सल्फेट**

✷ एक अज्ञात गैस जल में शीघ्रता से घुल जाती है। गैसयुक्त जलीय घोल में लाल लिटमस नीला हो जाता है। यह गैस हाइड्रोजन क्लोराइड के साथ सफेद धूम्र भी देती है। यह अज्ञात गैस है **—अमोनिया**

✷ सही सुमेलित हैं—

वाशिंग सोडा	सोडियम कार्बोनेट
कास्टिक सोडा	सोडियम हाइड्रॉक्साइड
नीला थोथा	कॉपर सल्फेट
हाइपो	सोडियम थायोसल्फेट
एपसम सॉल्ट	मैग्नीशियम सल्फेट
बेकिंग सोडा	सोडियम बाइकार्बोनेट

✷ खाने का सोडा है— **—सोडियम बाइकार्बोनेट**

✷ बेकिंग सोडा का रासायनिक सूत्र है **—$NaHCO_3$**

✷ धोने के सोडे का रासायनिक सूत्र है **—Na_2CO_3**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. निर्जल सोडियम कार्बोनेट साधारणतः पाक-सोडा (बेकिंग सोडा) के रूप में जाना जाता है।
2. अग्निशामकों में पाक-सोडा (बेकिंग सोडा) का प्रयोग होता है।
3. विरंजक-चूर्ण का उत्पादन हेसनक्लेवर संयंत्र में होता है।

उपरोक्त कथनों में से सही है/हैं **—2 और 3**

✷ कैल्शियम कार्बोनेट, सोडियम क्लोराइड, पोटैशियम क्लोराइड तथा मैग्नीशियम सल्फेट में से वह लवण जो सागर में सर्वाधिक पाया जाता है **—सोडियम क्लोराइड**

✷ खाने का नमक (NaCl) बनता है **—मजबूत अम्ल और मजबूत क्षार से**

✷ (a) NaCl की मौजूदगी में पेरिस प्लास्टर के स्थापन दर में वृद्धि होती है।

(b) सीमेंट में जिप्सम का योग उसके स्थापन दर को मंद करने के लिए किया जाता है।

(c) सभी क्षारीय मृदा धातु जलायोजित लवण उत्पन्न करते हैं।

(d) बेरियम तथा स्ट्रॉन्शियम प्रकृति में मुक्त रूप में पाए जाते हैं।

उपरोक्त में से सत्य कथन नहीं है

—बेरियम तथा स्ट्रॉन्शियम प्रकृति में मुक्त रूप में पाए जाते हैं।

✷ विरंजक चूर्ण के लिए निम्न कथनों पर विचार कीजिए

(a) जल में अधिक विलेय होता है।

(b) हल्के पीले रंग का चूर्ण है।

(c) ऑक्सीकारक है।

(d) तनु अम्ल की प्रतिक्रिया से क्लोरीन निष्कासित करता है।

इनमें से असत्य कथन है **—जल में अधिक विलेय होता है।**

✷ ब्लीचिंग पाउडर में होता है —**कैल्शियम ऑक्सीक्लोराइड**

✷ जब इनो लवण को जल में डाला जाता है, बुलबुले बनते हैं, जिसका कारण है —**CO_2 गैस**

✷ फोटोग्राफी प्लेट को विकसित करने में —**सोडियम थायोसल्फेट उपचायक की भांति उपयोग होता है।**

✷ क्रोम रेड, सोडियम थायोसल्फेट, हाइड्रोजन परॉक्साइड तथा कैलोमेल पदार्थों में से वह पदार्थ जो फोटोग्राफी में तथा एक एन्टिक्लोर के रूप में भी प्रयुक्त होता है —**सोडियम थायोसल्फेट**

✷ फोटोग्राफी में प्रयुक्त होने वाला हाइपो विलयन, जलीय विलयन है– —**सोडियम थायोसल्फेट का**

✷ फोटोग्राफी में उपयोगी तत्व है– —**सिल्वर ब्रोमाइड**

✷ फोटोग्राफी की प्लेट पर परत चढ़ाई जाती है —**सिल्वर ब्रोमाइड की**

✷ आयनी यौगिकों से संबंधित निम्न कथनों पर विचार कीजिए
1. आयनी यौगिक एल्कोहॉल में अविलेय होते हैं।
2. ठोस अवस्था में आयनी यौगिक विद्युत के उत्तम चालक होते हैं।
इनमें से सत्य कथन है —**केवल 1**

✷ अल्कोहल, पानी, शहद तथा गैसोलीन में से सबसे अधिक श्यान है —**शहद**

कार्बनिक रसायन

A. हाइड्रोकार्बन

✷ अनुकारित आदिम भूमि परिस्थितियों में प्रादुर्भाव का सही अनुक्रम है —**मीथेन, हाइड्रोजन सायनाइड, नाइट्राइल, एमीनो अम्ल**

✷ सभी जैव यौगिक का अनिवार्य मूल तत्व है —**कार्बन**

✷ सभी जैव-यौगिकों में सर्वाधिक आवश्यक मूल तत्व है —**कार्बन**

✷ (a) हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, सोडियम
(b) कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन
(c) ऑक्सीजन, कैल्शियम, फॉस्फोरस
(d) कार्बन, हाइड्रोजन, पोटैशियम
उपरोक्त तत्व समूहों में से वह जो पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति के लिए मूलतः उत्तरदायी था —**कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन**

✷ हाइड्रोकार्बनों के अणुभारों के बढ़ते अनुक्रम के अनुसार सही क्रम है —**मीथेन, ईथेन, प्रोपेन और ब्यूटेन**

✷ प्रथम विश्व युद्ध में रासायनिक आयुध के रूप में प्रयोग किया गया था —**मस्टर्ड गैस का**

✷ मस्टर्ड गैस का उपयोग किया जाता है —**रासायनिक युद्ध में**

✷ ब्यूटेन, मीथेन, प्रोपेन तथा रेडॉन में से वह गैस जो सिगरेट लाइटर में प्रयुक्त होती है —**ब्यूटेन**

✷ भोपाल गैस त्रासदी हुई थी —**मिथाइल आइसोसाइनेट के रिसाव के कारण**

✷ छपाई में प्रयोग की जाने वाली स्याही प्राप्त होती है —**मीथेन अपघटन से**

✷ मीथेन गैस उत्पादन करने वाला क्षेत्र है —**धान का खेत**

✷ सुमेलित हैं–

सूची-I	**सूची-II**
इलैक्ट्रो कार्डियाग्राफी	हृदय विकार
डी.डी.टी.	कीटनाशक
निकोटिन	तम्बाकू

✷ वह उत्प्रेरक जिसका उपयोग वनस्पति तेलों के हाइड्रोजनीकरण के लिए किया जाता है —**निकेल**

✷ फल पकाने में सहायता करता है —**इथेफॉन**

✷ फल पकाने के लिए उपयोग में लाया जाता है —**कैल्शियम कार्बाइड**

✷ हरे फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का प्रयोग किया जाता है, क्योंकि यह उत्पन्न करता है —**एसीटिलीन**

✷ फलों के पकने में बढ़ावा देता है —**एथिलीन**

✷ वह गैस मिश्रण जो गैस वेल्डिंग के लिए प्रयुक्त किया जाता है —**ऑक्सीजन तथा एसीटिलीन**

✷ एसीटिलीन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. वेल्डन उद्योग में उसका उपयोग होता है।
2. यह प्लास्टिक का निर्माण करने में उपयुक्त एक कच्चा माल है।
3. सिलिकॉन कार्बाइड और पानी का मिश्रण कर इसकी सुगमता से प्राप्ति होती है।
इन कथनों में से —**1 और 2 सही हैं**

✷ सुमेलित हैं–
फुलरीन्स - कार्बन परिवार का अपररूप (C_{60})
शुष्क बर्फ - ठोस कार्बन डाइऑक्साइड
किरोटिन - मानव त्वचा की बाहरी परत में पाया जाने वाला प्रोटीन
मस्टर्ड गैस - रासायनिक युद्ध में प्रयुक्त होने वाला विषैला द्रव

✷ सुमेलित हैं–

शुष्क बर्फ	:	ठोस कार्बन डाइऑक्साइड
मस्टर्ड गैस	:	रासायनिक युद्ध में प्रयुक्त होने वाला विषैला द्रव
टेफ्लॉन	:	फ्लुओरीन युक्त बहुलक
फुलरीन	:	कार्बन परिवार का अपररूप

✷ सही सुमेलित हैं–

पाइरीन	-	अग्निशामक
सल्फर डाइऑक्साइड	-	अम्ल वर्षा
फ्रेऑन	-	प्रशीतक
फुलेरीन	-	कार्बन का एक अपररूप

✷ बेंजीन के लिए सत्य है **—इसमें बारह सिग्मा एवं तीन पाई बंध होते हैं**

B. एल्कोहॉल

✷ एथिल एल्कोहॉल को पीने के अयोग्य बनाया जाता है– **—मेथेनॉल एवं पिरीडीन को मिलाकर**

✷ उन शराब त्रासदियों में जिनके परिणामस्वरूप अंधता आदि होती है, हानिकर पदार्थ है **—मेथिल एल्कोहॉल**

✷ 'वुड स्पिरिट' भी कहा जाता है **—मेथिल एल्कोहॉल को**

✷ शक्कर के किण्वन से बनता है **—इथाइल एल्कोहॉल**

✷ शीरा (Molasses) अति उत्तम कच्चा माल है **—एल्कोहॉल के उत्पादन के लिए**

C. बहुलक

✷ प्राकृतिक रबर का बहुलक है **—आइसोप्रिन**

✷ ऊन, रेशम, चमड़ा तथा नाइलोन में वह जो प्राकृतिक बहुलक नहीं है **—नाइलोन**

✷ घी, स्टार्च, प्रोटीन एवं रूई (कपास) में से बहुलक नहीं है **—घी**

✷ पॉलिथीन के संश्लेषण में उपयोग किया जाता है **—एथिलीन का**

✷ प्लास्टिक से उत्पन्न होती है **—पोलिएथिलीन गैस**

✷ बुलेट-प्रूफ वस्त्र बनाने में उपयोग किया जाता है **—पॉलिएमाइड का**

✷ पॉलिकार्बोनेट, पॉलियूरिथेन, पॉलिस्टाइरीन तथा पॉलिएमाइड में से वह बहुलक जो बुलेट-प्रूफ खिड़की बनाने में उपयोग किया जाता है **—पॉलिकार्बोनेट**

✷ बुलेट-फ्रूफ जैकेट के निर्माण में प्रयुक्त बहुलक पदार्थ है **—केवलर**

✷ रेशेदार कांच, गन मेटल, सीसा तथा लैमिनेटेड (पटलित) कांच में से 'बुलेट-प्रूफ जैकेट' बनाने में प्रयोग किया जाता है **—लैमिनेटेड (पटलित) कांच**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. टेफ्लॉन तथा डेक्रॉन बहुलक हैं।
2. नियोप्रीन सांश्लेषिक रबर है।
3. पॉलिथीन, पॉलिएथिलीन का बहुलक है।
4. प्राकृतिक रबर क्लोरोप्रीन हैं।

उपरोक्त में से सत्य कथन हैं **—1, 2 तथा 3**

✷ बहुलक जो विशेषत: बर्तनों पर न चिपकने वाली सतह के रूप में प्रयुक्त होता है– **—टेफ्लॉन**

✷ ना-चिपकने वाली कड़ाही के निर्माण में उपयोग किया जाता है **—टेफ्लॉन का**

✷ टेफ्लॉन है **—फ्लोरोकार्बन**

✷ बर्तनों को चमकीला बनाने के लिए उपयोग किया जाता है **—जिंक ऑक्साइड का**

✷ नायलॉन, टैफलॉन, कैप्रोलेक्टम तथा पॉलिस्टाइरीन में से पॉलीमर नहीं है **—कैप्रोलेक्टम**

✷ फीनॉल का प्रयोग किया जाता है **—बेकेलाइट के निर्माण में**

D. कार्बनिक अम्ल

✷ **कथन (A) :** फार्मिक एसिड, एसीटिक एसिड से अधिक तेज अम्ल है।
कारण (R) : फार्मिक एसिड ऑर्गेनिक एसिड है।
—(A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

✷ लंबे समय तक कठोर शारीरिक कार्य के पश्चात मांसपेशियों (Muscles) में थकान अनुभव होने का कारण होता है **—लैक्टिक एसिड का संचय**

✷ वह द्रव जिसके एकत्रित होने पर मांसपेशियां थकान का अनुभव करने लगती हैं **—लैक्टिक एसिड**

✷ नींबू खट्टा होता है **—साइट्रिक अम्ल के कारण**

✷ नींबू में मुख्यत: होता है **—साइट्रिक अम्ल**

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची I	सूची II
लैक्टिक अम्ल	दूध
एसीटिक अम्ल	सिरका
साइट्रिक अम्ल	नींबू
ब्यूटाइरिक अम्ल	दुर्गंधयुक्त मक्खन

✷ सही सुमेलित हैं–

ऐस्कार्बिक अम्ल	नींबू
माल्टोस	माल्ट
लैक्टिक अम्ल	दही
फॉर्मिक अम्ल	लाल चींटी

✷ सही सुमेलित हैं–

अचार	एसीटिक अम्ल
खट्टा दूध	लैक्टिक अम्ल
सेब	मैलिक अम्ल
शीतल पेय एवं सोडा वाटर	कार्बोनिक अम्ल

✷ अंगूर में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला ऑर्गेनिक अम्ल है **—टारटेरिक अम्ल**

- ✷ फोटोग्राफी में प्रयोग किया जाता है **—ऑक्जलिक अम्ल**
- ✷ बेकिंग पाउडर के निर्माण में उपयोग करते हैं **—टारटेरिक अम्ल को**
- ✷ सिरका एक जलीय घोल है **—एसीटिक अम्ल का**
- ✷ सत्य कथन है–
—गन्ने के रस को किण्वित करने पर सिरका बनता है।

E. विस्फोटक पदार्थ

- ✷ हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन, ऑक्सीजन एवं एसीटिलीन, मीथेन एवं वायु तथा कार्बन डाइऑक्साइड एवं मीथेन गैस-युग्मों में से वह मिश्रण जो खानों में अधिकतर होने वाले विस्फोटों का कारण है
—मीथेन एवं वायु
- ✷ खानों में अधिकतम विस्फोट होते हैं
—मीथेन के साथ वायु के मिलने से
- ✷ ट्राईनाइट्रो टॉलूईन (टी.एन.टी.), ट्राईनाइट्रो ग्लिसरीन, साइक्लो ट्राइमेथिलीन ट्राइनाइट्रैमीन (आर.डी.एक्स.) तथा नाइट्रो क्लोरोफार्म में से विस्फोटक नहीं है **— नाइट्रो क्लोरोफार्म**
- ✷ टी.एन.जी., टी.एन.पी., टी.एन.ए. तथा टी.एन.टी. में से वह विस्फोटक जिसका नाम 'नोबेल तेल' है **—टी.एन.जी.**
- ✷ आर.डी.एक्स. आविष्कृत हुआ **—हैनिंग द्वारा**
- ✷ सत्य कथन है **—आर.डी.एक्स. एक विस्फोटक है।**
- ✷ RDX का अन्य एक नाम है– **—साइक्लोनाइट**
- ✷ फॉस्फोरस ट्राइक्लोराइड, मरक्यूरिक ऑक्साइड, ग्रेफाइट तथा नाइट्रो ग्लिसरीन में से वह जिसे विस्फ़ोटक की तरह से प्रयोग किया जाता है
—नाइट्रो ग्लिसरीन
- ✷ नाइट्रो ग्लिसरीन एक आवश्यक संघटक के रूप में नहीं पाया जाता है
—ऐमाटोल में
- ✷ ग्लिसरॉल, मेथेनॉल, यूरिया तथा ऑक्जैलिक एसिड में से विस्फोटक के उत्पादन में उपयोग किया जाता है **—ग्लिसरॉल का**

F. ईंधन

- ✷ कोल गैस, टार, कोक तथा पेट्रोलियम में से प्राकृतिक ईंधन है–
— पेट्रोलियम
- ✷ कोयला, पेट्रोल, प्राकृतिक गैस तथा डीजल जीवाश्म ईंधनों में से स्वच्छतम ईंधन है **—प्राकृतिक गैस**
- ✷ एल्कोहल, ईथर, वाटर गैस तथा प्राकृतिक गैस में से जीवाश्म ईंधन है
—प्राकृतिक गैस
- ✷ हाइड्रोजन, चारकोल, प्राकृतिक गैस तथा गैसोलीन में से अधिकतम ईंधन मान होता है **—हाइड्रोजन का**
- ✷ 'ऑक्टेन संख्या' गुणवत्ता की माप है **—पेट्रोल की**
- ✷ सीटेन संख्या गुणता प्राचल के रूप में प्रयुक्त होती है**—डीजल के लिए**
- ✷ डीजल इंजन में प्रयुक्त ईंधन है– **—डीजल की वाष्प और वायु**
- ✷ खाना बनाने में प्रयोग की जाने वाली गैस मुख्यतः है– **—मीथेन**
- ✷ बायोगैस संयंत्र से निष्कासित वह गैस जो ईंधन गैस के रूप में उपयोग में आती है **—मीथेन**
- ✷ बायोगैस में मुख्यतः होती है– **—कार्बन डाइऑक्साइड एवं मीथेन**
- ✷ बायोगैस का मुख्य घटक है **—मीथेन**
- ✷ गोबर गैस में मुख्य तत्व होता है **—मीथेन**
- ✷ एक बायोगैस संयंत्र में होती है **—किण्वन प्रकिया**
- ✷ 'गोबर गैस' प्रणाली का आविष्कार किया **—डॉ. एस. वी. देसाई ने**
- ✷ लिक्विड पेट्रोलियम गैस (LPG) के मुख्य अवयव हैं-
—ईथेन, प्रोपेन और ब्यूटेन
- ✷ तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एल.पी.जी.) का मुख्य आधार घटक है
—ब्यूटेन
- ✷ इण्डेन गैस एक (L.P.G.) मिश्रण है **—ब्यूटेन एवं प्रोपेन का**
- ✷ सही सुमेलन है–

सीएनजी	मीथेन, ईथेन
एलपीजी	ब्यूटेन, प्रोपेन
कोल गैस	हाइड्रोजन, मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड
वाटर गैस	कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोजन

- ✷ **कथन (A) :** तरलीकृत पेट्रोलियम गैस का प्रमुख घटक मीथेन होता है।
कारण (R) : मीथेन घरों तथा कारखानों में जलाने के लिए सीधे प्रयोग में लाई जा सकती है, जहां वह पाइपलाइनों से उपलब्ध कराई जा सकती है।
— (A) गलत है, परंतु (R) सही है।
- ✷ घरेलू एल.पी.जी. सिलेंडरों में दाब मापक नहीं प्रदान किए जाते हैं, क्योंकि **—ये एल.पी.जी. सिलेंडरों में गैस की मात्रा को प्रदर्शित नहीं कर सकते।**
- ✷ सिलिंडरों में भरकर खाना पकाने वाली गैस की आपूर्ति की जाती है
—तरल रूप में
- ✷ सी.एन.जी. है **—कम्प्रैस्ड नेचुरल गैस**
- ✷ स्वचालित वाहनों में प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रयुक्त सी.एन.जी. में मुख्यतः उपस्थित है **—CH_4**
- ✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
  1. द्रवित प्राकृतिक गैस को अत्यधिक शीत ताप तथा उच्च दाब में द्रवित किया जाता है जिसमें विशेष रूप से अभिकल्पित पात्रों में उसका संग्रहण अथवा परिवहन सुसाध्य हो सके।
  2. भारत में प्रथम एल.एन.जी. टर्मिनल हासन में निर्मित हुआ।
  3. द्रवित पेट्रोलियम गैस से प्राकृतिक गैस द्रव्यों का पृथक्करण किया जाता है और इनमें ईथेन, प्रोपेन, ब्यूटेन तथा प्राकृतिक गैसोलीन सम्मिलित हैं।

  उपरोक्त कथनों में से सत्य हैं **—केवल 1**
- ✷ गैसोहॉल है **—एथिल एल्कोहल + पेट्रोल**

* गैसोहॉल एक मिश्रण है **—गैसोलिन और एथेनॉल का**
* निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए
  1. कोयला, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस जीवाश्म ईंधन हैं।
  2. गैसोहॉल, बेन्जीन तथा एल्कोहॉल का मिश्रण है।
  3. भू-तापीय ऊर्जा एक अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत है।
  4. गोबर गैस में मुख्यतः मीथेन होती है।

  इन कथनों में

  —1, 3 तथा 4 सही हैं।
* कार के इंजन में नाकिंग से बचने के लिए प्रयोग में लाया जाता है **—लेड टेट्रा एथिल**
* टेट्राइथाइल लेड पेट्रोल में मिलाया जाता है **—इसकी एन्टीनाकिंग रेटिंग (अपस्फोटन दर) को बढ़ाने के लिए**
* ऑटोमोबाइल इंजनों में प्रतिहिम के रूप में प्रयोग किया जाता है **—एथिलीन ग्लाइकॉल का**
* भारी वाहन में डीजल का उपयोग किया जाता है **—उच्च क्षमता और आर्थिक बचत के लिए**
* मोटरकारों के अपेक्षाकृत नए मॉडलों की निम्नलिखित विशिष्टताओं पर विचार कीजिए

  1. रेडियल टायर 2. सुप्रवाही ढांचा
  3. बहुबिन्दु ईंधन अंतःक्षेप 4. उत्प्रेरक परिवर्तक रेचक सहित

  इनमें से वह विशिष्टताएं जो मोटरकारों के अपेक्षाकृत नए मॉडलों को अधिक ईंधन दक्ष बनाती है/हैं **—1, 3 और 4**
* गाड़ियों को चलाने के लिए हाइड्रोजन गैस सुविधाजनक रूप से ईंधन के रूप में प्रयोग में लाई जा सकती है यदि वह कम ताप पर किसी पदार्थ द्वारा शोषित हो ताकि वह निर्वातक द्वारा उत्पन्न तापमान पर मुक्त हो सके। वह पदार्थ है **—हाइड्राइड**

खाद्य संरक्षण, पोषण, औषधि आदि

* खाने की वस्तुओं के परिरक्षण में प्रयोग होता है **—सोडियम बेंजोएट**
* खाद्य पदार्थों के परिरक्षण हेतु प्रयुक्त किया जाता है **—सोडियम बेंजोएट को**
* फलों के रस को सुरक्षित रखने के लिए उपयोग किया जाता है **—सोडियम बेंजोएट का**
* सोडियम कार्बोनेट, एसीटिलीन, बेंजोइक अम्ल तथा सोडियम क्लोराइड में से खाद्य पदार्थों के परिरक्षण हेतु प्रयुक्त होता है **—बेंजोइक अम्ल**
* प्रशीतन खाद्य परिरक्षण में मदद करता है- **—जैव-रासायनिक अभिक्रियाओं की दर कम करके**
* निऑन, ऑक्सीजन तथा फ्रेऑन में से वह सामान्य प्रशीतक जिसको घरेलू प्रशीतितों में प्रयोग किया जाता है **—फ्रेऑन**
* कच्ची चीनी को रंग विहीन करने हेतु जिस चारकोल का प्रयोग किया जाता है, वह है **—एनीमल चारकोल**
* शहद का प्रमुख घटक है **—फ्रक्टोस (फल शर्करा)**
* बाजार में बिकने वाला ऐस्परटेम कृत्रिम मधुरक है। यह एमीनो अम्लों से बना होता है और अन्य एमीनो अम्लों के समान ही कैलोरी प्रदान करता है। फिर भी यह भोज्य पदार्थों में कम कैलोरी मधुरक के रूप में इस्तेमाल होता है। उसके इस इस्तेमाल का आधार है

  —ऐस्परटेम सामान्य चीनी से कई गुना अधिक मीठा होता है, अतः थोड़े से ऐस्परटेम में बने भोज्य पदार्थ ऑक्सीकृत होने पर कम कैलोरी प्रदान करते हैं।
* एस्पिरिन मिलती है **—एक पेड़ से**
* एस्पिरिन है **—एंटीपायरेटिक**
* शांतिकारक औषधि के रूप में प्रयुक्त होता है **—पोटैशियम ब्रोमाइड**
* रक्त के हीमोग्लोबिन के साथ अनुत्क्रमणीय संश्लिष्ट बनाता है **—कार्बन मोनोऑक्साइड**
* दूध उदाहरण है, एक **—इमल्सन (पायस) का**
* दूध, खून, आइसक्रीम तथा शहद में से कोलॉइड नहीं है **—आइसक्रीम**
* दूध को एकरूप (होमोजिनाइज) किया जाता है **—इसके वसा कणों को सेन्ट्राफ्यूज की सहायता से सूक्ष्म आकार में बदलकर**
* खुले में कुछ देर रखा दूध खट्टा हो जाता है **—लैक्टिक अम्ल के कारण**
* वह अम्ल जो दूध से दही बनने के दौरान बनता है **—लैक्टिक अम्ल**
* प्राचीन काल से दही जमाने की प्रक्रिया में जिस जीव की आवश्यकता होती थी, वह है **—जीवाणु**
* लौंग में पाया जाने वाला सारभूत तेल है **—यूजीनॉल**
* जेली बनाने हेतु सर्वाधिक उपयुक्त फल है **—अमरूद**
* कार्बनिक खाद्य हमारे लिए बेहतर माने जाते हैं, क्योंकि वे **—बिना कृत्रिम खादों एवं कीटनाशकों के उपयोग किए उगाए जाते हैं।**

अपमार्जक

* वनस्पति तेल, मोबिल तेल, किरोसिन तेल तथा कटिंग तेल में से साबुन बनाने में प्रयोग होता है **—वनस्पति तेल का**
* अपमार्जक (Detergent) है **—शोधन अभिकर्ता**
* **कथन (A) :** अपमार्जक मैले कपड़ों से सरलतापूर्वक तेल एवं गर्द निकाल देते हैं।

  कारण (R) : अपमार्जक जल का पृष्ठ तनाव बढ़ा देते हैं।

  —(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ **कथन (A) :** कृत्रिम प्रक्षालक कठोर जल में अधिक झाग बना सकते हैं।

कारण (R) : कृत्रिम प्रक्षालक कठोर जल के साथ कैल्शियम और मैग्नीशियम के घुलनशील लवण बनाते हैं।

—(A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ निम्न कथनों पर विचार कीजिए

कपड़े धोने के चूर्ण में अपमार्जक में सोडियम सल्फेट तथा सोडियम सिलिकेट इसलिए मिश्रित किए जाते हैं कि

1. चूर्ण शुष्क रहे
2. चूर्ण की क्षारीयता बनी रहे

उपर्युक्त में से सत्य कथन हैं **—दोनों 1 तथा 2**

उर्वरक

✷ **कथन (A) :** पौधों की फॉस्फोरस आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रासायनिक उर्वरक आवश्यक हैं।

कारण (R): एक मीट्रिक टन जैव खाद मुश्किल से 2 से 3 किलो फॉस्फोरस की आपूर्ति करती है।

—(A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ गेहूं की खेती के लिए उपयोग करेंगे **—नाइट्रोजन उर्वरक का**

✷ तत्व जो उर्वरक में नहीं पाया जाता है, वह है **—हाइड्रोजन**

✷ सही सुमेलित हैं—

पादप पोषक-तत्व	**कार्य**
नत्रजन	वृद्धि एवं विकास
फॉस्फोरस	जड़ का विकास
पोटैशियम	स्टोमेटा के खुलने का एवं बंद होने का नियंत्रण
बोरॉन	रोग प्रतिरोधकता

✷ वह उर्वरक जो मृदा में सर्वाधिक अम्ल छोड़ता है **—अमोनियम सल्फेट**

✷ यूरिया में नाइट्रोजन का प्रतिशत (%) होता है **— 47%**

✷ यूरिया में नाइट्रोजन पाया जाता है **—एमाइड के रूप में**

✷ कृषि में नाइट्रोजनी उर्वरकों के अत्यधिक/अनुपयुक्त उपयोग के प्रभाव के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए—

1. नाइट्रोजन यौगिकीकरण सूक्ष्मजीवों (नाइट्रोजन-फिक्सिंग माइक्रोऑर्गनिज़्स) का मिट्टी में प्रचुरोद्मवन (प्रोलिफरेशन) हो सकता है।
2. मिट्टी की अम्लता में बढ़ोत्तरी हो सकती है।
3. भौम जल (ग्राउंडवाटर) में नाइट्रेट का निक्षालन (लीचिंग) हो सकता है।

उपर्युक्त में से सत्य कथन हैं **—केवल 2 और 3**

✷ जिस रूप में पौधे नाइट्रोजन प्राप्त करते हैं, वह है— **—नाइट्रेट**

✷ यूरिया उर्वरक के उत्पादन में उपयोग किया जाता है **—कार्बन डाइऑक्साइड का**

✷ भारत सरकार कृषि में नीम-आलेपित यूरिया (Neem-coated Urea) के उपयोग को प्रोत्साहित करती है, क्योंकि

—नीम लेप, मृदा में यूरिया के घुलने की दर को धीमा कर देता है

✷ डी.ए.पी. में फॉस्फोरस (P_2O_5) तथा नाइट्रोजन (N) पाई जाती है **— 18% N तथा 46% P_2O_5**

✷ मिश्रित उर्वरक है **—अमोनियम सल्फेट**

✷ यूरिया, सोडियम सल्फेट, सुपर फॉस्फेट तथा पोटैशियम नाइट्रेट में से रासायनिक उर्वरक नहीं है **—सोडियम सल्फेट**

✷ फसलों में पर्णीय छिड़काव के लिए सबसे उपयुक्त उर्वरक है— **—यूरिया**

✷ 'ह्यूमस' उदाहरण है – **—जैविक कोलॉइड का**

✷ हरी खाद के लिए सबसे उपयुक्त फसल है **—सनई**

विविध

✷ **कथन (A) :** ओज़ोन जल के सूक्ष्म जीवों को मार देती है।

कारण (R) : ओज़ोन रेडियोएक्टिव नहीं है।

—(A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

✷ सुमेलित हैं—

मेसान की खोज - हिडेकी युकावा

पॉजिट्रॉन की खोज - सी.डी. एंडरसन एवं यू.एफ. हेस

सूर्य एवं तारों में ऊर्जा - एच.ए. बेथे

परायूरेनियम तत्वों का संश्लेषण - जी.टी. सीबोर्ग

✷ मच्छर भगाने वाली दवाओं में सक्रिय रसायन है **—एलिथ्रिन**

✷ अग्निशमक में काम आती है **—कार्बन डाइऑक्साइड गैस**

✷ आग बुझाने वाले संयंत्र में कार्बन डाइऑक्साइड पैदा होती है

—सोडियम बाइकार्बोनेट तथा तनु सल्फ्यूरिक अम्ल की अभिक्रिया से

✷ वह यौगिक जिसका उपयोग अग्नि-रोधक कपड़ा बनाने में किया जाता है **—एल्युमीनियम सल्फेट**

✷ पाइरेथ्रम, रोटिनोन तथा इफेड्रीन में से मच्छर प्रतिकर्षी के रूप में प्रयोग किया जाता है **—पाइरेथ्रम का**

✷ मच्छर-क्वाइल में प्रयोग होने वाला पाइरेथ्रिन प्राप्त होता है **—एक बीजीय पौधे से**

✷ चूहे मारने का जहर जिस रासायनिक पदार्थ से बनता है, वह है **—पोटैशियम सायनाइड**

✷ ज़िंक सल्फाइड, लेड सल्फाइड, कैल्शियम फॉस्फेट तथा ज़िंक फॉस्फाइड में से चूहा विष के रूप में प्रयोग किया जाता है—**ज़िंक फॉस्फाइड का**

✷ रोडेन्टीसाइड वह रसायन है जिनका प्रयोग किया जाता है, नियंत्रण करने के लिए **—चूहों का**

✷ एल्युमीनियम फॉस्फाइड का प्रयोग किया जाता है, **—कीटनाशक के रूप में**

✷ समस्थानिक $^{6}C_{14}$ संबद्ध है **—फॉसिल (जीवाश्म) के आयु निर्धारण से**

✷ काष्ठ, अस्थि और शंख के पुरातत्वीय नमूनों का काल निर्धारण करने के लिए यूरेनियम-238, ऑर्गन-आइसोटोप, कार्बन-14 तथा स्ट्रॉन्शियम-90 में से अपनाया जाता है **—कार्बन-14 को**

✷ कार्बन डेटिंग का प्रयोग किया जाता है **—फॉसिल्स की उम्र निर्धारित करने के लिए**

✷ रेडियोधर्मी डेटिंग एक प्रक्रिया है जिससे मापा जा सकता है **—चट्टानों की उम्र**

✷ पृथ्वी की आयु का मापन किया जाता है **—यूरेनियम विधि द्वारा**

✷ एक कार्बन क्रेडिट समतुल्य है **—1000 किग्रा. CO_2 के**

✷ सोडा कांच, पाइरेक्स कांच, जेना कांच तथा क्रुक्स कांचों में से वह जो पराबैंगनी किरणों को विच्छेदन कर सकता है **—क्रुक्स कांच**

✷ BRIT (भारत सरकार) कार्यरत है—**समस्थानिक प्रौद्योगिकी के साथ**

✷ जिंक ब्रोमाइड, जिंक नाइट्रेट, जिंक ऑक्साइड तथा जिंक क्लोराइड में से वह जो यशद पुष्प (philosopher's wool) कहलाता है **—जिंक ऑक्साइड**

✷ मूत्रालयों के पास प्रायः नाक में चुभने वाली गंध का कारण है— **—अमोनिया**

✷ ब्रुकहेवन नेशनल लेबोरेटरी के वैज्ञानिक दल, जिसमें भारतीय वैज्ञानिक भी सम्मिलित थे, ने एंटी-हीलियम केंद्रक के रूप में सबसे भारी एंटी-द्रव्य उत्पन्न किया। एंटी-द्रव्य उत्पन्न करने की विवक्षा/विवक्षाएं है/हैं

1. यह खनिज पूर्वेक्षण और तेल की खोज को अधिक आसान और कम महंगा बना देगा।
2. यह एंटी-द्रव्य से निर्मित तारों और आकाशगंगाओं के होने की संभावना की जांच करने में सहायक होगा।
3. यह ब्रह्मांड के विकास की समझ विकसित करने में सहायक होगा। **—केवल 2 और 3**

✷ वह रसायन जो कृत्रिम बादल बनाने के लिए प्रयुक्त किया जाता है **—सिल्वर आयोडाइड**

✷ कृत्रिम वर्षा हेतु प्रयुक्त पदार्थ है **—सिल्वर आयोडाइड**

✷ सही सुमेलित हैं—

हार्न सिल्वर	सिल्वर क्लोराइड
कृत्रिम वर्षा	सिल्वर आयोडाइड
फिलास्फर-ऊन	जिंक ऑक्साइड

✷ मीथेन जिसके वायुमंडल में उपस्थित है, वह है **—मंगल**

✷ सुमेलित हैं—

सूची-I	सूची-II
लोहा	हीमोग्लोबिन
सीसा	संचायक बैटरी
चांदी	फोटोग्राफी
तांबा	तड़ित चालक

✷ सुमेलित हैं—

सूची-I	सूची-II
मॉरफीन	ऐनालजेसिक
सोडियम	किरोसिन तेल
बोरिक अम्ल	एंटीसेप्टिक
जर्मन सिल्वर	मिश्रधातु

✷ 'भविष्य की धातु' कहा जाता है **—टाइटेनियम को**

✷ सही सुमेलन है—

मैग्नीशियम	आतिशबाजी
यूरेनियम	परमाणु बम
टंगस्टन	इलेक्ट्रिक बल्ब
जिंक	गैल्वेनीकरण

✷ रासायनिक दृष्टि से 'सिंदूर' है **—मरक्यूरिक सल्फाइड**

✷ पेट्रोल, बेंजीन तथा एल्कोहॉल से शुष्क धुलाई में प्रयोग होता है **—तीनों का प्रयोग किया जाता है।**

✷ 'लाल स्याही' बनाई जाती है- **—इओसिन से**

✷ नीला, लाल, हरा तथा काला में से रंग जो सोडियम क्रोमेट द्वारा आपूर्त होता है **—लाल**

✷ सही सुमेलित हैं—

एसीटोन	नाखून पॉलिश अपसारक
कार्बन टेट्राक्लोराइड	अग्निशामक
हाइड्रोजन परॉक्साइड	घावों की मरहम पट्टी
द्रव अमोनिया	प्रशीतक

✷ सही सुमेलित हैं—

फॉस्फोरस ऑक्साइड	माचिस
मैंगनीज डाइऑक्साइड	शुष्क सेल
हाइड्रोक्लोरिक एसिड	संचायक सेल
यूरेनियम	परमाणु बम

✷ माचिस बनाने में प्रयोग किया जाता है **—फॉस्फोरस का**

✷ दियासलाई के निर्माण में उपयोग किया जाता है **—लाल फॉस्फोरस**

✷ वह तत्व जिसको वायु तथा अंधेरे में रखा जाता है,तो स्वतः दीप्त हो उठता है **—श्वेत फॉस्फोरस**

✷ कार्बन नैनो ट्यूब्स (CNTS) बनाई **— सुमियो आईजीमान ने**

✷ भारत में निम्न ताप ऊष्मीय विलवणीकरण सिद्धांत पर आधारित, प्रतिदिन एक लाख लीटर अलवण जल उत्पादन के लिए प्रथम विलवणीकरण संयंत्र प्रारंभ किया गया **—कवरत्ती में**

✷ भारत में जल विलवणीकरण संयंत्र स्थित है **—लक्षद्वीप में**

✷ क्षारीय भूमि सुधारक के रूप में कार्य करता है

—कैल्शियम सल्फेट

✷ इडेफिक, क्लाइमेटिक, बायोटिक तथा टोपोग्रैफ़ी में से मृदा से संबंधित है

—इडेफिक

✷ द्रवित ऑक्सीजन या द्रवित हाइड्रोजन को औद्योगिक स्तर पर प्राप्त करने में प्रयुक्त प्रौद्योगिकी कहलाती है— **—क्रायोजेनिक्स**

✷ धूम्र पर्दे युद्ध में छिपने एवं शत्रु को छलने के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं। धूम्र पर्दे बने होते हैं

—टाइटेनियम ऑक्साइड के अति सूक्ष्म कणों के कोलायडी प्रकीर्णन से

✷ (a) विकास का सिद्धांत प्रतिपादित किया था चार्ल्स डार्विन ने।

(b) जब दो हल्के नाभिक परस्पर संयुक्त होकर एक भारी तत्व के नाभिक की रचना करते हैं, तो इस प्रक्रिया को नाभिकीय संलयन कहते हैं।

(c) 'ड्राई आइस' ठोस कार्बन डाइऑक्साइड होता है।

(d) टेलीफोन की खोज ग्राह्म बेल ने की थी।

उपरोक्त में से सत्य कथन हैं— **—सभी चारों**

✷ शुष्क सेल (बैटरी) में विद्युत-अपघट्यों के रूप में प्रयोग होता है

—अमोनियम क्लोराइड और ज़िंक क्लोराइड का

✷ एक शुष्क सेल में इलेक्ट्रोलाइट्स की तरह इस्तेमाल होता है

—अमोनियम क्लोराइड एवं जिंक क्लोराइड का

✷ **कथन (A) :** एक शुष्क सेल आवेशित नहीं की जा सकती है।

कारण (R) : शुष्क सेल में होने वाली अभिक्रिया उत्क्रमणीय होती है।

—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ एक सूखी सेल में पाई जाती है **—रासायनिक ऊर्जा**

✷ एक कार बैटरी में प्रयुक्त विद्युत अपघट्य होता है **—सल्फ्यूरिक अम्ल**

✷ सोडियम सल्फेट, नाइट्रिक अम्ल, सल्फ्यूरिक अम्ल तथा पोटैशियम नाइट्रेट विद्युत अपघट्यों के विलयन में से कार की बैटरी में प्रयोग किया जाता है **—सल्फ्यूरिक अम्ल को**

✷ टॉर्चलाइट, विद्युत क्षुरक (शेवर) आदि साधनों में सामान्यतः प्रयुक्त आवेश्य बैटरियों में इलेक्ट्रोड के रूप में प्रयुक्त होता है

—निकेल और कैडमियम

✷ सुमेलित हैं—

फ्रेयॉन	प्रशीतक
ट्रेटाएथिल लेड	एंटीनॉक एजेंट
बेंजीन हेक्साक्लोराइड	कीटनाशी
कार्बन टेट्राक्लोराइड	अग्निशामक

✷ सुमेलित हैं —

सूची-I	**सूची-II**
पोटैशियम ब्रोमाइड	फोटोग्राफी
पोटैशियम नाइट्रेट	बारूद
पोटैशियम सल्फेट	उर्वरक
मोनोपोटैशियम टार्टरेट	बेकरी

✷ सुमेलित हैं—

सल्फर डाइऑक्साइड	अम्ल वर्षा
फ्लोराइड प्रदूषण	दांत
मिथाइल आइसोसायनेट	भोपाल गैस त्रासदी
ओज़ोन रिक्तता	चर्म कैंसर

✷ **कथन (A) :** फेनिल का प्रयोग एक घरेलू रोगाणुनाशी के रूप में होता है।

कारण (R) : फेनिल एक फीनॉल व्युत्पन्न है और फीनॉल एक प्रभावी रोगाणुनाशी है।

—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही कारण है।

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

कोक, स्टील/लोहे के उत्पादन में भट्टी के स्फोटन के लिए मिलाए जाने वाले चार्ज की सामग्रियों में से एक है, इसका कार्य है—

1. अपचायक के रूप में क्रिया करना
2. लौह अयस्क से संयुक्त सिलिका को दूर करना
3. ऊष्मा की पूर्ति के लिए ईंधन के रूप में कार्य करना
4. उपचायक के रूप में क्रिया करना

इन कथनों में से

—1 और 3 सही हैं

✷ सुमेलित हैं—

सूची-I (विशेषता)	**सूची-II (तिथि)**
टेक्नोलॉजी दिवस	11 मई
फोटोग्राफी दिवस	19 अगस्त
नेशनल स्पोर्ट्स दिवस	29 अगस्त
नागासाकी दिवस	9 अगस्त

✷ संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2011 को नामोद्दिष्ट किया है

—अंतरराष्ट्रीय रसायन विज्ञान वर्ष के रूप में

✷ भोपाल गैस त्रासदी हुई

—2-3 दिसंबर, 1984 को

✷ बिस्फेनॉल A (BPA) है

—खाद्य संवेष्टन सामग्री के विकास के लिए प्रयोग में लाया जाने वाला रसायन

✷ वह देश जिसने गैसोलीन में इथेनाल मिश्रित करना कानूनन अनिवार्य कर दिया है **—ब्राजील**

✷ फॉस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, हाइड्रोजन सल्फाइड तथा मीथेन में से वायु का अकार्बनिक गैसीय प्रदूषक है

—हाइड्रोजन सल्फाइड

✷ कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O), क्लोरोफ्लुरोकार्बन्स (CFCs) और मीथेन (CH_4) गैसों का ग्लोबल वार्मिंग के प्रति आपेक्षिक योगदान है

—$CO_2 > CH_4 > N_2O >$ CFCs

जीव विज्ञान

जीव विज्ञान की उपशाखाएं

✷ जंतु विज्ञान (Zoology) अध्ययन करता है **—जीवित व मृत जानवरों दोनों का**

✷ सही सुमेलन है—

पक्षी	–	आर्निथोलॉजी (Ornithology)
वंशागति	–	जेनेटिक्स (Genetics)
पर्यावरण	–	इकोलॉजी (Ecology)
जीवाश्म	–	पैलियोबायोलॉजी (Palaeobiology)

✷ फूलों के अध्ययन को कहते हैं **—एंथोलॉजी**

✷ कीटों के वैज्ञानिक अध्ययन को कहते हैं **—एंटोमोलॉजी**

✷ विषय जो जनसंख्या एवं मानव जाति के महत्वपूर्ण आंकड़ों के अध्ययन से संबंधित है **—जनांकिकी**

✷ विभिन्न संस्कृतियों के वैज्ञानिक विवरण के तुलनात्मक अध्ययन को कहते हैं **—इथनोलॉजी**

✷ जैविक जगत में होने वाले कार्य, गुण व पद्धति के अध्ययन के इस ज्ञान को मशीनी जगत में उपयोग करने को कहते हैं **—बायोनिक्स**

✷ पैलियो वनस्पति के अंतर्गत अध्ययन करते हैं **—पादप जीवाश्मों (Fossil plants) का**

✷ रेशम कीट पालन को कहते हैं **—सेरीकल्चर**

✷ मधुमक्खी का उपयोग किया जाता है **—एपीकल्चर में**

✷ सही सुमेलित हैं—

खेती	**खेती का नामकरण**
फूलों की खेती	फ्लोरिकल्चर
फसलों की खेती	एग्रोनॉमी
सब्जियों की खेती	ओलेरीकल्चर
फलों की खेती	पोमोलॉजी
पिसीकल्चर	मछली पालन
हॉर्टीकल्चर	फूल

✷ सही सुमेलित हैं—

लेक्सिकोग्राफी - शब्दकोश का संकलन

फिलोलॉजी - भाषा की संरचना एवं विकास तथा इतिहास का अध्ययन

आइकोनोग्राफी - प्रतिमाओं/चित्रकला का अध्ययन

✷ 'विटीकल्चर' के द्वारा उत्पादित होता है **—अंगूर**

✷ कीट-संवर्धन है **—कीटों की वृद्धि करने का विज्ञान**

✷ वर्मीकल्चर में प्रयुक्त वर्म होता है **—अर्थ वर्म**

✷ जेरोन्टोलॉजी संबंधित है **—वृद्धों के अध्ययन से**

✷ जेनेटिक्स अध्ययन है **—आनुवांशिकता और विचरण का**

✷ पैडोलॉजी संबंधित है **—मिट्टी के वैज्ञानिक अध्ययन से**

✷ अस्थियों का अध्ययन किया जाता है **—ऑस्टियोलॉजी के अंतर्गत**

✷ सर्पों के विषय में जानकारी प्राप्त करना कहलाता है **—सर्पेंटोलॉजी**

✷ फिलाटेलिस्ट **—डाक टिकट जमा करता है**

✷ साइकोलॉजी (मनोविज्ञान), फिजियोलॉजी, पैथालॉजी और बैक्टिरियोलॉजी में से बेमेल है **—साइकोलॉजी**

✷ हाइड्रोपोनिक्स है **—मृदा विहीन पादप संवर्धन**

✷ लीथोट्रिप्सी है **—गुर्दे की पथरी को किरणों द्वारा तोड़ना**

जैव विकास

✷ वर्तमान प्रमाण के अनुसार, पृथ्वी पर जीव का उद्गम हुआ है, लगभग **—2,000,000,000 वर्ष पूर्व**

✷ पृथ्वी पर सबसे पुराना जीव है **—नील हरित शैवाल**

✷ डार्विन द्वारा प्रस्तुत प्राकृतिक वरणवाद आधारित है **—ओवरप्रोडक्शन, स्ट्रगल फॉर एक्जिस्टेन्स एंड वेरिएशंस तथा सरवाइल ऑफ द फिटेस्ट पर**

✷ विकासवाद का सिद्धांत प्रतिपादित किया **—डार्विन ने**

✷ जीव विकास (Evolution) को सर्वप्रथम समझाया **—लैमार्क ने**

✷ विकास के उत्परिवर्तन सिद्धांत का प्रतिपादन किया था **—ह्यूगो डी ब्रीज ने**

✷ सही सुमेलित हैं—

विकास का सिद्धांत	–	डार्विन
एक जीन एक एंजाइम की परिकल्पना	–	बीडल और टैटम
ओपेरॉन अवधारणा	–	जैकब और मोनोड

✷ विकास का मुख्य कारक है **—प्राकृतिक वरण**

✷ जैव विकास के संदर्भ में, सांपों में अंगों का लोप होने को स्पष्ट किया जाता है **—अंगों का उपयोग तथा अनुपयोग किए जाने से**

✷ भारत की विशाल वन्य बिल्लियों में से वह जिसके बारे में कहा जाता है कि वह हाल ही में विलुप्त हो गई है **—चीता**

✷ आधुनिक मनुष्य के हाल का पूर्वज है **—क्रो-मैगनॉन मानुष**

✷ आर्कियोप्टेरिक्स है **—जुरैसिक युग का सर्वपुरातन पक्षी**

✷ 'आर्कियोप्टेरिक्स' योजक कड़ी है **—सरीसृप व पक्षी के बीच की**

✷ मैमथ पूर्वज है **—हाथी का**

✷ डाइनोसोर थे **—मेसोजोइक सरीसृप**

✷ डाइनोसोर (Dinosaurs) रहे **—मेसोजोइक युग में**

✷ जीवों के विकास (इवॉल्यूशन) के संदर्भ में सही अनुक्रम है **—सालामैन्डर—अजगर—कंगारू**

वर्गिकी

✷ जीव विज्ञानियों ने पादप-जगत और प्राणि जगत की जातियों को बहुत बड़ी संख्या में ज्ञात किया है, ढूंढ़ निकाला है और पहचान लिया है। संख्या की दृष्टि से अब तक ढूंढ़े हुए और पहचाने हुए जीवों में सबसे अधिक संख्या है– **—कीटों की**

✷ **कथन (A) :** अमीबा, विभंजन द्वारा जनन करता है।
कारण (R) : सभी एक कोशिकीय जीव अलैंगिक विधियों से जनन करते हैं।
—(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ गर्म रुधिर वाले जंतु वे होते हैं, जो अपने शरीर के तापक्रम को **—हमेशा एक-सा बनाए रखते हैं**

✷ सही कथन हैं–
गोलकृमि में कोई परिसंचरण तंत्र नहीं होता,
अस्थिल मछलियों में वाताशय आमतौर से विद्यमान होता है तथा
उपास्थिसम मछलियों में निषेचन आंतरिक होता है

✷ स्टार फिश, सा फिश, पाइप फिश तथा गिटार फिश में से वह जो मछली नहीं है **—स्टार फिश**

✷ रजत मीन, क्रे फिश, जेली फिश तथा कैट फिश में से वह जो वास्तविक मीन (मछली) है **—कैट फिश**

✷ स्टार फिश, जैली फिश, डॉग फिश तथा समुद्री घोड़ा में से वह जो वास्तविक रूप से मछली है **—समुद्री घोड़ा**

✷ सबसे बड़ा स्तनपायी है **—व्हेल मछली**

✷ व्हेल प्राणी है– **—स्तनपायी वर्ग का**

✷ शार्क, स्कविड, ऑक्टोपस तथा व्हेल में से स्तनपायी है **—व्हेल**

✷ फिनबैक व्हेल, ब्लू व्हेल, स्पर्म व्हेल तथा हम्पबैक व्हेल प्रजातियों में से दांत वाली व्हेलों में विशालतम है **—स्पर्म व्हेल**

✷ एकिड्ना, कंगारू, सेही तथा व्हेल में से वह जो अंडे देता है और सीधे बच्चे नहीं देता **—एकिड्ना**

✷ उड़ने वाला स्तनपायी है **—चमगादड़**

✷ उड़ने वाले जीवों में से वह जो पक्षी वर्ग में नहीं आता **—चमगादड़**

✷ समुद्री गाय, समुद्री घोड़ा तथा समुद्री सिंह में से स्तनधारी है **—समुद्री गाय एवं समुद्री सिंह**

✷ डॉल्फिन वर्गीकृत किए जाते हैं **—स्तनी में**

✷ सील (Seal) है **— एक स्तनपायी**

✷ एम्फीबिया (Amphibia) बताता है **—जल एवं स्थल दोनों पर ही रह सकने वाले पशुओं को**

✷ वह गुण जो मनुष्य को अन्य सभी वानर गुणों से पृथक करता है **—जानने की इच्छा प्रकट करना**

✷ गिबन, गोरिल्ला, लंगूर तथा ओरंग उटान में से कपि नहीं है **—लंगूर**

✷ मानव-सदृश लघुतम कपि है **—गिबन**

✷ गाय, बकरी, भेंड़ तथा हिरन में से नील गाय आती हैं **—हिरन कुल में**

✷ ऑक्टोपस **—एक मृदुकवची (मोलस्क) है**

✷ सबसे बड़ा अकशेरुकी है **—स्कविड**

✷ केकड़ा, बरुथी, बिच्छू तथा मकड़ी में से वह जीव जो अन्य तीन जीवों के वर्ग का नहीं है **—केकड़ा**

✷ व्हाइट लेग हार्न एक किस्म है **—कुक्कुटों की**

✷ टिक और माइट वास्तव में होते हैं **—मकड़ी-वंशी**

✷ जुगनू होता है एक **—कीट**

✷ खटमल, मकड़ी, घरेलू मक्खी तथा मच्छर में से वह जो कीट नहीं है **—मकड़ी**

✷ मकड़ी कीट से भिन्न होती है, क्योंकि मकड़ी में पाई जाती हैं **—आठ टांगे**

✷ तितली, तिलचट्टा, मच्छर तथा मकड़ी में कीट नहीं है **—मकड़ी**

✷ वह ग्रुप जिसके जंतु प्रायः रात्रिचर (Nocturnal) होते हैं **—मच्छर, चमगादड़, उल्लू**

✷ मच्छरों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. केवल नर रक्त चूसते हैं।
2. केवल मादा रक्त चूसती हैं।
3. मादा पौधों का रस चूसती हैं।
4. मादा की अपेक्षा नर के डैने बड़े होते हैं।
5. नर की अपेक्षा मादा के डैने बड़े होते हैं।

इनमें से
—केवल 2 और 5 सही हैं।

✷ मोलॉक, ऊंट, जेबरा तथा यूरोमैस्टिक्स में से वह प्राणी जो अपनी आंत्र में जल का संग्रह कर लेता है **—ऊंट**

✷ सर्पों की विषग्रंथियां की समांग हैं **—कशेरुकी प्राणियों की लार-ग्रंथियां के**

✷ सांप के जहरीले विषदंत होते हैं, जो रूपांतरित रूप हैं —**जंभिका दंत के**

✷ चट्टान पर उगने वाले पादप कहलाते हैं —**शैलोद्भिद**

✷ पैशन फ्लावर पादप, घटपर्णी, रात की रानी (नाइट क्वीन) तथा फ्लेम ऑफ दी फॉरेस्ट में से कीटाहारी पादप है —**घटपर्णी**

✷ घटपर्णी के स्तंभ, पत्ता, अनुपर्ण तथा पर्णवृंत भागों में से वह जो घट में रूपांतरित होता है —**पत्ता**

✷ सुमेलित हैं–

यीस्ट	किण्वन
कैसीन	दुग्ध प्रोटीन
एलोवेरा	आवृतबीजी
घटपर्णी	प्रकाश संश्लेषण

✷ निपेंथिस खासियाना (घटपर्णी) नामक दुर्लभ एवं आपातीय पौधा पाया जाता है —**मेघालय में**

✷ पौधे का वह भाग जिससे हल्दी प्राप्त होती है —**तना**

✷ हल्दी के पौधे का खाने लायक हिस्सा है —**प्रकन्द**

✷ फलों का वह प्रकार जिसमें लीची को रखा जा सकता है, वह है —**ड्रूप**

✷ यदि किसी उभयलिंगी पुष्प में, पुमंग और जायांग अलग-अलग समय पर परिपक्व होते हैं, तो इस तथ्य को कहते हैं —**भिन्नकालपक्वता**

✷ आलू, शकरकन्द, बन्डा तथा जिमीकन्द अधोभूमि उत्पादित सब्जियों में से एक रूपांतरित जड़ है —**शकरकन्द**

✷ गन्ना, अदरक, आलू तथा शकरकन्द में से वह जिसका संग्रह अंग तना नहीं है —**शकरकन्द**

✷ शलजम, अदरक, गाजर तथा शकरकन्द में से वह जो तना है —**अदरक**

✷ सुमेलन है–

प्रकन्द	:	अदरक
स्तंभ कन्द	:	आलू
शल्क कन्द	:	लहसुन
घन कन्द	:	जिमीकन्द-सूरन

✷ गाजर, शकरकन्द, नारियल तथा आलू में से रूपांतरित स्तंभ है —**आलू**

✷ आलू है, एक —**कन्द**

✷ जैव उर्वरक, प्रवाल मूल, लाइकेन तथा कवकमूल में से वह जो कवकों और उच्चतर पादपों की जड़ों के बीच उपयोगी प्रकार्यक साहचर्य है —**कवकमूल**

✷ फलीदार पादपों की जड़ों में उपस्थित गांठों में पाए जाने वाले नत्रजन स्थिरीकरण जीवाणु हैं —**सहजीवी**

✷ मटर पौधा है —**शाक**

✷ तना काट आमतौर से प्रयोग किया जाता है —**गन्ना प्रवर्धन के लिए**

✷ लौंग है —**बंद कलियां**

✷ जीरा, लौंग, काली मिर्च तथा हल्दी में से वह जो पुष्पकलिका होती है — **लौंग**

✷ लौंग प्राप्त होते हैं —**शुष्क पुष्प कली से**

✷ सुमेलित हैं–

अदरक	राइजोम
केसर	पुष्प की वर्तिका एवं वर्तिकाग्र
अफीम	अफीम की डूडी
सन	तना

✷ केसर होता है सूखा मिश्रण —**फूल के बीज बनाने वाले भागों का**

✷ सुमेलित हैं–

अदरक	प्रकन्द
प्याज़	मांसल पर्ण
आलू	रूपांतरित तना
नारियल	भ्रूणपोष

✷ तना, बीज, जड़ तथा फल में से आलू का खाने योग्य भाग होता है —**तना**

✷ आलू, मूली, भिण्डी तथा शकरकन्द में से एक फल है —**भिण्डी**

✷ पादप कली है —**एक भ्रूणीय टहनी**

✷ कॉर्क प्राप्त होता है —**क्वैर्कस सुबर नामक पेड़ से**

✷ लहसुन की अभिलाक्षणिक गंध का कारण है —**सल्फर यौगिक**

✷ प्याजों के छिलके उतारने पर आंसू आते हैं, क्योंकि प्याज निष्कासित करते हैं —**सल्फेनिक अम्ल**

✷ जीवन-चक्र की दृष्टि से, पौधे का सबसे महत्वपूर्ण अंग है —**पुष्प**

✷ मिर्च की तीक्ष्णता का कारण है —**कैप्सैइसिन की उपस्थिति**

✷ लाल मिर्च तीखी होती है, क्योंकि उसमें उपस्थित होता है —**कैप्सैइसिन**

✷ रेशम का कीड़ा (Silk Worm) अपने जीवन-चक्र के जिस चरण में वाणिज्यिक तंतु (Fiber of Commerce) पैदा करता है, वह है —**कोशित (Pupa)**

✷ रेशम कीट जिन पर पनपता है, वे हैं —**शहतूत की पत्तियां**

✷ कुनैन जो मलेरिया के लिए एक प्रमुख औषधि है, वह प्राप्त होती है —**आवृतबीजी पादप से**

✷ मलेरिया रोग की प्रभावी औषधि कुनैन का निष्कर्षण किया जाता है —**सिनकोना की छाल से**

✷ मलेरिया निदान हेतु आरटीथर नाम की औषधि प्राप्त होती है

—बीजीय पादप से

✷ सिनकोना की छाल से प्राप्त औषधि को मलेरिया के उपचार के लिए प्रयुक्त किया जाता था जिस कृत्रिम औषधि ने इस प्राकृतिक उत्पाद को प्रतिस्थापित किया है, वह है

—क्लोरोक्विन

✷ लाइकेन, प्रोटोजोआ, साइनोजीवाणु तथा डायटम में से जीवों का वह समूह जिसका डूबने से हुई मृत्यु का पता लगाने में महत्व है

—डायटम

✷ शहतूत का फल है **—सोरोसिस**

✷ सन, पटसन, जूट तथा कपास में से वह जो पौधे के तने का उत्पाद नहीं है **—कपास**

✷ लेग हीमोग्लोबिन पाई जाती है **—लेग्यूम मूल-ग्रंथियों में**

✷ बौना गेहूं, संकर मक्का, टिट्रिकेल तथा सोयाबीन में से वह जो मानव निर्मित धान्य है तथा जो प्रकृति में नहीं पाया जाता

—टिट्रिकेल

✷ कैनौला (Canola) मानव उपभोग के लिए उगाई गई विशिष्ट प्रकार की तिलहन सरसों (Oil Seed Mustard) की किस्मों को निर्दिष्ट करता है। इन किस्मों की मुख्य विशेषता यह है कि

—इनके तेल में ईरूसिक अम्ल की बहुत अल्प मात्रा होती है

✷ सूक्ष्म जीवाणु (बैक्टीरिया) को देखा जा सकता है

—कम्पाउंड खुर्दबीन द्वारा

✷ 'स्पांजी टिशू' (स्पंजी ऊतक) एक ऐसी गंभीर समस्या है जिसके कारण आम की जिस प्रजाति का निर्यात कुप्रभावित हो रहा है, वह है–

—अलफांसो

✷ **कथन (A)** : कुछ जीवाणु अपना भोजन संश्लेषित कर सकते हैं।

कारण (R) : इन जीवाणुओं में हरा पदार्थ जो हरितलवक कहलाता है, पाया जाता है।

—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ (a) ये जीवित व मृत की सीमा रेखा पर होते हैं

(b) ये वनस्पति व जानवर की सीमा रेखा पर होते हैं

(c) ये फूल देने वाली व फूल न देने वाली वनस्पति की सीमा रेखा पर होते हैं

सूक्ष्म जीवाणु (बैक्टीरिया) के बारे में उपरोक्त कथनों में से सत्य है

—उपर्युक्त में से कोई नहीं

✷ **कथन (A)** : मरुस्थलीय पौधों के जड़-तंत्र काफी लंबे होते हैं।

कारण (R) : मृदा का उच्च तापमान जड़ विकास को प्रोत्साहित करता है। **—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**

✷ मरुस्थलीय पौधों की जड़ें लंबी होती हैं, क्योंकि

—जड़ें पानी की तलाश में लंबी हो जाती हैं

✷ मरुस्थल में फ्रिएटोफाइट्स मिलते हैं, यानी ऐसे पादप जिनमें

—लंबी (20-30 फीट) मूसला जड़ होती है।

✷ शुष्क जलवायु के भली-भांति अनुकूलित पेड़-पौधों को कहते हैं

—मरुद्भिद्

✷ मरुभूमि के पादप अधिकतर होते हैं **—मांसल**

✷ पौधे, जो नमक-युक्त मिट्टी में उगते हैं, को कहते हैं

—हैलोफाइट

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. जेली रुदन का कारण, अम्ल की अधिकता है।
2. गन्ने के लिए सर्वाधिक अनुकूल जैव उर्वरक राइजोबियम है।
3. नमकीन पानी में उगाए गए पौधे थैलोफाइट्स कहलाते हैं।
4. सुषुप्तावस्था तोड़ने वाला हॉर्मोन है–साइटोकाइनिन।

उपरोक्त कथनों में से सत्य हैं

—केवल 4 और 1

✷ एपिफाइट्स वे पौधे हैं, जो अन्य पौधों पर निर्भर हैं

—यांत्रिक अवलंब के लिए

✷ जल की अधिकतम मात्रा जिसकी पौधों को आवश्यकता होती है वह उसे अवशोषण करते हैं

—जड़ों के बालों से

✷ हाइड्रोफाइट कहते हैं

—एक जलीय पौधे को

✷ पौधों द्वारा ली गई विकीर्ण ऊर्जा का परिणाम

—जल का प्रकाशीय अपघटन होता है

✷ सही सुमेलन है–

स्वजीवी	-	उत्पादक
परोपजीवी	-	उपभोक्ता
मृतोपजीवी	-	विबंधक

✷ प्रथम पोषक स्तर के अंतर्गत आते हैं **—हरित पादप**

✷ आर्किबैक्टीरिया के एक समूह को उत्पादन के लिए उपयोग में लाया जाता है **—मीथेन के**

✷ अधिकांश कीट श्वसन करते हैं **—वातक तंत्र से**

✷ जमी हुई झील के अंदर मछली जीवित रह सकती है, क्योंकि

—तलों के निकट पानी नहीं जमता है।

✷ जल से बाहर निकाल ली जाने पर मत्स्यें मर जाती हैं, क्योंकि

—वे श्वास नहीं ले पाती हैं

✷ मछलियों में सामान्यतः श्वसन होता है **—गलफड़ों द्वारा**

✷ सेब के फल में लाली का कारण है **—एंथोसायनिन**

✷ टमाटर में लाल रंग का कारण है **—लाइकोपीन**

✷ पपीते में पीले रंग का कारण है **—कैरिकाजैन्थिन**

✷ हाल ही में हमारे वैज्ञानिकों ने केले के पौधे की एक नई और भिन्न जाति की खोज की है जिसकी ऊंचाई लगभग 11 मीटर तक जाती है और उसके फल का गूदा नारंगी रंग का है। यह भारत के जिस भाग में खोजी गई है, वह है **—अंडमान द्वीप**

✷ जीवित प्राणियों का वह समूह जो एक ही स्पीशीज से संबंधित है **—चीनी, अमेरिकी, भारतीय तथा काले अफ़्रीकी**

✷ खमीर एक उदाहरण है **—कवक का**

✷ यीस्ट (Yeast) और मशरूम (Mushrooms) हैं **—फफूंद (Fungi)**

✷ रसेदार सब्जी में प्रयोग होने वाला मशरूम होता है **—कवक**

✷ कपास का प्रमुख घटक है **—सेलुलोज**

✷ लाइकेन मिश्रित जीव हैं, जो बने होते हैं– **—कवक एवं शैवाल से**

✷ लाइकेन, जो एक नग्न चट्टान पर भी पारिस्थितिक अनुक्रम को प्रारंभ करने में सक्षम हैं, वास्तव में सहजीवी साहचर्य हैं **—शैवाल और कवक के**

✷ नोस्कापीन प्राप्त होता है **—पोस्ता (पॉपी) से**

✷ हेरोइन प्राप्त होती है **—अफीम पोस्ता से**

✷ 'मॉरफीन' प्राप्त होती है **—फल से**

✷ अफ़ीम प्राप्त किया जाता है **—बिना पके फल के लैटेक्स से**

✷ अफ़ीम पोस्ता प्राप्त होता है **— पौधे के अधपके फल से**

✷ अफीम का मुख्य अवयव है **—मार्फीन**

आनुवंशिकता

✷ वर्तमान आनुवंशिक विज्ञान का जनक है **—ग्रेगर जॉन मेंडल**

✷ आनुवांशिकता के जनक के रूप में विख्यात वैज्ञानिक हैं– **—जी.जे. मेंडल**

✷ मेंडल ने अपने चिरप्रतिष्ठित ''वंशागति नियमों'' को प्रतिपादित करने में जिस जीवधारी का उपयोग किया, वह था **—गार्डेन पी (मटर)**

✷ मेंडल के आनुवांशिकता का सिद्धांत आधारित है **—लैंगिक जनन पर**

✷ जीनोम चित्रण (Genome Mapping) का संबंध है **—जीन्स के चित्रण से**

✷ जीवों में आनुवंशिक लक्षण संतान में ले जाए जाते हैं **—क्रोमोसोम द्वारा**

✷ हमारे शरीर में आनुवंशिकता की इकाई को कहते हैं **—जीन**

✷ 'प्लवमान जीन' (जंपिंग जीन) के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था **—बारबरा मैक्लिंटॉक ने**

✷ डी.एन.ए. में उपलब्ध वह यौगिक जो एमीनो अम्ल नहीं बनाता **—टायरोसीन**

✷ डी.एन.ए. में मौजूद शर्करा होती है- **—डीऑक्सीराइबोस**

✷ 1. कार्बन-14 समस्थानिक का उपयोग करके अनुसंधान करने वाले
2. एक्स-रे तकनीकज्ञ
3. कोयला खनक
4. रंगरेज और रंगसाज
उपरोक्त व्यवसाय में लगे व्यक्तियों में से जिन्हें अपनी कोशिकाओं के डी.एन.ए. (DNA) में स्थायी परिवर्तन का खतरा रहता है, वह हैं– **—केवल 2**

जैव उवर्रक

✷ 1. एजोला
2. नील हरित शैवाल
3. अल्फाल्फा
उपरोक्त में से जिनका उपयोग जैव-उर्वरता के रूप में किया जाता है, वह हैं **—1 और 2**

✷ यीस्ट, क्लोरेला, एजोला तथा मोल्ड में से एक जैव उर्वरक का स्रोत है **—एजोला**

✷ यूरिया, 2, 4- डी, स्ट्रेप्टोसायक्लीन तथा एजोला में से एक जैविक उर्वरक है **—एजोला**

✷ पशुओं, विशेषतः दुधारू-गो, के अनुपूरक भोजन के रूप में प्रयुक्त जैव-उर्वरक है **—एजोला**

✷ सुमेलित हैं–

नील हरित शैवाल	–	जैव उर्वरक
क्रायोसोपा	–	माहो नियंत्रण
बायो 902	–	सरसों का कायक्लोन
एजोटोबैक्टर	–	जीवाणु

✷ वह फसल जिसमें नील हरित शैवाल, मुख्यतः जैव उर्वरक के रूप में प्रयोग होते हैं **—धान**

✷ नील हरित शैवाल का उपयोग नत्रजन आपूर्ति हेतु किया जाता है **—धान को**

✷ एजोला एक अच्छा उर्वरक होता है **—नील हरित शैवाल को साथ मिलाने से**

* एजोला बहुधा जैव उर्वरक के रूप में प्रयोग किया जाता है क्योंकि इसका सहचारी है **—नील हरित शैवाल**
* एजोला है एक **—जलीय फर्न**
* जलीय फर्न, जिसे जैव उर्वरक के रूप में प्रयुक्त किया जाता है, वह हैं **—एजोला**
* सायनो बैक्टीरिया, प्रोटोजोआ तथा विषाणु में से वह जो जैव उर्वरक के रूप में प्रयोग होते हैं **—सायनो बैक्टीरिया**
* फसलोत्पादन में 'नत्रजन उपयोग क्षमता' की वृद्धि की जा सकती है **—उर्वरक की मात्रा के बार-बार प्रयोग द्वारा, नत्रजन अवरोधक के प्रयोग द्वारा तथा नत्रजन धीरे छोड़ने वाले उर्वरकों के प्रयोग द्वारा**
* सोयाबीन में नत्रजन स्थिरीकरण (Nitrogen Fixation) के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया है **—राइजोबियम जैपोनिकम**
* 2, 4-D है **—एक खरपतवारनाशी**

कोशिका

* नाभिक के अलावा कोशिका के जिस कोशिकांग में डी.एन.ए. होता है, वह है **—माइटोकॉन्ड्रिया**
* सही कथन है **—विषाणु सम एकल तंतु आर.एन.ए. अणु से बने होते हैं**
* साधारण मानव में गुणसूत्र होते हैं **—46**
* मानव शरीर की कोशिकाओं में पाए जाने वाले गुणसूत्र जोड़ों (chromosomes pairs) की संख्या हैं **—23**
* जीवों में अत्यधिक विविधता का कारण है **—उत्परिवर्तन**
* लिंग गुणसूत्र नहीं होते **—छिपकली में**
* पादप कोशिका जंतु कोशिका से भिन्न होती है **—कोशिका भित्ति के कारण**
* जंतु कोशिका में अनुपस्थित होती है **—सेलुलोज की कोशिका भित्ति**
* जैव कोशिका का वह भाग जो पावर हाउस कहलाता है **—माइटोकॉन्ड्रिया**
* पीतपिंड कोशिकाओं की संहति है **—अंडाशय में पाई जाने वाली कोशिकाओं की**
* प्लाज्मा झिल्ली बनी होती है **—प्रोटीन एवं लिपिड से**
* प्रोटीन संश्लेषण (Protein Synthesis) में सबसे अधिक महत्वपूर्ण भूमिका है **—अंत:द्रव्यी जालिका (Endoplasmic Reticulum) और राइबोसोम (Ribosome) की**
* लसीका-कोशिकाएं बनती हैं **—तिल्ली में**
* स्तंभ-कोशिका अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम विकास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

  (1) बीजपुटी अवस्था पर भ्रूण मानव स्तंभ कोशिकाओं का एकमात्र स्रोत हैं।

  (2) स्तंभ कोशिकाएं बीजपुटियों को नष्ट किए बिना प्राप्त की जा सकती हैं।

  (3) स्तंभ कोशिकाएं वस्तुत: अनंतकाल तक स्वयं ही पात्रे संजीवित हो सकती हैं।

  (4) भारतीय अनुसंधान केंद्रों ने कुछ कोशिका रेखाओं का भी सृजन किया जिन्हें कई प्रकार के ऊतकों में विकसित किया जा सकता है।

  उपरोक्त में से सत्य कथन हैं **—1,2,3 और 4**
* प्राणियों में स्तंभ कोशिकाओं के प्रत्यारोपण के संदर्भ में सत्य कथन हैं **—ये प्राणी में जीवन भर स्वयं गुणन करती है, ये अंगों के क्षतिग्रस्त ऊतकों की मरम्मत करती है तथा ये एक या अधिक प्रकार की विशिष्ट कोशिकाओं को बनाने की क्षमता रखता है**
* प्रक्रमित कोशिका मृत्यु (Programmed Cell Death) के कोशिकीय और आणविक नियंत्रण (Cellular and Molecular control) को कहते हैं **—एपॉप्टॉसिस**
* हमारे तंत्र में अधिकतम ए.टी.पी. अणुओं को उत्पन्न करने वाला पद है– **—क्रेब्स चक्र**

मानव शारीरिकी

* हमारे शरीर का अधिकतम भार बना है– **—जल का**
* एक वयस्क मानव शरीर में जल प्रतिशत होता है लगभग **—65%**
* लौह, सोडियम, ऑक्सीजन एवं आयोडीन में से मानव शरीर में सर्वाधिक प्रचुरता से पाया जाने वाला तत्व है **—ऑक्सीजन**
* लोहा, सोडियम, फॉस्फोरस एवं कैल्शियम में से मानव शरीर में अधिकतम मात्रा में पाया जाने वाला तत्व होता है **—कैल्शियम**
* वयस्क मानव में होती हैं **—206 अस्थियां**
* मानव कंकाल में अब तक ज्ञात हड्डियों की संख्या है **—206**

✷ 20 वर्ष की आयु पर मानव शरीर में हड्डियों की संख्या होती है, लगभग **—206**

✷ मानव शरीर की सबसे छोटी हड्डी है **—स्टेपीज**

✷ हमारे शरीर की लघुतम हड्डी पाई जाती है **—कान में**

✷ मनुष्य की खोपड़ी में होती हैं **—28 अस्थियां**

✷ मैग्नीशियम क्लोराइड, कैल्शियम कार्बोनेट, कैल्शियम फॉस्फेट तथा सोडियम क्लोराइड में से वह लवण जो मानव हड्डियों में सर्वाधिक मात्रा में पाया जाता है **—कैल्शियम फॉस्फेट**

✷ मनुष्य के शरीर में पसलियों के जोड़े होते हैं **—12**

✷ मनुष्य के शरीर में पैर की हड्डी **—ठोस होती है**

✷ शल्यक्रिया में ऑर्थोप्लास्टी (Arthroplasty) है **—कूल्हे के जोड़ का प्रतिस्थापन (Hip Joint Replacement)**

✷ कशेरुक रज्जु (Spinal Cord) में से निकलती हैं **—31 जोड़ियां तंत्रिका**

✷ एक स्वस्थ्य मनुष्य एक दिन में करता है **—1.5 लीटर पेशाब**

✷ प्रत्यस्थ (एलास्टिक) ऊतक (टिश्यु) जो हड्डियों को एक साथ पकड़े रहते हैं, उन्हें कहते हैं **—स्नायु (लिगॉमेन्ट)**

✷ दांतों पर जमीं परतें बनी रहती हैं **—भोजन के कण, थूक, मुख-अम्ल और बैक्टीरिया से**

✷ नाखून काटते समय दर्द नहीं होता क्योंकि **—नाखून मृत कोशिकाओं के द्रव्य द्वारा बने रहते हैं जिनमें रक्त संचरण नहीं होता**

✷ अस्थि एवं दंत निर्माण हेतु आवश्यकता होती है **—कैल्शियम और फॉस्फोरस की**

✷ कैल्शियम, फॉस्फोरस, फ्लोरीन तथा आयोडीन में से वह पौष्टिक तत्व जो अस्थि एवं दांतों के निर्माण एवं मजबूती के लिए आवश्यक नहीं है **—आयोडीन**

✷ मनुष्य के जीवन काल में दो बार विकसित होते हैं **—20 दांत**

✷ अस्थि, दंतवल्क, डेंटीन तथा सीमेंटस में से हमारे शरीर का सबसे दृढ़ भाग हैं **—दंतवल्क**

✷ मानव शरीर में सबसे मजबूत मांसपेशियां होती हैं **—जबड़े में**

✷ सुमेलित हैं—

उरोस्थि (Breast Bone)	–	स्टर्नम (Sternum)
जत्रुक (Collar Bone)	–	क्लेविकल (Clavicle)
जानुफलक (Knee-cap)	–	पैटेला (Patella)
स्कंध फलक (Shoulder Blade)	–	स्कैपुला (Scapula)

✷ मस्तिष्क जिम्मेदार है— **—सोचने के लिए, हृदय गति नियंत्रण के लिए तथा शरीर के संतुलन के लिए**

✷ प्रतिवर्ती क्रियाओं (Reflex Action) का नियंत्रण केंद्र है **—कशेरुक रज्जु में (Spinal cord)**

✷ मानव के मस्तिष्क में स्मरण क्षमता होती है **—सेरीब्रम में**

✷ निषेचन (Fertilization) की क्रिया होती है **—अंडवाहिनी में (Oviduct)**

✷ मानव शरीर का वह भाग जहां शुक्राणु, डिम्ब को निषेचित करता है **—डिम्बवाहिनी नली**

✷ मादा जनन पथ में पहुंचने के पश्चात, मानव शुक्राणु अपनी निषेचन क्षमता सुरक्षित रखते हैं **—एक से दो दिनों के लिए**

✷ मानव भ्रूण का हृदय स्पंदन करने लगता है **—अपने परिवर्धन के चतुर्थ सप्ताह में**

✷ वह कला जो परिवर्धनशील भ्रूण की शुष्कन से रक्षा करती है **—उल्व (ऐम्नियॉन)**

✷ स्तनधारियों में श्वसन होता है **—फुफ्फुस (फेफड़ा) द्वारा**

✷ श्वसन क्रिया में वायु के जिस घटक की मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं होता है, वह है **—नाइट्रोजन**

✷ एक स्वस्थ व्यक्ति का हृदय एक मिनट में औसतन धड़कता है **—72 बार**

✷ हृदय आराम करता है **—दो धड़कनों के बीच**

✷ सीने में दर्द, पसीना एवं जी मचलाना, बांह में दर्द एवं झंझनाहट तथा टांगों में दर्द में से वह लक्षण जो हृदयाघात (Heart Attack) से संबंधित नहीं है— **—टांगों में दर्द**

✷ हृदयाघात का सटीक लक्षण हैं **—जी मिचलाना, तेज़ पसीना आना एवं सीने में तेज दर्द**

✷ हृदय में होते हैं **—4 कक्ष**

✷ हृदय स्पंदन एक विद्युतीय तरंग द्वारा निष्पादित होती है, जो उपजती है **—हृदय में**

✷ मानव कलाई में नाड़ी स्पंदन करती है **—हृदय के बराबर**

✷ मानव शरीर का तापक्रम **—न ही जाड़ों में घटता है और न ही गर्मियों में बढ़ता है।**

✷ एक स्वस्थ वयस्क मनुष्य में रक्त का कुल परिमाप होता है **—5-6 लीटर**

रुधिर परिवहन तंत्र

✷ रक्त होता है **—एक संयोजी ऊतक**

✷ हीमोग्लोबिन है **—मानव रक्त में पाया जाने वाला पदार्थ**

✷ रुधिर वर्णिका के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए

1. इसमें लौह होता है।
2. यह रक्त को लाल रंग प्रदान करता है।
3. यह कुछ रोगों के प्रति प्रतिरक्षा प्रदान करता है।
4. यह रक्त में ऑक्सीजन का वाहक है।

उपरोक्त में से सत्य कथन हैं **—1, 2 एवं 4**

✷ हीमोग्लोबिन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. यह रक्त में ऑक्सीजन का संचार करता है।
2. यह लौह युक्त यौगिक है।
3. यह कुछ रोगों के प्रति, प्रतिरक्षा प्रदान करता है।
4. यह रक्त को लाल रंग प्रदान करता है।

इनमें से सही कथन हैं

—1, 2 और 4

✷ शरीर में हीमोग्लोबिन का कार्य है **—ऑक्सीजन का परिवहन**

✷ वह प्राणी जिसके जीवद्रव्य में हीमोग्लोबिन का विलय हो जाता है

—केंचुआ

✷ रक्त में लाल रंग होता है **—हीमोग्लोबिन के कारण**

✷ लाल रक्त कणिकाओं (R.B.Cs.) का रंग होता है

—हीमोग्लोबिन के कारण

✷ रक्त का शरीर में कार्य है **—सारे शरीर में ऑक्सीजन को पहुंचाना**

✷ मनुष्य का औसत रक्तचाप होता है **—120/80**

✷ स्वस्थ मनुष्य का रक्तचाप (सिस्टॉलिक व डाइस्टॉलिक) होता है

—120 मिमी. व 80 मिमी.

✷ रक्त दाब का मापक यंत्र है **—स्फिग्मोमैनोमीटर**

✷ किसी व्यक्ति का रक्तचाप 140 एम.एम. Hg है, तो इस उल्लेख में Hg से तात्पर्य है **—मर्करी से**

✷ जब एक व्यक्ति वृद्ध हो जाता है, तो सामान्यतया उसका रक्त का दाब

—बढ़ जाता है

✷ नीचे चार व्यक्तियों के रक्त दाब का मान दिया है

श्रीमती (X)	–	90/60
श्री (X)	–	160/120
श्री (Y)	–	120/80
श्रीमती (Y)	–	140/100

उपरोक्त में से रक्त दाब सामान्य है **—श्री (Y) का**

✷ हमारे शरीर में रक्त का दाब होता है–

—वायुमंडलीय दाब से अधिक

✷ वह रक्त वर्ग जो सार्वत्रिक दाता (Universal donor) होता है

—O

✷ **अभिकथन (A) :** 'ए-बी' रक्त समूह के लोग सार्वभौमिक प्राप्तकर्ता होते हैं।

कारण (R) : रक्त समूह ''ए-बी'' की लाल रक्त कोशिका में कोई एंटीजन नहीं होता एवं इसीलिए अन्य किसी रक्त समूह के साथ समूहन (एग्लूटिनेशन) नहीं होता।

—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ वर्ग AB रक्त वाला व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति का रक्त ले सकता है, जिसका रक्त वर्ग............ हो

—कोई भी वर्ग

✷ AB रक्त वर्ग वाले व्यक्ति को कभी-कभी सार्विक रक्त आदाता कहा जाता है, क्योंकि

—उसके रक्त में प्रतिपिंड (एंटीबॉडी) का अभाव होता है।

✷ एक व्यक्ति, जिसका रक्त समूह 'A' है, सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो जाता है तथा चिकित्सक रक्ताधान की सलाह देते हैं। उसके संबंधियों को रक्तदान हेतु कहा जाता है, जिनके रक्त समूह इस प्रकार पाए गए–

(i) पत्नी - 'O' (ii) भाई - 'AB'
(iii) पुत्र - 'A' (iv) पुत्री - 'O'

उपरोक्त में से वह संबंधी जो उस घायल व्यक्ति को रक्ताधान हेतु रक्तदान कर सकते हैं **—(i), (iii) व (iv)**

✷ एक मनुष्य दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है और उसे रक्ताधान की आवश्यकता होती है किंतु उसके रक्त समूह का परीक्षण करने का समय नहीं है। वह रक्त समूह जो उसे दिया जा सकता है **—O^-**

✷ अज्ञात रुधिर वर्ग का एक व्यक्ति गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है और उसे तुरंत रक्त आधान (Blood Transfusion) की जरूरत पड़ती है अस्पताल में आसानी से उपलब्ध वह रुधिर वर्ग जिसका रक्त आधान के लिए उपयोग सुरक्षित होगा **— O, Rh^-**

✷ एक व्यक्ति दुर्घटना में घायल हो गया है। उसके रक्त समूह की जांच के लिए समय नहीं है। उसे खून दिया जाना चाहिए **—O, Rh^-**

✷ रक्त समूहों की खोज की

—कार्ल लैण्डस्टीनर ने

✷ Rh कारक का नाम संबंधित है, एक प्रकार के

—बंदर से

✷ एक विवाहित दंपति ने एक बालक को गोद लिया। इसके कुछ वर्ष उपरांत उन्हें जुड़वां पुत्र हुए। दंपति में एक का रक्त वर्ग AB पॉजिटिव है और दूसरे का O निगेटिव है। तीनों पुत्रों में से एक का रक्त वर्ग A पॉजिटिव, दूसरे का B पॉजिटिव और तीसरे का O पॉजिटिव है। गोद लिए गए पुत्र का रक्त वर्ग है **—O पॉजिटिव**

* यदि एक पिता का रक्त वर्ग A है और माता का O तो उनके पुत्र का रक्त वर्ग हो सकता है

– O

* किसी एक सामान्य व्यक्ति के रक्त का pH स्तर होता है

– 7.35 - 7.45

* रक्त का pH मान है

–7.4

* प्रतिजन (Antigen) वह पदार्थ है, जो

–प्रतिपिंड (Antibody) के निर्माण को उद्दीप्त करता है।

* प्रतिजन ऐसा पदार्थ है, जो **–प्रतिरक्षा तंत्र को प्रवर्तित करता है।**
* एंटिजंस की मूल विशेषता है

–वे प्रतिरक्षियों के निर्माण को प्रेरित करते हैं

* शरीर में संक्रमण से हमारी रक्षा करता है **–डब्ल्यू. बी. सी.**
* सफेद रक्त कण का मुख्य कार्य है

–रोग प्रतिरोधक क्षमता धारण करना

* रुधिर के प्लाज्मा में एंटीबॉडी निर्मित होती है

–लिम्फोसाइट द्वारा

* प्रतिरक्षा (असंक्राम्यता) का सर्वाधिक संबंध है **–लिम्फोसाइट्स से**
* मानव रक्त की श्यानता का कारण है **–रक्त में प्रोटीन**
* मानव के श्वेत रक्त कणों (डब्ल्यू.बी.सी.) का व्यास होता है, लगभग

–0.007 मिमी.

* रुधिर में श्वेत रक्त कणिकाओं की अत्यधिक मात्रा में उपस्थिति को रोग विज्ञान की भाषा में कहते हैं **–ल्यूकेमिया**
* लाल रक्त कणिकाएं मुख्यतया बनती हैं **–अस्थि मज्जा में**
* WBC का बनना तथा RBC का विनाश होता है **–प्लीहा में**
* रक्त ग्लूकोज स्तर सामान्यतः व्यक्त किया जाता है-

–मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर में

* हृदय को रक्त का संभरण करने वाली धमनियां कहलाती हैं

–हृदय धमनियां

* रक्त का थक्का बनने में फाइब्रिनोजिन को फाइब्रिन के परिवर्तन में भाग लेने वाला एंजाइम है **–थ्रॉम्बिन**
* वह शारीरिक प्रक्रम जिससे थ्रॉम्बिन का संबंध है **–रक्त जमाव**
* प्लाज्मा में जल का प्रतिशत होता है **–90%**
* किसी सामान्य व्यक्ति में रक्त के संदर्भ में सही कथन है

–रक्त में डब्ल्यू.बी.सी. की तुलना में बिम्बाणु अधिक होते हैं

* मानव शरीर में ऑक्सीजन का अभिगमन होता है

1. रक्त के द्वारा 2. फुफ्फुस के द्वारा
3. ऊतक के द्वारा

अभिगमन का सही अनुक्रम है **–2, 1, 3**

* जब रक्त में ऑक्सीजन की सांद्रता में कमी आती है, तो श्वास की गति

–बढ़ जाती है

* कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता मुख्यतः प्रभावित करती है

–रक्त की ऑक्सीजन को वहन करने की क्षमता को

* निम्नलिखित पर विचार कीजिए–

कथन (A) : कटे स्थानों से रक्त प्रवाह रोकने के लिए फिटकरी का उपयोग किया जाता है।

कारण (R): रक्त एक कोलाइडी निकाय है जिसमें ऋणावेशित कोलाइडी कण होते हैं। फिटकरी के एल्युमीनियम आयनों की स्कंदन शक्ति अधिक होती है अतः रक्त स्कंदित हो जाता है।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

* एक ऐसा कृत्रिम रक्त जो प्लास्टिक रक्त की किस्म है जिसे किसी मरीज को .... (किस्म) का विचार किए बिना दिया जा सकता है, उसे बनाया है **–ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने**

पाचन तथा उत्सर्जन

* मानव शरीर में पाचन का अधिकांश भाग संपन्न होता है–

–छोटी आंत में

* लार सहयोग करती है **–स्टार्च के पाचन में**
* मानव वृक्क के कार्य से संबंधित निम्न कथनों पर विचार कीजिए–

1. वृक्क में उत्सर्ग अपनयन के पश्चात स्वच्छ रक्त वृक्कीय धमनी से वापस जाता है।
2. बोमन-संपुट से निष्यन्दित द्रव लघु नलिकाओं से गुजरता है जहां अधिकांश ग्लूकोज का पुनरावशोषण होता है तथा वृक्कीय शिरा में रक्त के पास वापस भेजा जाता है।

इनमें से सत्य कथन हैं

–1 तथा 2 दोनों

* मनुष्य शरीर में खून की शुद्धिकरण की प्रक्रिया को कहते हैं

–डायलिसिस

* सत्य कथन है

–शरीर में सारा रक्त किडनी के माध्यम से शुद्ध होता है।

* 'डायलिसिस' संबंधित है **–वृक्क से**
* यूरिया रक्त से पृथक किया जाता है **–गुर्दा द्वारा**
* वृक्क से औसत रक्त प्रवाह होता है **–1200 सी.सी. प्रति मिनट**
* अपोहक जिसके कार्य संपादन हेतु प्रयुक्त होता है, वह है **–वृक्क**
* जब वृक्क कार्य करना बंद कर देते हैं, तो जमा होता है

–रक्त में नत्रजनित अपशिष्ट पदार्थ

* मानव गुर्दे का सामान्य कार्य है

–रक्त में जल की मात्रा का नियंत्रण, यूरिया को छान कर बाहर करना तथा कई हॉर्मोनों का स्त्रवण करना

✷ मानव वृक्क अशमरी (Kidney Stones) में पाया जाने वाला प्रमुख रासायनिक यौगिक है **—कैल्शियम ऑक्जलेट**

✷ मानव गुर्दे में बनने वाली 'पथरी' प्रायः बनी होती है **—कैल्शियम ऑक्जलेट की**

✷ **कथन (A) :** मानव शरीर में यकृत वसा के पाचन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कारण (R) : यकृत दो महत्वपूर्ण वसा-पाचक एंजाइम उत्पन्न करता है।

—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ एंजाइम एक **—बायो-उत्प्रेरक है।**

✷ एंजाइम मूलतः हैं **—प्रोटीन**

✷ वह एंजाइम जो ग्लूकोज को इथेनॉल में परिवर्तन करने को प्रेरित करता है **—जाइमेज**

✷ जैविक सिस्टम (Living System) में रासायनिक क्रिया की प्रक्रिया को तेज (Catalyse) करने में उत्तरदायी पदार्थ है **—एंजाइम**

✷ लाइपेज, यूरिया, श्लेष्मा तथा हाइड्रोक्लोरिक अम्ल में से वह जिसकी उत्पत्ति, यकृत का कार्य है **—यूरिया**

✷ लिपिड्स का पाचन होता है- **—पित्त अम्ल एवं लाइपेसेज की उपस्थिति में**

✷ मानव तंत्र में एक पाचक एंजाइम नहीं है **—गैस्ट्रिन**

✷ **कथन (A) :** हमारे आहार में सभी प्रोटीनों का पाचन केवल क्षुद्रांत्र में होता है।

कारण (R) : अग्नाशय से प्रोटीनों का पाचन करने वाली एंजाइम को क्षुद्रांत्र में छोड़ा जाता है।

—(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ प्रोटीनों के पाचन में सहायक एंजाइम है **—ट्रिप्सिन**

✷ स्टार्च को जल अपघटन से ग्लूकोज (Hydrolysis Starch) बनाने वाला एंजाइम है **—एमाइलेज**

✷ वह परिवर्तन जिसमें एंजाइम ट्रिप्सिन उत्प्रेरक का कार्य करता है **—प्रोटीन को अमीनो अम्लों में**

✷ मानव शरीर में पुच्छ संलग्न होता है **—बृहदांत्र से**

✷ मानव शरीर में क्षुद्रांत्र के तीन संरचनात्मक भागों की लंबाई का सही ह्रासवान क्रम है **—शेषांत्र - मध्यांत्र - ग्रहणी**

✷ वह आहार जो मानव शरीर में नए ऊतकों की वृद्धि के लिए पोषक तत्व प्रदान करता है **—पनीर**

✷ प्रोबायोटिक खाद्य से संबद्ध निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. प्रोबायोटिक खाद्य में सजीव जीवाणु विद्यमान होते हैं, जो मानव के लिए लाभकारी जाने जाते हैं।

2. प्रोबायोटिक खाद्य अंत्र फ्लोरा के अनुरक्षण में सहायता देता है।

उपरोक्त कथनों में से सत्य हैं **—1 और 2 दोनों**

✷ न्यूट्रास्यूटिकल्स उत्पाद हैं जिनमें होते हैं **—पोषक और औषधि प्रभाव**

✷ एंजाइम तथा उसके कार्यों का सही जोड़ा है

इ.कोलाई प्रतिबंधित एंडो-न्यूक्लियेस-II - डी.एन.ए. को विशिष्ट स्थलों पर काटने के लिए

प्रकाश-संश्लेषण

✷ हरे पौधों में प्रकाश-संश्लेषण की क्रिया में होता है **—कार्बन डाइऑक्साइड लेना व ऑक्सीजन छोड़ना**

✷ प्रकाश-संश्लेषण में पौधों द्वारा उपयोग की जाती है **—कार्बन डाइऑक्साइड गैस**

✷ प्रकाश-संश्लेषण प्रक्रिया के लिए आवश्यक गैस है **—CO_2**

✷ ऑक्सीजन, जो प्रकाश-संश्लेषण से उत्पन्न होती है, आती है **—जल से**

✷ पौधों द्वारा तीव्र अवशोषण होता है **—नीला और लाल प्रकाश का**

✷ पृथ्वी पर अधिकांश ऑक्सीजन उत्पादित होती है **—शैवालों से**

✷ प्रकाश-संश्लेषण होता है **—दिन में अथवा रात्रि में**

✷ पौधे व पेड़ का खाना तैयार करने की प्रक्रिया कहलाती है **—फोटोसिन्थेसिस**

✷ वह क्रिया जिसके द्वारा पौधे अपना भोजन तैयार करते हैं, कहलाती है **—प्रकाश-संश्लेषण**

✷ प्रकाश-संश्लेषण होता है **—क्लोरोप्लास्ट में**

✷ प्रकाश-संश्लेषण हेतु सर्वाधिक क्रियाशील प्रकाश है **—लाल प्रकाश**

✷ प्रकाश-संश्लेषण में सबसे अधिक प्रभावकारी होता है **—लाल प्रकाश**

✷ प्रकाश-संश्लेषण में पर्णहरित द्वारा सर्वाधिक उपयोग किया जाता है **—लाल प्रकाश का**

✷ कृत्रिम प्रकाश **—प्रकाश-संश्लेषण का कारण हो सकता है।**

✷ प्रकाश ऊर्जा का रासायनिक ऊर्जा में रूपांतरण होता है **—प्रकाश-संश्लेषण द्वारा**

✷ वह प्रक्रम जो प्रकाश-संश्लेषण में सम्मिलित है **—प्राप्यतम ऊर्जा, स्थितिज ऊर्जा में परिवर्तित होती है और संचित हो जाती है**

✷ अधिकतम कुशलतापूर्वक सौर ऊर्जा को रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित करता है **—क्लोरेला**

✷ प्रकाश-संश्लेषण, जल का अवशोषण, पोषक तत्वों का अवशोषण तथा पौधों को सहारा प्रदान करना में से पौधों की जड़ों का कार्य नहीं है **—प्रकाश-संश्लेषण**

* जब किसी वृक्ष की छाल, वृक्ष के आधार के पास से गोलाकार चारों तरफ से हटा दी जाती है, तो यह वृक्ष धीरे-धीरे सूख कर मर जाता है, क्योंकि **—जड़ें ऊर्जा से वंचित रह जाती हैं**
* पौधों में 'फ्लोएम' मुख्यतः उत्तरदायी है **—आहार वहन के लिए**
* श्वसन, प्रकाश संश्लेषण, जैविक पदार्थों का क्षय तथा ज्वालामुखी क्रिया में से पृथ्वी के कार्बन-चक्र में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को नहीं बढ़ाता है **—प्रकाश-संश्लेषण**

विटामिन एवं पोषण

* फंक ने आविष्कार किया था **—विटामिन का**
* विटामिन्स होते हैं **—कार्बनिक यौगिक**
* यौगिकों का वह समूह जिसे 'सहायक आहार कारक' कहा जाता है **—विटामिन**
* सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम तथा मैग्नीशियम में से पौधों के विकास के लिए आवश्यक नहीं है **—सोडियम**
* बोरॉन, जस्ता, सोडियम तथा ताम्र में से पौधों के लिए अनिवार्य सूक्ष्म पोषक नहीं है **—सोडियम**
* जीवधारियों को कम-से-कम 27 तत्वों की आवश्यकता होती है जिनमें से 15 धातुएं हैं। इनमें जो प्रभूत मात्रा में आवश्यक होती हैं, वे हैं **—पोटैशियम, सोडियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम**
* भोजन के वर्ग में प्रति यूनिट कैलोरी की मात्रा सर्वाधिक होती है **—वसा में**
* सेब का हृदय रोगियों के लिए विशेष महत्व है क्योंकि ये बड़े स्रोत हैं **—केवल पोटैशियम के**
* आहार में नियमित रूप से ताजे फल और सब्जियां ग्रहण करना वांछनीय है क्योंकि ये ऑक्सीकरण-रोधी (Antioxidants) तत्वों के अच्छे स्रोत होते हैं। ऑक्सीकरण-रोधी तत्व व्यक्ति के स्वस्थ बने रहने और दीर्घायु होने में सहायक सिद्ध होते हैं, क्योंकि **—ये शरीर में चयापचय के उपोत्पाद के रूप में उत्पन्न मुक्त मूलकों को निष्क्रिय बनाते हैं।**
* सुमेलित हैं–

कैल्सीफेरॉल	अस्थि रुग्णता
नायसिन	पेलाग्रा (चर्मग्राह)
कोबालामिन	संघातिक रक्ताल्पता
थायमीन (विटामिन B_1)	बेरी-बेरी
विटामिन डी	सूखा रोग
विटामिन के	रक्त का थक्का बनने में समस्या

* मिर्च,, कुम्हड़ा, मटर तथा मूली सब्जियों में से सर्वाधिक विटामिन सी पाया जाता है **—मिर्च में**
* विटामिन जो खट्टे फलों (साइट्रस) में पाया जाता है तथा चर्म को स्वस्थ रखने में जरूरी होता है **—विटामिन C**
* विटामिन 'सी' का मुख्य स्रोत है **—कच्चे एवं ताजे फल**
* 'कंचन' एक उन्नत किस्म है **—आंवला का**
* सेब, आम, आंवला तथा दूध में से विटामिन 'सी' का सबसे उत्तम स्रोत है **—आंवला**
* गाजर, अमरूद, आम तथा संतरा में से विटामिन 'सी' की मात्रा सर्वाधिक होती है **—संतरा में**
* विटामिन 'सी' का रासायनिक नाम है **—एस्कॉर्बिक अम्ल**
* आलू, गन्ना, संतरा तथा चुकन्दर में से विटामिन 'सी' का सर्वाधिक प्रचुर स्रोत है **—संतरा**
* घाव को भरने में सहायक विटामिन है **—विटामिन सी**
* विटामिन 'सी' मदद करता है **—लौह के अवशोषण में**
* विटामिन A, विटामिन C, विटामिन B तथा विटामिन E में से वह जो शरीर में भंडारित नहीं होता है **—विटामिन C**
* वह विटामिन जिसकी कमी से खून का थक्का धीरे बनने की बीमारी होती है **—विटामिन K**
* रक्त का थक्का बनने में आवश्यकता होती है **— विटामिन K की**
* रुधिर स्कन्दन में प्रभावी होता है **—विटामिन K**
* आंत के जीवाणुओं द्वारा संश्लेषित होता है **—विटामिन B_{12} एवं विटामिन K**
* विटामिन D का स्रोत है **—सूर्य की किरणें**
* सूर्य की किरणों से प्राप्त होता है **—विटामिन D**
* विटामिन D की अल्पता से होता है **—रिकेट्स एवं ऑस्टियोपोरोसिस**
* विटामिन D में पाया जाता है **—केल्सिफेरॉल**
* 'कोलेकेल्सिफेरॉल' रासायनिक यौगिक का सामान्य नाम है **—विटामिन D**
* रतौंधी होती है
* मानव शरीर में विटामिन 'ए' संचित रहता है **—यकृत में**
* पत्ता गोभी, गाजर, फूल गोभी तथा पालक में से विटामिन 'A' की मात्रा अधिक है **—गाजर में**
* सेब, पपीता, अमरूद तथा आम में से एक विटामिन A का प्रचुरतम स्रोत है **—आम**

* ताड़ का तेल, नारियल का तेल, गेहूं-अंकुर का तेल तथा राई (सरसों) का तेल में से विटामिन-E का महत्वपूर्ण स्रोत है **—गेहूं-अंकुर का तेल**
* विटामिन ए, प्रोटीन, एंजाइम तथा हॉर्मोन में से वह जिसका निर्माण हमारे शरीर में नहीं होता है **—विटामिन ए**
* **कथन (A) :** यदि कोई व्यक्ति हरी सब्जियां खाना बंद कर दे, तो उसे रतौंधी हो जाएगी।

  कारण (R) : उसमें विटामिन ए की कमी हो जाएगी।

  —(A) गलत है, परंतु (R) सही है।
* जिस विटामिन में कोबाल्ट होता है, वह है **—B_{12}**
* साइनोकोबालमिन है **—विटामिन बी-12**
* थायमीन है **—विटामिन $बी_1$**
* जल में घुलनशील विटामिन है **—विटामिन C**
* विटामिन A, विटामिन B, विटामिन D तथा विटामिन E में से पानी में घुलनशील है **—विटामिन B**
* कुछ विटामिन वसा में घुलनशील हैं, जबकि अन्य जल में घुलनशील हैं। वह विटामिन जो जल में घुलनशील हैं **—विटामिन B एवं C**
* एक मनुष्य को बेरी-बेरी, सूखा रोग व स्कर्वी की बीमारी होगी यदि वह नहीं ले रहा है **—विटामिन B_1, D व C**
* किसी स्वप्न को पर्याप्त अवधि तक याद रखने में सहायक होता है **—विटामिन B-6**
* सही सुमेलित हैं–

सूची - I (रोग)	**सूची - II (कारण)**
रतौंधी	विटामिन ए (A)
रिकेट्स	विटामिन डी (D)
स्कर्वी	विटामिन सी (C)
सूखा	विटामिन D
फोलिक अम्ल	रक्ताल्पता
विटामिन ''बी-3''	पेलाग्रा

* सुमेलित हैं–

रेटिनॉल	नेत्र सूख कर लाल होना
टोकोफेरॉल	बन्ध्यता
सायनोकोबालएमीन	घातक रक्ताल्पता
पायरीडॉक्सिन	मानसिक व्याधि
विटामिन ई	बंध्यापन

* सुमेलित हैं–

टायलिन	स्टार्च को पचाता है।
पेप्सिन	प्रोटीन को पचाता है।
रेनिन	रक्त में ऐंजिओटेंसिनोजेन को ऐंजिओटेंसिन में बदलता है।
ऑक्सीटोसिन	मसृण पेशियों (Smooth Muscles) में सिकुड़न प्रेरित करता है।

* सुमेलित हैं–

विटामिन	–	कैरोटिन
एंजाइम	–	पेप्सिन
हॉर्मोन	–	टेस्टोस्टेरोन/प्रोजेस्टेरोन
प्रोटीन	–	केरेटिन

* केला, जो एक फल के रूप में अत्यधिक मूल्यवान भोज्य-पदार्थ माना जाता है, के प्रति 100 ग्राम में होता है **—ऊर्जा की 116 Kcal**
* प्रोटीन की अधिकतम मात्रा पाई जाती है **—सोयाबीन में**
* सबसे अधिक प्रोटीन पाई जाती है **—सोयाबीन के दाने में**
* चावल, मूंगफली तथा सेब में से प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत है **—मूंगफली**
* प्रोटीन एवं वसा दोनों की प्रचुरता है **—मूंगफली में**
* बाल (Hair) जिस प्रोटीन का बना होता है, उसे कहते हैं- **—किरेटिन**
* मानव के बाल एवं नख में विद्यमान है **—किरेटिन**
* प्रोटीन की प्रचुरता वाले खाद्य पदार्थों में उपस्थित एमीनो अम्ल, टायरोसीन के बारे में सत्य नहीं है

  —यह बुढ़ापे के लिए उत्तरदायी मुक्त मूलकों के विरुद्ध रक्षा कर सकता है।
* गेहूं में रोटी बनाने के गुणों को प्रभावित करने वाला पदार्थ है **—ग्लूटिन**
* एक कठोर परिश्रम करने वाले पुरुष की दैनिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है **—4000 kilocalorie**
* एक ग्लास पानी पीने से मिलती है **—शून्य कैलोरी**
* भोजन का एक प्रमुख अंग है **—कार्बोहाइड्रेट**
* लंबे समय की कसरत का मुख्य ईंधन होता है **—कार्बोहाइड्रेट**
* हमारे शरीर में अम्लीयता तथा क्षारकता के बीच जो तत्व संतुलन बनाए रखता है, वह है **—फॉस्फोरस**
* ग्लाइकोजन, एमीनो अम्ल, वसा तथा टोकोफेरॉल में से वह यौगिक, जो मानव शरीर में संगृहीत नहीं रहता है **—एमीनो अम्ल**
* जामुन, करौंदा, लोकाट तथा अमरूद में से लौह प्रचुर मात्रा में पाया जाता है **—करौंदा में**
* निम्नलिखित खनिजों पर विचार कीजिए :

  1. कैल्शियम 2. लौह 3. सोडियम

  उपर्युक्त खनिजों में से मानव शरीर में पेशियों के संकुचन के लिए आवश्यकता होती है/हैं **—1, 2 और 3 की**
* पालक के पत्तों में सबसे अधिक मात्रा होती है **—आयरन की**

✷ गाजर, मटर, चावल तथा पालक में से लौह का अच्छा स्रोत है **—पालक**

✷ लौह का अंश सबसे अधिक पाया जाता है **—हरी सब्जियों में**

✷ बासमती चावल के दाने पकाने पर लंबे हो जाते हैं, क्योंकि उसमें बाहुल्य है **—एमाइलोज का**

✷ दूध में मिठास आ जाती है **—लैक्टोज की उपस्थिति के कारण**

✷ दूध में विद्यमान सैकेराइड है **—लैक्टोज**

✷ दूध खराब होता है **—लैक्टोबैसीलस बैक्टीरिया के कारण**

✷ दूध का दही में परिवर्तन होता है **—बैक्टीरिया द्वारा**

✷ गाय के दूध के हल्के पीले रंग का कारण है **—कैरोटीन की उपस्थिति**

✷ गाय का दूध पीले-सफेद रंग का होता है, जिसका कारण उसमें उपस्थिति है **—कैसीन के साथ कैरोटीन की**

✷ भैंस के दूध में औसत वसा की मात्रा होती है **— 7.2%**

✷ दूध को पचाने के लिए आवश्यक एंजाइम रेनिन और लैक्टेस, मानव शरीर में लुप्त हो जाते हैं **— 6 से 15 वर्ष की आयु के मध्य**

✷ दुग्ध प्रोटीन को पचाने वाला एंजाइम है **—रेनिन**

✷ कैसीन दुग्ध होता है/होती है **—प्रोटीन**

✷ दूध का धवल रंग होता है **—कैसीन की उपस्थिति के कारण**

✷ एग्लूटिनिन, कैसीन, मायोसिन तथा हीमोग्लोबिन में से वह प्रोटीन जो दूध में पाई जाती है **—कैसीन**

✷ शरीर में ऊतकों (Tissues) का निर्माण होता है **—प्रोटीन से**

✷ मानव शरीर की धीमी वृद्धि होती है **—प्रोटीन की कमी के कारण**

✷ वह जैवरूपांतरण जो मानव शरीर को अधिकतम ऊर्जा प्रदान करता है **—ATP→ADP**

✷ श्वसन में ऊर्जा उत्पादित होती है **—ए.टी.पी. के रूप में**

✷ सुमेलित हैं–

विटामिन बी$_{12}$	कोबाल्ट
हीमोग्लोबिन	लोहा
क्लोरोफिल	मैग्नीशियम
पीतल	तांबा
खाने का नमक	सोडियम क्लोराइड
कपड़े धोने का सोडा	सोडियम कार्बोनेट

✷ सुमेलित हैं–

सूची-I	**सूची-II**
विटामिन B_2	रिबोफ्लेविन
विटामिन B_6	पायरीडॉक्सिन
विटामिन B_{12}	कोबालामाइन

✷ लोहा, जस्ता, गंधक तथा मैंगनीज में से सूक्ष्म तत्व नहीं है **—गंधक**

✷ पपीता में मुख्यत: पाया जाता है **—विटामिन 'सी'**

✷ आम, पपीता, गाजर तथा दूध में से विटामिन A का प्राकृतिक स्रोत नहीं है **—दूध**

✷ एल्फा-किरैटिन एक प्रोटीन है, जो **—त्वचा में उपस्थित है**

✷ वह तत्व जो सभी प्रोटीनों में विद्यमान होते हैं **— कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन तथा नाइट्रोजन**

✷ प्रोटीन को विकृत नहीं करता है **—अवरक्त किरणें**

✷ तरुण तथा वृद्ध व्यक्तियों में प्रोटीन की आवश्यकताएं **—वृद्धों में उच्चतर और तरुणों में न्यूनतर होती है।**

✷ सामान्य क्रियाशील महिला के लिए प्रोटीन की उपयुक्त दैनिक मात्रा है **—45 ग्राम**

✷ दूध पिलाने वाली मां को प्रतिदिन आहार में आवश्यकता होती है **—70 ग्राम प्रोटीन की**

✷ 1. वह कम मोटा होता है।
2. उसमें रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता अधिक होती है।
3. उसे विटामिन और प्रोटीन अधिक मिलते हैं।
4. उसकी लंबाई में असामान्य वृद्धि होती है।
बोतल का दूध पीने वाले बच्चे की तुलना में मां का दूध पीने वाले बच्चे में उपरोक्त में से जो विशिष्ट लक्षण होते हैं, वह हैं **—1, 2 और 3**

✷ स्टार्च है, एक **—पॉलीसैकेराइड**

✷ (a) दोनों का वानस्पतिक उद्भव है।
(b) दोनों बहुलक है।
(c) आयोडीन के साथ दोनों रंग प्रदान करते हैं।
(d) दोनों ग्लूकोस अणु से निर्मित हैं।
स्टार्च और सेलुलोज के बारे में उपरोक्त कथनों में से सही नहीं है **— आयोडीन के साथ दोनों रंग प्रदान करते हैं**

✷ प्रोटीन, स्टार्च तथा रेशे में से लार की सहायता से पच जाता है **—स्टार्च**

✷ वह विटामिन जिसे हॉर्मोन माना जाता है **—D**

✷ रैटिनॉल, फोलिक अम्ल, एस्कॉर्बिक अम्ल तथा कैल्सिफेरॉल में से विटामिन-डी के सर्जन में पाया जाता है **—कैल्सिफेरॉल**

✷ सही कथन है **—दूध में विटामिन B_1, B_2, नियासिन, B_6, B_{12} आदि पाए जाते हैं।**

✷ अतिपोषण, अल्पपोषण तथा असंतुलित पोषण में से 'कुपोषण' होता है **—अल्पपोषण तथा असंतुलित पोषण से**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
(i) मानव भोजन में वसा अम्लों का एक भाग होना चाहिए।
(ii) सामान्य भोजन में 75 ग्राम वसा होनी चाहिए।
(iii) मानव शरीर कोशिकाएं किसी भी प्रकार के वसा अम्लों का संश्लेषण नहीं कर सकती हैं।
(iv) आवश्यक वसा अम्लों की अनुपस्थिति से न्यूनता रोग उत्पन्न होते हैं।
उपरोक्त में से सत्य कथन हैं
–(i), (ii) व (iv)

✷ अलसी प्रचुर स्रोत है **–ओमेगा-3 वसीय अम्ल का**

✷ अल्फा-लिनोलेनिक अम्ल (18 कार्बनयुक्त ओमेगा-3 फैटी अम्ल) का सर्वोत्तम स्रोत है **–अलसी**

✷ दूध में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के अतिरिक्त पोषणदायक अन्य तत्वों में सम्मिलित हैं **–कैल्शियम और पोटैशियम**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन (A) : विटामिन्स बलवर्धक तत्व हैं जिनकी अच्छे स्वास्थ्य के लिए थोड़ी मात्रा में आवश्यकता होती है।
कारण (R) : विटामिन्स हानिकारक बैक्टीरिया को मारकर शरीर को स्वस्थ रखने में सहायता करते हैं।
–(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ **कथन (A) :** मानव आहार में ग्लाइसिन, सेरीन और टाइरोसीन अनिवार्य रूप से शामिल होने चाहिए।
कारण (R) : अनिवार्य एमीनो अम्ल मानव शरीर में संश्लेषित नहीं किए जा सकते। **–(A) गलत है, परंतु (R) सही है।**

✷ सभी अनिवार्य एमीनो अम्ल उपस्थित हैं
–सोयाबीन तथा पशुओं से व्युत्पन्न खाद्य पदार्थों में पाए जाने वाले प्रोटीन में

✷ हमारे शरीर में त्वचा तल के नीचे विद्यमान वसा अवरोधक का काम करती है **–शरीर की ऊष्मा के क्षय के विरुद्ध**

✷ कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन तथा खनिज में वह जिसके चयापचयी प्रक्रम से अधिकतम ऊर्जा मिलती है **–वसा**

✷ अधिकांश प्राणियों के जीवित पदार्थ का लगभग 80% पदार्थ है
–प्रोटीन

✷ **कथन (A) :** असंतृप्त वसा संतृप्त वसाओं की तुलना में अधिक अभिक्रियाशील होते हैं।
कारण (R) : असंतृप्त वसाओं की संरचना में केवल एक आबंध होता है।
– (A) सही है, परंतु (R) गलत है

✷ अन्य पशुओं के मांस की तुलना में मछली का उपभोग स्वास्थ्यकर माना जाता है, क्योंकि मछली में होता है **–बहुअसंतृप्त वसा अम्ल**

✷ आहार-उत्पादों के विक्रय में जुटी एक कंपनी यह विज्ञापित करती है कि उसके उत्पादों में ट्रांस-वसा (ट्रांस-फैट्स) नहीं होती। उसके इस अभियान का उपभोक्ताओं के लिए अभिप्राय है
1. कंपनी के आहार उत्पाद हाइड्रोजनीकृत तेलों से नहीं निर्मित किए जाते
2. कंपनी के आहार उत्पाद पशु उत्पन्न वसा/तेलों से नहीं निर्मित किए जाते।
3. कंपनी के द्वारा प्रयुक्त तेल संभवतया उपभोक्ताओं के हृद्वाहिका स्वास्थ्य को क्षति नहीं पहुंचाएगा।
उपरोक्त में से सत्य कथन हैं **–तीनों कथन सही हैं**

अंतःस्रावी ग्रंथियां, हॉर्मोन

✷ सुमेलित हैं–

जनन ग्रंथि	–	प्रोजेस्टेरॉन
पीयूष ग्रंथि	–	वृद्धि हॉर्मोन
अग्न्याशय	–	इन्सुलिन
अधिवृक्क	–	कार्टीसोन

✷ सुमेलित हैं–

सूची-I (हॉर्मोन)	सूची-II (स्रावित ग्रन्थि)
प्रोजेस्टरोन	गर्भाशय (महिला)
टेस्टोस्टेरोन	अण्डाशय (पुरुष)
थायरॉक्सीन	थायरॉयड

✷ यदि किसी प्राणी को कार्बोहाइड्रेट से भरपूर चीजें खाने को दी जाएं तब भी उसके रक्त में शर्करा का सांद्रण स्थिर बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इसका कारण यह है कि प्राणियों के मामले में
–अग्नाशय के हॉर्मोन ऐसी परिस्थिति उत्पन्न करते हैं।

✷ अगर अग्न्याशय में खराबी हो, तो
–इन्सुलिन और ग्लुकागॉन नहीं बनेंगे

✷ अग्न्याशय को पाचक रस के उत्पादन के लिए उत्तेजित करने वाला हॉर्मोन है **–सिक्रिटिन**

✷ मधुसूदनी (इन्सुलिन) अंतस्राव (हॉर्मोन) एक **–पेप्टाइड है**

✷ इन्सुलिन होता है **–प्रोटीन**

✷ टिन, तांबा, जस्ता तथा एल्युमीनियम में से इन्सुलिन में मौजूद धातु है
–जस्ता

✷ **कथन (A) :** उदकमेह (डायबिटीज इन्सीपीडस) वाले व्यक्ति को प्रायः प्यास लगती है।
कारण (R) : उदकमेह वाला व्यक्ति वेसोप्रेसिन के अतिशय स्राव से ग्रस्त रहता है।
–(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ **कथन (A) :** ह्विस्की पीने से मूत्र त्याग की बारम्बारता बढ़ जाती है।
कारण (R) : एल्कोहॉल के अंतर्ग्रहण से शरीर में वैसोप्रेसिन का स्राव बढ़ जाता है।
—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ ग्लाइसीन, हिमोग्लोबिन, हिस्टेमीन, इन्सुलिन में से वह जिसकी कमी से मनुष्य में मधुमेह होता है **—इन्सुलिन**

✷ इन्सुलिन का उत्पादन किया जाता है— **—आइलेट्स ऑफ लैंगरहैंस द्वारा**

✷ मानव हॉर्मोन 'इन्सुलिन' उत्पन्न होता है **—अग्न्याशय में**

✷ इन्सुलिन एक प्रकार का **—हॉर्मोन है**

✷ साइटोकाइनिन, इथिलीन, इन्सुलिन तथा जिब्रलिन में से पादप हॉर्मोन नहीं है **—इन्सुलिन**

✷ इन्सुलिन, थायरोक्सिन, इस्ट्रोजन तथा साइटोकाइनिन में से पादप-हॉर्मोन है **—साइटोकाइनिन**

✷ इंसुलिन, थायरॉक्सिन, साइटोकाइनिन तथा इस्ट्रोजन में से पादप हॉर्मोन हैं **—साइटोकाइनिन**

✷ इन्सुलिन, थायरोक्सिन, आस्ट्रोजेन तथा सायटोकिनिन में से पौध वृद्धि हॉर्मोन (प्लांट हॉर्मोन) है **—सायटोकिनिन**

✷ इन्सुलीन प्राप्त होता है **—डहेलिया की जड़ों से**

✷ शरीर में अतिरिक्त ग्लूकोज, ग्लाइकोजन में परिवर्तित होकर भंडारित रहता है **—यकृत में**

✷ यकृत एवं मांसपेशियों में ऊर्जा जमा होती है **—ग्लाइकोजन के रूप में**

✷ मां और शिशु के बीच गले लगना या चूमना प्रेरित करता है **—ऑक्सीटोसिन**

✷ कैराटिन, फाइब्राइन, ऑक्सीटोसिन तथा कॉलाजन में से प्रोटीन नहीं है **—ऑक्सीटोसिन**

✷ वह ग्रंथि जो दुग्ध निष्कासन (हॉर्मोन) ऑक्सीटोसीन का स्रावण करती है **—पीयूष ग्रंथि**

✷ पीयूष ग्रंथि अपने प्रेरक हॉर्मोनों की वजह से अन्य अंतःस्रावी ग्रंथियों की स्रावी सक्रियताओं को नियंत्रित करती है। वह अंतःस्रावी ग्रंथि जो पीयूष ग्रंथि से स्वतंत्र कार्य कर सकती है **—परावटु**

✷ गाय और भैंस के थनों में दूध उतारने के लिए सुई लगाई जाती है **—ऑक्सीटोसिन की**

✷ सूखा सहिष्णुता से संबंधित हॉर्मोन है **—एबसिसिक अम्ल**

✷ थायरॉक्सिन (Thyroxine) है **—हॉर्मोन**

✷ आयोडीन युक्त हॉर्मोन है **—थायरॉक्सीन**

✷ आयोडीन-युक्त नमक उपयोगी होता है, क्योंकि यह **—थायरॉयड ग्रंथि का नियंत्रण करता है**

✷ **कथन (A) :** पहाड़ी क्षेत्रों में गोइटर (घेंघा रोग) एक सामान्य बीमारी है।
कारण (R) : पहाड़ी क्षेत्रों में लोगों के भोजन में आयोडीन की मात्रा कम होती है।
—(A) व (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) का सही व्याख्या है।

✷ आयोडीन युक्त हॉर्मोन थायरॉक्सिन है **—एक अमीनो अम्ल**

✷ थायराइड ग्रंथि से थायरॉक्सिन स्रावित करने के लिए उत्तेजित करने वाली अंतःस्रावी हॉर्मोन है **—TSH**

✷ थायरॉक्सिन, टेस्टोरेस्टॉन, इन्सुलिन तथा एड्रिनलीन (हॉर्मोनों) में से आयोडीन है **—थायरॉक्सिन में**

✷ सुमेलित हैं—

एड्रीनेलीन	क्रोध, भय, खतरा
एस्ट्रोजन	स्त्रियां
इन्सुलिन	ग्लूकोज
फेरोमोन	गंध के बोध से साथी को आकर्षित करना

✷ 'लड़ो और उड़ो' हॉर्मोन कहलाता है **—एड्रीनेलीन**

✷ वह हॉर्मोन जिसके स्रावित होने से हृदय गति बढ़ जाती है तथा उत्तेजना का अनुभव होता है **—एड्रीनेलीन**

✷ 'परितृप्ति' एवं 'प्यास' के केंद्र मानव मस्तिष्क के जिस भाग में अवस्थित हैं, वह है **—हाइपोथैलेमस**

✷ एस्ट्रोजन उत्पादित होता है **—पुटिका द्वारा**

✷ एस्ट्रोजन है **—हॉर्मोन**

✷ स्त्रियों में रजोनिवृत्ति के पश्चात जिस (हॉर्मोन) का उत्पादन समाप्त हो जाता है, वह है **—प्रोजेस्टेरोन**

✷ मानव शरीर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
1. किसी व्यक्ति द्वारा व्यायाम करने पर सोमैटोट्रोपिन का उत्पादन बढ़ जाता है।
2. पुरुषों की अंड-ग्रंथियां प्रोजेस्टेरोन उत्पन्न करती हैं।
3. महिलाओं की अधिवृक्क ग्रंथियां टेस्टोस्टेरॉन उत्पन्न करती हैं।
4. प्रतिबल के कारण अधिवृक्क ग्रंथियों से सामान्य की तुलना में बहुत ही कम मात्रा में कॉर्टिसोल मोचित होता है।
इनमें से सत्य कथन हैं **—1 और 4**

✷ सुमेलित हैं—

हॉर्मोन	टेस्टोस्टेरोन
एंजाइम	लाइपेस
फास्फोलिपिड	लेसिथिन
बहुलक	पालीइथीन

✷ निम्न पर विचार कीजिए—
(i) यह मानव शरीर की दूसरी सबसे बड़ी ग्रंथि है।
(ii)इसका रस एक विशेष प्रकार की कोशिकाओं से स्रावित होता है तथा क्षारीय होता है।
(iii)इसके रस को पूर्ण पाचक रस कहा जाता है।
ये गुण विशिष्ट हैं— **—अग्न्याशय के**

✷ यकृत, पसीने की ग्रंथि, अंत:स्रावी ग्रंथि तथा गुर्दा में से मनुष्य के शरीर में वाहिनीहीन है **—अंत:स्रावी ग्रंथि**

✷ मानव शरीर में रक्त कैल्शियम और फॉस्फेट को विनियमित करता है **—परावटु (पैराथायराइड) हॉर्मोन**

✷ मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि होती है **—यकृत**

✷ मानव शरीर में सबसे छोटी अंत:स्रावी ग्रंथि है **—पिट्यूटरी**

✷ प्लीहा, अग्नाशय, अपेन्डिक्स तथा पित्ताशय अंगों में से पित्त का संचय होता है **—पित्ताशय में**

✷ शरीर में पित्त का निर्माण होता है **—यकृत में**

✷ सामान्य मानव के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–

1. HCL की मौजूदगी की अनुक्रिया के रूप में ग्रहणी से सेक्रिटिन उत्पन्न होती है।

2. वसीय अम्लों की मौजूदगी की अनुक्रिया के रूप में क्षुद्रांत्र से एंटेरोगेस्ट्रॉन उत्पन्न होता है।

इनमें से सत्य कथन है/हैं **— 1 और 2 दोनों**

✷ चंद्रशेखर आजाद कृषि और तकनीकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक पदार्थ बनाया है, जो दलहनी फसलों के पुष्पों के झड़ने के प्रतिशत को कम कर सकता है ताकि दालों का उत्पादन बढ़ सके। वह पदार्थ है **—एक वृद्धि हॉर्मोन जिसे TIVA कहते हैं।**

✷ गैसीय स्थिति में पाया जाने वाला हॉर्मोन है **—एथिलीन**

✷ हरे फलों को कृत्रिम ढंग से पकाने हेतु प्रयुक्त गैस है **—एसीटिलीन**

✷ साइटोकाइनिन, एब्सिसिक अम्ल तथा एथिलीन में से वह पादप हॉर्मोन जो मुख्यत: फल परिपक्वता के लिए उत्तरदायी है **—एथिलीन**

कार्यिकी

✷ जब चीटियां काटती हैं, तो वे अंत:क्षेपित करती हैं **—फॉर्मिक अम्ल**

✷ नृशंस प्राणी है **—ह्वेल**

✷ हृदय, फेफड़ा, यकृत तथा वृक्क में से वह भाग जो शरीर ताप को नियंत्रित रखता है **—फेफड़ा**

✷ सामान्य मानव शरीर का तापक्रम होता है **— औसतन 98.6 डिग्री फॉरेनहाइट**

✷ मनुष्य के शरीर का सामान्य तापमान है **—37^0C**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. फीताकृमि (Tapeworm) उभयलिंगी (Hermaphrodite) हैं।
2. गोलकृमि (Round Worm) के अलग-अलग लिंग (Sex) होते हैं।
3. फाइलेरिया (Filaria) सूत्रकृमि (Nematode) से होता है।
4. गिनीकृमि (Guinea Worm) ऐनेलिड (Annelid) है।

इनमें से सत्य कथन हैं **—1, 2 और 3**

✷ घटपर्णी, अमरबेल, ब्लेडरवर्ट तथा सूरजमुखी में से परजीवी पौधा है **—अमरबेल**

✷ मां पौधे की भांति पौधा मिलता है **—तना काट से**

✷ निम्नलिखित पादपों पर विचार कीजिए–

1. बोगेनविलिया 2. कार्नेशन
3. कोको 4. अंगूर

इनमें से वह पादप जो स्तंभ कर्तन द्वारा प्रवर्धित किए जाते हैं **—1, 2, 3 और 4**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. मुसम्मी के पौधे का प्रवर्धन कलमबंध तकनीक द्वारा होता है।
2. चमेली के पौधे का प्रवर्धन दाब तकनीक द्वारा होता है।

उपर्युक्त कथनों में से सही है/हैं **—1 और 2 दोनों**

✷ मानव मस्तिष्क का वह भाग जो निगरण और उल्टी का नियमन केंद्र है **—मेडुला ऑब्लांगेटा**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

कथन (A) : सोते समय तीव्र प्रकाश अवांछनीय होता है।

कारण (R) : तीव्र प्रकाश में शरीर में मेलाटोनिन का उत्पादन अधिक होता है।

—(A) सत्य है किंतु (R) असत्य है।

रोग एवं उपचार

✷ शरीर के जोड़ों में गठिया रोग (आर्थराइटिस) होता है **—यूरिक अम्ल के जमाव से**

✷ मिलावटी सरसों के तेल में पके भोजन को खाने वाले लोगों में होने वाली खतरनाक 'ड्राप्सी' का कारण है (जैसा कि भारत में हुआ) **—सरसों के तेल में आर्जीमोन तेल की मिलावट, सरसों के तेल में सायनायड अंश, उजला रंग करने वाली मिलावट आदि**

✷ ''यह एकल कोशिका के रूप में उत्पन्न होता है और ऐसे निर्दयी रोग का रूप धारण कर लेता है जिससे प्रतिवर्ष लाखों लोग मौत के घाट उतर जाते हैं। पर वैज्ञानिक धैर्यपूर्वक इसके रहस्यों का उद्घाटन करने में लगे हैं और इसके विरुद्ध संघर्ष एक नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया लगता है........ के विरुद्ध युद्ध में नई खोजें श्रेष्ठतर चिकित्सा के लिए विश्वास और आशा का संचार कर रही है।''

ऊपर के उद्धरण में निर्दिष्ट रोग है– **—कैंसर**

✷ जैविक रूप से संश्लेषित नैनो कणों का उपयोग एक नई पारिस्थितिकी मित्र तकनीक है, जिसकी कैंसर उपचार में बड़ी संभावनाएं हैं। इस तकनीक में एक पौधे के निचोड़ का उपयोग करते हैं। यह पौधा है **—पार्थीनियम**

- ✷ एल्कोहॉल के निराविषन के लिए मानव अंगों में उत्तरदायी है **—यकृत**
- ✷ मलेरिया से प्रभावित होने वाला अंग है **—प्लीहा (तिल्ली)**
- ✷ प्लाज्मोडियम परजीवी की वाहक है **—मच्छर**
- ✷ मच्छर, मक्खी तथा जूं में से प्लाज्मोडियम परजीवी का वाहक है **—मच्छर**
- ✷ मलेरिया तथा डेंगू में ज्वर, मच्छर की काट, मानव प्रजाति तथा मच्छर प्रजाति में से उभयनिष्ठ नहीं है **—मच्छर प्रजाति**
- ✷ स्कर्वी, डेंगू, निमोनिया तथा दमा में से वह रोग जो कीट के काटने से होता है **—डेंगू**
- ✷ डेंगू एक बुखार है, जो उत्पन्न होता है तथा दूसरे मनुष्यों में पहुंचता है **—वायरस और मादा एडीज मच्छर द्वारा**
- ✷ डेंगू बुखार में मानव शरीर में कमी हो जाती है **—प्लेटलेट्स की**
- ✷ पीला बुखार फैलता है **— 'ईडीज इजिप्टि' (Aedes Aegypti) जाति के मच्छरों द्वारा**
- ✷ वह वैज्ञानिक जिसने यह खोज की थी कि मलेरिया-प्लाज्मोडियम (Malaria Plasmodium) नामक परजीवी से होता है **—सर रोनाल्ड रॉस**
- ✷ मलेरिया, कॉलरा तथा जांडिस में वह रोग जो प्रोटोजोआ द्वारा होता है **—मलेरिया**
- ✷ एक जीव के संपूर्ण संजीन (सभी जीनों की संपूर्णता) का अनुक्रमण वर्ष 1996 में पूरा हुआ था, वह जीव था **—प्लाज्मोडियम वाइवैक्स**
- ✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
  1. डेंगू मच्छरों द्वारा संचारित प्रोटोजोआ रोग है।
  2. प्रत्येक-नेत्रगुहा पीड़ा डेंगू का लक्षण नहीं है।
  3. त्वचा पित्तिका नाक से रक्त स्राव डेंगू के कुछ लक्षण हैं।

  उपरोक्त कथनों में से सही है/हैं **—केवल 3**
- ✷ मलेरिया के संबंध में सत्य कथन हैं— **यह मच्छरों द्वारा फैलाई जाती है, यह दलदली क्षेत्रों में अधिकतर होती है तथा इसके इलाज में क्लोरोक्विन का उपयोग होता है।**
- ✷ भारत में मलेरिया के 65% रोगियों के लिए उत्तरदायी है **—पी. वाइवैक्स परजीवी**
- ✷ पीत ज्वर, डेंगू, चिकनगुनिया तथा जापानी एनसेफेलाइटिस रोगों में वह जो टाइगर मच्छरों द्वारा संचालित नहीं होता है **—जापानी एनसेफेलाइटिस**
- ✷ एन्थोफोबिया का डर है **—पुष्पों का**
- ✷ हाइड्रोफोबिया होता है **—विषाणु के द्वारा**
- ✷ मस्तिष्क तथा मेरुरज्जु पर चढ़ी झिल्ली में सूजन आ जाने से होने वाला रोग है **—मेनेन्जाइटिस**
- ✷ 1. मानव शरीर में ऊर्विका (फीमर) सबसे लंबी अस्थि है।
  2. हैजा रोग जीवाणु के द्वारा होता है।
  3. ''एथलीट फुट'' रोग विषाणु के द्वारा होता है।

  उपरोक्त कथनों में से सत्य हैं **—1 और 2**
- ✷ भारत में जन्में प्रत्येक 200 शिशुओं में एक अतिसार से मर जाता है, जिसका कारण है **—रोटावाइरस**
- ✷ वातोत्माद (हिस्टीरिया) रोग सामान्यतः होता है **—जवान महिलाओं में**
- ✷ 'सिलिकॉसिस' एक है **—फेफड़े संबंधित बीमारी**
- ✷ सही सुमेलन है—

रक्ताल्पता (एनीमिया)	-	लौह-तत्व की कमी
गला घोंटू (ग्वायटर)	-	आयोडीन की कमी
रतौंधी (नाइट-ब्लाइंडनेस)	-	विटामिन 'ए' की कमी
बेरी-बेरी	-	विटामिन 'बी' की कमी

- ✷ घेंघा रोग हो जाता है **—आयोडीन की कमी से**
- ✷ आयोडीन उन बीमार व्यक्तियों को दी जाती है, जो पीड़ित होते हैं **—घेंघा से**
- ✷ उन देशों में जहां के लोगों का मुख्य खाद्यान्न पॉलिश किया हुआ चावल है, लोग पीड़ित हैं **—बेरी-बेरी से**
- ✷ बीमारी पता करने के यंत्र MRI का मतलब होता है **—चुंबकीय रेजोनेन्स चित्रीकरण**
- ✷ एमआरआई है **—मैग्नेटिक रेज़ोनेन्स इमेजिंग**
- ✷ BMD परीक्षण किया जाता है पहचान करने के लिए **—ऑस्टियोपोरोसिस को**
- ✷ BMD परीक्षण किया जाता है **—अस्थिरंध्रता हेतु**
- ✷ BMD परीक्षण का पूर्ण रूप है **—बोन मिनरल डेंसिटी**
- ✷ जो मनुष्य यह नहीं समझ पाता कि कब उसे भोजन करना रोक देना चाहिए, वह पीड़ित है **—बुलीमिया से**
- ✷ भोजन विषाक्तता का कारण होता है **—सैल्मोनेला बैसिलाई**
- ✷ भोजन का विषाक्त होना (बाटुलिज्म) उत्पन्न होता है **—क्लोस्ट्रिडियम के संदूषण से**
- ✷ अर्गटाप्यय, उपभोग से होता है **—संदूषित अन्न के**
- ✷ इटाई-इटाई रोग होता है **—कैडमियम के दीर्घकालीन विषाक्तन से**
- ✷ शरीर में वह स्थिति जिसे कैंसर कहते हैं **—सेलों का अनियंत्रित बहुगुणन होना इससे स्वस्थ सेलों का दम घुटना और अंततः मृत्यु होना।**

* फेनिलकीटोनमेह उपापचय की जन्मजात भूल का एक उदाहरण है। इस 'भूल' से निर्देश है **—एंजाइम के वंशागत अभाव का**
* एक व्यक्ति, जो फेनिलकीटोन्यूरिया रोग से प्रभावित है **—उसमें मानसिक जड़ता की स्थिति उत्पन्न हो जाती है**
* यदि कोई मानवीय रोग विश्व के बृहत क्षेत्र में फैलता है, तो उसे कहते हैं **—पेंडेमिक**
* डी.पी.टी. का टीका दिया जाता है **—डिफ्थीरिया, कुकुर-खांसी, टिटेनस से सुरक्षा हेतु**
* तृतीयक प्रतिजन डीपीटी बच्चों को दी जाती है **—रोहिणी, कुकर-खांसी, टिटेनस से बचाव के लिए**
* DPT का टीका काम नहीं आता है **—पोलियो के**
* नवजात शिशु को ''ट्रिपल एंटीजन वैक्सीन'' लगाई जाती है **—कुकुर-खांसी, टिटनेस और डिप्थीरिया रोगों से प्रतिरक्षित करने के लिए**
* विषाणु जनित बीमारियां हैं **—मम्स, रेबीज़, हर्पीज़**
* एड्स, डिप्थीरिया, हैजा तथा काली खांसी में से वह रोग जिसका कारक जीवाणु नहीं होता है **—एड्स**
* 'ब्ल्यू बेबी' नामक प्रदूषण कारित बीमारी होती है **— पेयजल में नाइट्रेट के अधिक विद्यमान होने के कारण**
* बहुचर्चित 'बबल-बेबी रोग' ऐसा इसलिए कहलाता है क्योंकि **—रोगग्रस्त शिशु का उपचार जर्म रहित प्लास्टिक के बुलबुले में किया जाता है।**
* 'ब्लू बेबी सिंड्रोम' नामक बीमारी होती है **—शरीर में मिथेमोग्लोबिन की अधिकता से**
* चिकित्सकीय भाषा में 'गोल्डेन आवर' का संबंध है **—हृदयाघात से**
* बीटा-ब्लॉकर एक औषधि है **—हृदयाघात से बचाने हेतु**
* हृदय की धड़कन नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है **—पोटैशियम**
* पोटैशियम अल्पता से संबद्ध है **—निम्न रक्तचाप**
* यदि मूत्र में एल्बुमिन आ रहा हो, तो ऐसे व्यक्ति में संभावना होती है **—वृक्क के फेल होने की**
* लंबे समय तक उपवास रखने का सर्वाधिक प्रभाव शरीर के जिस अंग पर पड़ता है, वह है **—गुर्दे पर**
* वृक्क से मूत्र की मात्रा का निस्तारण नियंत्रित होता है, हॉर्मोन **—ADH द्वारा**
* सुमेलित क्रम है–

आर्सेनिक-74	–	ट्यूमर की पहचान
कोबाल्ट-60	–	कैंसर
आयोडीन-131	–	थायरॉइड ग्रंथि सक्रियता
सोडियम-24	–	रक्त व्यतिक्रम

* ट्यूमर की पहचान हेतु प्रयुक्त रेडियोधर्मी समस्थानिक है **—आर्सेनिक-74**
* सुमेलित हैं–

कोबाल्ट-60	–	शरीर के अन्तरंग के अर्बुद का उपचार
आयोडीन-131	–	थायरॉइड अर्बुद का उपचार
फास्फोरस-32	–	श्वेतरक्तता का उपचार
गोल्ड-198	–	कैंसर उपचार में

* मनुष्य के शरीर में रक्त प्रवाह की गति के मापन में उपयोग किया जाता है **—रेडियो-सोडियम का**
* रक्त कैंसर (ल्यूकीमिया) बीमारी की रोकथाम के लिए प्रयोग किए जाने वाला रेडियो समस्थानिक है **—फॉस्फोरस-32 एवं कोबाल्ट- 60**
* ओंकोजीन संबंधित है **—कर्क रोग से**
* कोबाल्ट-60 आमतौर पर विकिरण चिकित्सा में प्रयुक्त होता है, क्योंकि यह उत्सर्जित करता है **—गामा किरणें**
* ट्यूमर संसूचित करने में प्रयुक्त रेडियो समस्थानिक है **—As-74 (आर्सेनिक-74)**
* रक्त कैंसर को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला रेडियोधर्मी समस्थानिक है **—फॉस्फोरस-32 एवं कोबाल्ट-60**
* ल्यूकेमिया एक प्रकार का कैंसर है जिसमें असाधारण बढ़ोत्तरी होती है **—श्वेत रक्त कोशिकाओं की संख्या में**
* तीव्रता एवं प्रयुक्तता के आधार पर कर्क रोग उत्पन्न कर सकता है तथा उसका उपचार भी करता है **—आयनीय विकिरण**
* हीमोफीलिया एक आनुवंशिक रोग है जिसका वहन **—स्त्रियां करती हैं और जो प्रकट पुरुषों में होता है।**
* अधिरक्तस्राव है **—एक आनुवंशिक विकार**
* रॉयल हीमोफीलिया, टे-सैक्स रोग, पुटीय तन्तुमयता तथा हाइपरटेंशन में से आनुवांशिक रोग लिंग-सहलग्न है **—रॉयल हीमोफीलिया**
* हीमोफीलिया एक आनुवांशिक विकार है, जो उत्पन्न करता है **—रक्त का स्कंदन न होना**
* हीमोफीलिया, ट्यूबरकुलोसिस, कैंसर तथा पेचिश में से वह व्याधि जो आनुवंशिक है **—हीमोफीलिया**
* आनुवांशिक अव्यवस्था है **—डाउन सिंड्रोम, हीमोफीलिया और दात्र-कोशिका अरक्तता**
* वह जो लिंग गुणसूत्र में विद्यमान अप्रभावी जीन के निष्पीडन से उत्पन्न होता है **—पेशी दुष्पोषण**
* 'सेरेब्रल पाल्सी' एक मस्तिष्क संबंधी विकार है, जो सामान्यतया पाया जाता है **—छोटे बच्चों में**
* एल्जाईमर (Alzheimer) रोग में मानव शरीर का जो अंग प्रभावित होता है, वह है **—मस्तिष्क**

- हाल ही में वैज्ञानिकों ने उस प्रोटीन की खोज कर ली है जो मस्तिष्क के खतरनाक रोग एल्जाईमर को उत्पन्न करता है। वह प्रोटीन है **—एमीलाइड प्रीकर्सर प्रोटीन**
- हानिकारक विकिरणों से सबसे कम सुप्रभाव्य अंग है– **—मस्तिष्क**
- मनुष्य के अंगों में हानिकारक विकिरणों से सर्वाधिक सुप्रभाव्य है **—आंख**
- पोलियो का वायरस शरीर में प्रवेश करता है **—दूषित भोजन तथा जल से**
- पोलियो का कारण है **—विषाणु**
- पोलियो के टीके की खोज की **—जोन्स साल्क ने**
- साल्क टीका संबंधित है **—पोलियो से**
- वह बीमारी जिसके लिए ट्राइवैलेंट के स्थान पर बाईवैलेंट ओ.आर.वी. देने का निर्णय भारत सरकार ने लिया है **—पोलियो**
- 'एथलीट फूट' (Athelet's Foot) बीमारी होती है **—फफूंद से**
- ब्रेन की बीमारी को पहचाना जाता है **—ई.ई.जी. द्वारा**
- ई.ई.जी. से जिस अंग की कार्यप्रणाली प्रकट होती है, वह है **—मस्तिष्क**
- पेथोजीन, जो सामान्य जुकाम के लिए उत्तरदायी है, है **—रिनो वायरस**
- विषाणु संक्रमित कर सकते हैं **—जीवाणुओं को, कवकों को तथा पादपों को**
- खुजलाने से खाज मिटती है क्योंकि **—इससे कुछ तंत्रिकाएं उद्दीप्त होती हैं, जो मस्तिष्क को प्रतिहिस्टामिन रसायनों का उत्पाद बढ़ाने का निर्देश देती हैं।**
- एनोस्मिया कहते हैं **—घ्राण संवेदना की कमी को**
- डाउन सिंड्रोम (Down Syndrome) एक आनुवांशिक विकार है, जो होता है **—गुणसूत्रों की संख्या में परिवर्तन के कारण**
- यकृत रोग हेपेटाइटिस-बी का कारक है **—डी.एन.ए. वायरस**
- हेपेटाइटिस B की बीमारी होती है **—वायरस के द्वारा**
- हेपेटाइटिस रोग से मनुष्य शरीर का सीधा प्रभावित होने वाला अंग है **—यकृत (लीवर)**
- डिफ्थीरिया, मलेरिया, हैजा तथा हेपेटाइटिस में से वह रोग जो वायरस द्वारा होता है **—हेपेटाइटिस**
- सल्फा दवाइयां कारगर हैं **—जीवाणुओं द्वारा होने वाली बीमारियों के लिए**
- यक्ष्मा और कुष्ठ दोनों की चिकित्सा के लिए उपयुक्त है **—एमिनोसैसिलिक एसिड**
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, आज के समय में सर्वाधिक संख्या में लोगों के प्राण लेने वाला रोग है **—यक्ष्मा (T.B.)**
- प्रतिवर्ष 5 लाख भारतीय एक रोग से मरते हैं। वह रोग है **—क्षय रोग**
- जीवाणुओं से उत्पन्न होता है **—तपेदिक**
- तपेदिक रोग का कारण है **—जीवाणु**
- सही सुमेलित हैं–

स्वप्रतिरक्षित रोग	-	संधिवात संधिशोथ
पामा रोग	-	चिंचड़ी
मानसिक रोग	-	मनोविदलता

- क्षय रोग (टीबी) के परीक्षण हेतु विशिष्ट परीक्षण है- **—मैंटॉक्स का परीक्षण**
- सुमेलित हैं–

खैरा	–	जस्ते की म्लानता
एनीमिया	–	लौह की म्लानता
ग्वाइटर (गलघोंटा)	–	आयोडीन की म्लानता
स्कर्वी	–	विटामिन सी की म्लानता

- 'टिटेनस नामक रोग जाना जाता है **—लॉक्जा नाम से भी**
- मिनीमाता व्याधि जिस धातु की हानिकारक मात्रा के कारण हुई, वह है **—पारा (Mercury)**
- मिनामाता व्याधि का मुख्य कारण है **—पारद विषाक्तता**
- जापान में वर्ष 1953 में मिनिमाता व्याधि हुई थी, उन मछलियों को खाने से जो संक्रमित थीं **—पारद द्वारा**
- प्लेग, पीत ज्वर, मलेरिया तथा डेंगू में से संक्रमित मच्छर के काटने से नहीं होता है **—प्लेग**
- एलर्जी के कारण होता है **—अस्थमा की बीमारी**
- यदि एक व्यक्ति केवल दूध, अंडों एवं रोटी का आहार करता है, तो उसको हो सकता है **—स्कर्वी रोग**
- आम, पपीता, आंवला तथा बेर में से स्कर्वी रोग के इलाज में उपयोगी है **—आंवला**
- रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 'लुकोस्किन' (Lukoskin) नामक एक औषधि विकसित की है। इसका इस्तेमाल किया जा रहा है **—ल्यूकोडर्मा के इलाज हेतु**
- सुमेलित हैं–

हीमोफीलिया	–	आनुवांशिक रोग
डायबिटीज	–	हॉर्मोन की गड़बड़ी
रिकेट्स	–	हीनताजन्य रोग
रिंगवार्म	–	कवकी संक्रमण

- सुमेलित हैं–

निमोनिया	-	फेफड़े
मोतियाबिंद	-	आंख
पीलिया	-	यकृत

✷ सुमेलित हैं–

मलेरिया	रक्त कोशिकाएं
फाइलेरिया	लसीका ग्रंथि
ऐन्सीफलाइटिस (मस्तिष्क शोथ)	मस्तिष्क
ल्यूकीमिया (श्वेतरक्तता)	बोन मैरो (अस्थि मज्जा)

✷ सुमेलित हैं–

सूची-I (व्याधि)	**सूची-II (कारण)**
मेरैस्मस	दीर्घकालीन उपवास
क्वाशियोरकर	प्रोटीन अल्पता
टी.बी.	जीवाणु संक्रमण
हेपेटाइटिस बी	विषाणु संक्रमण

✷ बच्चों में प्रोटीन की न्यूनता के कारण जो रोग उत्पन्न होता है, वह है **—मैरास्मस**

✷ सुमेलित हैं–

प्लेग	चूहा
रेबीज	कुत्ता
टेपवर्म	सुअर
पोलियो	विषाणु

✷ गोलकृमि (निमेटोड) से होने वाला रोग है **—फाइलेरिया**

✷ सुमेलित हैं–

वायु द्वारा	टी. बी.
पानी द्वारा	कॉलरा (हैजा)
संपर्क से	सिफलिस
घाव द्वारा	टिटेनस

✷ सुमेलित हैं–

मलेरिया	प्रोटोजोआ (Protozoan)
तपेदिक	जीवाणु (Bacteria)
दाद	कवक (Fungi)
एड्स	विषाणु
गंजापन	कवक

✷ सही सुमेलित हैं–

वर्णांधता, हीमोफीलिया और दात्र कोशिका अरक्तता — **आनुवंशिक**

✷ निम्नलिखित रोगों पर विचार कीजिए

1. डिफ्थीरिया
2. छोटी माता (चिकेनपॉक्स)
3. चेचक (स्मॉलपॉक्स)

उपर्युक्त में से भारत में उन्मूलन हो चुका है **—चेचक का**

✷ सुमेलित हैं–

प्लेग	पिस्सुओं के काटने से फैलता है।
फाइलेरिया	मच्छरों से होता है।
बेरी-बेरी	विटामिन 'बी' की कमी से होता है।
टाइफाइड	आंतों को प्रभावित करता है।
निमोनिया	फेफड़े

✷ अबिन्दुकता एक बीमारी है **—आंखों की**

✷ मायोपिया दोष है **—नेत्र का**

✷ निकट दृष्टि दोष को ठीक किया जाता है **—अवतल लेंस प्रयुक्त करके**

✷ दृष्टि दोष 'मायोपिया' वाला व्यक्ति देख सकता है **—नजदीक स्थित वस्तु को स्पष्ट रूप से**

✷ दूरदृष्टि से पीड़ित व्यक्ति को कठिनाई होती है **—पास की वस्तु स्पष्ट देखने में**

✷ आंख का वह भाग जिसमें 'अंध बिंदु' या 'पीत बिंदु' पाए जाते हैं **—दृष्टिपटल**

✷ रेटिना अपवृद्धि है **—अग्र मस्तिष्कपश्च की**

✷ मनुष्य की आंख में प्रकाश तरंगें स्नायु उद्वेगों में परिवर्तित होती हैं **—अक्षपट (रेटिना) पर**

✷ यदि आंख का लेंस अपारदर्शी हो जाए तो आंख का रोग कहा जाता है **—मोतियाबिंद**

✷ ब्रॉड स्पेक्ट्रम औषधि है– **—क्लोरेम्फेनीकॉल**

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची-I	**सूची-II**
एट्रोपीन	तारा विस्फारण
ईथर	स्थानीय संज्ञाहरण
नाइट्रोग्लिसरीन	हृदय की तकलीफ
पाइरेथ्रियन	मच्छर नियंत्रण

✷ मानव आंखों की पुतली जिस एल्कलायड के अति तनु विलयन से फैलाई जाती है, वह है **—एट्रापिन**

✷ निद्रा रोग (Sleeping Sickness) नामक बीमारी होती है **—ट्रिपैनोसोमा नामक एककोशीय जीव से**

✷ स्लीप एप्निया एक भयंकर निद्रादोष है, जिसमें लोग

—निद्रा में बार-बार थोड़ी-थोड़ी देर के लिए श्वास बाधित होता रहता है।

✷ एड्स का संचरण होता है–

1. लैंगिक संभोग से
2. रक्ताधान से
3. मच्छरों और अन्य रक्तचूषक कीटों से
4. अपरा (Placenta) के संपर्क से

उपरोक्त में से सत्य हैं **—1, 2 और 4**

✷ एच.आई.वी. एड्स रोग नहीं फैलता है

—मच्छर के काटने से

✷ एक रोगग्रस्त मानव शरीर की निम्न अवस्थाओं पर विचार कीजिए–

1. सूजे हुए लसिका पर्व 2. रात्रि में पसीना आना

3. स्मृति का लोप 4. वजन का घटना

इनमें से एड्स के लक्षण हैं

—1, 2, 3 और 4

✷ निम्न कथनों पर विचार कीजिए–

कथन (A) : AIDS में विशिष्ट रक्षा प्रणाली प्रभावित हो जाती है।

कथन (R) : AIDS में T लिम्फोसाइट पूर्णतया नष्ट हो जाते हैं।

—(A) सही है और (R), (A) की सही विवेचना है।

✷ HIV द्वारा होने वाला रोग है **—एड्स**

✷ एड्स का कारण है **—वायरस (विषाणु)**

✷ एड्स विषाणु में होता है **—RNA + प्रोटीन**

✷ एड्स के लिए उत्तरदायी विषाणु उदाहरण है **—रेट्रो विषाणु का**

✷ 1. चिकनगुन्या 2. यकृतशोथ

3. HIV-AIDS

उपर्युक्त बीमारियों में से वह जो टैटू बनवाने के द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संचरित हो सकती है/हैं

—केवल 2 और 3

✷ वह प्रभेद जो भारत में प्रभावी है **—एच.आई.वी. $1_{सी}$**

✷ ए.आई.डी.एस. (एड्स) संक्षिप्त रूप है

—एक्वायर्ड इम्यून डेफिशियेन्सी सिंड्रोम का

✷ एड्स वायरस एच.टी.एल.वी. III की खोज की थी,

—रॉबर्ट गेलो ने

✷ AIDS विषाणु के लिए सबसे ज्यादा आजमाई गई दवा है

—जीडोवुडिन (एजीडोथाइमिडीन)

✷ एलिसा (ELISA) परीक्षण किया जाता है

—एड्स पहचानने के लिए

✷ बायोलॉजिकल रीसर्फेसिंग एक आधुनिक शल्य तकनीक है, जिसके द्वारा उपचार करते हैं

— घुटनों, कंधों, नितंबों, एड़ी जैसे कशेरुकी प्राणियों के शरीर के जोड़ों का

✷ जापानी एनसेफेलाइटिस का कारक होता है

—विषाणु

✷ सुअरों को मानव रिहायशी क्षेत्र से दूर रखना सहायक है

—जापानी एंसेफेलाइटिस के उन्मूलन में

✷ शरीर में लोहे की कमी से हो जाती है **—रक्तक्षीणता**

✷ शरीर के अंदर लौह की कमी से उत्पन्न होने वाला रोग है-

—रक्तहीनता

✷ वह रोग जिसे एंटीबायोटिक्स द्वारा ठीक नहीं किया जा सकता

—मीसल्स (खसरा)

✷ खसरा की बीमारी होती है **—वायरस से**

✷ मदिरा के अतिशय सेवन से होता है

—यकृत का सूषणरोग

✷ ओरल सबम्युकस फाइब्रोसिस बीमारी का कारण है

—तंबाकू युक्त गुटखा

✷ पीलिया से दुष्प्रभावित होता है **—यकृत**

✷ मम्स, कालरा, तपेदिक तथा पीलिया में से सबसे कम संक्रामक है

—पीलिया

✷ कवक के कारण होता है **—त्वचा का प्रदाह रोग**

✷ प्रत्यूर्जता, वर्णांधता, एड्स तथा गंजापन में से कवक-जनित रोग है

—गंजापन

✷ संक्रामक बीमारी है

— एड्स, छोटी माता, गलसुआ

✷ स्त्रियों की तुलना में अधिक पुरुष वर्णांधता से पीड़ित हो सकते हैं, क्योंकि **—उनमें केवल एक X क्रोमोसोम होता है**

✷ **कथन :** चेचक (Small Pox) विषाणु (Virus) द्वारा होता है।

कारण : मरीज को पृथक बिस्तर पर रखना चाहिए।

—कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण कथन पर आधारित है।

✷ 'इम्यूनोलॉजी' का जनक है **—एडवर्ड जेनर**

✷ एक वर्णांध पुरुष एक सामान्य महिला से विवाह करता है। वर्णांधता के लक्षण उत्पन्न होंगे, उसके **—पुत्रियों के पुत्रों में**

✷ आनुवंशिक विकारों के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिए–

एक महिला वर्णांध है पर उसका पति वर्णांध नहीं है। इनके एक पुत्र और एक पुत्री है। इस संदर्भ में जिस कथन के सही होने की सर्वाधिक संभावना है, वह है

—पुत्र वर्णांध है किंतु पुत्री वर्णांध नहीं है।

✷ एक वर्णांध (colour blindness) पुरुष का विवाह एक सामान्य स्त्री से होता है जिसके माता-पिता की दृष्टि भी सामान्य थी उनके बच्चों की वर्णांध होने की संभावना है

—50%

✷ 'रानीखेत बीमारी' संबंधित है **—मुर्गियों से**

✷ मुर्गियों में रिकेट्स रोग होता है

—विटामिन D की कमी के कारण

✷ दंतक्षय का मुख्य कारण है मुख के भीतर होने वाले जीवाणु व

—कार्बोहाइड्रेट के खाद्य कणों के मध्य अंतर्व्यवहार

✷ दंतक्षय का कारण है **—बैक्टीरियल संक्रमण**

✷ छिछले हैंडपंप से पानी पीने वाले लोगों को संभावना है **—हैजा, टायफॉइड तथा कामला से पीड़ित होने की**

✷ चेचक, मलेरिया, हैजा एवं तपेदिक में से जल-जनित रोग है **—हैजा**

✷ टायफॉइड तथा कॉलरा विशिष्ट उदाहरण हैं **—जल-जन्य रोगों के**

✷ टायफायड, हेपेटाइटिस-बी, पीलिया तथा हैजा रोगों में से वह जो पानी के प्रदूषण की वजह से नहीं होता **—हेपेटाइटिस-बी**

✷ असुरक्षित पेयजल और स्वच्छता की कमी के कारण विकासशील देशों में प्रचलित तीन संचारी रोग है **—मलेरिया, तीव्र प्रवाहिका और शिस्टोसोमारुग्णता**

✷ बी. सी. जी. का टीका लगाया जाता है **—यक्ष्मा (T.B.) में**

✷ बी.सी.जी. का टीका नवजात शिशु को लगाना चाहिए **—जन्म के तुरंत बाद**

✷ ब्राइट्स रोग प्रभावित करता है **—गुर्दा को**

✷ फुफ्फुसधूलिमयता (न्यूमोकोनिओसिस) से वे श्रमिक रोगग्रस्त होते हैं, जो मुख्यतः कार्यरत हैं **—कोयला खनन उद्योग में**

✷ गलती से रामू किसी इंजेक्शन को अधिक मात्रा में लगा लेता है, जिसके कारण उसे ऐंठन, मिर्गी, बेहोशी हो जाती है। अंततः कुछ समय पश्चात् उसकी मृत्यु हो जाती है। इसका कारण है **—रक्त में अवसामान्य शर्करा सांद्रता**

✷ 1. फुट एवं माउथ रोग
2. एंथ्रेक्स
3. ब्लैक क्वार्टर
4. काउपॉक्स
दुधारू पशुओं की उपर्युक्त बीमारियों में से संक्रमणीय हैं **—1, 2, 3 और 4**

✷ 'मैडकाऊ' रोग का कारक है **—प्रायॉन्स**

✷ विश्व के कुछ भागों में विद्यमान पशुओं का फुट-एंड-माउथ रोग होता है **—विषाणु के कारण**

✷ फुट और माउथ रोग प्रमुखतः पाया जाता है **—मवेशी, भेड़, सुअर तथा बकरियों में**

✷ वर्ष 2011 को पशुओं में होने वाली जिस बीमारी के लिए चिह्नित किया गया है, वह है **—रिंडरपेस्ट**

✷ कुष्ठ रोग उत्पन्न किया जाता है **—जीवाणु द्वारा**

✷ थैलेसीमिया के रोगी में शरीर संश्लेषण की क्षमता नहीं रखता **—हीमोग्लोबिन के**

✷ थैलेसीमिया एक वंशानुगत बीमारी है, जो प्रभावित करती है **—खून को**

✷ इंटरफेरॉन का प्रयोग किया जाता है **—कैंसर नियंत्रण के लिए**

✷ वर्ष 2003 में जब लिएंडर पेस के मस्तिष्क में एक समस्या पाई गई, तो उन्हें टेनिस कोर्ट छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा था, वह समस्या थी **—एक सिस्ट**

✷ आंत्र ज्वार का कारण होता है **—जीवाणु**

✷ वह बीमारी जिसमें उच्च मात्रा में रक्त में यूरिक अम्ल प्रधान रूप में पाया जाता है **—गठिया (गाउट)**

✷ मधुमेह, पोलियो, काली खांसी तथा चेचक में से वैक्सिनेशन द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता है **—मधुमेह रोग**

✷ 1. रक्त में शर्करा का उच्च स्तर
2. रक्त में शर्करा का निम्न स्तर
3. रक्त में इन्सुलिन की निम्न मात्रा
4. रक्त में इन्सुलिन की अधिक मात्रा
उपर्युक्त में से कौन-कौन से मधुमेह से संबंधित हैं, जो प्रौढ़ों का एक सामान्य रोग है **—1 और 3**

✷ वह अंग जिसकी कुसंक्रिया के कारण मधुमेह रोग होता है **—अग्न्याशय**

✷ मधुमेह के रोगी को रक्त शर्करा का स्तर सामान्य बनाए रखने में लाभ पहुंचाते हैं **—मेथी के बीज**

✷ ब्रिटिश अनुसंधानों द्वारा उद्घाटित किया गया है कि करी-पत्ता भारत का देशज है और फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए कई अरब डॉलर के उत्पादन की क्षमता रखता है। वह रोग जिसके इलाज के लिए करी पत्ता का दावा किया जाता है **—मधुमेह**

✷ मधुमेह के उपचार हेतु प्रयुक्त हॉर्मोन इन्सुलिन का आविष्कार किया था **—एफ.जी. बैन्टिंग ने**

✷ Cu-T का सर्वसामान्य दुष्प्रभाव है **—रक्तस्राव**

✷ एम्फाइसीमा एक ऐसी व्याधि है, जो पर्यावरणीय प्रदूषण द्वारा होती है और इससे प्रभावित मानव अंग है **—फुफ्फुस (फेफड़े)**

✷ 1. वाहिका के आंतरिक द्वार का संकीर्ण हो जाना
2. तंतु ऊतक से 'चकत्ते' और कोलेस्ट्रॉल
3. रक्त और ऑक्सीजन की अपर्याप्त पूर्ति
4. हृदयधमनियों में रक्त के थक्कों का पहुंचना
हृदयाघात में उपर्युक्त का सही क्रम होता है **—2,4,1,3**

✷ एस्पिरिन के संबंध में सत्य कथन हैं
यह न्यूरोलॉजिकली (तंत्रकीय रूप में) सक्रिय दवा है, यह दर्द से राहत में प्रभावी है तथा यह खून में थक्के नहीं जमने देता है।

✷ कोरोनरी-धमनी बाई-पास सर्जरी में जो रक्तवाहिका ग्राफ्ट हेतु प्रयोग में लाई जाती है, वह होती है

— छाती के अंदर से 'मेमॅरी धमनी' (Mammary Artery) या हाथ से 'रेडियल धमनी' (Radial Artery) या पैर से 'सेफनस वेन' (Saphenous Vein)

✷ अस्पताल में 'कैथ लैब' होगी **—कार्डियोलॉजी विभाग में**

✷ भारत में आज रोग निवारण कार्य के लिए जिस पोषणहीनता स्थिति को परम अग्रता देना आवश्यक है, वह है **—जीरोथ्यैल्मिया**

✷ मनुष्य में एफ्लाटॉक्सिन खाद्य विषाक्तन द्वारा सामान्यत: प्रभावित होता है **—यकृत**

✷ बर्ड फ्लू विषाणु है **—H_5N_1**

✷ 'बर्ड फ्लू' का कारक है **—H_5N_1**

✷ विश्वमारी H_5N_1 फ्लुएंजा को कहते हैं **—बर्ड फ्लू**

✷ H_1N_1 विषाणु का प्राय: समाचारों में जिस बीमारी के संदर्भ में उल्लेख किया जाता है, वह है **—स्वाइन फ्लू**

✷ सुमेलित हैं—

इबोला वायरस : इबोला रक्तस्रावी बुखार

जीव सांख्यिकी पहचान : उंगली छापन तथा आयरिस स्कैन

क्लोनिंग : आनुवांशिक प्रतिकृति

डी.एन.ए. फिंगरप्रिंटिंग : पैत्रक या अपराधी की पहचान

✷ EBOLA है एक **—प्राणघातक विषाणु**

✷ इबोला वायरस का नाम लिया गया है **—एक नदी के नाम से**

✷ सही सुमेलित हैं—

गेहूं	-	गेहूंसा
आलू	-	पिछैती झुलसा
बाजरा	-	अर्गट
जौ	-	वुकनी रोग

✷ सही सुमेलित हैं—

फसल		**बीमारी (रोग)**
बाजरा	-	हरित बाल
मटर	-	बुकनी (पाउडरी मिल्ड्यू)
चना	-	उकठा (विल्ट)

✷ मक्का में सफेद कली होती है **—जिंक तत्व की कमी से**

✷ मक्का की पत्तियों के शीर्ष का सफेद होना सूचक है **—Zn की कमी का**

✷ सहज प्रणाली का परिवर्द्धन होता है **—प्रणाली की स्वपोषी क्रिया**

✷ पाइरिला कीट है **—गन्ना का**

✷ सफेद किट्ट एक महत्वपूर्ण कवक रोग है **—सरसों का**

✷ गेहूं पर पाए जाने वाले दो प्रमुख कवक रोग हैं **—काला किट्ट और स्मट**

✷ कर्नाल बंट रोग है **—गेहूं फसल का**

✷ धान का टुंगरो विषाणु प्रसारित होता है **—हरी पत्ती के फुदके द्वारा**

✷ आलू में 'ब्लैक हार्ट' का कारक है **—ऑक्सीजन की कमी**

✷ भिंडी में पीत वर्ण शिरा की बीमारी होती है **—सफेद मक्खी से**

✷ 'यलो वेन मोजेक' गंभीर बीमारी है **—भिंडी की**

✷ कलायखंज होता है **—खेसरी दाल के अधिक मात्रा में खाने से**

✷ औषधि वितरण में काम आने वाले खाली सम्पुट (Blank Capsules) बने होते हैं **—मांडी के**

आनुवंशिक इंजीनियरिंग तथा बायोटेक्नोलॉजी

✷ डी.एन.ए. की वह विशिष्टता जिसने उसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी आनुवंशिक सूचना संग्रह करने और प्रेषण करने के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त बनाया है **—दो रज्जुकों (two strands) की पूरकता**

✷ जेनेटिक-इंजीनियरिंग में प्लास्टिड, प्लास्मिड, माइटोकॉन्ड्रिया तथा राइबोसोम में से प्रयोग होता है **—प्लास्मिड का**

✷ लैंगिक जनन से आनुवांशिक विचरण होता है

—जीन के सम्मिश्रण (ब्लेन्डिंग) से, क्रोमोसोम में बदलाव से तथा जीन के मिश्रण (शफलिंग) से

✷ पुनर्योगज DNA प्रौद्योगिकी (आनुवांशिक इंजीनियरी) जीनों को स्थानांतरित होने देता है

1. पौधों की विभिन्न जातियों में
2. जंतुओं से पौधों में
3. सूक्ष्म जीवों से उच्चतर जीवों में

उपर्युक्त में से सत्य हैं **—1, 2 और 3**

✷ 1.कायिक प्रवर्धन क्लोनीय जनसंख्या को उत्पन्न करता है।

2. कायिक प्रवर्धन विषाणुओं का निष्प्रभावन करने में सहायक है।

3.कायिक प्रवर्धन वर्ष के अधिकतर भाग में चल सकता है।

उपरोक्त में से वह कथन जो पौधों के कायिक प्रवर्धन के संबंध में सही हैं **—केवल 1 और 3**

✷ 1.विद्यमान भौतिक एवं बौद्धिक (knowledge) स्रोतों का सर्वाधिक उपकारक उपयोग।

2.नवीन प्रवर्तनीय (innovative) प्रौद्योगिकी का विकास।

3.प्राकृतिक संकटों (hazards) को कम करने और उनसे निपटने हेतु पद्धति और प्रौद्योगिकी का विकास।

4.बौद्धिक संपत्ति का प्रबंध।

नई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति, 2003 के उद्देश्यों के संबंध में उपरोक्त कथनों में से सही हैं **—सभी चारों**

✷ **कथन (A) :** डॉली सर्वप्रथम क्लोन की गई स्तनी थी।
कारण (R) : डॉली पात्रे-निषेचन द्वारा उत्पन्न की गई थी।

—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

✷ (a) डॉली की मृत्यु 2003 में हुई थी।
(b) फेफड़ों की बीमारी के कारण डॉली का निधन हुआ था।
(c) डॉली वर्ष 1996 में पैदा हुई थी।
(d) डॉली स्कॉटलैंड में पैदा हुई थी।
एक वयस्क दैहिक कोशिका से क्लोन की गई पहली स्तनपायी, डॉली (भेड़) के बारे में उपर्युक्त में से सही कथन है–

— सभी चारों

✷ मनुष्य द्वारा निर्मित आनुवांशिक रूप से अभियंत्रित प्रथम जीवित जीव है **—डॉली**

✷ भेड़, ऊलक, खरगोश तथा हिरन में से पहला सफल क्लोन जंतु था **—भेड़**

✷ एन.डी.आर.आई., करनाल (हरियाणा) के वैज्ञानिकों ने जिस जानवर का दूसरा क्लोन विकसित किया, वह है **—भैंस**

✷ गरिमा II नाम है, एक **—क्लोन्ड भैंस का**

✷ 'परखनली शिशु' के मामले में

—निषेचन माता के शरीर के बाहर होता है।

✷ वह देश जिसमें पहला ट्रांसजीनी दमकता हुआ सुअर उत्पन्न किया गया, जो अंदर-बाहर सब हरा है **—ताइवान**

✷ इनजॉज नाम है विश्व के प्रथमतः क्लोन– **—ऊंट का**

✷ जीव के क्लोन के संबंध में सही कथन है–

—क्लोन अलैंगिंक विधि से उत्पन्न किया जाता है

✷ आनुवांशिक अभियंत्रण (Genetic Engineering) के निम्नलिखित प्रभावों पर विचार कीजिए :
1. रोग प्रतिरोध
2. वृद्धि वर्धन
3. जंतु क्लोनिंग
4. मानव क्लोनिंग
उपर्युक्त में, जो कुछ सफलता के साथ परीक्षित किए गए, वे हैं

—1, 2 तथा 3

✷ वर्तमान में वैज्ञानिक किसी गुणसूत्र में जीन इकाइयों का विन्यास अथवा उनकी सापेक्षिक स्थिति अथवा डी.एन.ए. अनुक्रमों को निर्धारित कर सकते हैं। यह ज्ञान हमारे लिए निम्न प्रकार से उपयोगी है
1. उसकी मदद से पशुधन की वंशावली जानी जा सकती है।
2. उसकी मदद से सभी मानव रोगों के कारण ज्ञात हो सकते हैं।
3. उसकी मदद से पशुओं की रोग-सह नस्लें विकसित की जा सकती हैं।
उपर्युक्त में से सत्य कथन है/हैं **—केवल 1 और 3**

✷ पुनर्योगज डी.एन.ए. तकनीक के चरण नीचे दिए गए हैं–
A. आनुवंशिक पदार्थ की पहचान एवं पृथक्करण
B. डी.एन.ए. का विखंडन
C. बाह्य जीन उत्पाद की प्राप्ति
D. प्रवाहिक प्रक्रिया
E. डी.एन.ए. खंड को वाहक में जोड़ना
F. इच्छित डी.एन.ए. खंडों का पृथक्करण
G. रूचि वाले जीन का परिवर्धन
H. पुनर्योगज डी.एन.ए. का पोषी कोशिका/जीव में स्थानान्तरण
चरणों का सही अनुक्रम है:

—A→B→F→G→E→H→C→D

✷ विश्व स्तर के प्रोग्राम 'ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट' का संबंध है–

—मानव जीनों और उनके अनुक्रमों की पहचान और मानचित्रण से।

✷ शरीर की वे कोशिकाएं जिनमें शरीर की किसी भी प्रकार की कोशिकाओं में विभाजन तथा विशिष्टीकरण की क्षमता है और जो कई गंभीर बीमारियों पर शोध का केंद्र बिंदु हैं, उन्हें कहते हैं

—स्टेम कोशिकाएं

✷ 1.स्टेम कोशिकाएं केवल स्तनपायी जीवों से ही प्राप्त की जा सकती हैं।
2. स्टेम कोशिकाएं नई औषधियों को परखने के लिए प्रयोग की जा सकती हैं।
3. स्टेम कोशिकाएं चिकित्सा थेरेपी के लिए प्रयोग की जा सकती हैं।
अक्सर सुर्खियों में रहने वाली 'स्टेम कोशिकाओं' के संदर्भ में, उपर्युक्त में से सत्य कथन है/हैं

— 2 और 3

✷ अति विवादास्पद भ्रूणीय स्टेम कोशिकाओं के विकल्प के रूप में स्टेम कोशिकाओं का बायोएथिकल अ-विवादास्पद स्रोत है

—अस्थि मज्जा से व्युत्पन्न स्टेम कोशिकाएं

✷ हाइब्रिडोमा प्रौद्योगिकी (Hybridoma Technology) एक नया जीव-प्रौद्योगिकीय उपागम (Biotechnological approach) है

—एकक्लोनी प्रतिरक्षियों के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए

✷ बन्थरा में प्लांट फील्ड जीन बैंक

—संकटापन्न वर्ग के पौधों को सुरक्षित रखेगा।

जैविक-विभिन्नता की दस्युता (Piracy) को रोकेगा।

आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों की पहचान करेगा।

✷ कपास के कीट-रोधी पौधे आनुवांशिक इंजीनियरी द्वारा एक जीन को निविष्ट कर निर्मित किए गए हैं, जो लिया गया है **—जीवाणु से**

✷ अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी मोनसांटो ने एक कीट-प्रतिरोधी कपास की किस्म बनाई है, जिसका भारत में क्षेत्र-परीक्षण किया जा रहा है। जिस जीवाणु के आविष जीन (Toxin gene) का इस पारजीनी कपास (Transgenic Cotton) में अंतरण हुआ है, वह है

—बैसिलस थूरीनजिएंसिस

✷ सूक्ष्मजीव, जो बीटी कपास के उत्पादन से संबंधित है, वह है, एक

—जीवाणु

✷ **कथन (A) :** कीट-प्रतिरोधी पारजीनी कपास, (Bt) जीन के निवेशन से निर्मित किया गया है।

कारण (R) : (Bt) जीन एक जीवाणु से प्राप्त किया जाता है।

— (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ बैंगन की आनुवंशिक अभियांत्रिकी से उसकी एक नई किस्म Bt- बैंगन विकसित की गई है। इसका लक्ष्य

—इसे नाशकजीव-सह बनाना है

✷ बीटी बैंगन है

—आनुवांशिकी रूप से परिवर्तित बैंगन

✷ 1. Bt बैंगन की रचना इसके जीनोम में मृदा कवक के जीन को प्रवेश कराकर की गई है।

2. Bt बैंगन के बीज टर्मिनेटर बीज हैं जिसके कारण किसानों को प्रत्येक मौसम के पहले बीज कंपनियों से बीज खरीदना पड़ता है।

3. एक आशंका है कि Bt बैंगन के उपभोग का स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

4. यह भी चिंता है कि Bt बैंगन के प्रवेशन से जैव विविधता पर विपरीत प्रभाव हो सकता है।

उपर्युक्त में से भारत में Bt बैंगन के प्रवेशन पर लोगों के विरोध के कारण हैं

—केवल 3 और 4

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

A.सर्वप्रथम व्यावसायीकरण किए जाने वाला, आनुवांशिक रूप से अभियांत्रिक कृत फसल उत्पाद, फ्लेवर-सेवर टमाटर था।

B.फ्लेवर-सेवर के पके हुए फल अधिक अवधि के लिए दृढ़ रहते हैं एवं पौधे पर पकने के बाद बाजार में स्थानांतरित किए जा सकते हैं।

C.फ्लेवर-सेवर के पके हुए फलों में रंग होता है किंतु पौधों पर पके फलों जैसे पूर्ण सुरुचिक सरणी का अभाव होता है।

उपरोक्त में से सही कथन हैं

—A एवं B

✷ निम्नलिखित तकनीकों/परिघटनाओं पर विचार कीजिए—

1. फल वाले पादपों में मुकुलन और रोपण

2. कोशिकाद्रव्यी नर बंध्यता

3. जीन नीरवता

उपर्युक्त में से वह/ वे जो ट्रांसजेनिक फसलों को बनाने में प्रयुक्त होता है/होते हैं **—2 और 3**

✷ जीवों के निम्नलिखित प्रकारों पर विचार कीजिए—

1. जीवाणु 2. कवक

3. पुष्पीय पादप

उपर्युक्त जीव-प्रकारों में से वह जिनकी कुछ जातियों को जैव पीड़कनाशियों के रूप में प्रयोग किया जाता है

—1, 2 और 3

✷ भारतीय किसान 'टर्मिनेटर बीज प्रौद्योगिकी' के प्रवेश से असंतुष्ट हैं क्योंकि इस प्रौद्योगिकी से उत्पादित बीजों से संभावना होती है

—अंकुरणक्षम बीज बनाने में असमर्थ पौधों के उगने की

✷ विकसित देशों द्वारा समर्पित टर्मिनेट तकनीक उपलब्ध कराती है

—जैव तकनीकी द्वारा बीजों की उन्नत किस्मों को जो दूसरी पीढ़ी के लिए बंध बीजों को उत्पन्न करने के लिए सुनिश्चित की गई है।

✷ टर्मिनेटर तकनीक उसके द्वारा उत्पन्न जिसकी बिकवारी के लिए है, वह है **—ट्रांसजेनिक उपजाऊ बीज, जीन परिवर्तित पौधे तथा जेनेटिक रूप से अभियंत्रित बीज, जो दूसरी पीढ़ी में बंध्यग्रस्त होते हैं।**

✷ साधारणतः ओरोबैंकी खरपतवार पाया जाता है

—तंबाकू के खेत में

✷ बक व्हीट, मैकेरोनी व्हीट, गोल्डेन राइस तथा ट्रिटिकेल में से परजीनी (Transgenic) पादप है **—गोल्डेन राइस**

✷ **कथन (A) :** 'गोल्डेन राइस' जैव प्रौद्योगिकी एक ऐसी उपलब्धि है, जो उपभोक्ताओं के लिए भी उतनी ही लाभप्रद है जितनी कि किसानों के लिए।

कारण (R) : इस चावल का पीलापन बीटा कैरोटीन की अधिक मात्रा को प्रदर्शित करता है, जो यौगिक शरीर में विटामिन ए से परिवर्तित होता है।

—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही कारण है।

✷ सुनहरी (गोल्डन) चावल है

—एक ट्रांसजेनिक चावल की किस्म जिसमें कैरोटीन के लिए जीन उपलब्ध है।

✷ विश्व में लगभग 250 लाख बच्चों को प्रभावित करने वाली विटामिन-A हीनता से लड़ने की क्षमता वाले 'गोल्डन राइस' की प्रमुख उपयोगिता उसके दाने में जिसकी प्रचुरता के कारण होती है, वह है

—बीटा कैरोटीन

✷ सुनहरा धान में प्रचुरता है **—विटामिन ए की**

✷ गोल्डेन चावल एक प्रचुरतम स्रोत है **—विटामिन A का**

✷ पराजीनी फसल 'स्वर्ण चावल' जिस वांछनीय लक्षण के लिए तैयार की गई है, वह है **—विटामिन 'ए'**

✷ 'महाधान' (सुपर राइस) विकसित किया **—जी. एस. खुश ने**

✷ **कथन (A) :** मानव में संतान के लिंग निर्धारण (Sex Determination) में स्त्रियों की प्रमुख भूमिका होती है।

कारण (R) : स्त्रियों में दो 'X' गुणसूत्र (Chromosomes) होते हैं।

—(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

✷ पुरुष जीन संघटन होता है **—XY**

✷ मनुष्य में जिन क्रोमोसोम के मिलने से बालक का जन्म होता है, वह हैं **—पुरुष का Y और स्त्री का X**

✷ एमनियोसेंटीसिस एक तरीका है, जो बताता है **—भ्रूण के लिंग को**

✷ **कथन (A) :** वैज्ञानिक DNA अणुओं को, चाहे वे अणुओं के किसी भी स्रोत से हों, इच्छानुसार अलग-अलग काट और एक साथ जोड़ सकते हैं।

कारण (R) : DNA के टुकड़ों को, रेस्ट्रिक्शन एंडोन्यूक्लिएज तथा DNA लाईगेज का उपयोग कर, जोड़ा-तोड़ा जा सकता है।

—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही कारण है।

✷ जैव सूचना-विज्ञान (बायोइन्फॉर्मेटिक्स) में घटनाक्रमों/गतिविधि के संदर्भ में समाचारों में कभी-कभी दिखने वाला पद 'ट्रांसक्रिप्टोम' (Transcriptome) निर्दिष्ट करता है

—किसी जीव द्वारा अभिव्यक्त mRNA अणुओं की पूर्ण शृंखला

✷ दिया गया है—

1. रुधिर कोशिकाएं
2. अस्थि कोशिकाएं
3. बाल रज्जु
4. लार (सलाइवा)

अपराध की जांच में डी.एन.ए. परीक्षण हेतु जो नमूने लिए जाते हैं वे हो सकते हैं— **—1, 2, 3 और 4**

✷ जीन अणु (डी.एन.ए.) की संरचना को सबसे पहले रेखांकित किया

—डॉ. जेम्स वॉटसन और डॉ. फ्रांसिस क्रिक ने

✷ जेम्स डी. वॉटसन तथा फ्रांसिस क्रिक का संबंध है

—DNA की संरचना से

✷ डी.एन.ए. के द्विहेलिक्स प्रारूप को पहली बार प्रस्तावित किया

—वॉटसन तथा क्रिक ने

✷ डी.एन.ए को अंत:पात्र में बनाया **—आर्थर कोर्नबर्ग ने**

✷ नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक जेम्स डी. वॉटसन को जिस कार्यक्षेत्र में उनके कार्य के लिए जाना जाता है, वह है **—आनुवांशिकी**

✷ बायोचिप में होता है **—RNA, DNA तथा प्रोटीन**

✷ जैनिको प्रौद्योगिकी है—

—आनुवंशिक रोगों की पूर्व सूचना प्राप्त करने की तकनीक

✷ जैव-प्रौद्योगिकी की श्रेणी में आता है

—औद्योगिक प्रक्रमों में जीवधारियों अथवा उनसे प्राप्त पदार्थों का उपयोग

✷ जैव-आवर्धन से तात्पर्य है

—उत्तरोत्तर पोषण स्तरों के जीवों में पीड़कनाशियों की मात्रा का बढ़ना

✷ जीन अभियंत्रण में नवीनतम तकनीकी विकसित हुई है

—जीन प्रतिचित्रण

✷ 1. सूखा सहन करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना
2. उत्पाद में पोषकीय मान बढ़ाना
3. अंतरिक्ष यानों और अंतरिक्ष स्टेशनों में उन्हें उगने और प्रकाश-संश्लेषण करने के लिए सक्षम बनाना
4. उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाना

पीड़कों को प्रतिरोध के अतिरिक्त उपरोक्त में से वे संभावनाएं जिनके लिए आनुवांशिक रूप से रूपांतरित पादपों का निर्माण किया गया है

—केवल 1, 2 और 4

✷ यदि मानव वृद्धि हॉर्मोन जीन का प्रयोग करके ऐसा चूहा पैदा किया जाए जो चूहे के सामान्य आकार से आठ गुना बड़ा हो, तो इस तकनीक को कहेंगे— **—आनुवांशिक इंजीनियरी**

✷ **कथन (A) :** बलात्कार एवं हमले के मामलों में अपराधियों की पैतृकता एवं पहचान (Paternity and Identity) स्थापित करने में (DNA) फिंगर प्रिंट एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है।

कारण (R) : (DNA) विश्लेषण के लिए बाल, लार एवं शुष्क वीर्य जैसे लेश साक्ष्य पर्याप्त हैं।

— (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही कारण है।

✷ शिशु का पितृत्व स्थापित करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है

—DNA फिंगर प्रिंटिंग का

✷ पैतृकता सिद्ध करने के लिए सहायक हैं **—डी.एन.ए. अंगुलिछाप**

✷ मानवों की पहचान को सुनिश्चित करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित जिस अत्याधुनिक तकनीक को काम में लाया जाता है, वह है

—डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिंग

✷ डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिंग के उपयोग द्वारा इंग्लैंड में पहला अपराध हल किया गया था **— वर्ष 1983 में**

✷ डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिंग का उपयोग होता है

—न्यायालयी छानबीन में सहायक वैज्ञानिक परीक्षण में,
पैतृत्व विवाद में तथा
संकटापन्न प्राणियों के रक्षण में।

✷ **कथन (A) :** ''डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिंग'' पितृत्व स्थापन तथा बलात्कार वादों में अपराधियों की पहचान हेतु एक महत्वपूर्ण परीक्षण बन गया है।

कथन (B) : डी. एन. ए. परीक्षण हेतु बाल, सूखे रक्त व वीर्य के सूक्ष्म नमूने पर्याप्त होते हैं।

—कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), कथन (A) का सही स्पष्टीकरण है।

✷ 1. परितारिका क्रमवीक्षण
2. दृष्टिपटल क्रमवीक्षण
3. वाक् अभिज्ञान
किसी व्यक्ति के जीवमितीय पहचान हेतु, अंगुलिछाप क्रमवीक्षण के अलावा, उपरोक्त में से कौन-सा/से प्रयोग में लाया जा सकता है/लाए जा सकते हैं
—1, 2 और 3

✷ अंगुलियों के निशानों की बहुरंगीय सतह पर उभारने (develop) हेतु प्रयुक्त होता है **—फ्लोरोसेंट पाउडर**

✷ 'अपरूपांतरण' (Metastatis) एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा
—रक्त या लसीका तंत्र में कैंसर कोशिकाएं दूसरे स्थानों या अंगों तक फैलती हैं।

✷ ट्रान्सजेनिक्स द्वारा नहीं पाया जा सकता है–
—क्लोनीकृत जंतुओं का उत्पादन

✷ सजीव जीवों में एक नई जाति की उत्पत्ति के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है **—उत्परिवर्तन**

✷ जीन के भीतर अनुक्रम-आधार परिवर्तन कहलाता है–
—उत्परिवर्तन

✷ जब एक जीन दो या दो से अधिक भिन्न-भिन्न लक्षणों को एक साथ नियंत्रित करता है, यह तथ्य कहलाता है **—बहुप्रभाविता**

✷ जीन चिकित्सा में, एक त्रुटिपूर्ण जीन के कार्य को ठीक करने हेतु
—कोई दूसरे सही जीन को प्रविष्ट किया जाता है।

विविध

✷ मायोग्लोबिन में होता है **—लोहा**

✷ डिंगो, एल्सेशियन, डाल्मेशियन तथा लेब्रेडॉर श्वान उपजातियों में से भौंकने में असमर्थ है **—डिंगो**

✷ 'रेड रिबन एक्सप्रेस' चलता-फिरता दृश्य साधन है
—'एड्स' हेतु जागरूकता का

✷ डॉक्टरों द्वारा मरीजों के उदर के अंदर का परीक्षण ''एंडोस्कोप'' द्वारा किया जाता है, जो कार्य करता है
—प्रकाश के सकल आंतरिक परावर्तन के सिद्धांत पर

✷ मानव शरीर की आंतरिक संरचना के अवलोकन के लिए प्रयोग में आने वाली परिकलित टोमोग्राफी के लिए प्रयोग में लाई जाती है
—X- किरण

✷ भारत में मिशन इंद्रधनुष अभियान संबंधित है
—बच्चों के टीकाकरण से

✷ केंद्र सरकार का 'मिशन इंद्रधनुष' संबंधित है
—सात टीका-निवारणीय रोगों के खिलाफ बच्चों के टीकाकरण से

✷ कोलेस्ट्रॉल है **—जंतु वसा में उपस्थित वसीय एल्कोहल**

✷ कोलेस्ट्रॉल है एक **—स्टेरायड**

✷ कोलेस्ट्रॉल का असामान्य स्तर संबंधित होता है
—धमनियों के कठोर हो जाने से

✷ चिकित्सक परामर्श देते हैं कि हमें अपना भोजन वनस्पति घी की अपेक्षा तेल में बनाना चाहिए क्योंकि **—तेल में असंतृप्त वसाएं हैं।**

✷ मानव स्वास्थ्य के लिए ट्रांस वसा सामान्यतः हानिकारक समझा जाता है क्योंकि यह स्तर कम करता है **—HDL का**

✷ वह वनस्पति तेल जो हृदय रोगियों के लिए उपयुक्त है
—सूरजमुखी तेल

✷ जुलाई, 2004 में HIV/AIDS पर विश्व का अब तक का सबसे बड़ा अधिवेशन आयोजित किया गया था **—बैंकॉक**

✷ प्रतिवर्ष दिसंबर 1, मनाया जाता है **—विश्व एड्स दिवस के रूप में**

✷ विचार कीजिए–
1. अलझाइमर रोग दिवस
2. विश्व तपेदिक दिवस
3. कुष्ठ निवारण दिवस
4. विश्व एड्स दिवस
वह सही क्रम जिसमें एक कैलेंडर वर्ष में ये राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाए जाते हैं, है
—3, 2, 1, 4

✷ फेरोमोन्स पाए जाते हैं **—कीटों में**

✷ फेरोमोन्स सामान्यतः उत्पन्न किया जाता है-
—कीटों द्वारा

✷ आयोडीन प्राप्त होता है **—लैमिनेरिया से**

✷ एक ऐसा पदार्थ जो समुद्र में बहुतायत से प्राप्त होता है और एक विशिष्ट कमी वाली व्याधि में दिया जाता है **—आयोडीन**

✷ लिटमस-अम्ल क्षार सूचक प्राप्त होता है **—लाइकेन से**

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची-I	**सूची-II**
एसिटिक अम्ल	सिरका
लैक्टिक अम्ल	दूध
ब्यूटेरिक अम्ल	मक्खन
साइट्रिक अम्ल	नींबू
कार्बोनिक अम्ल	सोडा वाटर
फॉर्मिक अम्ल	लाल चींटी
टार्टरिक अम्ल	अंगूर का रस

✷ सही सुमेलन है–

सूची-I		सूची-II
हड्डियों में उपस्थित यौगिक	–	कैल्शियम फॉस्फेट
फलों का पकना	–	एथिलीन

✷ सही सुमेलन है–

सूची-I	सूची-II
त्वचा कैंसर	पराबैंगनी प्रकाश
ध्वनि प्रदूषण	डेसीबल
वैश्विक तापन	कार्बन डाइऑक्साइड
ओजोन छिद्र	क्लोरोफ्लुओरो-कार्बन

✷ सही सुमेलन है–

लैक्टोबैसिलस	दही बनाने में
राइजोबियम	नाइट्रोजन स्थिरीकरण में
यीस्ट	ऐल्कोहॉल उत्पादन में
एस्पर्जिलस	सिट्रिक अम्ल बनाने में

✷ बैसिलस थूरिनजिएन्सिस का उपयोग होता है **—जैविक कीटनाशक के रूप में**

✷ एक जीव जो ताड़ी के किण्वन में शामिल है, वह है **—सैकेरोमाइसीज**

✷ एथेनॉल के व्यावसायिक उत्पादन में प्रयोग में लाया जाता है **—सैकेरोमाइसीज सेरेविसी**

✷ एक सूक्ष्मजीव जो शराब उद्योग के अल्कोहालिक किण्वन के लिए प्रयुक्त होता है **—यीस्ट**

✷ **कथन (A) :** शाकनाशी, उपयोगी पौधों को बिना क्षति पहुंचाए अपतृणों को नष्ट कर सकते हैं।

कारण (R) : अपतृणों एवं फसली पौधों द्वारा शाकनाशी भिन्न-भिन्न दरों पर अवशोषित होते हैं।

—(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

✷ नीम के पेड़ के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1.कुछ जाति के कीटों और बरुथियों के प्रचुरोद्भवन को नियंत्रित करने के लिए नीम के तेल का प्रयोग कीटनाशक के रूप में किया जा सकता है।

2. नीम के बीजों का प्रयोग जैव-ईंधन और अस्पताल अपमार्जकों का निर्माण करने में होता है।

3. नीम के तेल का अनुप्रयोग औषधि उद्योग में होता है।

उपर्युक्त कथनों में से सही है/हैं

—1, 2 और 3

✷ स्थानीय वनस्पति का संग्रह कहलाता है **—हर्बेरियम**

✷ मूंगा, पन्ना, माणिक तथा पुखराज में से जैविक मूल का है **—मूंगा**

✷ गेवियलिस (घड़ियाल) बहुतायत में पाया जाता है– **—गंगा में**

✷ सही सुमेलित हैं–

5 जून	विश्व पर्यावरण दिवस
1 दिसंबर	विश्व एड्स दिवस
5 सितंबर	शिक्षक दिवस
16 अक्टूबर	खाद्य दिवस

✷ सही सुमेलन है–

विश्व तपेदिक दिवस	24 मार्च
कुष्ठ निवारण दिवस	31 जनवरी
अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस	16 सितंबर
विश्व अल्पसंख्यक दिवस	18 नवंबर
विश्व पशु दिवस	3 अक्टूबर

✷ 'डायबिटीज दिवस' के रूप में जाना जाता है **—14 नवंबर**

✷ अरहर, मटर, चना तथा करेज फलीदार पौधों में से पेट्रोपादप भी है **—करेज**

✷ वह पौधे जिन्हें सामान्य तौर पर 'पेट्रो क्रॉप्स' के रूप में जाना जाता है, वह धनी होते हैं **—हाइड्रोकार्बन्स एवं लिपिड में**

✷ देश का पहला बायो-डीजल संयंत्र लगाया जा रहा है **—आंध्र प्रदेश में**

✷ बायो-डीजल' बनाने में उपयोग किया जाता है **—रतनजोत का**

✷ गुग्गल, रोशा घास, रतनजोत तथा जावा घास में से बायो-डीजल पौधा है **—रतनजोत**

✷ बायो-डीजल पौधा कहलाता है **—जैट्रोफा**

✷ निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कथन (A) : कस्कुटा (अमरबेल) परजीवी आवृतबीजी का एक उदाहरण है।

कारण (R) : यह पोषी पौधों की पत्तियों से अपना पोषण प्राप्त करता है।

—(A) सही है, किंतु (R) गलत है।

✷ ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के संदर्भ में, एक व्यवहार्य जैव-ईंधन एथेनॉल, प्राप्त किया जा सकता है **—गन्ना से**

✷ 'चिलगोजा' प्राप्त होता है **—पाइन प्रजाति के बीज से**

✷ मानवमूत्र का पीला रंग एक वर्णक के कारण होता है, जिसे कहते हैं **—यूरोक्रोम**

✷ पर्णहरित (क्लोरोफिल) में तत्व पाया जाता है **—मैग्नीशियम**

✷ सुमेलन है

पक्षी जो कभी अपना घोंसला नहीं बनाता	कोयल
जीव जो अपनी पूंछ त्याग देता है	छिपकली
सबसे विशाल जीव	नीली व्हेल
सर्वाधिक बुद्धिमान जानवर	चिम्पैंजी

✷ सुमेलन है

एशियाई जंगली गधा	इक्कस हेमीओनस
बारहसिंहा	रूसर्वस दुआउसेली
चिंकारा	गजेला बेनेट्री
नील गाय	बोसलाफस ट्रेगोकेमेलस

✷ भारत के निम्न प्राणियों पर विचार कीजिए–

1. मगरमच्छ 2. हाथी

इनमें से संकटापन्न जाति/जातियां है/हैं

—केवल 1

✷ सुमेलित हैं–

(a) जीन समबंधन एवं पुनर्योगज डी.एन.ए. प्रौद्योगिकी-आनुवंशिक अभियंत्रण

(b) गर्भस्थ शिशु में आनुवंशिक व्याधियां जांचने के लिए निदान सूचक परीक्षण -एमनियोसेन्टसिस

(c) एक प्रक्रम जिसके द्वारा जीवित सूक्ष्म जीव जटिल पदार्थ को सरल अवयवों में तोड़ते हैं- जैव निम्नीकरण

✷ मानव तंत्र में प्रति ऑक्सीकारकों का कार्य है

—यह मुक्त मूलकों के प्रभाव से कोशिकाओं को बचाते हैं।

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची-I	**सूची-II**
ई.ई.जी.	मस्तिष्क
ई.सी.जी.	हृदय
ई.ओ.जी.	आंख
ई.एम.जी.	मांसपेशी
ऑडियोग्राम	कान
मैमोग्राम	वक्ष

✷ हृदय, फुफ्फुस, मस्तिष्क तथा वृक्क में से जिसकी क्रियाविधि रिकॉर्ड करने हेतु E.E.G. किया जाता है, वह है **— मस्तिष्क**

✷ मानव शरीर के भीतरी भाग में रोगों की पहचान की जाती है- **—एंडोस्कोप द्वारा**

✷ जब डॉक्टर किसी को कहता है कि उसे 'टेट्राप्लेजिया' हो गया है, तो उसका आशय होता है कि उसे पक्षाघात हो गया है **—दोनों हाथों एवं दोनों पैरों का**

✷ प्राणियों में आहार, श्वसन और संश्लेषण, तीन प्रमुख गुण हैं **—उपापचय के**

✷ कृत्रिम रेशम का अन्य नाम भी है **—रेयॉन**

✷ रेशम तंतु, रोम, पिच्छ, नख तथा नखर निर्मित होते हैं **—किरेटिन से**

✷ कपास, क्वायर, सनई तथा सेमल में से तने से प्राप्त होता है**—सनई**

✷ मछली, कबूतर, मेंढक तथा तिलचट्टा में से वह जीव जो अपनी त्वचा से सांस लेता है **—मेंढक**

✷ मेंढक है **— कोल्ड-ब्लड एनीमल**

✷ मेंढक के कायांतरण में **—आंत छोटी हो जाती है।**

✷ हाइड्रा, तिलचट्टा, केंचुआ तथा मछली में से वह जीव जिसमें रक्त नहीं होता किंतु वे सांस लेते हैं **—हाइड्रा**

✷ एक परजीवी पर दूसरे परजीवी के आश्रित रहने को कहते हैं **—उपपरजीविता**

✷ सबसे छोटा जीव, जो स्वयं विकास एवं प्रजनन करने में समर्थ है, है **—माइकोप्लाज़्मा**

✷ एक सांड़ के वीर्य को कृत्रिम गर्भाधान हेतु रखना चाहिए **—तरल नाइट्रोजन में**

✷ डॉर्सेट, होल्सटाइन, साहिवाल तथा रेड सिंधी में से गाय की उच्च दूध उत्पादन प्रजाति है **—होल्सटाइन**

✷ केंद्र सरकार द्वारा घोषित राष्ट्रीय गोकुल मिशन का उद्देश्य है **—गायों की देशी नस्ल की रक्षा करना**

✷ क्लोनल वरण का प्रयोग किया जाता है **—आलू में**

✷ वह जीवित ऊतक जो उच्चवर्गीय पौधों में, जैव पोषक वाहक का कार्य करता है? **—फ्लोएम**

✷ आंख की सुग्राहकता सबसे अधिक होती है **—पीला एवं हरा के लिए**

✷ इलेक्ट्रॉन किरण चिकित्सा एक प्रकार की विकिरण चिकित्सा है, जिसके द्वारा उपचार किया जाता है **—विशेष प्रकार के कैंसर का**

✷ दंत विशेषज्ञ का शीशा होता है **—नतोदर शीशा**

✷ रोगी के दांत का प्रतिबिंब देखने के लिए दांत के डॉक्टर द्वारा उपयोग किया जाता है **—अवतल दर्पण का**

✷ एक दंत चिकित्सक द्वारा रोगी के दांतों की जांच के लिए प्रयुक्त दर्पण है **—अवतल**

✷ बंदर, मगर, मछली तथा मेंढक जंतुओं में से तीन प्रकोष्ठ वाला हृदय होता है **—मेंढक में**

✷ ऊंट, जिराफ, चूहा तथा मछली में से पित्ताशय नहीं होता **—चूहा में**

✷ सही सुमेलन है

मायोग्लोबिन	पेशी कोशिका
सर्पगंधा	प्रशांतक
कर्कट रोग	विकिरण चिकित्सा
रुधिरवर्णिका (हीमोग्लोबिन)	ऑक्सीजन परिवहन

✷ सही सुमेलन है

क्षुधातिशय	भक्षणविकार
कोलेस्ट्रॉल	अंड-पीतक
एट्रोपीन	एल्केलाइड
इंसुलिन	अग्न्याशय

✷ सूक्ष्म जीवों द्वारा उत्पन्न किया गया नैनोकण अर्धचालक पदार्थ की सहायता से प्रथम बार भारतीय वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक इलेक्ट्रॉनिक डायोड बनाया है जिसकी उपयोगिता युक्ति लघुरूपण में है। वह सूक्ष्म जीव है, एक **—यीस्ट**

✷ वह जंतु जिसने अंतरिक्ष में प्रथम यात्रा की **—कुत्ता**

✷ निश्चेतक के रूप में प्रयुक्त हो सकने वाले पदार्थ हैं

—क्लोरोफार्म तथा नाइट्रस ऑक्साइड

✷ अस्पतालों में मंद निश्चेतक के रूप में प्रयुक्त गैस है

—नाइट्रस ऑक्साइड

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची-I (विशेषज्ञ)	**सूची-II (शरीर का भाग)**
कॉर्डियोलॉजिस्ट	हृदय
नेफ्रोलॉजिस्ट	गुर्दा
यूरोलॉजिस्ट	मूत्र नलिका
ऑकुलिस्ट	आंख

✷ सुमेलित हैं–

(चिकित्सा की शाखा)		**(मानव अंग)**
—न्यूरोलॉजी	-	तंत्रिका तंत्र

✷ मानव वृद्धि हॉर्मोन, टेस्टोस्टेरोन, एरिथ्रोपोईटिन तथा कोलोस्ट्रम में से वह जिस पर रोक नहीं है तथा जिसे एथलीटों द्वारा प्रदर्शन सुधारक पदार्थ के रूप में उपयोग में लाया जाए **—कोलोस्ट्रम**

✷ सुमेलित हैं–

कोशिका का नियंत्रण	केंद्रक
प्राकृतिक रबर	पॉली आइसोप्रीन
क्रायोलाइट	एल्युमीनियम का अयस्क
अनुमापन	फीनॉलफ्थेलीन

✷ मुख्य मच्छर विकर्षक पदार्थ प्राप्त होता है **—नीम से**

✷ सुमेलित हैं–

सूची-I (पौधा)	**सूची-II (उपयोग)**
ब्राह्मी	मस्तिष्क का टॉनिक
सदाबहार	मधुमेह दूर करने वाला
पुदीना	वातहर
तुलसी	कफोत्सारक

✷ अंगोरा ऊन प्राप्त की जाती है

—शशक अथवा बकरे की एक प्रजाति से

✷ दीमक को यह भी कहते हैं **—श्वेत चींटी**

✷ भ्रूणीय वृद्धि को मापने वाली हाल में विकसित तकनीक है

—अल्ट्रासोनिक्स

✷ भ्रूण मिलता है **—बीज में**

✷ सुमेलित हैं–

डॉ. कुरियन	सहकारी आंदोलन
डॉ. माल्कम आदिशेषैया	विकास अर्थशास्त्र
डॉ. अब्दुल कलाम	अंतरिक्ष विज्ञान
डॉ. प्रमोद करण सेठी	जयपुरी कृत्रिम पैर

✷ 'SANRAKSHA' संस्था है

—एड्स शोध एवं नियंत्रण परियोजना (बंगलुरू)

✷ नेको (NACO) एक ऐसी संस्था है जिसका संबंध है

—एड्स से

✷ भारतीय पशु-चिकित्सा विज्ञान अनुसंधान संस्थान अवस्थित है

—बरेली में

✷ सी.डी.आर.आई. स्थित है **—लखनऊ में**

✷ भारतीय सर्वेक्षण विभाग अधीनस्थ है

—विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के

✷ भारतीय सर्वेक्षण विभाग का मुख्यालय स्थित है **—देहरादून में**

✷ सुमेलित हैं–

सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट	लखनऊ
सेंट्रल इलेक्ट्रोकेमिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट	तमिलनाडु
सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिकुलर बायोलॉजी	हैदराबाद
सेंट्रल साल्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट	भावनगर

✷ 'हाई सिक्यूरिटी एनिमल डिज़ीज लैबोरेटरी' भारत में है

—भोपाल में

✷ लखनऊ के राष्ट्रीय विज्ञान संस्थाओं में से एक ऐसा संस्थान जो सी.एस. आई. आर. का संस्थान नहीं है

—बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियो बॉटनी

✷ मानसिक रूप से विकलांग हेतु राष्ट्रीय संस्थान अवस्थित है

—हैदराबाद में

✷ सुमेलित हैं–

संस्थान	स्थान
सेंट्रल लेप्रोसी इंस्टीट्यूट	आगरा
मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान	इलाहाबाद
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगर टेक्नोलोजी	कानपुर

✷ सही सुमेलन है–

केन्द्रीय औषधीय एवं सुरभि पादप संस्थान	– लखनऊ
डी.एन.ए. फिंगरप्रिंटिंग और डायगोनोस्टिक्स केंद्र	– हैदराबाद
सूक्ष्मजीवी प्रौद्योगिकी संस्थान	– चंडीगढ़
राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान	– नई दिल्ली

✷ डी.एन.ए. अंगुलिछापन और नैदानिक शोध केंद्र अवस्थित है **–हैदराबाद में**

✷ सुमेलित हैं–

एफ.ए.ओ. मुख्यालय	रोम
केंद्रीय एगमार्क प्रयोगशाला	नागपुर
केंद्रीय चावल शोध संस्थान	कटक
केंद्रीय आलू शोध संस्थान	शिमला

✷ सुमेलित हैं–

NBRI	लखनऊ
IISR	लखनऊ
NPL	नई दिल्ली
IISC	बंगलुरू

✷ राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो स्थित है **–नई दिल्ली में**

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची-I	सूची-II
टेस्टोस्टेरॉन	हॉर्मोन
कोडीन	बेहोशी की ड्रग
कृचुक	रबर का स्रोत पदार्थ
युजेनॉल	लौंग का सुगंधित तेल

✷ जीवों के निम्नलिखित प्रकारों पर विचार कीजिए–
चमगादड़, मधुमक्खी, पक्षी
उपर्युक्त में परागणकारी हैं **–तीनों**

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची-I	सूची-II
ऐन्थ्रैक्स	एक विष जो जैव-युद्ध में काम आता है
थैलेसीमिया	दोषी जीन से उत्पन्न रोग
सरोगेसी	गर्भ की किरायेदारी
ट्रांसजेनिक्स	जीनोम में परिवर्तन करने वाला विज्ञान

✷ सही सुमेलित हैं–

एन्टिफ्रीज यौगिक	एथिलीन ग्लाइकॉल
एंटीनॉक एजेंट	टेट्राएथिल लेड
एंटी ऑक्सीडेंट	βकैरोटीन
ज्वर-रोधी	क्विनीन

✷ पहला डायनोसोरियम खोला गया है **–हैदराबाद में**

✷ 'बिल तथा मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' द्वारा स्थापित भारत के लिए कार्यक्रम 'AVAHAN' कार्यरत है **–एच.आई.वी./एड्स के प्रतिरोध के लिए**

✷ 'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन' का मुख्यालय **–जेनेवा**

✷ देश का पहला दंत चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किया गया **–कलकत्ता (कोलकाता) में**

✷ प्रायः जो भालू गलियों में तमाशा दिखाता है वह होता है **–रीछ**

✷ शार्क मछली में होती हैं **–0 हड्डियां**

✷ कुत्ता (Dogs) एक शाकाहारी जानवर है **–तथ्य गलत है**

✷ पांडा भी उसी कुल का है, जिसका/की है –भालू

✷ पॉली-हाउस का प्रयोग किया जाता है **–उच्च उपयोगिता के कृषि उत्पादों के उत्पादन में**

✷ ''भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान के तंतुओं को एक साथ बुनकर बहुमूल्य चित्रपट तैयार करने वाला यह असाधारण वैज्ञानिक संसार को ऐक्यकारी आणविक दृष्टिकोण दे गया ..... उसने विटामिन सी के चमत्कारी गुणों को पहले तो जुकाम के उपचार के लिए जुटाया पर बाद में उसे कैंसर निवारक अभिकर्ता भी बना दिया।'' ऊपर विज्ञान क्षेत्र के जिस महान व्यक्ति का उल्लेख है, वह है– **–लाइनस कार्ल पॉलिंग**

✷ बारूदी सुरंगों का पता लगाने में उपयोगी होते हैं **–मधुमक्खी**

✷ वह जीव जिसमें वह घटना पाई जाती है, जिसमें मादा मैथुनोपरांत नर को मार देती है **–मकड़ी**

✷ मधुमक्खी की औसत गति सामान्यतः होती है **–16 किमी. प्रति घंटा**

✷ मधुमक्खी-कॉलोनी के सदस्य एक-दूसरे को पहचानते हैं **–नर्तन से**

✷ एल्कोहॉल, मारीजुआना, सिगरेट तथा अफीम में से उत्तेजक है **–सिगरेट**

✷ शीरा अति उत्तम कच्चा माल है **–पावर एल्कोहल के लिए**

✷ शीतल पेयों, जैसे कोला में, पर्याप्त मात्रा होती है **–कैफीन (Caffeine) की**

✷ कैफीन क्षारभ उपस्थित रहता है **–चाय और कॉफी दोनों में**

✷ समुद्री खरपतवार महत्वपूर्ण स्रोत है **–आयोडीन का**

✷ सिलिका जेल (Silica Gel) से भरी एक छोटी थैली गोलियों के या चूर्ण रूप से औषधि की बोतलों में अक्सर पाई जाती है क्योंकि सिलिका जेल **—नमी सोखती है।**

✷ वह क्षेत्र जिसमें असाधारण योगदान के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्रदान किया जाता है **—विज्ञान**

✷ निम्नलिखित पर विचार कीजिए–

1. कपूर 2. कासनी (चिकोरी)

3. वनीला

उपर्युक्त में से पादप उत्पाद है/हैं

—1, 2 और 3

✷ नेत्रदान में दाता की आंख के जिस हिस्से को प्रतिरोपित (transplant) किया जाता है, वह है **—कॉर्निया**

✷ हृदय का पहला प्रतिस्थापन किया गया था

—डॉ. क्रिश्चियन बर्नार्ड द्वारा

✷ सर्वप्रथम मानव हृदय प्रत्यारोपण हुआ था **—दक्षिण अफ्रीका में**

✷ गति प्रेरक का कार्य होता है–

—यह हृदय स्पंदन को समंजित करता है।

✷ 'पेस मेकर' जाना जाता है

—एस.ए. नोड्स नाम से भी

✷ जब शरीर में निर्जलीकरण होता है, तो पदार्थ जो सामान्य रूप से शरीर से लुप्त हो जाता है, वह है **—सोडियम क्लोराइड**

✷ निर्जलित व्यक्ति को नहीं पीना चाहिए **—समुद्री जल**

✷ 'किंग कोबरा' एकमात्र ऐसा सर्प है, जो अपना घोंसला बनाता है। वह अपना घोंसला बनाता है, क्योंकि

—यह अंडप्रजक सर्प है, जो घोंसले में अंडे देता है और अंडों से बच्चे निकलने तक घोंसले की पहरेदारी करता है।

✷ घोंसला बनाने वाला एकमात्र सर्प है **—किंग कोबरा**

✷ कोबरा सर्प का विष होता है **—तंत्रिकाविषी**

✷ वह सर्प जिसका भोज्य मुख्य रूप से अन्य सर्प हैं **—नाग राज**

✷ वह सांप जो जहरीला नहीं है **—अजगर**

✷ वैज्ञानिक इवान पावलोव अपने कार्यों के लिए जाने जाते हैं

—प्रायोगिक मनोविज्ञान के क्षेत्र में

✷ सामान्यतः स्त्रियों की आवाज का तारत्व

—पुरुषों की तुलना में अधिक होता है।

✷ मनुष्य आर्द्रता व गर्मी से परेशानी अनुभव करता है। इसका कारण है

—पसीना आर्द्रता के कारण वाष्पित नहीं होता

✷ पेशी थकान के लिए उत्तरदायी है **—लैक्टिक अम्ल**

✷ वह क्रिया जो स्वेद-वाष्पण से संबंधित है

—ऊष्माशोषक क्रिया

✷ जलवायु परिवर्तन का संकेतक नहीं है

—दीर्घकालीन परिवर्तन

✷ विश्व का सबसे बड़ा पुष्प है **—रैफ्लेसिया**

✷ सुमेलित हैं–

पंखहीन कीट	रजत मीनाभ
उड़ानरहित पक्षी	कीवी
अपाद सरीसृप	सर्प
फुफ्फुसहीन प्राणी	मत्स्य

✷ कीवी है

—उड़न-अक्षम पक्षी जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है।

✷ सुमेलित हैं–

फल (Fruit)	अंडाशय (Ovary)
बीज (Seed)	बीजांड (Ovule)
काष्ठ (Wood)	तना (Stem)
मंड (Starch)	पत्ती (Leaf)

✷ सुमेलित हैं–

प्रकाश-संश्लेषण	हरितलवक
खनिज उद्ग्रहण	जीवद्रव्य कला
श्वसन	सूत्रकणिका
प्रोटीन-संश्लेषण	राइबोसोम

✷ वह जिसने आविष्कार किया कि पेड़-पौधों में जीवन है

—जे. सी. बोस

✷ एक बीज के अंकुरण के लिए वह तीन परिस्थितियां जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं **—पानी, उचित तापमान, ऑक्सीजन**

✷ बीज के अंकुरण के लिए आवश्यक नहीं है **—प्रकाश**

✷ सुमेलन हैं–

सिलिकॉन कार्बाइड	कृत्रिम हीरा
कार्बन तंतु	वायुयान
कार्बन डाइऑक्साइड	प्रकाश-संश्लेषण
डाईक्लोरो-डाईफ्लोरो मीथेन	प्रशीतक

✷ सुमेलित हैं–

ऊन	एक प्रोटीन
रेयान	एक तंतु
रबर	एक प्राकृतिक बहुलक
फुलरीन	कार्बन का एक अपररूप

✷ बीजों के प्रकीर्णन की सेंसर विधि पाई जाती है **—पोस्ते में**

✷ शीतभंडारों में फलों तथा साग-सब्जियों का अपघटन

—धीमा हो जाता है।

✷ रात्रि में पेड़ के नीचे सोना हानिकारक है, क्योंकि पेड़ छोड़ते हैं

—कार्बन डाइऑक्साइड

✷ ऊंट अपने कूबड़ का उपयोग करता है **—वसा के संग्रह के लिए**

✷ बकरी, गाय, हाथी एवं सुअर में से वह जानवर जो रेशे को अच्छी तरह नहीं पचा पाता **—सुअर**

- जीव-अंतःक्षेपक होता है **—वेदनारहित सुई विहीन अंतःक्षेपक**
- टमाटर के बीज रहित फल का उत्पादन संभव है— **—पुष्पों पर हॉर्मोन छिड़कने से**
- टमाटर के लाल रंग के लिए उत्तरदायी है **—लाइकोपीन**
- कैप्सेसिन, कैरोटीन, एन्थोसायनीन एवं लाइकोपीन में से वह जिसके कारण टमाटर का रंग लाल होता है **—लाइकोपीन**
- मानव पोषण के लिए टमाटर बहुल स्रोत है **—साइट्रिक अम्ल का**
- जार्विक-7 है **—कृत्रिम हृदय**
- रॉबर्ट वेबस्टर जाने जाते हैं **—इन्फ्लुएंजा वायरस की पहचान हेतु**
- जोनास सॉल्क जाने जाते हैं **—पोलियो के टीके की खोज हेतु**
- सुमेलित हैं—

अर्बर और स्मिथ	अंतःआकेंद्रन का पता लगाया
फेल्डमैन पादपों	एग्रोबैक्टीरियम (T-DNA) युक्त पारजीनी का विकास किया
मुलिस	पॉलिमरेस श्रृंखलित प्रतिक्रिया (PCR) का पता लगाया
टेमिन और बाल्टीमोर	रिवर्स ट्रांस्क्रिप्टेस का पता लगाया

- सुमेलित हैं—

ज्वरनाशी	पैरासीटेमॉल
प्रतिफेनकारक	पॉलीएमाइड्स सिलिकोन्स
सैलिसिलेट औषधि	एस्पिरिन
अस्थिक्षयरोधी	कैल्सिफेरॉल (विटामिन डी)

- सुमेलित हैं—

फ्रांसिस कोलिन्स	मानव जीनोम मानचित्रण
सर्जी ब्रिन	गूगल खोज (सर्च) इंजन
जिमी वेल्स	विकीपीडिया

- जीवाणु की खोज की **—ल्यूवेनहुक ने**
- सरसों के तेल में सामान्यतः मिलावट के लिए प्रयोग करते हैं **—पोस्ता के बीज को**
- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उपयोग किया गया था **—मस्टर्ड गैस का**
- एजेंट ऑरेंज है **—संयुक्त राज्य अमेरिकी सेना द्वारा विएतनाम युद्ध में प्रयुक्त खरपतवार-नाशक रसायन**
- 'अपरदन चक्र' परिवर्तित किया **—डेविस ने**
- फल तथा सब्जियों में मोम के घोल का उपयोग किया जाता है **—उनका भंडारण काल बढ़ाने के लिए**
- ''विएतनाम में एजेंट ऑरेंज का अंतिम आक्रमण वर्ष 1970 में हुआ था, क्षेत्रों में पुनः हरियाली छाने लगी है, पर युद्ध की समाप्ति के 19 वर्ष बाद भी यह स्पष्ट दिखाई देता है कि एजेंट ऑरेंज मानवों की हत्या कर रहा है, उनके अंग-भंग कर रहा है अर्थात वह सब कर रहा है जिसका कभी इरादा ही नहीं था। उन बादलों से हुई दृष्टि विष वर्षा मानवों के लिए विपदाओं की फसल दे रही है जिसमें कैंसर, गर्भस्राव और जन्मजात शरीर वैकल्य सम्मिलित है और यह विपत्ति क्रम अभी दशकों तक चल सकता है।'' **—निष्पत्रक के रूप में प्रयुक्त डायोक्सिन**
- जल स्रोतों में जल के भौतिक रासायनिक लक्षणों में परिवर्तन होने का कारण है **—बहिःस्रावी (Effluents)**
- जलाशयों में यूट्रोफिकेशन होता है **—नाइट्रोजीनस पोषक तत्वों एवं ओर्थोफॉस्फेट के आधिक्य के कारण**
- आक्सैनोमीटर का प्रयोग करते हैं **—वृद्धि दर नापने में**
- लातीनी अमेरिका में यूरोपीय और इंडियन मिश्रित रक्त वाले व्यक्ति को कहा जाता है **—मेस्तिजो**
- सर्व प्राचीन शैल-समूह की आयु आंकी जाती है **—यूरेनियम लेड विधि से**
- जीवाश्म, पौधे तथा चट्टानें में से कार्बन डेटिंग आयु निर्धारण हेतु प्रयुक्त होता है **—जीवाश्म**
- वृक्ष की आयु वर्षों में निर्धारित की जाती है **—इसमें वार्षिक वलयों की संख्या के आधार पर**
- संवहनी (वैस्कुलर) पौधों में पानी ऊपर जाता है **—जाइलम टिशू द्वारा**
- पेड़-पौधों में 'जाइलम' मुख्यतः जिम्मेदार है **—जल-वहन के लिए**
- ग्लूकोज, सेल्यूलोस, फ्रक्टोज तथा सुक्रोज कार्बनिक पदार्थों में से प्रकृति में सर्वाधिक प्रचुरता में पाया जाता है **—सेल्यूलोस**
- लीवर फ्लूयक पित्त वाहिनी में रहता है **—भेड़ की**
- वह जो ग्राम-पॉजिटिव एवं ग्राम-निगेटिव बैक्टीरिया के अंतर के लिए उत्तरदायी है **—कोशिका दीवार**
- बेलासंगमों (Estuaries) में एक रंजित डाइनोफ्लैजेलेट के अतिशय वृद्धि वाले सुस्पष्ट पुष्पपुंज होते हैं। ये पुष्पपुंज (Blooms) कहलाते हैं- **—लाल ज्वर**
- निम्न कथनों पर विचार कीजिए—
  1. साधारण नील-हरित शैवाल स्पाइरोगाइरा और यूलोथ्रिक्स अलवणीय जलाशयों तथा महासागरों दोनों में ही पाए जाते हैं।
  2. गिरगिट एक आंख से आगे की ओर तथा उसी समय दूसरी आंख से पीछे की ओर देख सकता है।

  इनमें से सत्य कथन हैं **—केवल 2**

✷ कवकमूलीय (माइकोराइज़ल) जैव प्रौद्योगिकी को निम्नीकृत स्थलों के पुनर्वासन में उपयोग में लाया गया है, क्योंकि कवकमूल के द्वारा पौधों में-

1. सूखे का प्रतिरोध करने एवं अवशोषण क्षेत्र बढ़ाने की क्षमता आ जाती है।

2. pH की अतिसीमाओं को सहन करने की क्षमता आ जाती है।

3. रोगग्रस्तता से प्रतिरोध की क्षमता आ जाती है

उपरोक्त में से सत्य कथन हैं

—1, 2 और 3

✷ पादपालय (Phytotron) एक सुविधा है

—नियंत्रित परिस्थितियों में पौधों को उगाने के लिए

✷ एक कीट के शरीर से निकला स्राव है **—लाख**

✷ कुछ समुद्रीय जंतु एवं कीट अंधेरे में अपने शरीर से प्रकाश उत्पन्न करते हैं। इस परिघटना को कहते हैं **—बायोल्युमिनिसेंस**

✷ 1. विषाणुओं में ऊर्जा-उत्पादन के लिए आवश्यक एंजाइम नहीं होते।

2. विषाणुओं को किसी भी संश्लेषित माध्यम में संवर्धित किया जा सकता है।

3. विषाणुओं का एक जीव से दूसरे जीव में संचारण केवल जैवकीय संवाहकों द्वारा ही होता है।

उपरोक्त कथनों में से सही है/हैं

—केवल 1

✷ 'हरित क्रांति' में अधिक उपज देने वाले उन्नत बीजों का प्रयोग हुआ, जिनके लिए आवश्यक है **—अधिक उर्वरक तथा अधिक पानी**

✷ सुमेलन है–

हरित क्रांति	खाद्यान्न
श्वेत क्रांति	दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद
पीत क्रांति	तिलहन
नीली क्रांति	मत्स्य एवं अक्वाकल्चर

✷ हरित क्रांति में प्रयुक्त मुख्य पादप (फसल) था **—मैक्सिकन गेहूं**

✷ फसल लोगिंग विधि है

—फसलोत्पादन के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता जानने के लिए पौध विश्लेषण।

✷ बीज जो प्रतिवर्ष बदला जाता है, कहलाता है **—संकर बीज**

✷ धान के खेत से निकलने वाली गैस है **—मीथेन**

✷ धान के पौध उगाने की 'डैपाग' विधि विकसित हुई थी

—फिलीपींस में

✷ भारत में विकसित प्रथम बौनी धान की किस्म थी **—जया**

✷ धान के लिए सामान्यतः प्रयोग होने वाला खरपतवार नाशक है

—2, 4- डी

✷ पौधों का वह भाग जो फूल बनने का उद्दीपन ग्रहण करता है **—पर्ण**

✷ मच्छरों के नियंत्रण हेतु प्रयोग होने वाली कीटभक्षी मछली है

—गैम्बूसिया

✷ तालाबों और कुओं में जिसे छोड़ने से मच्छरों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है **—गैम्बूसिया फिश को**

✷ ऑक्सीजन की उपस्थिति में ग्लूकोस के कार्बन डाइऑक्साइड एवं जल में ऊर्जा निर्मुक्त होने के साथ पूर्ण रूपांतरण होने को कहते हैं

—वायुश्वसन

✷ सक्रिय उपर्जित असंक्रामता परिणाम है

—एंटीबॉडीज के उत्पादन का

✷ बेरियम एक उपयुक्त रूप में रोगियों को पेट के एक्स-किरण परीक्षण के पूर्व खिलाया जाता है, क्योंकि

—बेरियम एक्स-किरणों का एक अच्छा अवशोषक है और इससे चित्र में पेट को अन्य क्षेत्रों की तुलना में स्पष्टता से दिखने में सहायता मिलती है

✷ 'कुट्टू' का आटा प्राप्त होता है **—फैगोपाइरम से**

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची-I	**सूची-II**
रदरफोर्ड	एटम बम
अल्फ्रेड नोबल	डाइनामाइट
कार्टराइट	पावरलूम
ग्राह्म बेल	टेलीफोन

✷ सही सुमेलित हैं–

सूची-I (आनुवंशिकी में उपलब्धि)	**सूची-II (वैज्ञानिक)**
जीवाणुओं में पारक्रमण और संयुग्मन की खोज	लैडरबर्ग
यौन-सहलग्न वंशागति की स्थापना	मॉर्गन
E. coli से DNA पालीमरेज का वियोजन	कोर्नबर्ग
संपूर्ण आनुवंशिक कूट की स्थापना	खुराना

✷ सही जोड़ा है–

—लाइगेसेज - आणविक सीवनकार

✷ केसर मसाला (सैफ्रन स्पाइस) बनाने के लिए पौधे का जो भाग उपयोग में लाया जाता है, वह है

—वर्तिकाग्र (स्टिग्मा)

✷ पुदीना के जिस भाग में तेल का अधिकतम प्रतिशत पाया जाता है, वह है **—पत्ती**

✷ तंबाकू एवं इसके उत्पाद की बिक्री पर पाबंदी लगाने वाला पहला देश है **—भूटान**

✷ उद्योगों में सूक्ष्मजीवों का वह प्रकार जो सर्वाधिक व्यापक रूप से उपयोग में आता है **—जीवाणु, सूक्ष्म शैवाल और कवक**